अहिंसा अपरिग्रह एव अनेकान्त दर्शन सहित

समस्त विश्व-मानव कल्याण की ओजस्विनी प्रवक्ता

वाणीभूषण भगवतीस्वरूपा परमपूज्य साध्वीश्री

प्रीतिसुधा जी म

प्रीतिसुधा जी म

तथा

भारत कोकिला स्वनामधन्य साध्वी

मधुरिमता जी म

मधुरिमता जी म

पूज्य महासतीवृन्द (आदि ठाणा - १२)

का दीर्घाभिलाषित चातुर्मास निमित्त

नागपुर शहर मे

॥ संस्कार यज्ञ ॥

सभी धर्मप्रेमी महानुभावो से विनम्र निवेदन है कि अपने परिजनो एव मित्रो सहित अपनी उपस्थिति से इस ऐतिहासिक अवसर की गरिमा बढाये

विनीत

विजय दर्डा,

अध्यक्ष

सकल जैन समाज

चातुर्मास २२ जुलाई से १७ नवम्बर ▫ दैनिक प्रवचन प्रात ८ से १० बजे,

स्थल 'आनद तीर्थ' सर्कस ग्राउण्ड यशवत स्टेडियम नागपुर

॥ ॐ ह्रं श्री अर्हं नमः ॥

समग्र जैन चातुर्मास सूची

वर्ष 2 1994 अंक 2

अ भा समग्र जैन सम्प्रदायों (श्वे मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के लगभग दस हजार सभी पूज्य जैन आचार्यो, मुनिराजों एव साध्वियॉजी म सा. के सन् 1994 वर्ष के चातुर्मास का पूर्ण एवं प्रमाणिक वृहद् सूची ग्रंथ

सप्रेरक :

उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म. सा. 'कमल'

दिशा निर्देशक :

प्रवर्तक श्री रुपचंद्रजी म. सा. 'रजत'

उप-प्रवर्तक, सलाहकार, श्री सुकनमुनिजी म. सा.

सम्पादक–संयोजक :

श्री बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

बम्बई

प्रकाशक

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

105, तिरुपति अपार्टमेंटस, आकुर्ली क्रास रोड न 1,
रेलवे स्टेशन के पास, कांदिवली (पूर्व), बम्बई–400 101
फोन 8871278

प्रकाशन वर्ष द्वितीय
सहयोग राशि लागत मूल्य 75/- प्रचारार्थ अल्प मूल्य 35/,
वि संवत् 2051 (गुजराती 2050)
वीर संवत् 2520
ईस्वी सन 1994
मुद्रक नईदुनिया प्रिन्टरी,
60/1 बाबू लाभचन्द छजलानी मार्ग
इन्दौर-452009 (म प्र)
फोन न 475655 एवं 62061 62 63 (कोड 0731)

परिषद् द्वारा प्रकाशित साहित्य 1993

1. समग्र जैन चातुर्मास सूची 1994 पृ 600 मूल्य 25/
2. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची चार्ट (भाग प्रथम) (हिन्दी आवृत्ति) नि शुल्क
3. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची चार्ट (भाग द्वितीय) (गुजराती आवृत्ति) नि शुल्क
4. बम्बई महानगर स्था जैन चातुर्मास चार्ट (गुजराती आवृत्ति) नि शुल्क
5. जैन विश्व रिकार्ड एवं पत्र पत्रिका डायरेक्ट्री पृष्ठ 120 मूल्य 20/
6. जैन एकता सन्देश (मासिक) वार्षिक शुल्क मूल्य 25/

इच्छुक महानुभाव अपनी प्रति शीघ्र मंगा लेवें।

पेज फोटो कम्पोजिंग

1. श्री राजू भाई, क्रियेटिव पेज मेटर, फोर्ट, बम्बई फोन–225784
2. मुख पृष्ठ आवरण छायाकार श्री मोगरजी आर्ट छेडा, बम्बई फोन–4139267

प्राप्ति स्थान

1. श्री बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल' (सम्पादक) प्रकाशक का पता बम्बई
2. श्री बाबूलाल जैन पोरवाल C/o जैन किराना भण्डार 70, रामगंज (जिन्सी) मेन रोड, इन्दौर-452002 (म प्र)
3. नूतन राजमणी ट्रांसपोर्ट प्रा लि तारदेव भवन, 14, कपास रोड, ... भाग बम्बई–400003 (महा) फोन–3428969—3447709 3434172
4. श्री शांतिलाल गांधी (चातुर्मास समय) महावीर भवन, इमली बाजार, इन्दौर (म प्र)
5. श्री डी टी नौसर (मंत्री) क्वालिटी गारमेंटस, गिरगांव चर्च के पास, मजेस्टिक सिनेमा के सामने, बम्बई–400004 फोन–3857755

★ विज्ञापन शुल्क की दरें ★ समग्र जैन चातुर्मास सूची 1995 ★ जैन एकता सन्देश

(सन 1995 के लिए)	आफसेट प्रिंटिंग	रुपये	रुपये (साधारण पृष्ठ)
कवर पृष्ठ चतुर्थ	(आर्ट पेपर चार रंगों में)	7500/-	2000/
कवर पृष्ठ द्वितीय-तृतीय	(आर्ट पेपर चार रंगों में)	5000/-	1500/
खंड विभाग सम्पूर्ण पृष्ठ	(रंगीन पेपर)	2500/-	—
सम्पूर्ण पृष्ठ	(साधारण पेपर)	1000/-	1000/
अर्ध पृष्ठ	(साधारण पेपर)	500/	500/
शुभकामनाएँ	(साधारण पेपर)	300/	300/-

नोट —श्वे स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची का हिन्दी एवं गुजराती आवृत्ति चार्ट एवं बम्बई महानगर स्था जैन सूची चार्ट (गुजराती आवृत्ति) उक्त सभी स्थानों से नि शुल्क प्राप्त करें। चार्ट को स्थानक भवन में अवश्य लगावें।

सादर समर्पण

श्रमण संघीय घोर तपस्वी, तपोगगन के पूर्णचन्द्र श्री सहजमुनिजी म. सा.

के पावन चरणों में सादर समर्पित

'घोर तपस्वी सहज मुनीश्वर', वर्तमान बाम्बे चौमास।
कीर्तिमान तप कायम कर्ता, लाखों-लाखों है शाबास ॥1॥
साल अठारह-ग्यारह-तेती, भाग्यवान कहलाया है।
'लेहलकलां' पंजाब प्रान्त में, जन्म आपने पाया है ॥2॥
'बाबूलाल' पिताजी प्यारे, माँ 'परमेश्वरी' प्यारी थी।
जन्म उन्हों के घर में लेकर, कीर्ति बहुत विस्तारी थी ॥3॥
'मूनक' नगर अठारह-ग्यारह, तिरपन दीक्षा धारी थी।
भारी तपो 'फकीरचन्द' गुरु-जी की सेवा स्वीकारी थी ॥4॥
शान्ति अमन अवतार आप है, तप के तो इक सागर हैं।
'श्रमण संघ' का, गुरु का, अपना, करते नाम उजागर है ॥5॥
'उगनी सौ चौसठ' 'टोहाना', इक्की की ने पहली बार।
करते गये तपस्या फिर तो, हर चौमासे धूँआँधार ॥6॥
किये 'इकत्ती' 'बासठ' 'तिरपन', 'तिरानव' 'बासठ' उपवास।
और 'सतावन' 'चौपन, चौपन', चौपन' बाद 'बहत्तर' खास ॥7॥
किये 'तिहत्तर' थे 'अम्वाला', 'दिल्ली' 'इकसौ चार' किये।
'इकसौ बारह' 'इकसौ इक्की', 'दिल्ली' अगली बार किये ॥8॥
'चौरानवे' भी 'दिल्ली' में ही, इक कम नव्वे फिर 'दिल्ली'।
चरण कमल में परम भक्ति से, रही झुकाती सिर 'दिल्ली' ॥9॥
'चौसठ' 'इकसौ नौ' फिर करके, 'इकसौ ग्यारह' का उपवास।
फिर 'इकसौ इकतीस' किये थे, 'उधना-सूरत' में सोल्लास ॥10॥
राम मुनीश्वर 'निर्भय' निश-दिन, सेवा सतत बजाते है।
गुणियों की इस जोड़ी के सब, गीत प्रीत से गाते है ॥11॥
बाबूलाल 'उज्जवल' जो इक, सेवक संघ कहाता है।
चौरानवें-चौमासा-सूची, चरणन भेंट चढ़ाता है ॥12॥
सभी सदस्य प्रकाशन परिषद, प्रेम हृदय में लिये विराट।
भेंट करें चौमासा-सूची स्वीकारो! अय तप सम्राट ॥13॥

—विनीत—

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई के सदस्यगण

समग्र जैन चातुर्मास सूची ग्रुप 1994 के प्रकाशन कार्य पर हार्दिक आभार

卐 उन सभी पूज्य आचार्यों मुनिराजो एवं साध्वीयांजी म.सा. का जिन्होंने चातुर्मास की सूचीयाँ भिजवा कर हमें हर तरह का सहयोग प्रदान किया है।

卐 उन सभी महानुभावों श्री संघों का जिन्होंने चातुर्मास की सूचियाँ, सचित्र सामग्री, सुझाव अभिमत आदि भेजकर हमें सहयोग प्रदान किया है।

卐 बम्बई, इन्दौर, दिल्ली, लुधियाना, गाजियाबाद, रतलाम, बेंगलौर, नागपुर, कोटा, मद्रास, हुबली, दुर्ग, सुरेन्द्रनगर, कच्छ, उदयपुर आदि शहरों के महानुभावों का जिन्होंने परिषद् के प्रमुख स्तम्भ, संरक्षक, आजीवन सदस्य बनने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर परिषद् की आर्थिक नींव सुदृढ़ बनाने में पूरा-पूरा हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। जिनके आर्थिक सहयोग से यह कार्य सफल हो पाया है।

卐 उन सभी दानवीर विज्ञापनदाताओं का जिनके अर्थ सहयोग से ही यह कार्य सफल हो पाया है।

卐 उन सभी पुस्तक भेंट योजना में भाग लेने वाले भेंट-कर्ताओं एवं स्थानकवासी हिन्दी एवं गुजराती वाट एवं बम्बई महानगर वाट, हिन्दी गुजराती आवृत्तियों के मान्य दाताओं का जिन्होंने हमें पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। भेंट योजना से इस वर्ष भी हमें काफी राहत मिली है।

卐 परिषद् के सभी शाखा प्रतिनिधियों का जिन्होंने हमें पूर्ण सहयोग प्रदान किया है।

卐 परिषद् के उन सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, मार्गदर्शक सलाहकारों प्रतिनिधियों एवं सहयोगी कार्यकर्ताओं का, जिन्होंने तन मन, धन का हर तरह का सहयोग परिषद् को सहर्ष प्रदान किया है, जिनके हार्दिक सहयोग से ही यह कार्य इतना सफल हो पाया है।

卐 उन सभी पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों का जिन्होंने इस कार्य के लिए हर तरह का पूरा सहयोग हमें प्रदान किया है।

卐 नईदुनिया प्रिन्टरी, इन्दौर के व्यवस्थापकों एवं जयन्त प्रिन्टरी बम्बई, क्रियेटिव पेज मेकर बम्बई आदि उनके सहयोगियों का जिन्होंने यह कठिन कार्य निरन्तर गत 15 वर्षों की भांति इस वर्ष भी अल्प समय में पूर्ण करके हमें दिया है।

卐 अतः आप सभी का हम हृदय से बहुत आभार प्रकट करते हैं एवं आशा करते हैं कि भविष्य में भी आप इस तरह का हार्दिक सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस आशा के साथ—

- अपित आभार।

–परिषद् के सभी सदस्यगण

(3) यह सूची पुस्तक समग्र जैन समाज के हर वर्ग तक पहुँचती है और फिर जब किसी समुदाय की सूची पुस्तक में प्रकाशित नहीं होती है, तो वह उस समुदाय के लिए एक चुनौती बन जाती है सभा में। ध्यान उस ओर खिंच जाता है, अतः समुदायों के पदाधिकारीगणों से यही नम्र निवेदन है कि आप अपने समुदाय के अन्तर्गत समग्र जैन समाज के लिए अपनी पूरी सूची यहाँ अवश्य भेजें ऐसा मेरा एवं सुझाव, नम्र विनती है, क्योंकि यह पुस्तक सम्पूर्ण विश्व के जैन समुदाय के हर वर्ग के लगभग 1 करोड़ महानुभावों के पास पहुँचती है।

—सम्पादक

अनुक्रमणिका

क स	विवरण / सम्प्रदाय का नाम	पृष्ठ सख्या

भाग प्रथम

भाग द्वितीय

भाग तृतीय

(1) श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ सम्प्रदाय

(2) स्वतंत्र सम्प्रदाय

(3) वृहद गुजरात सम्प्रदाय

भाग चतुर्थ

श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय

50 भारत जैन महामण्डल के अध्यक्ष एव परिषद के मंत्री श्री रमेशचन्द्रजी जैन (पी. एस फाउण्डेशन) दिल्ली की ओर से दिगम्बर समुदाय के आचार्यों मुनिराजो को सप्रेम भेंट।

50 श्री जैन विश्वभारती लाडनू (राजस्थान) के कार्यकारिणी सदस्य एव परिषद के सदस्य श्री सी. आर भंसाली बम्बई की ओर से जैन श्वेताम्बर तेरापंथी समुदाय के श्रमण-श्रमणियो को भेंट।

50 श्री प्रमोद कुमारजी हुकमीचद जी बाफना पूना (महाराष्ट्र) की ओर से श्वेताम्बर स्थानकवासी समुदाय के राजस्थान प्रात के साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

50 श्री जुगराजजी पालरेचा पूना की ओर से श्वेताम्बर स्थानकवासी समुदाय राजस्थान प्रात के साधु साध्वियो को सप्रेम भेंट।

50 अ भा श्वे स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस युवा शाखा के युवा अध्यक्ष एव परिषद के सदस्य श्री बाब भट (अशोक बाबू) बोरा अहमदनगर (महाराष्ट्र) की ओर से श्वे स्थानकवासी समुदाय के साधु साध्विया को सप्रेम भेंट।

50 भारत जैन महामण्डल के कोषाध्यक्ष एव परिषद के सलाहकार सदस्य श्री शाति प्रमादजी जैन (माण्डवी बैक) की ओर से श्वे मूर्ति समुदाय के साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

50 श्वे मूर्तिपागच्छीय आचार्य श्री विजय इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म सा के समुदायवर्ती आचार्य श्री विजय रत्नाकर सूरीश्वरजी म सा की सत्प्रेरणा से एक सद्गृहस्थ की ओर से समुदायवर्ती साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

40 श्वे मूर्ति तपागच्छीय युवक जागृति प्रेरक आचार्य श्री विजय गुण रत्न सूरीश्वरजी म सा की सत्प्रेरणा से श्री पोपटलाल डी शाह लुनावला (राजस्थान) की ओर से आचार्य श्री विजय भुवन भानु सूरीश्वरजी म के समुदाय के मुनिराजो को सप्रेम भेंट।

25 अ भा श्री सौधर्म त्रिस्तुतिक श्वेताम्बर जैन सघ के उपाध्यक्ष एव परिषद के सदस्य श्री चैतन्य कुमारजी काश्यप रतलाम (म प्र) की ओर से श्री श्वे मूर्ति त्रिस्तुतिक सघ के आचार्य श्री विजय जयन्त सेन सूरीश्वरजी म सा के समुदायवर्ती साधु साध्विया को सप्रेम भेंट।

25 श्री रतीलालजी बचरदासजी नाहर अहमदनगर (महाराष्ट्र) की ओर से श्वे स्थानकवासी जैन समुदाय के साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

25 श्री लालचदजी लखमीचदजी मचेती अहमदनगर (महाराष्ट्र) की ओर से श्वे स्थानकवासी जैन समुदाय के साधु साध्विया को सप्रेम भेंट।

25 अ भा श्वे स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस बम्बई शाखा के अध्यक्ष एव परिषद के सहमंत्री श्री कातिलालजी जैन (पी एच जैन लाटरी) बम्बई की ओर से साधु साध्विया को सप्रेम भेंट।

25 अ भा श्वे मूर्तिपूजक जैन कान्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एव परिषद के सहमंत्री श्री किशोरचन्द्रजी वर्धन बम्बई की ओर से श्री त्रिस्तुतिक सघ एव श्वे मूर्ति समुदाय के साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

25 श्री श्वे व स्था जैन श्रावक सघ (मेवाड) बम्बई के सदस्य एव परिषद के सदस्य श्री पारसमलजी सुराना (पी के टेक्स टाईल्स) की ओर से स्थानकवासी समुदाय के साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

20 श्री लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय के अध्यक्ष एव परिषद के सदस्य श्री छबीलदास भाई टी. शेठ सुरेन्द्र नगर की ओर से अपने स्वजनो को सप्रेम भेंट।

20 परिषद के सदस्य श्री जयंतीलाल रूगनाथभाई दोशी (गुजरात सेविंग्स) बम्बई की ओर से वृहद् गुजरात सम्प्रदाय के साधु-साध्विया को सप्रेम भेंट।

20 श्री श्वे तपागच्छीय श्री लब्धि सूरीजी समुदाय के आचार्य श्री विजय अशोक रत्न सूरीश्वरजी म. सा की सदप्रेरणा से श्री दीपचदजी मोहनलालजी गदक (कर्नाटक) की ओर से आचार्य श्री के समुदायवर्ती साधु साध्वियो को सप्रेम भेंट।

15 श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक सघ सवाई माधोपुर के पूर्व सघ अध्यक्ष एव परिषद के सदस्य श्री बजरग लालजी जैन सर्राफ सवाई माधोपुर (राज) की ओर से रत्नवशीय समुदाय के चातुर्मासिक स्थलो के श्री सघो एव सस्थाओ को सप्रेम भेंट।

10 श्री श्वे स्थानकवासी श्रमण सघीय घोर तपस्वी श्री सहज मुनिजी म सा की सदप्रेरणा से श्रीमति मधु जैन धर्म पत्नि श्री शातिलालजी धनपालजी जैन (पजाबी) बम्बई की ओर से साधु साध्विया को सप्रेम भेंट।

कुल योग 1837 — उपरोक्त सभी भेंट कर्ताओ को हार्दिक धन्यवाद एव आभार।

भाग-प्रथम

जीवन-परिचय एवं फोटो

श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा.

संक्षिप्त जीवन परिचय

पिताजी का नाम . श्री जीवनसिहजी बरडिया (ओसवाल जैन)

माताजी का नाम . श्रीमती तीजाबाई (महासती श्री प्रभावती जी म.सा.)

जन्म तिथि कार्तिक कृष्णा १३ धनतेरस वि. सं. १९८८ दिनांक ७-११-१९३१ शनिवार

जन्म स्थान . दयपुर (राजस्थान)

दीक्षा तिथि १ मार्च १९४१ शनिवार

दीक्षा स्थान खण्डप जिला जोधपुर (राजस्थान)

दीक्षा गुरु . उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म.सा.

दीक्षा सख्या आपके साथ माताजी महासती श्री प्रभावतीजी म.सा. एवं आपकी बहिन महासती श्री पुष्पवतीजी म.सा. भी दीक्षित।

भाषा ज्ञान . हिन्दी सस्कृत, प्राकृत, पाली, गुजराती, अंग्रजी, राजस्थानी आदि ।

विहार क्षेत्र राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तरप्रदेश आदि।

उपाचार्य पद : पूना सम्मेलन १३ मई १९८७ स्व. आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋपिजी म सा. द्वारा प्रदान।

आचार्य पद . दिनांक ७-५-१९९२ सोजत सिटी (राज.)

आचार्य पद चादर . २५० संत सती की उपास्थिती मे प्रदान दिनांक २८-३-१९९३ उदयपुर (राज.)

आचार्य सम्राट एवं. २२-४-९४ को मे दीक्षाओ के अवसर पर जैन धर्म दिवाकर . अम्बाला (हरियाणा)

साहित्य सेवा जैन आगम, अर्ध मागधी, साहित्य का गभीर परायण, कथा साहित्य की १५० पुस्तकों का सपादन, जैन धर्म का मौलिक इतिहास भाग १-४ के सपादन मे सहयोग, निबंध साहित्य, प्रवचन साहित्य, उपन्यास, चितन साहित्य, शोध प्रबंध, अभिनन्दन ग्रथो का संपादन जैन आगमों पर महत्वपूर्ण प्रस्तावनाए आदि लगभग ३०० साहित्यों की रचना। समग्र जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन्होंने सर्वाधिक साहित्यों की रचना की हो।

आपश्री लेखक के साथ ही तेजस्वी प्रवचनकार भी है। आपकी प्रवचन कला अद्भुत और आकर्षक है। विषय के तलछट तक पहुचकर श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर देता है।

आपश्री की साहित्य-सेवा को निहार कर महामहिम आचार्य सम्राट ने आपको श्रमणसंघीय साहित्य शिक्षण सचिव पद प्रदान किया था और पूना संत सम्मेलन मे १२-५-८७ को श्रमण संघ का उपाचार्य पद प्रदान किया। आचार्य सम्राट श्री आनंदऋषिजी म.के स्वर्गवास के बाद आप श्रमणसंघ के तृतीय आचार्य बने है। २८ मार्च, १९९३ को उदयपुर में आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.का २५० से अधिक सत-सती वृन्द के सानिध्य में तथा भारत के विविध अंचलों से विराट जन-समुदाय की उपस्थिती मे आपको चतुर्विध सघ की ओर से आचार्य पद की चाद्दर प्रदान की गई। श्री आतम आनन्द शताब्दि वर्ष के उपलक्ष मे अम्वाला मे २२-अप्रेल १९९४ को ११ दीक्षोत्सव के अवसर पर आपको आचार्य सम्राट एवं जैनधर्म दिवाकर पद से विभूषित भी किया गया। सम्पूर्ण जैन समाज मे आपका काफी प्रभाव है, आपकी छत्रछाया मे श्रमण संघ अपनी उन्नति की राह पर चलकर है आप विशाल संघ समुदाय के संघ नायक है। उत्तर भारत मे आपका यश प्रभाव चरम सीमा पर पहुचँ रहा है। -दिनेश मुनि

सौजन्य - तारक गुरु जैन ग्रंथालय, उदयपुर (राजस्थान)

श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सम्प्रदाय के
शासन नियता युग प्रधान गणाधिपति श्री तुलसी

पिताजी	श्री झूमर मल जी ओसवाल जैन
माताजी	श्रीमति वन्दना जी (साध्वी------)
जन्म तिथी	२०-१०-१९१४
जन्म स्थान	लाडनू जिला नागौर (राजस्थान)
दीक्षा तिथी	५-१२-१९२५ (११ वर्ष की वय में)
दीक्षा स्थान	लाडनू (राजस्थान)
दीक्षा गुरु	अष्टमाचार्य श्री कालूगणी जी
युवाचार्य पद	२२-८-१९३६ गगापुर (मेवाड)
आचार्य पद	२७-८-१९३६ गगापुर (मेवाड)
अणुव्रत प्रवर्तन	२-३-१९४९ सरदार शहर (राजस्थान)
भाषा ज्ञान	हिन्दी सस्कृत, प्राकृत पाली, अंग्रेजी गुजराती आदि
विहार क्षेत्र	राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, पजाब, बिहार, बगाल महाराष्ट्र, उडिसा बिहार आदि
अणुव्रत यात्रा प्रारंभ	१२-४-१९४९ रतनगढ (राजस्थान)
तेरापंथी शताब्दि	८-७-१९६० केलवा समारोह (मेवाड) मर्यादा महोत्सव शताब्दि ८-२-१९६५ बालोतरा (राजस्थान)
युग प्रधान पद	८-२-१९७१ बीदासर (राजस्थान)
अष्ट शताब्दि यात्रा	समारोह २३-१०-१९७० लाडनू (राजस्थान)
उत्तराधिकारी पद	प्रदान युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी को ४-२-१९७९ सुजानगढ (राज)
समण दीक्षा प्रारंभ	९-११-१९८० लाडनू (राजस्थान)
अमृत महोत्सव	२२-९-१९८५
वाक्पति (डी लिट)	राजलदेसर १९९३
इन्दिरा एकता पुरस्कार	३१-१०-९३ को भारत सरकार की ओर से इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार दिल्ली में
गणाधिपति गुरुदेव	१८-२-१९९४ सुजानगढ (राजस्थान)
उत्तराधिकारी को आचार्य पद	युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी को सघ का नया आचार्य पद प्रदान १८-२-९४ सुजानगढ (राजस्थान)
विशेष	अणुव्रत अनुशास्ता, जैन तेरापथी धर्मसघ के नवम् अधिष्ठाता, आध्यात्मिक जगत के उज्ज्वल नक्षत्र पुरुषार्थ के प्रतीक वाक्पति (डी लिट) युग प्रधान माताजी भाइ, बहिन आदि भी दीक्षित। आचार्य जी ने स्वेच्छा से आचार्य पद त्याग कर अपने उत्तराधिकारी को सघ का नया आचार्य पद प्रदान किया। सम्पूर्ण विश्व मे सुप्रसिद्ध प्रभावशाली राष्ट्रसत ५८ वर्षो का विशाल आचार्य पद काल जिसमे लगभग ८०० मुमुक्षुओ को दीक्षा प्रदान की। ७०० साधु साध्वीयो के विशाल सघ के नायक। एक ही स्थान पर एक ही दिन ३१ दीक्षाए प्रदान करने का जैन विश्व रिकार्ड।

सौजन्य - नलिनकुमार मामला (जैन टैक्सटाइल्स) कांदिवली- बम्बई

राष्ट्र संत, वात्सल्य मूर्ति सुविशाल गच्छाधिपति, आचार्य प्रवर
श्री विजय जयंत सेन सूरीश्वरजी म.सा. मधुकर

पिताजी	: श्री स्वरुपचंदजी धरु (ओसवाल जैन)	बिहार क्षेत्र	. राजस्थान मध्यप्रदेश गुजरात महाराष्ट्र कर्नाटक तमिलनाडु आन्ध्रप्रदेश उड़िसा पाण्डिचेरी बंगाल, उत्तरप्रदेश, दिल्ली आदि ।
माताजी	: श्रीमति पार्वती बहिन धरु		
जन्मतिथि	: कार्तिक कृष्ण 13 वि. सं. 1993		
जन्म भूमि	: पेपराल ग्राम (थराद-गुजरात)		
दीक्षा तिथि	: माघ कृष्ण 4 वि.सं 2010	भाषा ज्ञान	. हिन्दी, गुजराती, राजस्थानी, संस्कृत, प्राकृत, अग्रेजी आदि ।
दीक्षा भूमि	: सियाणा (राजस्थान)		
उपाचार्य पद	: कार्तिक शुक्ला 15 वि. सं. 2017 मोहनखेड़ा तीर्थ ।	प्रेरक कार्य	अनेको तीर्थों का उद्धार अनेक छः पारित तीर्थ सघ यात्राऐ, अभिधान राजेंद्र कोष का पुन प्रकाशन कार्य, राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् की स्थापना ।
आचार्य पद	: माध शुक्ला 13 वि सं 2040 भाण्डवपुर तीर्थ दिनाक 15-2-1984		

विशेष : राष्ट्र संत, लेखक, कवि, वात्सल्य मूर्ति, विद्वता पर पूर्ण अधिकार सुविशाल गच्छाधिपति, सम्पूर्ण भारत के प्रभावशाली आचार्य रत्न सत, सयम के सभी गुणों का भण्डार सरल हृदय मधुर भाषी, ओजस्वी वक्ता आदि । दिल्ली से मद्रास एव कलकत्ता से गुजरात तक सम्पूर्ण भारत मे लगभग 1 लाख कि.मी का पाद विहार पूर्ण किया भारत के वर्तमान राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयालजी शर्मा के द्वारा राष्ट्र संत की पदवी प्राप्त । सम्पूर्ण भारत मे आपका प्रभाव काफी है। श्री सौधर्म वृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक गच्छ के सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर है । आप अनेको तीर्थों का उद्धार कर चुके है। आपके प्रवचन की छटा ही निराली है । कोई भी श्रद्धालु अगर एक बार आपके सम्पर्क मे आ जाता है तो उस पर आपके प्रभाव की ऐसी छाप पड़ती है कि वह हमेशा हमेशा के लिए आपका परम भक्त वन जाता है । आपका-इस वर्ष का चातुर्मास मद्रास शहर (तमिलनाडु) मे है ।

सभी साधु-साध्वियां शाकाहार-जीवदया के प्रचार प्रसार में जुट जाये

लब्धि विक्रम गुरुकृपा प्राप्त-प्रखर प्रवचनकार
आचार्य श्री राजयश सूरीश्वरजी म सा

श्रमण महावीर का विशाल श्रमण परपराम प्रात स्मरणीय सतमनीपी सूरिदेव पूज्यपाद श्री लब्धिसूरीश्वर जी म सा एक ददीप्यमान नक्षत्र थे। स्व पर कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हुए अनेक आत्माओ का उध्धार किया और उनके पदचिन्हो पर गभीर, लक्ष्मण, भुवन तिलक, जयत विक्रम नवीन आदि अनेक आचार्यो ने श्रमण पथको सुवासित किया दर्शन ज्ञान-चारित्र को ज्योतिमय बनाया। इसी उज्जल श्रृखलाम तीर्थ प्रभावक पूज्य आचार्यदेव श्री विक्रमसूरीश्वरजी म सा के शिष्यरत्न लब्ध प्रतिष्ठ आध्यात्मिक सत, प्रकाड विव्दान्, प्रखर व्याख्यानी पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय राजयशसूरीश्वरजी म सा सर्व मगल मागल्यम् से ओतप्रोत है, 'धर्म-लाभ' देते जन जन का यश ज्योतिर्मय बनाने समर्पित है।

ऐसे विद्वत् पूज्यपाद आचार्यदेव के वर्षावास का योग इस वर्ष नागपुर को मिला। यह सुखद सयोग है कि आध्यात्मिक सत पुरुषका सात पूज्य मुनि भगवतो एव ३२ साध्वी रत्नाके साथ वर्षावास हेतु नागपुर पदार्पण इस विशाल नगरी की धन्यता मे अभिवृद्धि का कारण बन गया है। अनेकविध अनुष्ठानो के साथ ही तप-जप-प्रभुभक्ति पूजा, अर्चना द्वारा आराधना का स्वर्णिम अवसर मिला है। इस अवसर की प्राप्ति का कारण बना है। हो रहा है। श्री उवसग्गहर पार्श्व तीर्थ का और जनाकाक्षा के अनुरूप पूज्यश्रीने तीर्थ की प्रतिष्ठा ८ फरवरी १९९८ को करने का शुभ मुहूर्त प्रदान किया। सर्वत्र प्रसन्नता की लहर फैल गई जन जन की उस प्रसन्नता को सम्मानित करते हुए आचार्य श्री ने गुजरात से विहार किया। भरुच से नागपुर तक के ९०० कि मी के भूभाग पर जन समुदाय को आत्मकल्याण का मार्ग बताते, धर्म प्रभावना करते आज नागपुर मे चातुर्मास आराधनार्थे पधार गये है। उल्लेखनीय है कि पूज्यश्रीने १९७०-७१ वर्ष मे अपने अग्रज गुरुभगवतो एव सैकडो श्रावक - श्राविकाओ के साथ सिकन्द्राबाद से सम्मेत शिखर तीर्थ के लिए आयोजित छे रि पालित सघ मे नागपुर की स्पर्शना की थी। यह भी सयोग है कि पूज्यश्री एक बार तीर्थ यात्रार्थे नागपुर पधारे और दुसरी बार तीर्थ स्थापना के लिए पधार रहे है।

आप श्री की निश्रामे आनेवाला वर्षाकाल तमस कालिमा को विदीर्ण कर, जन जन का पथ ज्योतिर्मय बनाएगा और मूल मे मीठी ममताका पवित्र वास होगा। विश्व मे जैनम् जयति शासनम् का नाद गुजित बने।

नागपुर इतवारी जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक सघ मे पूज्यश्री आदि ३९ साधु-साध्वीजी भगवतो बिराजमान है।

पूज्य श्री के चितापूर्ण मार्गदर्शन मे तीर्थोध्धारित हो रहा श्री उवसग्गहर पार्श्व तीर्थ नगपुरा (दुर्ग म प्र) की प्रतिष्ठा महाप्रज्ञ आचार्य श्री राजयशसूरीश्वर जी म सा के मार्गदर्शन मे श्री उवसग्गहर पार्श्व तीर्थ, श्री कुल्पाक तीर्थ एव देवाधिदेव श्री पार्श्व प्रभुजी जन्मस्थल बनारस, जमालपुर, अहमदाबाद आदि स्थलो पर जीर्णोद्वार हो रहा है। देशभर की गहरी आस्था तीर्थोद्वार

श्री जैन श्वे मूर्तिपूजक तपागच्छ सघ
जैन मदिर-उपाश्रय, गुलाबसाव गली, इतवारी नागपुर - ४४० ००२ (महाराष्ट्र)

सौजन्य -

(१) श्री उपस्सगहर पार्श्व तीर्थ
नगपुरा दुर्ग (मध्यप्रदेश)
जि दुर्ग
दुरभाप - (एस टी डी ०७८८) ३२३२८५

(२) श्री जैन श्वे मूर्तिपूजक तपागच्छ सघ
गुलाबसाव गली
इतवारी , नागपुर (महाराष्ट्र)
दुरभाप -४३६०८ (एस टी डी ०७१२)

श्वे. तेरापंथ संघ के दशवे - वर्तमान आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी

पिताजी	श्री तोलारामजी चौरडिया, ओसवाल जैन
माताजी	श्रीमती बालूजी
जन्म तिथी	. १४-६-१९२०
जन्म स्थान	. टमकोर (तहसील झुझुनु) (राजस्थान)
दीक्षा तिथी	२९-१-१९३१
दीक्षा गुरु	तेरापथ सघ के अष्ठम् आचार्य श्री कालूगणी जी
शिक्षा गुरु	तेरापथ सघ के नवम् आचार्य श्री तुलसीजी
भाषा ज्ञान	हिन्दी, अग्रेजी, सस्कृत, प्राकृत, गुजराती, राजस्थान आदि
दीक्षित नाम	मुनि श्री नथमलजी
अग्रगण्य पद	जौलाई - १९४४
निकाय सचिव	२६-६-१९६६
महाप्रज्ञ अलकरण	. १२-११-१९७८ मुनि से महाप्रज्ञ गगा शहर (राज)
युवाचार्य पद	४-२-१९७९ राजलदेसर (राजस्थान)
युवाचार्यपद प्रदाता	आचार्य श्री तुलसी
आचार्य पद	१८-२-१९९४ सुजानगढ (राजस्थान) श्वे. तेरापथ का दशवा आचार्य पद प्रदान
आचार्य पद	प्रदाता आचार्य श्री तुलसी
विशेष	श्वे. तेरापथ सघ के नवम् आचार्य श्री तुलसी के उत्तराधिकारी एव सघ के दशम् आचार्य, सुप्रसिद्ध लेखक, साहित्यकार, आगमज्ञ, आशुकवि, जैन धर्म,कलादर्शन संस्कृति योग कथा आदि की १५० के आसपास साहित्य की रचना कर चुके है।

सौजन्य : सी आर बी ग्रुप (भसाली ग्रुप) वम्वई

गणिवर्य श्री मणिप्रभ सागरजी म.सा.
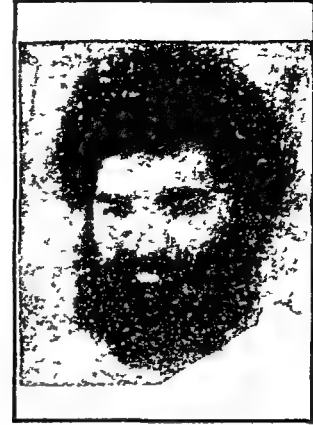
- वि स २०१६ फाल्गुन शुल्क १४ ता १२ ३.६० को मोकलसर (जि वाडमेर- राज.) मे जन्म।
- माता श्रीमती रोहिणी देवी, पिता लुकड़ गौत्रीय श्री पारसमलजी के घर का कुल दीपक वना।
- विशक्ति-भावो मे डूबकर अपना अवगाहन किया और उसी लक्ष्य के प्रति प्रतिवद्ध होकर पूज्य गुरुदेव, प्रज्ञापुरुप, आचार्य प्रवर श्री जिन कातिसागर सूरीश्वरजी म सा. का शिष्यत्व धारण कर 'मीठालाल' से 'मणिप्रभसागर' वने।
- माता श्रीमती रोहिणी देवी (साध्वीश्री रतनमाला श्रीजी म सा वहिन कु विमलाकुमारी (साध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्रीजी म सा एम ए) के साथ वि स २०३० आषाढ़ वद ७ ता २३ ६ ७३ को सयम ग्रहण किया।
- व्यक्तित्व का मूल्याकन- पादरु नगर मे ता २४ ६ १९८८ को गणि पद से विभूषित।
- सवेदनशील कवि की अभिव्यक्ति-ऋपिदत्ता रास, मलयसुदरी रास, चितन चक्र, वज उठी वासुरी, वदना आदि काव्य ग्रथो-भक्ति गीतो का सृजन।
- विचरण मे सहयोगी गुरु वधु मुनिराज श्री मुक्ति प्रभ सागरजी म सा
- शिष्य-श्री मनीषप्रभ सागरजी म सा एव श्री मयक प्रभसागरजी म सा
- अनेको प्रतिष्ठाएँ, अजन शलाका, उपधान, सघ, दीक्षा आदि महोत्सवो के नियादाता।

विशेषः—आप खरतर गच्छ के प्रसिद्ध युवा सत रत्न है। आपका प्रभाव न केवल खरहरगच्छ समुदाय मे, वल्कि सम्पूर्ण जैन समाज मे व्याप्त है। आपकी प्रवचन शैली वहुत गजव की है। आपके प्रवचनो मे हजारो की जनमेदनी उपस्थित होती है।

रत्न वशीय अष्टम् पट्टधर आचार्य प्रवर
श्री हीरा चद्र जी म सा

पिताजी - श्री मोतीलाल जी गाधी ओसवाल जैन
माताजी - श्रीमति मोहनी देवी गाधी
जन्मतिथी - चैत्र कृष्ण ८ वि स १९९५
जन्म स्थान - पिपाड सिटी (राजस्थान)
दीक्षा तिथी - कार्तिक शुक्ला ६ वि स २०२०
(गुरुदेव के आचार्य श्री के पिपाड चातुर्मास मे)
दीक्षा दाता - रत्न वशीय सप्तम् पट्टधर आचार्य
श्री हस्ती मल जी म सा
दीक्षा गुरु - आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा
आचार्य पद घोषित - वैशाख (प्रथम) शुक्ला ९ वि स २०४८
दिनाक २२-४-९१ निमाज (राजस्थान)
आचार्य पद चादर प्रदान - जैष्ठ वदी ५ वि स २०४८ रविवार
दिनाक २-६-९१
चादर प्रदान स्थान - जोधपुर (सूर्य नगरी) (राजस्थान)
अध्ययन - सभी आगमो का गहन अध्ययन चितन
पूर्ण ज्ञान पूज्य गुरुदेव द्वारा निष्णात बने
विहार क्षेत्र - राजस्थान मध्यप्रदेश गुजरात, मध्यप्रदेश,
कर्नाटक आन्ध्र प्रदेश, तामिलनाडु,
दिल्ली उ प्र हरियाणा आदि प्रात
भाषा ज्ञान - हिन्दी सस्कृत प्राकृत पाली अग्रेजी, गुजराती
आचार्य काल - म सर्वाधिक दीक्षाए आचार्य पद ग्रहण
करने के पश्चात् सर्व प्रथम बार
२१-१-९८ को सवाई माधोपुर मे
७ दीक्षाऐ एक साथ प्रदान की
विशेषताए - ओजस्वी एव प्रखर वक्ता, मिलनसार,
रत्नवश के अष्टम् पट्टधर सघ नायक
समयोचित वक्ता आगम वारिधि सौम्य
स्वभाव, जिन शासन दृढ रसिक व सयम
के सजग प्रहरी, गुरु चरणो में २७ वर्षो तक
समर्पित व्यक्तित्व के धनी प्रसन्न मुद्रा
अखण्ड बाल ब्रह्मचारी, प्रशान्त मूर्ति
मधुकर म धर्म नव चेतना प्रेरक आदि
सौजन्य - इन्दरचद हीरावत बम्बई

रत्न वंशीय उपाध्याय पं रत्न
श्री मानचंद्र जी म सा

पिताजी - श्री अचलचद जी सेठिया
(ओसवाल जैन)
माताजी - श्रीमति छोटा बाई सेठिया
जन्मतिथी - माघ कृष्ण ४ वि स १९९१
जन्म स्थान - जोधपुर (सूर्यनगरी) (राजस्थान)
दीक्षा तिथी - वैशाख शुक्ला १३ वि स २०२०
दीक्षा स्थल - रत्नवशीय राजधानी जोधपुर(राजस्थान)
दीक्षा प्रदाता - रत्नवशीय सप्तम् पट्टधर आचार्य
श्री हस्ती मलजी म सा
दीक्षा नेश्राय - प रत्न श्री बडे लक्ष्मीचदजी म सा
उपाध्याय पद - वैशाख (प्रथम) शुक्ला ९ वि स २०४८
दिनाक २२-४-९१
उपाध्याय पद स्थान - निमाज (राजस्थान)
अध्ययन - आगमों का गहन अध्ययन,
प रत्न तत्ववेत्ता,
भाषा ज्ञान - हिन्दी, सस्कृत, प्राकृत, पाली,
अग्रेजी, गुजराती आदि
विहार क्षेत्र - राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश,
दिल्ली, उत्तर प्रदेश आदि
विशेषताऐं - रत्नवश के जैष्ठ एव वरिष्ठ सत रत्न
महान वैरागी, आत्मार्थी, रत्न वश
के प्रथम उपाध्याय, निराभिमानी,
वैराग्य मूर्ति, मधुर व्याख्यानी,
शात व सरल स्वभावी,
महान सेवामूर्ति, प्रसन्न मुखमुद्रा,
कठोर सयमी आदि

सौजन्य - श्री मोफतराज मुणोत बम्बई

उत्कृष्ट आहार - शाकाहार
रोगमुक्त आहार - शाकाहार
मानवीय आहार - शाकाहार
सात्विक आहार - शाकाहार
वैज्ञानिक आहार - शाकाहार

आचार्य श्री विजय यशोरत्न सूरीश्वरजी म. सा.

जन्म नाम : श्री नविन कुमार

जन्म स्थान : भावनगर (सौराष्ट्र)

पिताजी : श्री चतुर्भुज भाई सेठ

दीक्षा तिथि : वैशाख सुदी 9 वि सं 2019 महुवा तीर्थ

गुरुदेव : आचार्य श्री विजय भुवनरत्न सूरीश्वरजी

सम्प्रदाय : श्वे मूर्तिपूजक केशरसूरी जी म. का समुदाय

विचरण क्षेत्र : गुजरात, महाराष्ट्र, बगाल, उडिसा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान आदि।

भाषा ज्ञान : हिन्दी, गुजराती, मारवाड़ी, सस्कृत, प्राकृत, अग्रेजी आदि।

विशेष : सौराष्ट्र केशरी, शासन प्रभावक, प्रखर व्याख्याता आचार्य देव श्री विजय भुवन रत्न सूरीश्वरजी म सा के पट्टधर पूज्यश्री ने 15 वर्ष की लघु वय मे महुवा तीर्थ मे संयम ग्रहण किया। गुरु सेवा की गजब लगन और मीठी माधूरी वाणी—यह आप श्री की विशिष्ठता है। मोहक प्रभावक व्यक्तित्व और अनूठी रसाल वाणी के स्वामी आचार्य श्री जहाँ भी विचरते है, वहाँ तुरंत ही लोक हृदय मे अपना स्थान जमा लेते है। समाज के मध्यमवर्ग के साधर्मिको का उद्धार और सहायता यह आप श्री का प्रिय विषय है। और अपने परोपकारी गुरुवर्य की प्रेरणा से स्थापित मुक्तिधाम विद्यापीठ थलतेज - अमदाबाद का विकास यही आपका मुख्य लक्ष्य है। राजकीय व्यक्तियो से लेकर समाज के सभी विशिष्ठ वर्ग मे अपना चाहक वर्ग और अनूठी आस्था के स्थानक स्वरूप पूज्य आचार्य श्री दीर्धायु बनकर आत्मोन्नति के साथ ही समाज स्तभ बने यही शासन-देव से विनम्र प्रार्थना।

—गणि राजयश विजय

सौजन्य—श्री मुक्तिधाम जैन विद्यापीठ थलतेज, गाँधी नगर हाईवे रोड़ अहमदाबाद-380 005

विश्वसंत अर्हंत संघ संस्थापक जैनाचार्य श्री सुशीलकुमारजी म. सा.

जन्म स्थान : शिकोहपुर (सुशीलगढ) हरियाणा

पिताजी : श्री सुनहरासिंहजी

मातेश्वरी : श्रीमती भारतीदेवी

जाति व धर्म : ब्राह्मण (हिन्दू धर्म)

जन्म दिनाक : 15 जून सन् 1926

जन्म नाम : सरदार

दीक्षा दिनाक : 20 अप्रेल सन 1942

दीक्षा स्थल : जगराव (हरियाणा)

गुरुदेव : पूज्य श्री छोटेलालजी महाराज

विदेश यात्रा : 17 जून सन् 1975

स्वर्गवास : 22 अप्रैल 1994

भाषा ज्ञान : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, आदि अनेक विदेशी भाषाएँ

उपाधियाँ : शास्त्री, प्रभाकर, साहित्यरत्न, आचार्य विद्यालंकार, वक्ता व लेखक, विश्व संत आदि।

संस्थापक एवं प्रेरक : विश्वअहिसा सघ (रजि.), - इन्टरनेशनल जैन मिशन लंदन, अमेरिका, कनाडा आदि देशो मे स्थापित (रजि) आचार्य मुनि सुशील फाउन्डेशन (रजि.) विश्वधर्म संगम।

उद्देश्य : जैन धर्म का विश्व व्यापी प्रचार, अध्यात्म, अहिंसा, शाकाहार, पर्यावरण, विश्वशांति एवं मानव उत्थान, अहर्म योग, विश्व जैन रंग चिकित्सा एव योग के माध्यम से विभिन्न असाध्य रोगो का उपचार, सर्व धर्म समभाव एवं मानव कल्याण, जीव हिंसा का विरोध आदि।

सौजन्य—विश्व अहिंसा संघ, दिल्ली

ज्ञान गच्छाधिपति तपस्वीराज श्री चंपालाल जी म सा.

आज के इस भौतिकवाद के युग मे जिनवाणी का झरना हम सभी तक पहुचाने वाले भगवान महावीर के उपदेशो की त्याग वैराग्य से सरोवार झडिया लगानेवाले तप, त्याग की महान मूर्ति कहलानेवाले सघ नायक तपस्वी राज ज्ञान गच्छाधिपति श्री चपालाल जी म सा का जन्म राजस्थान प्रान्त के अजमर जिले के मसूदा शहर मे फाल्गुन शुदी १ वि स १९७० को छाजेड आसवाल जेन कुल मे पिताश्री किशनलाल जी छाजेड एव धर्म परायण माता श्री पानी बाई की रत्न कुक्षी से हुआ। द्वितीया के चन्द्रमा की तरह आप वृद्धि का प्राप्त होने लगे । ज्योंहि योवनावस्था को प्राप्त हुऐ कि पिताजा ने आपका सवध एक सुशील कन्या से कर दिया परन्तु आपका तो ससार के प्रपचो मे पडना ही नहीं था इस महापुरुष ने सासारिक सबध को ठुकराकर सच्चे वीतराग धर्म के प्रति अपना सबध जोडकर सयम को धारण करन का दृढ निश्चय कर लिया। और पूज्य श्री रत्न चन्द्रजी म सा एव पूज्य श्री समर्थ मलजी म सा के चरणो मे पहुच गये। सम्यक प्रकार से मुनिचर्या की जानकारी प्राप्त कर अल्प समय म आगमानुसार ज्ञान अजित कर सिह के समान सयम लेकर उत्कृष्ठ भावना म खींचन (राजस्थान) म फाल्गुन वदी २ वि स १९९१ को २१ वर्ष की भर योवनवस्था म भागवती दीक्षा अगाकार की। आप तपस्या करने म प्रसिद्ध है किसी को ज्ञात ही नही हान दते कि आप तपस्या करते है विगत कई वर्षो से एकातर तप की तपस्या करत आ रह है। उपवास एव पारन के दिन भी आप उग्र विहार करते रहते है। उपवास, बेला तेला करना आपकी दिनचर्या बन गयी है। इस कारण सम्पूर्ण जैन समाज मे आप तपस्वी राज के नाम से ख्याति प्राप्त है। सिह की तरह आप सयम म कठोर है, सयम जीवन म थोडी सी भी कमी को आप आने नहीं देते। इतने बडे सघ नायक होने के पश्चात् भी आप म तनिक भी अभिमान मान आदि दिखायी नहीं देता अपने छोटे सतो के साथ एक ही पाट पर ऐसे दिखायी देते है माना आप सघ नायक नहीं एक साधारण सत हो। आप चाहे शरीर काया मे दुबले पतले है परन्तु आप सयम मे इतने कठोर रख अपनाते है कि शायद ही सम्पूर्ण भारत मे अन्य किसी समुदाय म हो। आपके समुदाय मे सभी आज्ञानुवर्ती सत सतिया भी शुद्ध सयम पालनकर्ता है। आगम शास्त्र का सभी को अच्छा ज्ञान है दीक्षा आदि म कोई आडम्बर आदि दिखाई नही देता है। यही कारण है कि अन्य समुदायो की अनेक भव्य आत्माऐ आपके समुदाय मे आकर दीक्षा ग्रहण करते है। आपकी वैराग्य वाणी का इतना गहरा असर होता है कि अनेक भव्य आत्माओ का वैराग्य भाव उत्पन्न हो जाता है इस कारण आप श्रमण निर्माता भी कहलाते है। वतमान म जहा सर्वत्र चारो ओर आडबर ओर शिथिलाचार का फैलाव दिखाइ देता है वहा पर ज्ञानगच्छ आपकी नेश्राय म आज भी भगवान की विशुद्ध परपरा को अक्षुण्ण बनाये हुऐ है। आज वयोवृद्ध अवस्था मे भी आपकी वाणी मे वहीं ओज, वहा त्याग, वहीं जोश, एव वैराग्य का स्रोत बहता रहता है।

सौजन्य - जशवतभाई शाह (बायोकेम फार्मासिट्यूकल्स) बम्बई

महाराज बड़े या महाराजा

महाराज (जैन मुनि) वे होते है जिनके चरणो मे महाराजा (पुराने जमाने के चक्रवर्ती-राजा महाराजा) भी अपना शीश झुकाते है परन्तु महाराजा के चरणो मे कभी महाराज अपना शीश नही झुकाते है फिर आप ही बतलाईये कि महाराज बड़े या महाराजा

अचल गच्छाधिपति स्व. आचार्य
श्री गुण सागर सूरीश्वर जी म.सा.

अचलगच्छ शिरोमणि आचार्य
श्री कलाप्रभ सागर सूरीश्वर जी म.सा.

अचल गच्छ शिरोमणि आचार्य श्री कलाप्रभ सागर सूरीश्वर जी म.सा.
संक्षिप्त जीवन परिचय

पिताजी	- श्री रतनशी भाई टोकरसी भाई सावला
माताजी	- श्रीमति प्रेम कवर बहिन सावला
जन्मतिथी	- मार्गशीर्ष कृष्ण २ वि.स. २००९
जन्म स्थान	- श्री नवा वास-कच्छ (दुर्गापुर)
ससारी नाम	- श्री किशोर कुमार सावला
दीक्षा तिथी	- कार्तिक वदी १३ वि.स २०२६
दीक्षा स्थल	- भजपुर-कच्छ (गुजरात)
दीक्षा गुरु	- अचल गच्छाधिपति आचार्य श्री गुण सागर सूरीश्वरजी म.सा.
बडी दीक्षा	- पोष वदी १ वि.स २०२६ नाना आसविया
गणिपद	- कार्तिक वदी ११ वि.स. २०४० वडाला -बम्बई
साहित्य दिवाकर पद	- मगसर शुक्ला १ वि.स. २०४१ सम्मेत शिखरजी तीर्थ
उपाध्याय पद	- पोष वदी १३ वि स २०४४ बाडमेर
आचार्य पद	- माघ वदी १२ वि स २०४४ दताणी तीर्थ
शिष्य प्रशिष्य परिवार	- ११ साधु-भगवत
बिहार क्षैत्र	- कच्छ-गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश आदि
भापा ज्ञान	- कच्छी गुजराती, राजस्थानी, सस्कृत, प्राकृत, अग्रेजी, मराठी आदि
साहित्य सपादन	- लेखन, सशोधन आदि १०० से अधिक
दक्षिण दीप पदवी	१९९३ हैदराबाद
अचलगच्छ शिरोमणी	१०-७-९४ कादिवली-बम्बई
विशेप -	सयम साधना से २५ वर्प का सोपान, अद्भुत गुरु कृपा के धनी, अहिसा पथ के प्रदीप सरलता, सादगी सयम के प्रतीक, पुरुपार्थ की भव्य प्रेरणा मूर्ति, अचल गच्छाधिपति स्व श्री गुणसागर सूरीश्वर जी म सा. के अनन्य प्रधान शिष्य रत्न सम्पूर्ण जैन समाज मे सुप्रसिद्ध जैनाचार्य

जीवदया अहिंसा प्रेमी - अहिसा और जीवदया के कार्य हेतु १९९२ मे बम्बई मे विशाल अहिसा रेली १९९३ मे हैदराबाद मे विशाल अहिसा सम्मेलन एव १९९४ मे बम्बई मे भी विशाल अहिसा जीवदया सम्मेलन का भव्य आयोजन आपके सानिध्य मे हुआ जिसमे देश विदेश के कई जीवदया प्रेमी राजनेता एव विशिप्ट कार्यकर्ता वडी अच्छी सख्या मे पधारे। आपका प्रभाव सम्पूर्ण जैन समाज में व्याप्त है।

सोजन्य :- श्री अचल गच्छ जैन संघ - कांदिवली - बम्बइ

जब भी एक दूसरे से मिले-
जय जिनेन्द्र ही कहे

वर्तमान गणनायक आचार्य श्री विजय देव सूरीश्वर जी म.सा

पिताजी - कस्तूरचन्दजी जैन (दिगम्बर जैन)

माताजी - श्रीमति सुन्दर बहिन

जन्मतिथी आषाढ वदी ८ वि स १०६८

जन्मभूमि महुआ [illegible] जिला जयपुर (राजस्थान)

दीक्षा तिथी माघ [illegible] ३ वि स १९८७

दीक्षा भूमि [illegible] (राजस्थान)

दीक्षा गुरु [illegible] अमृत[illegible] म सा

[illegible] [illegible] म सा

गणि पद वि स २००७ सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

पन्यास पद अहमदाबाद (गुजरात)

उपाध्याय पद वि स २०१० भावनगर

[illegible] (गुजरात)

आगम ज्ञान प्रदाता [illegible] श्री [illegible] म सा

हिन्दी गुजराती, संस्कृत प्राकृत भाषा [illegible] आदि

राजस्थान गुजरात महाराष्ट्र [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] आदि अनेक [illegible]

- लगभग ६० हजार कि मी

- [illegible] १९९४ म शासन सम्राट श्री नेमी [illegible] म सा के समुदाय के प्रमुख [illegible] नायक के पद पर सुशोभित हुए है। [illegible] सरलता, [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] शुभ [illegible] [illegible] [illegible] सहिष्णुता का [illegible] [illegible] [illegible] म सतत् प्रयत्नशील [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आदि

शासन प्रभावक प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शन लाल जी म.सा.

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के रोहतक नगर म पिता श्री चन्दगीरामजी एव माता श्रीमति सुन्दरी दवी जी के यहा सन् १९२३ को हुआ। आपने व्याख्यान वाचस्पति श्री मदन लाल जी म सा क पास सन् १९४२ म सगरुर शहर मे भागवती दीक्षा ग्रहण की है। गुरु क पास रहकर आपने सभी आगम शास्त्रो का बहुत ही गहन अभ्यास किया। आपके भ्राता श्री जम्बूलालजी म सा भी जैन समाज क महान साधक हुए है।

उनके पद चिन्हो पर चलकर आप भी महान आराधक बन है। आपक गौरव गुरु व्याख्यान वाचस्पति श्री सुदर्शन लाल जी म की भी सम्पूर्ण जैन समाज म एक निराली शान थी जो वर्तमान म भी प्रसिद्ध है। उनका सन् १९६३ मे महाप्रयाण होन के पश्चात् आप को सघ का गण नायक मनोनित किया गया जो विगत ३१ वर्षो स इस पद पर सुशोभित है। ओजस्वी वक्ता सेठ श्री प्रकाश मुनि जी म सा (प्रथम) आपक गुरु भ्राता है एव विद्वान श्री रामप्रसाद जी म सा सुप्रसिद्ध कवि है। आपक सम्प्रदाय म कुल २८ मुनिराज विद्यमान है और समुदाय म न तो कोई साध्वीयाँ विद्यमान है और न किसी को दीक्षा प्रदान करत है। सभी सत मुनिराज बाल ब्रह्मचारी है। आप शुद्ध सयमी, कुशल प्रभावी प्रवचनकार शासन शिरोमणि एव त्याग तप सयम नियम की एक मिशाल है। आपकी ओजस्वी मीठी वाणी प्रवचन म धूम मचा देती है श्रोता गण मत्र मुग्ध होकर हिलने का नाम नही लत है। आप सामायिक-स्वाध्याय पर विशेष ध्यान दत रहे है आपकी प्रवचन सभा म अधिकाश ९०% श्रावक श्राविका सामायिक परिवेश म ही बैठत है। नवयुवको म धर्म क प्रति नव चेतना उत्पन्न करने बाबत आप हमेशा युवको को प्रेरणा देते रहते है। आपक समुदाय म कुछ वर्ष पूर्व पानीपत शहर में महान सथारा साधक श्री बद्री प्रसादजी म सा ने ७८ दिन का ऐतिहासिक सथारा पूर्ण किया था। उत्तर भारत प्रान्त म आपका काफी प्रभाव बना हुआ है। एक बार अगर कोई आपक सम्पर्क म आ जाता है तो उसक मन मानसपर इतना अत्यधिक प्रभाव पडता है कि वह हमेशा क लिए आपका हो जाता है। सादा जीवन उच्च सयम विचार क आप प्रभावशाली शासन शिरोमणी सन्त रत्न है।

संत-तीर्थ यात्रा दर्शनाथर जाने वाले भाई वहिन कम से कम रात्री भोजन तो नहीं करे, भोजन करने से पूर्व पाच नवकार मत्र अवश्य गिने, झठा बिलकुल भी नही छोड़े

आचार्य श्री विजय नयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा.

शासनसम्राट आचार्य देव श्री विजय नेमिसूरीश्वर जी म सा. के समुदाय के शासनदीपक आचार्य देव श्री विजय नयप्रभ सूरीश्वरजी म सा ने १११५ मे अहमदाबाद मे जन्म लिया ।

पिता का नाम - श्री साराभाई मगनलाल

माता का नाम - श्री शारदाबेन

माता-पिता की अनुमति से १२ वर्षकी छोटी उम्र मे शासन प्रभावक आचार्य देव श्री विजय मोतीप्रभ सूरीश्वरजी म सा के पास वि सं २००७ मे सयम अगीकार किया ३५ साल तक गुजरात-सौराष्ट्र-कच्छ की धन्यधरा पर विचरण किया एवं अनेक लोगो को उपदेश देते धर्म मे श्रद्धान्वित किया ।

अपने गुरु महाराज के पास ज्ञान-ध्यान तप-जप मे लीन बनकर योग्यता प्राप्त होने पर वि सं २०३५ मे भावनगर गुजरातमे आचार्य पद प्राप्त किया । आचार्य श्री जी ने १९८७ मे गुजगत से विहार करके राजस्थान - हरियाणा यु पी बिहार- वेस्ट बगाल-आध्र प्रदेश- तामिलनाडु- कर्नाटक पाडीचेरी-केरला आदि राज्यो मे बिकट विहार करते हुए वीस हजार के मी का परिभ्रमण किया । इस विचरण के दरम्यान अनेक विध शासन प्रभावक कार्य कराये । गतसाल चातुर्मास कोचीन (केरला) मे शानदार ढग से ऐतिहासिक पूर्ण किया उसके बाद 'एलप्पी' मे नूतन शिखरयुक्त जिनालय की शानदार प्रतिष्ठा करायी । उसके बाद मद्रास के पास ॥ तिरुकलीकुन्ड्रम (पक्षीतीर्थ) मे शानदार अजनशलाका - प्रतिष्ठा महोत्सव कराया गया तत्पश्चात तिरुकलीकुन्ड्रम से विहार करके चिगलयेट-काचीपुरम - आरकाट - पेल्लुर - अबुर - तिरुयातुर हो कर गाधीनगर बैगलौर - चातुर्मास का प्रवेश ता ३-७-९४ के रोज बडी धूम धाम के साथ भव्य स्वागत हुआ था । मागलिक प्रवचन हुआ आचार्य श्री के साथ सुविनित शिष्यगण पन्यास श्री यशोदेव विजयजी म सा मुनि श्री लब्धि विजयजी म सा प्रवचनकार मुनि श्री जयप्रभ विजयजी म. आदि विराजमान है ।

आप परिवार के साथ मे अवश्य लाभ प्राप्त करे ॥

सौजन्य - श्री जैन श्वे. मूर्ति. मंदिर कमेटी
गांधी नगर - बैगलौर

श्वे. स्था खंभात सम्प्रदाय के आचार्य, महान वैरागी, १६ मास-खमण के आराधक तपस्वी, श्री कांति ऋषी जी म.सा.

संक्षिप्त जीवन परिचय

संवत १९७२ आषाढ वदि - १३ (श्रावण वदि-१३) शुक्रवार को खभात में जन्म-पटेल ज्ञाति - वैष्णव धर्म ६ वर्ष की उम्र मे पिताजी के स्वर्गवास के कारण ननिहाल मे - नानाजी जैन-धर्म होने से बचपन से सामायिक-प्रतिक्रमण का शिक्षण १३-१४ साल की उम्र से हमेशा सामायिक-प्रतिक्रमण - चौविहार-जमीनकद का त्याग - आदि का पालन - मोतीबेन के साथ ब्याह - परिवार मे पाच पुत्र - दो पुत्रीया जवाहारात का व्यापार - श्री दशवैकालिक सूत्र - श्री उत्तराध्ययन सूत्र का अर्थो के साथ अभ्यास - ४५ वर्ष की वय मे दीक्षा - दीक्षा के दिन से हमेशा पोरसीव्रत - हर साल ८-१६-२१ की तपस्या करते हुए पिछले सालो मे हरसाल मासखमण तप की आराधना - गतवर्ष भी नाजुक तबियत होते हुए भी ७७ वर्षकी उम्र मे सुखशाती पूर्वक १६ वां मासखमण किया । तपस्या मे भी हररोज व्याख्यान - वाचना- प्रार्थना - रात्रि मे धर्मचर्चा आदि धर्म मे आराधना मे रत । दीक्षा लेने के बाद पाथर्डी बोर्ड की आचार्य तक की परीक्षा मे उत्तीर्ण - हमेशा स्वाध्याय मे रत - सरल स्वभाव - गुजरात सौराष्ट्र - कच्छ महाराष्ट्र - कर्नाटक - आध्र - तामिलनाडु के क्षेत्रो मे विचरण । मानवजीवनाना मूल्य, धर्म एटले शु ? समकितनु मूल-श्री नवकार मत्र ए सर्वधर्मनो सार, जीववा जीववानी कला, श्री उत्तराध्ययन सूत्र भाग-१-२-३ (अर्थ - भावार्थ सहित) आदि पुस्तको का गुजराती मे एवम् 'महामत्र नवकार सर्व धर्म का सार' पुस्तक का हिन्दी मे सकलन।

पूज्य आचार्य भगवत का स्वास्थ्य अनुकुल बना रहे - आपश्री दीर्घायु हो - आपश्री के सानिध्य मे सप्रदाय एवम् शासन की शोभा बढती रहे इन्ही भावना के साथ कोटि कोटि वदन ।

विनीत - अरवींद भाई जे. पटेल
अध्यक्ष :- श्री खंभात स्था. जैन संघ

चातुर्मास स्थान तथा सम्पर्क सूत्र

श्री स्था जैन उपाश्रय
बोलपीपलो, खभात - पीन -३८८६२०
(वाया - आणद), फोन -२१६२०

पूज्य गुरुदेव के दर्शनार्थ पधारकर हमे सेवाका लाभ अवश्य प्रदान करे ।

आचार्य श्री विजय महानंद सूरीश्वरजी म.सा.

- पिताजी - श्री पुरषोत्तमदास भाई, माली (जाति)
- माताजी - श्रीमति रेखा बहिन
- जन्म तिथी - आश्विन शुक्ला १० (विजय दशमी)
- जन्म स्थान - छनियार (जिला महेसाणा) (गुजरात)
- दीक्षा तिथी - वैशाख शुक्ला ३ वि स. २००४ (अक्षय तृतीय)
- दीक्षा स्थल - चारुप तीर्थ (पाटन-गुजरात)
- गुरुजी - आचार्य श्री भुवनचन्द्र सूरीश्वर जी म.सा.
- सम्प्रदाय - पन्यास श्री धर्म विजयजी म सा डेहलावाला
- पन्यास पद - माघ सुदी १३ वि.स. २०३५
- स्थान - शाताक्रुझ-बम्बई
- आचार्य पद - मगसर सुदी ५ वि.स. २०३६ दादर-बम्बई
- आगम ज्ञान - ज्यौतिष, व्याकरण, न्याय, शास्त्र, ज्ञान आदि अनेक ज्ञान
- भाषा ज्ञान - गुजराती, हिन्दी, अग्रजी, सस्कृत, प्राकृत, मराठी
- विशेष - सरल स्वभावी, मधुरवक्ता, ज्योतिष आगम के प्रकाण्ड विद्वान, श्वे. मूर्ति तपागच्छीय डेहलावाला सम्प्रदाय के सुप्रसिद्ध आचार्य प्रवर
- शिष्य परिवार - सुशिष्य (१.) बालवक्ता मुनिराज श्री नरचन्द्र विजयजी म.सा.
  (२) श्री करुणानद विजयजी म.सा. एवं प्रशिष्य बाल मुनि श्री रविचन्द्र विजय जी म.सा.

आगम दिवाकर प्रखर वक्ता राष्ट्रसंत श्री जनक मुनिजी म.सा.

- पिताजी - श्री पोपटलाल पुरषोत्तम भाई देसाई
- माताजी - श्रीमति लाभकुवर बहेन देसाई
- जन्मतिथी - ३-८-१९३३ खासबा (गुजरात)
- दीक्षा तिथी - फाल्गुन शुक्ला २ वेरावल (सौराष्ट्र) (गुजरात)
- गुरुदेव - सौराष्ट्र केशरी श्री प्राणलालजी म.सा.
- सम्प्रदाय - श्वे. स्था. गोंडल
- आगम ज्ञान - ३२ आगम सूत्रार्थ सहित
- भाषा ज्ञान - हिन्दी, सस्कृत, प्राकृत, अग्रेजी, मराठी, गुजराती आदि
- विहार क्षेत्र - गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश
- विशेष - आगम के ज्ञाता, प्रखर वक्ता, प्रभावशाली सत शिरोमणि मुनिराज। प्रतिदिन व्याख्यान मे पर्यूषण पर्व जैसी जन मेदनी सख्या बारह महिनों ही बनी रहती है। सम्पूर्ण भारत के बडे बडे राजनेताओ धर्म नेताओ पर आपका अच्छा प्रभाव है। सभी आपके सम्पर्क मे बने रहते है। सभी जगह आपकी अच्छी पहुंच है। आपके सुशिय मधुर वक्ता श्री मनोहर मुनिजी म सा. भी आपकी सेवा मे रत है जिनकी व्याख्यान शेली भी निराली है। इस वर्ष आपका बम्बई के कादिवली जैन स्थानक मे १९९४ का चातुर्मास हो रहा है प्रतिदिन हजारो की सख्या मे भक्त गणो का दर्शनार्थ ताता लगा रहता है। रविवार को जाहिर व्याख्यान में भी अच्छी उपस्थिती बनी रहती है। ऐसे सुलझे हुऐ क्रातिकारी विचारो के प्रेरक राष्ट्रसत को कोटि कोटि वन्दन

सोजन्य - रुबी प्रोडक्टस, कांदिवली-बम्बई

साधना के शिखर पुरुष उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म.सा.
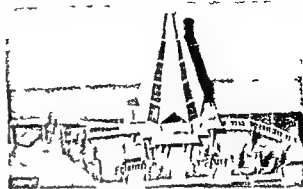
उपाध्याय स्व श्री पुष्कर मुनिजी म सा

श्री पुष्कर गुरू पावन धाम

- साधना के शिखर पुरूष उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म प्रतापपूर्ण प्रतिभा के धनी सत रत्न थे । राजस्थान के अचल म रहे हुए मेवाड मे आपका जन्म हुआ, जहा के नरवीर अपनी आन, बान और शान के लिए परम विश्रुत रहे है । उदयपुर जिले के अन्तगत गुरू पुष्कर नगर (सिमटाल) मे वि स १९६७ आश्विन शुक्ला चतुर्दशी को हुआ । आपके पूज्य पिताश्री का नाम सूरजमल जी एव मातेश्वरी का नाम बालीबाई था ।
- राजस्थान के सुप्रसिद्ध सत महास्थविर श्री ताराचद जी म सा के पावन उपदेश से प्रभावित होकर १४ वर्ष की लघुवय मे वि स १९८१ ज्येष्ठ शुक्ला दसमी के दिन जालोरगढ मे दीक्षा ग्रहण की ।
- दीक्षा के पश्चात् शिक्षा के क्षेत्र म आपके मुस्तैदी कदम बढे, सस्कृत, प्राकृत, हिन्दी, राजस्थानी, मराठी, गुजराती, प्रभुति विविध भाषाओ का तलस्पर्शी अध्ययन किया भारतीय धम दर्शना के विविध ग्रन्थो का परिचय किया ।
- आप कुशल लेखक थे गद्य और पद्य दोनो ही विधाओ मे शताधिक ग्रथो का सर्जन कर अपनी प्रकृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया । जैन कथाए सिरीजमाला म १११ भाग प्रकाशित हुए हैं, धर्म का कल्पवृक्ष, श्रावक धर्म दर्शन, ब्रह्मचर्य विज्ञान, दान समीक्षात्मक अध्ययन, अमर सूरी काव्यम् आदि ग्रन्थो मे आपकी सहज प्रतिभा उजागर हुई है ।
- आप सिद्ध जपयोगी थे, प्रात मध्याहन और रात्रि मे जप की साधना करते थे नियमित समय पर जप करना आपको इष्ट था, भोजन छोड सकते थे पर भजन नही । नवकार महामत्र पर आपकी अनत आस्था को देखकर श्रद्धालु गदगद हो जाते थे और ध्यान के पश्चात् मगलपाठ का श्रवण करने के लिए जन समुदाय बरसाती नदी की तरह उमड पडता था, सिद्ध जपयोगी होने के कारण जो भी व्यक्ति अन्तर मानस मे मनोभाव का लेकर उपस्थित होता उन सभी के मनोभाव पूर्ण सिद्ध होते थे ।
- जन जन के अन्तर मानस मे अभिनव चेतना का सचार करने हेतु लगभग ७० हजार कि मी पैदल यात्रा की राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली आदि भारत के विविध अचलो मे घूमकर धर्म की अपूर्व प्रभावना की ।
- जीवन की साध्य बेला मे आपने स्वेच्छा से सथारा ग्रहण किया, २५० से अधिक सत सतियो की उपस्थिती मे उदयपुर मे विक्रम सवत् २०५० चेत्र शुक्ला ११ को समाधि मरण का उज्ज्वल समुज्ज्वल जो आदश समुपस्थित किया वह भेद विज्ञान युक्त जीवन जीने का साक्षात् रुप था, वस्तुत आप साधना के शिखर पुरुष थे ।
- आपके प्रधान शिष्य श्रमण सघ के जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनि जी म है जिनके कुशल नेतृत्त्व मे श्रमणसघ फल व फूल रहा है, विकसित हो रहा है ।
- उपाध्याय पूज्य गुरूदेव श्री पुष्कर मुनि जी म की स्मृति मे बनने वाला साधना केन्द्र पुष्कर गुरू पावन धाम' शास्त्री सर्कल, उदयपुर पहुचकर गुरू चरणो म अपनी श्रद्धा भक्ति समर्पित कर अपने आपको धन्य अनुभव करे ।

गुरु चरणो मे वदनकर्ता श्रीमती सौ डोली धर्मपत्नि चन्द्रेश जैन, लुधियाना पजाब

सौजन्य - पुष्कर गुरु पावन धाम - उदयपुर

श्वे. स्था. श्रमण संघीय
डॉ. शिवमुनिजी म.सा. (एम.ए.पीएचडी) (डी.लिट)

बचपन नाम	: श्री शिवकुमार
पिताजी	श्री चिरंजीलालजी जैन (ओसवाल जैन)
माताजी	श्रीमति विधादेवी
वंश गौत्र	. ओसवाल जैन
जन्म तिथी	१८ सितम्बर, १९४२
जन्म स्थान	मालोट मडी जिला फरीदकोट (पजाब)
दीक्षा तिथि	. १७-५-१९७२
दीक्षा भूमि	.
दीक्षा सख्या	. जन्म स्थान मे तीन सगी बहिनो के साथ
दीक्षा गुरु	श्रमण सघ के प्रथमाचार्य श्री आतमारामजी म.सा के सुशिष्य बहुश्रुत श्रमण सघीय सलाहकार श्री ज्ञानमुनिजी म सा
अध्ययन	जैन आगम, सस्कृत, प्राकृत, हिन्दी, अग्रेजी, पंजाबी, तमिल अन्य भापाओ के ज्ञाता

युवाचार्य पद	. श्रमण सघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋपिजी म सा. द्वारा प्रदान १३-५-१९८७ पूना साधु-सम्मेलन, पूना मे
विहार क्षेत्र	पजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आध्रप्रदेश, कर्नाटक, तामिलनाडू आदि प्रात ।
विशेष	श्रमण संघ के युवाचार्य, सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसे युवाचार्य है जो डॉ. एम ए पी.एचडी एव डीलिट उपाधि प्राप्त किये हुए है। प्रभावशाली युवाचार्य, प्रखर वक्ता, योगसाधक आदि ।

सौजन्य - (१) श्री व स्था. जैन श्रावक संघ साधना सदन पूना
(२) श्री - मोहनलाल लुंकड (नवभारत चाकण ओधक मिल पूना)

आचार्य देव श्री विजय सुरेन्द्र सूरीश्वरजी म सा

आपके पिताजी का नाम श्री रूपचद भाई एव माता का नाम श्रीमती दलीबाई था। आपके बचपन का नाम शिरचद था। पूर्व जन्म के महाप्रताप एव इस जन्म म माता पिता के उत्कृष्ट सस्कार प्राप्त करके बचपन से ही जीवन को धर्म के रग म रगीन किया जिसके परिणामस्वरूप पूज्य श्रीधर्म विजय जी म सा (डेहला वाला) के सानिध्य म रहकर सयम जीवन का अभ्यास किया एव दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात आप उनके शिष्य बने। दीक्षा क पश्चात आपका नूतन नाम मुनिश्री सुरन्द्र विजयजी म सा रखा गया। उसके बाद ज्ञान, ध्यान तप-त्याग मे अग्रसर होन एव कठिन सयम साधना पूर्ण करने के पश्चात आपको आचार्य पदवी प्रदान की गई। आपके पास कई व्यक्तियो ने दीक्षा ग्रहण करके शिष्य बने। आपका जन्म कार्तिक शुक्ल २ वि स १९५० को गुजरात प्रान्त क बनासकाठा जिले के कुवाला गाँव मे हुआ। दीक्षा वि स १९६९ म पाटन शहर मे एव आचार्य पदवी जूनागढ (सौराष्ट्र) मे प्रदान की गई। अनेक गाँव शहरो म विचरण करते हुए अनेक प्रतिष्ठाएँ दीक्षात्व उपदान आदि करके बहुत ही शानदार शासन प्रभावना की। आपका महाप्रयाण कार्तिक वदी ५ वि म २००६ को डहला क उपाश्रय मे हुआ। आचार्यश्री का जीवन बहुत ही आदर्शमय चारित्रशील प्रभावशील था।

ऐसे पूज्य महापुरुष आचार्य श्री सुरन्द्र सूरीश्वरजी म सा पावन चरणो म कोटीश वन्दना।

आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीश्वरजी म सा

कोहीनूर रत्न श्री टीलचद भाई के कुलदीपक एव माता श्रीमती मैना बहिन के होनहार सपूत श्री नटुभाई का जन्म गुजरात प्रान्त के बनासकाठा जिले के कुवाला नामक गाँव म हुआ। पूर्व जन्म के पुण्य उदय एव माता-पिता के धार्मिक उच्च सस्कारो से महेसाणा स्थित यशोविजयजी सस्कृत पाठशाला मे धार्मिक अभ्यास किया। उसके पश्चात सयमी जीवन का अभ्यास करने के पश्चात् अप्रतिम प्रतिभाशाली आचार्य श्री सुरेन्द्र सूरीश्वरजी म सा के सान्निध्य मे ज्येष्ठ शुक्ल ३ वि स २००२ मे राजनगर अहमदाबाद मे सयम जीवन अगीकार किया। आपको कोट-बबई मे वि स २०४२ मे आचार्य की पदवी प्रदान की गई। आपने गुजरात, मध्यप्रदेश राजस्थान बबई महाराष्ट्र आदि प्रदेशो म विचरण भी किया है। अजन शलाका प्रतिष्ठा, दीक्षोत्सव उपधान आदि अनेको आयोजन भी आपके सानिध्य मे पूर्ण हुए है। एव जिन शासन की शासन प्रभावना करने मे आपने जय पताका फहराई है। इस वर्ष आपका चातुर्मास लाल मदिर पिपली बाजार, इदौर म है। जहाँ पर आपके स्वय के शिष्य रत्नो के साथ जिन शासन की प्रभावना कर रह है। आपको चाणक तीर्थोद्धारक की पदवी भी प्रदान की गई है।

ऐसे महान प्रभावशाली आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीश्वर जी म सा के पावन चरण कमलो मे कोटि-कोटि वन्दन!

लाल मन्दिर इन्दौर मे भव्य सिद्धितप महोत्सव

सरल स्वभावी आचार्य प्रवर श्री विजय यशोभद्र सूरीश्वरजी म सा आदि ठाणाओ के पावन निश्रा मे इदौर स्थित लाल जैन मदिर पिपली बाजार मे ६६ आराधक भव्य आत्माओ ने सिद्धि तप की साधना पूर्ण की है। इस महान साधना के तपस्वीयो की तपस्या के अनुमोदनार्थ श्री सघ द्वारा १९-८-९४ से २८-८ ९४ तक दशान्हिका महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर साधक तपस्वीयो को श्री सघ की ओर म स्वर्णमुद्रिका द्वारा भव्यातिभव्य राजशाही सम्मान समारोह का आयोजन भी सपन्न हुआ। इसके पश्चात सघ का स्वामी वात्सल्य भी किया गया। स्मरण रहे आचार्य श्री के इस वर्ष के इन्दौर चातुर्मास म धर्म ध्यान का ठाठ लग रहा है। भक्तगण समूह रूप से दौडे चले आ रहे है। व्याख्यान मे खचाखच भीड एकत्रित हो रही है।

१४ वे जन्म दिवस पर विशेष

मुनि शिरोमणि मुनि श्री मायारामजी म.सा.

प्रात वंदनीय मुनि शिरोमणि श्री मायाराम जी महाराज भारत के एक ऐसे दिव्य सन्त हुए हैं जो अपने तप, त्याग, संयम, साधना आदि विशिष्ट गुणों के रुप में आज भी विद्यमान हैं। समस्त भारत का जैन-अजैन जनमानस उनकी धर्ममय स्मृति से सुवासित है।

श्री मायाराम जी के माता-पिता होने का गौरव ग्राम बडौदा, हरियाणा के नम्बरदार चहल गोत्रीय जाट चौधरी जोत राम जी एवम् उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शोभावंती को विक्रम संवत् १९११, आषाढ कृष्ण द्वितीया के दिन प्राप्त हुआ। श्री मायाराम जी के बडे भाई श्री आद राम जी तथा छोटे भाई श्री सुखीराम जी व श्री रामनाथ जी थे। मायाराम एक ऐसे बालक थे, जो जन्म होने पर रोये नही थे। देह से अत्यधिक सुन्दर व मन तथा व्यवहार से अत्यधिक शालीन थे। स्वाभाविक ही था कि सब का ध्यान इनकी ओर आकर्षित होता।

सुप्रसिद्ध जैन मुनि-द्वय श्री गगा राम जी महाराज एवम् श्री रति राम जी महाराज का पदार्पण बडौदा ग्राम मे हुआ। उन्होने बालक मायाराम को अपने ज्योतिष ज्ञान मे देखा- इस बालक मे असाधारण व्यक्तित्व इसके भीतर छिपा है! पारखी मुनि-द्वय ने बालक मायाराम से परिचय करते हुए शिक्षा हेतु प्रेरित किया। मुनिद्वय ने शिक्षा का दायित्व स्वय ग्रहण किया। माया राम जी अध्ययन व धर्म-ध्यान में धीरे-धीरे निपुण होने लगे। बारह वर्ष की अल्प वय में माता-पिता का साया सिर से उठ गया और चार ही वर्ष बाद बडे भाई आद राम का। मात्र सोलह वर्ष की आयु में माया राम जी गांव के नम्बरदार बने। विवाह की चर्चा चली तो ज्ञान वैराग्य-संपन्न बहु-शास्त्र-भाषा-पठित मायाराम जी ने स्पष्टत. अस्वीकृति प्रकट की। उनकी जीवन-दिशा बदल चुकी थी।

एक बार नम्बरदार युवक मायाराम एक सरकारी कार्य से पटियाला (पंजाब) गए। वहा पंजाब मुनि परम्परा के प्रसिद्ध सन्त श्री हरनाम दास जी महाराज से इनकी भेंट हुई। उनसे मुनि-दीक्षा प्रदान करने की प्रार्थना की। मुनि गंगाराम जी से अनुमति लेकर मुनि हरनाम दास जी ने माघ शुक्ल ६, संवत् १६३४ के दिन दीक्षा प्रदान की। अब श्री मायाराम जी महाराज की दृढ सयम-यात्रा आरम्भ हुई। अनेक ऋद्धि-सिद्धिया उनके सुझाव नतमस्तक होने लगा। उनके सयम से प्रभावित होकर आचार्य श्री मोती राम जी महाराज (पंजाब) ने 'चरित्र चूडामणि' तथा आचार्य श्री उदय सागर जी महाराज (राजस्थान) ने 'सयम सुमेरु'

श्रद्धेय श्री मायारामजी म.

पद उन्हें प्रदान किए। श्रावक - जनो का कहना था 'भगवान् महावीर की आज्ञाओं का साकार रुप यदि देखना हो तो श्री महानुनि माया राम जी महाराज के दर्शन कर लो।'

अनेक धर्मो के गहन अध्ययन से समृद्ध मुनि मायाराम जी को तीस जैन आगम (शास्त्र) तो कंठस्थ थे। इन्हें 'पजाब की कोयल' कहकर भी सम्मान दिया जाता था। महामुनि का ज्ञान जब मधुर स्वर में किसी काम से जानेवालें व्यक्तियो के कर्ण कुहरो मे पहुंचता तो काम छोडकर वे प्रवचन सुनते चले आते समस्त भारत मे उनकी वाणी गूंजी। अनेक राजाओ ने शिकार व मास-भक्षण त्याग दिया तथा राज्यों में शिकार पर प्रतिबध लगाए। अनेक चोर, डाकू, हत्यारे व लुटेरे सदाचार के उपासक बन गए। अछूत कहलाए जानेवाले अनेक लोगो ने मास खाना छोडा और जैन धर्म स्वीकार किया।

परम श्रद्धेय श्री माया राम जी महाराज का यह प्रभाव अनेक शिष्यो द्वारा प्रचारित-प्रसारित हो रहा है। इनके सात शिष्य बने- श्री नानकचद जी महाराज, श्री देवीचद जी महाराज, श्री छोटेलाल जी महाराज, श्री वृद्धिचद जी महाराज, श्री मनोहरलालजी महाराज, श्री कन्हैयालाल जी महाराज और श्री सुखीराम जी महाराज। इन शिष्यो के श्रमण-परिवार में आज लगभग पचपन मुनि हैं। युग पुरुष श्री माया राम जी महाराज ने संवत् १९६९ में भिवानी, हरियाणा में अपनी नश्वर देह का त्याग किया किन्तु उनके लाखों अनुयायी भारतवर्ष मे हैं जिनके हृदय के वे अमिट स्वर्णाक्षर हैं। स्थान-स्थान पर उनके नाम से अनेक विद्यालय, अस्पताल एवं पुस्तकालय खुले हैं, जो जन-कल्याण कर सार्थक हो रहे है। श्री मायाराम जी महाराज का नाम विशुद्ध संयम का पर्यायवाची है।

ऐसे युगपुरुष को अनन्त-अनन्त श्रद्धा-वन्दन !

सुभद्र मुनि

सौजन्य - मुनि मायाराम सम्बोधि-प्रकाशन-दिल्ली

सन्त शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी म सा जीवन परिचय

जन्म नामकरण	विद्याधर
जन्म तिथि	आश्विन शुक्ला पूर्णिमा वि म 2003 दिनांक 10-10-1946
जन्म स्थल	ग्राम सदलगा (जि बेलगाम) कर्नाटक
पितृ नाम	श्री मल्लपानी (मुनिश्री मल्लिसागरजी)
मातृ नाम	श्री श्रीमतीजी (आर्यिका समयमतिजी)
मातृभाषा	कन्नड
मुनि दीक्षा	आषाढ शुक्ला पचमी वि म 2025 दिनांक 30 जून 1968 अजमेर म
आचार्य पद	मगसिर कृष्ण द्वितीया वि म 2029 दिनांक 21 नवम्बर 1972 नसीराबाद (राजस्थान) म
शिक्षा-दीक्षा गुरु	आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज

विशेष —चरित्र चक्रवर्ती आ श्री शान्तिसागर महाराज के उपदेशामृत ने बचपन म विरक्ति के बीज बोये और आजीवन ब्रह्मचर्यव्रत आ श्री देशभूषणजी स ग्रहण किया। आ श्री ज्ञानसागरजी से शिक्षा और मुनि-दीक्षा प्राप्त की।

सौजन्य-वीर विद्या साधना केन्द्र, बम्बई

आ श्री विद्यासागरजी को जहाँ प्राकृत संस्कृत अपभ्रंश मराठी हिन्दी अंग्रेजी बंगला कन्नड आदि अनेक भाषाओं [illegible] प्रकाण्ड पांडित्य प्राप्त है वही दर्शन इतिहास संस्कृति [illegible] व्याकरण साहित्य मनोविज्ञान और योग विद्याओ म [illegible] वैदुष्य भी उपलब्ध है। आपमे आशुकवित्व [illegible] प्रत्युत्पन्नमतित्व अत्यन्त प्रशस्य गुण हैं।

आचार्य श्री स्वसाधना के साथ निरन्तर ज्ञानाभ्यास [illegible] प्रवृत्त रहते है। आपने भव्य जीवो के आत्मकल्याण हेतु [illegible] ग्रन्थो का प्रणयन किया है और माँ भारती के भण्डारो को [illegible] है। आपके द्वारा लिखित एव अनुवादित रचनाओ की [illegible] करीब 55 है। आपसे दीक्षित करीब 73 साधु-साध्वीजी एव [illegible] के करीब बालब्रह्मचारी भाई-बहन हैं।

आप सम्पूर्ण देश मे काफी प्रभावशाली आचार्य हैं। [illegible] पूज्य पिताजी एव माताजी ने भी दिगम्बर समुदाय मे ही [illegible] व्रत अंगीकार किया है। सम्पूर्ण दिगम्बर जैन समाज म [illegible] समुदाय के बराबर अन्य किसी भी समुदाय म इतनी [illegible] संख्या म शिष्य शिष्याएँ अन्यत्र कही भी नही हैं। [illegible] आपके सानिध्य में (25) नई दीक्षाएँ भी सम्पन्न हुई [illegible] आपका [illegible] वर्ष संयम जीवन दीक्षा का रजत महोत्सव आयोजन भी विशाल कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ।

सम्पर्क सूत्र
आचार्य श्री विद्या सागर सूरीश्वर जी म सा की सेवा मे,
C/o श्री शातिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक
जिला- नागपुर (महाराष्ट्र) 441 106
फोन न (0712) 855117

श्रमण संघीय उपाध्याय, पं. रत्न श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'

पिताजी	श्री गोविन्दसिहजी राजपुरोहित
माताजी	. श्रीमती यमुनादेवी
जन्म तिथी	. चैत्र शुक्ला ९ वि. सं. १९७० (रामनवमी)
जन्म स्थान	. जस नगर (केकिंद) (राजस्थान)
दीक्षा तिथि	. वैशाख शुक्ला ६ वि.सं. १९८८
दीक्षा स्थल	साडेराव (राजस्थान)
दीक्षा दाता	श्री फतेहचदजी म., श्री प्रतापमलजी म.
सलाहकार पद	१३-५-८७ पूना सम्मेलन
उपाध्याय पद	६-२-९४ जयपुर (राज.)
भाषा ज्ञान	हिन्दी, अग्रेजी, सस्कृत, अपभ्रश, प्राकृत, पाली, गुजराती, राजस्थानी आदि।
विहार क्षेत्र	. राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश,
अनुयोग कार्य	आगम अनुयोग का विगत २६ वर्षो से कार्य चारों आगमो का विश्लेषण।
विशेष	. आगम के प्रकाण्ड विद्वान, मधुर व्याख्यानी, लेखक, अनुयोग प्रवर्तक, साहित्य सिन्धु, आगम रत्नाकर आदि। सम्पूर्ण जैन समाज मे आप एक मात्र ऐसे सत है जिन्होंने चारो अनुयोगो का अनुवाद करने में २५ वर्ष लगाये।

सौजन्य - श्री कुन्दनमल साकरिया (पी.के. प्लास्टिक्स) इन्दौर

श्रमण संघीय प्रवर्तक पं.रत्न श्री कुन्दनऋषीजी म.सा.

जन्म नाम	श्री मनसुखलाल
पिताजी	. श्री चंदनमलजी मेहेरे
माताजी	: श्रीमती केशरबाई
जन्म स्थान	. मिरी (अहमदनगर) (महाराष्ट्र)
दीक्षा तिथि	: ९ मई १९६२
दीक्षा भूमि	. मिरी ग्राम अहमदनगर (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	. आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋषीजी म.सा.
विहार क्षेत्र	. आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋपीजी म.सा. के ससंग सम्पूर्ण महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पजाब, हिमाचलप्रदेश जम्मू काश्मीर आदि प्रांत।
भाषा ज्ञान	. हिन्दी, मराठी, गुजराती, राजस्थानी, संस्कृत, प्राकृत, अग्रेजी आदि।
मंत्री पद	. १३-५-१९८७ पूना सम्मेलन
प्रवर्तक पद	- १०-७-९४ लुधियाना
विशेष	श्रमण संघ के प्रवर्तक, दीक्षा ग्रहण करने से जब तक आचार्य सम्राट रहे उनके साथ ही विचरण करना, प. रत्न, ओजस्वी वक्ता, आचार्य सम्राट के प्रधान अतेवाशी सुशिष्य, सम्पन्न परिवार के दीक्षित धर्म के प्रति अनुराग, सुदीर्ध सयम के पालक, आचार्य सम्राट की दीक्षा भूमि एव आपकी दीक्षा भूमि मिरी गाव एक ही है। श्रमण संघ में प्रभावशाली युवा सत रत्न।

सोजन्य - श्री आदिनाथ व स्था. जैन श्रावक संघ, आदिनाथ सोसायटी पूना

उपप्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनिजी म.सा.

भारतीय सन्त परम्परा के परमोज्वल नक्षत्र जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनि जी म. के प्रधान शिष्य रत्न डा. श्री राजेन्द्र मुनिजी म. का जीवन दर्शन प्रारम्भ से ही अति पावन रहा है।

आपका जन्म राजस्थान की मारवाड़ नगरी मेड़ता सिटी के समीप उड़ ग्राम में पोष वदी दशमी १ जनवरी सन १९' ४ को पिता पूनमचन्द जी डोसी ओसवाल वंश में माता धापूकुंवर के घर हुआ।

माता पिता के सद् संस्कारों से बचपन में पड़े धर्मबीज पल्लवित पुष्पित होते गये जो परम श्रद्धेय उपाध्याय दादा गुरुदेव श्री पुष्कर मुनिजी म. एवं श्रद्धेय सद्गुरुदेव आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म. के सत् सानिध्य को पाकर विराट रूप को धारण करने लगे। परिणाम स्वरूप आपने अपने अग्रज भ्राता पण्डित रत्न श्री रमेश मुनिजी के साथ सन् १९६५ दि. १५ मार्च को राजस्थान के ही गढ़ सिवाणा ग्राम में ११ वर्ष की लघु वय में जैन भागवती दीक्षा अंगीकार कर ली। लघुवय में संयम स्वीकार करने के साथ ही आपने अपना सम्पूर्ण जीवन ज्ञान व क्रिया हेतु समर्पित कर डाला। लगातार २० वर्षों तक संस्कृत प्राकृत हिन्दी गुजराती मराठी इंग्लिश आदि भाषाओं का गहन अध्ययन व आगम न्याय व्याकरण, काव्य दार्शनिक साहित्य का आलोडन विलोडन किया।

आप दोनों भ्राताओं को दर्शन प्रदान कर आपकी मातेश्वरी ने भी दीक्षा ग्रहण कर ली, जिनका नाम विदुषी महासति श्री प्रकाशवती जी है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी डा. राजेन्द्र मुनि जी की अध्ययन रुचि के परिणाम स्वरूप साहित्यरत्न, शास्त्री, एम ए. पी एच डी., काव्यतीर्थ, जैन सिद्धान्ताचार्य महा महोपाध्याय विशारद आदि उच्चतम परीक्षाएं भी समुत्तीर्ण कर आपने जैन जगत में अपना, एक विशिष्ठ स्थान स्थापित किया है।

अध्ययन के साथ वक्तृत्व कला का भी आपके जीवन में अद्भुत साम्य रहा है। जब आपका प्रवचन होता है तो हजारों लोग मन्त्र मुग्ध हो उठते हैं, ऐसा लगता है आपकी वाणी के द्वारा सरस्वती देवी प्रकट हो रही हो।

प्रखर प्रज्ञा तीव्र स्मृति एवं धारणा के धनी डा. राजेन्द्र मुनि जी जितने अध्ययनशील है, उतने ही विनम्र सेवाभावी तथा मिलनसार सदा हंसमुख प्रेरणादायी व प्रभावशाली विराट व्यक्तित्व के धनी है। आपने अब तक कई सामाजिक संस्थाओं को प्रेरणा देकर निर्माण करा दिया है जिसमें स्कूल हॉस्पिटल, गौशाला, साधनाकेन्द्र आदि प्रमुख हैं।

लेखन के क्षेत्र में भी आप द्वारा अब तक उपन्यास, निबन्ध, कहानी, काव्य, आगम साहित्य के रूप में लगभग २५ ग्रन्थो का निर्माण हो चुका है। एवं परम श्रद्धेय आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म. के साहित्य पर शोधकार्य सम्पन्न किया है।

प्रस्तोता = सुरेन्द्र मुनि'

सौजन्य एक सद् गृहस्थ

कच्छ आठ कोटि मोटी पक्ष के आचार्य प्रवर श्री छोटालाल जी म सा

चतुर्थ पुण्य तिथि के प्रसग पर भावभरी वदना-श्रद्धाजली

जन्म	स १९७३ प्रथम भाद्रपद वद ४
स्थान	भोजाय (कच्छ)
पिता	श्री वरजागभाई पुजाभाई गडा
माता	पुण्यशाली श्रीमती खेतबाई
गुरुदेव	पू आचार्य श्री नागचदजी म स
दीक्षा	वि स १९८८ फागण शुद १०
स्थान	लूणी (कच्छ)
आचार्य पद	वि स २०४० वेशाख शुद १३
स्थान	माडवी (कच्छ)
कालधर्म	वि स २०४६ श्रावण वद १२
स्थान	वाकी - कच्छ

माडवी - (कच्छ) चातुमास विराजित मधुर व्याख्यानी सुभाष मुनि जी म सा, श्री नवीनमुनिजी म सा "लघुशिष्य" की शुभ प्रेरणा से --

सौजन्य श्री जेचदभाई वीरजीभाइ झोटा, भुज-कच्छ

श्रमण संघीय प्रवर्तक पं. रत्न श्री रमेशमुनिजी म.सा. 'शास्त्री'

अपाका जन्म मजल (बाडमेर) निवासी श्रीमान् वस्तीमलजी कोठारी धर्मपत्नी सौ. आशाबाई की कुक्षि से हुआ। यौवन की पहली लहरी पर धवा निवासी श्रीमान् जसराजजी भूरट ने अपनी कन्या 'वीरादेवी' से आपका विवाह किया। विवाह के पश्चात् व्यापारिक क्षेत्र मे उतरे। उन्ही दिनो उज्जैन आये अपने कार्यवश। यहां सति शिरोमणि पडिता श्री बालकुंवरजी म., तपस्विनी श्री मानकुंवरजी म की अध्यात्म प्रेरणा ने आपके अन्तर्मन को जगाया।

दीक्षा की भावना लेकर आप कलकत्ता पहुंचे। पूज्य गुरुदेव श्री प्रतापमलजी म , पं. श्री हीरालालजी म. की सेवा मे। अन्त मे झरिया (बिहार) मे ता ९-५-५४ को प. रत्न श्री जयन्तीलालजी म. की उपस्थिती मे आपने दीक्षा ली। आप पूज्य गुरुदेव श्री प्रतापमलजी म. के शिष्य बने। दीक्षा के पश्चात् जैन सिद्धान्ताचार्य प्रथम खण्ड पर्यत व संस्कृत विशारद हिन्दी साहित्यरत्न आदि परीक्षाए उत्तीर्ण की अध्ययन-अध्यापन के साथ ही वक्ता व लेखक के रूप मे उभरे आप कथाकार, उपन्यासकार, एकांकी लेखक के साथ विचारक-चिन्तक तत्त्वदर्शी है। ससमरण, जीवन दर्शन व अनेको चरित्र भजनो की भी आपने रचना की। उपाध्याय पूज्य गुरुदेव श्रीकस्तूरचदजी म के जन्म शताब्दी पर जन्म शताब्दी ग्रन्थ के आप प्रधान सम्पादक है। आपकी सहनशीलता-सयम-अनुशासन निष्ठा व गुरु-भक्ति से प्रभावित होकर ही जोधपुर व स्था. जैन श्रावकसघ ने आपको मरुधरा भूषण व साहित्य क्षेत्र मे बढती प्रगति को देखते हुए चित्तौडगढ व. स्था. जैन श्रावक संघ ने 'साहित्य मनीपी' आदि पद दिये।

जब आपश्री का चातुर्मास पूना था स २०४० मे तब आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनन्दऋपिजी म. एवं युवाचार्य ज्ञानयोगी श्री मधुकरमुनिजी म. आदि का संयुक्त नासिक वर्पावास था तब आचार्य श्रीजी ने श्रावण शुक्ला १ को आपको 'प्रवर्तक पद' से विभूपित किया। आप अपने सयम साधना काल मे अब तक लगभग ५०-५५ पुस्तके लिख चुके है। आप से समाज को काफी आशा है। आप राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, गुजरात आदि प्रदेशो मे विचरण कर चुके है।

श्रमण संघीय पं. रत्न श्री सुरेश मुनिजी म.सा. 'शास्त्री'

आपका जन्म कानपुर निवासी श्रीमान् गयाप्रसादजी जैन जयसवाल दिगम्बर जैन की धर्मपत्नी सौ. ज्ञानदेवी की कुक्षि से हुआ। अल्प आयु मे ही आप व्यवसाय हेतु बम्बई आ गये। यही आप पीपागज निवासी स्नेही सेवानिष्ठ श्रीमान् त्रिलोकचदजी के साथ विलेपारले मे पूज्य गुरुदेव श्री के दर्शनार्थ आये। गुरुदेव के व्यवहार से प्रभावित हो आपने दीक्षा लेने का दृढ निश्चय कर लिया। उसी चातुर्मास में आपने आवश्यक ज्ञान सीखा।

गुरुदेव की सेवा मे सलग्न हो गये। स २०१६ माघ शुक्ला १३ की मंगलवेला मे घोटी सघ के आंगन मे दीक्षा स्वीकार की पूज्य गुरुदेव श्री प्रतापमलजी म.द्वारा। आपको प्रवर्त्तक श्री रमेशमुनिजी म. के प्रथम शिष्य होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। दीक्षा के पश्चात् हिन्दी-सस्कृत प्राकृत भापा का अध्ययन किया। आपकी प्रवचन शैली ओजस्वी भावभरी व श्रोताओ को आकर्पित करने वाली है। आपका अधिक लक्ष्य स्वाध्याय तथा ध्यान प्रक्रिया की ओर रहता है। धीरता गभीरता आदि अनेको गुणो से आप शोभित है। आप राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश आदि प्रातो मे विचरण भी कर चुके है। आपके प्रभावशाली प्रवचनो की छटा निराली होती है बम्बई महानगर मे आप पॉच चातुर्मास पूर्ण कर चुके है। उपाध्याय श्री कस्तूरचंदजी म दीक्षा शताब्दि समारोह को सफल बनाने मे आपका पूर्ण योगदान रहा है। बम्बई अधेरी जैसे गुजराती भापी क्षैत्रो मे भी आपने सफल चातुर्मास पूर्ण किये। आपका प्रभाव न केवल बम्बई महानगर मे बल्कि सम्पूर्ण देश के स्थानकवासी समाज मे फैल चुका है। अगर कोई व्यक्ति एक बार आपके सम्पर्क मे आ जाता है तो मधुर वाणी से वह आपके प्रभावित हुए बिना नही रह सकता।

आपकी प्रेरणा से बम्बई के साधना सदनो न. ६ गोवण्डी, असफ्ला, भायन्दर सादडी सदन आदि मे जैन पाठशालाऐ नियमित चल रही है आपके संग प रत्न श्री नरेन्द्र मुनिजी म सा एव प्रखरवक्ता श्री रतनमुनिजी म सा. 'रत्नाकर' भी काफी सेवा भावी युवा सत रत्न है

घोर तपस्वी, तपोगन के पूर्ण चन्द्र श्री सहज मुनि जी म.सा.

जैन जगत मे अनेक विशिष्ट तपस्वी जपी-ज्ञानी-ध्यानी साधु व साध्विया हुये है। इसी श्रृखला म जैन जगत की गरिमा का चार चद लगानेवाल घार तपस्वी 'तपो गगन के पूण चन्द्र' श्री सहजमुनिजी म सा का विशेष स्थान है। आपने जैन समाज की सभी सम्प्रदायो म सभी साधु साध्विया मे तपस्या के क्षेत्र मे एक कीतिमान स्थापित किया है। आपका जन्म १८-११-३३ का पजाब प्रात म सगरर जिला के लेहलक्ला ग्राम मे हुआ। पिता का नाम बाबुलालजी व माता का नाम परमेश्वरी देवी है आप प्रारम्भ से भक्ति, भजन मे लीन रहते थे, फलस्वरप भर यौवन मे १८-११-५३ को घोर तपस्वी श्री फकीरचन्दजी म क पावन चरणो म मूलक (पजाब) मे दीक्षित हुए तथा योग्य शिष्य बनकर गुर सेवा व्रत को अगीकार किया। अपने गुर चरणा मे रहकर चहुमुखी अध्ययन किया कोई भी विषय आपसे अछूता नहीं रहा है। आपने अपने जीवन मे तपस्या को मुख्य लक्ष्य बनाया है। तपस्या के साथ-साथ आपमे शान्ति एवं क्षमा सौम्यता अद्वितीय है। क्रोध आपको कभी आता ही नही है। आपने अपनी विविध तपस्या करके कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है।

सुदीर्घ तपस्या हेतु आपका नाम गिनिज बुक आफ वड रिकाड मे दर्ज है। आप विगत २२ वर्षो से निरन्तर प्रतिवर्ष दीघ तपस्या करते आ रहे है। जिनमे १०४, ११०, १२१ १०९, १११, १३१ प्रमुख है। गत वर्ष उधना सूरत म आपने १३१ दिनो की उग्र तपस्या पूण की थी। इस वर्ष भी २२-६-९४ स आपकी उग्र तपस्या प्राम्भ हो चुकी है और ८० के प्रत्याख्यान ले चुके है सभव है इस वर्ष नया रिकार्ड स्थापित हो जाये। मधुर वक्ता श्री राम मुनिजी म सा 'निर्भय' आपकी सेवा मे तत्पर रहते है दोनो की राम लक्ष्मण जैसी जोडी है। आप स्थानकवासी जैन परम्परा मे श्रमण सघ मे प्रभावशाली तपस्वी सत रत्न है।

मधुर व्याख्यानी श्री राम मुनि जी म सा. 'निर्भय'

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के सोनीपत जिलान्तर्गत वूटाना शहर मे १५-१०-४९ का पिता श्रीमान कृपाराम अग्रवाल जैन एव माता श्रीमति लक्ष्मी देवी जी के यहा हुआ १४ वर्ष की लघुवय मे आपको वैराग्य उत्पन्न हुआ और १ वर्ष की वय मे जैन भागवती दीक्षा अगीकार की। आप अन भाषाओं के और आगम के जानकार सुन्दर प्रवचन कर्ता है आपके द्वारा चातुर्मास मे घोर तपस्वी श्री सहज मुनि जी म सा को धार्मिक कार्यक्रमो के लिए अनेक प्रकार से सहयोग प्राप्त हो है। दोनो सतो की यह जोडी जहा भी पधारते है या चातुर्मा करते है लोगो मे धर्म के प्रति अपूर्व धर्म जागृति पैदा करती आपने महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पजाब, दिल्ल हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि प्रातो का पैद विहार यात्राए की है। हिन्दी, पजाबी, अंग्रेजी, सस्कृत, प्राकृ उर्दु, मराठी, गुजराती आदि भाषाओ पर आपका पूर्ण अधिक है। आपने एम ए तक की उच्च शिक्षा भी प्राप्त की है। आप श्वे स्था श्रमण सघ के युवा सत रत्न है। श्रमण सघीय आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषीजी म सा की सेवाम आप सयुक्त चातुमास अहमदनगर मे कर चुके है। आपकी व्याख्यान कला बहुत निराली व मन को छूनेवाली होती है।

सौजन्य - एक सद गृहस्थ

इन्द्र धनुष व्यक्तित्व के धनी, प्रख्यात साहित्यकार राष्ट्रसंत श्री गणेश मुनिज म.सा. 'शास्त्री'

- विश्व - इतिहास में मेवाड की महिमा जिन दो रुपो मे प्रसिद्ध है उनमे पहला रुप है भक्ति का तो दूसरा शक्ति का। ये दोनों रुप वहा अपने चरम बिन्दु पर रहे है। भक्ति के क्षेत्र मे जहा मीराबाई भक्त शिरोमणि कहलाई वहा शक्ति के क्षेत्र मे महाराणा प्रताप स्वाधीनता के पुरोधा के रुप मे अपना अमर यश लिए हुए है।
- शक्ति की सत्ता भक्ति से अलग नही है। यह भक्ति ही है जो शक्ति को सचारित कर ऊर्जा प्रदान करती है। शक्ति और भक्ति युक्त इस शस्य श्यामला धरा ने समय-समय पर अनेकानेक सत रत्न, तपस्वी रत्न, साधक रत्न एव वीर पुरुषो को जन्म दिया है, जिनकी कीर्ति कौमुदी से आज भी विश्व जगमगा रहा है। जब भी मेवाड - राजस्थान का नाम हमारे समक्ष आता है तो हमारा मस्तक गौरव से एकदम उन्नत हो उठता है।
- परम श्रद्धेय मंगल मूर्ति पूज्य गुरुदेव श्री गणेश मुनि जी शास्त्री भी इसी मेवाड भूमि की एक महक है। उदयपुर जिले के करणपुर गाव मे सन् १९३१ मे आपका जन्म हुआ। बचपन मे ही पिता श्री लालचन्द जी पोरवाल के लालन-पालन से आप वचित हो गये। मातुश्री तीजबाई, (वर्तमान मे महासती श्री प्रेमकुवर जी म) का सासारिक मोहमाया से जी उचट गया। फलस्वरुप उन्होने साध्वी जीवन अगीर करने का दृढ सकल्प कर लिया। बालक शंकर पर इसका गहन असर पडा। उन्हे भी वैराग्य आ गया और अध्यात्म योगी उपाध्याय पूज्य गुरुदेव श्री पुष्कर मुनि जी म सा. से दीक्षित हो गये। इस समय आप मात्र १५ वर्ष के थे।
- पूज्य श्री शास्त्री जी म. एक प्रतिभा सम्पन्न कवि, सुलझे विचारक, सफल निबन्धकार, विज्ञ नाटककार एव नव-साहित्य के द्वारा सकट ग्रस्त मानवता को उबारने हेतु सुन्दर मार्ग-दर्शक के रुप मे सदा तत्पर है। आप किसी भी क्षेत्र मे संकीर्ण विचारधारा से नही बन्धते है, नई से नई विचारधारा को हृदयगम करके उसके औचित्य-अनौचित्य का निरन्तर अनुशीलन करते है।
- धर्म हो या दर्शन, समाज हो या परिवार, शहर हो या गाव, राजनीति हो या नैतिकता, जीवन के समस्त पहलुओ को सम्यक् रुप से उजागर कर भटकते लोगो को सद् पन्थ बताना, आपकी एक विशेषता है। आपने धर्म, दर्शन, विज्ञान अध्यात्म पर आधारित कहानी, उपन्यास, नाटक, मुक्तक, क्षणिकाएं, गीत, शोधप्रबन्धादि अनेक माध्यमो से, हमें अपनी भूलो का, अपनी सुषुप्ति का, अपने अज्ञान का सहज बोध कराया है तथा उनके सुधार, जागरण का एव ज्ञान का मार्ग भी दर्शाया है।
- सस्कृत, प्राकृत, अपभ्रश, हिन्दी, गुजराती, राजस्थानी आदि कई भाषाओ पर भी शास्त्री जी म का समान रुप से अच्छा अधिकार है। इनके व्यक्तित्व की गौरवशाली महानता, आत्म-सयम, आत्म-विश्वास एव तेजस्विता विलक्षण है। पूज्य शास्त्री जी म. शान्ति-प्रिय, सरल हृदय तथा सुलझे विचारो के सन्त है। आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। देश आपसे नई प्रेरणा प्राप्त कर रहा है। सामाजिक सगठनो की एकता के आप अमूल्य निधि है। आपकी मर्मस्पर्शी लेखनी जन मानस को मोड़ देने की अद्वितीय क्षमता रखती है। जैन साहित्यकारो मे श्री शास्त्री जी म का नाम प्रमुख रुप से गिनाया जा सकता है।
- उदयपुर के सैक्टर ग्यारह मे आप द्वारा सस्थापित 'श्री अमर जैन साहित्य सस्थान' धर्म, अध्यात्म शिक्षा-साहित्य सस्कृति और तप आचरण का प्रमुख केन्द्र बना हुआ है जहा से अब तक आप श्री के एक शतक ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके है और भी कई ग्रन्थ प्रकाशन के पथ पर गतिमान है।
- आपके सुशिष्य कवि मानस श्री जिनेन्द्र मुनि जी 'काव्यतीर्थ', तपस्वी रत्न श्री प्रवीण मुनि जी तथा पोत्र शिष्य गीतेश मुनि जी 'गीत' द्वारा भारत के विभिन्न अंचलो मे धर्म जागरण की प्रभावना फलित हो रही है।

श्रमण संघीय सलाहकार श्री ज्ञान मुनिजी म.सा.

सलाहकार श्री ज्ञान मुनिजी म सा

मधुर वक्ता श्री जितेन्द्र मुनिजी म सा 'एम ए

जैन-धर्म-दिवाकर वन्दनीय गुरुदव आचाय सम्राट पूज्य श्री आत्माराम जी महाराज क प्रमुख शिष्य श्रमण सूय श्रमण सघीय सलाहकार पूज्य श्री ज्ञानमुनि जी म सा पजाब के महामहिम एक लाकप्रिय सत रत्न है, क सामाजिक साहित्यिक और आध्यात्मिक सेवाओं के क्षेत्र में आप सदा आगे आगे रहने वाल एक तेजस्वी मुनिवर है।

आपका जन्म विक्रम स १९७९ वैशाख शुक्ला अक्षय तृतीया के शुभ दिन हुआ। आप बसल गोत्रीय अग्रवाल वश मे पैदा हुए है। १४ वर्षों की अल्पायु म आपन जैन धर्म दिवाकर आचाय सम्राट पूज्य श्री आत्मा राम जी म सा क चरणा मे पाकिस्तानीय रावलपिडी नगर म विक्रम सवत १९९३ वैशाख शुक्ला त्रयोदशी की पावन बेला मे जैन साधु बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। भजन बनाने का औरपुस्तके लिखने का आपको बचपन स ही शौक था। आपकी कुछ मौलिक रचनाए है। आपने अनका जैनागमा मे हिन्दी भाषा म अनुवाद किया है।

श्रमण सघीय युवाचाय परम पूज्य गुरुदव डा श्री शिव मुनि जी म सा डी लिट आपक ही शिष्य रत्न है। भारत एव सम्पूण जैन जगत की दुनिया म ॐ जय महावीर प्रभो इस नाम की आरती बडी प्रसिद्ध हो रहा है। यह आरती भी आप की ही विलक्षण प्रतिभा रचना है। आपको १३ ५ ८७ पूना साधु सम्मलन म श्रमण सघ का सलाहकार पद प्रदान किया गया। आप श्रमण सघ क सुप्रसिद्ध सत रत्न है।

आपक उपदेशो से अनेको जैन स्थानका (जैन धर्म स्थाना) का निमाण हुआ अनेका जैन मिडल स्कूल आपकी प्रेरणा पाकर समाज सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे है। औषध दान क महायज्ञो म आप सदा यागदान दते रहे है। रोहा म आचाय आत्माराम जैन डिस्पेसरी एव रायकोट की आचार्य श्री आत्माराम जैन डिस्पसरी तथा मण्डी गोबिन्दगढ की जैन डिस्पैसरी आपध दान सेवा के समुज्ज्वल उदाहरण है। पूज्य श्री शालीग्राम जैन माडल स्कूल मलौद आपकी खाली शिक्षण सस्थाए बच्चा के भविष्य को शिक्षित एव सुसस्कारित बनाने मे अपना पवित्र यागदान प्रदान कर रही हैं। आप श्री जी की गुणगाथाए महान है। आपका जीवन आध्यात्मिक और सामाजिक सेवाओ का एक महानस्रोत है। जैन जीवन को आपके साहित्य सेवी तथा समाज सेवी जीवनपर महान गर्व है। ४० के लगभग आपने पुस्तके लिखी है। क्या जैन क्या अजैन सभी परम्परा के लोग आपके लिखे साहित्य से लाभ उठा रहे है। धन्य है आपके माता-पिता जिन्होंने आप जैसे लोकोपकारी महान सन्त को जन्म देने का सौभाग्य प्राप्त किया है।

आप जीवन के ७२ वर्ष पार करके ७३ वर्ष मे प्रवेश कर रहे है। जीवन का सन्ध्याकाल निकट आ रहा हैं। तथापि आपकी कार्य शक्ति म कोइ कमी नहीं आई। आज भी आप समाज कल्याण के मगलमय कार्यो से कभी जी नही चुराते। आज भी लोग आप को सदा सर्वदा लिखने पढ़ने मे ही व्यस्त पाते है। वैसे तो आप लुधियाना अनेको बार पधारे है परन्तु चातुर्मास करने हेतु आप ३५ वर्षो के बाद लुधियाना पधार रहे है। लुधियाना नगर का कण-कण आपके पधारने से आनन्द विभोर हो रहा है। आपकी वाणी म जादूगर जैसा प्रभाव है। विरोधी भी आप के भी गीत गाते नहीं थकते है। यह सब आत्म गुरू का ही पुण्य प्रताप है। ऐसा लगता है कि आत्म गुरू की दृष्टि आपके जीवन मे साकार रूप धारण कर रही है आत्म गुरू के उपासक श्रद्धालु और चरण सेवक तो लाखों नही करोड़ो मिल जाएगे परन्तु जैन श्रमण जगत मे आपके समकक्ष आत्म गुरू भक्त कोई नजर नहीं आता।

आप श्री जी चिरायु हो और समाज की सेवाओ की मगलमय ज्योति स अपने अर्न्तजगत को सदैव ज्योतिमान बनाते रहे। यही शासन देव महाप्रभु से यही प्रार्थना है। आपका शुभमार्ग दर्शन तथा वरदहस्त सघ और समाज एव श्रद्धालु भक्ता पर बनी रहे यही मगल भावना है।

प्रस्तोता - जितेन्द्र मुनि एम ए

संघ सेवाभावी तपस्वी श्री मोहन मुनिजी म.सा.

जन्म स्थान - शाहपुरा (भीलवाड़ा) राजस्थान
जन्म तिथि - विक्रम सवत १९८०, मार्गशीर्ष कृष्णर ५
पिता का नाम - सेठ श्री माँगीलालजी पारख
माता का नाम - श्रीमती गुलाबबाई
दीक्षा स्थान - महा मदिर, जोधपुर (राजस्थान)
दीक्षा तिथि - विक्रम सवत २०००, आषाढ़ शुक्ला ७
दीक्षा गुरु - स्वामीजी प्रर्वतक श्री हजारीमलजी महाराज
काका गुरु - स्वामीजी श्री ब्रजलालजी महाराज एव
- युवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी महाराज
गुरु भ्राता - श्री माँगीलालजी महाराज
भ्राता - श्री अमोलकचदजी, श्री सोहनमुनिजी म सा (शिष्य), श्री घेवरचदजी म सा.
शिष्य - श्री प्रदीप मुनिजी म सा., श्री अजित मुनिजी (म सा), श्री भेरू मुनिजी (म.सा.)
दीक्षा ग्रहण - २० वर्ष आयु मे
पद - सघ सेवाभावी, तपस्वी-रत्न
विहार क्षेत्र - मालवा, मेवाड़, मारवाड, हरियाणा, दिल्ली, पजाव, महाराष्ट्र, गुजरात
विशेपता - गुरु-भक्ति की प्रमुखता, कर्मठ सेवाभावी, लगन के पक्के, असीम कार्यक्षमता, उग्र विहारी, घोर तपस्वी जीव दया के प्रेरक, शिक्षा-प्रेमी, जप-तप के प्रचारक, जिन शासन के प्रभावक, जनहितकारी कार्य के उपदेशक, वाचनालय- चिकित्सा- स्थानको के प्रेरक, स्व. जैन दिवाकर प्रसिद्ध वक्ता श्री चौथमलजी म के आज्ञाधारक एव अतेवासी कृपापात्र।

सफल वक्ता श्री अजीत मुनिजी म.सा.

पिता का नाम - श्रीमान हीरालालजी चित्तौडा
माता का नाम - श्रीमती मानकुँवरवाई
जन्म स्थल - इदौर (मध्यप्रदेश)
दीक्षा तिथि - मगसर वदी ५ वि स २०१८
दीक्षा स्थल - माँगलिया (इदौर)
दीक्षा गुरु - सघ सेवाभावी तपस्वी श्री मोहन मुनिजी म सा.
विचरण क्षेत्र - राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, हरियाणा आदि।
भाषा ज्ञान - हिन्दी, सस्कृत, प्राकृत, अग्रेजी, गुजराती आदि
सासारिक वहिन - विदुषी महासती श्री शातिकुँवरजी म सा (उज्जैन)
साहित्यिक रुचि - साहित्य, सामाजिक, लेखन कला, पुस्तकें, उपान्यास, गीत, मुक्तक, गद्य आदि की कई रचनाएँ।
विशेष - श्रमण सघीय सफल वक्ता, युवा सत रत्न, क्रातिकारी विचारो के प्रेरक, सघ समाज का सर्वांगीण अभ्यूदय हो इसकी हमेशा प्रेरणा करते रहना। श्रमण सघीय साध्वी श्री रमणिक कुँवरजी म सा के सग विदुषी महासती श्री शातिकुँवरजी म सा. आपकी ससार पक्षीय वहिन है। आपका श्रमण सघ मे काफी अच्छा प्रभाव है। व्याख्यान शेली कला अद्भुत निराली श्रोताओ पर पूर्ण अधिकार जमाने वाले ओजस्वी सफल प्रवचनकार आदि।

श्री मुक्तानन्द विजय जी म सा

आपका जन्म गुजरात प्रान्त के कच्छ जिले के मनफरा-कच्छ मे श्रीमान हीरजी भाई सावला (मुनि श्री विवेक विजय जी म सा) के यहाँ हुआ। मेट्रीक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर कदम बढाये। आपके पूज्य पिता श्री भी पूर्व मे दीक्षित हुए थे। आप सावला कुटुंब के कुल दीपक हो। समग्र कच्छ वागड क्षेत्र मे मनफरा गाँव मे सबसे अधिक रत्न सयम मार्ग की ओर बढे है। आपने भी दीक्षा ग्रहण करके मनफरा गाँव की शोभा बढाने मे चाँद किये है। आपने भी ससार की असारता जानकर श्वेताम्बर मूर्तिपूजक आचार्य प्रवर श्री कलापूर्ण सूरीश्वरजी म सा की पावन निश्रा मे १६ ५-९४ को वेपरी मद्रास मे भागवती जैन दीक्षा अगीगार की है। दीक्षोत्सव के अवसर पर मदिर की भव्य प्रतिष्ठा भी हुई। इस अवसर पर आचार्य श्री की समुदाय के लगभग २०० साधु-साध्वीयाँ वहाँ उपस्थित थे। पूर्व भव के पुण्य प्रताप से शैशव काल से ही आपके जीवन मे धर्म रूपी बीज को आचार्य श्री जी ने सीचा एव इसकी सुगध फैलाने के लिए आपने सयम जीवन की ओर अपने कदम बढ़ाये। आपकी कई वर्षों की मनोकामना पूर्ण हुई। आपके परिवार मे धर्मपत्नि दो सुपुत्र एव सुपौत्र आदि का भरा का भरा पूरा परिवार है। पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से सुशोभित है। आपके सुपुत्र श्री महेन्द्र सॉवला भी समाज सेवी दानवीर अहिंसा प्रेमी मिलनसार कर्मठ सेवा भावी युवा शिरोमणी है। आप महावीर जैन विद्यालय गोवालियाटेक बम्बई के कार्यकारी सदस्य भी है। आपने मनफरा पाजरापोल मे भी भरपूर सहयोग प्रदान किया है। समाज सेवा के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। कच्छ-गुजरात मे अकाल के समय आपने पाजरापोलो गौशालाओ को भरपूरा सहयोग दिया भी है और सक्रित करने म भी काफी प्रयास किया है।

सेवाभावी प्रखर वक्ता श्री कान्ति मुनिजी म सा

आप श्री का जन्म रतलाम (म प्र) म २१ अप्रल १९५० को श्रीमान अनोखी लालजी की धर्मपत्नी श्रीमती सोहनबाइ की कुक्षि से हुआ कुछ वर्ष पश्चात् आपके पिता भी व्यापारार्थ उज्जैन (म प्र) म चल गये। यहा पर मालव रत्न उपाध्याय श्री कस्तूरचन्दजी म सा सवत २०२४ का चातुमास करने हेतु पधारे। आप श्री व्याख्यान का नित्यप्रति लाभ लते रहते थे। गुरुदेव श्री के प्रवचन ने आपके हृदय को झकझार दिया। आप सावधान हो गये। मन ही मन निश्चयकर लिया कि पैसा कमाकर गृहस्थ की सेवा करना है तो क्या न ज्ञान कमाकर सतो की सवा की जाय। बस आपने सयम अगीकार करने का दृढ सकल्प कर लिया और गुरुदव श्री से सयम प्रदान करन की प्राथना की।

वैराग्यावस्था म तीन वष तक रहकर गुरुदेव श्री से ज्ञानार्जन किया। तत्पश्चात गुरुदेव श्री ने प्रवतक श्री रमशमुनिजी को आदेश दिया कि कान्तिलालजी को उचित स्थान पर सयम प्रदान कर पुन मरी सवा म रतलाम (म प्र) ले आवे। प्रवर्तक श्री छायन बदनावर (म प्र) म ३१ जनवरी १९७१ को दीक्षा देकर गुरुदेव श्री की सवा म रतलाम (म प्र) पहुचा दिया। तभी से आप श्री उपाध्याय श्री की १५ वष तक निरन्तर सेवाम लग रह।

गुरुदव श्री की सेवा म रहते हुए आपने सस्कृत, प्राकृत हिन्दी का अच्छा अध्ययन किया, इलाहाबाद से हिन्दी का साहित्य रत्न परीक्षा उत्तीण की एव पाथर्डी बोर्ड स शास्त्री की परीक्षा उतिण की।

आपकी प्रवचन शैली भी सरस एव सरल है जो कि हर जन मानस उस स शिघ्र ही ग्रहण कर लता है। आपकी प्ररणा से मडलेश्वर, बलवाडी (म प्र) बेटावद, वरला, नान्दगाव (महा) मे स्थानक का नव निर्माण हो रहा है। सन १९९३ का चातुमास नान्दगाव मे तपस्वी श्री बसन्ती लालजी म सा की सेवा मे था, वहा २३/१२/९३ को तपस्वी का महाप्रयाण हो गया उनकी यादगार मे आपकी प्रेरणा से ही बसन्तमुनि छात्रावास का नव निर्माण हो रहा है। आप कर्मठ सवाभावी है आप मध्यप्रदश राजस्थान, महाराष्ट्र म विचरण कर चुक है।

सौजन्य श्री बाबूलाल फूलचद चौरडिया
पाँचोरा (महाराष्ट्र)

श्रमण संघीय प्रवर्तक
स्व. श्री अम्बालाल जी म.सा

सांसारिक नाम		श्री अम्बालाल जी (श्री. हमीरमलजी)
पिताजी	.	श्री किशोरी लालजी (सोनी ओसवाल)
माताजी		श्रीमति प्यारी बाई
जन्म तिथी		जैष्ठ शुक्ला ३ विकम सवत् १९६२
जन्म स्थान	:	थामला (मेवाड) (राजस्थान)
दीक्षा तिथी	.	मार्गशीर्ष शुक्ला ८ वि.स १९८२
दीक्षा स्थान	.	मगलवाड (मेवाड) (राजस्थान)
दीक्षा प्रदाता		श्री मोतीलालजी म.सा
भाषा ज्ञान	-	हिन्दी, गुजराती, प्राकृत, सस्कृत, अग्रेजी आदि
बिहार क्षेत्र	-	राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, बम्बई दिल्ली उत्तरप्रदेश आदि
पदवीया	-	मेवाड मंत्री, मेवाड सघ शिरोमणि, मेवाड मुकुट, मेवाड के मूर्घन्य सत, मेवाड रत्न, मेवाड गच्छ मणि, मेवाड मार्तण्ड (सभी भूतपूर्व मेवाड सम्प्रदाय)
प्रवर्तक पद	-	श्रमण सघ के प्रवर्तक पद पर
प्रथम चातुर्मास	-	वि.सं. १९८३ जयपुर (राजस्थान)
अन्तिम चातुर्मास	-	वि.स २०५० मावली जक्शन (राजस्थान)
महाप्रयाण	-	१५-१-१९९४ फतेहनगर (मेवाड)
विशेष	-	श्रमण सघीय महामत्री श्री सौभाग्य मुनिजी म.सा. 'कुमुद' आपके सुशिष्य है। मेवाड प्रान्त मे आपका काफी प्रभाव था। श्रमण संघ के काफी मूर्घन्य वयोवृद्ध सत रत्न थे।

सौजन्य :- श्री सोहनलालजी सियाल (जैन) (सामेरा (फतेहनगर)) गोवण्डी - बम्बई

पन्यास श्री पूर्णानन्द विजय जी म.सा. 'कुमार श्रमण'

बहुमुखी प्रतिभा के धनी पन्यास श्री पूर्णानन्द विजयजी म.सा. जैन जगत के प्रसिद्ध मुनिराज है। श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागच्छीय श्री भक्तिसूरीश्वरजी समुदाय के आप पन्यास पद पर सुशोभित है। आपने हिन्दी, गुजराती, अग्रेजी, मराठी भाषाओ में अनेक साहित्य की रचनाऐं की है। आपकी प्रवचन शेली एव लेखनकला अन्तर मन को छू लेती है। आध्यात्मिक एवं नेतिक जीवन उद्धार के लिए आपका साहित्य सग्रहणीय बन जाता है। आप 'कुमार श्रमण' उपनाम से जैन जगत में प्रख्यात है। आप विगत कई वर्षोसे बम्बई महानगर मे ही विचरण कर रहे है। इस वर्ष आपका चातुर्मास ठाणा-बम्बई में है। सरल स्वभावी हंसमुख प्रवृति के वयोवृद्ध संत रत्न है। आपकी निश्रा मे विगत कई वर्षो से बच्चो में धार्मिक शिक्षण शिबिरो का आयोजन भी होता रहता है।

मधुरवक्ता श्री रामचन्द्र विजयजी म.सा.
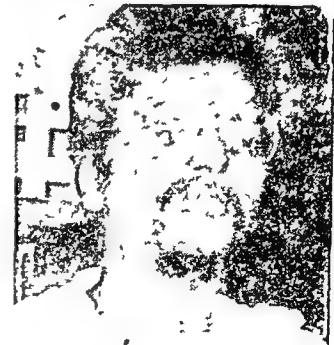
पन्यास श्री पूर्णानन्द विजयजी म.सा. ''कुमार श्रमण'' के जेष्ठ सुशिष्य, मधुरवक्ता, सेवाभावी, युवा संत रत्न है।

सौजन्य - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, बान्द्रा (वेस्ट) बम्बई

युवा मनीषी श्री सुभाष मुनिजी म.सा

युवा चिंतक तपस्वी श्री सुधीर मुनिजी म.सा
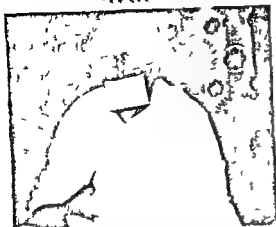
विदुषी साध्वी रत्ना डॉ अर्चनाजी म सा (एम ए पीएचडी) एव साध्वी वृन्द

विदुषी साध्वा रत्ना डा अचनाना म सा (बाए स तृतीय), साध्वी श्री वन्दनाजी म सा , साध्वी श्री मनीपाजी म सा एव साध्वी श्री अचलाजी म सा चित्र मे खडे दिखायी दे रहे है ।

विशेषताए - जैन जगत् की विदुषी साध्वी रत्ना, निर्भीक, निडर एव प्रखर व्याख्यात्री, मधुरभाषी, नवचेतना प्रेरक, देश के अनेक प्रातो म विचरण अनेक भाषाओ की ज्ञाता, उज्ज्वल भविष्य की श्रमण सघ की प्रभावशाली विदुषी साध्वी आदि । उपरोक्त दोनो मुनिराज डॉ अचनाजी म सा के ससार पक्षीय छोटे भ्राता है इस तरह तीन भाई बहिन सयम पथ पर विद्यमान हे ।

श्रमण सघीय व्याख्यान वाचस्पति स्व श्री सुरेन्द्र मुनिजी म सा के सुशिय युवामनिषी श्री सुभाष मुनिजी म सा एव युवा चितक तपस्वी श्री सुधीर मुनिजी म सा आदि ठाणा २ एव साध्वी शिरोमणि स्व श्री पन्ना देवी जी म सा की सुशिष्या साध्वी रत्ना डॉ अचना जी म सा , श्री वन्दना जा म सा श्री मनीषा जी म सा एव श्री अचला जी म सा आदि ठाणा ४ का बराडा (अबाला) मे सन् १९९४ का चातुमास जप, ध्यान व स्वाध्याय की दृष्टि से प्रेरणा दायक व रचनात्मक कार्यो द्वारा यशस्वी व ऐतिहासिक बने इन्ही हार्दिक शुभकामनाओ सहित-

(१) श्री एस एस जैन सभा, बराडा, (अबाला)
(२) पूज्य काशीराम जैन भवन, बराडा, (हरियाणा)
(३) प शुक्लचद जैन सिनियर सेकेण्डरी स्कूल, बराडा
(४) श्री सुरेन्द्र मुनि जैन पब्लिक स्कूल, बराडा
(५) श्री सुरेन्द्र मुनि जैन नवयुवक मण्डल, बराडा
(६) पूज्य श्री सुरेन्द्र मुनि जैन सहातार्थ ट्रस्ट, बराडा

दिवाकर दीप, प्रसिद्ध कहानीकार, कविवर्य,
उपाध्याय श्री केवलमुनिजी म.सा.

पिताजी	-	श्रीमान् जवाहरलालजी कोठारी
माताजी	-	श्रीमती कुंकुमबाई कोठारी
भाई	-	कवि श्री बशीलालजी म.सा.
गुरू	-	जैन दिवाकर श्री चौथमलजी म.सा.
जन्म तीथी	-	विक्रम सवत् १९७० मिती श्रावण वदी १३ कोशीथल
दीक्षा तीथी	-	विक्रम सवत् १९८१ फाल्गुण शुक्ला ५ (११ वर्ष)
दीक्षा स्थान	-	ब्यावर (राजस्थान)
पद	-	कविरत्न, प्रवचन केसरी, प्रखर वक्ता, वाणी के जादूगर उपाध्याय
उपाध्याय पद	-	इन्दौर (म प्र) सन् १९८६
परिभ्रमण	-	कन्याकुमारी से कश्मीर, कलकत्ता से बम्बई
स्वर्गवास	-	दिनांक २०-५-९४ बेगलोर (कर्नाटक)
साहित्यक सर्जन	-	आगम मुक्ता, तत्वार्थ सूत्र, चिन्तन का चन्दन, दिव्य आलोक, जीने का कला, सुक्ति सुमन, जैन दिवाकर स्मृति ग्रथ। इसके अलावा अनेक उपन्यास लगभग ८५ पुस्तके लिखी। आप सफल कवि एव प्रसिद्ध कहानीकार ओजस्वी व्याख्यता सत रत्न थे।
आपकी प्रेरणा के स्त्रोत	-	श्री जैन दिवाकर छात्रावास, नीमच (म.प्र), महासती श्री कुकुमबाई जैन कन्या विद्यालय, कोशीथल (राज.), श्री जैन दिवाकर विद्यापीठ, इन्दौर, श्री जैन दिवाकर सेवा संघ, चिकबालापुर (कर्नाटक), श्री भगवान महावीर जैन कॉलेज, बेंगलोर श्री भगवान महावीर जैन सेवा ट्रस्ट, मद्रास, श्री पार्श्वनाथ जैन शिक्षण ट्रस्ट, मैसूर, श्री भगवान महावीर जैन एज्यूकेशनल ट्रस्ट, सिकन्द्राबाद, श्री वर्धमान सेवा समिति, बेगलोर आदि स्थानो मे कई अनेक संस्थाए आपकी पावन प्रेरणा से आज भी सुचारू रुप से चल रही है।

शिष्य - मधुरवक्ता - श्री पदमचंदजी म.सा. सेवाभावी श्री सुरेशमुनिजी म.सा.

सौजन्य - श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ श्री रामपुरम् - बैगलौर

श्रमण संघीय विदुषी साध्वी श्री उमराव कुंवर जी म.सा. 'अर्चना'

पिताजी - श्रीमान जगन्नाथ सिहजी तातेड (मुनि श्री मागीलालजी म सा)

माताजी - श्रीमति अनुपमा देवी

जन्म तिथी - भाद्रपद सप्तमी वि स १९७९ मगलवार

जन्म स्थान - दादिया ग्राम (किशनगढ) (राजस्थान)

दीक्षा तिथी - मार्गशीष वदी ११ वि स १९९४ रविवार

दीक्षा स्थान - नोखा चादावतो का (नागौर-राजस्थान)

दीक्षा गुरु - पूज्य प्रवतक मरधर मत्री स्वामीजी श्री हजारी मलजी म सा

गुरु वर्या - महासती श्री सरदार कुवरजी म सा अध्ययन जैन दर्शन एव अन्य भारतीय दशन साहित्य सस्कृति व विभिन्न आठ भाषाओं (सस्कृत प्राकृत हिन्दी-गुजराती, पजाबी उर्दू - अग्रेजी राजस्थानी आदि) का परिज्ञान

साहित्य सजना - आम्रपाली अचना और आलोक, अर्चना के फूल, अचना के प्रदीप, हिम और आतप, उपासक और उपासना अर्चनाजली आदि ।

साहित्य सपादन - याग शास्त्र, जैन योग ग्रथ चतुष्ठय्य, पचामृत, जीवन सध्या की साघना, मुनि द्वय अभिनन्दन ग्रथ युवाचार्य श्री मधुकर मुनि स्मृति ग्रथ, कायापुर पट्टन का पत्र, श्रद्धा सुमन, श्रद्धा के सात फूल, नन्दी सूत्र आदि ।

विहार क्षेत्र - राजस्थान, पजाब, काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चण्डीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि

विशेष रुची - योग साधको से सम्पर्क, ध्यान साधना, जन कल्याण हतु सस्थाओ का निमाण, समन्वयात्मक दृष्टिकोण सगठन प्रेमी सभी दशनो का तुलनात्मक अध्ययन करना आदि

प्राप्त उपलब्धिया- काश्मीर प्रचारिका, अध्यात्मिक योगिनी, मालव ज्योति, प्रवचन शिरोमणी, मरुधरा मुकुट मणि, शासन चन्द्रिका आदि

विशेष - श्रमण सघ समुदाय की परम शासन-प्रभाविका परम विदुषी । काश्मीर मे सर्व प्रथम पदार्पण करनेवाली प्रथम साध्वी वृन्द। सरल स्वभावी मृदुभाषी, प्रखर व्याख्यात्री, प्रभावशाली साध्वी वृन्द

सौजन्य - श्री जेठ मल चौरडिया (महावीर ड्रग हाउस) बैंगलौर

महा मनस्वी संत रत्न, श्री सुरेन्द्र मुनिजी म.सा.

अज्ञात की यात्रा को ज्ञात-चरणों के चिन्हो पर जी रहे एक महामनस्वी संत रत्न हैं - पूज्य गुरुदेव श्री सुरेन्द्रमुनिजी महाराज। महाप्राण मुनिप्रवर की गति एव वृत्ति में सहज प्रकृति का अनहद नाद बजता है। ५ अगस्त १९१७ को कुरूक्षेत्र जिले के रादौर ग्राम के सैनी क्षत्रिय वंश के श्रीमान् कुन्दनलालजी की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णादेवी की रत्नकुक्षी से आपका अवतरण हुआ।

श्री केदारनाथ से सुरेन्द्र मुनि तक की यात्रा जागृति के पथ पर उनींदे चरणों की यात्रा है। आलोक के लोकयात्री मुनि प्रवर को भारत केसरी आचार्य श्री काशीरामजी महाराज का गुरुत्व उपलब्ध हुआ। विजयादशमी २५ अक्टूबर १९३६ को वे जैनेन्द्रीया महासम्पदा को ग्रहण कर राग से विराग के पथ पर बढ गये। पजाब प्रवर्त्तक श्री शुक्लचंदजी महाराज के आशीष तले बैठकर अक्षर-आराधना प्रारम्भ की। जैन, बौद्ध एव वैदिक साहित्य की सरिता के रूप में प्रवाहित होकर चिन्तन महासागर मे एकीभूत हो गया।

साधनाशील श्रमण होने के साथ आप एक रचनाशील सन्त रत्न है। आपकी रचनाशीलता वक्तृत्व एव कृतित्व से सुसज्जित है। जीवन के महाविस्तार को पाने के लिए आपकी रचनाधर्मिता कई सामाजिक एव शैक्षणिक सस्थाओ के गठन के रूप में सामने आई।

सर्जना के सगमरमरी शिल्प से उभरे मान स्तम्भ है --

- पूज्य काशीराम जैन भवन, बराडा
- पी.एस.सी.जैन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, बराडा
- श्री सुरेन्द्र मुनि जैन पब्लिक स्कूल, बराडा
- जैन गर्ल्स कॉलिज बडौत (उ.प्र.)
- श्री भद्र मुनि जैन मॉडल स्कूल, नालागढ (हि.प्र)
- श्री महावीर जैन फ्री डिस्पेन्सरी, रौपड (पजाब)
- श्री महावीर जैन भवन, भाई रूपा, भटिण्डा (पंजाब)
- जैन स्थानक, रामपुरा, फूलमण्डी (पजाब)

गुरु दर्पण है। इस दर्पण में शिष्य अपनी प्रतिभा, गरिमा और अस्मिता को प्रतिभासित करते है। गुरु सुगधि के भाति है जो कुछ न देकर भी बहुत कुछ दे देता है। महाप्राण मुनिप्रवर श्री सुरेन्द्रमुनिजी इस सत्य के साकार रुप है। अपने सुयोग्य शिष्यों श्री विकासमुनिजी, युवा मनीषी श्री सुभाषमुनिजी, युवा चिन्तक, तपस्वीरत्न श्री सुधीरमुनिजी मे अपने गुरुत्व को प्रतिबिम्बित कर अपने सामने ही अपनी परम्परा का गौरवमय स्मारक खडा कर दिया।

पाव-पाव, गाव-गाव जाकर उन्होने व्यसन मुक्त समाज की संरचना में महान योगदान दिया। एक व्यक्ति के रूप मे अपने भीतर एक पूरा समाज लेकर आप रावलपिडी, लाहौर गुजरावाला, स्यालकोट, पजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल एव राजस्थान की पदयात्रा कर आये।

१४-२-१९९४ को बराडा (अम्बाला) (हरियाणा) मे आपका इस वर्ष स्वर्गवास हो गया।

- साध्वी डॉ. अर्चना

आप श्रमण संघ के काफी सुप्रसिद्ध सत रत्न थे। सरल स्वभावी प्रखर वक्ता, सहनशीलता, सौम्यता एक रुपता सयम के प्रहरी, रचनात्मक कार्यो के प्रेरक प्रतिभावन एव प्रभावशाली सत रत्न थे। श्रमण सघीय डॉ. अर्चनाजी म.सा की देखरेख मे आपका श्रृद्धाजली विशेषाक भी शीध्र प्रकाशित होने वाला है।

सोजन्य - श्री एस. एस. जैन सभा, बराड़ा (अम्बाला) (हरियाणा)

जैन जगत के महान ज्यौतिर्धर आचार्य-मुनिराज

श्रमण सघीय प्रवतक
श्री रुपचन्द जी म सा
रजत (सादडी-मारवाड)

श्रमण सघीय उपप्रवर्तक
सलाहकार श्री सुकन मुनिजी
म सा (सादडी मारवाड)

श्रमण सघीय
सलाहकार
रतन मुनि जी म सा
उरला (म प्र)

उपप्रवतक श्री चदन मुनिजी
म सा (पजाबी)

डा सुब्रत मुनिजी म सा
(M A Ph D)

प रत्न श्री रविन्द्र मुनिजी म सा

श्रमण सघीय
मधुर व्याख्यानी (बम्बइ)
श्री नरेन्द्र मुनि जी म सा

श्रमण सघीय मधुर वक्ता
श्री रतन मुनि जी म सा
रत्नाकर (बम्बई)

श्रमण सघीय मधुर वक्ता श्री
जिनेन्द्र मुनि जी म सा
काव्यतीर्थ' (दिल्ली)

श्रमण संघीय विदुषी साध्वी श्री चंदनाजी म.सा. एवं साध्वी वृन्द
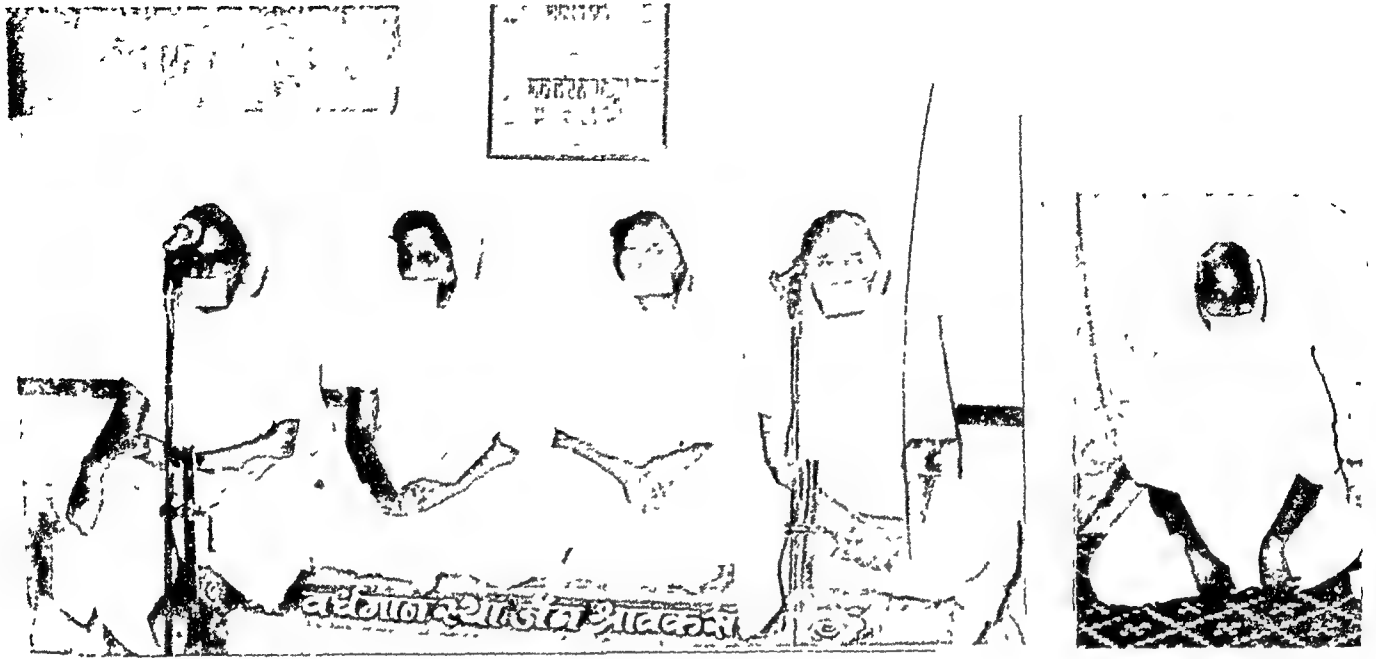
श्रमण संघीया विदुषी साध्वी श्री चदनाजी म.सा. अपनी साध्वी मंडल के साथ ।
चित्र - वाये से दायें - साध्वी श्री अक्षय ज्योति जी म.सा , साध्वी श्री चदनाजी म सा. साध्वी श्री महाश्वेताजी म.सा.
साध्वी श्री कुमुद लताजी म.सा. एव साध्वी श्री कलावती जी म.सा

विदुषी साध्वी श्री चंदनाजी म.सा. का संक्षिप्त जीवन परिचय

पिताजी	श्री मोहनसिहजी वावेल
माताजी	श्रीमती पिस्ताबाई बावेल
जन्म भूमि	उदयपुर (राजस्थान)
गुरुणी	स्व. मालव सिहनी महासती श्री कमलावती जी म.सा.
अध्ययन	जैन आगम, न्याय दर्शन आदि का तलस्पर्शी अध्ययन, साहित्यरत्न, सिद्धान्त शास्त्री, एम.ए.
भापा ज्ञान	हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती, सस्कृत, अग्रेजी आदि ।
विचरण क्षेत्र	राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तामिलनाडू आदि ।
प्रेरित सस्थाए	(१) महासति कमलावती, परमार्थिक समिति, उदयपुर (२) बाल चिकित्सा केन्द्र वारव्हा एवं अनेक स्थानोपर जैन पाठशाला की स्थापना आदि (३) वम्बई महानगर मे लगभग १०-१५ स्थानो पर नूतन जैन स्थानक भवन के निर्माण मे प्रेरणा करना जिनमे से ३ स्थानक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण
विशेष	आप अच्छे वक्ता, लेखक, मधुर व्याख्यात्री है । श्रमण संघ की होनहार साध्वी हैं । वम्वई मे कई चातुर्मास पूर्ण कर इस वर्प ठाणा-वम्वई में विराजमान हे ।

सोजन्य :- श्री सुमतिलाल कर्नावट (कर्नावट क्लासेस) ठाणा-वम्बई

श्रमण सघीय मालव सिंहनी, शासन प्रभाविका, विदुपी महासति स्व श्री कमलावतीजी म सा की सुशिष्या परम विदुपी मधुर व्याख्यात्री महासति श्री सत्यसाधनाजी म सा M A

मालव सिंहनी, शासन प्रभाविका, विदुषी महासती स्व श्री कमलावतीजी म सा

विदुषी, मधुर व्याख्यात्री महासती श्री सत्य साधनाजी म सा M.A.

विदुपी महासती श्री सत्य साधनाजी म सा का जीवन परिचय

पिताजी	श्री कान्तिलालजी भूरावत	गुरुणी मा	श्रमण सघीय मालव सिंहनी शासन प्रभाविका महासती श्री कमलावतीजी म सा
माताजी	श्रीमती मीना बाई भूरावत	अध्ययन	सिद्धान्त शास्त्री, साहित्य रत्न, आगम आदि ।
जन्म स्थान	औरगाबाद (महाराष्ट्र)	भाषा ज्ञान	हिन्दी, सस्कृत, गुजराती, मराठी, अंग्रेजी आदि ।
दीक्षा तिथि	19 वष का वय म	विहार क्षेत्र	राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तरप्रदेश आदि ।
दीक्षा स्थल	ब्यावर (राजस्थान)		
दीक्षा गुरु	श्रमण सघीय प्रवतक श्री हीरालालजी म सा		

विशेष श्रमण सघीय आचाय सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा की आज्ञानुवर्ती एव मालव सिंहनी शासन प्रभाविका विदुषी महासती स्व श्री कमलावतीजी म सा की शिष्या विदुपी मधुर व्याख्यात्री महासती श्री सत्य साधनाजी म सा एम ए, श्री अरुण प्रभाजी म सा, श्री महाप्रज्ञाजी म सा, श्री चारुप्रज्ञाजी म सा आदि ठाणाओ (4) का पालघर (महाराष्ट्र) म सन् 1994 का चातुर्मास सोल्लासमय वातावरण म सानन्द सम्पन्न होने की मगल करते हुऐ—

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ

जैन स्थानक, मनोर रोड, पालघर जिला—ठाणा (महाराष्ट्र)

नाथूलाल जैन अध्यक्ष	सागरमल जैन मत्री

विदुषी साध्वी रत्ना डॉ. धर्मशीला जी म.सा. एम.ए. पीएचडी

सांसारिक नाम	कुमारी विमल
पिताजी	श्री रामचन्द्र जी सिंघवी जैन
माताजी	श्रीमति कस्तूरबाई सिंघवी
जन्मतिथी	भाद्रपद अमावस्या सन् १९३९
जन्म स्थान	कान्हूर पठार (अहमदनगर)
दीक्षा तिथी	मार्गशीर्ष सुदी ११ (मौन एकादशी) २१-१२-५८
दीक्षा स्थल	अहमदनगर (महाराष्ट्र)
दीक्षा प्रदाता	स्व. आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषी जी म.सा.
गुरुणीजी	स्व. विदुषी साध्वी श्री उज्ज्वल कुमारी जी म.सा.
भाषा ज्ञान	हिन्दी, मराठी, गुजराती, प्राकृत, सस्कृत, अग्रेजी, पाली आदि
विहार क्षेत्र -	बम्बई महानगर एव महाराष्ट्र प्रान्त
डॉ. पी.एच.डी. उपाधि	१९७७ में जैन दर्शन मे नवतत्व विषय पर डाक्टर-पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की
विशेष -	प्रवचन कला निराली, बच्चो मे धार्मिक शिक्षण की ओर विशेष ध्यान, रक्तदान, शिबिर, आरोग्य शिबिर, आई केम्प, दत यज्ञ, आदि कार्यक्रम की प्रेरणा देते रहते है। श्रमण सघ की विदुषी साध्वी रत्ना।

चित्र मे बाये से दाये - साध्वी श्री भक्ति शीला जी म.सा , श्री पुष्पशीलाजी म सा. डॉ. धर्मशीलाजी म सा (एम.ए.पीएचडी,) श्री चारित्र शीलाजी म.सा. श्री विवेक शीलाजी म.सा खडे दिखायी दे रहे है।

सौजन्य - श्री कांतिलाल जैन (पी.एच.जैन लाटरी) बम्बई

साध्वी श्री नूतनप्रभा महान मौन साधिकाजी म सा.

सतो की दुनिया मे बालब्रह्मचारी, प्रतिभामूर्ति योगनिष्ठ पूज्य श्री नूतनप्रभाजी महाराज का अपना ही स्थान है। अपने नामके अनुरुप सचमुच ही आप समाज के सामने एक नूतन आदर्श उपस्थित कर रही है। आपका जन्म १९ नवबर १९७८ मे महाराष्ट्र के अहमदनगर जिलान्तर्गत श्रीगोंदा तहसीलमे हुआ। वहीपर प्रारभिक शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् आप शास्त्र विशारदा पू श्री इन्द्रकुवरजी म के चरणो मे पहुचकर अध्ययन करने लगी। जिनसे भी आप कुछ पढती पढानेवाले आपसे बहुत प्रसन्न रहते थे। यही कारण है तत्कालीन श्रमणसघ के एकमात्र उपाध्याय प्रज्ञामहर्षि पू श्री अमरमुनिजी म ने आपको वैराग्य अवस्था में पढाते हुए कहा था छाया! तुम जैसे विद्यार्थियोंको पढाने मे मुझे बडा आनद आता है। इसीका प्रमाण है साहित्यरत्न परीक्षासे पूर्व प्राप्त उनका कृपापत्र जिसमे उन्होंने लिखा था - 'अध्ययन चल रहा होगा ? परीक्षा काल निकट आ चुका है। तुम्हारी प्रतिभापर भरोसा है, अवश्य तुम परीक्षा में अधिकाधिक नबर लेकर उत्तीर्ण हो जाओगी। तुम्हारे उज्ज्वल भविष्य के लिए मगल कामना।

इससे पता चलता है आपकी तीव्र ग्रहणशक्ति, स्मरण शक्ति एव तर्कनाशक्ति पढानेवालो को कितना अधिक प्रसन्न करा देती थी आपने वर्धा की 'साहित्यरत्न' के अलावा प्राकृत एव अग्रेजी के कुछ प्राइवेट अध्ययन के साथ कई धार्मिक एव सस्कृत परीक्षाए भी उत्तीर्ण की।

अध्ययन एव पयटन साथ-साथ चलते रहने की वजह से सहज ही आप बहुभाषाविद् भी बन गई। यही कारण है जैनधर्म की आर्हती साध्वी दीक्षा अगीकार करनेके पश्चात् विविध भाषाओमे आपके प्रवचन होने लगे, जिसमे विस्तृत ज्ञानके साथ साथ जीवन मे प्राप्त अनुभवोंकी छाप भी श्रोताओंको स्पष्ट दृष्टिगोचर होने लगी। साथ ही हिंदी, मराठी, राजस्थानी, गुजराती, हरियाणी, पजाबी आदि भाषाओंमे आपने सुदर भावपूर्ण भक्तिप्रद भजनोंकी रचना की तो दूसरी ओर तूफानी, अतुकाना व्यग्यात्मक कविताओंका सृजन कर समाज में नवजागृतिका शखनाद फूका

युवा होते हुए भी आपके प्रवचनोमे जो परिपक्वता देखने को मिली, उससे जनमानसका आपके प्रवचनों के प्रति आकर्षण बढना स्वाभाविक था। यही कारण है दीक्षा ग्रहण करते ही आपके जन्मभूमि श्रीगोदामे आपके पदार्पण पर धर्मस्थानकी चार दीवारो मे बाहर हर गली मुहल्ले मे आपके रात्रिकालीन मराठी में सार्वजनिक प्रवचनो के आयोजन होते रहे, जिनमे सभी वर्ग जाति एव धर्म के लोगोने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म प्रेरणाए प्राप्त की एव अपने गाव की बेटी की अल्पावधिमे हुई इस अध्यात्मिक प्रगति को देख अतीव मुग्ध हुए। विदाई समारोहके के अवसर पर माननीय स्वतत्रता सेनानी श्री मोतीलालजी कटारियाने अपने अभिभाषणमे कहा दीक्षा लिए अभी आपको १८ दिन भी नहीं हुए और अपने वक्तव्यको इतने सुदर ढग से भावपूर्ण प्रवाहमय शैली मे जिस साहस के साथ आप समाज के सामने प्रस्तुत कर रही है उसे देखते हुए हमे आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नताका अनुभव हो रहा है एव साथ ही भविष्य मे भी आपके प्रति समाज की बहुत बड़ी आशा जागृत हुई है।'

इतना ही नहीं वरन् ६ फरवरी १९७६ को घोडनदीमे सयमी जीवन मे प्रवेश करते वक्त ही आपके द्वारा दिए गए क्रातिकारी प्रभावपूर्ण

भाषण से उपस्थित जनसमूह इतना अधिक प्रभावित हो चुका था कि श्रीगोंदा के पश्चात् अहमदनगरमें आपका पदार्पण होते ही वहा के सघने भी समाचार पत्रमे सूचनाए एव परिचय निकालकर विभिन्न चौको एव सार्वजनिक स्थानोपर रात्रिमे आपके पब्लिक प्रवचनोंके आयोजन करवाकर अपनेको गौरन्वित अनुभव किया हजारों की सख्या में उपस्थित जनसमूह एवं प्रतिदिन बढती श्रोताओ की विपुल सख्या ही आपके प्रवचनोंकी लोकप्रियताका स्पष्ट प्रमाण था । अहमदनगर सघ के तत्कालीन मत्री श्री शांतिलालजी गुदेचा के शब्दोमे 'जैसे महासती श्री प्रीतिसुधाजी म.के प्रवचनोंमें नगर, पूना, बीड आदि स्थानोपर दस हजार से भी अधिक जनसमुदाय उपस्थित रहा वही श्रेय महासती श्री नूतनप्रभाजी म. ने अति अल्पावधिमें ही प्राप्त कर लिया है ।' फिर तो आप जहा-जहा भी पहुची भिंगार, कडा, करमाला, मिरज गाव आदि सभी जगह आपके रात्रिकालीन सार्वजनिक प्रवचनोके आयोजन होते रहे । उसके बाद दो तीन वर्ष गहन अध्ययन करने के पश्चात् आपका पदार्पण म.प्र. मे हुआ । जहा १९७९ के करही चातुर्मासमे हुए आपके रात्रिकालीन पब्लिक प्रवचनो को लोग अभीतक भी भुला नही पाए है । प्रतिभा उम्र की मुहताज नही होती, उस लघु उम्र मे ही आपने जनमानसपर जो प्रभाव जमाया वह विरल वक्ताओ के लिए ही सभव है । प्रभावि वकृत्व, सफल कवित्व एव कठ माधुर्य का त्रिवेणी सगम हुआ है आपमें वहां साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, चारित्रिक दढता, निर्भीकता, समन्वयवादी उदार दृष्टिकोण तथा बात कहने का लाजबाब ढगने एक इन्द्रधनुषी व्यक्तित्व प्रदान किया है आपको ! यही कारण है जैन जैनतर सभी श्रोताओपर आपका प्रभाव बहुत गहरा पडता है ।

जब-जब छात्राओको सबोधित करनेका प्रसंग बना, आपके अत्यन्त प्रेरक उद्‌बोधन को श्रवण कर प्रिसीपल सह समस्त स्टाफ के मुहसे सहसा ये उद्‌गार निकल पडते कि 'हम नही जानते थे जैन साध्विया भी इतनी विदुषी होती है ।'

आपके भाषणो की यह भी एक विशेषता रहीं कि बडी से बडी धर्म सभाको सबोधित करते हुए चाहे ५ या २ मिनटका ही समय मिला हो वहा भी लोग आपके विचार एव वक्तव्यके कायल हुए बिना न रहे, लेकिन यह भी सत्य है कि फूलोके साथ काटे भी होते है, जहा आपकी विलक्षण प्रतिभा कईयोके लिए गौरव का विषय बनी उससे भी अधिक वह अनेको के लिए ईर्ष्याका कारण बनी । यही कारण है देश एवं परदेश सर्वत्र आपको क्षुद्र मनोवृत्तिवालोंके ईर्ष्याका भाजन बनना पडा । आपके मार्ग मे रोडे अटकानेमे कईयोने अपने पद एवं प्रतिष्ठाका भी उपयोग किया, पर जितनी बाधाएं उपस्थित की गई उतना ही आपका व्यक्तित्व निखरता चला गया । चाहे कैसी भी स्थिति हो परिस्थितियोके आगे झुकना तो आपने कभी सीखा ही नही । विपरीत स्थितिमे भी अडिग रहकर अपना मार्ग निकालने एव तत्काल निर्णय लेनेमे आप सिद्धहस्त है ।

अपनी धर्मयात्रामे महाराष्ट्र से पैदल चलकर जम्मू कश्मीर स्टेट तक आपने सत्य अहिसा धर्मका प्रचार किया । सन् १९८८ को अमृतसर (पंजाब) की उस भयाक्रांत स्थितिमे दहशत भरे वातावरणमें 'ऑपरेशन ब्लैक थडर' जैसी कारवाईके समय जहां कई-कई दिनोतक कर्फ्यू लग रहे थे तो कही बम फट रहे थे, उस स्थितिमे साध्विया तो दूर सत भी जहां चरण रखने से कतराते थे, ऐसे विकट समयमे वहाके संघ की अतीव्र भावभीनी विनती पर आपने शेषकाल एव चातुर्मासकाल निर्भयतापूर्वक वहा सपन्न कर जो अपने आत्मसाहसका परिचय दिया वह हम सबके लिए न केवल गौरव बल्कि अभियानका विषय है । अमृतसर चातुर्मासनतर साधना हेतुही प्रदेश मे आनेके लिए आपको बटाला, गुरू दासपुर जैसे खतरनाक इलाकोसे गुजरना पडा, पर 'आत्मा अमर है, आयुष्कर्म शेष रहा तो कोई हमारा बॉल भी बाका नही कर सकता ।' इसी विश्वास के साथ आपने उन क्षेत्रोमे भी धर्मप्रचार करते हुए निर्भीकतापूर्वक अपनी यात्रा जारी रखी जिसे देखकर कईयो को हमने कहते सुना कि 'पू श्री नूतनप्रभाजी म बेशक साध्वी है, पर सतोसे भी अधिक साहस एव निडरता इन्होने पाई है ।'

आपसे पूर्व जैनधर्मकी साध्वी दीक्षामे दीक्षित आपकी ससार पक्षीय नानीजी पू. श्री प्रीति सुधाजी म के सुसस्कारोका ही सुफल है जो आप जैसी तेजस्वी साध्वी जैन जगतको प्राप्त हो सकी । आपके परिवार मे अबतक ५ दीक्षाए हो चुकी है । नानीजी म. तो दिवंगत हो चुके है । अभी वर्तमानमे विदुषी श्री स्नेहप्रभाजी म श्री विमलप्रभाजी म एव श्री शीतलप्रभाजी म क्रमश आपकी ससार पक्षीय मौसीजी माताजी एव बहन है ।

आपने जब अनुभव किया कि - 'सत्यको उपलब्ध हुए बिना बोलना न तो ठीक है, न उचित एव शुद्ध ही' तो मौनव्रत के साथ १२ वर्षतक आत्मसाधना करनेका आपने दृढ निश्चय कर लिया

पर इसी बीच अमृतसर चातुमास करनेकी वजह से आपकी साधनामे एक वर्ष का विलब हुआ, जिसका प्रायश्चित लेते हुए आपने अपनी साधनाकी अवधि दो वर्ष और बढाली ।
इसे भी एक सयोग ही कहना होगा कि दीक्षा के १४ वे वर्ष मे आत्मसाधना के अपने पुनीत विचारो को रुपायित करते हुए आप २७ मई १९८९ को १४ वर्ष की साधनामे सलग्न हो गई। पहले के दो वर्ष १० स ११ बजे तक मौनव्रत खुला रखकर साधना करने के पश्चात् आपने आगामी १२ वर्ष के लिए पूर्ण मौनव्रत धारण कर लिया ।
प्रारभम आपका एव आपकी सहवर्ती साध्वियोका, तेले, बेल, एकान्तर तप आयबिल, एकासन, कभी ५ द्रव्य ग्रहण आदि का क्रम चलता रहा। अब दो वर्ष पूवसे दवाके रुपमे कुछ ग्रहण करना पडे यह बात दूसरी वरना साधना पूर्ण होनेतक आप समीन दूध एव किशमिश प रहने के प्रत्याख्यान कर लिए है ।
जिसमें कुछ करनेकी ललक होती है वे अपना कार्यक्षेत्र खान ही लेते है । उनक लिए छोटी उम्र या परिस्थितियाकी विषमता कोई मायने नही रखती। इसका जीता जागता उदाहरण है साध्वी श्री नूतनप्रभाजी म ! जिनके द्वारा एक अभिनव नूतन इतिहास लिखा जा रहा है ।
आपका कहना है 'सिर्फ भाषण प्रवचन या सवाद हम दुनियाका कितना स्थाइ उपकार कर सकते है ? आत्माकी खोजका मार्गदर्शन ही स्थाई उपकार है। ऐसा होने पर ही जीव अपने जन्म-जन्मान्तरोके दुखो से हमेशा के लिए मुक्त हो सकता है। आत्मदर्शनकी उपलब्धि के बिना मनुष्य जीवन व्यर्थ है । आत्मदर्शन ही हमारे जीवनका मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। तभी धर्मका प्रचार भी सही एव ठोस रुपमे हो सकेगा ।'
अविराम गतिसे आपश्री जीवनके उदात्त लक्ष्य आत्मदर्शन के मार्गपर गतिशील है एव अपने जीवनसे भक्तगणोंको भी स्फूर्ति प्रेरणा एव नूतन जीवन प्रदान कर रही है । सचमुच आप जैसी साध्वी जैन समाज के लिए ही नही वरन् भारतवर्ष के लिए एक वरदान है ।
नोट - साध्वीश्री जी के दर्शनाका लाभ सिर्फ प्रात १० से ११ बजेतक ही प्राप्त होता है ।

सपर्क सूत्र -
जैन साधना केन्द्र
नूतन साधनालय
भून्तर (कुल्)
फोन (०१९०२) ५६५१

प्रस्तुति -
बसीलाल सतीशकुमार जैन
जैन जनरल स्टोर
कश्मीरी बाजार
होशियारपुर (पजाब)

अहिसा परमो धर्म-जैनम् जयति शासनम्

मन की शाति के लिए कबूतरो को दाना अवश्य डाले

आप के वहा पर होने वाले दीक्षोत्सव तपोत्सव महोत्सव प्रतिष्ठोत्सव अजन शलाका प्रवेश विहार आदि सभी कार्यक्रमो की आमत्रण पत्रिकाऐ इस परिषद को भी भेजे ताकि अधिक से अधिक जानकारीया हम आपको सन्मुख प्रस्तुत कर सके

सपादक

आलोक पथ के महान् यात्री !

श्री वैरागी अनिल जैन

श्रमण दीक्षा निवृत्ति मे प्रवृत्ति की साधना तथा प्रवृत्ति मे निवृत्ति की आराधना है। आर्हती दीक्षा का आचार आत्म-स्वीकार की विनत मुद्रा है। इस भाव बोध के साकार प्रतिनिधि है - युवक रत्न, विरक्त चेता श्री अनिल कुमार जी जैन

दिल्ली प्रान्त के रामेश्वर नगर में लाला ओमप्रकाश जी जैन, श्रीमती शकुन्तला देवी जैन के आगन मे सन् १९६६ में एक फूल खिला, जिसका नाम अनिल देकर अमिभावक पुलकित थे। अनिल शैशव अवस्था से अभी निकले ही थे कि उसके नाना उसे अपने घर ले आए। फूल, गमले बदलने से अपनी सुगन्ध बिखेरने की प्रवृत्ति को नहीं बदलता है। वह तो वातायन को सुगन्ध के साम्राज्य के रुप में परिवर्तित करने की दिशा मे गतिशील रहता है।

अनिल जी के नव-जीवन मनपर धर्म-रेखा खींचने का काम किया था उनके पूजनीय नाना जी ने। धार्मिक संस्कारो ने अनिल जी के बचपन को अनुभूतियों की डोर से बाध दिया। सहसा पूज्य नानाजी ने ससार से बिदाई ले ली। अनिल जी का सवेदनशील मन पहली बार एक आघात से आहत हुआ, किन्तु शोक के गहरे गड्ढे में वे नहीं गिरे और उन्होने शोक के अन्धेरे में जलाया आत्म-जागरण का दीप। प्रकाश की प्यास अपने अन्तर मे सजोए थे कि एक दिन आगम का यह सूत्र उनके सामने साकार हो गया-

उग्गओ विमला भाणू, सव्व लोकप्पभंकरो,
सो करिस्सई उज्जोय।

समस्त लोक को आलोक से प्रभावित करनेवाला सूरज उग गया है।

यह सूरज और कोई नही परम पूज्य शासन-सूर्य सघशास्ता गुरु प्रवर श्री रामकृष्ण जी महाराज है।

पूज्य गुरुदेव उस महान् साधक परपरा के ध्वज सवाहक है जिस परम्परा का प्रवर्तन महाप्राण मुनि मायाराम जी जैसी विभूति ने किया, जो साधना के साकार मंत्र-पूत थे। इस परम्परा में ही योगिराज पूज्य श्री रामजी लालजी महाराज जैसी आध्यात्म चेतना का उदय हुआ।

श्री अनिल जी की पूज्य गुरुप्रवर के सान्निध्य मे संसार के अंधेरे रास्तों से निकल कर महाज्योति की महायात्रा प्रारम्भ हुई। इस महायात्रा में कठिन मोड भी आये। अंततो गत्वा उनका संकल्प जीता और आज वे सयम के असिपथ पर अग्रसर हो रहे हैं। १९८२ से माडल टाउन में जो विरक्ति के बीज बिखरे थे, वे अब अकुरित हो रहे हैं।

अनिल जी का यह कदम उस पीढी के लिए प्रेरणा स्त्रोत होगा जो भोग की उद्दाम उत्कठा की आग मे जल रही है।

अनिल जी वैराग्य के मूर्तिमंत प्रतिमान है। वैराग्य की यात्रा के साथ स्वाध्याय-अध्ययन की प्रवृत्ति भी उनमें अद्भुत है। १०+२ की व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद उनकी दृष्टि अकादमिक शिक्षा से अध्यात्मिक शिक्षा की ओर मुड गई। गुरु आशीष से उन्होने जैन दर्शन-जैन सिद्धान्त तथा भारतीय तत्व विद्या मे प्रवीणता प्राप्त की। सस्कृत पर अनिलजी का अधिकार है। देव भाषा सस्कृत मे उनकी रचना गगा बही है। सस्कृत श्लोक सूत्रो मे अपने भाव मोतियो को पिरोने का सुन्दर प्रयास उनकी डायरियो में देखा जा सकता है। भारतीय योग के प्रति निधि ग्रन्थ पातजलि योग सूत्र उन्हे कंठस्थ है। जैन आगम, स्तोक साहित्य एव स्त्रोत पाठ भी उनके कंठ में विराजते है।

अनिल जी स्वभावत मृदुभाषी, विनयी, समर्पित तथा संकल्पी युवक हैं। उनके पास बैठकर ऐसा लगता है मानो गुल-मोहर की छाह मे बैठे है। वे बोलते है तो लगता है हर सिगार के फूल झर रहे हैं।

एक दशम की प्रतीक्षा के पश्चात् उस सार्थक श्रण ने उनमे अभिनन्दन के लिये स्वय को प्रस्तुत किया है - अक्षय तृतीया के महापर्व के रूप मे। दिनाक १३ मई १९९४ अक्षय तृतीया की मगल बेला मे अति उज्ज्वल। उमगित भावो से पीतमपुरा, दिल्ली मे सघशास्ता गुरुदेव श्री रामकृष्णजी महाराज के सान्निध्य मे एव जैन धर्म प्रभावक श्री सुभद्रमुनि जी महाराज की निश्राय में वैरागी अनिल कुमार जैन प्रवज्या स्वीकृत कर अमित मुनिजी के रुप मे प्रस्तुत हुए है।

अन्धेरो के विरुद्ध आलोक स्तम्भ के रूप मे उभरे श्री अमित मुनिजी उस युवा पीढी के लिये प्रशस्त प्रदीप है जो अन्धेरो के बीच उजालो की तलाश मे भटक रही है।

अभिनन्दन है नवदीक्षित मुनिवर का !

प्रो. विनय 'विश्वास'

सोजन्य : मुनि मायाराम संबोधि प्रकाशन - दिल्ली

मुमुक्षु भावेशकुमार का ऐतिहासिक जैन दीक्षा-महोत्सव गुंदाला-(कच्छ-गुजरात) मे सम्पन्न हुआ ।

पुण्यधरा गुदाला मे से भूतकाल मे करीब १८ सत एव ३५ महामतियॉजीने अजरामर सम्प्रदाय मे दीक्षा ली है। लेकिन मुनि दीक्षा का प्रसग अभी तक प्राप्त नही हुआ था । स्व पुण्यपुज, प्रशात मूर्ति आचार्य प्रवर श्री रुपचन्द्रजी स्वामी के परम अन्तेवासी स्व तत्वज्ञ पडित कृपालु गुरुदेव श्री नवलचन्द्र स्वामी के सुशिष्य परमपूज्य गुरुदेवश्री भावचन्द्रजी स्वामी व मुनिश्री भास्करजी स्वामी की निश्रा मे पिछले आठ वर्षो से हमारे गाव के मुमुक्षु भावेशकुमार धार्मिक अध्ययन कर रहे थे उनका दीक्षा-महोत्सव ता २०-५-१९९८ शुक्रवार के दिन होने का तय होने से पूरे कच्छ-सौराष्ट्र-बम्बइ मे उत्साह का वातावरण बन गया । ठीक इसी मुहुर्त मे करीब ९० सत-सतियो की मगल निश्रा मे शानदार रुप से ६००० की जनमेदनी की उपस्थिती मे सुबह ७ बजे से लेकर दुपहर दो बजे तक ७ घण्टा का कार्यक्रम चला । श्रीफल आदि त्याग-प्रताका की बोला मे करीब १९ उन्नीस लाख की रुपया की राशि हुइ । इस उपज मे से ५० प्रतिशत धनराशि गाधीधाम-कच्छ मे निर्माणाधीन साध्वी सुकु-विहार-वैयावच्च केन्द्र' को अनुदान के रुप मे दी जाएगी । नवदीक्षित का नूतन नाम 'मुनिश्री भावेशचन्द्रजी स्वामी घोषित किया गया । महाभिनिष्क्रमण-यात्रा 'सुदर्शना' नाम की शिबिका मे बैठकर सपन्न हुइ थी । जो जैन समाज मे पिछले सैकडो वर्षो मे प्रथम घटना है ।

उज्ज्वल-इतिहास का सुवर्ण-पृष्ठ
भावेशकुमार की दीक्षा
दीक्षा के वक्त - धर्मराज युधिष्ठिर के वीरत्व युक्त गणवेश मे भावेशभाइ ।

'बेटा ! छे अम आशीष
वहेला मुक्ति पामीश'
गृहत्याग करने के पहले पिताश्री लखमशी लालजी देढिया एव मातुश्री झवेर बहन से शुभाशीष प्राप्त करते हुए भावेशकुमार

इतिहास का पुनरावर्तन
जैन शास्त्रो मे उल्लिखित निकली हुइ भव्य महाभिनिस्क्रमण-यात्रा मे मयूर मुखाकृति वाली 'सुदर्शना' नाम की 'शिविका' मे मुमुक्षु भावेश कुमार सभी का अभिवादन करते हुए

सौजन्य श्री गुदाला स्थानकवासी छ कोटि जैन सघ,
(सघपति श्री देवजी मुरजी शत्रा)
मु गुदाला तालुका-मुन्द्रा-कच्छ (गुजरात)

जैन जगत के ज्यौतिर्धर आचार्य मुनिराज
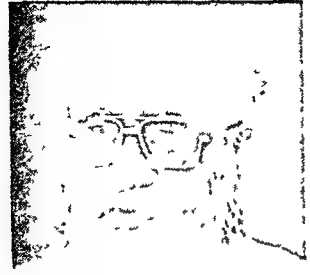
च्छाधि पति आचार्य श्री विजय इन्द्रदिन मूरीश्वरजी म मा
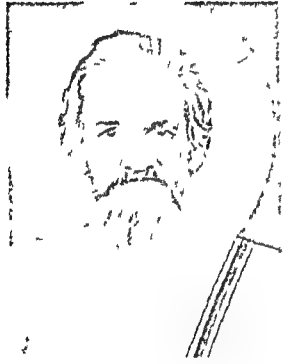
आचार्य श्री पदममागर मूरीश्वरजी म मा

युवक जागृति प्रेरक आचार्य श्री विजय गुण रत्न सूरीश्वर जी म सा.

आचार्य श्री विजय मुशील मूरीश्वरजी म मा

आचार्य श्री विजय रत्नाकर मूरीश्वरजी म मा

आचार्य श्री विजय विमलभद्र मूरीश्वरजी म मा

चार्य श्री भरतमागरजी म मा

प रत्न श्री अरूण मुनिजी म मा

श्री गितेश मुनिजी म मा

श्रमण सघीय

विदुषी साध्वी श्रुताचार्य डॉ मुक्तिप्रभाजी म सा एव डॉ दिव्यप्रभाजी म. सा

महासती श्री कौशल्या देवीजी म सा

महासती डॉ मजु श्रीजी म सा
M A Ph D

महासती श्री चारित्र प्रभाजी म सा
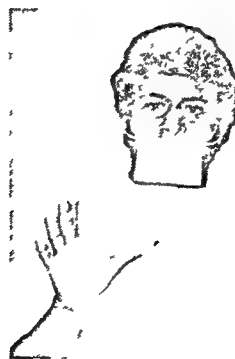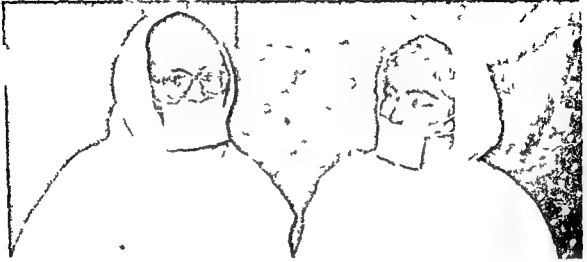
महासती श्री आदर्श ज्योतिजी म सा

वाणी भूषण विदुषी महासती श्री प्रीतिसुधाजी म.सा. के संग चातुर्मास हेतु विराजित विदुषी साध्वीयां वृन्द

वाणी भूषण विदुषी
श्री प्रीति सुधाजी म.सा.
'साहित्य रत्न'
जन्म स्थल-पिपलगाव (नासिक)
दीक्षा स्थल-पिपलगाव (महा)

सरल स्वभावी
डॉ. अरुण प्रभाजी म.सा.
'एम ए पीएचडी'
जन्म नासिक (महा)
दीक्षा मीरी गाव (महा)

स्वर साम्राज्ञी
श्री मधुस्मिताजी म.सा.
'एम ए'
जन्म - पिपलगाव (महा)
दीक्षा - पिपलगाव

मधुरभाषी
श्री मंगलप्रभाजी म.सा.
'बी ए'
'सि प्रभा'
जन्म-पूना (महा)
दीक्षा - पिपलगाव

सवारत
श्री भाव-प्रीतिजी म.सा.
'बी ए' सिद्धात प्रभाकर
जन्म - दिल्ली
दीक्षा - अहमदनगर

व्यवहार दक्षा
श्री जयस्मिताजी म सा
"सिद्धान्त प्रभाकर"
जन्म-पूना (महाराष्ट्र)
दीक्षा-पूना (महा)

सदानदी
श्री विजय स्मिताजी म.सा.
'सिद्धान्त प्रभाकर'
जन्म-पूना (महाराष्ट्र)
दीक्षा - पूना (महा)

तपस्विनी
श्री बसंतबालाजी म सा.
'सिद्धान्त प्रभाकर'
जन्म मद्रास (त ना)
दीक्षा - पिपलगाव

ज्ञानभिलापी
श्री प्रेरणाजी म.सा.
'सिद्धान्त प्रभाकर'
जन्म-पूना (महाराष्ट्र)
दीक्षा - नासिक (महाराष्ट्र)

विद्याभिलापी
श्री प्रज्ञाजी म.सा.
रत्न सिद्धात प्रभाकर
जन्म-नासिक (महा)
दीक्षा-नासिक (महा)

स्वाध्याय लीना
श्री जिन प्रीति जी म.सा.
"सिद्धान्त विशारद"
जन्म - पिपलगाव (महाराष्ट्र)
दीक्षा पिपलगाव (महाराष्ट्र)

ज्ञान पिपासु
श्री संयम प्रीतिजी म सा
'सिद्धात शास्त्री'
जन्म - पिपलगाव (महाराष्ट्र)
दीक्षा - पिपलगाव

सौजन्य - सकल जैन समाज - नागपुर

श्री नेमनाथ जैन—इन्दौर

श्री नेमनाथ जैन का जन्म रावलपिंडी में हुआ। उन्होंने इलेक्ट्रिकल, मकेनिकल व बायलर टेक्नालॉजी में इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। आज श्री जैन का सामाजिक, धार्मिक, और औद्योगिक क्षेत्र में जाना माना नाम है।

श्री जैन धार्मिक वृत्ति के साथ आधुनिक विचार के व्यक्ति हैं। आप अध्यक्ष के रूप में कई धार्मिक संस्थाओं जैसे भारत जैन महामंडल म प्र स्वाध्याय संघ, म प्र, जैन इंटरनेशनल म प्र इत्यादि से जुड़े हुए हैं। सुजानमीता पारमार्थिक ट्रस्ट के आप संस्थापक हैं। कई संस्थाओं जैसे वर्धमान जैन स्थानकवासी ट्रस्ट, महावीर स्वास्थ्य केंद्र, जैन दिवाकर विद्या निकेतन ट्रस्ट, हस्तीमल सुंदरबाई पारमार्थिक ट्रस्ट सचमाई ट्रस्ट आदि के आप ट्रस्टी हैं।

श्री जैन एक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में स्वास्थ्य और शिक्षा में विशेष रुचि रखते हैं। आप कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं उनमें से प्रमुख हैं अंधत्व के लिए पॉल हरीस स्कूल, रोटरी क्लब, इन्दौर, गीता भवन हॉस्पीटल इत्यादि।

आपके द्वारा प्रदत्त विशेष सहयोग से स्वाध्याय भवन, छवि ममोरियल स्कूल, छवि नेत्र कोष, ब्लाइंड स्कूल आदि का निर्माण हुआ है। आपके द्वारा उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

श्री जैन ने अपना जीवन एक बहुत छोटे से पद से टेक्सटाइल मिल में प्रारंभ किया। शीघ्र ही उन्नति के शिखर पर चढ़ते हुए प्रमुख पद पर पहुंचकर कई उद्योगों को शुरू करने और सफलतापूर्वक चलाने में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया उनमें से प्रमुख हैं टेक्सटाइल, आर्टन मिल, टिन प्लांट, साल्वेंट प्लांट, वनस्पति प्लांट, पशु आहार, मैदा मिल व हाजरी इत्यादि। आपने अपने स्वयं का उद्योग 1977 में पशु आहार बनाने की एक छोटी फेक्ट्री से शुरू किया। आज, प्रेस्टीज उद्योग समूह मध्यप्रदेश के सफलतम उद्योग समूहों में से प्रमुख है। प्रेस्टीज ग्रुप के अंतर्गत पशु आहार की तीन फेक्टरियां, सायाबीन प्रोसेसिंग की भारत में सबसे बड़ा फैक्ट्री, रिफाइंड आईल, एलपीजी गैस सिलेंडर, स्टील प्लांट, टेलीविजन फेक्टरी और आयात निर्यात के व्यापार के साथ लगभग 150 करोड़ का कारोबार है।

श्री जैन कई औद्योगिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। आप एम पी सालवेंट एक्सट्रेक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, ऑल इंडिया एल पी जी सिलेंडर्स मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य भी हैं। आपने देश विदेश की भारत सरकार के विशेष सदस्य के रूप में कई बार यात्राएँ की हैं।

आप "उद्योग पत्र" एवं "उद्योग विभूषण" जैसे प्रतिष्ठित पद से भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित भी हो चुके हैं। आप अनेक संस्थाओं में अनेक पदों पर रहकर अपनी अमूल्य सेवाएँ अर्पित कर रहे हैं। जिनमें मुख्य हैं श्री पार्श्वनाथ शोध संस्थान, वाराणसी के अध्यक्ष, अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स दिल्ली के उपाध्यक्ष, अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स मध्यप्रदेश प्रान्त के अध्यक्ष, श्री महावीर जैन स्वाध्याय शाला के डायरेक्टर जनरल, मध्यप्रदेश जैन स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष एवं अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद बम्बई के मंत्री आदि। उदयपुर में आचार्य श्री देवेन्द्रमुनिजी म सा के आचार्य चादर प्रदान समारोह को सफल बनाने में आपने प्रमुख भूमिका निभायी। सेवा के हर कार्य में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। आप धार्मिक क्षेत्र में भी काफी रुचि रखते हैं।

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई
कार्यकारिणी के माननीय पदाधिकारी सदस्यगण 1994

अध्यक्ष →
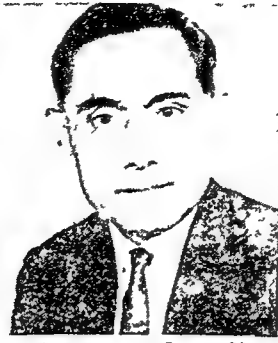
श्री दीपचद भाई गार्डी

उपाध्यक्ष

श्री विशनजीभाई लखमशीभाई शाह वम्वई

श्री नगीनदासभाई विराणी, राजकोट

श्री एस लालचन्द वाघमार, मद्रास

श्री रिखवचद जैन (टी टी) दिल्ली

महामंत्री

श्री शातीलाल छाजेड, जैन, वम्वई

मंत्री

श्री रमेशचन्द जैन दिल्ली

मंत्री

श्री डी टी नीसर, वम्वई

मंत्री

श्री नेमनाथ जैन, (प्रेस्टीज) इन्दौर

सहमंत्री
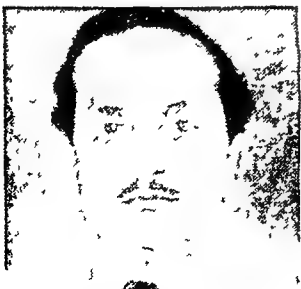
श्री नृपराज जैन, वम्वई

जेठमल चौरडिया, वैगलौर

श्री किशोरचन्द्र वर्धन, वम्वई

श्री कान्तीलाल जैन, वम्वई

कोषाध्यक्ष | **संयोजक-सम्पादक** | **परिषद् के कार्यकारिणी सदस्यगण**

श्री सम्पतराज कावडिया
बम्बई

श्री बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'
बम्बई

श्री सुखलाल कोठारी
मार बम्बई

श्री बक्टलाल कोठारी
पूना

परिषद् के कार्यकारिणी सदस्यगण

श्री हरकचन्द नाहटा
दिल्ली
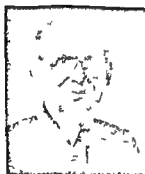
श्री सुभाषचन्द रुनवाल
बम्बई

श्री मोफतराज मुणोत
बम्बई

श्री हीरालाल जैन
लुधियाना
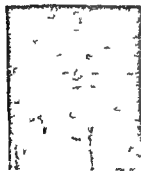
श्री जसवन्तभाई सी. शाह
बम्बई

श्री जे.डी. जैन
गाजियाबाद

श्री उमरावमल चौरडिया
जयपुर

श्री सुमतिलाल कनावट
ठाणा-बम्बई
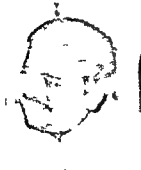
श्री सी. आर. भमाली
बम्बई

श्री आर. डी. जैन
दिल्ली

श्री रतनलाल बाफना
जलगाँव

श्रीमती सुलोचना देवी
पी. लुंकड बम्बई

परिषद् के कार्यकारिणी सदस्यगण

श्री मरदारमल मुणोत,
वम्वई

माणकचन्द माखला,
अजमेर, वम्वई

श्री अभयराज वलदोटा,
वम्वई
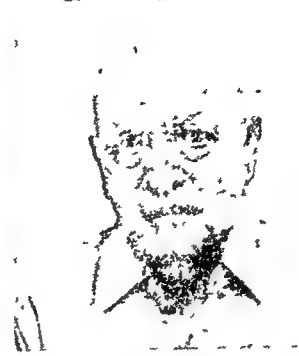
श्री हसमुखभाई मेहता,
वम्वई
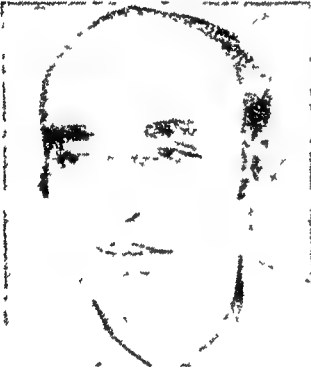
श्री शान्तीलाल दुगड,
नामिक

श्री अशोक (वावू मेठ) वोरा
अहमदनगर
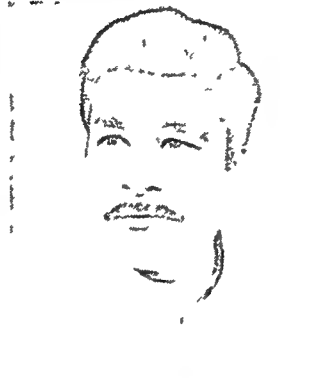
श्री उमरावसिंह ओस्तवाल,
वम्वई

श्री राजेन्द्रपाल जैन
लुधियाना
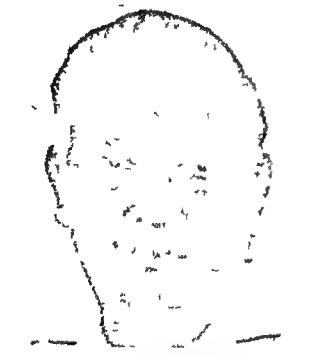
श्री रतन कुमार जैन
वम्वई

श्री एन ताराचन्द दुगड,
मद्राम

श्री इन्द्रचद हीरावत,
वम्वई

जम्बूकुमार भण्डारी
इन्दौर
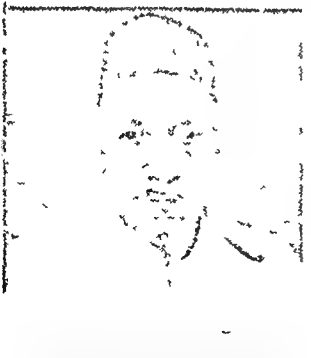
श्री प्रतापभाई चादीवाले,
वम्वई

श्री माणेकचद कोठारी
वैगलौर

श्री सोहनलाल सिपानी,
वैगलोर

श्री शातिलाल माड
वैगलौर

परिषद के माननीय सदस्यगण

श्री चांपसीभाई नन्दु
बम्बई

सेठ श्री छबीलदास त्रिकमलाल
सुरेन्द्रनगर

श्री पाचुभाई शिवजी गाला
बम्बई

श्री गागजी भाई देढ़
(प्रिंस) बम्बई

श्री गागजी भाई कुवरजी
वारा ममाधाणा-कच्छ

श्री जयन्तीलाल भाई दोशी
बम्बई

श्री चुन्नीलाल देवजी मेहता
मांडवी- कच्छ

श्री बाबूभाई लुभा भाई गडा
(पगोडा) बम्बई

श्री भरत कुमार एस सर
अहमदाबाद

श्री बाबूभाई पालणभाई नीसर
बम्बई

श्री मधजी हनुभाई शाह
बम्बई

श्री प्रेमजीभाई शाह
बम्बई

श्री शांतिलाल देवजी रांभिया
बम्बई

श्री दामजीभाई
बम्बई

श्री रमणिकलाल छाडवा
बम्बई

श्री दामजी भाई गेलाभाई शाह
बम्बई

परिषद के माननीयसदस्य गण

विजयराज ब्रह्मेचा
नासिक सिटी

श्री प्रसन्न कुमार लोढ़ा
बम्बई

श्री बालचन्द सचेती
पूना
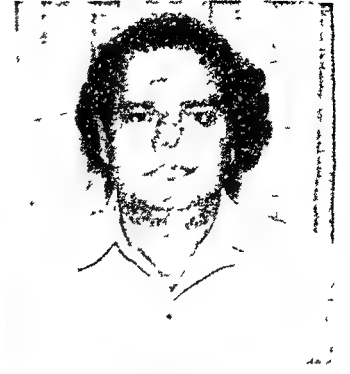
श्री राजेन्द्र ए. जैन
बम्बई

श्री जवाहरलाल बोकड़िया
बम्बई

श्री चिमनलाल डागी
बम्बई

श्री सुरेन्द्र कुमार दस्सानी
बम्बई
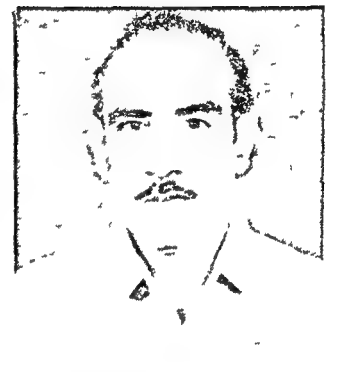
श्री चपालाल कर्नाटक
बम्बई
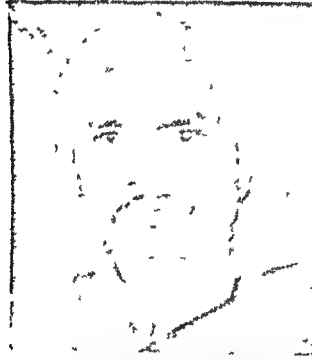
श्री दीपचन्द भसाली
बैंगलौर
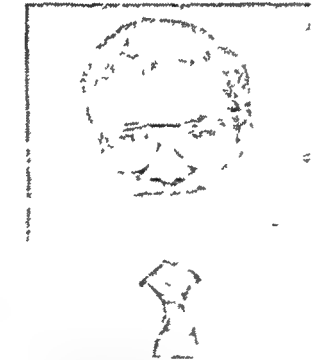
श्री प्रकाशचन्द सी. कानूनो
बम्बई

श्री नवरत्नमल जैन (महता)
बम्बई

श्री सुनिल चम्पालाल बम
बम्बई
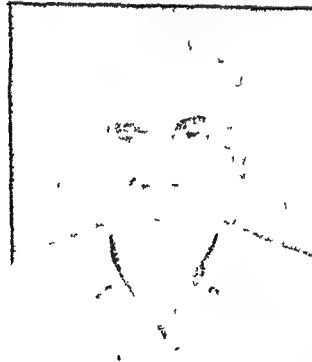
श्री दीपचन्द पारखवाशी-
नई बम्बई

श्री गुणवतभाई वरवालिया
बम्बई

श्री सम्पतलाल चौरड़िया
पूना
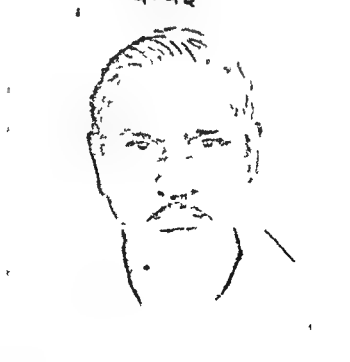
श्री प्रेमचन्द्र मेहता
म्बई
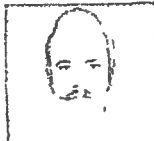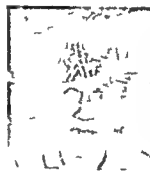
परिषद् के माननीय सदस्यगण

श्री भीमराज कछारा,
वम्वई
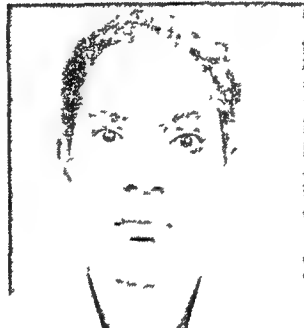
श्री मीठालाल सिंघवी,
वम्वई

श्री शंकरलाल कोठारी,
वम्वई

श्री पारसमल सुराना,
वम्वई

श्री गणपतलाल कोठारी
वम्वई

श्री भंवरलाल वोहरा
कोट-वम्वई

श्री रूपराज सांखला,
वम्वई

मांगीलाल मादरेचा
वम्वई

श्री सोहनलाल सियाल (जैन)
वम्वई

श्री भंवरलाल वोहरा
शांताक्रुझ-वम्वई

श्री मनोहरलाल चौरडिया
वम्वई

श्री देवीलाल इटोलिया
वम्वई

शांतिलाल राठौड
वम्वई

श्री लक्ष्मीचंद वोहरा
वम्वई

श्री ओंकारसिंह सुराना
वम्वई

श्री मीठालाल सुराना
वम्वई
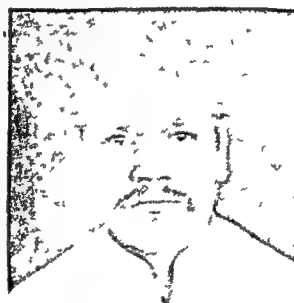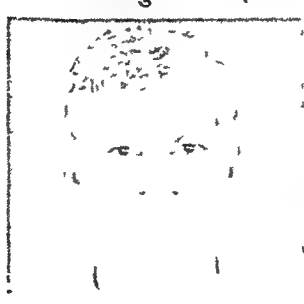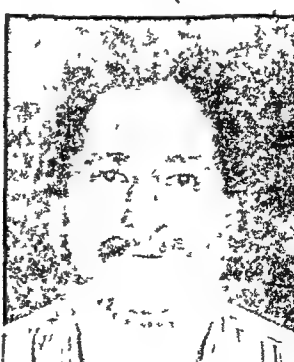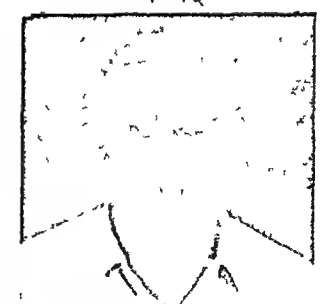
परिषद के माननीय सदस्यगण

श्री रवि द्रकुमार जैन,
बम्बई

श्री नवल सिंह सुराना
बम्बई

श्री गणपतलाल सिघवी
बम्बई

श्री बशीलाल सिघवी
बम्बई

श्री वरदीच द डागा
बम्बई

श्री सम्पतलाल डागलिया
बम्बई

श्री बालच द रतनलाल गरवड
बम्बई

श्री ताराच द जैन
(गोलेछा) (पाली मारवाड)

श्री सम्पतलाल मिश्रानासिलचर
(आसाम)

श्री बुधराज मोहनोत
जोधपुर

श्री राजकुमार जैनलुधियाना
(पजाब)

श्री सतीशकुमार जैन
लुधियाना

श्री गगाराम जैन
नई दिल्ली

श्री वेदप्रकाश जैन
दिल्ली

श्री सजयकुमार जैन
दिल्ली

श्री सुशीलकुमार जैन
दिल्ली

परिषद् के माननीय सदस्यगण

श्री चपालाल सकलेचा,
जालना

श्री दुलीचद जैन,
जलगॉव
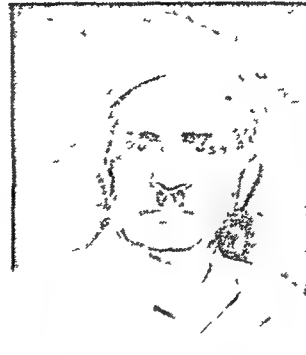
श्री भँवरलाल फूलफगर 'सर्राफ'
घोडनदी (पूंना)

श्री मुबालाल बाफना,
धुलिया (महाराष्ट्र)

श्री सुरेशकुमार तालेरा,
पूना

श्री किशनलाल कोठारी
जामनेर

श्री इन्द्रसिंह बावेल,
उदयपुर
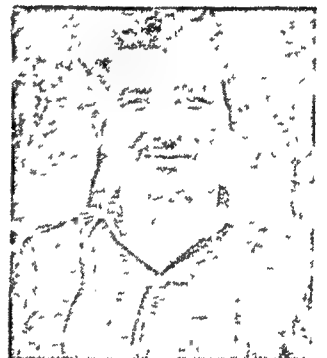
श्री सुरेशकुमार लुणावत,
तिलोरा

श्री कुन्दनमल साकरिया,
इन्दौर
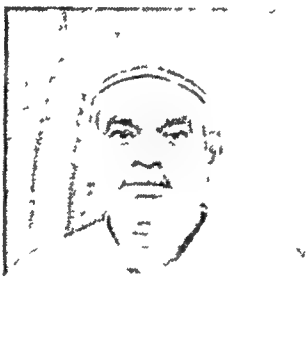
श्री बद्रीलाल जैन पोरवाल,
इन्दौर

श्री भाईलाल भाई तुरखिया,
इन्दौर

श्री मागीलाल कोठारी,
इन्दौर

श्री सूरजमल जैन पोरवाल,
इन्दौर

श्री जमनालाल जैन पोरवाल,
इन्दौर
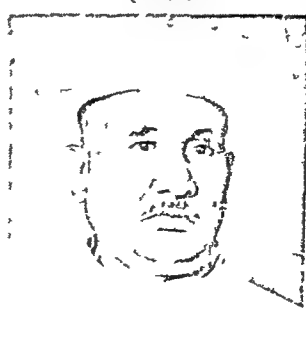
श्री गंगाधर जैन पोरवाल
इन्दौर

श्री अशोक भण्डारी
जयपुर
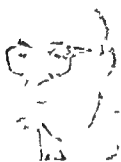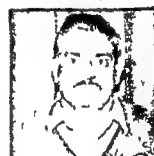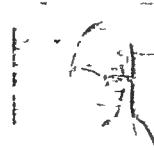
परिषद् के माननीय सदस्यगण

श्री ताराचन्द सिंघवी, पाली-मारवाड
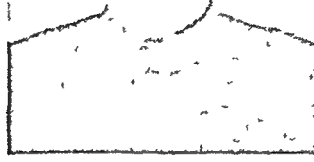
श्री मोहनलाल डागा, पाली-मारवाड
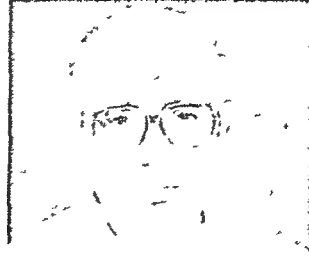
श्री शान्तीलाल ललवाणी, पाली-मारवाड
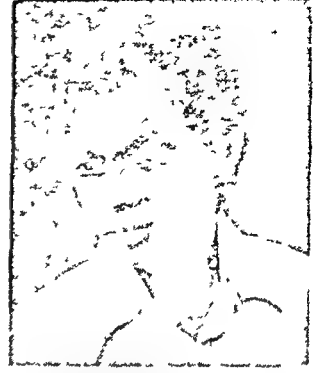
श्री गुमानमल लुकड, पाली-मारवाड

श्री कान्तीलाल एम गाँधी, वम्बई
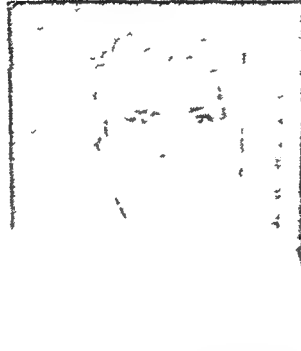
श्री हसमुखभाई मनसुखलाल शाह सुरेन्द्रनगर

श्री गौतमचन्द जैन कुंभकोनम्

श्री फूलचद जैन पोरवाल, इन्दौर
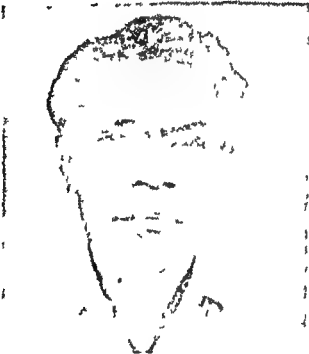
श्री वसन्त भाई गोरेगाव-वम्बई
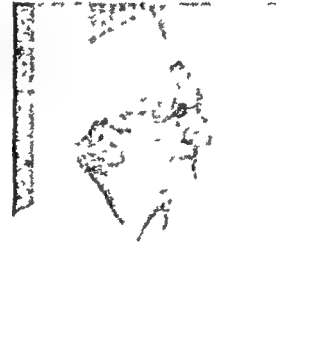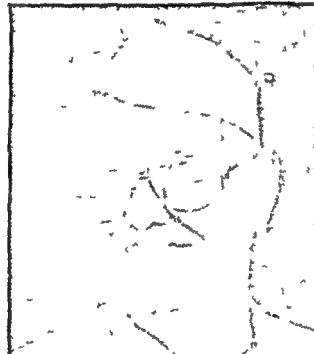
श्री लालजी वीरजी देढिया ववई

श्री भवरलाल श्री श्रीमाल दुर्ग

श्री शकरलाल वोथरा दुर्ग
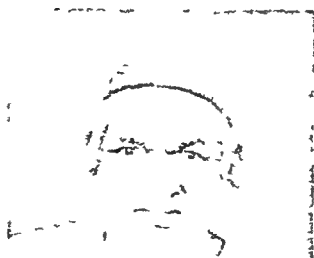
श्री मॉगीलाल संचेती दुर्ग

श्रीमोहनलाल श्री श्रीमाल दुर्ग

श्री सिरेमल देशलहरा दुर्ग
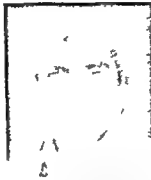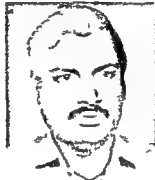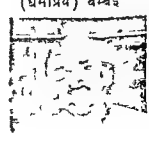
परिषद् के शाखा संयोजक एवं प्रतिनिधि सदस्यगण

राणीदान बोथरा दुर्ग (म प्र)
(छत्तीसगढ-दुर्ग प्रतिनिधि)

श्री बाबूलाल जैन पोरवाल इन्दौर
(इन्दौर-मालवा प्रतिनिधि)

श्री प्रकाशचंद हुण्डीवाल
जलगांव प्रतिनिधि

श्री सुबाहु कुमार जैन 'सर्राफ'
(सवाई माधोपुर प्रतिनिधि)
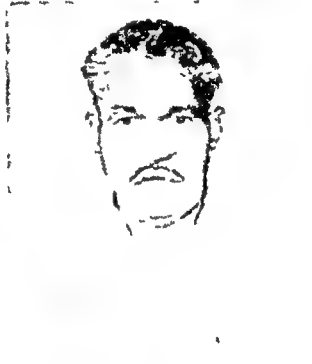
श्री संतोषचन्द बाफना
राजनांदगांव प्रतिनिधि

श्री मांगीलाल कटारिया,
(रतलाम प्रतिनिधि)

श्री रसीकलाल सी पारख
(जैन कान्ती)(राजकोट प्र नि)

गौतमचंद ओस्तवाल
बैंगलोर, प्रतिनिधि
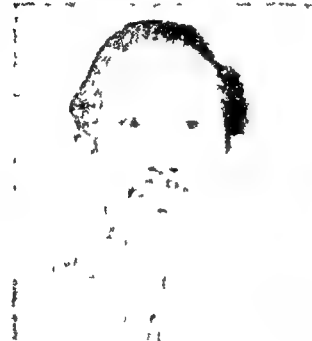
श्री हाराचंद जैन (बमाडा
कोटा प्रतिनिधि

श्री फूलचंद जैन (मुख्य भ्राता)
लुधियाना

श्री विनोद कुमार जैन
(मुजफ्फरनगर-प्रतिनिधि)

श्री रामस्वरूप जैन, आगरा
(आगरा प्रतिनिधि)

[illegible]

श्री [illegible] (गुरूजी)
नागपुर प्रतिनिधि

[illegible]
[illegible] प्रतिनिधि

[illegible]

श्री विजयजी दर्डा- नागपुर

पिताजी का नाम	श्री जवाहरलालजी दर्डा (उद्योग मंत्री महाराष्ट्र शासन)
जन्म स्थान (मूल)	यवतमाल (महाराष्ट्र)
जन्म तिथि तारीख	१८-७-१९५०
अध्ययन/शिक्षा	डिप्लोमा इन प्रिंटिंग टैक्नालाजी
व्यवसाय-सर्विस प्रारम्भ (वर्तमान कार्यरत)	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक लोकमत न्यूज पेपर्स लिमिटेड लोकमत भवन वर्धा रोड नागपुर
समाज सेवाएँ	बिहार भूकंप राहत कोष के लिये १८ लाख की राशि तत्कालिन प्रधानमंत्री को दी १९९२ में मेवाड बाढ पिडितों के राहत के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अस्पताल खोला तथा जलालखेडा में स्कूल खोला। मराठवाडा १९९३ में आये भूकंप पीडितों के लिए राहत कार्य एवं सक्रीय योगदान।
संस्था-पदों पर कार्यरत	अध्यक्ष-हिन्दी प्रसारक मंडल यवतमाल अध्यक्ष-अमोलकचन्द साइंस एण्ड आर्टस कॉलेज यवतमाल अध्यक्ष-सकल जैन समाज नागपुर अध्यक्ष-प्रियदर्शिनी सहकारी सूतगिरणी यवतमाल
संस्थाओं को दान राशि प्रदान (स्कूल औषधालय प्याऊ निर्माण)	अनेक संस्थाओं को सक्रिय योगदान।
सम्मानित पद (स्मृति चिन्ह प्रशस्ती पत्र आदि)	विशिष्ट युवा व्यक्तित्व अवार्ड १९८७ जे सी चेप्टर यवतमाल फिरोज गाँधी मेमोरियल अवार्ड १९९१ तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व राजीव गाँधी के करकमलों द्वारा
पारिवारिक जानकारीयाँ	सौ ज्योत्सना दर्डा धर्म पत्नी कु पूर्वा दर्डा सुपुत्री चि देवेंद्र दर्डा सुपुत्र
अन्य विवरण	समाज सेवा के कार्यो में विशेष रुचि पत्रकारिता के माध्यम से समाज सेवा

आप समाज सेवा के हर कार्य में हमेशा अग्रसर रहते है। आपका स्वभाव मृदु सौजन्यपूर्ण व्यवहार कुशल से परिपूर्ण है। इस कारण आप अपने सर्कल एवं समाज में सर्वजन प्रिय है। आप समाज के कर्मठ सेवा भावी युवा रत्न शिरोमणी है।

श्री भोपालचंदजी पगारिया-बैंगलौर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के पाली जिले के सोजत सिटी मारवाड मे सन् १९३५ मे हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान् सुकनराजजी पगारिया एव माताजी का नाम श्रीमती विलिया बाई है। मैट्रिक तक पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् सन् १९५० मे १५ वर्ष की वय मे आप भाग्य अजमाने हेतु दक्षिण भारत के कर्नाटक प्रान्त की राजधानी एव फूलो की नगरी बैगलौर पधार गये। वहाँ पर विद्युत उपकरण के प्रतिष्ठान मे सर्विस करने के पश्चात् आपने सन् १९५६ मे विद्युत उपकरणो का स्वय का व्यवसाय प्रारभ कर दिया, जो वर्तमान मे भारत का एक प्रतिष्ठित प्रसिद्ध प्रतिष्ठान है। तीन दशक से अपने नम्र व्यवहार एव कुशल व्यवहार कुसाग्र बुद्धि के द्वारा व्यावसायिक और धार्मिक जगत मे अपना एक विशिष्ट स्थान प्राप्त कर लिया है। आपका पूरा परिवार रत्नवशीय आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा के विशिष्ट परम भक्तगण है। अ.भा श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक सघ के आप कई वर्षो से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। आप सभी सस्थाओ को भरपूर सहयोग प्रदान करते रहते है। आप अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ समाज को अर्पण कर रहे है। आचार्य श्रीहस्तीमलजी म सा जव कर्नाटक प्रान्त मे वैगलौर पधारे, तव उनकी सद्प्रेरणा से कर्नाटक जैन स्वाध्याय सघ आपके द्वारा ही स्थापित किया गया सेवा का एक सुप्रसिद्ध सस्थान है, जो प्रतिवर्ष चातुर्मासिक वचित क्षेत्रो मे स्वाध्यायी भेज कर अद्भुत उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करता है। इसके आप अध्यक्ष भी है। लायन्स क्लव ऑफ वैगलौर सिटी की रजत जयती वर्ष सन् १९८४-८५ मे आप अध्यक्ष पद पर भी रहे। इस अवधि मे २५ आँखो के आपरेशन भी सफल किये गये, जो वर्ड रिकार्ड रहे। वैगलौर शूले के फिलोमेना हॉस्पिटल मे भी इमरजेन्सी के ४ वडे शाति वार्ड आपके सहयोग से ही पूर्ण हुए है, जिन पर आपका नाम दर्ज किया हुआ है। वैगलौर स्थित सुभाषनगर वस स्टैण्ड पर भी वाटर कूलर प्याऊ की व्यवस्था आपके सहयोग से ही पूर्ण हुई है, जहाँ प्रतिदिन लाखो व्यक्ति ठडा पानी पीते है। यह प्याऊ आपने अपनी वहिन सुभद्रा की पुण्य स्मृति मे बनवायी है। वैगलौर इलेक्ट्रिक मर्चेन्ट एसोशिएशन के सन् १९८२-८३ मे आप अध्यक्ष भी रह चुके है। सोजत मे श्री मरुधर केशरी सेवा समिति में भी अपनी पूज्य माताजी श्रीमती विलिया बाई के नाम से एक हाल का निर्माण कार्य भी आपने ही पूर्ण करवाया है। जैतारण के पावन धाम मे भी कोटेज का आपने ही निर्माण कार्य पूर्ण करवाया है। सोजत मे भी श्री चपालालजी द्वारा निर्मित ऊपर का हाल का निर्माण कार्य भी आपने ही पूर्ण करवाया श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक सघ सवाईमाधोपुर के महावीर भवन के निर्माण कार्य के आप फाउन्डर है एव सहयोग भी प्रदान किया है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्रीहस्तीमलजी म सा. के सथारे के समय से पूर्व के ५ माह तक एव सस्थारे से लेकर अन्तिम समय तक आपको सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके अन्तिम समय मे भी आप उनके पास ही थे। यह सौभाग्य भी आपको ही प्राप्त हुआ है। सवाई माधोपुर जिले के पल्लीवाल क्षेत्र खेरली नदवई ग्रामो मे भी आपके पूर्ण सहयोग से ही जैन स्थानको का निर्माण पूर्ण हुआ है। इसके अलावा भी पल्लीवाल पोरवाल क्षेत्र मे और जगह भी स्थानको के निर्माण में पूर्ण सहयोग करने की आपकी योजना है। आप अनेक सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग प्रदान करते रहते है। आपके यहाँ से आज तक कोई भी खाली हाथ नही आया। आप अपने परिवार के साथ प्रतिवर्ष चातुर्मास काल मे कई दिनो तक सत-सतियो के दर्शनार्थ भी जाते रहते है। सभी साधु-साध्वियो की सेवा आप बहुत ही श्रद्धा भाव से करते रहते है। वैगलौर शहर में भी सभी साधु-साध्वियो की वैयावच्च सेवा आप श्रद्धा भाव से करते रहते है। सम्पूर्ण भारत मे आपका काफी प्रभाव है। अ भा जैन रत्न हितैषी श्रावक सघ के आप कई वर्षो से उपाध्यक्ष जैसे प्रतिष्ठित पद पर रह कर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। सघ के वरिष्ठतम पदाधिकारियो मे आपका प्रमुख स्थान है। आपके परिवार मे धर्मपत्नी श्रीमती शातिवाई सुपुत्र श्री राजेन्द्र कुमारजी, रहेन्द्रकुमारजी एव तीन सुपुत्रियाँ सभी धार्मिक सस्कारो से धर्मप्रिय है। आप प्रतिदिन सामायिक स्वाध्याय नियमित करते है। आप काफी दानवीर कर्मठ सेवाभावी युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।
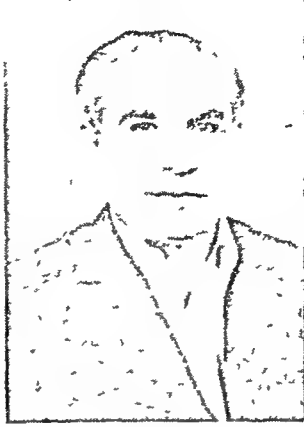
श्री नवलचद सरदारमलजी पुँगलिया नागपुर

कुलदीपक वही जो अपने माता पिता, कुल की किर्ती को सुयश को और अधिक प्रकाशमान बनाए।

श्री नवलचदजी सच्चे उद्यमी एक कुलदीपक है। बाल्य काल मे पिता के चिरविच्छेद के कारण लालन पालन ममतामयी माँ की गोद मे हुआ धार्मिक सस्कार भी उसकी शीतल छाया मे हुए, समाज सेवा के बीच भी माँ के ही सान्निध्य मे अकुरित हुए। वही बीज आज एक विशाल वृक्ष रुप मे विकसित हो समाज को घनी छाया प्रदान किए हुए है।

सफल सर्राफा व्यवसायी श्री नवलचदजी बाल्य काल से श्रावक धर्म का पालन करते आ रहे है। बाल्य काल से ही उन्हे साधुसँतो का सान्निध्य प्राप्त होता आया है। जिसकी प्रेरणा से नियमित एक अग बन चुका है। गुरुदानी के नियम के पालनकर्ता नवलचदजी का १००८ श्री आचार्य सम्राट श्री आनद ऋषीजी म सा के नागपुर चातुर्मास का श्रेय प्राप्त है। आचार्य सम्राट के चातुर्मास की स्मृति मे एक बडी राशि देकर आपने श्रीमती मगनीबाई सरदारमल पुँगलिया जैन एक्सरे केन्द्र आरभ करने की प्रेरणा प्रदान की। अपने पिता की स्मृति मे आपके द्वारा दानवीर सेठ सरदारमल पुँगलिया जैन फिजीओ थेरपी केन्द्र की स्थापना की। आपके पिता की स्मृति मे सन् १९२२ से नागपुर श्रीसघ द्वारा दानवीर सेठ सरदारमल पुँगलिया जैन श्वेताम्बर पाठशाला सुचारु रूप से चल रही है।

नागपुर मे ही महाराष्ट्र मे अनेक स्थानो व दूर-दूर के अन्य प्रांतो मे भी विभिन्न सामाजिक धार्मिक योजनाओ के निमित्त आर्थिक सहयोग प्रदान कर नवलचदजी ने अपनी इस अल्प आयु मे ही अपने पिता की दानवीरता को और भी अधिक उज्ज्वल बनाया है।

नागपुर श्रीसघ के अनेक वर्षो तक मत्री तत्पश्चात उपाध्यक्ष पदको विभूषीत करते हुए नागपुर श्रीसघ के वर्तमान अध्यक्ष पद पर आसिन नवलचदजी विगत अनेक वर्षो से श्री त्रिलोक रत्न जैन धार्मिक परिक्षा बोर्ड अहमद नगर के अध्यक्ष पद का दायित्व सभाल हुए है। व्यापारिक क्षेत्र मे अनेक महत्वपूर्ण पदो का दायित्व भी आपकी ओर से है। नागपुर सराफा एसोशिएशन के विगत १५ १६ साल से मत्री पद का कार्यभार भी आप सभाल रहे थे।

अध्यक्ष श्री स्थानकवासीजैन सघ सदर-नागपुर

उपाध्यक्ष श्री सकल जैन समाज नागपुर,

श्री अलूकवीर कतलखाना हटाव समिति विदर्भ

कार्यकारीणी के सदस्य- (१) श्री अ भा जैन श्वेताम्बर कान्फ्रेनस- दिल्ली, (२) श्री अखील भारतीय साधुमार्गी जैन सघ बीकानेर, (३) श्री महावीर इन्टर नेशनल- नागपुर, (४) श्री सोना चादी आल कमेटी नागपुर।

व्यवहार कुशल, मृदुभाषी एव मिलनसार श्री नवचदजी एक ऐसा व्यक्तित्व है जो नई पीढ़ी के लिए एक स्त्रोत है।

दिसम्बर १९९४ को आपके नेतृत्व मे नागपुर मे ६० वर्षो के बाद दीक्षा का आयोजन किया गया-

पृष्ठ 67 का शेष भाग

-का दौरा भी करते रहते है। आप वैसे तो स्थानकवा समुदाय के मानने वाले है परन्तु श्वेताम्बर मूर्तिपूजक समा से भी जुडे हुए है। पूर्व मे आपके पिताजी का व्यवसा पाकिस्तान मे था परन्तु देश का विभाजन होने के कार वर्तमान का व्यवसाय स्वय के द्वारा स्थापित किया हु है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहत है आप मे एक विशेषता यह भी है कि आप जिस कार्य क हाथ मे लेते है उसे पूर्ण कर के ही दम लेते है। दक्षि भारत मे आपका काफी प्रभाव व नाम है। आपको सभ जगह "बैंगलोर का राजा" के नाम से पुकारते है। अ कर्मठ सेवा भावी युवा रत्न शिरोमणी है।

श्री उमरसीभाई सावला (डेपा-कच्छ)-बम्बई

श्री उमरसीभाई देवजी सावला

व्यवहार कुशल, दानवीरता, जीवदया प्रेमी, असहायों के मसीहा, हँसमुख प्रवृत्ति, मृदुभाषी, मिलनसार, हृदय में कोमलता, कर्मठ सेवा, भावी समाज सेवी आदि अनेको गुणों से युक्त श्रीमान उमरसीभाई देवजीभाई सावला का जन्म गुजरात प्रान्त के कच्छ जिले में डेपा-कच्छ तालूका मून्द्रा में ८ ८ १९३९ को श्रीमान देवजी भाई सावला के यहाँ हुआ।

बम्बई महानगर मे मेट्रिक तक पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् अपने पूज्य पिताजी के सग वर्ली मे अनाज का व्यवसाय प्रारभ किया, फिर हिन्दमाता मे कटपीस क्लॉथ का व्यवसाय करने के पश्चात सन् १९७९ मे मस्जिद बन्दर मे सूखे मेवा मसाले (ड्रायफ्रूट) का थोक का व्यवसाय प्रारभ किया, जो वर्तमान मे उस क्षेत्र का एशियन ट्रेडर्स नाम से विशालतम प्रतिष्ठान है। सूखे मेवा व्यवसाय मे आपका सर्वोपरी स्थान है। आप अनेको धार्मिक सामाजिक सस्थाओ से जुडे हुऐ है। जिनमें मुख्य इस प्रकार हैं।

(१) दि माण्डवी मेवा मसाला मर्चेन्ट एसोसिएशन-अध्यक्ष
(२) वम्बई डेपा महाजन- अध्यक्ष
(३) डेपा स्थानकवासी जैन महाजन- कार्यकारी सदस्य
(४) कच्छी वीसा ओसवाल स्था जैन महाजन- कार्यकारी सदस्य
(५) डेपा कच्छी वीसा ओसवाल स्था जैन सघ- ट्रस्टी
(६) श्री व स्था जैन श्रावक सघ, सायन बम्बई- कार्यकारी सदस्य
(७) वॉम्बे ग्रेन डीलर मर्चेन्ट एसोसिएशन- कार्यकारी-फेडरल सदस्य
(८) न्यू वॉम्बे मर्चेन्ट चेम्वर्स- फेडरल सदस्य
(९) वर्ली यूथ काग्रेस (युवा फेडरेशन) पूर्व कोपाध्यक्ष (२ वर्ष तक)
(१०) वॉम्बे ग्रेन डीलर मर्चेन्ट एसोसिएशन वर्ली (पूर्व १९६२ से १९७१ तक) कार्यकारी सदस्य

श्रीमती उमरसीभाई सावला

बम्बई महानगर मे आपके लगभग ८-१० स्थानों पर बहुत ही विशाल एव प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान है, जिनमें मुख्य एशियन ट्रेडर्स मस्जिद बन्दर, कोहीनूर एम्पोरियम दादर, कोहीनूर साड़ी मुलुड, वी.आई.पी लगेज ताडदेव एव ठाकुरद्वार, मारु परेल, एशियन ट्रेडर्स एव उमरसी देवजी सावला, न्यू बॉम्बे आदि प्रमुख है। दान देने में आप जग प्रसिद्ध है। आपने सभी प्रकार की अनेको सस्थाओं को मुक्त हाथो से दान दिया है एव वर्तमान मे भी प्रदान करते रहते है। जिनमे मुख्य इस प्रकार है–प्रागपुर-कच्छ हॉस्पिटल, कार्टर रोड- बोरीवली- बम्बई जैन स्थानक भवन, विदडा सर्वोदय ट्रस्ट, (अकाल एव नेत्र यज्ञ हेतु) दहीसर बम्बई कच्छी वीसा ओसवाल होस्पीटल, सफाला जैन स्थानक भवन निर्माण, मम्मीबाई केलवणी फड चिंचपोकली, कलरव-वोरीवली, डेपा गाँव (जन्मभूमि) अकाल राहत कार्य में घास चारा की व्यवस्था करना, मून्द्रा के आसपास के गाँवो मे भी घास चारे की व्यवस्था, विदडा पाजरापोल, गुन्दाला पाजरापोल रामाणिया डेपा वागड़ आधोई, माण्डवी, लुणी, भुज आदि अनेको पाजरापोलो को आपने भरपूर सहयोग प्रदान किया है। आप अनेक सस्थाओ एव औद्योगिक इकाईयों द्वारा सम्मानित भी किये जा चुके है। सन् १९९१ मे मस्जिद वन्दर क्षेत्र मे वेस्ट कन्जूमर्स सर्विस अवार्ड, वी.आई.पी. लगेज के व्यवसाय मे अच्छे कारोवार के लिए विजनेस अवार्ड, रोटरी क्लब द्वारा वेस्ट शोप कीपर अवार्ड भी प्राप्त हो चुके है। इसके अलावा विदडा-कच्छ पाजरा पोल मे भारत के राष्ट्रपति श्री शकरदयाल शर्मा के द्वारा भी आप सम्मानित हो चुके है।

इस तरह सेवा के कार्य मे आपने सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर लिया है। आप समाज के श्रेष्ठीवर्य युवक रत्न है।

श्री डी आर रॉका-बैंगलौर

आपका जन्म राजस्थान प्रांत के पाली जिले की सुप्रसिद्ध पुण्य भूमि निमाज कस्बे मे श्रेष्ठीवर्य श्री कालूरामजी राका के यहाँ हुआ। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आप दक्षिण भारत के कर्नाटक प्रांत की राजधानी एवं पूना की नगरी बैंगलौर शहर मे आ गये। वहाँ पर सन् १९५८ म मेसर्स दलीचदजी जुगराजजी के यहाँ पर सर्विस की उसके पश्चात् आपने सन् १९५७ मे अपना स्वय का व्यवसाय प्रारभ किया, जो वर्तमान म वटवृक्ष की तरह आपके

अनेक प्रतिष्ठत प्रतिष्ठान विद्यमान है। वर्तमान म बैंगलौर म आपके कपडे की एजसी फायनेस लीजिंग आदि के सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान है। आपने अपनी पैतृक जन्म भूमि निमाज म अपने पूज्य पिताजी एव माताजी की पुण्य स्मृति म औषधालय प्याऊ स्कूल आदि का निमाण स्वय के सहयोग से पूर्ण करवाया एव कन्या विद्यालय के निर्माण कार्य म भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। इसके अलावा भी अनेक धार्मिक सामाजिक व्यापारिक सस्थाओ का भी तन मन धन का पूर्ण सहयोग प्रदान किया है और वर्तमान म भी कर रहे है। आप अनेक सस्थाओ से जुडे हुए है जिनमे मुख्य इस प्रकार है–(१) महावीर जैन कालेज बैंगलौर के ट्रस्टी (२) आदर्श विद्यालय बैंगलौर के ट्रस्टी (३) महावीर जैन हॉस्पिटल बैंगलौर के ट्रस्टी (४) सेठ कालूराम केशरीबाई राका चेरिटेबल ट्रस्ट बैंगलौर के अध्यक्ष (५) डी आर राका चरिटेबल ट्रस्ट बैंगलौर के अध्यक्ष (६) अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स की जीवन प्रकाश योजना के आधार स्तभ (७) श्री मरुधर केशरीजी म सा की सभी सस्थाओ मे भी जुडे हुए है। आपने कई सस्थाओ को भरपूर सहयोग भी प्रदान किया है, जिनमे मुख्य इस प्रकार है–सलम (तमिलनाडु) के स्कूल मे १ लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रति वर्ष प्रदान करते रहते है। डोडबालापुर (कर्नाटक) म प्याऊ का निर्माण भी आपने अपने सहयोग से ही पूर्ण करवाया है। बैंगलौर के मलेश्वरम् स्थित जैन स्थानक के नूतन निर्माण कार्य म व्याख्यान हाल एव स्थानक भवन म मार्बल भी आपने ही लगवाया है। पावनधाम जैतारण म भी आपने बहुत ही अच्छा सहयोग प्रदान किया है।

रत्नवशीय आचार्य श्रीहस्तीमलजी म सा के निमाज म ऐतिहासिक उत्कृष्ट सथारा एव महाप्रयाण के समय आपने सभी आगतुक महानुभावो की बहुत ही सुन्दर ढंग से सेवा की है जो सदैव स्मरण होती रहेगी। श्री हस्ती उपवन के सम्मुख आपने अपने फार्म हाउस म सभी धर्मप्रेमी बधुओ के लिए गर्मी के मौसम म नहाने आदि की सुन्दर व्यवस्था की थी। आप सभी साधु-साध्वियो की श्रद्धाभाव से सेवा करते ही रहते है। जीवन प्रकाश योजना म भी आपने ५१ हजार रुपये की धनराशि प्रदान कर उसके आधारस्तभ सदस्य बने है। आपका राजस्थान एव दक्षिण भारत मे बहुत ही ज्यादा प्रभाव एव प्रतिष्ठित नाम है। व्यवहार कुशलता जीवदया प्रेम, कार्य म तल्लीनता हृदय मे कोमलता वाणी मे मधुरता आदि ऐसे अनेक गुणो का आपमे सगम है। समाज की हर प्रकार की सेवा में आप तन मन धन से आप हमेशा अग्रसर रहते है। आपके दो सुपुत्र एव दो सुपुत्रियाँ है। पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से युक्त है। आपका कई सामाजिक, धार्मिक व्यापारिक आदि सस्थाओ की ओर से कई बार सार्वजनिक सम्मान भी हो चुका है। आप सेवाभावी कर्मठ युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

पृष्ठ 66 का शेष भाग

थे एव उत्तरी भारत से पालीताणा तक की स्पेशल ट्रेन यात्रा म भी आपका ही प्रमुख योगदान रहा। आप अनेक सस्थाओ को भरपूर आर्थिक सहयोग भी हमेशा प्रदान करते रहते है। इतना बडा कारोबार होने के पश्चात भी आप समाज सेवा के कार्य मे हमेशा अग्रसर दिखाई देते है। आपका एक ही सिद्धान्त है कि पैसा चाहे कितना हो जाए लेकिन धर्म को कभी नहीं भूलना । आपके दो सुपुत्र एव एक सुपुत्री है। आपके प्रतिष्ठान शीर (इण्डिया) के नाम से जग प्रख्यात है।

श्री चैतन्य कुमारजी काश्यप (जैन) रतलाम

व्यवहार में कुशलता, हँसमुख चेहरा, वाणी में मधुरता, कार्य में बुद्धिमत्ता, सरल हृदय, मिलनसार, पत्रकारिता मे वरिष्ठता आदि अनेक गुणो से युक्त श्रीमान चैतनकुमारजी काश्यप का जन्म मध्यप्रदेश प्रान्त के रतलाम शहर मे १६.१ १९५९ को श्रेष्ठीवर्य श्री अशोक कुमारजी काश्यप के यहाँ हुआ। बी.काम तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर अपना ध्येय बनाया। आप सुप्रसिद्ध उद्योगपति, पत्रकार, समाज सेवक, दानवीर, धार्मिक परायण युवा रत्न है। आप अनेको सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। जिनमें प्रमुख इस प्रकार है—काश्यप रोटरी आई बैक जिसका उद्घाटन सन् १९९१ मे उपराष्ट्रपति श्री शकरदयालजी शर्मा ने किया फाउण्डर, श्री रिषभदेव कन्हैयालाल जैन तीर्थ पेढ़ी रतलाम के पेटर्न सदस्य, केसर डिलेक्शन सेटर कमेटी रतलाम के सदस्य, रतलाम केसर फाउन्डेशन के ट्रस्टी, श्री राजेन्द्र जनकल्याण कोष बैगलोर के ट्रस्टी, श्री कन्हैयालाल काश्यप जैन हाई स्कूल भवन रतलाम के उपाध्यक्ष, रतलाम लॉ कॉलेज के ट्रस्टी, श्री स्वर्णगिरी जैन तीर्थ जालौर (राज.) के अध्यक्ष, श्री राज राजेन्द्र तीर्थ दर्शन मोहनखेडा (म.प्र) के अध्यक्ष, श्री राजेन्द्र सूरी जैन कीर्ति मदिर ट्रस्ट भरतपुर (राज) के पेट्रोन सदस्य, श्री अशोक कुमार काश्यप जैन ट्रस्ट के सचालक, काश्यप कन्हैयालाल झमकूबाई जैन ट्रस्ट के ट्रस्टी, काश्यप झमकूबाई फाउन्डेशन के ट्रस्टी, अ भा जैन त्रिस्तुतिक जैन श्री सघ अहमदाबाद (कुल ३५० शाखाएँ) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ भा राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् मोहनखेडा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, इन्दौर डिस्ट्रीक्ट्स बेडमेटल एसोसिएशन के पट्रोन सदस्य, रतलाम जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के पट्रोन सदस्य, मध्यप्रदेश पेट्रोल डीलर एसोसिएशन इन्दौर के डायरेक्टर, उद्योग भवन ट्रस्ट रतलाम के उपाध्यक्ष, डिविजनल इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन रतलाम के सदस्य आदि प्रमुख है। आप वर्तमान मे सुप्रसिद्ध उद्योगपति भी है। मेसर्स काश्यप स्वीटनर्स प्रा लि के चेयरमेन, मेसर्स काश्यप एग्रो वीट प्रा लि. के चेयरमेन एव मेनेजिंग डायरेक्टर, मेसर्स काश्यप पब्लिकेशन्स प्रा.लि के चेयरमेन है। काश्यप पब्लिकेशन मे देश का सुप्रसिद्ध दैनिक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र, चेतना, अर्थ चेतना एव रागोली चेतना आदि का प्रकाशन होता है। दैनिक राष्ट्रीय चेतना पत्र का शुभारभ भारत के राष्ट्रपति डॉ. शकरदयालजी शर्मा के द्वारा हुआ। इसके अलावा रतलाम शहर की १०० वर्षों पुरानी सुप्रसिद्ध पेढ़ी मेसर्स वीशाजी जॅवरचद रतलाम मे भी आप फायनेंस का व्यवसाय करते है। मैसर्स काश्यप एण्ड सस के अन्तर्गत हिन्दुस्थान पेट्रोलियम कार्पो लि. का पेट्रोल पप भी है। मैसर्स काश्यप एण्ड क इदौर में भी पेट्रोल पप एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स का व्यवसाय है। आप सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक आदि समाज सेवा के कार्यों मे हमेशा अग्रसर रहते है। इतना बड़े उद्योग समूह होने के पश्चात् भी आप धार्मिक प्रवृत्तियो मे हमेशा रुचि रखते रहते है। आपको देश के कोने-कोने में अनेक सस्थाओ, व्यापारिक सस्थाओ एव राष्ट्रीय स्तर पर अनेको जगह आदर सत्कार पुरस्कार आदि भी प्राप्त हो चुके है, जिनकी लबी-चौडी सूची है। व्यवसाय क्षेत्र मे इन्टरनेशनल फेयर ट्रेड मेला, प्रगति मैदान दिल्ली मे एल.पी. गैस स्टोव के उच्च श्रेणी के उत्पादन के लिए गोल्ड मेडल पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। इसके अलावा श्री जैन सघ बड़नगर (म प्र.) द्वारा युवा रत्न पुरस्कार, मध्यप्रदेश के मुख्यमत्री श्री सुन्दरलालजी पटवा के करकमलो द्वारा दान शीला शीर्षक पुरस्कार एव रतलाम श्री सघ द्वारा लगभग १० अभिनन्दन पत्र भी प्राप्त हो चुके है। रोटेरी इन्टरनेशनल यू एस.ए. द्वारा 'पौल हेरीस फेलो' नामक अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। इस तरह आप सामाजिक व्यावसायिक, धार्मिक, राजनैतिक क्षेत्रो मे उच्च शिखर पर पहुँचे हुऐ युवा रत्न है। इसके अलावा अध्यात्मिक क्षेत्र मे भी आपका स्थान उच्च शिखर पर है। इतने बडे प्रतिष्ठानों के होते हुऐ भी आपने अट्ठाई तप की महान तपस्या भी पूर्ण की है। इस बात से आसानी से अनुमान लगा सकते है कि आप कितने सरल, स्वभावी, मिलनसार, धार्मिक प्रवृत्ति के समाज के सेवा भावी युवा रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री विरदीचदजी बाठिया पनवेल

श्रीमन्त मानदानी श्रीमानदान म नई सूरज की किरण १९-२-१९१८ का उदित हुई। सुश्रावक श्री भूरचन्दजी सा बाठिया क धर्मनिष्ठ पुत्र रत्न का जन्म हुआ। आपक दादामा श्री आनदराम जी सा बाठिया सदा सत्यवचनी, सत्पुरुष धर्मनिष्ठ सुश्रावक थे। आपका तीन वर्ष क आयु म ही पिता का छत्र सिर से उठा गया। कुछ मास पश्चात् माताजी का भी स्वर्गवास हुआ। पूज्य बाबाजी श्री केशरचदजी सा न बहुत स्नेह क साथ परवरिश की। माता-पिता की कमी को कभी भी महसूस होने नहीं दिया। अपन माता पिता दोना का प्यार भरपूर दिया। पनवल म आपक नाम म श्री केशरचदजी आनदरामजी बाठिया विद्यालय म करीबन ३००० विद्यार्थी पढ़ रह है। एव चिंचवड मे बाठिया प्राथमिक विद्या मदिर म आज १००० बालक बालिकाएँ अत्यन्त शुल्क से अध्ययन कर रहे है। शिक्षण सस्था और धार्मिक सस्था म सहयोग इस परिवार का हमेशा रहा है।

अपनी प्रखर प्रतिभाशाली विलक्षण बुद्धिमत्ता एव साहसी तथा अपन काय पर अटूट विश्वास क कारण आपन व्यापार म द्रुतगति से वृद्धि की। १९४३ म बाठिया बैंक शुरू की। उसकी सात शाखाय था। १९५८ म वह बैंक ऑफ महाराष्ट्र मे विलिन कर दी गयी। पनवेल एव वार्शी की इलक्ट्रिक सप्लाय (कपनी) का भी काम शुरू किया था। रायगड जिल म प्रथम बाठिया इलक्ट्रिकल इन्डस्ट्रीज शुरू की एव गमाम्हारी मकान जायदाद म भी बढ़ोत्री हुई थी। बाद म बीमा कपनी स्थापन का ध्यान भी किया। लेकिन सरकार क अनुमति न देन की नीति म व शुरू नही कर पाय। आपक २ सुपुत्र एव ६ सुपुत्रियाँ है।

आपक घर पर जो भी साधर्मी भाई आता उसे निराश नहीं होना पडता। साधर्मी भक्ति का हमेशा लाभ लते थ। कइयो को आपने सवारा नौकरी दी एव दिलवाई। 'आनन्दभवन' जैन स्थानक एव जैन मदिर क निर्माण मे भी आपके परिवार का विशेष योगदान रहा। पाजरापोल क गामकाज म भी सहयोग रहा। आप कई साल तक स्थानक एव मन्दिर क ट्रस्टी भी रह। बाद मे अवस्था के कारण आपना भार औरो का सौप दिया।

शुरू म ही आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा मे विश्वास रखत थे। सत सतिजीया की चिकित्सा क लिए वैद्यो द्वारा इलाज करवात थे। पिताजी का जन्मस्थान पर उरुली काचन म आज महावीर भवन जैन स्थानक खडा हुआ है।

आपके सुपुत्र श्री प्रेमचदजी को बचपन में श्री गणेशलालजी म सा तथा श्री उज्ज्वल कुवरजी म सा एव आत्मार्थी श्री पू मोहन ऋषिजी म सा श्री विनय ऋषिजी म सा एव आचार्य सम्राट श्री आनद ऋषिजी म सा तथा परम पूज्य आचार्य श्री हस्तीमलजी, म सा क विशेष कृपा आशीर्वाद एव मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। एव सभी सप्रदाय के साधु सत सतीजीया का कृपा आशीर्वाद सदा सर्वदा रहा।

माता पिता ने ज्येष्ठ पुत्र श्री प्रेमचदजी को प्रगति एव विकास हेतु सहर्ष आशीर्वाद देकर, प्रेरणा देकर, विदा किया। इन्दौर क प्रथम चातुर्मास मे युग प्रधानाचार्य श्री हस्तीमलजी म सा से मागलिक आशीर्वाद प्राप्त कर ज्योतिष मार्तड श्री कस्तूरचदजी म सा से मुहर्त निकलावकर १० ८ १९७८ को तिरुवान्मयूर मद्रास मे जैन सिद्धात एव भारतीय शास्त्रा पर आधारित अहिंसात्मक, धार्मिक, प्राचीन एव आधुनिक सरल सुरक्षित तथा निर्दोष सात्विक आहार की कायाकल्प चिकित्सा, सूर्य किरण जल वायु मिट्टी आकाश चिकित्सा द्वारा एव योगासन ओंकार ध्यान स्वयम सूचना ज्ञानयोग स्वाध्याय भक्तियोग धून प्रार्थना मौन यों द्वारा मानसिक शाति एव स्वस्थ चिन्तन तथा शारीरिक आरोग्य प्राप्त करने का बिना शहद का प्राकृतिक चिकित्सालय शुरू किया। जो सुचारू रूप से सफलतापूर्वक चल रहा है। अनेक असाध्य रोगियो को लाभ पहुँचा है। अनेक सत सतिजीया के भी सफलता पूर्वक चिकित्सा कराने का लाभ भी प्राप्त हुआ है। करीबन तीन सौ से अधिक मासाहारी परिवारो ने आजीवन मासाहार छोड दिया। यह केन्द्र की विशेष उपलब्धि है।

श्री पी 'प्रेमचन्दजी बाठिया
मद्रास

श्री मोहन लालजी मूथा बैगलौर

श्री मोहनलाल जी मूथा　　　　श्रीमती मीना बाई मूथा

आपका जन्म २२.१२.१९९३ को श्रीमान सिरेमलजी मूथा के यहाँ हुआ। आपके पूज्य पिताजी श्री जैन सघ बैगलौर सिटी के चेयरमेन एव अध्यक्ष रह चुके है। आप के पाँच भाई एव दो बहिने है। आप का परिवार मूलत. राजस्थान प्राप्त के पाली जिले के बगड़ी कस्बे के है। वर्तमान मे आप बैगलौर मे व्यवसाय रत है। मूथा परिवार सदैव से ही धार्मिक प्रवृत्ति सामाजिक धार्मिक सेवा कार्यों मे अग्रसर रहा है। चातुर्मास काल मे आप साधु-साध्वीयों के यहाँ जाते रहते है। आप श्रीमान सिरेमलजी मूथा के चतुर्थ सुपुत्र है। स्वय के द्वारा स्थापित किये गये प्रतिष्ठान व्यवसाय कार्य आज बैगलौर एव दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठान है अपनी बुद्धिमता, सहनशीलता, मिलनसार प्रवृत्ति, मधुरवाणी कर्मठ कार्य तत्परता आदि गुणो से आप सभी के जनप्रिय बन गये है। व्यवसाय मे प्रगति के उच्च शिखर पर पहुच गये है। आपका विवाह सुप्रसिद्ध दानवीर सेवा भावी सेठ साहब श्री जुगराजजी डोडवालापुर-बैगलौर वालो की सुपुत्री धर्म परायण श्राविका श्रीमती मीना बाई से सम्पन्न हुआ जिनकी धर्म के प्रति काफी अटूट श्रद्धा है। श्रीमती मीना बाई तपस्वी श्राविका भी है। जिन्होने अट्ठाई ग्यारह, पन्द्रह एव मासखमण जैसी उग्र तपस्याऐ भी पूर्ण की है।

आपके दो सुपुत्र सर्व श्री महावीर चदजी एव राजेश कुमार जी है मिलसार है समुख प्रकृति के व्यवहार कुशल है, जो राम सक्षमण की तरह आज्ञाकारी जोडी है।

आपकी दोनो पुत्र वधुऍं सर्व श्रीमती कल्पना देवी महावीर चदजी (सुपुत्री श्री चालचद जी सुराणा सिकन्द्रावाद) एव श्रीमती उषाराणी राजेश कुमार जी सुपुत्री श्री पन्नालाल जी छल्लानी के जी एफ वाली दोनो बहुत ही सुशील आज्ञाकारी धार्मिक सुसस्कारो से युक्त है। श्रीमती उषा राणी राजेशकुमार जी ने भी १८९९२ को स्व उपाध्याय श्री केवल मुनि जी म. सा के सानिध्य मे मास खमण (३१ दिन की तपस्या) की उग्र तपस्या पूर्ण की है। आपके दो सुपुत्रिया सर्व श्रीमती सूर्य कान्ता गेलडा एव श्रीमती ललिता छल्लानी भी काफी धर्मपरायण श्राविका है। आप अनेक सस्थाओ को मुक्त हाथो से भरपूर सहयोग प्रदान करते रहते है। आपके यहाँ से आज तक कोई खाली हाथ या निराश नही लोटा है। आपने ऐज्युकेशनस इन्स्टिट्यूशन, मेडीलक सेटर एव जैन स्थानक के नूतन निर्माण कार्य मे भी बहुत ही अच्छा सहयोग प्रदान किया है। इसके अलावा मूथा परिवार के पूर्ण सहयोग से शिवाजी नगर के महिला स्थानक के निर्माण कार्य मे भी प्रदान किया है। मलेश्वरम् स्थित जैन स्थानक के निर्माण कार्य मे मार्बल आदि का भी आपने योगदान दिया है। आप अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाऍं भी प्रदान कर रहे है। जिनमे मुख्य इस प्रकार है- भगवान महावीर होस्पीटल के ट्रस्टी, भगवान महावीर कॉलेज के ट्रस्टी, आदर्श विद्यालय के ट्रस्टी आदि प्रमुख है सेलम के विद्यालय मे भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। मेधावी विधार्थीयो को स्कोलर सिप भी आप प्रतिवर्ष प्रदान करते है। डोडवाला स्कूल मे शीतल जल हेतु का निर्माण भी किया है। आप हमेशा हसमुख मुद्रा मे रहते है हसना एव खुश रहना आपकी मुख्य आदत है। स्व उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म सा के आप प्रमुख अन्तेवाषी भक्त गणो मे से सर्वोपरी श्रावक रत्न है उनके आदेशानुसार आगरा से प्रकाशित सचित्र नमोक्कार महामत्र की सचित्र पुस्तके आपकी ओर से मुद्रित हुई है।

समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप कर्मठ सेवा भावी युवक रत्न शिरोमणी श्रावक है।

श्री वी सी जैन- दिल्ली

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार और उद्योग रत्न जैसे प्रतिष्ठित अनेक पुरस्कारो के धनी श्रीमान वी सी जैन दिल्ली महानगर के प्रतिष्ठित सुप्रसिद्ध उद्योगपति एव समाजसेवक युवक रत्न है। पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर अपने कदम बढाए और वर्तमान मे सात उच्च श्रेणी के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानो के सस्थापक है। व्यवसाय मे आप उच्च शिखर पर पहुँचकर भी धर्म को हमेशा साथ म रखते है। उत्तर भारत का ऐसा कोई व्यक्ति नही होगा जो आपसे परिचित नही होगा सपूर्ण उत्तर भारत मे आपका काफी प्रभाव है। सन् १९७९ मे भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति बी आर से आपको उद्योग रत्न का पुरस्कार एव सन् १९९० म भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री ज्ञानी जैलसिंह क द्वारा इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय एकता जैसा पुरस्कार आपको प्राप्त हुआ है। इसके अलावा सन् १९९२ मे उद्योग विभूषण पुरस्कार एव सन् १९९३ म विजय श्री पुरस्कार मे भी आप पुरस्कृत हुए है। जैन एकता के लिए दूरदर्शन पर आपके भाषण एव प्रेस काफ्रेस कई बार प्रदर्शित हो चुके है।

वर्तमान म आप अनेक धार्मिक सामाजिक राजनैतिक आदि सस्थाओ मे अनेक प्रतिष्ठित पदो पर सेवाऐं प्रदान कर रह है। उनमे प्रमुख इस प्रकार है श्री आत्मानद जैन महासभा (उत्तरीभारत) के वर्तमान मे अध्यक्ष, इस्टीट्यूट ऑफ मार्केटिंग एड मनेजमेन्ट के डायरेक्टर भोगीलाल लहरचद इस्टीट्यूट ऑफ इन्डोलॉजी के ट्रस्टी, जैन सोश्यल ग्रुप दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष दिल्ली एक्सपोर्ट एसोसिएशन के महामत्री एपिटिपक एक्सपोर्टर्स एड मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के पूर्व महामत्री एव वर्तमान म कमेटी सदस्य इण्डो यूएसएसआर चम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इडस्ट्रीज के महामंत्री आदि आदि। आप सुप्रसिद्ध जैनाचार्य श्री विजय इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म सा के प्रमुख भक्तो मे से एक सर्वोपरि अन्तेवासी श्रावक रत्न है। इस वर्ष पालीताणा मे अक्षय तृतीया महोत्सव पर पारणा समिति के आप प्रमुख—

श्री आजाद जैन - लुधियाना

आपका जन्म पजाब प्रान्त की सुप्रसिद्ध उद्योग नगरी लुधियाना मे २७ ११ १९५९ को श्रीमान शुभ कुमारजी जैन के यहाँ हुआ। ग्रेज्युएट तक शिक्षा प्राप्त कर आपने व्यवसाय की ओर कदम बढाये और आज व्यवसाय के उच्च शिखर पर पहुँच गए है। आप वर्तमान म एस एम ट्रेडिंग कपनी एव एस एस एजेन्सी नामक कपनियो मे वूलन होजियरी के धागे क निर्माता एवं थोक व्यापारी है। आपके व्यवसाय म एक विशेषता यह दिखाई देती है कि आप बहुत ही ईमानदार व व्यवहार कुशलता के साथ क्वालिटी पर विशेष ध्यान देते है और यही कारण है कि आप सपूर्ण उत्तर भारत म प्रतिष्ठित व्यवसायी रत्न है। व्यापारिक कार्य क साथ साथ धार्मिक, सामाजिक कार्यों मे भी आपकी विशेष रुचि है। सभी साधु साध्वियो की सेवा सुश्रुषा करने मे अपने आपको आप बहुत ही धन्य मानते है। आप उत्तरी भारत की अनेको धार्मिक सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य आदि अनेक सस्थाओ मे किसी न किसी पद पर रह कर अपनी सेवाऐं समाज एव राष्ट्र को अर्पण कर रहे है। उत्तरी भारत मे कहीं पर भी किसी भी तरह का कार्यक्रम आयोजित होता है उसमे आपकी सेवाऐं हमेशा अग्रसर रहती है। आप व्यवहार मे कुशलता, कार्य मे तत्परता, मन म अगाढ गुरु भक्ति सेवा हसमुख चेहरा मधुरभाषी आदि अनेक गुणो से युक्त युवा रत्न है। महावीर जैन युवक मण्डल पजाब (रजि) उत्तर भारत के आप सेक्रेटरी एव महावीर जैन युवक मण्डल लुधियाना के आप उपाध्यक्ष जैसे प्रतिष्ठित पदो पर रहकर अपनी सेवाऐं प्रदान कर रहे है। श्री राकेश जैन प्रधान के नेतृत्व मे इस वर्ष लुधियाना मे एक विकलाग कैम्प लगाया था जिसमे लगभग २६०० मरीजो को लाभ पहुँचा। इसको सफल बनाने मे भी आपका पूर्ण योगदान रहा। आप उत्तर भारत के उज्ज्वल युवा रत्न है।

श्री हस्तीमलजी सिसोदिया बैंगलौर

व्यवहार मे कुशलता हृदय में उदारता स्वभाव में नम्रता वाणी मे मधुरता चेहरे पर हसमुखता कार्य मे बुद्धिमता मन में अगाढ़ धर्म श्रद्धाकर्मठ सेवा भावी आदि गुणो का सगम श्री हस्ती मल जी सिसोदिया मे विद्यमान है। आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के नागौर जिले के कुचेरा शहर मे १४ ११ १९४७ को श्रीमान कुशलचद जी सिसोदिया के यहाँ हुआ। पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर किये वर्तमान मे बैंगलौर शहर मे आपका ऑटो फाइनेन्स का बहुत विशाल व्यवसाय है। वर्तमान मे आप गाँधीनगर बैंगलौर मे ही व्यवसाय रत व निवास करते है। आप अनेको सस्थाओ में अनेको पदों पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है जिनमे मुख्य इस प्रकार है- भगवान महावीर होस्पीटल के ट्रस्टी एव सेक्रेट्री, आदर्श विद्यालय कालेज के उपाध्यक्ष एव ट्रस्टी, जैन आई होस्पीटल के ट्रस्टी, किडनी फाउन्डेशन के ट्रस्टी, अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स युवा शाखा के कर्नाटका प्रान्तीय अध्यक्ष, श्री व स्था जैन श्रावक सघ चिकपेट के कार्यकारी सदस्य, राजस्थान यूथ एसोशियसन के पूर्व अध्यक्ष एव फाउन्डर सदस्य आदि प्रमुख है। बैंगलौर के कुशलचद हस्तीमल सिसोदिया हाई स्कूल निमडी (कुचेरा) मे जैन स्थानक भवन कुचेरा मे प्याऊ निमडी-बूटाटी मे प्याऊ आदि का निर्माण आपके सहयोग से हुआ है। बैंगलौर मे केन्सर हॉस्पीटल एव धर्मशाला में एक रूम का निर्माण किडनी फाउन्डेशन मे एक कमरे का निर्माण गोटावत कॉलेज मे एक कमरे के निर्माण भी आपके सहयोग से ही हुआ है। आप अनेक सस्थाओं को मुक्त हाथो से दान सहयोग देते रहते है आपके यहाँ से कोई खाली हाथ नही जाता है। श्रमण सघ के सभी साधुओ के प्रति आपकी अगाढ़ श्रद्धा भावना है। स्व श्री मरूधर केशरीजी म के प्रति आपकी विशेप अगाढ़ शृद्धा रही है। आप समय समय पर विदेश

शेष पृष्ठ 60 पर

श्री राजकुमारजी सेठी-कलकत्ता
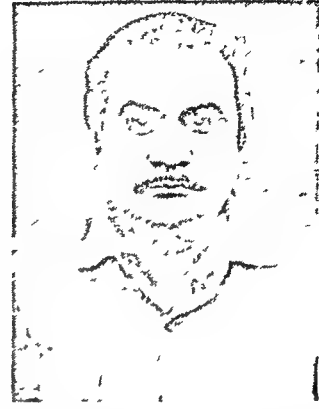
तत्कालीन आसाम प्रान्त के डीमापुर नगर मे सुगन्ध दशमी, सम्वत् २००४ को प्रसिद्ध समाजरत्न श्री फूलचदजी सेठी के घर जन्मे श्री राजकुमार सेठी ने वही से सस्कारित व प्राथमिक शिक्षा ग्रहण कर, १९६७ मे गोहाटी से वाणिज्य स्नातक उपाधि उपलब्ध की। पिता निवास की निरन्तर सामाजिक, धार्मिक और व्यवसायिक गतिविधियों का आप पर गहन सास्कारित प्रभाव पडा। आप दो पुत्रो और एक पुत्री के पिता है। प्रारभ से क्षेत्रीय व्यवसाय से सबधित रहते हुए भी आप मुख्यत सामाजिक क्षेत्र को समर्पित हो गए। आपके उदार सामाजिक अनुदान की १९७१ से आरम्भ हुई शृखला अब भी अबाध और पोरुपय मनस्विता से प्रदीप्त है। आपके जनकल्याण कार्यों को मुख्य अवधिगत सक्षेप सार उद्धृत है।

सन् १९७१ मे डीमापुर टेक्सटाइल्स मर्चेन्ट एसोसिएशन की स्थापना एव सस्थापक सदस्य एव सचिव

सन् १९७१ मे करवी आलोग आसाम एव नागालैन्ड मे जैन जनगणना का सफल सपादन, १९७३ मे रोटरी क्लब के सदस्य एव कोषाध्यक्ष, सयुक्त सचिव एव श्रेष्ठतम सपादक पुरस्कार प्राप्तकर्ता, १९७७ मे अ भा दिगम्बर जैन युवा परिषद् का गठन एव उपाध्यक्ष, एव दिगम्बर जैन पचायत डीमापुर के सयुक्त सचिव १९८१ मे श्रवणबेलगोला महामस्तकाभिषेक समिति के सदस्य, १९८२ मे भिण्डर मे अ भा दिगम्बर जैन महासभा के प्रकाशन मत्री, १९८३ मे विदेश यात्रा, १९८४ जम्मूद्वीप ज्ञानज्योति प्रवर्तन समिति के पूर्वांचल के महामत्री, विश्वप्रसिद्ध शिवा नगरी पिलानी के दिगम्बर जैन मदिर के निर्माण कार्य मे पूर्ण योगदान, १९८५ विजयनगर आसाम मे अ भा दिगम्बर जैन महासभा अधिवेशन मे पूर्वांचन समिति के महामत्री के सयुक्त महामत्री पद पर चयन। १९८६ मे हावडा के निर्मित जैन मदिर मे आपका अतिथि के रूप मे सम्मान सन् १९८८ मे वेल गछिया मे मान स्तभ पच कल्याणक के मत्री जैन समाज की चारो सस्थाओ के उपसभापति का चयन।

आप जैन समाज के होनहार कर्मठ सेवाभावी कार्यकर्ता युवक रत्न शिरोमणि है।

श्री पानमलजी झावक-वणी

आपका जन्म महाराष्ट्र प्रान्त के यवतमाल जिले के वणी शहर में श्रीमान चांदमलजी झावक के यहाँ हुआ। मिडिल स्कूल तक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात आपने व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। वर्तमान में आप वणी शहर में हार्डवेयर एवं ए.सी.सी. अशोका माणिकगढ़ सीमेन्ट के डीलर एवं ट्रान्सपोर्टिंग का कार्य कर रहे हैं। आप अनेक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ वणी (यवतमाल) के भूतपूर्व उपाध्यक्ष पद पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर चुके हैं। आपने अनेक संस्थाओं को भरपूर सहयोग भी प्रदान किया है। श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ वणी के महावीर भवन के निर्माण में बहुत अच्छा योगदान प्रदान किया है इसके अलावा भद्रावती तीर्थ मंगल साधना केन्द्र आदि को भी अच्छा सहयोग प्रदान किया है। जीवदया पगादा असाध्य मरीजों की सेवा करने में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। विकलांगों को साइकलें भी प्रदान करते हैं एवं वर्ष में दो बार दरिद्रनारायण भोज एवं कपड़ा का वितरण भी करते हैं। आप श्रमण संघीय सलाहकार श्री रतन मुनिजी म.सा. के प्रमुख भक्तों में से एक हैं। आप सरल स्वभावी मिलनसार मृदुभाषी एवं अच्छे कुशल व्यापारी हैं। सामाजिक धार्मिक एवं मानव सेवा के कार्य में आपकी विशेष रुचि रहती है। समाज के हर सेवा कार्य में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। आप सभी साधु-साध्वियों की श्रद्धाभाव से बहुत अच्छी तरह से सेवा करते रहते हैं।

श्री नेमीचंदजी पुंगलिया - नागपुर

आपका जन्म महाराष्ट्र प्रान्त के भण्डारा जिले के नवेगांव (बांध) कस्बे में १०-१०-१९९३ को श्रीमान रूपचन्दजी पुंगलिया के यहाँ हुआ। मैट्रिक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर अपना ध्यान दिया। वर्तमान में आप नागपुर शहर में वन बीजों के व्यापारी हैं। आप अनेक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं जिनमें मुख्य इस प्रकार हैं भारतीय जैन संघटना विदर्भ शाखा के अध्यक्ष, आगवान पंचायती इतवारी के अध्यक्ष, मातृश्री मैनाबाई हाईस्कूल नागपुर के अध्यक्ष, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ नागपुर के ट्रस्टी एवं कार्यकारी सदस्य, ईस्टर्न स्पोर्टिंग क्लब वर्धमान नगर नागपुर के कार्यकारी सदस्य, श्री कमला नेहरू रामदेव बाबा इंजिनियरिंग कॉलेज सदर नागपुर के कार्यकारी सदस्य एवं जैन सार्वजनिक हॉस्पीटल के अध्यक्ष जैसे प्रतिष्ठित पदों पर रहकर आप अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। आप सभी संस्थाओं को भरपूर सहयोग भी प्रदान करते रहते हैं। समाज सेवा में हर कार्य में आप हमेशा अग्रसर रहते हैं। सभी साधु साध्वियों की सेवाएँ आप श्रद्धाभाव से करते रहते हैं। सम्पूर्ण विदर्भ क्षेत्र में आपका काफी प्रभाव है। आपने प्रामाणिकता, व्यवहार कुशलता मृदुभाषी मिलनसार आदि गुणों से व्यापार व समाज में अपना नाम काफी उज्ज्वल किया है। आपके परिवार में धर्मपरायण धर्म पत्नि इन्दिरा देवी ४ सुपुत्र, २ सुपुत्रियाँ एवं सुपौत्र सुपौत्रियाँ आदि से भरापूरा परिवार है सभी धार्मिक रुचि वाले हैं। आप नागपुर श्री संघ के कर्मठ सेवाभावी युवा श्रावक रत्न हैं।

श्री राजेन्द्रप्रसादजी बेद-नागपुर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के बीकानेर जिले के नोखा मडी में श्रीमान् सोहनलालजी हजारीमलजी वेद के यहाँ हुआ। बी.कॉम. तक की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने नागपुर (महाराष्ट्र) मे स्वय का व्यवसाय प्रारभ कर दिया, जो जैन सुपारी सेंटर के नाम से सम्पूर्ण महाराष्ट्र व दक्षिण मध्य भारत में प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों मे गिना जाता है। आप समाज के सक्रिय व सामाजिक सेवाभावी कर्मठ कार्यकर्ता है। वर्तमान में आप श्री व स्था जैन श्रावक सघ नागपुर के कार्यकारिणी सदस्यगण एव किराणा मर्चेन्ट एसोसिएशन नागपुर के कार्यकारी सदस्य है। आप अनेक सस्थाओ जैसे स्कूल औषधालय, प्याऊ, जैन स्थानक उपाश्रय जीवदया आदि कार्यों में अच्छा सहयोग प्रदान करते ही रहते है। आप वैसे तो सभी साधु-साध्वियो की श्रद्धाभाव से सेवा करते रहते है, फिर भी साधुमार्गी समुदाय के आचार्य श्री नानालालजी म.सा. के विशेष श्रद्धा रखने वाले परम भक्तगण है। आप आसाम की चिकनी सुपारी के प्रमुख होलसेल व्यापारियो मे से सर्वोपरि एक प्रतिष्ठित एव प्रसिद्ध व्यापारी है। आपके परिवार मे आपकी धर्मपत्नी श्रीमती मजुदेवी के अलावा तीन सुपुत्र भी धार्मिक प्रवृत्ति के धर्मपरायण है। आपका सम्पूर्ण नागपुर विदर्भ राजस्थान प्रान्त मे काफी प्रभाव एव नाम है। समाज की हर प्रकार की सेवाओ के लिए आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप अ भा साधुमार्गी जैन सघ के भी सदस्य है। इस वर्ष आपकी जन्म भूमि मे आचार्य प्रवरश्री नानालालजी म सा का ही चातुर्मास हो रहा है। आप अनेक सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग भी प्रदान करते रहते है। आप प्रतिदिन सामायिक आदि धर्मध्यान नियमित करते रहते है। आपका शात स्वभावी हसमुख प्रवृत्ति, मिलनसर एव व्यवहार कुशल सेवाभावी कर्मठ कार्यकर्ता युवक रत्न है।

श्री चुन्नीभाई शाह (तुरखिया), नागपुर

आपका जन्म गुजरात प्रान्त के सौराष्ट्र क्षेत्र के सावरकुडला शहर मे २८-५-१९४५ को श्रीमान् मोहनलालभाई तुरखिया के यहाँ हुआ। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर बढ़ाये वर्तमान मे आप नागपुर (महाराष्ट्र) में स्टेनलेस स्टील के वर्तनो का थोक व्यवसाय करते है। अपनी व्यवहार कुशलता, मिलनसार मृदुभाषा कर्मठ कार्य के कारण आप अपने सभी के प्रिय बन गये है। समाज सेवा के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर है। कई सस्थाओ मे आप कई पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। आप वर्तमान मे नागपुर में श्री गुजराती समाज के कार्यकारी सदस्य, श्री व स्था. जैन श्रावक सघ नागपुर के कार्यकारी सदस्य, नागपुर विदर्भ चैम्बर्स आफ कामर्स के कार्यकारी सदस्य, श्री सौराष्ट्र दशा श्रीमाली वणिक सघ के कार्यकारी सदस्य, श्री गौ रक्षण समिति के कार्यकारी सदस्य, नागपुर-स्टेनलेस स्टील मेटल मर्चेन्ट एसोसिएशन के सलाहकार सदस्य, लायन क्लब ऑफ नागपुर के उपाध्यक्ष, जैन सोश्यल ग्रुप नागपुर शाखा के कोषाध्यक्ष एव के देवो राजन औषधालय के सस्थापक एव सदस्य आदि प्रमुख है। आप सामाजिक धार्मिक व्यापारिक सस्थाओ को भरपूर सहयोग प्रदान करते रहते है। नागपुर एव विदर्भ क्षेत्र मे आप काफी प्रसिद्ध एव प्रतिष्ठित व्यापारी एव समाज सेवाभावी कार्यकर्ता है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आपके परिवार मे आपकी धर्मपत्नी श्रीमती पदमावेन सुपुत्र श्री यतीन भाई, जतीनभाई, नितिन भाई एव सुपुत्री कुमारी स्वाती एव दोनो पुत्र वधुएँ भी काफी धार्मिक सस्कारों से युक्त धर्मपरायण है। आपकी तरह आपके सुपुत्र भी समाजसेवा के क्षेत्र मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप सभी समुदायो के साधु-साध्वियो की सेवा वैयावच्च वडी श्रद्धा भक्ति भाव से करते रहते है।

श्री सुरेशकुमारजी छल्लानी-बैंगलौर

आपका जन्म कर्नाटक प्रान्त के के जी एफ शहर मे २३-१२-१९५३ को श्रीमान् बख्तावरमलजी छल्लानी के यहाँ हुआ। आपके वशज पूर्व मे जैतारण (राजस्थान) के है। हायर सेकेण्ड्री तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर ध्यान दिया। वर्तमान मे आप बैंगलौर शहर मे ज्वैलर्स का व्यवसाय करते है। व्यवहार कुशलता ईमानदारी आदि गुणो से आप सभी के प्रिय बने हुए है। आप अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर रह कर अपनी सेवाएँ समाज को अर्पित कर रहे है। श्री मरुधर केशरीजी जैतारण सोजत राणावास आदि जितनी भी सस्थाएँ है उन सभी से आप जुडे हुए है।

आप जैन विद्यापीठ बैंगलोर के सदस्य श्री व स्था जैनश्रावक सघ चिकपट सिटी के कार्यकारी सदस्य गोटावट कालेज महावीर कालेज के कार्यकारी सदस्य अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स कर्नाटक शाखा के सक्रेटरी मरुधर केशरी सेवा समिति के मत्री इसका सम्पूर्ण कार्य आप ही सभालते है आदि पद प्रमुख है। आप श्री मरुधर केशरीजी म सा के परम भक्तगण है। जैतारण पावनधाम के मेन गेट पर आपके बडे भ्राता का नाम श्री बख्तावरमल चपालाल छल्लानी लगा हुआ है। जैतारण मे श्री मरुधर केशरीजी म सा के अन्तिम चातुर्मास करवाने का भी आपने ही लाभ लिया था। बैंगलौर मलेश्वरम् स्थानक निर्माण मे भी आपने योगदान दिया है। आपका अनेक सघो स्थानको की ओर से कई वार सार्वजनिक अभिनन्दन भी हो चुका है। आप सभी सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग भी प्रदान करते रहते है। आपका पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से धर्मप्रिय है। सभी साधु साध्वियो की आप बहुत ही श्रद्धा भाव से सेवा करते रहते है। सम्पूर्ण मारवाड एव दक्षिण भारत मे आपका काफी प्रभाव है। आप होनहार कर्मठ सेवाभावी युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री सिरेमलजी मर्लेचा-बैंगलौर-(शूले)

आपका जन्म गोदाजी का गाँव (भीम) (बैंगलौर) मे २० १ १९३८ को श्रीमान् चन्दनमलजी मर्लेचा के यहाँ हुआ। मैट्रिक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने उद्योग व्यवसाय की ओर ध्यान दिया। वर्तमान मे आप अशोकनगर शूले बैंगलौर मे निवास करते है। आप बैंगलौर मे उद्योग का कार्य कर रहे है सुप्रसिद्ध उद्योगपति है। आपने कई सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग प्रदान किया है। श्री हजारीमल मुलतानमल छात्रावास के आप मुख्य दानदाता है। गाँव मे स्कूल के लिए भी आपने ही भवन बनवा कर सरकार को भेट किया है जहाँ हजारो व्यक्ति वर्तमान मे विद्याभ्यास करते है। अशोकनगर शूले बैंगलौर स्थानक के नूतन निर्माण मे भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। सभी समुदायो के साधु साध्वियो की आप अगाढ श्रद्धा भाव से सेवा आदि करते रहते है। वर्तमान मे आपश्री व स्था जैन श्रावक सघ शूले बैंगलौर के मत्री पद पर रह कर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। श्रमण सघीय उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म सा की भी आपने बहुत ही अच्छी सेवा की है। आप श्री हजारीमल मुलतानमल मर्लेचा एव कर्नाटका प्लास्टिक इण्डस्ट्री प्रा लि के डायरेक्टर भी है। आपके तीन सुपुत्र सर्वश्री किरणचदजी राजेन्द्रकुमारजी धर्मेन्द्र कुमारजी एव पाँच सुपुत्रियाँ का हरा भरा सपन्न परिवार है। पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से सुशोभित है। आप समाज के हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते है। उपाध्याय श्री केवलमुनि जी म के सानिध्य मे इस वर्ष अक्षय तृतीया का पारणा समारोह एव उपाध्याय श्री के महाप्रयाण के अवसर पर की गयी आपकी सेवाएँ चिरस्मरणीय बनी रहेगी। आप हर समय सेवा के कार्य मे अग्रसर बने रहते है। शूले श्री सघ के आप सेवा भावी कर्मठ कार्यकर्ता युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री चुन्नीलालजी धर्मावत - उदयपुर
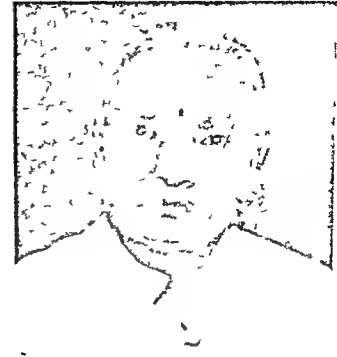
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त की वीर भूमि मेवाड़ क्षेत्र के उदयपुर जिलान्तर्गत वाघपुरा कस्बे मे श्रीमान चन्दनमलजी धर्मावत के यहाँ श्रावण वदी वि स १९७८ मे हुआ। प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने वि स १९९२ में उदयपुर में अपना व्यवसाय प्रारभ किया। व्यवसाय के क्षेत्र मे जहाँ आप लोकप्रियता के उच्च शिखर पर है वही सामाजिक एव धार्मिक क्षेत्र मे भी लोकप्रियता के उच्च शिखर पर पहुँचे है। श्री व स्था जैन श्रावक सघ उदयपुर के आप अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष आदि अनेक पदो पर रहकर अपनी अमूल्य सेवाएँ समाज को अब भी प्रदान कर रहे है। आप उदयपुर श्री सघ के स्तभ, प्रमुख श्रावक-रत्न है। समय-समय पर सभी को आर्थिक सहयोग भी प्रदान करते रहते है। आपकी समाज सेवाएँ काफी उत्कृष्ट एव सर्वोपरि है। समाजसेवा के जिस कार्य मे आप जुट जाते है तो फिर उसे पूर्ण करके ही दम लेते है। उत्कृष्ट समाजसेवा के उपलक्ष मे ही आपको समाज-रत्न जैसा प्रतिष्ठित अलकरण प्राप्त हुआ है एव अनेक श्रीसघो एव सस्थाओ की ओर से सैकडो की सख्या मे आपको प्रशस्ति-पत्र भी प्राप्त हुए है। सन् १९९३ मे उदयपुर मे आयोजित आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म का आचार्य पद चादर महोत्सव को सफल वनाने मे आपका योगदान सर्वोपरि रहा है। आपने रात-दिन एक करके अपने सहयोगियो के सहयोग से इसे काफी यशस्वी, सफल एव ऐतिहासिक वना दिया। सपूर्ण मेवाड प्रात मे आपका काफी प्रभाव है। श्रमण सघ के सभी साधु-साध्वीयो की आप काफी श्रद्धा-भाव से सेवा-सुश्रुषा करते रहते है। समाज के हर कार्यो मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। उदयपुर शहर मे होने वाले सभी चातुर्मासो मे आप तन-मन-धन से अपनी सेवाएँ अर्पित करते रहते है। सभी साधु-साध्वीयो के दर्शनार्थ भी आप जाते रहते है। उदयपुर श्रीसघ के आप स्तभ श्रावक-रत्न है।

श्री भंवरलालजी साँखला मेटुपालयम

श्रीमान भवरलालजी साँखला राजस्थान प्रात के मोहरा ग्राम के मूल निवासी स्व श्री मगराजजी साँखला के इकलौते सुपुत्र है। आप अत्यन्त धर्मनिष्ठ एव गुरुभक्त सुश्रावक-रत्न है। स्व श्री मरुधर केशरीजी म सा के अनन्य भक्तो मे से एक है। पूज्य गुरुदेव के प्रति आपकी श्रद्धा व भक्ति अटूट है। आप अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है जिनमे मुख्य इस प्रकार है—श्री मरुधर केशरी गुरु सेवा समिति के ट्रस्टी, श्री व स्था जैन श्रावक सघ मेटुपालयम (तमिलनाडु) के अध्यक्ष, श्री मरुधर केशरी स्था जैन स्मृति समिति पावन धाम के ट्रस्टी, आदि। आपने अनेको सस्थाओ को वहुत ही अच्छा सहयोग प्रदान किया है एव समय-समय पर देते ही रहते है। श्री मरुधर केशरीजी म सा के नाम से चल रही हर छोटी-बडी सस्थाओ से आप जुडे हुए है। श्री गुरु सेवा समिति एव पूज्य गुरुदेव के ग्राम राणा मे जैन स्थानक के निर्माण मे आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। इसके अलावा पावनधाम जेतारण एव मेटुपालयम जैन स्थानक के निर्माण कार्य मे भी अच्छा सहयोग प्रदान किया है एव वेलूर साधर्मी वधु फड मे भी सहयोग प्रदान कर सहृदया एव दानवीरता का प्रमाण प्रस्तुत किया है। इनके अलावा श्री अमोलक जैन विद्या प्रसारक मडल कडा अनेक गोशालाओ, कवूतरखानाओ, शिविरो व अन्य कई छोटी-वडी सस्थाओ को प्रति वर्ष काफी अच्छी सख्या मे दान भेजते ही रहते है। आप सभी साधु-साध्वीयो की सेवा भक्ति मे सदैव तत्पर रहते है। आपकी धर्म के प्रति दृढ श्रद्धा एव आस्था अनुकरणीय एव प्रशसनीय है। आपकी एक विशेषता यह भी है कि आप किसी को भी कभी खाली हाथ नही लौटाते है। चाहे वह स्थानक निर्माण कार्य का हो या गौशाला या अन्य के लिए। आपमे आतिथ्य सत्कार की भावना भी अत्यन्त ही उत्कृष्ट है।

श्री भवँरलालजी सकलेचा (बैंगलौर)

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त में बीजाजी का गुडा कस्बे में सन् १९३३ को श्रीमान गुलाबचदजी सकलेचा के यहाँ हुआ। बी कॉम तक पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर बढ़ाये। वर्तमान में आप मलेश्वरम् बैगलोर में निवास करते है। मलेश्वरम् में ही आपके ज्वैलर्स के दो प्रतिष्ठान है। व्यवहार कुशलता, मिलनसार, ईमानदारी एव विश्वास से आप व्यवसाय मे जन-जन के प्रिय बन गये है। जहाँ विश्वास की परम्परा आपके प्रतिष्ठान की निशानी बन गयी है। आप अनेक सस्थाओं मे अनेक पदों पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। जिनमे मुख्य इस प्रकार है- अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स- कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष, श्री श्वेताम्बर-स्थानकवासी जैन सघ मलेश्वरम् के अध्यक्ष, श्री धोंडनीकुण्डी जैन गौशाला कृष्णराजपुरम् बैगलौर के उपाध्यक्ष, बैगलोर श्री सघ के कार्यकारी सदस्य, पान ब्रोकर एसोसिएशन बैगलौर के विगत् १६ वर्षों से कोषाध्यक्ष आदि पद प्रमुख है। श्री जसराज गुलाबचद माध्यमिक विद्यालय गुडा बीजा (राजस्थान), जैन गौशाला, श्री मरुधर केशरी प्राथमिक विद्यालय, गुडाबीजा एव श्रीलका मे सन् १९७७ मे २५० आँखो के ऑपरेशन आदि मे आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। सन् १९९३ मे श्रमणसघीय प्रवर्तक श्री रुपचदजी म सा के गुडाबीजा मे आपके मत्री पद मे सफल चातुर्मास सफल हुआ है। दक्षिण भारत का एकमात्र विशाल मलेश्वरम् के जैन स्थानक भवन के नूतन निर्माण कार्य के लिए लगभग १५ लाख रुपए की आपने ही अग्रिम राशि प्रदान की ऐसा स्थानक भवन दक्षिण भारत मे अन्य कही भी नही बना है। यह सब आपके मार्गदर्शन, प्रेरणा एव कार्य सेवा का फल है। आप दक्षिण भारत के हर क्षेत्र मे बहुत ही अत्यधिक जाने पहिचाने एव प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी है। आप समाज के हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप सभी समुदाय के साधु-साध्वीयो की बहुत ही शृद्धा भाव से सेवाएँ करते रहते है। आप व्यवहार कुशल, मृदुभाषी जीव दया प्रेमी, कर्मठ सेवाभावी युवक रत्न शिरोमणी श्रावक है।

श्री देवराजजी चौरड़िया- बैंगलौर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के नागौर जिले के नोखा चादावतो नामक कस्बे में स्व श्रीमान खिंवराजजी चौरडिया के यहाँ दिनाक १९-९-१९३४ को हुआ। पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। वर्तमान में आपन मद्रास एव बैगलौर निवास करते है। वर्तमान में आप बैगलौर में मोटर व्हिकल्स, बजाज ऑटो के अधिकृत डीलर है। आप अनेक सस्थाओ से अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ समाज को अर्पण कर रहे है। आप सभी सस्थाओ को भरपूर सहयोग प्रदान करते रहते है। मद्रास शहर मे जैन कालेज एव जैन एज्युकेशन सोसायटी में आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। इसके अलावा जन्मभूमि नोखा चादावतो में आपके पूज्य पिताश्री ने जैन स्थानक का भव्य निर्माण कार्य पूर्ण करवाया है। नोखा चादावतो मे ही आपने प्याऊ एव स्कूल अस्पताल आदि मे भी पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आपका पूरा परिवार स्व यूवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी म सा के प्रति विशेष शृद्धावान रहा है उनके परम भक्तगणों में से एक है। आपके द्वारा निर्मित २५ वर्षों से बैगलौर से व्यवसाय में रत है। आपके तीन सुपुत्र सर्वश्री श्रीपालजी, श्री प्रफुल्लजी श्री जेठमलजी एव चार सुपुत्रियाँ है। जेष्ठ सुपुत्र श्री श्रीपालजी भी समाज के कर्मठ सेवाभावी युवा रत्न शिरोमणी है। सभी साध-साध्वीयो की सेवा करने मे आपका परिवार हमेशा अग्रसर रहता है। दक्षिण भारत मे आपका काफी प्रभाव है। मद्रास एव बैगलौर की अधिकाश सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। आप दक्षिण भारत के होनहार युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री सुनीलजी साखला बैंगलौर

राजस्थान के पाली जिले के मोहरा-कलाँ गाँव व १९५६ ईसवी से बेंगलोर निवासी सुप्रसिद्ध धर्मार्थ गोप्रेमी साखला परिवार के उदारमना दानवीर सेठ श्री स्व गिरिधारीलालजी अनराजजी साखला के पौत्ररत्न तथा श्री तेजराजजी व तपस्वी श्रीमती विजयादेवी के पुत्ररत्न श्री सुनील साखला का जन्म ९ जून १९६६ को अपनी ननिहाल नांदेड (महाराष्ट्र) मे हुआ। छोटी सी उम्र व्यवसाय की जिम्मेदारी संभालने के साथ साथ बी काम डी बी एम तक शिक्षा प्राप्त की।

१९९१ म विद्युत उपकरणो के व्यवसाय के विस्तार के साथ साथ आप राजनीति धार्मिक सामाजिक एव सेवा कार्यो म सक्रिय हो गये। गोसेवा जरूरतमन्दो को मार्गदर्शन रक्तदान शिविर सामाजिक चेतना आपके सबस प्रिय सामाजिक कार्य हैं। आप जैन समाज की एकता के प्रबल समर्थक है और बेंगलोर म जैनो की एकता एव शक्ति को सगठित करने की दिशा म आपने स्वय बगलोर जैन डायरेक्टरी का सकलन सम्पादन व प्रकाशन किया।

अनेक राष्ट्रीय प्रदेशीय सेवाभावी धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक व व्यापार सस्थाओ मे सक्रिय रूप म जु[illegible] श्री सुनील साखला मिलनसार समन्वय दृष्टि सम्पन्न चिन्तनशील हँसमुख, जैन धार्मिकवृत्ति के साथ सा[illegible] विचारधारा के व्यक्ति है।

आप[illegible] समाज सेवा समभाव उचित व्यवहार अहिंसा प्रचार व्यवसाय कुशलता उपभोक्ताओ के हितो की रक्षा आदि के लिए अनेक सम्मान एव गौरव प्राप्त किय है– भारत ज्योति' 'सेवाशिरोमणी 'उद्योग श्री [illegible] अवार्ड 'जमनालाल बजाज उचित व्यवहार पुरस्कार आल इंडिया बेस्ट डीलर-स्वर्ण पुरस्कार 'रेड क्रास अभिनंदन पत्र कर्नाटक राज्यपाल द्वारा प्रशसा पत्र अलकार से अलकृत किये गये है।

वर्तमान मे आप अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स (कर्नाटक युवा शाखा) के मह मत्री श्री जैन नवयुवक मण्डल-गणेशबाग बेंगलोर के मत्री है।

श्री एस एल मेहता, उदयपुर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के उदयपुर शहर मे [illegible] १-१९४९ को श्रेष्ठीवर्य श्री देवीलालजी मेहता के यहाँ हुआ एम ए तक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात आपने व्यवसा की ओर अपने कदम बढ़ाए। सन् १९७२ मे स्वय [illegible] व्यवसाय भी प्रारभ किया जो मेसर्स श्री ट्रासलाईन्स प्रा लि के नाम से उदयपुर मे प्रतिष्ठित एव प्रसिद्ध प्रतिष्ठान है। आप अनेक सस्थाओ से जुड़ हुए है। श्री साधुमार्गी स्थानकवासी जैन श्रावक सघ बासवाडा के आप सन् १९८९ ९० मे सहमत्री भी रह चुके है। आप लायन्स क्लब के उपाध्यक्ष रहकर भी आप अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप अनेक सस्थाओ को समय समय पर तन मन धन से सहयोग भी प्रदान कर रहे है। आपका कई सस्थाओ की ओर से सार्वजनिक सम्मान भी हो चुका है। बाँसवाडा एव उदयपुर शहर मे सेवा के कार्य मे आप उत्साहपूर्वक भाग लेते रहते है। आपके परिवार मे आपकी धर्मपत्नी श्रीमती रोशन देवी सुपुत्र श्री अभय (बी काम) सुपुत्री कुमारी मनीषा (बी ए) भी धार्मिक सस्कारो से सुशोभित है। आप सभी साधु साध्वियो की सेवा करने मे हमेशा अग्रसर रहते है। व्यवहार कुशलता, मिलनसारिता, हँसमुख प्रवृत्ति ईमानदारी आदि गुणो से आप व्यवसाय एव धार्मिक क्षेत्र म जन-जन के प्रिय बन गए है। आप जितना ध्यान व्यवसाय कार्य मे देते है उतना ही अध्यात्मिक क्षेत्र मे देते है। बासवाडा एव उदयपुर क्षेत्र मे जितने भी साधु साध्वियाँ पधारते है उनके विहार वैयावच्च आदि की सेवाएँ करने मे अग्रसर रहते है। आपका व्यवसाय जगत मे भी प्रतिष्ठित नाम है। आप कर्मठ सेवा भावी युवा रत्न शिरोमणि श्रावक है।

SHRI MAHENDRAJI HASTIMALJI SINGHI HUBLI

DATE OF BIRTH · 16th October 1965
STUDIED UPTO : S.S L C
OCCUPATION Business
NAME OF THE SOCIAL INSTITUTIONS WHERE ACTIVELY INVOLVED

PRESIDENT : Rajasthan Youth Federation, Hubli, Shri Vardhman Sthanakwasi Jain Shrawak Sangh, Hubli, H D M C Block Congress (I) Committee; Shri Sharif Shivayoeshwar Seva Samithi, Hubli, All India S S. Jain Conference (Regd.), (Youth Wing), New Delhi

GENERAL SECRETARY Hubli Jain Mahasabha, HUBLI

TREASURER · The Dharwar District Association for the Blind Research Institute (Regd), Navanagar, Hubli

VICE-PRESIDENT Karnataka Star Sports Club, Hubli (Affiliated to Karnataka State Cricket Association, Bangalore)

JT SECRETARY . Rajasthani Hindi Vidyalaya, Shri Mahaveer Hindi Shishu Vihar, Shri Shantinatth Hindi Composite Pre-University College

JT CONVENER Hubli-Dharwar Corporate District Congress (I) Minority Cell

MEMBER Telephone Advisory Committee, Hubli Tele-Com Dist , Karnataka Governments Ashreya Yojna Samithi, Hubli City, Lions Club of Hubli, Karnataka Chamber of Commerce, Felicited by ""RAJYOTSAVA AWARD" 1992

श्री प्रवीण बाफना - हुबली

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के जोधपुर जिले मे खण्डप शहर मे ६-२-१९६९ को श्रीमान माँगीलालजी बाफना के यहाँ हुआ। पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने १९८७ मे इलेक्ट्रिक सामान का हुबली (कर्नाटक) मे स्वय का व्यवसाय प्रारभ कर दिया। सहनशीलता, व्यवहार कुशलता, कुशाग्र बुद्धि से आप जन-जन के प्रिय बन गये। आप अनेक सस्थाओ से जुडे हुए है। वर्तमान मे आप इलेक्ट्रिक मर्चेन्ट एसोसिएशन, हुवली के कार्यदर्शी एवं राजस्थान यूंथ फेडरेशन, हुवली के सचालक जैसे पद पर रह कर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। स्थानीय जैन समाज द्वारा संचालित स्कूल मे पिताजी द्वारा दान व श्री सम्मेत शिखरजी तीर्थ में बन रहे ग्रन्थालय मे आपने वहुत बड़ी राशि दान मे दी है। आपका २५-२-९४ को इसी वर्ष शुभ-विवाह भी हुआ है। हुवली जैन डायरेक्टरी "गागर मे सागर" का आपने अल्प वय मे सफल सपादन कार्य किया है, जो समग्र जैन समाज मे एक रिकार्ड है, जो किसी अल्प वय वाले ने इतनी वड़ी सुन्दरता पूर्ण समाज की डायरेक्टरी का सपादन किया हो। आपमे एक विशेष गुण यह भी है कि परिचित या अपरिचित सभी के लिए नि सकोच सेवा कार्य आप करते है। राजस्थान यूथ फेडरेशन के द्वारा विकलाग शिविर को सफल बनाने मे भी आपने पूर्ण योगदान दिया है। आप सकल समन्वय और सगठन के पक्षधर व कार्यकर्ता है। यही कारण है कि हुवली का सम्पूर्ण जैन समाज एक मच पर आज भी खडा है। सभी मे प्रेम भावना दिखायी देती है। आप समाज के हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते हैं। हुवली शहर के आप सेवाभावी होनहार, व्यवहार कुशल, कुशाग्र बुद्धि के युवा रत्न-शिरोमणि रत्न है। समाज को आपसे काफी आशाएँ भी है। परिपद् की हुवली शाखा के प्रतिनिधि भी आपको वनाया गया है।

श्री दामजीभाई छेडा-बम्बई
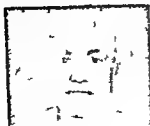
आपका जन्म गुजरात प्रान्त के कच्छ जिले के रताडिया (गणेशवाला) कच्छ मे ३ ■ १९३४ को श्रीमान मूलजी देवसी छेडा के यहाँ हुआ। बम्बई मे पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। अपने पूज्य पिताजी के साथ व्यवसाय मे कार्यरत हो गये। वर्तमान मे आप फूड ग्रेन ऑयल स्पायसीड ऑयल के होलसेल के व्यवसाय करते है। आप के लगभग ८/१० प्रतिष्ठान विद्यमान है। एक्सपोर्ट इम्पोर्ट का कार्य भी आप करते है। आप दान देने मे सुप्रसिद्ध है। आप अनेक सस्थाओ से जुडे हुऐ है। कच्छ मे अनेक सस्थाओ को आप सहयोग देते रहते है। आपने खाडिया-कच्छ मे मूलजी देवसी होस्पीटल का निर्माण भी किया है। आप स्थानकवासी लिम्बडी अजरामर समुदाय के सदस्य, रताडिया जैन मित्र मण्डल के पूर्व कोषाध्यक्ष रताडिया जैन महाजन के पूर्व कोषाध्यक्ष, रताडिया पाजरापोल के पूर्व उप प्रमुख, रताडिया रेडक्रॉस सोसायटी के पेटर्न सदस्य, रताडिया लिम्बडी अजरामर सघ के पूर्व अध्यक्ष एव रताडिया जैन श्री सघ के वर्तमान कमेटी सदस्य आदि पदो पर रहकर अपनी सेवाऐं अर्पित कर रहे है। वर्तमान मे लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय की परम विदुषी महासती श्री दमयती बाई म सा आपकी सासारिक बडी बहन है। आप लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय क सभी साधु साध्वीयो की काफी श्रद्धाभाव से सेवाऐं करते रहते है। लिम्बडी अजरामर समुदाय के श्री भावचदजी म सा के परम श्रद्धालु भक्त रत्न है। समाज सेवा क हर कार्य म आप हमेशा अग्रसर रहते है। चिचवन्टर बम्बई के स्थानक भवन निर्माण मे आपने अपने भ्राता के नाम से पूर्ण सहयोग प्रदान किया। दीन-दुखियो मरीजा, असहायो, जीव दया की सेवा मे आप विशेष रुचि रखते है। आपकी धर्मपरायण श्रीमतीजी, सुपुत्र एव सुपुत्रियाँ भी धार्मिक सस्कारों से युक्त है। आप समाज के प्रभावशाली श्रावक रत्न शिरोमणि है।

श्री जयतीलालजी जैन-दावणगिरी

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के सिरोही जिले के पाडीव कस्बे मे ११ ५ १९५२ को श्रीमान रिखबचदजी जैन के यहाँ हुआ। सेकेण्ड्री स्कूल तक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात आपने व्यवसाय की ओर कदम बढ़ाये। अभी आप दावणगिरी (कर्नाटक) मे शाह वजीगजी उत्तमचन्द नाम से पान ब्राकर एव मनी लेण्डर का व्यवसाय कर रहे है। अपनी व्यवहार कुशलता, मृदुभाषा, कर्मठ सेवा, ईमानदारी युक्त आदि गुणो से आप सपूर्ण दक्षिण भारत मे प्रसिद्ध एव प्रभावशाली बन गये है। आप कई सस्थाओ से जुड़े हुऐ है और अपनी सेवाऐं समाज को अर्पित कर रहे है। आचार्य श्री भुवन तिलक सूरीश्वरजी गुरु मदिर दावणगिरि एव अपाहिज होस्पीटल मे एक रूम के निर्माण कार्य में आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आप समाज के हर कार्य म सक्रिय रूप स भाग लेने मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप कई सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग भी प्रदान करते रहते थे। आप सभी साधु साध्वियो की सेवाऐं करते रहते है। गत वर्ष आचार्य श्री अशोक रत्न सूरीश्वरजी म सा के दावणगिरी चातुर्मास को सफल बनाने मे आपका पूर्ण सहयोग रहा है। आपकी समाज सेवाऐं उच्चकोटि की है। आपके परिवार मे आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कान्ताबाई सुपुत्रियाँ तनूजा कुमारी एव पूजा कुमारी भी काफी धर्मपारायण प्रवृत्तियो की श्राविका रत्ना है। आप जिस तरह व्यवसाय मे ध्यान रखते है उससे भी कही ज्यादा आध्यात्मिक जीवन को सफल बनाने मे लगाते है। आप धार्मिक प्रवृति के धर्मपरायण श्रावक है। साधु साध्वीयो एव तीर्थ दर्शन को आप हमेशा जाते रहते है। दावणगिरी जैन समाज मे आपनी सेवाएँ सर्वोपरि एव उत्कृष्ट है।

श्री जवाहरलालजी श्री श्रीमाल-नागपुर

आपका जन्म महाराष्ट्र प्रांत के यवतमाल जिले के कापरा गाँव में श्रीमान नेमीचन्दजी श्रीश्रीमाल के यहाँ हुआ। कालेज तक की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। आप वर्तमान मे नागपुर शहर मे ही व्यवसाय कर रहे है। आप चूने के निर्माता व पूर्तिकर्ता है। आप वर्तमान में श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ नागपुर के आधार स्तभ ट्रस्टी व पूर्व महामत्री, सकल जैन समाज नागपुर के कार्यकारी सदस्य, जैन औषधालय के पूर्व अध्यक्ष, ओसवाल पचायत के कार्यकारी सदस्य, चूना ओ.ली के कार्यकारी सदस्य आदि अनेक सस्थाओं में अनेक पदो पर कार्य कर रहे है। आपने महावीर भवन के निर्माण हेतु मातुश्री सदावाई के नाम से वहुत अच्छा दान दिया है। श्री ऋषभदेव भगवान मडप सभागृह के निर्माण कार्य मे सम्पूर्ण सहयोग भी आपने प्रदान किया है। आप अनेक धार्मिक, व्यापारिक, सामाजिक आदि संस्थाओ को प्रति वर्ष वहुत ही अच्छा सहयोग प्रदान करते रहते है। आपका सम्पूर्ण नागपुर एव विदर्भ क्षेत्र मे काफी अच्छा प्रभाव व नाम है। आप समाज के हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते है। आपके परिवार मे तीन सुपुत्र सर्वत्र श्री शातिलालजी, कातिलालजी, सुभापजी एव तीन सुपुत्रियो का भरा-पूरा सपन्न परिवार है। सभी धार्मिक साधना मे अग्रसर है। सभी साधु-साध्वीयो की सेवा करने में आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप हँसमुख, मिलनसार, सहनशील, कर्मठ सेवाभावी युवक-रत्न श्रावक है।

श्री अक्षय कुमार जी जैन- बंबई
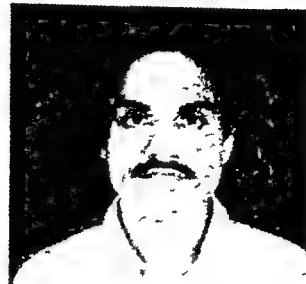
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त की सूर्यनगरी जोधपुर में १-३-१९५५ को श्रीमान सरदारमलजी सामसुखा के यहाँ हुआ। मेट्रिक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आप भारत की औद्योगिक राजधानी बवई पधार गए और यहाँ पर स्वय का इलेक्ट्रिक का व्यवसाय प्रारभ कर दिया। अपनी व्यवहारकुशलता, ईमानदारी, मिलनसार, कार्यदक्षता आदि गुणो से आप सभी के जनप्रिय बन गए। आपका पूरा परिवार धार्मिक सस्कारों से युक्त है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलाब जैन, सुपुत्र शरद जैन सुपुत्रियाँ विभा और हर्षा भी धर्म सस्कारो से धर्मप्रिय है। आप अच्छे गायक व लेखक भी है। सभी साधु-साध्वीयो की आप बहुत ही श्रद्धाभाव से सेवा करते रहते है। आप मरूधर इलेक्ट्रिकल्स नाम से इलेक्ट्रिक सामान का थोक व्यापार करते है। सरकारी क्षेत्र को भी आप अपना माल थोक में सप्लाई करते है। सभी सस्थाओ को आप समय-समय पर बहुत ही अच्छा सहयोग प्रदान करते रहते है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप सेवाभावी कर्मठ युवा रत्न है।

श्री ज्ञान चदजी पगारिया (कोठारी) बैंगलौर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के अजमेर जिले की जग प्रसिद्ध नगरी ब्यावर शहर मे ३१ ७ १९४९ को श्रीमान फतेहचद जी कोठारी के यहाँ हुआ। ब्यावर मे मेट्रीक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आप अपना भाग्य अजमाने हेतु सन् १९६८ मे बैंगलौर पधार गए और वहाँ जाकर प्रारम्भ मे सर्विस करने लग गये उसके पश्चात् सन् १९७४ मे आपने अपना स्वय का इलक्ट्रीक का व्यवसाय प्रारभ कर लिया। व्यवहार कुशल मृदुभाषी ईमानदारी महनतीपना आदि गुणो के कारण व्यवसाय जगत एव जैन समाज मे आप जन-जन के प्यारे बन गये है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप अनेक संस्थाओ मे जुडे हुए है। समाज के हर कार्य मे आप बहुत ही अच्छा योगदान देते रहते है। बैंगलौर के फरजान रोड के जैन स्थानक के निर्माण कार्य मे भी आपने ३० हजार रुपये का अच्छा योगदान दिया है। आप वैसे तो सभी साधु-साध्वीयो की सेवा मे अग्रसर रहते है परन्तु फिर भी मेरु स्थविर श्री चौथमलजी म सा एव उपाध्याय श्री मधुकरमुनिजी म सा के प्रति आपकी अगाढ़ श्रद्धाभावना रही है। उपाध्याय श्री मधुकर मुनिजी म सा का गत वर्षो मे जब मैसूर चातुर्मास था उस समय बैंगलौर से सम्पूर्ण चातुर्मास काल मे प्रत्येक रविवार को आप स्पेशल बस द्वारा दर्शनार्थीयो को साथ लेकर जाया करते थे जिसका सम्पूर्ण व्यय लगभग १ लाख रुपया का खर्चा आप ने ही उठाया है। उपाध्यायश्री जी की आपने काफी सेवा की है। उपाध्याय श्री जी के आप परम अनुरागी श्रावको मे से थे। आपका पूरा परिवार धर्मपत्नि दो सुपुत्र दो सुपुत्रीया सभी धार्मिक संस्कारो से युक्त है समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आगन्तुक महमानो की सेवा भी आप खूब करते है। बैंगलौर शहर मे आपका काफी प्रभाव है। आप सेवा भावी कर्मठ कार्यकर्ता युवा रत्न निरभिमानी श्रावक रत्न है।

श्री केशरी मल जी वडेरा- बैंगलौर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के जोधपुर जिले के दुन्दाड़ा कस्बे मे श्रीमान रतन लालजी वडेरा के यहाँ हुआ। पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात आप व्यवसाय हेतु दक्षिण भारत के बैंगलौर शहर मे पधार गए जहाँ पर आपने सर्राफा एव मनी लेंडर्स का व्यवसाय प्रारभ किया जो आज बैंगलौर का सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठान है। आपने अपनी जन्म भूमि दुन्दाड़ा मे केशरीमल सपतराज वडेरा कन्या पाठशाला वडेरा मे प्याऊ का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया। यह प्याऊ बारह महिने ही चलती है। एव दुन्दाडा मे ही बस स्टेण्ड स्थान पर वडेरा गेट का निर्माण करवाया। बैंगलौर बस स्टेण्ड सिटी मे प्याऊ का निर्माण भी करवाया जहाँ प्रतिदिन लगभग ३ लाख व्यक्ति पानी पीते है। आपके पाँच सुपुत्र सर्व श्री सपतलालजी, मदन लालजी प्रकाशचदजी माणकचदजी अशोक कुमारजी एव पाँच सुपुत्रीयाँ है सभी पाँचो भ्राता सामुहिक रूप से एक साथ ही रहते है सभी आज्ञाकारी है। आप सभी संस्थाओ को भरपूर सहयोग प्रदान करते रहते थे। आपका २८ १ ९४ को बैंगलौर मे स्वर्गवास हो गया। आपका परिवार सभी साधु-साध्वीयो की बड़ी श्रद्धा भाव से सेवा करने मे हमेशा अग्रसर रहता है। आपके ज्येष्ठ सुपुत्र श्री सपतराज जी वडेरा भी मिलनसार, व्यवहार कुशल सेवाभावी कर्मठ युवा रत्न कार्य कर्ता है जो समाज के हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप भी अनेक संस्थाओ मे अनेक पदो पर रहते हुए अपनी सेवाए अर्पित कर रहे है। दक्षिण भारत एव बैंगलौर मे आपका काफी प्रमुख है। आप कर्नाटक जैन स्वाध्याय सघ के भी सदस्य है। पूरा परिवार धार्मिक सुसस्कारो से सुसज्जित है। बैंगलौर मे आपका इतना गजब का प्रभाव है कि सिर्फ वडेरा कह देने मात्र मे ही सभी आपको जान जाते है। आगन्तुक महमानो की सेवा सत्कार मे भी आप हमेशा अग्रसर रहते है।

श्री कनकमल जी चौरड़िया-मद्रास

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के सूर्य नगरी जोधपुर शहर मे २०-७-१९२० को श्रीमान कल्याणमलजी चौरडिया के यहाँ हुआ। आप बचपन मे ही दक्षिण भारत के मद्रास शहर में पधार गए और वहाँ आपकी शिक्षा पूर्ण हुई। वर्तमान मे आपके मद्रास मे कई प्रतिष्ठान है। सन् १९६० से १९७२ तक फायनेंस का व्यवसाय भी किया। आप अनेक सस्थाओं से जुड़े हुए है जिनमे प्रमुख इस प्रकार है- अ.भा जैन रत्न हितैषी श्रावक सघ के आप उपाध्यक्ष, श्री व श्वेतावर स्थानकवासी जैन श्रावक सघ शाहूकार पेठ मद्रास के अध्यक्ष, अ.भा. जैन रत्न श्रावक सघ तमिलनाडु शाखा के अध्यक्ष अहिंसा प्रचार सघ के अध्यक्ष (पूर्व) दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय सघ के उपाध्यक्ष, मेडिकल सोसायटी मद्रास एव एज्यूकेशन सोसाइटी मद्रास दोनो के कार्यकारी सदस्य श्री कल्याणमल कमलचद चोरडिया चेरिटेवल ट्रस्ट एव श्रीमती चेनकुँवर कनकमल चोरडिया चेरिटेवल ट्रस्ट के भी आप प्रमुख ट्रस्टी है। आप अनेक सस्थाओ को मुक्त हाथों से सहयोग प्रदान करते रहते है। आपके पाँच सुपुत्र सर्वश्री दशरथमलजी, दौलतमलजी, धनपतमलजी, गौतमचद जी एव रगरूपमलजी एव चार सुपुत्रियो का भरापूरा सपन्न परिवार है। आप चार भ्राता सर्वश्री सायरचदजी प्रसन्नमलजी प्रकाशमलजी एव चचलमलजी है एव दो वहिने भी है। आचार्य श्री हस्तीमल जी म सा. के प्रति आपकी अगाढ़ श्रद्धा भावना है। २-४ माह मे दर्शन करने जाया करते हैं एव चातुर्मास काल मे ४ माह ही चौका खोलते थे। आप धार्मिक भक्ति भाव के श्रावक है। मद्रास एव राजस्थान प्रात मे आपका काफी प्रभाव है। आपका बहुत ही विशाल परिवार है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती चेनकुँवर बाई का २३-९-९२ को स्वर्गवास हो गया। वे काफी धर्म परायण महिला श्राविका रत्न थी। सभी साधु-साध्वियो की आप श्रद्धाभावना से सेवा सुश्रुपा करते है।

श्री दीपचंदजी बोकड़िया-मद्रास

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के खागटा कस्बे में मगसर सुदी २ वि.स १९९० मे श्रीमान् जालमचदजी बोकडिया के यहाँ हुआ। मेट्रिक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात वि. स. २००७ मे १७ वर्ष की लघु वय मे आपने मद्रास शहर मे फायनेस का व्यवसाय प्रारभ किया जो वर्तमान में मद्रास शहर का सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठित विशाल प्रतिष्ठान है। आपने अनेक सस्थाओं को मुक्त हाथो से भरपूर सहयोग प्रदान किया है जिनमें मुख्य इस प्रकार है- श्री जालमचद दीपचद राजकीय हॉस्पीटल खागटा मे स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण कार्य, खागटा में बालिका विद्यालय खागटा में श्रीमती चचल कुँवर दीपचद बोकडिया बालिका विद्यालय, जोधपुर में खागटा जैतारण मे प्याऊ रोड, धर्मशाला आदि जोधपुर जैतारण मद्रास आदि अनेक जगह प्याऊ अस्पताल, स्कूल आदि का निर्माण कार्य भी पूर्ण करवाया है। आप श्री व. श्वेतावर स्थानकवासी जैन श्रावक सघ साहूकार पेठ मद्रास के पूर्व उपाध्यक्ष पद पर भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर चुके है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती चचल कुँवरजी भी काफी तपस्विनी श्राविका रत्ना है जिन्होने ४ वर्षीतप एक मास खमण एव अनेको बार अट्ठाईयो की उग्र तपस्या पूर्ण की है। समाज के हर कार्यों मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप स्व आचार्य श्री जयमल सघ के वर्तमान संघ नायक आचार्य कल्प श्री शुभचद्र जी म सा. के अनन्य अगाढ़ भक्त गण है। सभी साधु साध्वियो की आप बहुत ही श्रद्धाभाव से सेवा आदि करते रहते है। आचार्य कल्प श्री शुभचंदजी म सा. के गत वर्षो के चातुर्मास को सफल बनाने मे आपका ही सर्वोपरि सहयोग रहा। आप का पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से सुशोभित है। आपके एक सुपुत्र श्री सुरेन्द्रकुमार जी एव चार सुपुत्रियाँ एव एक सुपौत्र का भरापूरा परिवार है। आप प्रतिदिन सामायिक स्वाध्याय आदि वरावर करते रहते है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के जाने पहिचाने कर्मठ सेवाभावी युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री सूरजमलजी जैन (करेला वाले)
कोटा

आपका जन्म राजस्थान प्रात के सवाई माधोपुर के जिले के समीप करेला गाँव मे सन् १९३५ मे हुआ। पढाई पूर्ण करने व पश्चात आप छोटी सी उम्र मे ही कोटा पधार गए और वहाँ पर व्यवसाय की ओर कदम बढ़ाए। आप विगत ४० वर्षों से कोटा शहर मे ही निवास कर रहे है। कोटा म आपके नमकीन के दो प्रतिष्ठान है। आपक तीन सुपुत्र एव चार सुपुत्रियाँ है। आपका हरा भरा सम्पन्न परिवार है। परिवार के सभी सदस्य धार्मिक सस्कारो से युक्त है। सभी धर्म साधना अच्छी तरह स करते है। आप महावीर मण्डल कोटा के अध्यक्ष पद पर भी रहे है एव वतमान मे श्री नेमीनाथजी मदिर के अध्यक्ष पद पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रह है। आप कई वर्षों से भोजन करते समय मौन रखते है। सभी साधु साध्वियो के दर्शन एव सेवा करने मे आप हमेशा अग्रणी रहते है एव प्रतिवर्ष चातुर्मास काल म सत सतियो के दर्शनार्थ जाते रहते है। आप सगीत कला के नायक भी है। भजन बनाकर बोलने का आप शौक है। सामायिक स्वाध्याय धर्म साधना म भी आप अग्रसर रहते है। आप अनेको सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर अपनी अमूल्य सेवाएँ समाज व देश को अर्पित कर रहे है। अनेक स्थानो पर होने वाले कार्यक्रमो मे आप विशिष्ठ अतिथि क रूप म जाते है। आपका अनेक सस्थाओ समाज सघ की ओर से हार्दिक सम्मान भी हो चुका है। आप सभी सस्थाओ का मुक्त हाथो से भरपूर सहयोग भी देते रहत है। आपके जैष्ठ सुपुत्र श्री रमेशचदजी जैन भी काफी सेवाभावी सक्रिय कर्मठ युवा रत्न है। आपका समाज म काफी प्रभाव व नाम है। पदमावती पोरवाल समाज म आपका काफी प्रभाव है। आप समाज के होनहार कर्मठ सेवाभावी युवक रत्न शिरोमणि है। समाज को आपसे काफी आशाएँ है।

श्री पानाचदजी जैन (सवाई माधोपुर वाले)
कोटा

आपका जन्म राजस्थान प्रात के जिला सवाई माधोपुर शहर मे सन् १९४० को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान लक्ष्मीचदजी एव माताजी श्रीमती माँगीबाई है। आप विगत ४५ वर्षों से कोटा शहर मे ही निवास करते है। आपके तीन सुपुत्र एव ६ सुपुत्रियाँ है। आपका हरा भरा सम्पन्न परिवार है। कोटा शहर मे आपके नमकीन व मिठाई के दो प्रतिष्ठान है। आप अनेक सस्थाओ म अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ कोटा के आप सयोजक पद पर रहे है। आपका पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो स सुशोभित है। धार्मिक, सामाजिक आदि सेवा के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप प्रतिवर्ष चातुर्मास काल मे साधु साध्वियो के दर्शनार्थ जाते रहते है। कोटा मे प्रतिवर्ष सभी समुदायो के साधु-साध्वियो के चातुर्मास कराने मे आपका विशेष योगदान रहता है। आपकी धर्मपत्नी भी बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति की धर्मपरायण श्राविका रत्ना है। आप प्रतिदिन सामायिक स्वाध्याय, जप, त्याग, तपस्या आदि नियमित करते रहते है। सभी सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग भी देते रहते है। कोटा के जैन समाज स्थानकवासी समाज एव पदमावती पोरवाल जैन समाज मे आपका काफी प्रभाव है। कोटा के ही श्रावक रत्न श्री दुलीचदजी जैन पोरवाल एव आपकी जोड़ी काफी प्रसिद्ध है। समाजसेवा के हर कार्य मे आपकी जोडी हमेशा साथ मे रहती दिखाई देती है। आपके जैष्ठ सुपुत्र श्री पारसचदजी जैन भी काफी सक्रिय, कर्मठ सेवाभावी युवा रत्न है। आप सभी समुदाय क साधु साध्वियो की बहुत ही श्रद्धा भाव से सेवाएँ करते रहते है। आप समाज के काफी प्रतिष्ठित युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री नेमीचंदजी कोटेचा- यवतमाल

आपका जन्म महाराष्ट्र प्रान्त के यवतमाल जिले मे तरोडा कस्बे मे ३ ६ १९०९ को श्रीमान राजमलजी कोटेचा के यहाँ हुआ। मिडिल स्कूल तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् गाँव मे खेती एव व्यवसाय का कार्य किया। श्री यवतमाल जैन श्री सघ के आप सन् १९६७ से १९८२ तक १५ वर्षो तक सघ अध्यक्ष एव मत्री रहे एव सघ के ट्रस्टी भी है। अपनी जन्म भूमि तरोडा मे पूर्व माध्यमिक शाला एव श्री व स्था जैन श्रावक सघ नागपुर के उपाश्रय एव अतिथी गृह के निर्माण कार्य मे भी आपने बहुत ही अच्छा सहयोग प्रदान किया है। इसके अलावा भी आप सभी सस्थाओ को भरपूर सहयोग प्रदान करते ही रहते है। मानव सेवा एव प्राणी मात्र पर करुणा भाव रखना आपका मुख्य ध्येय है। इतनी उम्र होने के पश्चात् भी आप प्रतिदिन नियमित श्रमदान करते है, अपना स्वय का कार्य भी आप अपने हाथो से ही करते है। आप मिलनसार, धर्मनिष्ट, मृदु एव अल्पभाषी, सरल, स्वभावी, कुशल मार्ग दर्शक है। प्रतिदिन की डायरी भी आप लिखते रहते है। आप आगम एव थोकडो के भी अच्छे ज्ञाता है। प्रतिदिन रोजाना सामायिक एव प्रतिक्रमण करते है। प्रत्येक माह मे २ दिन पोषध व्रत विगत ३० वर्षो से करते आ रहे है। आपके परिवार मे ४ सुपुत्र, तीन सुपुत्रियाँ, ८ पोते, ९ पोतियाँ, ५ पडपोते आदि का भरापूरा परिवार है। आपने खेती एव व्यवसाय से अब निवृत्ति ले ली है एव पूरा समय धर्म, ध्यान, जप, तप, त्याग एव सामाजिक धार्मिक सेवाकार्य ही करते रहते है। विदर्भ क्षेत्र मे आपका काफी प्रभाव है। आप सभी साधु-साध्वियो की वडी श्रद्धाभाव से सेवा सुश्रुसा करते रहते है। आप यवतमाल शहर के प्रतिष्ठित वयोवृद्ध एव सम्माननीय श्रावक रत्न है।

श्री राजमलजी जैन (सोलतपुरावाले) कोटा

श्री एव श्रीमती राजमल जैन

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के टोंक जिले के अलीगढ़ रामपुरा के समीप सोलतपुरा ग्राम मे हुआ। आपके पिता श्री धूलीलाल जी एव माताजी श्रीमती जडाव बाई जैन है बचपन मे गाँव में पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात् छोटी सी उम्र मे ही आप कोटा पधार गये और वहाँ व्यवसाय करने लग गये। आप विगत ६० वर्षो से कोटा ही निवास कर रहे है। आप वर्तनो का थोक व फुटकर व्यापार करते है। जो कि पोरवाल बर्तन भण्डार रामपुरा बाजार मे स्थित है। व्यवहार कुशलता मृदुभाषी इमानदारी आदि गुणो से आप सभी के प्रिय बन गये कोटा शहर में आपका प्रतिष्ठित नाम है। आप महावीर मण्डल के पाँच वर्षो तक अध्यक्ष पद पर भी रहे। एव अ भा साधुमार्गी जैन सघ कोटा के लगभग १० वर्षो तक सयोजक के पद पर भी रहे। आप बारह उत्तधारी एव चार खन्द धारी श्रावक रत्न है। आप एव आपकी धर्मपत्नि दोनो दम्पत्ति के चऊविहार के नियम है। आपका पूरा परिवार धार्मिक प्रवृति का है। आप वैसे तो सभी साधु-साध्वीयो की सेवाएँ शृद्धा लगन भाव से करते रहते है परन्तु साधुमार्गो आचार्य श्री नानालालजी म सा के विशेष शृद्धावान परम भक्तगण है। आपके धर्म साधना सामायिक आदि के नियम है। समाज के हर धार्मिक कार्यो मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप अनेक सस्थाओ को मुक्त हाथो से सहयोग प्रदान करते रहते है। सवाई माधोपुर के समीप मूई गाँव मे आपने जैग स्थानक के निर्माण मे पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आपके एक सुपुत्र श्री पारसचद जी जैन एव चार सुपुत्रीया एव पाँच सुपौत्र का भरा पूरा परिवार है। कोटा एव पोरवाल क्षेत्र सवाई माधोपुर मे आपका काफी प्रभाव है सभी की आपसे अगाढ़ प्रेम श्रद्धा भाव रखते है। आप पोरवाल समाज के जाने पहिचाने बुजुर्ग सलाहकार शिरोमणि युवक रत्न है।

श्री दुलीचद जी जैन (खातोली वाले) कोटा

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के टोक जिले के उनियारा तहसील के अन्तगत खातोली ग्राम मे सन् १९२७ को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान फूलचद जी जैन एव माताजी का नाम श्रीमती मोल्या बाई है। आप ६० वर्ष पूर्व गाँव से कोटा पधारे और वही निवास करन लग गये। आपके कोटा मे नमकीन के दो एव कपडे का एक प्रतिष्ठान है। आपके परिवार मे पाँच सुपुत्र एव तीन सुपुत्रीया है। आपका पूरा परिवार दार्मिक सस्कारो से युक्त है सभी धर्म साधना अच्छी तरह करते है। आपके जैष्ठ सुपुत्र श्री रूपचद जी भी काफी कर्मठ सवा भावी समाज सेवी कार्यकर्ता है। आप कोटा मे महावीर मण्डल के विगत ६ वर्षो से अध्यक्ष पर पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। इसके अलावा भी वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ कोटा के साथ वर्षो तक अध्यक्ष पद पर रहकर भी अपनी सेवाएँ समाज को अर्पित कर चुके है। आप विगत ४० ४५ वर्षो से बहुत ही अधिक सिगरेट पिया करते थे वह गत वर्ष पूज्य श्री शीतल राज जी म सा के सदुपदेशो से छोड दी आज भी नियम का पालन कर रह है। सभी साधु-साध्वीया की सेवा करने मे आप अपने आपको धन्य मानते है। प्रति वर्ष आपके सद्प्रयासो से कोटा मे हर समुदाय के चातुर्मास होते है जिसमे आपका काफी योगदान रहता है। आप अनको जगह दर्शनार्थ भी जाते रहत है। आप सभी सस्थाओ को मुक्त हाथो से योगदान भी देते रहते है। कोटा के ही श्रेष्ठीवर्य श्री पान मल जी सा एव आपकी जोडी प्रसिद्ध है जहाँ भी जाते है जा भी सेवा का कार्य करत है उसम आपकी जोडी सदा देखन को मिलती है और आप इसी नाम स समाज मे प्रख्यात भी है पोरवाल समाज क्षेत्र सवाई माधोपुर म आपका काफी प्रभाव है। आप कर्मठ सेवा भावी युवक श्रावक रत्न शिरामणी है।

श्री देवी लाल जी जैन (बटावती वाले) कोटा

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के बून्दी जिले के बटावती कस्बे मे सन् १९१५ को हुआ। आपके पिताजी श्रीमान गेन्दीलालजी जैन पोरवाल एव माताजी श्रीमती बिरधी बाई है। आप विगत ६० वर्षों से कोटा मे ही निवास कर रहे है। आपके चार सुपुत्र एव चार सुपुत्रीयो सहित हरा भरा सम्पन्न परिवार है। कोटा मे आपके नमकीन मिठाई के तीन एव टेट हाउस का एक प्रतिष्ठान है। आप श्री श्वेताम्बर पदमावती पोरवाल क्षेत्र सवाईमाधोपुर के कई वर्षों तक उपाध्यक्ष पद पर भी रहे है। उसके अलावा श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ कोटा के भी कई वर्षों तक उपाध्यक्ष पद पर भी रहे है। आप बहुत ही उच्च कोटि के धार्मिक प्रवृत्ति के श्रावक रत्न है आपके चार खन्द एव सात द्रव्य उपयोग मे लेने के नियम है आपका पूरा पारिवार धार्मिक सस्कारो से युक्त है। सभी जैन साधु-साध्वीयो की सेवा करने मे आप हमेशा अग्रमर रहते है। सभी साधु साध्वीयो के दर्शनार्थ भी आप जाते रहते है। अभी स्वास्थ्य के कारण घर पर ही धर्म ध्यान करते रहते है। आपके जैष्ठ सुपुत्र श्री गौतम चद जी जैन भी काफी कर्मठ सेवा भावी कार्यकर्ता युवक रत्न है। सभी सस्थाओ को मुक्त हाथो स सहयोग भी प्रदान करते है। आपका प्रभाव न केवल कोटा शहर बल्कि सम्पूर्ण सवाई माधोपुर क्षेत्र के पोरवाल समाज मे व्याप्त है। सभी आपको आदर भाव से देखते है। आपने पोरवाल समाज की ऐसी उत्कृष्ठ सेवाए की है कि सभी आपको आज भी स्मरण करते रहते है। समाज का कोई भी छोटा बडा कार्य हो सभी आपको स्मरण कर बुलाते है। पदमावती पोरवाल जैन समाज के आप जब उपाध्यक्ष रहे उस काल मे समाज का काफी उत्थान हुआ था आप मे कार्य करने की उत्कृष्ट कला है सभी आपका कहना मानते है अब आपकी गिनती बुजुर्गों मे होने लगी है। आप पोरवाल समाज के युवक रत्न शिरोमणी है।

श्री फूलचन्दजी जैन (चौरू वाले) कोटा
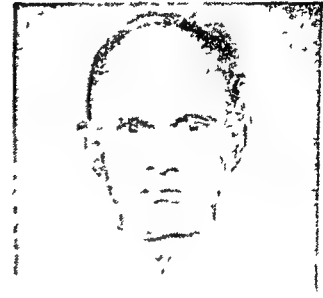
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के टोक जिले के चौरू ग्राम मे सन् १९२२ वि.स. १९७९ मे हुआ है। आपके पिताजी श्रीमान रगलालजी एव माताजी श्रीमती केशर वाई है। आप ५६ वर्ष से कोटा मे ही निवासे करते है। आपके तीन सुपुत्र एव चार सुपुत्रीयाँ से युक्त हरा भरा परिवार है। आपके कोटा मे नमकीन के दो एव खाद्य तेल के प्रतिष्ठान है। नमकीन के क्षेत्र मे आप राजा है सम्पूर्ण कोटा एव आस पास दूरस्थ क्षैत्रो में आपकी नमकीन की सप्लाई होती है जो एक बार प्रयोग मे ले लेता है वह वार-बार इसे ही माँगते है। आपके जैष्ठ सुपुत्र श्री बुद्धि प्रकाश जी है। आपका पूरा परिवार धर्मसाधना मे हमेशा तत्पर रहता है। आपने २२ वर्ष की उम्र मे ही जैन दिवाकर श्री चौथमल जी स.सा से चौऊविहार के नियम लिये थे जिनका इतनी उम्र मे भी बराबर पालन कर रहे है। आप बारह व्रतधारी चार खद धारी सात द्रव्य का सेवन करने वाले व्रतधारी श्रावक है। आप प्रतिदिन सामायिक स्वाध्याय करते है। सभी साधु-साध्वीयो की वड़ी शृद्धा व रुचि से सेवा करते रहते है। आपका पूरा परिवार वैसे तो सभी साधु साध्वीयो की सेवाएँ करते रहते है परन्तु आचार्य श्री हस्तीमलजी म.सा. के प्रति अधिक श्रद्धावान है। आपके सुपुत्र श्री बुद्धि प्रकाश जी भी कर्मठ सेवा भावी युवा रत्न शिरोमणी श्रावक है समाज के हर सेवा कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते है। पोरवाल समाज की एकता एव समाजोत्थान प्रगति के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहते है। आप सभी सस्थाओं को मुक्त हाथो से सहयोग प्रदान करते रहते है। कोटा एव पोरवाल क्षैत्र सवाई माधोपुर मे आपका काफी प्रभाव है। आप पोरवाल जैन समाज के कर्मठ सेवाभावी युवक रत्न शिरोमणी श्रावक है।

श्री नेमीचंदजी जैन (करेला वाले) कोटा

आपका जन्म राजस्थान प्रात के सवाई माधोपुर जिले के समीप करेला ग्राम मे सन् १९३८ मे हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान छीतरमलजी जैन पोरवाल एव माताजी का नाम श्रीमती गुलाववाई है। आप विगत ४० वर्षों से कोटा मे ही निवास कर रहे है। आपके तीन सुपुत्र एव एक सुपुत्री से हरा-भरा सम्पन्न परिवार है। आपके कोटा मे नमकीन, मिठाई एव मसाले आदि के दो प्रतिष्ठान है। आप विगत ३० वर्षों से राजकीय वालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीपुरा कोटा मे केटीन के कॉन्ट्रेक्टर का कार्य भी कर रहे है। आप सभी समुदायो के साधु-साध्वीयो की सेवा करने मे हमेशा अग्रसर रहते है एव सच्ची श्रृद्धा भावना से सेवा मे जुट जाते है। आपने विगत ६ वर्षों से शील व्रत के प्रत्याख्यान भी ले रखे है। आप बहुत ही सेवाभावी समाजसेवी कर्मठ कार्यकर्ता है। प्रतिदिन सामायिक स्वाध्याय ध्यान साधना करते है। आपकी धर्मपत्नी, सुपुत्र-सुपुत्रियाँ आदि पूरा परिवार धर्म साधना में हमेशा अग्रसर रहते है। सभी साधु-साध्वियो के दर्शनार्थ भी आप समय-समय पर जाते रहते है। आपके जैष्ठ सुपुत्र श्री राजेद्रकुमारजी जैन भी काफी सेवाभावी, कर्मठ कार्यकर्ता युवा रत्न है। आप सभी सस्थाओं को हर प्रकार का सहयोग प्रदान करते रहते है। श्री पदमावती पोरवाल क्षेत्र सवाई माधोपुर एव कोटा शहर मे भी आपका काफी प्रभाव है। आप धार्मिक सामाजिक कार्य मे विशेप रुची रखते है। समाज के हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप पोरवाल जैन समाज के युवक रत्न शिरोमणि है।

शाह श्री जितेन्द्र भाई (सियाणीवाले) सुरेन्द्रनगर

आपका जन्म लिम्बडी के बगल मे सियाणी गाँव मे हुआ। पूज्य पिताजी मनसुखलाल मोहनलाल शाह प्रख्यात व्यापारी माने जाते है। आप चार भाई है। ज्येष्ठ बधु श्री हसमुखभाई सियाणीवाले परिषद् के प्रतिनिधि व सुरेन्द्रनगर की धार्मिक-सामाजिक सस्थाओ क कार्यकर्ता है। आप की शिक्षा प्राथमिक रूप से अपने देहात मे हुई और तत्पश्चात् अहमदाबाद की जैन बोर्डिंग म।

सुरेन्द्रनगर कोटन बाजार म आप दीप कोटन कपनी व चन्द्रप्रभु ट्रेडिंग कपनी के प्रोप्राईटर है। प्रामाणिकता व श्रेष्ठ शील स्वभाव से व्यापारी जगत म अपना नाम उज्जवल किया है। आप उदारदिली है। धार्मिक सामाजिक गतिविधिओ मे हमेशा अपना सहयोग प्रदान करते है। इन कार्यों म आपकी धर्मपत्नी धर्मशीला सौ ज्योतिबहन की प्रेरणा व मार्गदर्शन भी हरसमय रहता है। वे तपस्विनी एव धार्मिक सस्कारो स सम्पन्ना है। जिनका प्रभाव आपके ऊपर भी गहराइ स पडा है। आपके हृदय म देव गुरु धर्म के प्रति अटूट श्रद्धा है।

आपका स्वभाव मृदु करुणाशील एव सौजन्यपूर्ण है। इसकी वजह से आप अपन सर्कल म सर्वजन प्रिय है। आप सद्गुणो स सम्पन्न हो कर हर प्रकार की उन्नति के शिखर पर आरोहण कर यही हमारी शुभेच्छा है।

श्री सोहनलालजी जीरावला-कोप्पल

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के बाडमेर जिले के समन्डी शहर मे सन् १९१० १९५९ को श्रीमान सुगनराजजी जीरावला के यहाँ हुआ। मिडिल स्कूल तक शिक्षा ग्रहण पूर्ण करने के पश्चात् आप दक्षिण भारत के कोप्पल शहर म पधार गये और स्वय का व्यवसाय प्रारभ कर दिया। वर्तमान म आप कोप्पल जिला रायचूर (कर्नाटक) म मेसर्स बालाजी सिल्क हाउस नाम स व्यवसाय कर रहे है। अपने अदम्य साहस व्यवसाय कुशलता मृदुभाषा आदि गुणो स आप व्यवसाय एव समाजसेवाओ मे प्रसिद्ध हो गये। आपने स्कूल एव औषधालय म भी भरपूर सहयोग प्रदान किया है। आप श्वेताम्बर तेरापथी समुदाय के आचार्य श्री तुलसी के परम भक्त है। आपकी बहिन ने श्वेताम्बर तेरापथी समुदाय म दीक्षा भी ग्रहण की है। आपकी धर्मपत्नी एक सुपुत्र एव एक सुपुत्री भी काफी धर्मपारायण है। आपके परिवार म ऐक मासखमण एव १६ की उग्र तपस्या भी पूर्ण की है। आप अनेक सस्थाओ का मुक्त हाथो से सहयोग देते ही रहते है। आप कर्मठ सेवाभावी तपस्वी युवा श्रावक रत्न है।

श्री नवरत्नमजी बाठिया-उदयपुर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त की योद्धाओ की ऐतिहासिक वीर रण भूमि मेवाड क्षेत्र के उदयपुर शहर म २० ६-१९५२ को श्रीमान मदनलालजी बाठिया के यहाँ हुआ। ग्रेज्युएट तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर बढाये। वर्तमान मे आपके बाठिया डिस्ट्रीब्यूटर्स नाम से सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठित व्यवसाय है।

आप अनेक सस्थाओ को समय समय पर सहयोग भी करते रहते है। आपका भरा पूरा सम्पन्न परिवार धार्मिक सस्कारो से सुशोभित है। सभी साधु साध्वीयो की आप भक्तिभाव सेवाएँ करते रहते है। आप हँसमुख प्रवृत्ति, मिलनसार, व्यवहार कुशलता, जीव दया प्रेमी आदि गुणो से युक्त युवक रत्न श्रावक है।

श्री जबरचंदजी छाजेड़, धमधा (दुर्ग)
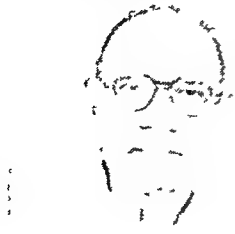
धर्मनिष्ठ सुश्रावक श्री जबरचंदजी छाजेड का जन्म ३० जून, १९२६ को ग्राम धमधा जिला-दुर्ग में हुआ है। आपके पिताजी स्व. श्री अमोलकचदजी छाजेड़ गागानी (राजस्थान) से १५ वर्ष की उम्र में छत्तीसगढ़ आकर धमधा में ही व्यापार करते थे। आपकी माता श्री का नाम स्व श्रीमती रूपीदेवी था। माताजी के पारिवारिक लोग श्री कुन्दनमलजी भसाली वगैरह अभी जोधपुर मे रहते है।

१८ वर्ष की अल्पायु में आपके पिताजी का निधन होने से आप व अन्य सभी भाई काकाजी स्व श्री रूपचदजी छाजेड़ के मार्गदर्शन व अनुशासन से अपना कारोबार धमधा ग्राम में करते रहे। आपके बड़े भाई श्री रेखचद छाजेड व छोटे भाई श्री रतनचदजी छाजेड़ भी धमधा मे ही रहकर कपड़े का व्यापार करते है। इसके अलावा आपकी दो बहने श्रीमती चम्पादेवी लुनावत व स्व श्रीमती विदामी देवी बोथरा है। आपके विवाह गंडई निवासी श्री लालचदजी पारख की सुपुत्री श्रीमती रेशमदेवी से सवत् २००० वैशाख वदी ३ को हुआ।

आपके २ सुपुत्र श्री खेमचद छाजेड व श्री सुभाषचद्र छाजेड़ है। श्री खेमचद धमधा मे रहकर अनाज का व्यापार करते है उनके दो पुत्र अजीतकुमार व प्रसन्न कुमार है तता २ पुत्रियाँ है एव सुभाषचद वर्तमान मे दुर्ग मे रहकर राइस मिल सचालित करते है उनके एक पुत्र श्रयास कुमार व तीन पुत्रियाँ है।

आपके वचपन के २ से पाँच वर्ष अपनी वुआ के यहाँ वावडी (मारवाड) मे वीता था, फिर धमधा मे मिडिल स्कूल तक ही शिक्षा प्राप्त कर सके और अनाज व्यवसाय से जुड़ गए। परतु भुवाजी के देखरेख आदि के लिए उन्हे वार-वार मारवाड जाना होता था। जहाँ सत-सतियो से निरतर सपर्क वढ़ने से आपकी रूचि धार्मिक क्रियाकलापो में वढ़ते गई। २१ वर्ष की उम्र मे पू श्री पानकँवर जी महासती जी से प्रतिक्रमण सीखे एव जवाहर किरणावली दिवाकर दिव्य ज्योति आदि पुस्तको का स्वाध्याय करते गए जिसमे आगे धार्मिक रुचि वढ़ती गई व भक्ताकर दशवैकालिक के तीन अध्याय स्तुति स्तवन आदि कठस्थ करते गए। इस वीच छत्तीसगढ़ क्षेत्र मे पूज्य आचार्य श्री १००८ श्री नानालाल जी म साहव का प्रवास होने से व उनके दर्शन व प्रवचन आदि का लाभ लेते रहे। इसके पश्चात उनके अमरावती इदौर जलगाँव, जोधपुर, कानोड, चित्तोड देशनोक उदरामसर आदि चातुर्मासों मे जाकर दर्शन प्रवचन का लाभ लेते रहते है। आपकी धर्मपत्नी भी सभी धर्म कार्यों व तपस्या आदि मे सदा अग्रसर रहती है।

धर्म मे पथ निरपेक्षता का सिद्धान्त रखकर आप अन्य सभी साधु साध्वियो के भी दर्शनार्थ व प्रवचन मे जाते रहे है। आचार्य श्री हस्तीमलजी महाराज प आचार्य आनद ऋषि जी महाराज साहब प आचार्य श्री तुलसीजी आदि सभी के एव स्व प श्री समर्थमलजी महाराज साहव व प. श्री चम्पालालजी महाराज साहव के दर्शन का लाभ लेते रहे है।

आप सन् १९८० से सुधर्म प्रचाक मण्डल सस्था की ओर से स्वध्याय के रूप मे विभिन्न स्थानो मे पर्यूषण पर्व पर धर्म आराधना हेतु जाते रहे है। जयपुर (उडीसा) विजयानगर आ प्र खरियार रोड (उडीसा) वालोद खैरागढ़ छुईखदान, नारायणपुर, गडई आदि स्थानो पर विशेष धर्माराधन के लिए आपका अभिनदन पत्र भी प्राप्त हुआ है।

वर्तमान में सन् १९७० से धमधा जैन श्री सघ के अध्यक्ष है। आपके अध्यक्षता मे ही धमधा मे सीमित साधन होते हुए भी एक अच्छा उपयोगी ओसवाल भवन (स्थानक) का निर्माण हुआ है एव समय-समय पर वहाँ धार्मिक आराधना का कार्य आपके निर्देशन मे चलते रहता है। आपके बडे भाई श्री खेमचद जी का धार्मिक कार्यों मे पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है।

धमधा नगर की अन्य गतिविधियो मे भी आपकी भागीदारी हमेशा वनी रहती है। १२ वर्ष तक धमधा की हिन्दी साहित्य समिति के अध्यक्ष रहे।

वर्तमान मे आप १५ वर्ष से रात्रि चौकीहार का पालन कर रहे है तथा हर माह २ उपवास पोपध सहित एव वर्ष में ३५ पोषध अवश्य करते ही है। प्रात ४ ३० से रात्रि ८ ३० तक पूरा समय ही धर्म ध्यान मे विताना आपका लक्ष्य वन चुका है। व्यापार आदि कार्यों को अपने पुत्रो को सभालकर आप निवृत्त होकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है। सादा जीवन उच्च विचार को अपने जीवन मे पूर्णत चरितार्थ करने वाले धर्मनिष्ठ स्वाध्यायी सुश्रावक श्री जवरचद जी सा छाजेड ६८ वर्ष की उम्र मे पूर्ण स्वस्थ व नियमानुकुल धार्मिक जीवन जी रहे है। कुछ वर्षो तक महाकौशल साधुमार्गी धार्मिक शिक्षण शिविर ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर भी रह चुके है। तथा कवर्धा तहसील के कुँवर अछरिया ग्राम मे पशुवली वद करवाने मे विजयादेवी सुराना, सुखलालजी गुलेछा आदि के साथ कई वर्षो मे सघर्परत रहकर पशुवली वद कराने में सक्रिय सहयोग दिए और आज भी अहिंसा, प्रचार सघ के कार्यकारिणी के सदस्य है तथा अपने जीवन मे जैन तीर्थो की यात्रा जैसे-पालीताणा, गिरनारजी, शिखरजी, राजगिरी आदि भी सम्पन्न कर चुके है।

श्री खूबचन्दजी गादिया - ब्यावर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त क अजमेर जिलान्तर्गत जग प्रसिद्ध नगरी ब्यावर शहर मे श्रीमान सोहनलालजी गादिया के यहाँ २१ ३ १९२५ को हुआ। मिडिल तक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय की ओर अपने कदम बढ़ाये। आप वर्तमान म ब्यावर शहर मे कपडे का व्यवसाय करते है। आप श्रमण सघीय प्रवर्तक स्व श्री मरुधर केशरीजी म सा के अनन्य भक्तगण है। साधु साध्वीयो क चातुर्मास मे सभी तरह का योगदान आप देते रहते है। सभी साधु साध्वीयो की आप सेवा सुश्रुषा कर अपने आपको भाग्यशाली मानते है। सभी साधु साध्वीयो के चातुर्मास मे आप दर्शनार्थ हमेशा जाते रहते है। आप आगम शास्त्रो आदि के प्रकाड विद्वान् भी है। हमेशा आगमो एव शास्त्रो का आप अध्ययन एव स्वाध्याय करते रहते है। नवयुवको के लिए व्यायाम शाला एव जैन स्थानक निर्माण कार्य म आपन काफी अच्छा विशेष योगदान एव सहयोग भी प्रदान किया है। उपाध्याय श्री कन्हैयालाल जी म सा द्वारा प्रेरित आबू पर्वत स्थित श्री वर्धमान महावीर केन्द्र म प्रति वर्ष आयोजित आयबिल ओली कार्यक्रम म आयबिल खात मे हर माह की एक तिथि का आजीवन तक सहयोग आप प्रदान कर रहे है। समय की पाबदी प्रतिदिन पाँच सामायिक का नियम वर्ष भर मे तीन बार तेला करना एव नवकारसी चोविहार का नियमित आजीवन नियम आपने ले रखे है। व्यवहार कुशलता हृदय म उदारता कर्मठ सेवाभावी कार्यकर्ता आदि गुणो मे युक्त आप श्रावक रत्न है। समाज के हर कार्य म आप तन मन धन से हमेशा अग्रसर रहते है। ब्यावर शहर के प्रतिष्ठित बुजुर्गो म आपका स्थान है। अपनी सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से आप ब्यावर शहर के प्रतिष्ठित श्रावक-रत्न है।

श्री शातिलालजी बोकडिया - बम्बई

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के पाली जिलान्तर्गत सारीया सोजत सिटी मे श्रीमान लालचदजी बोकडिया के यहाँ १-१-१९५९ को हुआ। बी कॉम तक की शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर बढ़ाये आपके ज्येष्ठ भ्राता श्रीमान जवाहरलालजी बोकडिया के सग आपका उर्लीन सिल्क मिल्स के नाम से सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठित व्यवसाय है। आपका उच्चकोटि का माल देश के कोने-कोने मे जाता है। क्वालिटी मे आपका प्रमुख स्थान है। ऐसी क्वालिटी अन्यत्र देखने को नहीं मिलती। आप अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर कार्यरत रहते हुए अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान कर रहे है। जिनमे मुख्य इस प्रकार है—अखिल भारतवर्षीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेस बम्बई शाखा के सहमत्री, भारत जैन महामडल व ओसवाल जैन मित्र मडल के सदस्य, जैन मित्र मडल ठाणा के कार्यकारिणी सदस्य, महावीर भवन ठाणा के ट्रस्टी, आदि प्रमुख है। आपके ज्येष्ठ भ्राता श्री जवाहरलालजी बोकडिया एव श्री नेमीचदजी बोकडिया भी धार्मिक, सामाजिक क्षेत्रो मे समाज सेवाओ मे हमेशा अग्रसर है। आपने सोजत मे प्याऊ का निर्माण, जानवरो के अस्पताल मे पूर्ण सहयोग महावीर भवन ठाणा के नवनिर्मित जैन स्थानक भवन मे एक हॉल कमरे के निर्माण मे पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। आप स्व श्री मरुधरकेशरीजी म सा के प्रमुख अन्तेवासी भक्तगणो मे से एक है। सोजत मे कन्या स्कूल मे कमरे के निर्माण म भी आपने पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। सपूर्ण सोजत एव मारवाड क्षेत्र मे आपका काफी प्रभाव है। सोजत, पावनधाम जेतारण या बम्बई महानगर के जैन समाज मे कोई भी कार्यक्रम होता है तो उसमे आपका सहयोग हमेशा रहता ही है। आप समाज की सभी सस्थाओ मे सक्रिय रूप से भाग लेते रहते है। आपका पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से भरा हुआ है। सभी साधु-साध्वीयो की आप सेवाएँ करते रहते है। हँसमुख प्रवृत्ति, मिलनसार, कर्मठ, सेवाभावी आदि गुणो से युक्त युवा-रत्न है।

श्री चंपालालजी सिंघवी
अम्बूर-(तमिलनाडू)

आपका जन्म कर्नाटक प्रात के के जी एफ शहर मे वि स १९७४ को श्रीमान जशवतराजजी सिंघवी के यहाँ हुआ। आपके वशज मूलत मारवाड के आनदपुर कालू कस्बे के है जो वर्षो पूर्व दक्षिण भारत मे आकर वस गये है। वर्तमान में आप अम्बूर (तमिलनाडु) मे निवास करते है। मेट्रीक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आपने अपना स्वय का मनी बैडर्स ज्वैलर्स एव वैकिग का व्यवसाय प्रारभ किया जो दक्षिण भारत का आज विशाल स्तर का प्रतिष्ठान है। आप श्रमण सघीय प्रवर्तक स्व श्री मरुधर केशरीजी म सा के परम भक्त है। पावन धाम जैतारण एव सोजत की सस्थाओ मे आपने अच्छा सहयोग प्रदान किया है। आनदपुर कालू मे भी कवूतरखाना जैन स्थानक, मदिर, स्कूल, अस्पताल आदि के निर्माण कार्य पूर्ण करवाये है। वैगलोर की गौशाला मे भी आपने ही सहयोग प्रदान किया है एव यह आपके वलवूते पर ही वर्तमान मे चल रही है। आप अनेक सस्थाओ से जुडे हुए है। आप सुप्रसिद्ध दानवीर, सहयोगी भी है। वैगलोर अशोकनगर शूले के श्रेष्ठीवर्य सुश्रावक रत्न श्री पारसमलजी वम्व आपके कँवर साहव है। आपके तीन सुपुत्र सर्वश्री लक्ष्मीचदजी, अशोककुमारजी मदनचदजी एव तीन सुपुत्रियो से हरा-भरा सम्पन्न परिवार है। दक्षिण भारत मे आनन्दपुर कालू के दानवीर सेठ के नाम आप सुप्रसिद्ध है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। सभी समुदाय के साधु-साध्वियो की सेवा करने मे भी आप हमेशा अग्रसर रहते है। दक्षिण भारत मे आपका प्रमुख व्यवसाय है। सहनशीलता, मृदुभाषी, ईमानदारी, मिलनसार आदि गुणो मे आप दक्षिण भारत की प्रजा जन-जन के प्रिय वन गये है। आप उच्चकोटि के धार्मिक सस्कारो के युवक रत्न शिरोमणि श्रावक है।

श्री ललित कुमारजी नाहटा, दिल्ली

आपका जन्म राजस्थान प्रांत के बीकानेर के सुप्रसिद्ध नाहटा परिवार मे आश्विन कृष्णा २ वि.स. २०१३ सितवर १९५६ को बीकानेर जिले के गगा शहर जहाँ आपका ननिहाल है वहाँ हुआ। आपके पिताजी श्रीमान हरकचदजी नाहटा एव माताश्री श्रीमती रुक्मणी देवी है। धार्मिक निष्ठा व उत्कृष्ठ समाज सेवा के सस्कार भी व्यापारिक सस्कारों की तरह आपको परिवार की यशस्वी परम्परा विरासत के रूप मे प्राप्त हुए है। आपके दादाजी के छोटे भाई प्रसिद्ध इतिहासकार स्व अगरचदजी नाहटा व ताऊजी श्री भँवरलालजी नाहटा भी जैन आगम इतिहास व साहित्य के क्षेत्र मे विश्व विश्रुत विद्वान है। इस क्षेत्र मे इन नाहटा द्वय का योगदान सदियो तक याद किया जाता रहेगा। आपके पिताजी आज जैन समाज के अग्रणी व्यक्तियो मे गिने जाते है। जो लगभग ५० से भी अधिक सस्थाओ से जुडे हुए है। जिनमे मुख्य अ भा श्री जैन श्वे खरतर गच्छ महासघ के अध्यक्ष, भारत जैन महामण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एव श्री ऋषभदेव प्रतिष्ठान के सरक्षक के रूप मे निरतर समाजसेवा मे रत है। पढ़ाई पूर्ण करने के पश्चात आपने दिल्ली मे पिताजी के सग व्यवसाय में सहभागिता निभाने का कार्य प्रारभ किया। गल्ला, कपडा, किराणा, नमक, चाय, फाइनेस व फिल्म का व्यवसाय कर रहे है। आप ज्योति वार्ता सदेश मासिक पत्र के कुशल सपादक, लेखक, पत्रकार भी है। आप वर्तमान मे दिल्ली, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, हिमाचलप्रदेश आदि क्षेत्रो के सबसे बडे भू-स्वामियो मे से प्रमुख है। आप भी पिताजी की तरह समाज की सभी गतिविधियो मे वड़ी रुचि से भाग लेते रहते है। सेवा के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। आप ज्ञान, क्षमा एव दया पर विशेष ध्यान देते है। पिताजी के साथ विश्व स्तर के उद्योगपतियो, व्यापारियो, राजनेताओ, अभिनेताओ, कवियो, साहित्यकारो व विद्वानो से मिलने का आपको कई बार अवसर मिला है। आप होनहार, सेवाभावी, कर्मठ कार्यकर्ता, युवा रत्न, शिरोमणि है। समाज को आपसे काफी आशाएँ है।

श्री भारत भूषण जैन- कैथल

आपका जन्म हरियाणा प्रान्त के कुरुक्षेत्र जिलान्तर्गत कैथल शहर मे १९-३-१९५६ को श्रीमान पारसदास जी जैन के यहाँ हुआ। ग्रेजुएट तक की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात आप पजाब प्रान्त की विश्व प्रसिद्ध उद्योग नगरी लुधियाना पधार गए और होजियरी का व्यवसाय प्रारभ किया। वर्तमान मे आप मेसर्स राज ओसवाल होजियरी फैक्ट्री नामक फर्म म व्यवसाय कर रहे है। अपने अदम्य साहस ईमानदारी व्यवहार कुशलता से आप अपने व्यवसाय मे उच्च शिखर तक पहुँच गए है। आज होजियरी व्यवसाय मे आपका प्रख्यात स्थान है। आप धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्वास्थ्यिक आदि अनेक सस्थाओ मे अनेक पदो पर रहकर अपनी अमूल्य सेवाएँ समाज और राष्ट्र को अर्पण कर रह है। श्री महावीर जैन युवक मडल लुधियाना के महामत्री श्री एम एस जैन सभा सुन्दर नगर लुधियाना के उप मत्राची श्री एस एस जैन सभा लुधियाना के सदस्य आदि अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। इस वर्ष लुधियाना म विशाल विकलाग कैम्प मे भी आपने सेवा का अवसर प्रदान किया। समाज के किसी भी तरह के हर कार्य मे आप तन, मन धन से हमेशा अग्रसर रहते है। आप उत्तर भारत के युवाओ की शान है। आप युवा जोश और होश से हर कार्य को सफल बना देते है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के युवा रत्न है। इस वर्ष श्रमण सघीय आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा के उत्तरी भारत पदार्पण एव लुधियाना चातुर्मास को सफल बनाने म भी आपका पूर्ण सहयोग बना हुआ है। सभी साधु-साध्वियो की सेवा सुश्रुषा करने मे आप अपने आपको धन्य मानते है। आपसे समाज को काफी आशाएँ है।

श्री सपतराज कटारिया- बैंगलौर

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के मारवाड क्षेत्र के राणावास शहर मे श्रीमान रतनचद जी कटारिया के यहाँ २७-३-१९४४ को हुआ। आपके परिवार के पूर्वज करीबन ७५ ८० वर्ष पूर्व हुबली (कर्नाटक) पधारे थे। आप अभी बैंगलौर श्रीरामपुरम मे जैन ज्वेलर्स के नाम से विगत ४४ वर्षो से ज्वैलर्स एव बैकर्स का व्यवसाय कर रहे है। आपका स्वभाव शालीभद्र जैसा है। आप अनेक सस्थानो मे अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है जिनमे प्रमुख इस प्रकार है- अ भा साधुमार्गी जैन सघ, श्री रामपुरम बैंगलोर के मत्री, रोटरी इन्टरनेशनल के सक्रिय सदस्य, आदि आदि मुख्य है। सभी तरह की धार्मिक सामाजिक सस्थाओ के आप विगत २० वर्षों से सक्रिय भाग ले रहे है। सामाजिक एव मानव सेवा के अनेक कार्यो मे प्रगतिशील एव सेवा समर्पित कर्मठ सेवाभावी श्रावक रत्न है। आपका परिवार प्रारभ से ही परमपूज्य आचार्य श्री गणेशीलालजी म सा एव पूज्य आचार्य प्रवर श्री नानालाल जी म सा (साधुमार्गी सघ) के प्रति विशेष श्रद्धाशील रहा है। इसके अलावा भी सभी साधु-साध्वियो की सेवा करने मे भी अग्रसर रहत है। आप व्यवहारकुशल, मिलनसार दानवीर, उदार हृदयी सुश्रावक रत्न है। समाज के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते है। सभी साधु साध्वियो की सेवा करने मे आप अपने आपको अहोभाग्य मानते है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती गुलाबदेवी एव सुपुत्र श्री मनोजकुमार, राजेन्द्र कुमार एव चार सुपुत्रियाँ (तीन विवाहित) आदि सभी सुधार्मिक सस्कारो मे काफी रुचि रखते है। आपने अनेक सस्थाओ को मुक्त हाथ से खूब दान भी दिया है। बैंगलोर शहर मे आपका काफी प्रभाव एव प्रतिष्ठित नाम है।

संघरत्न श्री प्राण जीवन भाई शाह
बम्बई

आपका जन्म गुजरात प्रान्त के सौराष्ट्र क्षेत्र के अमरेली जिले के बाबरा कस्बे मे ८-८-१९२१ को श्रीमान थुठालाल नानचद शाह के यहाँ हुआ। पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आप अपना भाग्य अजमाने हेतु १९३९ मे बबई महानगर में पधार गये यहाँ पर ३ वर्ष तक सर्विस प्रारभ कर दिया। बम्बई महानगर एव गुजरात का ऐसा कौन सा विरला व्यक्ति होगा जो विले पार्ले के श्री प्राणलाल बापा को नही जानता होगा। आपने समाज को ऐसी उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान की है कि आपको सभी प्राणलाल बापा के नाम से प्रेम से पुकारने लगे है। आप विगत २५ वर्षो से श्री व स्था जैन श्रावक सघ- विले पार्ले - बबई के अध्यक्ष एव ट्रस्टी पद पर सुशोभित है। इसके अलावा वृहद बबई श्वे स्थानकवासी जैन महासघ के विगत १० वर्षों से सेकेट्री एव अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स-बबई के प्रमुख ट्रस्टी पद पर रहकर अपनी सेवाएँ अर्पित कर रहे है। बबई का कोई सा भी कार्यक्रम हो वहाँ आप अवश्य भाग लेते रहते है। आप सभी समुदाय के (चाहे वह गुजराती हो या हिन्दी भाषी) साधु-साध्वीयों की सेवाएँ करने मे भी हमेशा अग्रसर रहते है। आपका कई स्थानो पर सार्वजनिक सम्मान भी हो चुका है। लिम्बडी अजरामर समुदाय के श्री भावचदजी म सा के सानिध्य मे एक विशाल कार्यक्रम मे आपको 'सघ रत्न' की उपाधि से भी सम्मानित किया जा चुका है। आपका प्रभाव बहुत उच्च कोटि का है। आप जहाँ भी पधारते है सभी आपका उच्च श्रेणी मे सम्मान करते है। विले पार्ला स्थानक भवन का नूतन निर्माण कार्य आपकी देखरेख व सूझ-वूझ से सम्पन्न हुआ है। आप विना भेदभाव से सच्ची शृद्धा भक्ति भाव से सभी समुदायो के साधु-साध्वीयो की सेवा मे हमेशा तत्पर रहते है। आपका व्यक्तित्व, मिलनसार हसमुख प्रवृत्ति, व्यवहार कुशलता, कर्मठ सेवा कार्य आदि से युक्त है। सम्पूर्ण बबई का स्थानवासी समाज व विलेपार्ला सघ आपके मार्गदर्शन सेवा कार्य से काफी उन्नति के उच्च शिखर पर पहुँचा है इसका सारा श्रेय आपको ही है।

श्री गोतमचंदजी हुण्डीवाल
मद्रास

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त मे जोधपुर जिले के भोपालगढ़ शहर मे २७-११-१९५१ को श्री सोहनलालजी हुण्डीवाल के यहाँ हुआ। मेट्रिक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर बढ़ाये। वर्तमान मे आप मद्रास महानगर में फायनेन्स एण्ड ज्वैलर्स का व्यवसाय कर रहे है। आपका पूरा परिवार पूर्व से ही रत्नवशीय इतिहास मार्तण्ड आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा के प्रति अगाढ़ शृद्धा भाव का रहा है। आपके परिवार मे से ही महासतीजी श्री चन्द्रकाता जी म सा ने रत्नवश मे दीक्षा भी ग्रहण की है। आपका पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो से धर्ममय बना हुआ है। आप भी कई धार्मिक-सामाजिक सस्थानो से जुडे हुए है जिनमे प्रमुख इस प्रकार है- श्री जैन रत्न युवक सघ मद्रास के मत्री, श्री जैन सघ पल्लावरम्-मद्रास के मत्री आदि प्रमुख है। आपने आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा की काफी सेवाएँ की है। आप सभी साधु साध्वीयों की सेवाएँ बहुत ही आदर शृद्धा भावरुची से तो करते ही है परन्तु रत्नवशीय समुदाय के साधु-साध्वीयो के प्रति आपकी विशेष आकर्षण रुचि है। मद्रास महानगर मे आपका काफी प्रभावी है। विशेषकर नव युवको के गठन मार्गदर्शन समाजोत्थान कार्यो मे आप विशेष रुचि रखते है। आपके पूज्य पिताश्री सोहनलालजी हुण्डीवाल आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा के अनन्य अन्तेवासी भक्तगणो मे से एक है। आप सभी साधु-साध्वियो के दर्शनार्थ जाते रहते है। व्यवहार कुशलता, मृदुभाषी कर्मठ सेवा कार्यो से आपका प्रभाव मद्रास शहर मे फैल चुका है। आप होनहार कर्मठ सेवाभावी युवा रत्न है।

श्री बशीलालजी सिघवी बम्बई

आपका जन्म राजस्थान की सुप्रसिद्ध योद्धाओ की वीर भूमि मेवाड क्षेत्र मे भीलवाडा जिले के डेलाणा कस्बे म श्रीमान मगनलालजी सिंघवी के यहाँ हुआ। पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आप भी बम्बई पधार गए और अपने भ्राताओ सर्वश्री मीठालालजी सिंघवी एव श्री शातिलालजी सिंघवी के साथ [illegible] म जुट गये। आपकी सूरत एव गगापुर [illegible] मिले है जहाँ उच्चकोटि का माल [illegible] कोने-कोने मे जाता है। आप क्वालिटी [illegible] देते है। आपके ज्येष्ठ भ्राता सुप्रसिद्ध [illegible] बम्बई के सस्थापक एव उपप्रमुख [illegible] मीठालालजी सिंघवी की तरह आप भी [illegible] कार्य म सक्रिय रूप म भाग लेते [illegible] सस्थाओ म अनेक पदो पर रह [illegible] कर रहे है। अ भा श्वे स्था जैन [illegible] श्री व स्था जैन श्रावक सघ (मेवाड) बम्बई [illegible] तेरापाल मित्र मडल बम्बई के सदस्य आदि [illegible] सहयोग सराहनीय है। अपने परिवार की ओर से गगापुर (मेवाड) म हॉस्पिटल का निर्माण भी आपने करवाया है। आप भी सभी कार्यक्रमो मे सक्रिय रूप से भाग लेते रहते है। आप वैसे तो सभी साधु-साध्वीयो की भक्ति भाव म सेवाएँ करते रहते है परन्तु श्रमण सघीय प्रवर्तक स्व श्री अम्बालालजी म सा के प्रति विशेष श्रद्धाभाव अन्तेवासी श्रावक रत्न है। समाज के हर कार्य मे आप सक्रिय रूप स भाग लेते रहते है। आपका मेवाड एव बम्बई म काफी प्रभाव है। अपने भ्राताओ की तरह आप भी उदार दानी, मिलनसार, हँसमुख प्रवृत्ति के सरल हृदय युवा-रत्न है। बम्बई मे मेवाड सघ की स्थापना एव सभी ७ साधना भवनो के निर्माण कार्य म आपका भी सक्रिय योगदान रहा है। आप अनेक सस्थाओ को काफी-अच्छा सहयोग प्रदान करते रहते है। समाज को आपसे काफी आशाएँ है। आप उत्साही कर्मठ सेवाभावी युवा रत्न शिरोमणि है।

श्री शातिलालजी सिघवी - बम्बई

आपका जन्म राजस्थान की सुप्रसिद्ध योद्धाओ की वीर भूमि मेवाड म भीलवाडा जिले के गगापुर शहर म ११-६-१९५३ को श्रीमान मगनलालजी सिंघवी के यहाँ हुआ। पढाई पूर्ण करने के पश्चात् आप बम्बई महानगर पधार गये, जहाँ पर व्यवसाय मे जुट गये। श्री व स्था जैन श्रावक सघ (मेवाड) बम्बई के सस्थापक पूर्व अध्यक्ष एव वर्तमान म उपप्रमुख श्रीमान मीठालालजी सिंघवी एव श्रीमान बशीलालजी सिंघवी आपके ज्येष्ठ भ्राता है। आप सभी तीनो भ्राता बम्बई, सूरत एव गगापुर-भीलवाडा मे कपडे का व्यवसाय करते है। आप कपडे के निर्माता भी है। आपका माल देश के कोने-कोने मे जाता है। आप क्वालिटी पर विशेष ध्यान देते है। आपके ज्येष्ठ भ्राता की तरह आप भी समाज सेवा के कार्य मे सक्रिय रूप से भाग लेते रहते है। आप भी अनेक सस्थाओ से जुडे हुए है। श्री व स्था जैन श्रावक सघ (मेवाड) बम्बई की स्थापना एव सभी ७ साधना भवनो के निर्माण कार्य मे आपका सहयोग सर्वोपरि है। श्री मेवाड सघ के सदस्य श्री मेवाड सघ जैन नवयुवक परिषद् बम्बई के आप अध्यक्ष है। इसके अलावा अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेस दिल्ली ओसवाल मित्र मडल बम्बई भारत जैन महामडल आदि सस्थाओ से भी जुडे हुए है। आप सभी कार्यक्रमो मे सक्रिय रूप से भाग लेते रहते है। आप श्रमण सघीय प्रवर्तक स्व श्री अम्बालालजी म सा के अनन्य भक्तो मे से एक है। आप अनेक संस्थाओं को काफी सक्रिय सहयोग प्रदान करते रहते है एव समाज के हर कार्य मे सक्रिय रूप से भाग लेते रहते है। आपके ज्येष्ठ भ्राता 'मेवाड-रत्न' श्री मीठालालजी सिंघवी की तरह आप भी उदार दिल मिलनसार हँसमुख प्रवृत्ति, उत्साही सरल हृदय आदि गुणो से युक्त युवा-रत्न शिरोमणि है। आपका मेवाड एव बम्बई मे काफी प्रभाव है। आप सभी साधु-साध्वीयो की श्रद्धा-भाव से सेवा करते रहते है। मेवाड सघ के हर कार्य मे आप सक्रिय भाग लेते रहते है।

श्री चंपालालजी मकाणा (जैन)
दौंडबालापुर

आपका जन्म राजस्थान के प्रान्त में हाजीवास कस्बे में १४-९-१९४३ को श्रीमान किशनलालजी मकाणा के यहाँ हुआ। मेट्रीक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् आपने अपने कदम व्यवसाय की ओर बढ़ाये। वर्तमान में आप दौंडबालापुर मे बैकर्स एव ज्वैलर्स का व्यवसाय करते है। अपनी व्यवहार कुशलता, ईमानदारी, कर्मठ सेवा भावना से आप उन्नति के शिखर पर पहुँच गए है। दौडबालापुर एव दक्षिण भारत में आपका प्रसिद्ध व्यवसायी है। आपने अपने व्यवसाय मे जैसी प्रतिष्ठा प्राप्त की है उतनी ही प्रतिष्ठा सामाजिक धार्मिक सेवा कार्य मे भी प्राप्त की है। श्री व.स्था. श्रावक सघ दौडबालापुर (कर्नाटक) के आप विगत ७ वर्षो से मत्री पद पर एव साधु साध्वी कर्नाटक विहार सेवा समिति के सयोजक अ भा श्वे. स्था जैन कान्फ्रेन्स दिल्ली के कार्यकारी सदस्य जीवन प्रकाश योजना के स्तभ सदस्य, अ भा श्वे. स्था. जैन कान्फ्रेन्स कर्नाटक शाखा के सदस्य आदि सस्थाओं मे अनेक पदों पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। शिक्षा सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते है। मारसन्हा (कर्नाटक) में आपने स्कूल निर्माण कार्य मे पूर्ण सहयोग प्रदान किया इसके अलावा वैगलौर गणेश वाग मे स्थानक निर्माण मे भी विशेष योगदान प्रदान किया है। युवाचार्य डॉ शिवमुनि जी म के सानिध्य में पूना मे ध्यान केन्द्र मे भी विशेष योगदान प्रदान किया है। २० वर्षो से प्याऊ भी चला रहे है। लगभग २० वर्षों से नियमित सामायिक चऊ विहार एव खादी पहिनने के नियम ले रखे है जिन्हे वहुत ही दृढ़ता के साथ निभा रहे है। सभी साधु साध्वीयो की सेवाएँ नि स्वार्थ भाव से करते रहते है। शान्त स्वभावी मिलनसार, हसमुख प्रवृत्ति, जीवदया प्रेमी आदि गुणो से युक्त युवा रत्न श्रावक है। आपका अनेको जगह सम्मान भी हो चुका है। दक्षिण भारत मे आप काफी प्रभावशाली युवा रत्न है।

श्री कचरदासजी पोरवाल (जैन)
पूना
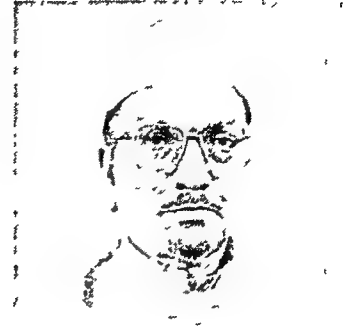
आपका जन्म महाराष्ट्र प्रान्त की पुण्य भूमि पूना शहर में ४-१२-१९३३ को श्रीमान देवीचदजी मुलतान चदजी पोरवाल (जैन) के यहाँ हुआ। मिडिल स्कूल तक पढ़ाई करने के पश्चात् आपने अपना कदम व्यवसाय की ओर बढ़ाये। सन् १९५० से आप प्रतिष्ठित व्यापारियों में सर्वोपरि है। अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी, व्यवहार कुशलता, मृदुभाषी युक्त गुणो से व्यवसाय मे प्रतिष्ठा प्राप्त व्यापारी वन गये है। आप जितना ध्यान व्यवसाय की ओर लगाते है उतना ही ध्यान धार्मिक सामाजिक कार्यों में भी लगाते है। आप अनेक सस्थाओं में अनेक पदो पर रहकर अपनी सेवाएँ प्रदान करते रहते है। उनमें से प्रमुख इस प्रकार है- श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ साधना सदन पूणे के अध्यक्ष, ओसवाल पचायत पूना के अध्यक्ष, आणन्द प्रतिष्ठान पूना के उपाध्यक्ष, आचार्य आनद ऋषीजी पूणे, ब्लड वैक के ट्रस्टी, अ.भा श्वे. स्था. जैन कान्फ्रेन्स दिल्ली के कार्यकारी सदस्य आदि आदि। आपनी जितनी उच्च श्रेणी की प्रतिष्ठा एव प्रभाव व्यवसाय क्षेत्र में है उतनी ही सामाजिक धार्मिक कार्यो मे भी है। पूना एव महाराष्ट्र प्रान्त मे आपका काफी प्रभाव है। आचार्यश्री आनन्द ऋषीजी म.सा के आप अनन्य भक्तगणो मे से एक श्रावक रत्न है। सन् १९८७ के पूना मुनि सम्मेलन को सफल वनाने मे आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आपके कई प्रतिष्ठान व्यवसाय मे कार्यरत है। जिनमें प्रमुख है- मेसर्स देवीचद मुलतानचद एव मेसर्स कचरदास सुरेशचद एण्ड सस प्रमुख है। आपके वशज मूलत. राजस्थान के ही है जो वर्षों पूर्व यहाँ आकर बस गये और आप पूना के प्रमुख व्यवसायी एव समाज के प्रमुख कर्णधार वन गये। आप सभी कार्यक्रमो मे रुचि से भाग लेते रहते है एव सभी सस्थाओ को पूर्ण सहयोग भी प्रदान करते रहते है।

श्री जे शांति लालजी गादिया-बैंगलौर

श्री बाबूभाई (शीतल)
बम्बई

व्यवहार कुशलता, वाणी मे मधुरता, कार्य मे तत्परता हृदय मे उदारता, जीवदया प्रेमी गरीबो के मसीहा आदि गुणो के भण्डार श्री बाबूभाई का जन्म गुजरात प्रांत के कच्छ वागड क्षेत्र मे हलरा ग्राम मे २२ ८ १९४२ को धर्मपरायण सुश्रावक श्रीमान रामजीभाई क यहाँ हुआ। प्राथमिक तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात आप अपना भाग्य अजमाने बबई महानगर पधार गए। जहाँ पर आपने छोटा-सा व्यवसाय प्रारभ किया जो अपनी व्यवहार कुशलता, ईमानदारी, कार्य मे तत्परता आदि गुणो स उन्नति के शिखर तक पहुँच कर विशाल रूप धारण कर चुका है। बबई महानगर मे सुप्रसिद्ध विश्वविख्यात 'शीतल' प्रतिष्ठान आपके द्वारा स्थापित किया हुआ प्रतिष्ठान है। बबई म इसके दो स्थानो पर प्रतिष्ठान है। गुजरात एव बबई कच्छी समाज की एक भी ऐसी सस्था नहीं होगी जिससे आप जुडे न हों। आप सभी सस्थाओ को भरपूर सहयोग प्रदान करते थे। आप ग्राट रोड व्यापारी मण्डल के अध्यक्ष एव मेडीकल कैम्प के प्रतिनिधि थे। आपका बबई महानगर के बडे-बडे व्यापारियो मे प्रतिष्ठित सर्वोच्च स्थान था। समाज सेवा के हर कार्य मे आप हमेशा अग्रसर रहते थे। आपकी पहुँच धर्मनेताओ राजनेताओ तक थी। गुजरात मे अकाल के समय आपने मानव व पशु जगत की काफी सेवा की थी। आपका इस वर्ष ही स्वर्गवास हो गया। आपके परिवार म आपकी धर्मपत्नी दो सुपुत्र एव एक सुपुत्री है। पूरा परिवार धार्मिक सस्कारो स युक्त है। आपके दोनो सुपुत्र भी आपकी तरह ही धर्मपरायण एव समाजसेवी भावी कर्मठ कार्यकर्ता एव दानी युवक रत्न है। सम्पूर्ण बबई एव गुजरात के हर कोने म आपका काफी प्रभाव व नाम था।

श्री हरकचन्द नाहटा
दिल्ली

स्वभाव मे नम्रता, व्यवहार में कुशलता, वाणी मे मधुरता, हृदय में कोमलता, चेहरे पर हँसमुखता, कार्य में बुद्धिमता, मन मे अगाढ़ धर्म श्रद्धा आदि अनेक गुणों से युक्त श्रीमान् हरकचन्द नाहटा का जन्म 18-7-1936 को राजस्थान प्रात के बीकानेर में नाहटा परिवार मे श्रीमान् भेरुदानजी के यहाँ हुआ। बीकानेर मे आपकी शिक्षा पूर्ण हुई। बाल्यावस्था मे प्राप्त पारिवारिक संस्कारो ने आपके आचार विचार को एक निर्दिष्ट स्वरूप एवं दिशा प्रदान की। स्व श्री अगरचंदजी नाहटा आपके चाचा थे एवं श्री भँवरलालजी नाहटा आपके अग्रज भ्राता है। आपकी बाल्यावस्था से ही धर्म के प्रति काफी लगाव श्रद्धा रही है। सन् 1958 मे आपने ट्रासपोर्ट के क्षेत्र में कदम रखे। अपने कठोर परिश्रम लगन तीव्र व्यापारिक बुद्धि तथा पूर्व उपार्जित पुण्य कर्मो के फल स्वरूप सुदूर आसाम एव पूर्वोत्तर भारत की सबसे विशाल रेल्वे आउट एजेन्सी खोल दी तथा उसका सफलता पूर्वक संचालन किया। सन् 1964 में कलकत्ता में विशालतम एवं विख्यात 'टेक्नीशियन स्टूडियो' खरीदकर अपने कर्म क्षेत्र को नई दिशा दी। उसके पश्चात् आपने सन् 1969 मे अपना कर्म क्षेत्र दिल्ली बनाया। वर्तमान मे आप दिल्ली के अग्रणी भू-सम्पत्ति व्यापारी एवं देश के विख्यात फिल्म फायनेसर हैं। अपने कर्म क्षेत्र मे सफलता के शिखर पर है आरुढ श्री नाहटाजी उदारमना, कला साहित्य प्रेमी, धर्म भीरु तथा कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता है। आपने धन का सदुपयोग भी विभिन्न धार्मिक सामाजिक कार्यो, संस्थाओं को मुक्त हस्त से दान देने मे किया है। आप लगभग 50 संस्थाओं में किसी न किसी पदो पर अपनी सेवाऐ अर्पित कर रहे है। अ. भा खरतरगच्छ के आप राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। भारत जैन महामण्डल के दिल्ली प्रदेश के भी अध्यक्ष है। आप समग्र जैन आचार्यो विशिष्ठ साधु साध्वीयो, वैष्णव परंपरा के आचार्यो महतो साधुओं एव अनेको राजनेताओ के निकट सम्पर्क मे रहे है। आप अनेकों जगह सम्मानित भी हो चुके है कई तरह के अवार्ड भी आपको प्राप्त हुए है।

श्री राजकुमार जैन
लुधियाना (पंजाब)

व्यवहार में कुशलता, हृदय में उदारता, स्वभाव में नम्रता, वाणी में मधुरता, चेहरे पर हसमुखता, कार्य में बुद्धिमता, मन में अगाढ धर्म श्रद्धा, आदि अनेक गुणो से युक्त श्रीमान् राजकुमार जैन का जन्म पजाव प्रान्त के होशियार पुर जिले के जैंजो दो आवा मे 13-9-1943 को हुआ। आपके पिताजी का नाम श्रीमान् जगन्नाथजी जैन जैंजों दो आवा वाले हैं। बी. ए. तक की शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् आपने व्यवसाय में अपने कदम बढ़ाये।

वर्तमान मे आप अपने सुपुत्र श्री राजेश एव रोहित के साथ ब्रह्मपुरी लुधियाना मे मेसर्स अरिहत वूलन प्रा लि के नाम से ऊनर कम्वल लोई शाला आदि निर्माता का व्यवसाय कर रहे है। आप उत्तरी भारत की अनेकों संस्थाओ में किसी न किसी पदो पर रहकर अपनी अमूल्य सेवाएँ समाज को अर्पित कर रहे है। एस एस. जैन सभा लुधियाना के आप सदस्य हैं। आपकी धर्मपत्नि श्रीमती सुमन जैन भी आपकी ही तरह समाज के हर कार्य में वडी रुची एव श्रद्धा भाव से भाग लेती रहती है। लुधियाना एवं पंजाव दिल्ली आदि उत्तर भारत मे आपका काफी प्रभाव है। सभी साधु-साध्वीयो की सेवाएँ करने में आप अग्रसर रहते हैं। आपके दो सुपुत्र राजेश एवं रोहित जैन एवं एक सुपुत्री अनु भी धार्मिक प्रवृत्तियो में आपका अनुसरण करने लगे है। जैन एकता और संगठन कार्य में आपकी काफी रुची है आपकी हमेशा यही भावना वनी रहती है कि सम्पूर्ण जैन समाज में एकता संगठन कायम हो और इस हेतु आप प्रयत्नशील भी हैं। आप कर्मठ युवा रत्न हैं।

अ. भा. श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स, दिल्ली

महिला अध्यक्षा
डा विद्युत जैन

डा विद्युत जैन (गाजियाबाद)

अध्यक्षीय कार्यालय :
के बी 45, कवि नगर,
गाजियाबाद-201001
(उ. प्र)
फोन 8-40001/8-712541

शुभ कामना सन्देश !

सम्पूर्ण भारतीय जैन सम्प्रदायों (श्वेताम्बर मूर्तिपूजक, स्थानकवासी तेरापंथी एव दिगम्बर) को एकता के सूत्र में पिरोने वाली "समग्र जैन चातुर्मास सूची" की प्रकाशक अखिल भारतीय समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई, बधाई की पात्र है। श्री बाबूलाल जैन 'उज्जवल' द्वारा इस सूची को पूर्ण पुस्तक रूप में, सम्पूर्ण जैन साधु वर्ग के चातुर्मास की विस्तृत जानकारी देने का प्रयास अत्यन्त सराहनीय व प्रशसनीय है।

इस अद्भुत सूची के प्रथम साक्षात्कार होने पर इसकी उपयोगिता से असीम तुष्टी हुई। इस सूची से सम्पूर्ण जैन समाज अत्यधिक लाभान्वित हो रही है। साथ ही सभी श्रावक, श्राविकाओं के धन, समय व शक्ति की बचत भी हो रही है। दूसरी ओर सम्पूर्ण जैन मानस में इस सूची के माध्यम से एकता के भाव, प्रेम, प्रेम के भाव ही सरल दिख पड़ते हैं।

इस पुस्तिका से अनेकानेक लाभ जैसे सभी सम्प्रदायों के पूज्य जैन आचार्यों, साधु साध्वियों जी के प्रति वर्ष होने वाले चातुर्मास नई दीक्षाओं, नई पदवियां एवं समाज की धार्मिक गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी अनायास ही एक स्थान [illegible] एक समय में प्राप्त हो जाती है।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह परिषद् समाज को इसी प्रकार की सेवायें देकर लाभान्वित व कृतार्थ करती रहेगी। मैं अपनी ओर से व सम्पूर्ण स्थानकवासी जैन महिला वर्ग की ओर से पुन बधाई देती हूँ और सफलता की कामना करती हूँ।

शुभेच्छुक
विद्युत जैन
गाजियाबाद

श्री सुभाषचन्द रूनवाल--बम्बई

बम्बई महानगर में अनेक बाध काम के निष्णात बिल्डर्स विद्यमान हैं जो वर्षो से अनुभव के आधार पर बिल्डर्स व्यवसाय में कार्यरत है। परन्तु बाध काम बिल्डर्स लाईन का अनुभव नही होने के बावजूद इस व्यवसाय में प्रवेश कर उच्च शिखर पर पहुँचने वाले बिरले ही होते हैं। बम्बई महानगर में हजारों बिल्डर्स व्यवसाय में कार्यरत है उनमें से उच्च श्रेणी के 10 बिल्डरों मे जिनकी गणना होती हो अपने अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता से बम्बई के बिल्डर्स लाइन में टोप प्रमुख 10 बिल्डरों में अपना स्थान सुरक्षित करवाया ऐसा नवयुवक समाज सेवी कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमान् सुभाषचन्द्रजी रुनवाल है। बिना किसी अनुभव के अपने अदम्य साहस से सन् 1979 में बिल्डर व्यवसाय में प्रवेश किया और देखते देखते कुछ वर्षों में बिल्डर व्यवसाय में उन्नति के नये उच्च शिखर तक पहुँचने में सफल हो गये। आज पर्यंत आपने 1,000 फ्लेट की मोटी स्कीम रूनवाल पार्क रुनवाल नगर, चेम्बूर मे, इसके अलावा ठाणा में 800 फ्लेट, चेम्बूर में 200 फ्लेट, चेम्बूर में 50 बंगले, रूनवाल प्लाझा ठाणा, रूनवाल टावर्स मुलुंड, स्वास्तिक प्लाझा चेम्बूर सुबोध पार्क चेम्बूर, रूनवाल सेंटर चेम्बूर आदि का निर्माण पूर्ण किया। आज सम्पूर्ण बम्बई के टोप 10 बिल्डरों में आपकी गणना की जाने लगी है।

श्री सुभाषचन्द्र रूनवाल मूलतः धुलिया के निवासी हैं। बी.कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् 1967 में आपने सी. ए. की परीक्षा दी जिसमें सम्पूर्ण भारत में प्रथम पाँच में से प्रथम रहे। सन् 1968 मे इण्डियन कार्बन कम्पनी में एकाउन्ट की सर्विस प्रारंभ की उसके पश्चात् उसी कम्पनी में आप फायनेंस मैनेजर जैसे पद पर पहुँचे और उसके बाद कम्पनी ने आपको कम्पनी सेकेट्री जैसा जवाबदार मुख्य पद पर पदोन्नत भी किया। परन्तु आपकी इच्छा स्वयं का व्यापार करने की रही और आपने स्वेच्छा से वह नौकरी छोड़ दी और सन् 1978 मे बाध काम बिल्डर व्यवसाय में प्रवेश किया उस वक्त आपने काफी मात्रा मे जमीन खरीद ली और सिलिंग कानून फेर बदल होने से आपको काफी लाभ हुआ और तभी से आपका भाग्य खिल उठा। और आपने उस जमीन में बाध काम प्रारंभ कर दिया। सभी दुकानें फ्लेट बुक हो गयी और कुछ वर्षों में आप बम्बई के प्रतिष्ठित जाने पहचाने बिल्डर कहलाने लगे। लोगों की जबान में 'रूनवाल' का विश्वास नाम आने लगा। चेम्बूर बम्बई स्थित रूनवाल पार्क में लगभग 2500 एस्क्वायर फुट जैन स्थानक बनवाकर धार्मिक उपयोग में अर्पण किया है इसकी कीमत 50 लाख रुपये है जो आपने समाज के धार्मिक कार्य के लिए दी है। इस जैन स्थानक में कई साधु-साध्वीयांजी पधारते रहते है।

सम्पूर्ण बम्बई मे इतना बड़ा जैन स्थानक किसी एक व्यक्ति के द्वारा बनाया जाये ऐसा यह प्रथम अवसर है। इसके अलावा आपनेधुलिया में भी जैन स्थानक के निर्माण में सहयोग प्रदान किया है। इसी तरह रूनवाल नगर ठाणा मे भी चार हजार फीट जमीन मे निर्माण कर स्कूल को भेट की है जहाँ शीघ्र ही स्कूल प्रारंभ होने वाला है। इसके अलावा घाटकोपर में पोथोलोजीकल लेबोरेटरी एवं जलगाव में हायस्कूल का निर्माण कर भेट प्रदान किया है।

आप भारत जैन महा मण्डल के उपाध्यक्ष, ओसवाल, मित्रमण्डल के कार्य समिति के सदस्य, चेम्बूर स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष, आदि अनेक पदों पर कार्य कर रहे हैं। 1985से सुभाष रूनवाल एज्युकेशन फाउन्डेशन की भी अच्छी प्रगति हैं। आपके दो भ्राता धुलिया में ही रहते हैं एक भाई वकील है दूसरे सिमेंट के डीलर है। आपकी धर्मपत्नि श्रीमती चंदा रूनवाल भी एम ए सी. उत्तीर्ण है एवं सभी कम्पनियों में डायरेक्टर हैं। प्रतिदिन आपके कार्यालय में आकर कम्पनी के सारे कामकाज देखती हैं। आपके दोनों सुपुत्र ग्रेज्युएट है एवं एक सुपुत्री है जिसका विवाह जलगांव के प्रसिद्ध सर्राफ श्री राजमल लखीचंद फर्म के श्री प्रकाश बाबू के सुपुत्र से हुआ है। आपका भरापूरा परिवार धार्मिक संस्कारों से सुशोभित है। आप अनेक संस्थाओं को मुक्त हाथों से भरपूर दान देते रहते हैं। असहाय गरीबों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान करते रहते हैं। सम्पूर्ण बम्बई में जैन जैनेतर समाज में आपका नाम प्रसिद्ध है।

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व श्री सागरमलजी सिपाल
नागदा (धार)

जन्म 19-10-1920 | देह विलय 29-8-1994

ग्राम नागदा के प्रतिष्ठित, धर्मनिष्ठ, सेवाभावी समाज सेवक श्री सागरमलजी सियाल का दुखद निधन दिनाक 29-8-94 को हो जाने से सम्पूर्ण क्षेत्र म शोक की लहर दौड गई व पिचहत्तर वर्ष के थे तथा पिछल कुछ दिना मे अस्वस्थ होने के कारण इन्दौर के अस्पताल मे भर्ती थे। वहीं उनका देहान्त हो गया। उनके निधन का समाचार सुनते ही ग्राम नागदा के साथ-साथ आसपास के सभी क्षेत्रो मे तथा इन्दौर-उज्जैन-रतलाम-बदनावर एव धार आदि स्थानो पर शोक व्याप्त हो गया। वे अपने पीछे पाँच पुत्र तथा भरापूरा परिवार छोड गये है।

आप जैन श्रीसघ के आजीवन अध्यक्ष थे आपके निधन से समाज को जो क्षति हुई है वह अपूरणीय है एव इससे समाज का ही नहीं वरन् पूरे क्षेत्र का दैदीप्यमान सूर्य अस्त हो गया है।

श्री सागरमलजी सियाल ऐसे व्यक्ति थ जिन्हे हर कोई अपना मानता था। उदारता दानवीरता की प्रतिमूर्ति श्री सागरमलजी न अपना अन्तिम दान महादान नेत्रदान क रूप म कर दिव्य ज्योति मे विलीन हो गये। उनके अन्तिम समय पर श्री मोहन मुनीजी म सा ने अन्तिम मागलिक सुनाया था। ग्राम नागदा का विशाल मागलिक भवन आपके ही सद्प्रयासो का परिणाम है इस भवन के तात्कालिक उद्घाटन समारोह मे श्री चेतनजी काश्यप युवा उद्योगपति त्रिस्तुतिक सघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा प्रसिद्ध समाजसेवी श्री नमनाथजी जैन चेयरमैन, प्रस्टीज ग्रुप समूह आदि अनक वरिष्ठ लोगो की छोटे से ग्राम नागदा म उपस्थित श्री सियाल सा के मृदुभाषी एव मिलनसारिता का ही परिणाम

यहाँ के अन्य धार्मिक स्थलो के निर्माण एव सामाजिक कार्यों म आपका प्रयास सराहनीय रहा है आप धर्म क प्रति अत्यधिक जागरूक एव लगनशील थे। आप ही के अनन्य प्रयासो के द्वारा प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी 'अणु' का चातुर्मास सफलतापूर्वक करवाकर दूर-दूर तक नागदा का नाम स्वर्णाक्षरो मे अकित करवाया था।

आपका धर्म के प्रति अत्यधिक लगाव होने के कारण आप हर धर्मसभा को सुनने के लिए अवश्य पहुँचते थे आपको वृद्धावस्था एव स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद भी आप आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी प्रवर्तक श्री उमेश मुनि जी म सा अणु के दर्शनार्थ उनके हर चातुर्मास मे चाहे वह कोद, लिमडी, खाचरौद पेटलावद या रतलाम हो उनकी अमृतमयी वाणी एव मागलिक सुनने पहुँचते ही थे।

आपके निधन का समाचार सुनते ही अनेकानेक लोगो एव अनेक सस्थाओ द्वारा आपको श्रद्धाजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उनकी स्मृति म उनके पुत्रो एव परिवार सियाल परिवार ने स्थानीय शाति भवन मे कण्ड लकडी रखने हेतु एक पक्का कमरा बनवाने की घोषणा लायन्स क्लब के तत्वावधान मे की।

सियाल ब्रदर्स
एम टी क्लाथ मार्केट, इन्दौर-452002 (म प्र)

शुभम् टेक्सटाइल्स
एम टी क्लाथ मार्केट, इन्दौर-452002 (म प्र)

कमल सेल्स
50, एम टी क्लाथ मार्केट,, इन्दौर-452002

शातिलाल श्रेणिक कुमार
मेडिकल स्टोर
नागदा-धार (म प्र)

सुपुत्र- (1) उमरावमल सियाल
(2) कनकमल सियाल
(3) कातिलाल सियाल
(4) श्रेणिककुमार सियाल
(5) कमल कुमार सियाल

समस्त सियाल परिवार
इन्दौर-नागदा (धार)

अ.भा. जैन पत्रकार संघ, नई दिल्ली एक परिचय

गौतम ओसवाल
अध्यक्ष

बाबूलाल जैन 'उज्जवल'
उपाध्यक्ष
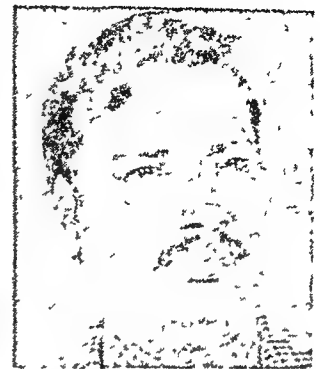
मोतीलाल बापना
संयोजक एवं राष्ट्रीय महासचिव

राष्ट्र में अहिंसा, शान्ति, पर्यावरण का प्रचार-प्रसार अहिंसा के अवतार भगवान महावीर के सिद्धान्तों आदर्शों के अनुरूप सम्प्रदायवाद से मुक्त रहकर जैन दर्शन के प्रचार-प्रसार एव जैन जगत की गतिविधियो को जन-जन तक पहुँचाने हेतु सकल्पित समाचार पत्रो के माध्यम से सक्रिय जैन पत्रकारो के एक अ.भा. सगठन की आवश्यकता महसूस की गई और इसके गठन हेतु प्रेरणा विश्व में जैन धर्म के प्रचारक रहे अर्हत जैन संघ के आचार्य मुनि सुशील कुमार जी महाराज ने दी तथा उनके आशीर्वाद और सहयोग से इसका गठन किया गया।

मुख्य उद्देश्य—

१. भारत की सभी भाषाओ के जैन पत्रकारों को सगठित करना और उनके सर्वागीण विकास के लिए प्रयत्न करना।

२ समग्र जैन जगत की पत्र-पत्रिकाओ एव समाचार पत्रो को प्रकाशनार्थ पत्रकारो को प्रेरित एव प्रोत्साहित करना।

३. जैन अध्यात्म, तत्व ज्ञान सिद्धात साहित्य सस्कृति इतिहास का आचार आदि का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करना।

४. जैन पत्रकारों के शिक्षण प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

५ जैन पत्रकारिता के माध्यम से जैन समाज में एकता का वातावरण निर्मित करना एव जैन सिद्धान्तो का निर्विवाद एवं समन्वित रूप से प्रचार प्रसार करना तथा समाज को राष्ट्रीय एकता हेतु मजबूती के लिए दिशा प्रदान करना।

६. केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार आदि से जैन पत्रकारो के हितों के लिए सरक्षण प्राप्त करना और अन्य पत्रकारो की तरह उन्हे से भी सुविधाएँ उपलब्ध करवाने प्रयास करना।

७ जैन समाचार सेवा की स्थापना करना और माध्यम से सवधित पत्र-पत्रिकाओ व जन सचार को समाचार प्रेषित करना एव जैन सिद्धांतो का करना।

आदि कई प्रमुख अन्य उद्देश्यो को लेकर पत्रकार ने वर्ष १९९४ में इसका कार्य प्रारभ किया प्रथम १७ अप्रैल १९९४ को स्वर्गीय आचार्य श्री सुशील के सान्निध्य मे सम्पन्न होकर पत्रकार सघ को सगठित का प्रयास किया। अब हम सभी आचार्य भगवतों, का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य को प्रदान करेंगे। हम समग्र जैन समाज के गच्छाधिपति गुरु भगवता साधु-साध्वीयो से विनम्र आग्रह भरी करना चाहेंगे कि सम्प्रदायवाद से मुक्त होकर जैन के प्रचार-प्रसार मे कार्य संचालन हेतु सहयोग अवश्य करें एव जैन समाज के अग्रज महानुभावो श्रावको चिंतक उद्योगपतियों से भी निवेदन करना चाहेगे कि आर्थिक सहयोग संगठन को चलाने हेतु अति है। तथा सहयोग एव मार्गदर्शन देने की कृपा करे। शुल्क वार्षिक १०१/-, आजीवन ५०१/-, स्तम्भ ५०००/-, संरक्षक सदस्य ११०००/-

सम्पर्क कार्यालय
मोतीलाल बाफना,
टाटा नगर, बुद्धेश्वर रोड,
रतलाम (म प्र) ४५७ ००१
फोन नवर ३१०८२

परिषद् के स्व आधार स्तम्भ सदस्य गण

स्व श्री कवरलाल बैताला, गौहाटी

स्व श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन' पाली मारवाड

स्व श्री अमृतलाल सावडिया बम्बई

स्व श्री पुखराज लुकड बम्बई

स्व श्री सचयलाल डागा बम्बई

स्व श्री राजमल नवीचन्द सराफ जलगाव

स्व श्री सचयलाल बाफना, औरगाबाद

स्व श्रीमती गुलाल कोठारी नार-बम्बई

श्री देवजीभाई माला समाघोघा

स्व श्री चदनमल बोथरा दुर्ग

श्री मोहन लाल पगारिया बेंगलौर

स्व श्री भीमराज श्री श्रीमाल बालोद

स्व श्री सोमचद जीवाणी बम्बई

श्री भँवरलालजी पगारिया
बैंगलोर

आपका जन्म राजस्थान प्रात के पाली जिले के सोजत शहर में नवबर १९४३ को श्रीमान केवलचदजी पगारिया के यहाँ हुआ। सोजल सिटी मे हायर सेकण्डरी तक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात, लगभग ८ वर्ष तक सोजत सिटी मे व्यवसाय किया। उसके पश्चात सन् १९७० मे आप वैगलोर पधार गये और यहाँ आकर आपने मसाला फूड्स का व्यवसाय प्रारभ किया। आप मसाला एव फूड्स के निर्माता एव होल सेल व्यापारी है। आप धार्मिक, सामाजिक कार्यो मे हमेशा अग्रसर रहते है। आप अनेक सस्थाओं से जुडे हुए है जिनमें कुछ प्रमुख इस प्रकार से है- सोजत जैन सघ, वैगलोर के अध्यक्ष (पूर्व), ट्रस्टी सदस्य श्री मरुधर केशरी गुरु सेवा समिति के सदस्य , श्री व स्था जैन श्रावक सघ चिकपेट के कार्यकारी सदस्य आदि प्रमुख है। आपके पिताजी भारत के स्वतत्रता सेनानी भी रहे है एव विश्व हिन्दू परिषद के पाली जिले के अध्यक्ष पद पर रहकर सेवाएँ प्रदान कर रहे है। सभी समाज के सभी साधु-साध्वियो की आप श्रृद्धा भाव से सेवाएँ अच्छी तरह से करते रहते है। समाज के हर कार्य में आप हमेशा अग्रसर रहते है। श्रमण सघीय उपाध्याय श्री केवलमुनिजी म सा के वैगलोर चातुर्मास मे आपने काफी अच्छी सेवाएँ प्रदान की है। सभी सस्थाओ को आप मुक्त हाथों से योगदान प्रदान करते रहते है। आपके द्वारा निर्मित मसाला एव फूड्स सामान का दक्षिण भारत में वहुत अच्छा प्रतिष्ठित प्रख्यात नाम है। वैगलोर चिकपेट स्थानक के नूतन भवन निर्माण कार्य मे आपका काफी अच्छा सहयोग रहा है। आप वैगलोर जैन समाज के कर्मठ सेवाभावी कार्यकर्ता है। आपका वैगलोर मे काफी अच्छा प्रभाव है। आप सेवाभावी युवा रत्न शिरोमणि है।

समग्र जैन चातुर्मास सूची

सदस्यता	रुपये	
महा स्तंभ सदस्य	रुपये	11000
प्रमुख स्तंभ सदस्य	रुपये	5000
महा संरक्षण सदस्य	रुपये	3000
संरक्षण सदस्य	रुपये	2000
आजीवन सदस्य	रुपये	1000
वार्षिक सदस्य	रुपये	25
पंचवार्षिक शुल्क	रुपये	150
जैन एकतासंदेश वार्षिक	रुपये	25

विज्ञापन शुल्क की दरें		रुपये
कवर पृष्ठ iv	आर्ट पेपर चार रंगो में	7
कवर पृष्ठ ii-iii	आर्ट पेपर चार रंगो में	5000
खंड विभाग संम्पूर्ण पृष्ठ	रंगीन पेपर	2000
स्पेशल. सम्पूर्ण पृष्ठ	रंगीन पेपर	1500
सम्पर्ण पृष्ठ	साधारण पेपर	1000
अर्ध पृष्ठ	साधारण पेपर	500
शुभ कामनाएँ	साधारण पेपर	300

सभी सदस्यों, दानदाताओ, सहयोगियों एवं विज्ञापनदाताओं का हार्दिक आभार,

धन्यवाद

श्री मीठालाल सिंघवी
बम्बई

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के भीलवाडा जिले मे गगापुर शहर मे हुआ। उदारमना, कर्मठ समाज सेवा म हर समय अग्रणी उत्साही सरल हृदय हसमुख मिलनसार श्री मीठालालजी सा सिंघवी हर कार्य मे हमेशा अग्रसर रहते हैं। आपका वर्तमान म बम्बई सूरत, गगापुर (भीलवाडा) मे कपडे की मिले एव थोक म व्यवसाय है। आप श्री व स्था जैन श्रावक सघ (मेवाड) बम्बई के सस्थापक एव कई वर्षो तक अध्यक्ष पद पर रह हैं। वर्तमान म सघ के उपप्रमुख हैं। इनके अलावा अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रस के कार्यकारिणी के सदस्य श्री ओसवाल जैन मित्र मण्डल बम्बई के पदाधिकारीगण श्री व स्था जैन श्रावक सघ सूरत के कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण आदि पदो पर कार्यरत् हैं। बम्बई मेवाड सघ की स्थापना एव 7 स्थानक भवनो के निर्माण कार्यो म आपका सहयोग सर्वोपरि है। आप अनेक सस्थाओ से जुडे हुए हैं एव अनेक सस्थाओ को काफी मात्रा मे दान देने मे भी प्रसिद्ध हो। आप सभी तीन भ्राता बम्बई सूरत, गगापुर मे व्यवसाय कार्य मे कार्यरत् हैं। आज आपका बम्बई, सूरत एव मेवाड प्रान्तो म काफी प्रभावशाली नाम है। आप अनेक कार्यक्रमो में पूर्ण सक्रिय रूप से भाग भी लेते रहते हैं। आप वैसे तो सभी सत-सतियों की सेवा मे अग्रसर रहते हैं परन्तु विशेषकर श्रमण सघ के प्रवर्तक श्री अबालालजी म सा एव महामत्री बम्बई युवक जाग्रति सगठन प्रेरक श्री सौभाग्य मुनिजी म 'कुमुद' के परम भक्तो म से अतेवासी परम सर्वोपरि भक्त हैं।

जैन धर्म के कपड़े के रगीन बैनर

रचनाएँ व लेख आमन्त्रित है

परिषद का मुख पत्र - 'जैन एकता सन्देश' मासिक पत्र मे लेख, रचनाएँ, सस्मरण, कविताएँ, समाजोत्थान सुझाव पुस्तक समीक्षा समाचार आदि प्रकाशनार्थ आमन्त्रित है।

सभी पूज्य आचार्यो, मुनिराजो, साध्वियो, श्री सघो, महानुभावो से नम्र निवेदन है कि उपरोक्त पत्र हेतु रचनाएँ समाचार, लेख, सुझाव, सस्मरण, पुस्तक समीक्षार्थ पुस्तके आदि प्रेषित करने की कृपा करे।

विनीत– बाबूलाल जैन 'उज्जवल

परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र मुनिजी म. सा. आदि ठाणाओं का लुधियाना, [illegible] श्री [illegible] मुनिजी म. सा. आदि ठाणाओं का ब्यावर, प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म. सा. आदि ठाणाओं का [illegible], श्री [illegible] मुनिजी म. सा. आदि ठाणाओं का भावनगर, [illegible] रत्न श्री पद्म मुनिजी महाराज सा. ठाणा 2 [illegible] परम विदुषी महासती श्री चन्दनाजी महाराज सा. आदि ठाणा [illegible] वर्ष 1994 का चातुर्मास, ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधनाओं [illegible] परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ—

फोन 560153

इन्द्रसिंह बाबेल (जैन)

एवम्

श्रीमती पुष्पा बाबेल (जैन)

"दिवाकर दीप"

38, सहेली नगर, सहेली मार्ग,
उदयपुर-313 001 (राज)
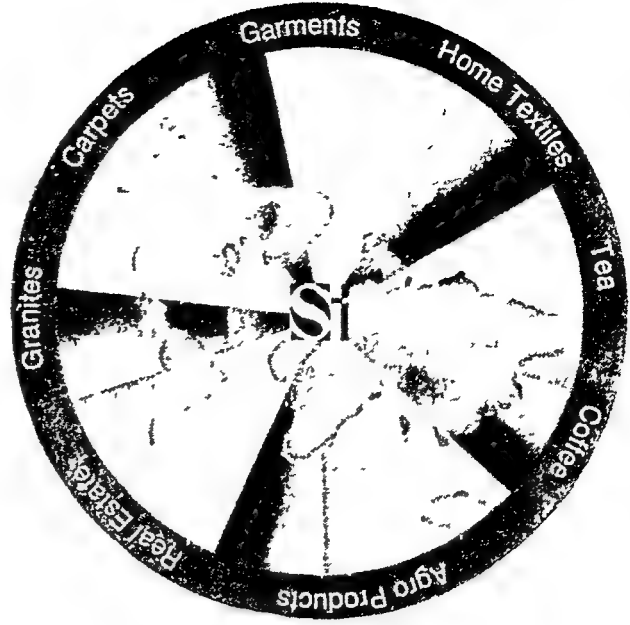
भाग-द्वितीय

सारणियां एवं तालिकाएँ

अनुक्रमणिकाएँ

अन्य जानकारियाँ

प्रकाशकीय

अ.भा. समग्र चैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् द्वारा प्रकाशित "समग्र जैन चातुर्मास सूची, 1994" का अंक आपके सन्मुख प्रस्तुत करते हुए परम प्रसन्नता अनुभव करते हैं।

विश्वविख्यात प्रामाणिक सूची:—संपूर्ण विश्व के समग्र जैन समाज की असाम्प्रदायिक यही एकमात्र पूर्ण एवं प्रामाणिक विश्वविख्यात चातुर्मास सूची है, जिसे संपूर्ण जैन समाज के हर वर्ग ने एक स्वर से स्वीकार भी किया है। आज संपूर्ण विश्व का समग्र जैन समाज इस सूची से काफी लाभान्वित हो रहा है और भविष्य में भी काफी लाभान्वित होता रहेगा। चातुर्मास के पश्चात् भी दीक्षोत्सव, पट्टोत्सव, प्रतिष्ठोत्सव, सम्मेलनों एवं अन्य विशाल कार्यक्रमों में समग्र जैन समाज के संपर्क सूत्र एक जगह प्राप्त करने वाली यही एकमात्र सूची है, जो बारह महीने ही उपयोग में आती है। अब यह सूची देश-विदेशों में काफी लोकप्रिय हो चुकी है। इसकी लगभग 500 प्रतियाँ विदेशों मे भी जाती है।

संकलन संपादन कार्य:—समग्र जैन चातुर्मास सूची का संकलन संपादन का कार्य, कर्मठ, उत्साही, कार्यकर्ता, जैन श्रृंगार, उत्कृष्ठ सेवाभावी, समाजसेवी श्री बाबूलाल जैन "उज्जवल" ने बड़ी कुशलता, तत्परता, लगन, उत्साह से सही समय पर पूर्ण कर आप तक पहुँचाया है। उनकी समाजसेवा से ही यह कार्य पूर्ण हुआ है। श्री "उज्जवल" सभी कार्यों को छोड़कर अपना एकमात्र ध्यान इसी ओर केंद्रित करके इस कार्य में जुट जाते हैं। इंदौर प्रेस में हर वर्ष 15-20 दिन तक वहाँ ही रहकर भूख-प्यास की चिंता किये बगैर असह्य कष्ट को सहन करते हुए यह कार्य पूर्ण करके ही दम लेते हैं।

आर्थिक संकट टला नहीं:—इस कार्य मे गत वर्ष भी हमारी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर ही रही थी। हमारे पास न तो कोई स्थायी फंड है और न ही किसी आचार्य-भगवंत की छत्रछाया, हम तो यह कार्य सिर्फ विज्ञापन, पुस्तक भेंट-योजना, सदस्यता शुल्क आदि से ही विगत वर्षों से पूर्ण करते चले आ रहे हैं। इस वर्ष विज्ञापन भी कम ही प्राप्त हुए है एवं सहयोग भी कम ही प्राप्त हुआ है। इस वर्ष सूची का पूर्ण कार्य कम्प्यूटर ऑफसेट एवं कलर में करवाने के कारण इस वर्ष की आर्थिक स्थिति भी काफी कमजोर रहेगी। आप सभी से नम्र निवेदन है कि चातुर्मास के उपलक्ष्य मे इस परिषद् को भी फूल नही तो पंखुड़ी ही सही, कुछ न कुछ सहयोग अवश्य प्रदान करें। यह परिषद् भी आपकी अपनी ही संस्था है।

देरी का कारण टला नहीं:—यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी विज्ञप्ति सूचना को ध्यान में रखकर कुछ विशाल समुदायो को छोड़कर प्राय: कर सभी समुदायों की सूचियाँ समय पर प्राप्त हो गई थीं, परंतु फिर भी कई समुदायों की सूचियाँ चातुर्मास प्रारंभ होने के 15-20 दिन बाद तक प्राप्त होने के कारण देरी का कारण बना। हमने तो सभी से यही निवेदन किया था कि चातुर्मास प्रारंभ होने तक सभी सूचियाँ हमे भिजवा देवें; लेकिन विगत वर्षों की भाँति इस बार भी देरी का ही कारण बना।

इस वर्ष अगस्त माह में सर्वाधिक छुट्टियाँ आने, बरसात के कारण बंबई से इंदौर कागज का माल समय पर नही पहुँचने के कारण भी देरी हो गई।

चातुर्मास चार्ट का प्रकाशन:—इस वर्ष श्वेतांबर स्थानकवासी समुदाय के तीन तरह के चार्ट प्रकाशित किए हैं, जिनमे एक चार्ट हिंदी भाषा में एवं दूसरा चार्ट गुजराती भाषा मे है। प्रथक चार्ट बंबई महानगर स्थानकवासी समुदाय का गुजराती भाषा में इसके सौजन्यदाता श्री सुखलालजी कोठारी, बंबई, द्वितीय चार्ट श्वेतांबर स्थानकवासी श्रमण संघ एवं स्वतंत्र संप्रदायों का हिंदी भाषा में, जिसके सौजन्यदाता श्री मीठालालजी [illegible]घवी, बंबई वाले एवं

तृतीय चार्ट श्वेतांबर स्थानकवासी वृहद् गुजरात सम्प्रदायों का गुजराती भाषा में जिसके सौजन्यदाता श्री दामजीभाई मूलजी भाई (रताडिया-कच्छ) हैं। उपर्युक्त तीनों चार्ट सभी जगह प्रेषित किए जा चुके है एवं सभी को निःशुल्क प्रदान किये जा रहे है। सभी चारों चार्ट के चारों सौजन्यदाताओं के हम बहुत-बहुत आभारी हैं।

भेंट योजना—परिषद् की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर होने से सभी को पुस्तकें निःशुल्क भेजने में हम असमर्थ है, हमने विज्ञापन पत्र में एवं विज्ञप्ति में सूचना जारी कर दी थी कि कोई भी महानुभाव श्रीसंघ संस्थाएँ अपनी-अपनी समुदायों के लिए पुस्तक भेंट योजना में अपना सहयोग प्रदान करें। उनके सहयोग से हमारी आर्थिक स्थिति सुधर सकती है एवं सभी पूज्य साधु-साध्वियों को पुस्तक उनकी ओर से प्राप्त हो सकती है।

गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भेंट योजना में कुछ समुदायों को छोड़कर अधिकांश समुदायों की ओर से भेंटकर्ताओं का अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ है फिर भी कई समुदाय अभी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है।

अतः हम इस वर्ष भेंट योजना में जिन-जिन महानुभावों से सहयोग प्राप्त हुआ है, उनकी समुदायों के अलावा किसी भी समुदाय के साधु-साध्वियों को पुस्तकें निःशुल्क भेजने मे असमर्थ है। सभी समुदायों, जैन श्री संघो, संस्थाओं से नम्र निवेदन है कि यदि आप भी इस पुस्तक को प्राप्त करना चाहते हैं तो रुपए 25/- शीघ्र भेजकर प्राप्त कर सकते है। विवशता के लिए क्षमा।

मुद्रण का कठिन कार्य—आशा-निराशा, फिर आशा —चातुर्मास सूची को तैयार करने में जितनी कठिनाई चातुर्मास सूचियाँ एकत्रित करने, सम्कलन संपादन कार्य करने में नहीं होती, उससे कहीं ज्यादा परेशानी मुद्रण कार्य में होती है। किसी भी प्रकाशन का मुद्रण कार्य समय पर पूर्ण हो जाए, तभी उसका प्रकाशन सफल माना जाता है। हम विगत 12 वर्षों से मुद्रण का कार्य संपूर्ण मध्यप्रदेश की एकमात्र सबसे बड़ी सुप्रसिद्ध नईदुनिया प्रिंटरी, इंदौर से ही मुद्रण कार्य पूर्ण करवाते आ रहे है।

नईदुनिया प्रिंटरी मे हैंड कंपोजिंग का कार्य बंद हो जाने के कारण सूची का अधिकांश कार्य कम्प्यूटर से ऑफसेट पर ही करवाना पड़ा। बंबई में कम्प्यूटर पर पेज बनवाकर नईदुनिया प्रिंटरी में लाए। पुस्तक का कुछ मैटर बंबई में क्रियेटिव पेज सेकर फोर्ट में करवाया। कुछ कार्य नईदुनिया प्रिंटरी वालों से पूर्ण करवाया। इसी कारण मुद्रण की इस बार व्यवस्था बराबर नहीं बैठने के कारण कुछ देरी हो गयी, परंतु फिर भी हम नईदुनिया प्रिंटरी को धन्यवाद देना चाहेंगे कि उन्होंने दूसरो का कार्य बीच में रोककर इस कार्य को ऑफसेट से मुद्रित करके दिया। इसके अलावा तीनों तरह के चार्ट जयंत प्रिंटरी बंबई द्वारा मुद्रित किया गया।

हम नईदुनिया प्रिंटरी के संचालक मंडल को जितना धन्यवाद देवें उतना कम है। उन्होने अपना अन्य कार्य को बीच में ही रुकवाकर इस कार्य को सर्वप्रथम प्रमुखता प्रदान की और इतने वर्षों का जो प्रेम व्यवहार बना हुआ है उसे ध्यान में रखते हुए इस कार्य को समय पर पूर्ण करने की पूरी कोशिश की।

अतः क्रियेटिव पेज सेकर, बंबई, जयंत प्रिंटरी, बंबई एवं नईदुनिया प्रिंटरी, इंदौर के संचालक मंडल एवं कर्मचारियों मंडल के हम बहुत-बहुत आभारी है सभी को हम बहुत-बहुत धन्यवाद प्रदान करते हैं।

हार्दिक आभार—अतः हम सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों साध्वियोजी म.सा., जैन श्री संघों, हितैषी महानुभावो, विज्ञापनदाताओं भेंटकर्ताओ नए सदस्यो चतुर्विध संघों नईदुनिया प्रिंटरी मंडल एवं जयंत प्रिंटर्स क्रिएटिव पेज सेकर बंबई आदि का हम बहुत-बहुत आभार प्रकट करते हुए सभी से यही आशाएँ करते है कि भविष्य में भी इस तरह का पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे इसी आशाओं के साथ।

बंबई 25-8-1994

—हम है आपके—

दीपचंद भाई गार्डी	शांतिलाल छाजेड़ (जैन)	रमेशचंद जैन, नेमनाथ जैन, डी.टी. नीलर
अध्यक्ष	महामंत्री	मंत्री

सम्पादकीय
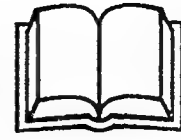
समग्र जैन चातुर्मास सूची 1994 का अंक आपके सन्मुख प्रस्तुत करते हुए परम संतोष का अनुभव कर रहा हूँ।

इस वर्ष इस प्रकाशन के लिए मई माह में ही सूचनाएँ एवं विज्ञप्ति जारी कर दी थी कि सभी पूज्य आचार्य, साधु-साध्वियॉ जैन श्री संघ अपने-अपने होने वाले चातुर्मासों की सूचनाएँ हमें शीघ्र भिजवाएँ। मैने भी अबकी बार यही प्रयास किया कि चातुर्मास प्रारम्भ होने तक यह पुस्तक सभी के पास पहुँचे, परन्तु इस बार भी वही हुआ जो विगत वर्षो में होता आया है। मैं चाहे कितनी ही लाख कोशिश करूँ, परन्तु किसी न किसी कारण से इसका हल नही निकलता और यह मैने विगत कई वर्षो से देखा भी है। कई समुदाय चातुर्मास प्रारम्भ होने के एक माह बाद तक ही अपनी सूचियाँ नहीं भेज पाते या देर से भेजते है, तो फिर आप ही बताइये कि मैं पुस्तक कहाँ से शीघ्र प्रकाशित कर आप तक पहुँचाऊँ ? क्या मुद्रण कार्य में समय नहीं लगता। फिर भी मुझे पूर्ण संतोष है कि चाहे कुछ देर से ही प्राप्त हुई सभी समुदायों की सूचियाँ तो प्राप्त हो रही है। गत वर्ष की भाँति इस वर्ष कुछ को छोडकर सूचियॉ समय पर ही मिल गई।

- सभी समुदायों के साधु-साध्वियों के चातुर्मास स्थलों का विवरण सभी का एक जैसा किया गया है ताकि इसी को फोटोकॉपी करवाकर आप सम्पर्क सूत्र के रूप में प्रयोग में ले सकें।
- श्वे. स्थानकवासी समुदाय एवं श्वेतांबर तेरापंथी समुदाय की सूचियाँ सबसे प्रथम हमें प्राप्त हो जाती है, इसलिए इस पुस्तक का प्रारम्भ हम स्थानकवासी समुदाय से करते है, श्वेतांवर मूर्तिपूजक समुदाय की सूचियाँ काफी देर से आती है, अगर उनकी सूचियाँ पहले प्राप्त हो जाएँ तो हम उनका प्रथक क्रमांक डालकर प्रारम्भ कर सकते है।
- परिषद् का आय-व्यय का हिसाब पुस्तक में इस वर्ष भी प्रकाशित किया गया है।
- पुस्तक का संपूर्ण कार्य इस वर्ष कम्प्यूटर से ऑफसेट पर ही मुद्रण कार्य पूर्ण करवाया है।
- जैन विश्व दर्शन रिकॉर्ड्स एवं पत्र-पत्रिका डायरेक्टरी का प्रकाशन समयाभाव से इसमें नही कर पाया, इसका अब अलग से शीघ्र ही प्रकाशन कर सभी की सेवा में प्रेषित करने की कोशिश कर रहा हूँ।
- मेरे इस कार्य के प्रारंभ से ही प्रेरक अनुयोग प्रवर्तक श्रमण संघीय सलाहकार श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल' रहे है। और आज भी हैं। आपकी छत्रछाया में ही यह कार्य पूर्ण हो पाया है। अत: आपका भी मै बहुत आभारी हूँ।
- इसका निर्देशन श्रमण संघीय प्रवर्तक श्री रूपचन्दजी म.सा. 'रजत' उपप्रवर्तक सलाहकर श्री सुकनमुनिजी म.सा. की छत्रछाया में ही पूर्ण हुआ है, अतः आप दोनों का भी मैं बहुत आभारी हूँ।
- इसके प्रकाशन, लेखन, संकलन, चातुर्मास सूचियाँ आदि एकत्रित करने आदि के कार्यो में समग्र जैन समाज के कई पूज्य आचार्यो, साधु-साध्वियों का पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, स्थानाभाव एवं समयाभाव के कारण सभी के नाम लिखने में असमर्थ हूँ; अतः आप सभी का भी मैं बहुत आभारी हूँ।
- इस वर्ष अधिकांश चातुर्मास स्थलों के फोन नंबर एवं यातायात साधनों का विवरण प्रस्तुत किया है परन्तु फिर भी जिन्होंने नही भेजे, उनके बाकी रह गये।
- अबकी बार परिषद् की नीव सुदृढ करने हेतु देश के कई क्षेत्रों का दौरा करने आया। शिमला, कच्छ, अम्वाला, मैसूर, हुबली, मद्रास, बैगलौर, पूना, जयपुर, लुधियाना, गाजियाबाद, दिल्ली, चंडीगढ़ आदि जहॉ-जहॉ भी मै गया, वहॉ के संघों, धर्मप्रेमी बंधुओं ने मुझे काफी आदर-सत्कार प्रदान किया। आतिथ्य सेवा इस तरह की प्रदान की कि उसे मैं जिदगी भर नही भुला सकता। सभी क्षेत्रों के शाखा संयोजकों, प्रतिनिधियो, श्री संघों, महानुभावों, दानदाताओं ने वहुत ही अच्छी संख्या में सहयोग प्रदान किया है, उसी से इस वर्ष की आर्थिक स्थिति कुछ संतोषपूर्ण बनी है। समयाभाव एवं स्थानाभाव के कारण सभी के नाम व विवरण प्रस्तुत नही कर सका हूँ। अतः आप सभी का मै वहुत-वहुत आभार प्रकट करता हूँ।

- अबकी बार सपूर्ण जैन समाज के प्राय कर सभी जैन पत्र पत्रिकाओ के सम्पादको ने भी सूची की सूचनाएँ अपने अपने पत्रो मे प्रकाशित कर मुझे सहयोग प्रदान किया है, आपके इस काय से ही मेरा यह कार्य समय पर पूण हुआ है, अत आपका भी मै बहुत-बहुत आभारी हूँ।
- विगत 12 वर्षो की भाँति इस वर्ष भी सेवा सदन एव जैन श्वेताम्बर कपड़ा मार्केट मुकुत फड धर्मशाला, इदौर मे भी मै लगभग 20-25 दिनो तक रहा उनका बहुत ही आभारी हूँ जिन्होने वहाँ रहने की अनुमति प्रदान की अत आपके ट्रस्टीगण का भी मै बहुत-बहुत आभारी हूँ।
- इस सूची मे किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक भेदभाव नही रखा गया है। सभी के नाम समान रूप स दिय गय है इस सूची का मुख्य उद्देश्य यही है कि सभी सत सतिया एव समाज की सभी गतिविधिया की पूरी सख्या एव गतिविधिया की सही जानकारी प्राप्त हो जाये। कितने सघ चातुमास से लाभान्वित है एव मुमुक्षु भावो मे कितनी-कितनी प्रगति हुइ है न कि किसी तरह से समाज के पैसो का अपव्यय कर अर्थोपार्जन करना।
- क्रियेटिव पेज मेकर, बबई के श्री राजू भाई ने सूची पुस्तक के पेज कपोजिग का कार्य पूण करके दिया एव नईदुनिया प्रिंटरी इदौर के सचालक व्यवस्थापक श्री अभयजी सा छजलानी, श्री हीरालालजी सा झाँझरी श्री महेन्द्रकुमारजी सा डाँगी, श्री झा साहब एव सचालक मडल आदि का भी अबकी बार भी चिरकृतज्ञ हूँ, जिन्होने समाज हित एव चातुर्मास का लक्ष्य ध्यान म रखकर 550 से अधिक पृष्ठो का यह ग्रन्थ इतनी सुदर, साज-सज्जा, मेकअप, सुदर छपाई करके हमे अबकी बार भी सिर्फ 10 15 दिन मे मुद्रण करके दिया है।
- यह कार्य और जगह होना बहुत ही मुश्किल था। इस प्रयत्न से ही यह प्रकाशन इस रूप मे प्रस्तुत हुआ है। अत आपका भी बहुत-बहुत आभारी हूँ।
- मै यह कार्य विगत 15 वर्षो से सिर्फ सच्ची समाजसेवा हेतु ही बड़ी कठिनाई उठाकर अपारश्रमिक रूप से नियमित पूण करता आ रहा हूँ। इन कार्य म किसी तरह की कोई गलती छपन मे सकलन कार्य मे रह गयी हो, नाम लिखन मे छूट गया हो, नान ऊपर-नीच आ गया हा या किसी अन्य तरह की कोइ अन्य गलती रह गयी हो तो मै चतुर्विध श्री सघो से क्षमा चाहता हूँ।
- अत मे प्रेरक अनुयोग प्रवर्तक प रत्न मुनिश्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल', निर्देशक प्रवर्तक श्री रूपचदजी म सा 'रजत , उपप्रवर्तक सलाहकार श्री सुकनमुनिजी म सा आदि सभी परम श्रद्धय पूज्य मुनिराजो एव महासतिया जी म सा सभी श्री सघो, सभी स्नेही महानुभावो, सभी विज्ञापनदाताओ, सभी पत्र पत्रिकाओ, परिषद् के उत्साही कार्यकर्ताओ प्रतिनिधियो, सूची के सभी शुभ चिंतकों, सभी प्रशसको, हितैषी धर्मप्रेमी बधुओ, नईदुनिया प्रिंटरी (इदौर) एव जयत प्रिटरी बबई (चार्ट मुद्रण) के सचालक मडलम आदि का भी मै बहुत-बहुत आभारी हूँ, जिन्होने मुझे हर प्रकार का सहयाग प्रदान किया है एव आशा करता हूँ कि भविष्य मे भी मुझे इसी तरह पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेगे।
- मै अत करणपूर्वक आप सभी का एव चतुर्विध श्री सघो का भी बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ।

इसी आशा के साथ।

इदौर 25-8-1994

आपका सेवक
बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"
सयोजक-सपादक

जय महावीर

भव्य चातुर्मास

श्री धर्मदास जी महाराज के समुदाय के प्रमुख पूज्यपाद प्रवर्तक श्री उमेशमुनिजी म सा. के आज्ञानुसार आदर्श त्यागी घोर तपस्वी रत्न श्री लालचन्दजी म सा के सुशिष्य मधुर वक्ता श्री कान मुनिजी म.सा. श्री वर्धमान वीतराग संघ के सूत्रधार कुशलमूर्ति सेवाभावी परमपूज्य श्री शीतल राज म.सा., तपस्वी श्री गुलाब मुनिजी म.सा एव सेवाभावी श्री कैलाश मुनिजी म सा. आदि ठाणा ४ का हरसूद जिला खण्डवा (म.प्र.) मे १९९४ का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चरित्र, तप, एव स्वाध्याय की आराधनाओ के साथ सफल यशस्वी एव ऐतिहासिक बनने की मगल कामना करते है।

सपर्क सूत्र
पूज्य गुरुदेव की सेवा में, दिनेश जैन
द्वारा- श्री फतेहचंद जी साड
कीर्ति ज्वेलर्स
हरसूद ४५०११६ जिला खण्डवा (म प्र.)
फोन न. (STD: 07327) २०४६, २०६६

संपर्क सूत्र
नगीन नारेलिया
जैन ड्रेसेस
गोपाल मदिर, राजबाडा, इंदौर, (म.प्र.) ४५२००४
(STD. 0731) फोन न. दुकान ५३२५२८,
नि ५३५२२०

क्षमा वीरस्य भूषणम्

साँवत्सरिक क्षमापना

मन, वचन और काया के योग से स्वार्थ या प्रमाद के वश होकर जाने अनजाने में यदि मैंने सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजों, साध्वियोंजी म. सा. श्रावक श्राविकाओं, श्री संघों आदि चतुर्विध संघ का हृदय दुखाया हो तो उसके लिए

सांवत्सरिक प्रतिक्रमण

करते समय जैसे सभी जीवों से क्षमा माँगी है वैसे ही हम अपने अन्तःकरण पूर्वक आपसे भी क्षमा याचना करते हैं।

विनितः—

बाबूलाल जैन पोरवाल
(इन्दौर—मालवा प्रतिनिधि)
इन्दौर

बाबूलाल जैन 'उज्जवल'
संपादक
समग्र जैन चातुर्मास सूची—जैन एकता सन्देश
बम्बई

नोट—चातुर्मास सूची के कार्य में बहुत ही व्यस्त रहने के कारण सभी को अलग से क्षमा याचना पत्र नहीं लिख सका, अतः इसे ही मेरा क्षमापना पत्र मानें। —सम्पादक

उत्कृष्ट आहार - शाकाहार

शाकाहार सदाचार परिषद
जलगॉव [महा.]

● अध्यक्ष ● सुरेश दादा जैन एम एल ए एवं नगराध्यक्ष ● उपाध्यक्ष ● रविन्द्र प्र पाटील अध्यक्ष जि प जलगाँव	मांसाहार मत कीजिए। देश की पशु सपदा की रक्षा कीजिए। आने वाली पीढियों को अभिशप्त होने से बचाईये।	● कार्याध्यक्ष ● भंवरलाल जैन उद्योगपती ● संस्थापक ● रतनलाल सी बाफणा उद्योगपती

गत १८ महिनों में शाकाहार प्रचार - प्रसार का कार्य- विवरण

१] ९१ हजार शहर-गावों में शाकाहार सबधी सुविचार [Slogans] वॉल पेन्टिग करवाया, जिसे पढकर मासाहारी व्यक्ति सोचता है या मासाहार छोड देता है।
२] ४१५ सार्वजनिक स्थलों पर शाकाहार सबधी भाषण आयोजित।
३] ३०० स्कूलों व १५ कालेजो में शाकाहार भाषण पुस्तकें स्लेटें व युनिफार्म वितरण। लगभग ४ वर्षोसे ५२०००/- वर्षो को साहित्य वितरण।
४] मानवीय आहार - शाकाहार पुस्तक का प्रकाशन।
५] शाकाहार या मासाहार फैसला आप स्वय करें' ऐसी ३० ००० पुस्तकों का मुफ्त वितरण।
६] वारकरी सम्प्रदाय के उत्तर महाराष्ट्र के कीर्तनकारों का सन्त सम्मेलन का आयोजन।
७] शाकाहार प्रशिक्षण सम्मेलन का २ बार आयोजन।
८] डॉ धनजय गुडे कोल्हापुर डॉ कल्याणजी गगवाल पुणे व डॉ नेमीचदजी जैन इन्दौर के भाषणों का आयोजन
९] दै लोकमत में शाकाहार सम्बधी ४० लेख प्रकाशित करवाये गये।
१०] शाकाहार सम्बधी निबन्ध स्पर्धा का आयोजन किया जिसमें करीबन २५०० लोगो ने भाग लिया।
११] चित्रकला स्पर्धा का आयोजन।
१२] मानवीय आहार - शाकाहार उत्कृष्ट आहार - शाकाहार ऐसे ४० ००० स्टीकर जगह जगह लगाये गये
१३] दि ९/१/९४ से २०/१/९४ तक शाकाहार प्रदर्शनी का आयोजन
१४] १३०० अपगो को तीन चाकी सायकिलें वितरित की गई जिसमे सभी अपगों को मासाहार छुडाया गया
१५] १०४१६ धर्माचार्यों को अहिंसा सम्बधी पत्र।
१६] इस जिले के १२ लाख लोगों में से ७ ॥ लाख लोग मासाहारी है। अनुभवी व विद्वान लोगो का अभिप्राय है कि जिस दिन से जलगाव मे अहिसा आन्दोलन शुरु हुआ है लगभग १० % लोगों ने मासाहार छोड दिया है।

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

सन् 1993-1994 की कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण

अध्यक्ष :

श्री दीपचन्दभाई गार्डी — बम्बई

उपाध्यक्ष :

श्री एस. लालचंद वाघमार — मद्रास
श्री विशनजीभाई लखमशी भाई शाह — बम्बई
श्री नगीनभाई विराणी — राजकोट
श्री रिखबचन्द जैन (टी.टी.) — दिल्ली

महामंत्री :

श्री शांतिलाल वी. छाजेड़ (जैन) — बम्बई

मंत्री :

श्री रमेशचन्द्र जैन (पी. एस.) — दिल्ली
श्री नेमनाथ जैन (प्रेस्टीज) — इन्दौर
श्री डी टी नीसर (कच्छ) — बम्बई

सहमंत्री :

श्री किशोरचन्द्र वर्धन — बम्बई
श्री जेठमल चौरडिया — बैंगलोर
श्री नृपराज जैन — बम्बई
श्री कान्तिलाल जैन (पी.एच जैन) — बम्बई

कोषाध्यक्ष :

श्री सपतराज कावडिया — बम्बई

संयोजक-संपादक :

श्री बाबूलाल जैन "उज्जवल" — बम्बई

कार्यकारिणी सदस्यगण :

श्री सुखलाल कोठारी — बम्बई
श्री वंकटलाल कोठारी — पूना
श्री हरकचन्द नाहटा — दिल्ली
श्री सुभाषचन्द्र रूनवाल — बम्बई
श्री मोफतराज मुणोत — बम्बई
श्री जे डी. जैन — गाजियाबाद
श्री सी आर. भसाली — बम्बई
श्री जे माणकचन्द कोठारी — बैंगलोर
श्री जशवंतभाई सी. शाह — बम्बई
श्री हीरालाल जैन — लुधियाना
श्री सुमतिलाल कर्नावट — ठाणा-बम्बई
श्री शांतिप्रसाद जैन (माण्डवी बैंक) — बम्बई
श्री रतनलाल सी. बाफना — जलगाँव
श्री नवरत्नमल एस मुणोत — बम्बई
श्री उमरावमल चौरडिया — जयपुर
श्री जम्बूकुमार भण्डारी — इन्दौर
श्री हसमुखभाई मेहता (वर्धमान-ग्रुप) — बम्बई
श्री अभयराज बलदोटा — बम्बई
श्री एन. ताराचन्द दुगड — मद्रास
श्री प्रतापभाई चौंटीवाला — बम्बई
श्री शांतिलाल दुगड़ — नासिक
श्रीमती सुलोचना देवी लुंकड — बम्बई
श्री शंकरलाल कोठारी (मेवाड़) — बम्बई
श्री माणकचंद साखला — बम्बई
श्री मीठालाल संघवी — बम्बई
श्री इन्द्रचन्द हीरावत — बम्बई
श्री उमरावसिंह ओस्तवाल — भायन्दर
श्री सोहनलाल सिपानी — बैंगलोर
श्री गणपतलाल कोठारी — बम्बई
श्री सी.सी. डागी — बम्बई
श्री अरविन्दभाई डी. लुखी — बम्बई
श्री प्रसन्नकुमार लोढा — बम्बई

सहयोगी कार्यकर्ता :

श्री राणीदान बोथरा — दुर्ग
श्री शांतिलाल साड — बैंगलोर
श्री भाईलालभाई तुरखिया — इन्दौर
श्री गौतमचन्द ओस्तवाल — बंगलोर
श्री इन्द्रसिंह बावेल — उदयपुर
श्री मागीलाल कटारिया — रतलाम
श्री राजेन्द्र ए. जेन — बम्बई
श्री हीरालाल झाझरी (नईदुनिया) — इन्दौर
श्री महेन्द्र डागा (नईदुनिया) — इन्दौर
श्री छोटूभाई छेडा (जयंत प्रिन्टरी) — बम्बई
श्री राजूभाई पारख (क्रियेटिव) — बम्बई
श्री विजयसिंह नाहर — इन्दौर
श्री बाबूलाल जैन पोरवाल — इन्दौर

परामर्श सहयोगी कार्यकर्ता :

श्री रतीलाल सी. शाह "धर्मप्रिय" — बम्बई
श्री जिनेन्द्रकुमार जैन — जयपुर
श्री श्रीचंद सुराना "सरस" — आगरा
श्री रसीकलाल सी. पारख — राजकोट
श्री नगीनभाई शाह 'बावडीकर' — बम्बई
श्री प्रशान्त एम. झवेरी — बम्बई
श्री चिमनभाई कलाधर — बम्बई
श्री जितेन्द्र बिरवाडिया — बम्बई
श्री प्रभूदासभाई पूंजाणी — बम्बई

समग्र जैन चातुर्मास सूची समर्पण तालिका 1979-94

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई द्वारा प्रकाशित स्था एवं समग्र जैन चातुर्मास सूची का विगत 15 वर्षों से नियमित प्रकाशन किया जाता रहा है सन् 1979 मे इसका प्रकाशन प्रारंभ हुआ। सन् 1979 से 1985 तक स्थानकवासी एवं 1986 से 1994 तक समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशित की जा रही है। हम हर वर्ष अलग-अलग सम्प्रदायो के किसी एक पूज्य आचार्य/गच्छाधिपति संघ नायक या मुनिराज के चरणो मे यह सूची पुस्तक समर्पण करते आये हैं, आज तक हम भिन्न भिन्न वर्ष मे जिन जिन को सूची पुस्तक समर्पण कर चुके हैं, उसकी जानकारी यहां दी जा रही है—

क्रम	वर्ष	समर्पण किया उनका नाम	विमोचन-स्थल	सान्निध्य/निश्रा
	1979	चातुर्मास सूची का प्रकाशन प्रारंभ		
1	1979	स्थानकवासी समुदाय के सभी संत-सतियां को	घाटकोपर बम्बई	श्र स उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल'
2	1980	स्थानकवासी समुदाय के सभी संत-सतियां को	वालकेश्वर-बम्बई	श्र स उपाध्याय श्री कन्हैयालाल जी म सा 'कमल'
3	1981	स्थानकवासी समुदाय के सभी संत सतियो को	हैदराबाद	श्र स उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल'
4	1982	लिम्बडी स के आचार्य श्री रूपचन्दजी स्वामी	देवलाली (नासिक)	श्र स उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल'
5	1983	श्र सं के आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋषिजी म सा	नासिक सिटी	श्र स आचार्य सम्राट श्री आनन्दऋषिजी म सा
6	1984	रत्न वशीय आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा	जोधपुर	रत्न वशीय आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा
7	1985	साधुमार्गी आचार्य श्री नानालालजी म सा	घाटकोपर-बम्बई	साधुमार्गी आचार्य श्री नानालालजी म सा
	1986	समग्र जैन चातुर्मास सूची का प्रकाशन प्रारंभ		
8	1986	समग्र जैन सम्प्रदायो के सभी 120 आचार्यों को	इन्दौर	श्र स क्रान्तिकारी श्री सुमन मुनिजी म सा 'कमलेश'
9	1987	श्वे तेरापंथी सम्प्रदाय के आचार्य श्री तुलसी	इन्दौर	श्री भक्ति सूरीजी समु के पन्यास श्री अरुण विजयजी म सा
10	1988	श्वे मूर्ति आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीश्वरजी म सा	इन्दौर	श्र स उपाचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा
11	1989	श्वे स्था ज्ञान गच्छाधिपति श्री चम्पालालजी म सा	इन्दौर	श्र स मनोहरजी श्री मूल मुनिजी म सा
12	1990	श्वे मूर्ति आचार्य श्री जयन्तसेन सूरीश्वरजी म सा "मधुकर"	इन्दौर	श्र स मधुर वक्ता श्री अजित मुनिजी म सा
13	1991	श्वे मूर्ति राष्ट्रसंत आचार्य श्री पद्मसागर सूरीश्वरजी म सा	इन्दौर	अहिंसा रैली सभा म चारो समु के संत सतियो
14	1992	श्वे स्था संघ नायक श्री सुदर्शनलालजी म सा (हरियाणा)	इन्दौर	श्री स्थानकवासी युवक संघ वार्षिक कार्यक्रम मे
15	1993	श्वे स्था श्र स आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्रमुनिजी म सा	भीलवाडा	श्र स आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा
16	1994	श्वे स्था श्र स घोर तपस्वी श्री सहज मुनिजी म सा	इन्दौर	अ भा श्वे जैन महासंघ सामूहिक क्षमापन समारोह श्वे समुदाय के साधु साध्वियो को

नम्र अपील

आपको यह तो भलीभाँति विदित ही है कि अ भा. समग्रजैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई द्वारा समग्र जैन समाज के चारो समुदायों की पूर्ण एवं प्रमाणिक अद्वितीय समग्र जैन चातुर्मास सूची का प्रकाशन विगत १६ वर्षों से नियमित किया जाता रहा है। जिसमे समग्र जैन समाज के सभी साधुओं की जानकारीयाँ उपलब्ध रहती है। हम चाहते है कि सभी साधु- साध्वीयों के सम्पूर्ण रिकार्ड एकत्रित करें ताकि किसी भी समय अगर किसी के बारे में जानकारीया या फोटो चाहिए तो हमे सुगमता से प्राप्त हो सके। अत. सभी पूज्य आचार्य भगवतो, मुनिराजो साध्वीयो जी स सा. की सेवा में नम्र निवेदन है कि आप सभी के अपने-अपने सक्षिप्त जीवन परिचय एव फोटो इस परिषद् को भी भेजने की कृपा करे। जो पूज्य आचार्य भगवन एव सघ नायक, साधु साध्वीयाँ फोटो नही खिचवाते है वे सिर्फ अपना परिचय ही प्रेषित करे। हम कई स्थानो पर जैन प्रदर्शनीयाँ, जीवन प्रकाश योजना प्रदर्शनी, तपोत्सव, सम्मेलन अधिवेशन आदि के अवसर पर जैन समाज के साधु-साध्वीयो की तालिकाओं एव साधु-साध्वीयों के परिचय फोटो आदि की हर जगह प्रदर्शनियाँ आदि भी लगाते रहते हैं। अत आपकी जानकारियों का हमारे पास उपलब्ध रहना अति आवश्यक है।

अत. समग्र जैन समाज के चारो समुदायो के सभी पूज्य आचार्य भगवतों, सघ नायक, साधु-साध्वीयो से नम्र निवेदन हैं कि आप भी अपना जीवन परिचय फोटो हमें अवश्य प्रेषित करने की कृपा करें।

- संपादक

आवश्यक सूचना

समग्र जैन समाज के सभी समुदायो के पूज्य आचार्यो साधु-साध्वीयो श्री सघों सस्थाओ (जिनकी भेंट प्राप्त हुई) माननीय सदस्य गणो, विज्ञापन दाताओ भेटकर्ताओं, ग्राहक वधुओं, सपादक महोदयों, सहयोगी वधुओं आदि आप सभी को समग्र जैन चातुर्मास सूची १९९४ का अक डाक द्वारा भेजा जा रहा है। आपको यह अक ज्योंही प्राप्त हो कृपया पोस्ट कार्ड या पत्र द्वारा पहुँच अवश्य प्रेपित करें ताकि हमें सतोप हो सके कि आपको अक प्राप्त हो गया है।

- संपादक

अ. भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

परिषद् के प्रधान, शाखा कार्यालय एव प्रतिनिधि मण्डल

प्रधान कार्यालय

सयोजक–श्री बाबूलाल जैन 'उज्जवल'
105, तिरुपति अपार्टमेंटस्, आकुर्ली क्रोस रोड न 1,
कांदिवली (पूर्व) बम्बई-400 101 (महाराष्ट्र)
फोन न 8871278

शाखा कार्यालय

1 मद्रास शाखा–श्रीलालचन्द एस बागमार, 80 ओयप्पा नायकन स्ट्रीट, साहूकार पेठ, मद्रास-600079 (तमिलनाड)
फोन न आफिस-5222605, 5222066, निवास-6423271, 6426223

2 दुर्ग-छत्तीसगढ शाखा–श्री गणीदान बोथरा मेसस खेतमल गणीदान बोथरा बरतनों के थोक विक्रेता, गनिश्वरी बाजार, दुर्ग-491001 (म प्र)
फोन न आफिस 320858, निवास 320671

3 इन्दौर-मालवा शाखा–श्री बाबूलाल जैन पोरवाल, C/o जैन किराणा भण्डार, 70 रामगज (जिन्सी) मेन रोड इन्दौर-452002 (म प्र)

4 नागपुर विदभ शाखा–श्री हुमराज गोलेच्छा (गुरुजी) शाह नागजी हीरजी जैन छात्रालय अहिंसा भवन, इतवारी, नागपुर-440002 (महाराष्ट्र)
फोन 47283 पी पी

5 लुधियाना शाखा–श्री फूलचद जैन "मुख्य भ्राता" आत्म रश्मि कार्यालय जैन स्थानक, आत्म चौक रूपा मिस्त्री गली, लुधियाना-141008 (पजाब)

6 कोटा प्रतिनिधि–श्री हुकमचन्द जैन (बरखाडावाला) मैसस वधमान टेक्सटाईल्स एजेन्सी, मेहरापाडा सजाजखाना कोटा-324006 (राजस्थान)

प्रतिनिधि मण्डल–

1 जलगांव प्रतिनिधि – श्री प्रकाशचद हुण्डीवाल, मैसस गजेन्द्र इलेक्ट्रोनिक्स स्टोस, पाजरापोल बिल्डिंग, नेरी नाका, जलगाव 425001 (महाराष्ट्र)

2 सवाई माधोपुर प्रतिनिधि–श्री सुबाहु कुमार जैन सराफ श्री बजरगलाल महावीर प्रसाद जैन सर्राफ, नगर परिषद् के सामने, सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322021

3 लुधियाना प्रतिनिधि–श्री हीरालाल जैन (प्रधान) आत्म नगर, लुधियाना-141 008 (पजाब)

4 दिल्ली शाखा–श्री राधेश्याम जैन (रोहिणी) मैसस–राम मोम सेल्स कार्पोरेशन, 3228/2 गली पीपल महादेव Opp चामुण्ड मदिर, हौजकाजी, दिल्ली-110006, फोन न आफिस–3273527, 3264925 निवास–7271585, 7272136

5 उत्तरप्रदेश प्रतिनिधि–श्री जे डी जैन, के बी 45, कविनगर, गाजियाबाद (उत्तर-प्रदेश)-201001

6 मद्रास द्वितीय (तमिलनाडु) श्री एम एम एम जैन, एम एम एस जैन ट्रस्ट, 52 अलवार पेट स्ट्रीट, अलवार पट मद्रास-600 018 (तमिलनाडू)
फोन न 450489

7 रतलाम प्रतिनिधि–श्री मागीलाल कटारिया (मत्री) 19/3 केनाल रोड, रतलाम-457001 (म प्र)
फोन 22681 20288

8 उदयपुर प्रतिनिधि –श्री इन्द्रसिंह बाबेला, दिवाकर दीप 38 महेन्द्र नगर, महेन्द्र मार्ग, उदयपुर-313001 (राजस्थान) फोन न 561153

9 बेंगलोर प्रतिनिधि–श्री गौतमचन्द ओस्तवाल, सपादक मोक्षद्वार (पाक्षिक), न 53, 1मंजिल, 2री मेन रोड, 4वा क्रोस नागप्पा ब्लोक, बैंगलोर-560021 (कर्नाटक)

10 राजकोट प्रतिनिधि–श्री रसिकलाल सी पारख, तत्री जैन क्राति (मासिक) 31/36 करणपरा, राजकोट-(गुजरात)-360001

11 सुरेन्द्रनगर प्रतिनिधि–श्री हसमुखभाई मेहता (सियाणी वाले) मैसस चामुण्डा काटन ट्रेडर्स, मेहता मार्केट, सुरेन्द्रनगर (गुजरात) 363001
फोन आ -21243, 23074, नि 22462

12 आगरा प्रतिनिधि–श्री स्वरूप जैन, 22/4 बाग अता, लोहा मण्डी, आगरा-282003 (उत्तर प्रदेश)

13 मुजफ्फर नगर प्रतिनिधि–श्री विनोद कुमार जैन, मैसस विनोदकुमार हीरालाल, वैक्स, यू मण्डी मुजफ्फर नगर (उत्तर प्रदेश)-251001
फोन आफिस 403522, 403122, निवास–405938

14 **नासिक प्रतिनिधि**–श्री शांतिलाल दुगड, मून्दडा हाउस, 2माला,एम जी.रोड, नासिक सिटी-422001(महा.)

15. **भुज-कच्छ प्रतिनिधि**–श्री अमृतलाल डी. मेहता (कोन्ट्रेक्टर) सिद्धांचल, होस्पीटल रोड, भुज-कच्छ (गुजरात)-370001 फोन नं 20816, 24816

16. **जयपुर प्रतिनिधि**–श्री उमरावमल चौरडिया, 13 तख्तेशाही रोड, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)-302004

17. **अहमदनगर प्रतिनिधि**–श्री अशोक (बाबू सेठ) बोरा मैसर्स विजय साडी सेटर, महात्मा गाँधी मार्ग, अहमदनगर-414001 (महाराष्ट्र)

18 **रायपुर प्रतिनिधि**–श्री धर्मचन्द धारीवाल, सूर्य-वन्दना प्रेस, धारीवाल गली, सदर बाजार, रायपुर-492001 (म. प्र.)

19 **राजनांदगाँव प्रतिनिधि**–श्री संतोषचन्द बाफना मैसर्स प्रकाश प्लायवूड, समाधीन मार्ग, राजनांदगाँव (म. प्र) 491441 फोन 6331,

20. **बालोतरा प्रतिनिधि**–श्री ओमप्रकाश बाठीया (सी.ए.) भेरु बाजार, बालोतरा, जिला–बाड़मेर, (राजस्थान)-344022

21. **बालाघाट प्रतिनिधि**–श्री प्रकाशचंद बागरेचा, मैसर्स पायल गारमेटस, सदर बाजार, बालाघाट (म प्र.)

22 **धमतरी प्रतिनिधि**–श्री दीपक बाफना, धमतरी जिला - दुर्ग (म प्र.)

23. **अहिवारा प्रतिनिधि**–श्री लालचद बाफना, मु पो. अहिवारा जिला-दुर्ग (म. प्र.)

24 **हुबली प्रतिनिधि**–श्री प्रवीण बाफना मैसर्स सघवी एजेन्सीज हीरापेठ हुबली (कर्नाटक) 580028

25. **ब्यावर प्रतिनिधि**–श्री सिरेहमल जैन मालियान गली, शाहपुर मोहल्ला ब्यावर जिला-अजमेर (राजस्थान)-305901

नोट– भारत के विभिन्न शहरो में परिषद के प्रतिनिधि बनने वाले इच्छुक महानुभाव परिषद् के प्रधान कार्यालय से सम्पर्क कर नियमावली प्राप्त करे। उपरोक्त प्रतिनिधियो के अलावा हमारे अन्य और कोई प्रतिनिधि नही है।

समग्र जैन चातुर्मास सूची–बम्बई की हर क्षेत्र–समय में उपयोगिता

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई द्वारा प्रकाशित भारत के समग्र जैन समाज के सभी समुदायो के लगभग 10 हजार जैन साधु-साध्वियो के प्रतिवर्ष होने वाले चातुर्मासो एवं समाज की सभी गतिविधियो की सभी जानकारियों की सम्पूर्ण जैन समाज की प्रसिद्ध एक मात्र पूर्ण एव प्रमाणिक "समग्र जैन चातुर्मास सूची" का विगत 15 वर्षो से नियमित प्रकाशन किया जाता रहा है।

इस चातुर्मास सूची से आज सम्पूर्ण विश्व का जैन समाज काफी लाभान्वित हो रहा है। प्रति वर्ष होने वाले जैन साधु-साध्वियो के चातुर्मासों के बारे मे तो मार्गदर्शन मिलता ही है साथ मे एक दूसरे समुदाय की गतिविधियों की जानकारियाँ भी एक जगह उपलब्ध हो जाती हैं जैन एकता स्थापित करने मे इस पुस्तक का काफी योगदान रहा है। इस पुस्तक की माँग देश-विदेशो तक पहुच गयी है क्योकि सम्पूर्ण विश्व मे जैन समाज की ऐसी पुस्तक अन्य कही से भी प्रकाशित नही होती है। इस परिषद् द्वारा ही एकमात्र यह सूची पुस्तक प्रकाशित होती है जो पूर्ण एवं प्रामाणिक एवं असाम्प्रदायिक है। यह बात समग्र जैन समाज ने एक स्वर से स्वीकारी भी है।

कई महानुभाव इस पुस्तक के बारे मे यह तर्क देते रहते है कि यह पुस्तक तो मात्र चातुर्मास काल तक ही काम में आती है। मेरे ख्याल से उनका यह सोचना गलत है यह सूची पुस्तक बारह महीने हर समय, हर वर्ग, हर क्षेत्र मे काम आती रहती है। लेकिन जितना उपयोग चातुर्मास काल मे होता है उतना अन्य समय मे कम होता है। फिर भी महत्व तो बना ही रहता है। चातुर्मास समय के पश्चात् अगर कही पर भी कोई दीक्षोत्सव पट्टोत्सव, प्रतिष्ठोत्सव सम्मेलन अधिवशन नामकरण उदघाटन या अन्य कोई भी कार्यक्रम आयोजित होते है। उनको आमंत्रण पत्रिकाओ के लिए सम्पर्क सूत्र इस पुस्तक से ही प्राप्त किये जाते हैं, क्योकि इतने सम्पर्क सूत्र एक जगह कही से भी प्राप्त नहा हो सकते, चाहे चातुर्मास स्थलो से साधु-साध्वियो का वहाँ से विहार हो गया हो, लेकिन सम्पर्क सूत्र तो नही बदलते वह तो स्थायी रहते हैं और सारे सम्पर्क सूत्र एक जगह प्राप्त किये जा सकते हैं। इसके अलावा जैन समाज की जानकारियाँ जानने वालो के लिए यह सूची पुस्तक महत्वपूर्ण कडी है। भविष्य मे यह पुस्तक जैन इतिहास पूर्ण एवं प्रमाणिकता का जीता-जागता नमूना सिद्ध होगा। इस तरह इसकी उपयोगिता बारह महीने हर समय हर वर्ग हर क्षेत्र मे काफी महत्वपूर्ण है।

अ भा समग्र जैन चातुर्मास

सन 1992-93 वर्ष का

सन् 1992 रुपये	आय विवरण	सन् 1992-93 रुपये
—	पुरानी बाकी शुद्ध नफा/नुकसान रहा	—
	विज्ञापन एवं सदस्यता शुल्क से प्राप्त आय	
61 965=00	बम्बई प्रधान कार्यालय बाबूलाल जैन उज्ज्वल	86,302=00
5,288=00	इन्दौर शाखा श्री बाबूलाल जैन पोरवाल	12,263=00
2,201=00	छत्तीसगढ दुर्ग शाखा श्री राणी दान बोथरा	8,800=00
13 200=00	श्री डी टी नीसर द्वारा प्राप्त आय	18,500=00
2 000=00	रतलाम प्रतिनिधी श्री मांगीलाल कटारिया	2 000=00
1,500=00	उदयपुर प्रतिनिधी श्री इन्द्रसिंह बावेल	3 000=00
1,300=00	मुजफ्फरनगर प्रतिनिधी श्री विनोद कांत जैन	1,300=00
950=00	बैंगलोर प्रतिनिधी श्री गौतमचंद ओस्तवाल	1,000=00
600=00	मद्रास शाखा श्री लालचंद बाघमार	1 650=00
12 000=00	दिल्ली शाखा श्री राधेश्याम जैन (रोहिणी)	1,000=00
3,319=00	जलगांव प्रतिनिधी श्री गौतमचंद हुण्डीवाल	—
1 000=00	गाजियाबाद प्रतिनिधी श्री ज डी जैन	—
—	लुधियाना प्रतिनिधी श्री फूलचंद भ्राता	4,125=00
—	लुधियाना प्रतिनिधी श्री हीरालाल जैन	5 000=00
—	राजनांदगांव प्रतिनिधी श्री सन्तोषचन्द्र बाफना	1,000=00
—	रायपुर प्रतिनिधी श्री धर्मचंद धारीवाल	900=00
—	बालाघाट प्रतिनिधी श्री प्रकाशचंद्र बागरेचा	540=00
1,05,323=00	भेंट योजना से प्राप्त आय—	1,47,380=00
13,500=00	चातुर्मास सूची भेंट योजना से प्राप्त आय	27,525=00
	आर्थिक सहयोग प्राप्त आय—	
3,552=00	चातुर्मास के उपलक्ष एवं अन्य प्रसंगो पर साभार प्राप्त	1,380=00
20,325=00	पुराने वर्षों की बकाया राशि प्राप्त	4,328=00
	बिक्री से प्राप्त आय—	
2 118=00	चातुर्मास सूची पुस्तकें बिक्री से प्राप्त आय	1,943=00
1,44,818=00		1,82,556=00
11,870=00	शुद्ध नुकसान रहा जो आगामी वर्ष के लिए रखागया	14,007=00
1,56,688=00		1,96 563=00

नोट—(1) उपरोक्त हिसाब 1 4-93 से 31 3-94 तक की अवधि का है।

(2) कई सदस्यों एवं महानुभावों के लगभग 40 हजार की राशि प्राप्त नहीं हो सकी, प्राप्त होने पर आगामी वर्ष में सम्मिलित की जा सकेगी।

(3) मुद्रण का सम्पूर्ण कार्य आफ सेट कम्प्यूटर से करने के कारण खर्चा बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

(4) विस्तृत जानकारी प्रधान कार्यालय में आकर देख सकते हैं।

बम्बई
10-7 1994

दीपचंद भाई गार्डी
अध्यक्ष

शांतिलाल छाजेड जैन
महामंत्री

सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

आय व्यय का विवरण

सन् 1992-93 रुपये	व्यय विवरण	सन् 1992-93 रुपये
14,498=85	पुराना शुद्ध नुकसान रहा	11,870=00
	समग्र जैन चातुर्मास सूची एवं जैन एकता सन्देश के प्रकाशन कार्य का व्यय	
49,174=00	**छपाई खर्च खाता**—नईदुनिया प्रिन्टरी, इन्दौर, क्रियटीव पेज सेटर-जयंत प्रिन्टरी, बम्बई को दिया	85,627=00
26,512=00	**कागज खर्च खाता**—पुस्तको के लिए कागज इन्दौर, बम्बई आदि स्थानो से खरीदा	39,171=00
1,288=00	**ब्लॉक खर्च खाता**—फोटो के ब्लॉक बनवाने के खर्चा	—
6,498=00	**स्टेशनरी खर्च खाता**—स्टेशनरी, कागज, लिफाफे, जेरोक्स विज्ञापन पत्र, पेन, टाईप आदि स्टेशनरी का	4560=00
28,300=00	**पोस्टेज खर्च खाता**—चातुर्मास सूची, जैन एकता सन्देश के लिए विज्ञापन पत्र, सूचना पत्र, पोस्टर चार्ट स्टाम्प आदि का खर्चा	26,188=00
2,683=00	**पत्र-पत्रिका शुल्क खाता**—जैन समाज की पत्र-पत्रिकाओ का वार्षिक शुल्क का खर्चा	2,246=00
12,758=00	**यात्रा-प्रवास खर्च खाता**—देश के अनेक भागों में यात्रा प्रवास, इन्दौर प्रेस में 1 माह तक दो व्यक्ति रखे उसका खर्चा	14,042=00
1,468=00	**फोरवार्डिग ट्रासपोर्ट खाता**—इन्दौर से बम्बई, बम्बई से इन्दौर एवं अनेक स्थानो मे माल आया-भेजा, उसका खर्चा का	1,560=00
896=00	**टेलीफोन खर्चा खाता**—टेलीफोन, टेलेक्स, तार किया उसका खर्चा	1,135=00
1,835=00	**बैंक खर्च खाता**—ड्रॉफ्ट, चैक क्लियरिंग आदि बैंक खर्चा	1,969=00
3,312=00	**शाखा खर्च खाता**—इन्दौर शाखा का खर्चा आदि	1,435=00
	मेधावी विद्यार्थी अभिनन्दन समारोह खर्च खाता	
6,480=00	राजस्थान प्रान्त के सवाई माधोपुर टोंक, कोटा, बून्दी, बॉरा, आदि जिलो के जैन समाज के लगभग 300 मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का खर्चा	6,136=00
985=15	परचून खर्चा	624=00
1,56,688=00		
—	शुद्ध नफा/नुकसान खर्च रहा, जो आगामी वर्ष के लिए रखा गया	1,96,563=00
1,56,688=00	कुल योग	1,96,563=00

संपत राज कावड़िया कोषाध्यक्ष	रमेशचंद्र जैन नेमनाथ जैन डी.टी. नीसर मंत्री	बाबूलाल जैन 'उज्जवल' संयोजक सपादक

उज्जवल प्रकाशन द्वारा शीघ्र प्रकाशित साहित्य

(1) जैन प्रभावक श्रमण-श्रमणी ग्रंथ (हिन्दी आवृत्ति)

सपूर्ण जैन समाज के वर्तमान और भूतकाल के प्रभावशाली लोकप्रिय आचार्यों, पदवीधारकों एव अन्य साधु-साध्वियों के बारे में एक दूसरे की सपूर्ण जानकारियाँ एक जगह प्राप्त करने हेतु उन सभी का आर्ट पेपर में आमने-सामने के सपूर्ण दो पृष्ठों में चार रगों में रगीन फोटो, परिचय, प्रेरक कार्यों एव अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों का 800 पृष्ठों का हिन्दी भाषा में सम्पूर्ण जैन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपयोगी ग्रथ। इस ग्रथ में सभी की जानकारियाँ एक जगह उपलब्ध होने से जन्म जयती, स्वर्गारोहण, पुण्यतिथि, दीक्षा-पद दिवस आदि कार्यक्रमों में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त होना। मूल्य रुपए 150/-

(2) जिन शासन के श्रेष्ठी रत्न ग्रंथ (हिन्दी आवृत्ति)

सपूर्ण जैन समाज के वर्तमान और भूतकाल के लोकप्रिय प्रभावशाली एव सेवाभावी श्रेष्ठीवर्य रत्न महानुभावों के बारे में एक दूसरे की सपूर्ण जानकारियाँ एक जगह प्राप्त करने हेतु, उन सभी का आर्ट पेपर में सपूर्ण पृष्ठ में रगीन। साधारण फोटो, परिचय, सम्पर्क सूत्र, प्रेरक सेवा कार्यों एव अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों का 800 पृष्ठों का हिन्दी भाषा में सपूर्ण जैन समाज के लिए महत्वपूर्ण ग्रथ। इस ग्रथ में सभी की जानकारियाँ एक जगह प्राप्त होने से एक दूसरे के बारे में सभी वर्ग जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे। मूल्य रुपए 150/-

अपनी प्रति शीघ्र बुक करा लेवें

प्राप्ति स्थल

उज्जवल प्रकाशन

105, तिरुपति अपार्टमेन्ट्स, आकुर्ली क्रोस रोड न -1
कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 (महाराष्ट्र) फोन 8871278

आवश्यक सूचना

इस वर्ष अगस्त माह मे सर्वाधिक अवकाश अधिक होने से मेटर कपोज नहीं हो सका एव बरसात अधिक होने से जो कागज बंबई से इदौर ट्रासपोर्ट मे देरी से इदौर आने एव प्रेस मे कार्य की अधिकता के कारण इसके मुद्रण कार्य मे काफी विलब हो गया, इसके लिए मै चतुर्विध संघ से हार्दिक क्षमा प्रार्थी हूँ। आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य म स्वय के कम्प्यूटर स कार्य करन मे ऐसा नहीं हो सकेगा। आशा है आप मेरी विवशता को ध्यान म रखते हुए मुझे इस वर्ष अवश्य ही क्षमा करेंगे। —सपादक

समग्र जैन चातुर्मास सूची 1994 के प्रकाशन कार्य पर—

"अभिमताष्ट"

उपप्रवर्तक कवि श्री चन्दनमुनिजी म. सा. (पंजाबी)

1

सभी सदस्य प्रकाशन परिषद,
आर्थिक दानी – दाता हैं।
बाबूलाल 'उज्जवल' इसके,
बहुत योग्य निर्माता हैं।।

2

क्यों न फिर चौमासा–सूची,
बढ़–चढ़कर बन पायेगी।
मात्र कहूँ क्यों सूची, यह तो–
ग्रन्थ रतन कहलायेगी।।

3

स्थानकवासी, तेरापन्थी,
श्वेताम्बर या दिगम्बरजी।
सबके ही चौमासे इसमें,
छपते है इक नम्बर जी।

4

भेदभाव का काम नहीं कुछ,
ऐसी सूची प्यारी है।
इसीलिये तो सभी सूचियों–
से यह सचमुच न्यारी है।।

5

जानकारियाँ और अनेकों,
ऐसी-ऐसी मिलती हैं।
पढ़-पढ़ पाठकगण के मन की,
जिससे कलियाँ खिलती हैं।।

6

हरइक जैनी भाई इसको,
रखे हमेशा अपने पास।
चौमासों का इसे समझिये,
शानदार ही इक इतिहास।।

7

महंगाई के युग में यद्यपि,
लागत काफी आती है।
सबको सादर अल्प मूल्य में,
फिर भी यह दी जाती है।।

8

"चन्दन मुनि" पंजाबी, परिषद,
की यह सभी बड़ाई है।
स्थान-स्थान से अतः इसे नित,
मिलती बहुत बधाई है।।

पारदर्शी - शुभाभिलाषा

(दोहा-छन्द)

सन् उन्नीसौ चौराणु, सूची चातुर्मास।
"पारदर्शी" सही समय, पहुँचे सबके पास।।1।।

कौन सन्त ठहरे कहाँ, चातुर्मासी आय।
"पारदर्शी" "उज्ज्वलजी", पूरा पता बताय।।2।।

सभी पन्थ के सन्त का, मिलता है सहयोग।
चातुर्मास सूची का, करते है उपयोग।।3।।

चातुर्मास सूची तो, छपती है प्रति-वर्ष।
"पारदर्शी" मनचाहे, करो सन्त के दर्श।।4।।

घर बैठे ही मिल रही, सन्तों की पहचान।
"पारदर्शी" "उज्ज्वलजी", जिन-शासन की शान।।5।।

सफल प्रकाशन हो सदा, करूँ प्रार्थना आज।
"पारदर्शी" "उज्ज्वल" पर, कृपा करें मुनिराज।।6।।

चातुर्मास सूची है, "उज्ज्वल" का श्रम-सार।
"पारदर्शी" बधाइयाँ, कर लेना स्वीकार।।7।।

शुभाभिलाषी—
पारदर्शी
उदयपुर

समग्र जैन चातुर्मास सूची के प्रकाशन कार्य मे बाधाएँ और समाधान

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई द्वारा समग्र जैन समाज की पूर्ण एव प्रमाणित एक मात्र समग्र जैन चातुर्मास सूची का विगत 15 वर्षों मे प्रति वर्ष नियमित प्रकाशन कार्य किया जाता रहा है। इस विशाल सूची ग्रथ का प्रतिवर्ष प्रकाशन कार्य करना कोई आसान कार्य नही है। एक तरफ समय पर पूरी जानकारियाँ प्राप्त नहीं होती तो दूसरी तरफ समय की पाबदी का खतरा हमेशा सिर पर मडराता रहता है फिर भी कई तरह की परेशानिया का सामना करते हुए समाज सवा का लक्ष्य ध्यान मे रखते हुए यह भारी कार्य पूर्ण होता आया है।

कई धर्म प्रेमी महानुभावो की शिकायत रहती है कि इसका प्रकाशन काफी विलब से होता है इसका एक महत्वपूर्ण कारण यही है कि सभी समुदायो की सूचियाँ हमे समय पर प्राप्त नहीं होती। चातुर्मास प्रारम्भ होने के कई दिनो के पश्चात तक सूचियाँ प्राप्त नहीं होती है फिर हम भला क्या कर सकते है। इसके प्रकाशन कार्य मे निम्नलिखित बाधाएँ हमेशा आती रहती है फिर भी समाधान होते हुए प्रकाशन पूर्ण होता है।

(1) सर्वप्रथम आर्थिक स्थिति के लिए कई स्थानो का दौरा करना पडता है यह कार्य अप्रैल मई माह मे होता है।

(2) सभी साधु-साध्वियो को चातुर्मास सूचियाँ प्रेषित करने बाबत पत्राचार करते है।

(3) चातुर्मास सूचियाँ प्राप्त हो जाने के पश्चात सूची पुस्तक के लिए उनकी हिन्दी मे लगभग 600 पृष्ठो की प्रेस कापी तैयार करनी पडती है। लगभग 600 पृष्ठ हाथ से लिखने पड़ते है क्योकि सूचियाँ तो हर भाषा मे हर प्रकार की रार्इटिग म आती है।

(4) फिर कम्प्यूटर या लटर प्रेस पर कम्पोज करवाना मेटर सेट करना आदि।

(5) मेटर का कम्पोज हो जाने के पश्चात प्रूफ चेक करना। लगभग 600 पृष्ठो का प्रूफ दो बार चेक करना पडता है।

(6) एक तरफ सभी सूचियाँ एक साथ आती है उधर प्रेस कापी का कार्य रहता है तो फिर प्रूफ का भी क्या-क्या करे समय नहीं मिलता।

(7) कम्पोजिग पृष्ठो की नेगेटिव-पोजीटिव कापी आफसट हेतु करवाना (प्रेस मे जब नम्बर लग तब पूर्ण होता है।)

(8) उसके बाद छपाई हेतु प्लेट बनाना (जब नम्बर आने पर)

(9) प्लेट बनने के पश्चात छपाई होना (नम्बर आन पर)

(10) छपने क पश्चात् सभी फॉर्मों की फोल्डिग करना।

(11) फोल्डिग हो जान पर बाइण्डिग कार्य एव कटिग।

(12) बाइडिंग होने के पश्चात पुस्तक की पैकिंग कर स्टाम्प टिकट लगाना।

(13) उसके पश्चात डाकघर मे पोस्ट करना या पार्सल द्वारा रवाना करना।

इन सभी बाधाओ का मुकाबला करने के पश्चात हमारे हाथ मे पुस्तके प्राप्त होती है अगर उपरोक्त कारणो मे स एक कार्य मे भी कुछ गडबड होती है तो गाडी पटरी पर नहीं दौड सकती और देरी का कारण बन जाती है। यह तो हमार लिए नईदुनिया प्रेस इन्दौर के संचालक मण्डल की विगत 15 वर्षों की भाँति प्रति वर्ष इनकी कृपा दृष्टि रहती है कि वे समाज सेवा के लक्ष्य को ध्यान मे रखते हुए अपने कार्य को अल्प समय मे पूर्ण करते है। वरना अन्यत्र इतने से अल्प समय मे कही भी कार्य पूर्ण नही हो सकता।

—सम्पादक

नि सदेह अथक परिश्रम से यह "समग्र जैन चातुर्मास सूची" तैयार की गयी है जो प्रशसनीय है। इतना सुन्दर सही एव प्रामाणिक कार्य आप जैसे सेवा भाव से समर्पित सज्जन पुरुष ही पूर्ण कर सकते है। आपके इस कठिन कार्य स पूरा जैन समाज लाभान्वित हो रहा है। सूची देखने के बाद उसमे कमियाँ निकालना व सुझाव भेजना तो आसान कार्य है लेकिन यह सोचना कोई चाहता कि आसान कार्य किसी क सद्प्रयासो को निरुत्साहित तो नहीं करता।

कठिन कार्य उज्जवल करे,
'उज्जवल' उज्जवल होय।
आसान कार्य सुझाव है,
उसमे चूक न कोय।।

—ललित नाहटा, दिल्ली

पंच परमेष्ठि

णमो अरिहंताणं

णमो सिद्धाणं

णमो आइरियाणं

णमो उवज्झायाणं

णमो लोए सव्व साहूणं

★ घडी की विशेषताएं ★

१) णमोकर मत्र की आवाज अत्यत सुमधुर और स्पष्ट है। उच्चतम तकनीक के कारण सतत उपयोग से भी इसकी सुमधुर ध्वनि अनेक बरसोंतक जैसे के वैसे ही रहेगी।

२) अलार्म होते ही णमोकार मत्र का उच्चारण लगातार ४८ मिनट (दो घटका) होगा। यदि आप बीच में ही बद करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। ऐसा प्रबध किया गया है।

३) इस घडी का मॉडेल बिल्कुल आकर्षक है। एक ओर घडी है तो दूसरी ओर भगवान महावीर या गोमटेश्वर की सुदर मूर्ती है। अलसुबह उठते ही सुमधुर मत्र सुनने को मिलेगा और भगवान महावीर या गोमटेश्वर के दर्शन होंगे।

४) इस घडी का आवरण अति उत्तम प्लास्टिक से बनाया गया है। जिससे यह घडी गिर जायेगी तो भी वह टूटेगी नहीं।

५) इ... पेन्सिल बॅटरी सेल पर चलती है ... सेल घडी के लिए है या ... चलती है। तो अन्य दो ... के लिए हैं। इनका इस्तेमाल आप ... करेंगे इसपर उनकी आयु निर्भर है। सामान्यत ये बॅटरी सेल १ से ६ महीनों तक काम करेंगे।

६) इस घडी के पूर्जे बिल्कुल अच्छी क्वालिटी के हैं। साथ ही हर पूर्जे की खराबी के लिए एक वर्ष की गारटी दी गई है।

७) इस एक उत्कृष्ट और विशेषताओं से युक्त घडी का दाम भी बिल्कुल कम है।

यह घडी निम्न मॉडेल एव रगोंमें उपलब्ध होगी।

मॉडेल १) भगवान महावीरजी की प्रतिमा के साथ
२) भगवान गोमटेश्वरजी की प्रतिमा के साथ

उपलब्ध रगछटाएँ

→ लाईट ब्राऊन ←

→ लाईट ग्रीन ←

→ एलेगट व्हाईट ←
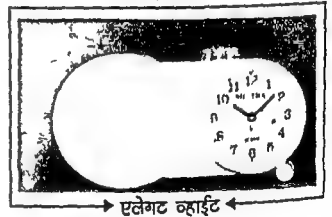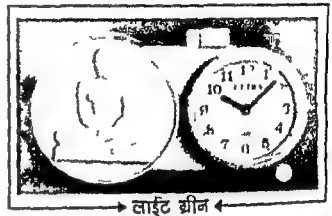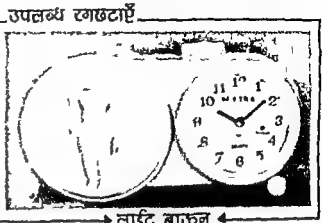
Manufactured by
SHETRA TIMES (P) LIMITED
Miraj - 416 410 (INDIA) Fax No (0233) 75355

कृपया अपनी मागके लिए यहाँ सपर्क करे।

LIMITED
Opp
TEL 8737

१) श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाय

(क) श्रमण संघ सम्प्रदाय : श्रमण संघीय आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-संतियॉजी

क्र.	प्रान्त का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल संत	चातुर्मास स्थल सतियॉं	कुल स्थल	कुल संत	कुल सतियॉंजी	कुल ठाणा
१	उत्तर भारतीय	१	२१	५५	७६	७७	२९५	३७२
२	महाराष्ट्र	-	१२	२७	३९	४८	११२	१६०
३	राजस्थान	-	८	३५	४३	२९	१५०	१७९
४	मध्यप्रदेश	-	६	२५	३१	३५	१०६	१४१
५	तामिलनाडू	-	२	७	९	४	४०	४४
६	कर्नाटक	-	२	२	४	४	१३	१७
७	आन्ध्र प्रदेश	-	१	१	२	२	३	५
८	गुजरात	-	२	२	४	४	५	९
	अन्य संत सतियॉं	-	७	५	१२	७	५	१२
	कुल योग	१	६१	१५९	२२०	२१०	७२९	९३९

अ.भा. स्थानकवासी जैन संत सती तुलनात्मक तालिका - १९९४

(सन् १९८५ से १९९४ तक दशम वर्ष)

सम्प्रदाय	आचार्य	चातुर्मास स्थल १९९४ संत	चातुर्मास स्थल १९९४ सतियॉं	चातुर्मास स्थल १९९४ कुल	कुल ठाणा १९९४ संत	कुल ठाणा १९९४ सतियॉं	कुल ठाणा १९९४ कुल	१९९४ प्रतिशत	१९९३ कुल	१९९२ कुल	१९९१ कुल	१९९० कुल	१९८९ कुल	१९८८ कुल	१९८७ कुल	१९८६ कुल	१९८५ कुल
१) श्रमण सघ सम्प्रदाय	१	६१	१५९	२२०	२१०	७२९	९३९	३२%	९४८	८८०	९७५	९१०	९३७	९२६	८८३	९२६	९१६
२) स्वतंत्र सम्प्रदाय	४	४९	१२८	१७७	१६३	६९१	८५४	२९%	८२७	८७२	७९८	७८०	७७३	७८६	७६६	७३७	७६९
३) वृन्द गुजगत सम्प्रदाय	३	५४	२२५	२७९	१३२	१००२	११३४	३९%	११२२	१०९३	१०८०	१०४८	१०५३	१०२३	१०२२	९८७	९७०
कुल योग	८	१६४	५१२	६७६	५०५	२४२२	२९२७	१००%	२८९७	२८४५	२८५३	२७३८	२७६३	२७१५	२५७१	२६४९	२६५५

नोट - स्व. उपाध्याय श्री अमर मुनिजी म सा. के आज्ञानुवर्ती सत-सतियो की सख्या सन् १९८५ से १९९३ तक उपरोक्त तालिका मे सम्मिलित है यह समुदाय सभी तरह के वाहनो का उपयोग करते है इस कारण इस वर्ष इनको यहा सम्मिलित नहीं किया गया ।

(२) श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की तालिका १९९४

(क) तपागच्छ समुदाय -

क्र स	समुदाय का नाम	आचार्य	वर्तमान सघ नायक का नाम	कुल चातुर्मास स्थान		कुल स्थान	कुल मुनिराज	कुल साध्विया	कुल ठाणा
				मुनिराज	साध्विय				
१	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म सा. (भाग-१)	२६	श्री विजय महोदय सूरीश्वरजी म सा	५२	७५	१२७	२४७	५००	७४७
१ए	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म सा (भाग-२)	१०	श्री विजय जयघोप सूरीश्वरजी म.सा	४४	१९	६३	२०९	२०१	४१०
२	श्री विजय नेमी सूरीश्वरजी म सा.	१३	श्री विजयदेव सूरीश्वरजी म सा	३०	६८	९८	१९०	३८१	५८१
३	श्री सागरानद सूरीश्वरजी म सा	१२	श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वरजी म सा	३१	१३७	१६८	१११	६९०	८०१
४.	श्री धर्म विजयजी म सा (डेहलावाला)	६	श्री विजयराम सूरीश्वरजी म सा (डेहलावाले)	१४	५२	६६	२९	२१०	२३९
५.	श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी म सा	५	श्री विजय इद्रदिन्न सरीश्वरजी म सा	१७	३१	४८	५१	१४१	१९२
६	श्री बुद्धिसागर सूरीश्वरजी म सा	६	श्री सुबोधसागर सूरीश्वरजी म.सा	१८	१७	३५	५१	१०१	१५२
७.	श्री विजय नीति सूरीश्वरजी म.सा	३	श्री विजय अरिहत सिद्ध सूरीश्वरजी म सा	२०	७६	९६	५०	३७५	४२५
८.	श्री विजयलब्धि सूरीश्वरजी म सा	९	श्री विजय जिनभद्र सूरीश्वरजी म सा	१०	२४	३४	५७	१३५	१९२
९	श्री मोहनलालजी म सा	१	श्री चिदानद सूरीश्वरजी म सा	८	१७	२५	१७	४२	५९
१०	श्री विजयमोहन सूरीश्वरजी म सा	६	श्री विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म सा	११	५४	६५	३२	२१५	२४७
११	श्री विजय भक्ति सूरीश्वरजी म सा	५	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म सा	१७	३१	४८	४५	१९०	२३५
१२	श्री विजय कनक सूरीश्वरजी म सा (बागड)	१	श्री विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी म सा	७	७०	७७	२६	३९२	४१८
१३	श्री विजय सिद्धी सूरीश्वरजी म सा (बापजी म)	३	श्री विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म सा	५	२८	३३	२४	२५०	२७४
१४	श्री विजय केशर सूरीश्वरजी म सा	२	श्री विजय हेमप्रभ सूरीश्वरजी म सा	१०	३४	४४	२५	१७०	१९५
१५.	श्री विजय हिमाचल सूरीश्वरजी म सा	१	श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म सा	५	१२	१७	१५	८०	९५
१६	श्री विजय शातिचन्द्र सूरीश्वरजी म सा	२	श्री विजय भुवनेशेखर सूरीश्वरजी म सा	५	२२	२७	२५	१६०	१८५
२	अचलगच्छ सम्प्रदाय	२	श्री गुणोदय सागर सूरीश्वरजी म.सा	१४	७५	८९	४०	२०४	२४४
३	खरतर गच्छ सम्प्रदाय	१	श्री जिन उदय सागर सूरीश्वरजी म सा	१०	५५	६५	२०	२०१	२२१

(ख) अन्य गच्छ

श्री त्रिस्तुति गच्छ (भाग प्रथम)	१	श्री हेमेन्द्र सूरीश्वरजी म सा	५	४	९	१५	५३	६८
श्री त्रिस्तुतिक संघ (भाग द्वितीय)	१	श्री जयत सेन सूरीश्वरजी म सा	६	१८	२४	२६	७६	१०२
श्री त्रिस्तुतिक गच्छ (भाग तृतीय)	१	श्री लब्धि सूरीश्वरी म सा	२	-	२	७	-	७
श्री पारवचन्द्र गच्छ समुदाय		श्री रामचदजी म सा	७	२६	३३	१२	६६	७८
श्री विमल गच्छ समुदाय		श्री प्रधुम्न विमल जी म सा	५	१०	१५	१०	४०	५०
अन्य स्वतत्र समुदायो के साधु-साध्वीयों	३	सूची अनुसार	१०	१	११	२२	१	२३

श्वे मूति सम्प्रदाय का कुल योग	(१२०)		(३६३)	(९५६)	(१३१९)	(१३५६)	(४८८४)	(६२४०)

अ.भा. समग्र जैन सम्प्रदाय साधु-साध्वी तुलनात्मक तालिका १९९४

सम्प्रदाय		चातुमास स्थल १९९४			१९९४				१९९३	१९९२	१९९१	१९९०	१९८९	१९८८
	कुल आचार्य	मुनि मुनि	साध्वीयाँ साध्वियाँ	कुल ठाणा	कुल मुनि	कुल साध्वियाँ	कुल ठाणा	प्रतिशत	कुल ठाणा	कुल ठाणा	कुल ठाणा	कुल ठाणा	कुल ठाणा	कुल ठाणा
श्वताम्बर मूतिपूजक	१२०	३६३	९५६	१३१९	१३५६	४८८४	६२४०	६०%	६५३६	६२२८	६५०१	६१६२	५७७२	५५६०
श्वेताम्बर स्थानकवासी	८	१६४	५१२	६७६	५०५	२४२१	२९२७	२८%	२८९७	२७९५	२८५३	२७२८	२७६३	२७१६
श्वेताम्बर तेरापथी	१	३५	९५	१३०	१४७	५४७	६९४	७%	६९५	६९५	७०२	७१९	७१२	७२८
दिगम्बर समुदाय	३६	९५	४०	१३५	२७५	२१९	४९४	५%	४७५	४२३	३७४	३५५	३५५	३६२
कुल याग	१६५	६५७	१६०३	२२६०	२२८३	८०७२	१०३५५	१००%	१०६०२	१०१४१	१०४२४	९९७४	९६०२	९५६५

श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय गच्छ तालिका - १९९४

(विजय, सागर, विमल मुनि आदि गच्छ तालिका)

क्र	गच्छ	समुदाय का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल १९९४			कुल मुनिराज	कुल साध्वीया	कुल योग	प्रतिशत
				मुनिराज	साध्वीयॉजी	कुल योग				
१	विजय	तपागच्छ की सर्वाधिक समुदायें	९८	२७०	६१९	८८९	१०९४	३५४०	४६३५	७४%
२	सागर	सागर समुदाय श्री वुद्धि सागर समुदाय अचलगच्छ खतरगच्छ आदि	२१	७३	२८४	३५७	२२३	११९६	१४१८	२३%
३	मुनि	श्री मोहन लालजी म. समुदाय पार्श्व गच्छ समुदाय आदि	१	१५	४३	५८	२९	१०८	१३७	२%
४	विमल	विमल गच्छ समुदाय	-	५	१०	१५	१०	४०	५०	१%
		कुल योग	१२०	३६३	९५६	१३१९	१३५६	४८८४	६२४०	१००%

नोट - उपरोक्त तालिका मे क्रमाक २,३ एव ४ को छोडकर बाकी की सभी श्वे. मूर्ति समुदाय विजय गच्छ की है।

श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय गच्छ तालिका - १९९४

(तपागच्छ, अचलगच्छ, खरतर गच्छ समुदाय तालिका)

क्र	गच्छ	समुदाय का नाम	आचार्य	चातुर्मास स्थल १९९४			कुल मुनिराज	कुल साध्वीया	कुल योग	प्रतिशत
				मुनिराज	साध्वीयॉजी	कुल योग				
१	तपागच्छ	सर्वाधिक सम्प्रदाये (त्रिस्तुतिक पार्श्वचन्द्र एव विमल गच्छ आदि)	११७	३३९	८२६	११६५	१२९६	४४७९	५७७५	९३%
२	अचलगच्छ	अचलगच्छ सम्प्रदाय	२	१४	७५	८९	४०	२०४	२४४	४%
३	खरतर गच्छ	खरतर गच्छ सम्प्रदाय	१	१०	५५	६५	२०	२०१	२२१	३%
		कुल योग	(१२०)	(३६३)	(९५६)	(१३१९)	(१३५६)	(४८८४)	(६२४०)	१००%

अ.भा. समग्र जैन साधु-साध्वी पद तालिका - १९९४

(१) श्वे मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

क्र	सम्प्रदाय	गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तक	गणि	प्रवर्तिनी	साध्वी प्रमुखा	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	आचार्य श्री प्रेम सूरीश्वरजी म सा (भाग प्रथम)	१	२५	१	४		२	४	-	२१४	४९६	७४७
१ए	आचार्य श्री प्रेम सूरीश्वरजी म सा (भाग द्वितीय)	१	९	१	१५	३	८	३		१७२	१९८	४१०
२	आचार्य श्री नेमी सूरीश्वरजी म सा		१३	१	२१	१	२	-		१५०	३९१	५८१
३	आचार्य श्री सागरानंद सूरीश्वर जी म सा	१	११	२	९	१	२	-	-	८५	६९०	८०१
४	पन्यास श्री धर्म विजयजी म सा (डेलावाले)	१	५		-	-	३	-	-	४०	२१०	२३९
५	आचार्य श्री विजय वल्लभसूरीश्वर जी म सा भ	१	४	२	२			५		४२	१३६	१९२
६	आचार्य श्री बुद्धि सागर सूरीश्वर जी म सा	१	५	१	२	२	४			३६	१०१	१४२
७	आचार्य श्री निती सूरीश्वरजी म सा	१	२	-	१					४६	३७५	४२५
८	आचार्य श्री लब्धि सूरीश्वरजी म सा		९	-		१				४७	१३५	१८२
९	मुनि श्री मोहनलाल जी म सा	१		-	२	१	-			१३	४२	५५
१०	आचार्य श्री मोहन सूरीश्वरजी म सा	-	६		२	१	-		-	३२	२१५	२४७
११	आचार्य श्री भक्ति सूरीश्वरजी म सा	१	४	-	५	-		४	-	३५	१८६	२३५
१२	आचार्य श्री कनक सूरीश्वरजी म सा (वागड)		१	१	१				-	२३	३९२	४१८
१३	आचार्य श्री सिद्धी सूरीश्वरजी म सा (बापजी)	-	३		१	२	-	-		१८	२५०	२७४
१४	आचार्य श्री केशर सूरीश्वरजी म सा	१	१	-	१		१	-	-	२५	१७०	१९५
१५	आचार्य श्री हिमाचल सूरीश्वरजी म सा	१		-	२	-	-		-	१५	८०	९५
१६	आचार्य श्री शांतिचन्द्र सूरीश्वरजी	-	२		२		-	-	-	२५	१६०	१८५
१७	श्री त्रिस्तुतिक संघ (भाग प्रथम)	१	-	-	-		-	१	-	१४	५४	६८
१७ए	श्री त्रिस्तुतिक संघ (भाग द्वितीय)	१	-		-	-				२६	७६	१०२
१७जी	श्री त्रिस्तुतिक संघ (भाग तृतीय)	१			-				-	७		७
१८	श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ	-	-						-	१२	६६	७८
१९	श्री विमल गच्छ	-	-	-	१	-		-	-	९	४१	५०
२	श्री अचल गच्छ	१	१	-	-		३		१	४१	१०३	१४४
३	श्री खरतर गच्छ	१	-	१	-	-	१	-	-	१२०	१०१	२२१
	अन्य स्वतंत्र सम्प्रदाय	-	३		१	-		-		१८	५	२३
	कुल योग -	१६	१०४	१०	७२	१२	२६	१७	१	१४१६	४८८०	६२४०

(२) श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाय

क्र	सम्प्रदाय	गच्छाधिपति	गादिपति	आचार्य	आचार्य कल्प	युवाचार्य	उपाध्याय	प्रवर्तक	महा मंत्री	मंत्री	सलाहकार	स्थवर प्रमुख	उप प्रवर्तक	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी	मुनि राज	सतियाँजी	कुल ठाणा
(क)	**श्रमण संघ सम्प्रदाय**																	
१.	श्री श्रमण संघ सम्प्रदाय	-	-	१	-	१	३	६	१	१	४	-	१५	-	१३	१६१	७२१	९३९
२	श्री साधुमार्गी सम्प्रदाय	-	-	१	-	१	-	-	-	-	-	५	-	-	-	३४	२६९	३१०
३	श्री ज्ञान गच्छ सम्प्रदाय	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	४१	२८९	३३१
४	श्री रत्न वश सम्प्रदाय	-	-	१	-	-	१	-	-	-	-	-	-	१	१	१०	४०	५४
५	श्री नानक सम्प्रदाय	-	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	४	१२	१७
६	श्री जयमल सम्प्रदाय	-	-	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	४	२८	३३
७	श्री मदन लालजी म समुदाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	२८	-	२८
८	श्री धर्मदास सम्प्रदाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	७	-	७
९	श्री मायारामजी सम्प्रदाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	७	-	७
९ए	श्री हगामी लालजी सम्प्रदाय	-	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	२	२	५
	अन्य सत-सतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		१४	२६	४०
१०	श्री लिम्बडी अजरामर	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	२०	२५७	२७९
११	श्री गोडल मोटा पक्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	२१	२४९	२७०
१२	श्री दरियापुरी	-	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	१४	११९	१३४
१३	श्री लिम्बडी गोपाल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	१२	१२२	१३४
१४	श्री कच्छ मोटी पक्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	१५	७४	८९
१५	श्री कच्छ नानी पक्ष	-	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	२०	३६	५७
१६	श्री बोटाद सम्प्रदाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	४	४६	५०
१७	श्री खभात सम्प्रदाय	-	-	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	९	३७	४६
१८	श्री गोडल सघाणी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	१	३२	३३
१९	श्री बखाला सम्प्रदाय	१	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	६	१२	१९
२०	श्री सायला सम्प्रदाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	१	-	१
२१	श्री हालारी सम्प्रदाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	२	५	६
	अन्य सत सतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	३	७	१०
	श्वे. स्था. कुल योग	(२)	(१)	(८)	(१)	(२)	(४)	(६)	(१)	(१)	(१)	(५)	(१५)	(१)	(१४)	४५५	२४०७	२९२७

नोट- श्री सुकनमुनिजी म.सा. श्री चन्दनमुनिजी म.सा. पजाबी दोनो सत उपप्रवर्तक एवं सलाहकार दोनो पर विद्यमान है। अत इनका नाम यहा पर उपप्रवर्तक पद मे दिया गया है।

(२) श्री सुमनमुनिजी म.सा. मत्री एव सलाहकार दोनो पदो पर विद्यमान है अत आपका नाम मत्री पद मे ही दिया गया है।

अ भा समग्र जैन साधु-साध्वी पद तुलनात्मक तालिका - १९९४

क्र	पद	श्वेताम्बर मूर्तिपूजक	श्वेताम्बर स्थानकवासी	श्वेताम्बर तेरापंथी	दिगम्बर	कुल योग
(क) मुनिराज समुदाय						
१	गणाधिपति	-	-	१	-	१
२	गच्छाधिपति	१६	२	-	-	१८
३	गादिपति	-	१	-	-	१
४	आचार्य	१०४	८	१	३६	१४९
५	आचार्य कल्प	-	१	-	३	४
६	युवाचार्य	-	२	-	-	२
७	एलाचार्य	-	-	-	२	२
८	बालाचार्य	-	-	-	३	३
९	उपाध्याय	१०	४	-	११	२५
१०	पन्यास	७२	-	-	-	७२
११	प्रवर्तक	१२	६	-	-	१८
१२	महामंत्री	-	१	-	-	१
१३	मंत्री	-	१	-	-	१
१४	प्रधान श्रमण	-	-	१	-	१
१५	सलाहकार	-	१	-	-	१
१६	गणि	२६	-	-	-	२६
१७	स्थविर प्रमुख	-	५	-	-	५
१८	उपप्रवर्तक	-	१५	-	-	१५
	कुल	२४०	४५	३	५५	३४५
	मुनिराज	१११६	४५८	१६४	२२०	१९३८
	कुल योग	१३५६	५०५	१६७	२७५	२२८३
(ख) साध्वीयाँजी समुदाय						
१९	साध्वी प्रमुखा	१	२	१	-	३
२०	प्रवर्तिनी	२०	१	-	-	१७
२१	उपप्रवर्तिनी	-	१४	-	-	१४
	कुल	२१	१७	१	-	३४
	साध्वीयांजी	४८६३	२८०५	५४६	२१९	८०३८
	कुल योग (ख)	४८८	२४२१	५८७	२१९	८०७२
	कुल पद (ग) (मत+मतायाँ)	२६१	६२	४	५४	३७८
१०३५५ (क+ख)	कुल ठाणा	६२८०	२९२६	६९४	८९४	१०३५५

टी.टी.

તિર્થાધિપતિ શ્રી મુનિસુવ્રત સ્વામિને નમઃ ॥ પ્રગટપ્રભાવિ શ્રી શંખેશ્વર પાર્શ્વનાથાય નમઃ ॥
શ્રી પદ્માવત્યૈ નમઃ ॥ શાસન સમ્રાટ્ શ્રી નેમિ-લાવણ્ય-દક્ષ-સુશીલ સદ્ગુરૂભ્યો નમઃ ॥

ભારતમાં સર્વપ્રથમ શ્રી સમવસરણ મહામંદિર 卐

અગાશી તીર્થ

પાર્શ્વનગર અગાશી તીર્થ, વાયા વિરાર - જી. થાણા

મુંબઈ થી ૬૦ K.M. દૂર
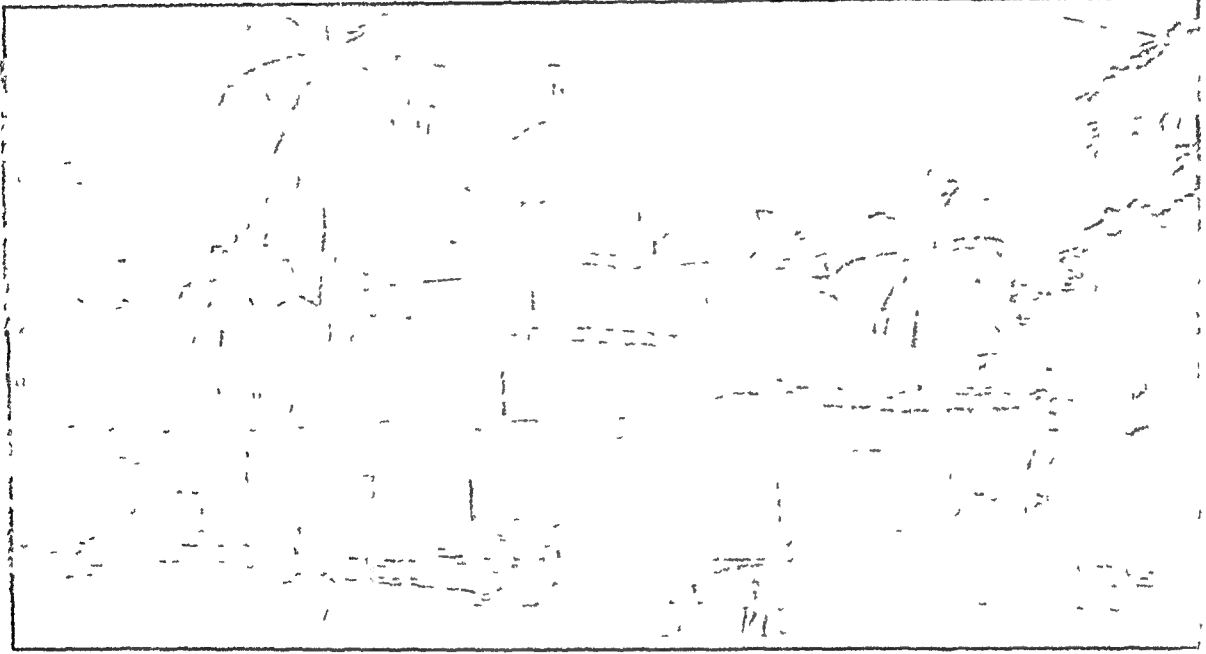
પાવન પ્રેરણા　　　　　　માર્ગદર્શનઃ　　　　　　આશિર્વાદ

ધર્મપ્રભાવકઃ　પૂ.આચાર્ય શ્રી વિજયદક્ષસૂરીશ્વરજી મહારાજ સાહેબ
પૂ. પંન્યાસ પ્રવર શ્રી પ્રભાકર વિજયજી મ. ગણિવર્ય

આયોજકઃ　શ્રી શંખેશ્વર પાર્શ્વનાથ જૈન ટ્રસ્ટ　卐　શ્રી પાર્શ્વનાથ ચેરીટેબલ ટ્રસ્ટ-અગાશી તીર્થ

તીર્થ નિર્માણનુ ભવ્ય આયોજન આપણા સૌના ભાગ્યોદયે નિર્માણ પામેલ છે
આ ભવ્ય નિર્માણના નિભાવ માટેની કાયમી સર્વ સાધારણ તિથી યોજના નીચે મુજબ છે

✡ કુલ ૩૫૦/- તિથિની યોજના. એક તિથિ કાયમીના રૂ. ૫,૧૧૧/- તિથિનો લાભ લેનાર ભાગ્યશાળીનું નામ આરસની જનરલ તકતીમાં અંકિત કરાશે. આપને આ કાયમી તિથિની યોજનામાં સહભાગી બનવા અમારી વિનંતી છે.

ધર્મશાળાઃ ૭ સેનેટેરિયમના બ્લોક તેમ જ ૨૮ ધર્મશાળાની રૂમો બનશે.

✡ સેનેટેરિયમ બ્લોક ઉપર નામ આપવાના આરસની તકતીના રૂ. ૫૧,૧૧૧/- ✡ ધર્મશાળા ડ્રો યોજના રૂ. ૧,૦૦૧/- ✡ ધર્મશાળાની રૂમ ઉપર નામની આરસની તકતીના રૂ. ૨૧,૧૧૧/- ✡ તીર્થ નિર્માણની વિવિધ યોજનામા લાભ લેવા વિનતી

આપના નાનાશા... દાનમાં... શાસનનું મોટું પૂણ્યનું કામ...

"ભવ્ય આયોજનની આછી ઝલક"

પ્રકટ પ્રભાવિ પરમ તારક પરમાત્મા દેવાધિદેવ **શ્રી શખેશ્વર પાર્શ્વનાથ** ભગવતનુ અતિ ભવ્ય અને રમણીય શ્રી **સમવસરણ મહામદિરનુ** ભવ્ય નિર્માણ થયેલ છે

પ્રથમ ગઢમા ૪ **શ્રી શખેશ્વર પાર્શ્વનાથ** ભગવાનની ભવ્ય પ્રતિમાજી તેમજ ૨૪ શિખરબધ્ધ દેરીઓમા વર્તમાન ચોવીશીના ૨૪ તીર્થકર પરમાત્માઓની ભવ્ય પ્રતિમાજીઓ વિરાજમાન છે

બીજા ગઢમા ૪ શાશ્વતા જિનેશ્વર **શ્રી ઋષભાનન સ્વામિજી** આદિ તથા ૨૦ શિખરબધ્ધ દેરીઓમા ૨૦ વિહરમાન જિનેશ્વરોની મન-મોહક પ્રતિમાજી વિરાજમાન છે

ત્રીજા ગઢમા પચધાતુમય શાસન સમ્રાટ્ શ્રીમદ વિજય **નેમિસૂરિશ્વરજી** મ સા ની નજર સમક્ષ તેઓશ્રીના માર્ગદર્શન મુજબ નિર્માણ પામેલ ચાર **શ્રી શખેશ્વર પાર્શ્વનાથ** પ્રભુની ભવ્ય પ્રતિમાજી વિરાજમાન છે

ત્રીજા ગઢની ઉપર ૭૦૦ વર્ષ પ્રાચીન રાજસ્થાનથી પ્રાપ્ત કરેલ પુરૂષાદાની **શ્રી પાર્શ્વનાથ** ભગવાનની શ્યામ પ્રતિમા તથા ૩ નવિન **શ્રી શખેશ્વર પાર્શ્વનાથ** પ્રભુના નયન રમ્ય બિબો વિરાજમાન છે

શ્રી સમવસરણ મહામદિરની જમણી બાજુ **શ્રી ગૌતમ ગુરૂમદિરનુ** સ્વતત્ર નિર્માણ થયેલ છે મુલનાયક તરીકે અનતલબ્ધિ નિધાન **શ્રી ગૌતમસ્વામિજીની** ભવ્ય પ્રતિમાજી આજુબાજુ **શ્રી સુધર્મસ્વામીજી** તથા **શ્રી પુડરીકસ્વામિજી** ની પ્રતિમાજી વિરાજમાન છે

શાસન સમ્રાટ્ તપાગચ્છાધિપતિ પ પૂ આચાર્ય ભગવત શ્રીમદ્ વિજય **નેમિસૂરીશ્વરજી** મ સા તથા સાહિત્ય સમ્રાટ્ પ પૂ આચાર્ય શ્રીમદ વિજય **લાવણ્ય સૂરીશ્વરજી** મ સા ની પૂર્ણકદ (આસનસ્થ) પ્રતિમાજી વિરાજમાન છે

શ્રી સમવસરણ મહામદિરની ડાબી બાજુ **શ્રી પદ્માવતી માતા** નુ સ્વતત્ર ભવ્ય મદિરનુ નિર્માણ થયેલ છે મુખ્ય સકલ સિધ્ધિદાયિકા રાજરાજેશ્વરી એકાવતારી ભગવતિ **શ્રી પદ્માવતી માતાની** ભવ્ય પ્રતિમાજી વિરાજમાન છે જમણી બાજુ બુધ્ધિદાતા **શ્રી સરસ્વતિ દેવી** ડાબી બાજુ લક્ષ્મીદાતા **શ્રી લક્ષ્મીદેવીની** સુદર પ્રતિમાજી તથા ૧૬ વિદ્યાદેવી તથા **શ્રી અબિકાદેવી શ્રી ચક્રેશ્વરીદેવીની** નાજુક મનમોહક પ્રતિમાજી વિરાજમાન છે

સગેમરમર આરસના આ ત્રણે ભવ્ય મદિરોનો ૨૦૪૬ વૈશાખ માસમા અભૂતપૂર્વ શાસન પ્રભાવના પૂર્વક ભવ્યાતિભવ્ય અજન શલાકા પ્રતિષ્ઠા મહામહોત્સવ લાખો ભાવિકોના ઉત્સાહ પૂર્વક ઉજવાયો હતો સમ્યગ્ દર્શનની શુધ્ધિરૂપ આ ત્રણે મદિરો ભાવિક આત્માના હૃદયોનો અપાર આનદ સતોષ અને શાતિનુ દાન કરાવી પુન્યોનુ ઉપાર્જન કરાવે છે

વિશાલ ઉપાશ્રય વિશાળ ધર્મશાળા ભોજનશાળા સેનેટેરીયમ તેમજ મધ્યમવર્ગના સાધર્મિક બધુઓ માટે રહેઠાણ યોજનાનુ નિર્માણ થઈ ગયેલ છે

તીર્થ નિર્માણમા લાભ લેવા માટે અનેક આયોજનો છે સુકૃતમા લક્ષ્મીનો સદુપયોગ કરી કૃતાર્થ બનવા માટે વિવિધ તકિત યોજના બસ્ટ યોજના કાયમી સાધારણ આદિ યોજનાઓ છે

વધુ વિગત માટે પૂ ગુરુદેવશ્રી અથવા ટ્રસ્ટી મડળનો સપર્ક સાધવો

તિથિ યોજનાની તેમજ દાનની રકમનો ચેક/ડ્રાફ્ટ શ્રી શખેશ્વર પાર્શ્વનાથ જૈન ટ્રસ્ટના નામથી મોકલવો

શ્રી શખેશ્વર પાર્શ્વનાથ જૈન ટ્રસ્ટ વતી પ્રમુખ શ્રી અશોકભાઈ એમ શાહ તથા

ટ્રસ્ટી મડળના જય જિનેન્દ્ર

શ્રી પાર્શ્વ પદ્માવતી ફાઉન્ડેશન યુવક સંઘ

સ્થાપકઃ પ. પૂ. આચાર્ય ભગવંત શ્રીમદ્ વિજય દક્ષસૂરિશ્વરજી મ. સા

પ્રેરકઃ પૂ. પંન્યાસ પ્રવર શ્રી પ્રભાકરવિજયજી મ. ગણિવર્ય "દક્ષશિશુ"

ઉદેશ· ધર્મસેવા... સમાજસેવા... રાષ્ટ્રસેવા

ધર્મસેવાઃ જૈન ધર્મની શાસ્ત્રીય પરંપરા અને ગીતાર્થ ગુરૂદેવો દ્વારા ફરમાવેલી દેવગુરૂ અને ધર્મની શાસન પ્રભાવના થાય અને તે દ્વારા વધુ ધર્મોન્નતિ અને શુભ કાર્યો કરવાં તેમજ દેવ-ગુરૂ ધર્મના ગૌરવને વધારવાં

સમાજ સેવાઃ ધર્મવાસિત જૈન સમાજના સાત ક્ષેત્રની પુષ્ટિ સંવર્ધન અને વિસ્તારણ માટે તમામ પ્રકારના ઉચ્ચ સ્તરીય સત્ય પ્રયત્નો કરવા અને તેના લાભો સમાજને અર્પિત કરવા

રાષ્ટ્રસેવા· જૈન સમાજ સધની બુધ્ધિ સપત્તિ અને શક્તિનો સમન્વય સાધી સુયોગ્ય વ્યક્તિઓને ગ્રામ પંચાયત નગરપાલિકા વિધાનસભા લોકસભા તેમજ રાજકીય ક્ષેત્રોસુધી પહોચાડવા માટે તમામ પ્રકારના પ્રયત્નો કરવાં તેવી જૈન વ્યક્તિઓને અનુકુળતા મુજબનો સહયોગ આપવો

યુવક સધમા ૧૫ થી ૪૫ વર્ષના વ્યક્તિઓ સભ્ય બની શકે છે સભ્ય બનવા માટેના ફોર્મ તથા પ્ર ઙ્ગાપ નીચેના સરનામેથી પ્રાપ્ત થશે

શ્રી પાર્શ્વ પદ્માવતી ફાઉન્ડેશન યુવક સંઘ

C/o. શ્રી સમવસરણ મહામંદિર પાર્શ્વનગર, અગાશીતીર્થ, ચાલપેઠ રોડ, વાયા વિરાર, જી થાણા (મહારાષ્ટ્ર) ૪૦૧ ૩૦૧

શ્રી અર્હત મહાપૂજન (પ્રતાકારે)	**રૂ. ૧૦૦/-**
શ્રી પાર્શ્વ પદ્માવતી મહાપૂજન	**રૂ. ૧૦૦/-**

શાસ્ત્ર વિશારક પ. પૂ. આચાર્ય ભગવંત શ્રીમદ વિજય દક્ષસૂરિશ્વરજી મ. સા. દ્વારા સપાદિત ઉપરના બન્ને ગ્રથો કાર્યાલયમાથી પ્રાપ્ત થશે (પોસ્ટેજ ચાર્જ અલગ લાગશે)

✡ સાહિત્ય સમ્રાટ્ સાહિત્ય પ્રચાર કેન્દ્ર 卐

જિન શાસનના મહાન જ્ઞાન જ્યોતિર્ધર-વ્યાકરણ વાચસ્પતિ સાહિત્ય સમ્રાટ્ પ પૂ. આચાર્ય ભગવત **શ્રીમદ્ વિજય લાવણ્યસૂરિશ્વરજી** મ. સા દ્વારા રચીત સપાદિત ન્યાય, તેમજ વ્યાકરણ વિપયક સંસ્કૃત સાહિત્ય નીચેના સ્થળેથી ઉપલબ્ધ થશે મળી શકશે.

પપૂ આચાર્ય ભગવંત શ્રીમદ્ **વિજય દક્ષસૂરીશ્વરજી મ. સા.** તથા પ પૂ આચાર્ય ભગવત **શ્રીમદ્ વિજય સુશિલસૂરીશ્વરજી** મ. સા દ્વારા રચીત પ્રકાશિત તમામ સાહિત્ય પણ પ્રાપ્ત થશે

સૂચિ પત્ર મગાવવાથી મોકલાવવામા આવશે.

જ્ઞાન ભંડારોને યોગ્ય દરે ગ્રંથો આપવામાં આવશે.

વ્યવસ્થાપકઃ શ્રી સાહિત્ય સમ્રાટ્ સાહિત્ય પ્રચાર કેન્દ્ર

C/o શ્રી સમવસરણ મહામદિર પાર્શ્વનગર, **અગાશીતીર્થ,** ચાલપેઠ રોડ, વાયા વિરાર, જી થાણા (મહારાષ્ટ્ર) ૪૦૧૩૦૧

આપનું આપના માટેઃ "શ્રી દક્ષજ્યોત"

ભારતીય સંસ્કૃતિના ભવ્ય આદર્શોને [illegible] કરવાના પુણ્ય [illegible] પ્રકાશિત થતુ આધ્યાત્મિક માસીક શ્રી દક્ષજ્યોત

આશિર્વાદ [illegible] ધર્મપ્રભાવક પ પૂ આચાર્ય શ્રીમદ વિજય દક્ષસૂરીશ્વરજી મ સા

પ્રેરક પૂ પન્યાસ પ્રવર શ્રી પ્રભાકર વિજયજી મ ગણિવર્ય દક્ષશિશુ

તંત્રી શ્રી [illegible] 卐 સંપાદક શ્રી મુકેશભાઈ [illegible] શા

[illegible] પ્રકાશન થાય છે

[illegible]

[illegible] શ્રી દક્ષજ્યોત પરિવારમા જોડાઈ તેના સભ્ય બનો

સભ્ય બનવાના પ્રકારો અને લવાજમ દર

卐 રૂ ૧૦૦૧/- સ્વજન સભ્ય 卐 રૂ ૫૦૧/- આજીવન સભ્ય 卐 રૂ ૫૧/- વાર્ષિક સભ્ય

[illegible] મોકલાવવા વિનંતી

આપના લવાજમના રકમ શ્રી દક્ષજ્યોતના નામથી [illegible] નીચેના કાર્યાલયના સરનામે મોકલાવવા વિનંતિ

કાર્યાલય શ્રી દક્ષજ્યોત કાર્યાલય

શ્રી સમવસરણ મહામંદિર પાર્શ્વનગર અગાશી તીર્થ ચાલપેઠ રોડ વાયા-વિરાર જી થાણા (મહારાષ્ટ્ર) ૪૦૧૩૦૧

(૧) પર્વાધિરાજનો પાવન સંદેશ
(૨) પર્વાધિરાજની પવિત્ર પ્રેરણા

ધર્મપ્રભાવક સાહિત્ય સમ્રાટ પ પૂ આચાર્ય ભગવંત વિજય દક્ષસૂરીશ્વરજી મ સા ના વિદ્વાન શિષ્ય રત્ન પૂ પન્યાસ પ્રવર શ્રી પ્રભાકર વિજયજી મ સા ગણિવર્ય દક્ષશિશુ લેખીત શ્રુતકેવળી શ્રી ભદ્રબાહુસ્વામિજી રચીત શ્રી કલ્પસૂત્ર મહા ગ્રંથની દિવ્યવાણીને સકલ સંઘના હૈયાની ધરતીમા વાવવા માટેના બીજ રૂપ આ બન્ને પુસ્તિકાઓ છે

જગ પ્રસિધ્ધ મુંબઈ સમાચાર દૈનિક પત્રમા પર્વ પર્યુષણ દરમ્યાન આકૃતિ પ્રકટ થઈ હતી જેનાથી લાખો જૈન જૈનેતરો ધર્મવાસીત બન્યા હતા - કિંમત રૂ ૩૦/-

પ્રાપ્તીસ્થાન શ્રી પાર્શ્વનાથ ચેરીટેબલ ટ્રસ્ટ

શ્રી સમવસરણ મહામંદિર પાર્શ્વનગર અગાશી તીર્થ ચાલપેઠ રોડ વાયા વિરાર જી થાણા (મહારાષ્ટ્ર) ૪૦૧ ૩૦૧

श्री श्वेताम्बर सागरानन्द सूरीश्वर जी म सा के समुदाय के सुविशाल गच्छाधिपति सरल स्वभावी शासन प्रभावक, परम पूज्य आचार्य भगवत श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वर जी म सा आदि ठाणाओ का सन् 1994 वर्ष का चातुर्मास सूरत शहर में सभी आराधनाओं से सफल यशस्वी बनने की मगल कामनाएँ करते हुए–

॥ जय महावीर ॥ ॥ जय अजरामर ॥

साध्वी कंकु विहार वैयावच्च केन्द्र

गाँधीधाम (कच्छ) गुजरात

शासनोद्धारक आचार्य सम्राट 1008 श्री अजरामरजी स्वामी ने निज 10 वर्ष की आयु में वि. सं. 1819 माघ शुक्ल पंचमी के दिन सौराष्ट्र के गोंडल शहर में जैन-भागवती दीक्षा अंगीकार की। उनके साथ ही अपनी माता कंकुबाई ने भी दीक्षा ली। धर्मोद्धारक युगप्रधान आचार्य-सम्राट 1008 धर्मदासजी स्वामी, उनके शिष्य मूलचन्द्रजी स्वामी, उनके शिष्य पंचाणचन्द्रजी स्वामी उनके शिष्य बालाजी स्वामी, उनके शिष्य हीराजी स्वामी, उनके शिष्य बालाजी स्वामी, उनके शिष्य पूज्य अजरामरजी स्वामी थे। उन्होंने पूज्यश्री मूलचन्द्रजी स्वामी के सघाडे (सम्प्रदाय) का वि. सं. 1845 में क्रियोद्धार किया। तब से उनका "अजरामर धर्मसंघ" पूज्यश्री अजरामर जी स्वामी के सघाडे (सम्प्रदाय) के रूप में विश्रुत हुआ। जो कालान्तर में "श्री जैन श्वेताम्बर स्थानकवासी छ कोटि लीम्बडी अजरामर सम्प्रदाय" के नाम से सुप्रसिद्ध है। 20 मुनिराज एवं 259 महासतियाजी का यह धर्मसंघ अखंड गुजरात की 11 सम्प्रदाय में सबसे बड़ा समुदाय है। पूज्यश्री प्र. भानेश्वरी साध्वी कंकुबाई महासतीजी के स्मारक के रूप में करीब एक करोड़ की लागत से 1600 वार की भूमि में उपरोक्त वैयावच्च केन्द्र निर्माणाधीन है। पूज्य साधु साध्वीजी के लिए गुजरात में यही पहला है। वैयावच्च केन्द्र है।

सम्पन्न भाइयों से सहयोग की आशा है।

सम्पर्क सूत्र

1. चापसीभाई देवसीभाई नंदू
   द्वारा–रूपसंगम
   385, एन. सी. केलकर रोड, लक्ष्मी बिल्डिंग,
   प्रथम मंजिला, दादर, बम्बई–400028
2. नेजसिंह लधाभाई शाह
   द्वारा काच घर,
   शॉप नं. 1, अभिषेक बिल्डिंग,
   वा पी रोड, विले पार्ले (वेस्ट),
   बम्बई–100065 टेली–6124303

ट्रस्टी मंडल

चापसी देवसी नंदू (भचाउ), बम्बई
चीमनलाल रामजी सावला (सुवई), बम्बई
नेजसिंह लधाभाई शाह (भचाउ), बम्बई
डी. टी. नीसर (भचाउ), बम्बई
रमणीकलाल धनजी छाडवा (सामखीयाली), बम्बई
हरखचन्द लालजी सावला (प्रागपुर), बम्बई
देवजी मुरजी सत्रा, गुंदाला–कच्छ
मेघजी रामजी छाडवा (गांधीधाम), कच्छ
अनूपचंद मंगलजी मोरबीआ (गांधीधाम), कच्छ

संस्था की सर्वांगीण प्रगति हो यही शुभकामना के साथ—

सौजन्य

अनूपचंद मंगलजी मोरबीआ
द्वारा–मोरबीआ ट्रेडिंग कंपनी, झंडा चौक,
मु. गांधीधाम (कच्छ), गुजरात

श्रेष्ठिवर्य गांगजी कुंवरजी वोरा, (मदुराई वाले)
मु. पो. समाघोघा (कच्छ), गुजरात

कम्प्यूटर सेवा का शीघ्र शुभारंभ

नम्र अपील

एक समय था जब मुद्रण का सारा कार्य लेटर प्रेस या हाथ कपोजिंग से बड़ा कार्य तक होता था, जिसमे काफी समय भी लगता था। परन्तु वर्तमानकाल मे अब इसका स्थान कम्प्यूटर ने ले लिया है, अब छोटा बडा हर कार्य कम्प्यूटर मे शीघ्र होने लगा है। हम समग्र जैन चातुर्मास सूची एव अन्य कई प्रकाशन प्रति वर्ष करवाते है। परन्तु दूसरो के यहाँ कम्पोजिग कार्य करवाने मे व्यय भी अधिक आता है एव समय पर प्राप्त नही हो पाता, हम गत वर्ष भी काफी परेशान हुए एव इस वर्ष भी काफी परेशान हुए है। हमारे पास प्रकाशन एव अन्य कार्य अब काफी विस्तृत हो गया है। यदि घर मे ही कम्प्यूटर होता, तो सूची पुस्तक मे इस वर्ष भी इतनी देरी क्यो होती। हमको इस बार तो बहुत ही परेशानी का सामना उठाना पड़ा, जो कार्य 10 दिन का था, उससे एक माह से अधिक लग गया।

अत. हमने यह निर्णय लिया है कि हम भी स्वय के कम्प्यूटर से कार्य प्रारभ करे, ताकि हमारे एव अन्य सस्थानो के सभी कार्य सही समय पर हम पूर्ण कर सके। आप सभी मेरे द्वारा की जा रही सेवाओ से तो भली-भाँति परिचित ही है अगर मुद्रण के लिए कम्प्यूटर आ जाता है, तो मै आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मै आपकी और अधिक सेवा कर सकता हूँ।

अत सभी दानदाताओ से नम्र विनती है कि मेरी विनम्र विनती पर अवश्य ध्यान दे कर पूर्ण सहयोग प्रदान करने की कृपा करेगे।

विनीत-
बाबूलाल जैन 'उज्जवल'
सपादक

जीओ और जीने दो
भगवान महावीर

आवश्यक सूचना

जैन विश्व रिकार्ड्स एवं पत्र-पत्रिका डायरेक्टरी 1994 का प्रकाशन

सम्पूर्ण विश्व के जैन समाज के चारो समुदायो के एक से बढ़ कर एक जैन विश्व रिकार्ड्स डायरेक्टरी एव वर्तमान समय मे सम्पूर्ण जैन समाज मे प्रकाशित जैन पत्र-पत्रिकाओ की डायरेक्टरी हम विगत चार वर्षो से प्रति वर्ष नियमित प्रकाशित करते आ रहे है। समाज के हर वर्ग की ओर से इस डायरेक्टरी की काफी सराहना हुई एव अब यह समग्र जैन समाज मे काफी प्रसिद्ध भी हो चुकी है। गत वर्ष इसकी अत्यधिक माँग रही। हमारे पास एक भी प्रति शेष नही रही। समग्र जैन चातुर्मास सूची की तरह इस डायरेक्टरी की भी देश-विदेशो मे अच्छी माँग रही है।

यह डायरेक्टरी इस वर्ष समग्र जैन चातुर्मास सूची 1994 मे ही प्रकाशित करने का हमारा विचार था। इस वर्ष इसमे काफी जानकारियाँ सम्मिलित की गयी है। ऐसी जानकारियाँ आपने आज तक कही भी नही पढ़ी होगी। इसको सूची पुस्तक मे प्रकाशित करने बाबत हमने प्रेस कापी भी करके तैयार कर ली थी। परन्तु प्रेस मे समयाभाव व स्थानाभाव की कमी के कारण सूची पुस्तक मे हम प्रकाशित करने मे असमर्थ है। चातुर्मास सूची मे पृष्ठ बढ़ने से भारी हो जाती, समय भी लगता। अत. इसका प्रकाशन अब अलग से पुस्तक रूप मे किया जा रहा है। यह डायरेक्टरी सभी पूज्य आचार्यो, साधु-साध्वियो, विज्ञापनदाताओ, सदस्यो, ग्राहको, सपादको पत्रकारो एव स्नेहीजनो को निःशुल्क प्रदान करेगे। दोनो डायरेक्टरियो को एक ही पुस्तक मे प्रकाशित कर रहे है। पृष्ठ 108 मूल्य रुपये 20/-

विवशता के लिए क्षमाप्रार्थी
अपनी प्रति शीघ्र मँगवा लेवे।

-बाबूलाल जैन 'उज्जवल'
सपादक

भूल-सुधार

पृष्ठ 124-25 पर आय-व्यय के हिसाब में भूल से सन् 1992-93 छप गया है उसे सन् 1993-94 पढ़े।

संपादक

विज्ञापन अनुक्रमणिका

भाग अष्टम् विज्ञापन

श्री जैन श्वे श्री सघ	दुर्ग	7	श्री अमर जैन साहित्य सस्थान	उदयपुर	13
श्री रताडिया स्था जैन सघ	रताडिया	8	श्री सॉईकृपा एम्पोरियम	शिर्डी	14
श्री ए.डी महता	भुज कच्छ	9	श्री सुपार्श्वनाथ सव भडार	इन्दौर	14
श्री नागजी स्वामी जैन पुस्तकालय	लिम्बडी	10	श्री सुन्दरम् ज्विअर	इदौर	14
श्री रामजी वालजी मॉवला	रापर	10	मै पी पी जैन एण्ड क	बम्बई	15
श्री अर्हद धर्म प्रभावक ट्रस्ट	बम्बई	11	मै दिवाकर ट्रेडर्स	इन्दौर	15
जैनाचार्य श्री अजरामर स्वामी गौशाला ट्रस्ट मामायमोरा		12	श्री आराज वस्तुग्रह जैन	नागपुर	16

छपते छपते

समग्र जैन चातुर्मास सूची का विमोचन
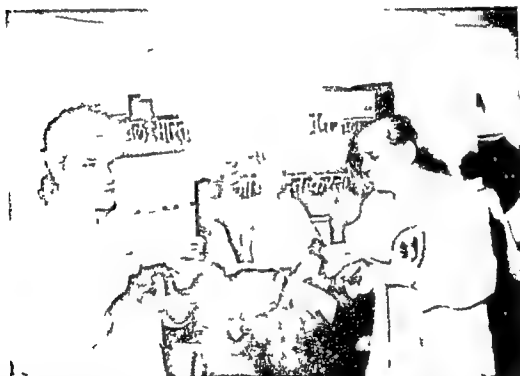
अ भा समग्र जन चातुर्मास सुची प्रकाशन परिषद बम्बई द्वारा प्रकाशित एव बाबूलाल जैन 'उज्जवल' द्वारा सम्पादित समग्र जन चातुर्मास सूची 1994 का विमोचन अ भा श्वेताम्बर जैन महासघ इन्दौर द्वारा आयोजित सामुहिक क्षमापना एव तपस्वी सम्मान समारोह म आचार्य श्री विजय यशोभद्र सुरीश्वरजी जी म सा , प्रवर्तक श्री रमेश मुनि जी म सा , गणिवर्य श्री मणिप्रभ सागरजी म सा आदि सत सतिया की पावन निश्रा मे मध्यप्रदेश क जन शक्ति नियोजन मत्री श्री नरेन्द्र कुमार जी नाहटा एव श्री अभय जी छजलानी नईदुनिया क कर कमलो द्वारा 11 9 94 को पिपली बाजार इन्दौर मे विशाल जन समुह की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ।

मन की शाति के लिए कबूतरो को दाना अवश्य डाले

हम समाज को जोडेगे हमने यह व्रत धारा है।
जैन समन्वय और एकता यही हमारा नारा है ॥

अनुक्रमणिका सूची

अ. भा. श्वे. स्थानकवासी जैन समुदाय के चातुर्मास स्थलों के गाँव-शहरों की अनुक्रमणिका सूची 1994

श्री श्वेताम्बर तेरापथी समुदाय की अनुक्रमणिका

नोट—इसके अलावा श्वेताम्बर मूर्तिपूजक एवं दिगम्बर समुदाय के चातुर्मास स्थलों की भी अनुक्रमणिका बनाकर तैयार कर ली थी परन्तु समयाभाव के कारण मुद्रण कार्य समय पर नहीं करवा सके इसके लिये हम क्षमाप्रार्थी हैं। संपादक

संघ सेवाभावी श्री मोहन मुनिजी म.सा., प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा इन्दौर एवं पं. रत्न श्री सुरेश मुनिजी म.सा. आदि ठाणा ठाकुरद्वार–बम्बई में वर्ष 1994 का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की आराधना से परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए!

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ–

श्री मेवाड़ भूषण प्रताप मुनि श्रमण सेवा समिति (रजिस्टर्ड)

उदयपुर (राज.)

कन्हैयालाल नागौरी	सुखलाल कोठारी	इंद्रसिंह बाबेल
अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	मंत्री
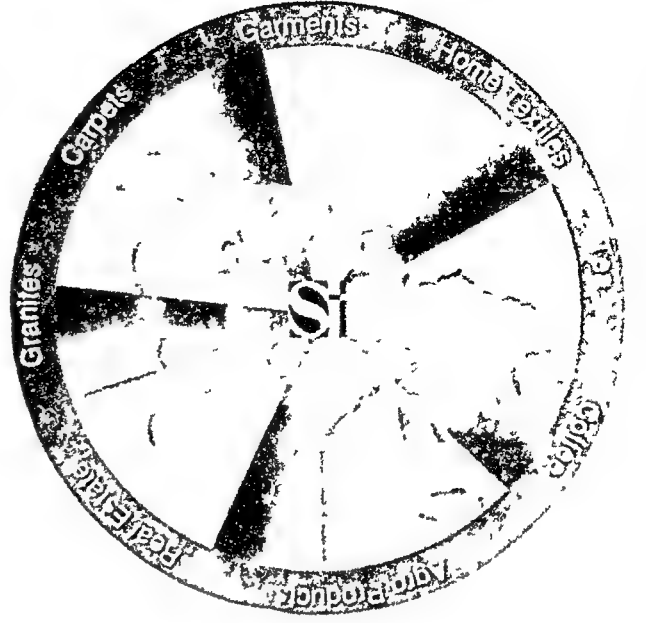
भाग-तृतीय

श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाएँ

श्रमण संघ

स्वतंत्र सम्प्रदाएँ

वृहद् गुजरात सम्प्रदाएँ

उज्ज्वल प्रकाशन-बम्बई द्वारा प्रकाशित

जैन विश्व रिकार्डस डायरेक्ट्री १९९४

संकलन-संपादक-बाबूलाल जैन उज्ज्वल-बम्बई

श्रमण संघीय आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा.के कुछ जैन विश्व रिकार्डस

(१) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके संघ एवं आज्ञा में सर्वाधिक लगभग १०५० जैन साधु-साध्वीयॉ है। श्रमण संघ मे लगभग १०५० साधु-साध्वीयॉ है।

(२) सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र ऐसे आचार्य जो वर्तमान में आचार्य सम्राट कहलाते है।

(३) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी आज्ञा ने नेश्राय सर्वाधिक लगभग २७५ स्थानों पर साधु-साध्वीयों के प्रतिवर्ष चातुर्मास होते है।

(४) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे समुदाय के आचार्य जिसमें सर्वाधिक २२ भूतपूर्व समुदाये श्रमण संघ मे विलिन हुई हो श्रमण संघ में भूतपूर्व २२ सम्प्रदाय विधमान है।

(५) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनकी समुदाय में सर्वाधिक लगभग ६५ पदाधिकारीगण संत-सतियॉ युवाचार्य उपाध्याय, प्रवर्तक, महामंत्री, मंत्री सलाहकार, उपप्रवर्तक उपप्रवर्तिनीया आदि पद विद्यमान हो

(६) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिन की समुदाय में सर्वाधिक लगभग ३० साधु-साध्वीयॉ उच्च शिक्षा एम.ए.पीएचडी. उतीर्ण है।

(७) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके समुदाय में युवाचार्य एम.ए.पीएचडी एवं डी लिट हों (डॉ. शिवमुनिजी म.सा. अेम.अे.पी.अेच.डी एवं डी लिट है।)

(८) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जिनको अपने गुरु से भी ऊंचा पद संघ संचालन का प्राप्त हुआ हो। (स्व.उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म.के शिष्य आचार्य वने है एवं गुरु उपाध्याय ही वने रहे थे)

(९) सम्पूर्ण जैन समाज में एक मात्र ऐसे आचार्य जो आचार्य होते हुए भी अपने नाम के साथ मुनि शब्द भी लगाते हो।

सम्पूर्ण जैन समाज की विस्तृत जानकारीयों के लिए जैन विश्व रिकार्डस डायरेक्टी १९९४ अवश्य देखिये।

(१) श्रमण संघ समुदाय

श्रमण संघ के पदाधिकारीगण एवं चातुर्मास

पदाधिकारीगण का नाम	चातुर्मास स्थल	पृष्ठ
आचार्य		
श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा ----	लुधियाना (पजाव)	३
युवाचार्य		
डॉ शिवमुनिजी म सा ----	पूना (महाराष्ट्र)	९
उपाध्याय		
श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल' -----	साण्डेराव (राजस्थान)	१३
श्री मनोहर मुनिजी म सा 'कुमुद'----	जालधर शहर (पजाव)	३
डॉ विशाल मुनिजी म सा -------	औरगाबाद (महाराष्ट्र)	९
महामत्री		
श्री सौभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद' ---	आमेट (राजस्थान)	२०
प्रवर्तक		
श्री पदमचदजी म सा 'भण्डारी'----	कुरक्षैत्र (हरियाणा)	३
श्री उमेश मुनिजी म सा 'अणु'----	रतलाम (मध्यप्रदेश)	१८
श्री रुपमुनिजी म सा 'रजत'-----	सादडी-मारवाड (राजस्थान)	१३
श्री रमेश मुनिजी म सा 'शास्त्री' -----	इन्दौर (मध्यप्रदेश)	१८
श्री कुन्दन ऋषीजी म सा -----	पूना (महाराष्ट्र)	९
श्री महेन्द्र मुनिजी म सा 'कमल' ----	पाली-मारवाड (राज)	१३
मत्री		
श्री सुमन मुनिजी म सा -----	कोयम्बतूर (तामिलनाडू)	२०
सलाहकार		
कवि श्री चन्दन मुनिजी म सा (पजावी)-----	गीदडवाहा मडी (पजाव)	१०
श्री ज्ञानमुनिजी म सा -----	लुधियाना (पजाव)	३
श्री मूलचदजी म सा -----	ब्यावर (राजस्थान)	१३
श्री सुमति प्रकाशजी म सा -----	औरगाबाद (महाराष्ट्र)	९
श्री रतन मुनिजी म सा ----	उरला (मध्यप्रदेश)	१८
श्री सुकन मुनिजी म सा -----	सादडी-मारवाड (राजस्थान)	१३

श्रमण संघ सम्प्रदाय

संघ नायक : अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के तृतीय पट्टधर : जैन धर्म दिवाकर, आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२२०) मुनिराज (२२०) महासतीयाजी (७२९) कुल ठाणा (९३९)

(१) उत्तर भारत प्रान्त

(पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, उत्तरप्रदेश, जम्मू कश्मीर आदि प्रान्त)

मुनिराज समुदाय

(१) लुधियाना (पंजाब)

१. जैन धर्म दिवाकर आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा.

२. आत्म कुल दिवाकर श्री रतन मुनिजी म.सा.
३. पं.रत्न श्री रमेश मुनिजी म.सा. 'शास्त्री'
४. उपप्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनिजी म.सा. ''एम.ए.पीएचडी''
५. क्रांतिकारी श्री कमल मुनिजी म.सा. 'कमलेश'
६. सेवाभावी श्री दिनेश मुनिजी म.सा. 'विशारद'
७. ओजस्वी वक्ता श्री रविन्द्र मुनिजी म.सा.
८. प.रत्न श्री नरेश मुनिजी म.सा. 'बी.कॉम.' आदि (१७)

चातुर्मास स्थल - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक, रुपा मिस्त्री गली, आत्म चौक, लुधियाना - १४१००८ (पंजाब), फोन नं. २९७७० स्थानक भवन

संपर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक आत्म चौक, पो. बाक्स नं. २००, रुपा मिस्त्री गली, लुधियाना (पंजाब) १४१००८

नोट - आचार्य सम्राट के प्रत्येक सोमवार को मौन रहती है।

साधन - उत्तर रेल्वे का मुख्य रेल्वे स्टेशन, सभी मेल एक्सप्रेस गाडिया ठहरती है। देश के हर कोने से लुधियाना ट्रेने उपलब्ध। हवाई मार्ग से दिल्ली होकर। पंजाब दिल्ली हरियाणा चण्डीगढ आदि राज्यो से बसें उपलब्ध। रेल्वे स्टेशन से जैन स्थानक १/२ कि.मी. दूर है। आटो रिक्शा हाथ रिक्शा उपलब्ध। जैन स्थानक घासमण्डी, चावल बाजार, जैन धर्मशाला के पास मे है।

(२) कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

१. उत्तर भारतीय प्रवर्तक भण्डारी श्री पदमचन्द्रजी म.सा.
२. उपप्रवर्तक श्री अमरमुनिजी म.सा. आदि (६)

संपर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक, गली खत्रीयान, कुरुक्षैत्र-१३२११८ (हरियाणा)

साधन - दिल्ली अमृतसर मेन लाईन पर स्थित है।

(३) जालंधर (पंजाब)

उपाध्याय श्री मनोहर मुनिजी म.सा. 'कुमुद' आदि (२)

संपर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा जैन स्थानक, जालंधर-१४४००१ (पंजाब)

साधन : दिल्ली लुधियाना से सीधी ट्रेन सेवा

(४) लुधियाना-शिवपुरी (पंजाब)

१) सलाहकार श्री ज्ञानमुनिजी म.सा.
२) सेवाभावी श्री जितेन्द्र मुनिजी म.सा. 'एम.ए.' आदि (३)

संपर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक, शिवपुरी, लुधियाना-१४१००८ (पंजाब)

(५) रतिया (हरियाणा)

उपप्रवर्तक श्री फूलचंदजी म.सा. आदि (३)

संपर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक,

मु पो रतिया जिला हिसार (हरियाणा) १२५०५१
साधन हिसार भिवानी आदि स्थानो से बसो की सेवा

(६) गिदडवाहा मडी (पजाब)
उपप्रवर्तक कवि सम्राट श्री चन्दन मुनिजी म सा (पजाबी) आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक, मु पो गिदडवाहा जिला फरीद कोट (पजाब) १५२१०१

(७) अम्बाला सिटी (हरियाणा)
उपप्रवर्तक श्री सुदर्शनमुनिजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, महावीर भवन, महावीर मार्ग, अम्बाला शहर-१३४००३ (हरियाणा)

(८) चण्डीगढ (के शा)
उपप्रवर्तक श्री जगदीश मुनिजी म सा आदि (३)
सपक सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, सेक्टर १८-डी, चण्डीगढ-१६००१८

(९) दिल्ली-त्रीनगर
उपप्रवर्तक श्री हेमचन्द्रजी म सा
मधुरवक्ता श्री कीर्तिमुनी जी म सा आदि (७)
सपर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, २५३९ त्रीनगर, दिल्ली-११००३५

(१०) *नालागढ (हिमाचल प्रदेश)*
उपप्रवर्तक श्री रामकुमारजी म सा आदि (३)
सपर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, मु पो नालागढ, जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) १७४१०१
साधन शिमला, लुधियाना, अम्बाला, रोपड से सीधी बसे उपलब्ध

(११) देहरादून (उत्तर प्रदेश)
उपप्रवर्तक श्री प्रेमसुखजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, प्रेमसुख धाम, १६ नेशनल रोड, लक्ष्मण चौक, देहरादून- (उ प्र) २४८००१
साधन दिल्ली, बम्बई, इन्दौर आदि से सीधी ट्रेने उपलब्ध

(१२) रोहतक (हरियाणा)
उपप्रवर्तक श्री प्रेममुनिजी म सा आदि (३)
सपर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक, रेल्वे रोड, मु पो रोहतक (हरियाणा) १२४००१
साधन कुरक्षेत्र, दिल्ली, पानीपत, सोनीपत अम्बाला से सीधी बसे उपलब्ध

(१३) दिल्ली-करोलबाग
१ प रत्न श्री गणेशमुनिजी म सा "शास्त्री"
२ मधुरवक्ता श्री जितेन्द्र मुनिजी म सा 'शास्त्री' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, प्रेम जैन भवन, अजमल खॉ पार्क के पास, १६ पार्क एरिया, करोलबाग, नई दिल्ली-११०००५
फोन प्रधान ७७७९५५५-७७७९६६६
मत्री-७७७९१४७-७७७५६४७
साधन करोलबाग मे पार्क एरिया मे अजमलखॉ पार्क के पास मे

(१४) खन्ना (पजाब)
प रत्न श्री रोशन मुनिजी म सा 'शास्त्री' आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक, मु पो खन्नामडी जिला लुधियाना (पजाब) १४१४०१
साधन लुधियाना, पटियाला, राजपुरा से बस सेवा उपलब्ध

(१५) दिल्ली-शास्त्री नगर
डॉ सुव्रत मुनिजी म सा 'एम ए पीएचडी ' आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, ए-६६३ शास्त्री नगर, दिल्ली-११००५२

(१६) गुडगाव (हरियाणा)
प रत्न श्री रमणिकमुनिजी म सा 'शास्त्री' एम ए आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, रेल्वे रोड, गुडगाव (हरियाणा) १२२००१

(१७) समाना (पजाब)
मधुरवक्ता श्री सरपच मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैनसभा, मु पो समाना शहर, जिला पटियाला (पजाब) १४७१०१

(१८) बराड़ा (हरियाणा)
मधुर व्याख्यानी श्री सुभाष मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, मु.पो. बराडा, जिला अम्बाला (हरियाणा) १३३२०१

(१९) सामली (उत्तर प्रदेश)
पं.रत्न श्री छोटेलाल जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा जैन स्थानक, मु.पो.सामली जिला मुजफ्फर नगर (उत्तरप्रदेश) २४७७७६

(२०) दिल्ली-शाहदरा
मधुरवक्ता श्री ज्योतिर्धर जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक, कबूलनगर, शाहदरा, दिल्ली-११००३२

(२१) बनूड (पंजाब)
मधुरवक्ता श्री अजय मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक, मु.पो.बनूड जिला पटियाला (पंजाब)

महासतियाँजी समुदाय

(२२) दिल्ली-शक्तिनगर
१. उपप्रवर्तिनी महासती श्री मगन श्री जी म.सा.
२. महासती श्री सुचेष्ठाजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, शक्तिनगर विस्तार, दिल्ली-११००५२

(२३) दिल्ली-वीर नगर
उपप्रवर्तिनी महासती श्री केशर देवीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा, महिला जैन स्थानक, वीर नगर, गुड मंडी के सामने, दिल्ली - ११० ००७

(२४) लुधियाना (पंजाब)
उपप्रवर्तिनी महासती श्री सीताजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, महासती चन्दाजी जैन सहायक आश्रम, करतागम गली, चौडा बाजार, [illegible] लुधियाना-१४१००८ (पंजाब)

(२५) दिल्ली-प्रशांत विहार
उपप्रवर्तिनी महासती श्री सुन्दर देवीजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक, ए-ब्लोक, प्रशांत विहार, दिल्ली-११००८५

(२६) दिल्ली-अरिहत नगर
उपप्रवर्तिनी महासती श्री प्रेमकुमारी जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.जैन सभा, जैन स्थानक, महिला जैन स्थानक, अरिहंत नगर, दिल्ली-११००२६.

(२७) पंचकूला (हरियाणा)
१. महासतीश्री राजमतिजी म.सा.
२. उपप्रवर्तिनी महासती श्री आज्ञावतीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक, श्री जेनेन्द्र जैन गुरुकुल, मु.पो. पचकूला (हरियाणा),
साधन . कालका शिमला अम्बाला चण्डीगढ से सीधी बस सेवा

(२८) अम्बाला शहर (हरियाणा)
१. महासतीश्री जिनेश्वरी देवीजी म.सा.
२. उपप्रवर्तिनी महासतीश्री स्वर्णकांताजी म.सा.
३. महासतीश्री स्मृतिजी म.सा. 'डबल एम.ए.' आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, मै भूषण दी हट्टी, सर्राफा बाजार, अम्बाला शहर (हरियाणा) १३४००१

(२९) नवा शहर (पंजाब)
उपप्रवर्तिनी महासती श्री कोसल्याजी म सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस. जैन सभा, जेन स्थानक, मु.पो.नवा शहर जिला जालधर (पंजाब) १४४५१४

(३०) चरखी दादरी (हरियाणा)
उपप्रवर्तिनी महासती श्री कैलाशवती जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक, मोहल्ला कानूगो, मु.पो. चरखी दादरी (हरियाणा) १२३३०६

(३१) दिल्ली-राणा प्रताप बाग
उपप्रवर्तिनी महासती श्री [illegible] म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा,

ए-११-राणाप्रताप बाग, दिल्ली-११०००७

(३२) दिल्ली-मजलिस पार्क
उपप्रवर्तिनी महासती श्री पवन कुमारीजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, गली न ५,
मजलिस पार्क, दिल्ली-११००३३

(३३) लुधियाना (पजाब)
१ उपप्रवर्तिनी महासती श्री सरिताजी म सा 'डबल एम ए'
२ महासती श्री मीना कुमारीजी म सा 'एम ए'
३ महासती श्री शुभाजी म सा 'डबल एम ए'
४ महासती श्री समताजी म सा 'बी ए.' आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
चन्दा आश्रम, गली कर्ताराम, घास बाजार,
लुधियाना-१४१००८ (पजाब)

(३४) मालेर कोटला (पजाब)
तपसूर्या महासती श्री हेमकवरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एम जैन सभा, जैन स्थानक,
मोतीबाजार, मु पो मालेर कोटला जिला सगरुर
(पजाब) १४८०२३

(३५) दिल्ली-शक्तिनगर
महासती श्री माया देवीजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, महिला जैन
स्थानक, १८/३१ शक्तिनगर, दिल्ली-११०००७

(३६) लुधियाना (पजाब)
महासती श्री सावित्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक १ अनुसार

(३७) लुधियाना (पजाब)
महासति डॉ मुक्तिप्रभाजी म सा एम ए पीएचडी
महासती डॉ दिव्यप्रभाजी म सा 'एम ए पीएचडी
महासती डॉ अनुपम साधनाजी म सा एम ए पीएचडी-
आदि (१५)
(नवदीक्षित चार महासतीयॉजी भी साथ मे है)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
आत्मचौक, रपा मिस्त्री लेन,
लुधियाना-१४१००८ (पजाब)

(३८) दिल्ली-प्रेमनगर
महासती श्री वीरमतिजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा
२१०५-डी, प्रेमनगर, दिल्ली-११०००८

(३९) गोहाना मडी (हरियाणा)
महासती श्री शातिदेवीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
मु पो गोहाना मडी, जिला सोनीपत
(हरियाणा) १२४३०१

(४०) दिल्ली-श्रीनगर
महासती श्री कृष्णाजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा
२५३९ श्रीनगर दिल्ली-११००३५

(४१) दिल्ली-कोल्हापुर हाऊस
महासती श्री स्वर्णकुमारीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
महिला जैन स्थानक, कोल्हापुर हाउस,
चन्द्रवल रोड, दिल्ली-११०००७

(४२) दिल्ली-डेरावाल कालोनी
१ महासती श्री विमलाजी म सा 'एम ए'
२ महासती श्री निपिजी म सा 'बी ए.' आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, प्लाट-३,
डेरावाल कालोनी, दिल्ली-११००३३

(४३) भिवानी (हरियाणा)
महासती श्री प्रकाशवतीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
मु पो भिवानी (हरियाणा) १२५०२१

(४४) मेरठ (उत्तर प्रदेश)
महासती सरोजश्री जी म सा एम ए पीएचडी आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
जैन नगर, भगवान महावीर मार्ग,
मेरठ (उ प्र) २५०००१

(४५) गाजिया बाद (उत्तर प्रदेश)
१ महासती डॉ मजुश्रीजी म सा 'एम ए पी एच डी'
२ महासती श्री अक्षयजी म सा 'डबल एम ए'
३ महासती श्री मल्लिश्री जी म सा 'बी ए'
४ महासती श्री प्रभात श्री जी म सा 'बी ए' आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जे डी जैन, के बी ४५ कवि नगर

गाजियाबाद - (उत्तर प्रदेश) २०१ ००१

(४६) दिल्ली-इन्द्रपुरी

महासती श्री जिनेश कुमारी जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक,
ई-४४६ जे.जे. कालोनी, इन्द्रपुरी,
दिल्ली-११००५२

(४७) मलोट मण्डी (पंजाब)

१. महासती श्री राजकुमारीजी म.सा.
२. महासती श्री श्रुतिजी म.सा. 'एम.ए.' आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन सभा,
मु.पो. मलोट मंडी, जिला फिरोजपुर
(पंजाब) १५२१०७

(४८) रोपड (पंजाब)

१. महासती श्री चन्द्रप्रभाजी म.सा.
२. महासती श्री ओमप्रभाजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा, मु.पो. रोपड,
जिला पटियाला (पंजाब) १४०००१

(४९) चण्डीगढ़

महासती श्री गुणमालाजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक,
सेक्टर २२, चण्डीगढ-१६००२२

(५०) दिल्ली-लारेंस रोड,

महासती श्री प्रवीण कुमारीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क मूत्र - श्री एस.एस जैन सभा, जैन स्थानक,
लारेस रोड, दिल्ली - ११००३५

(५१) टोहाना (हरियाणा)

महासती श्री कुसुम प्रभाजी म.मा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक,
मु.पो. टोहाना शहर, जिला हिसार
(हरियाणा) १२६११९

(५२) दिल्ली पंजाबी बाग

महासती श्री शशिप्रभाजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, १०/३२ (पूर्वी)
पंजाबी बाग, दिल्ली-११००२६

(५३) दिल्ली-शाहदरा

महासती श्री मोहन मालाजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, बी-११,
गली नं.९, मानसरोवर पार्क, शाहदरा,
दिल्ली-११००३२

(५४) दिल्ली-पश्चिम विहार

महासती श्री विजेन्द्र कुमारीजी म.सा: आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, ए-३१७,
पश्चिम विहार, दिल्ली-११००६३

(५५) राजपुर (हरियाणा)

महासती श्री शान्ती देवीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा,
जैन स्थानक, मु.पो.राजपुर जिला सोनीपत
(हरियाणा)

(५६) सोनीपत मंडी (हरियाणा)

महासती श्री लीलावतीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक,
मु.पो.सोनीपत मंडी (हरियाणा) १३१००१

(५७) जालंधर (पंजाब)

महासती श्री सुलक्षणाजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ,
गुडमंडी जालंधर शहर (पंजाब)

(५८) दिल्ली-गौतमपुरी

महासती श्री सुमन कुमारीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा
टी-१२ गौतमपुरी, दिल्ली-११००५३

(५९) सुलतानपुर मंडी (पंजाब)

महासती श्री मीनाजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक,
मु.पो. सुलतानपुर मंडी (पंजाब) १४४६२६

(६०) दिल्ली-विश्वासनगर

महासती श्री सुशीलाजी म.सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा, टी-५८,
रामगली, विश्वास नगर, दिल्ली-११००३२

(६१) दिल्ली-माडल टाउन

महासती श्री स्नेह कुमारीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस.जैन सभा,
डी-१४/१० माडल टाउन, दिल्ली-११०००९

(६२) दिल्ली - सदर बाजार
महासती श्री अनिल कुमारीजी म सा 'डवल एम ए'
महासती श्री चेतनाजी म सा 'एम ए' आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा ४५३० डिप्टीगज,
सदर बाजार, दिल्ली-११०००६

(६३) नारनौल (हरियाणा)
महासती श्री कमलेशजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैनसभा, जैन स्थानक,
मु पो नारनोल जिला महेन्द्रगढ
(हरियाणा) १२३००१

(६४) दिल्ली - नागलोई
महासती श्री शारदाजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, नागलोई-दिल्ली

(६५) शामली (उत्तरप्रदेश)
महासती श्री सयम प्रभाजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
शूगर मिल रोड, मु पो शामली,
जिला मुजफ्फरनगर (उ प्र) २४७७७६

(६६) पचकूला (हरियाणा)
१ महासती श्री सुमित्राजी म सा
२ महासती श्री सुनिताजी म सा 'डवल एम ए'
३ महासती श्री सुप्रियाजी म सा एम ए'
४ महासती श्री सुरभिजी म सा 'एम ए' आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, सेक्टर न १७,
नया पचकूला, जिला अम्बाला
(हरियाणा) १३४१०८

(६७) धूरी (पजाब)
महासती श्री पुनित ज्योतिजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, मु पो धूरी,
जिला-पटियाला (पजाब) १४८०२४

(६८) बराड़ा (हरियाणा)
महासती डॉ अर्चनाजी म सा एम ए पीएचडी आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
मु पो बराड़ा, जिला अम्बाला
(हरियाणा) १३३२०१

(६९) जम्मूतवी (जम्मू-कश्मीर)
महासती श्री सतोष कुमारीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
जैन बाजार, जम्मूतवी (जम्मूकश्मीर)-१८०००३

(७०) लुधियाना (पजाब)
महासती श्री पुष्पाजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
शिवपुरी, लुधियाना-१४१००८ (पजाब)

(७१) मोहाली (पजाब)
महासती श्री मजुज्योतिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैनसभा, मु पो मोहाली,
जिला रोपड (पजाब)

(७२) दिल्ली-शास्त्री पार्क
महासती श्री सुरेन्द्र कुमारी जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एम जैन सभा,
बी-५४ शास्त्री पार्क, दिल्ली-११००५३

(७३) दिल्ली-चादनी चौक
महासती श्री कौसल्याजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन बिरादरी, जैन स्थानक,
महावीर भवन, बैक आफ इण्डिया के ऊपर,
चादनी चौक, दिल्ली-११०००६

(७४) भून्तर (हिमाचल प्रदेश)
योग साधिका महासती श्री नूतन प्रभाजी म सा
महासती श्री स्नेहप्रभाजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - जैनसाधना केन्द्र,नूतन साधनालय,
मु पो भून्तर वाया जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश)
१७५१२५
साधन शिमला,कुल्लू मनाली, चण्डीगढ
कालका, अम्बाला से बसे)
नोट-महासतीजी श्री नूतन प्रभाजी म सा
२७-५-१९८९ से १२ वर्ष की मौन साधना मे है।
प्रतिदिन प्रात १० से ११ बजे तक दर्शनो का लाभ
मिलता है।

(७५) लुधियाना (पजाब)
विदुषी महासती महेन्द्राजी म सा आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री रंगीराम धर्मपाल जैन बजारन,
तलाव मंदिर रोड, लुधियाना-१४१००८ (पंजाब)
चातुर्मास स्थळ - एस.एस.जैनसभा, जैन स्थानक,
रुपा मिस्त्री गली, लुधियाना-१४१००८ (पंजाब)

(७६) दिल्ली - वुद्ध विहार

विदुपी महासती श्री सुशीलजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा जैन स्थानक
क्यु-४५ बुद्ध विहार दिल्ली - ११० ०४१
फोन नं. ७३७ ६१३९

कुल चातुर्मास (७६) मुनिराज (७७)
महासतियॉजी (२९५) कुल ठाणा (३७२)

---

२ महाराष्ट्र प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) पूना (महाराष्ट्र)
युवाचार्य डॉ.शिवमुनिजी म.सा.
'एम.ए.पीएचडी', 'डि लीट' आदि (३)
चातुर्मास स्थल - सोभाग्य सभागृह के पास, शिव शकर
सभागृह महर्षि नगर, पूना - ४११ ०३७
सपर्क सूत्र - श्री कचरदासजी पोरवाल-अध्यक्ष
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ, जैन
स्थानक, साधना सदन, २५९/२ नाना पेठ, पूना-
४११००२ (महाराष्ट्र), फोन न. स्थानक
नोट-युवाचार्य श्री हमेशा चातुर्मास स्थल पर ही
विराजेगे
साधन . पूना रेल्वे स्टेशन एवं वस स्टेण्ड से
आटोरिक्शा वसे उपलब्ध

(२) पूना-आदिनाथ सोसायटी (महाराष्ट्र)
१.प्रवर्तक श्री कुन्दन ऋषीजी म.सा.
२. प्रज्ञा प्रदीप श्री प्रवीण ऋषीजी म.सा. आदि (४)
चातुर्मास स्थल - श्री आदिनाथ स्था जैन सघ,
जैन स्थानक, आदिनाथ सोसायटी, जैन मंदिर के
सामने, पूना सतारा रोड, पूना-४११०३७ (महाराष्ट्र)
संपर्क सूत्र - श्री बकटलालजी कोठारी अध्यक्ष जैन
कान्फ्रेन्स, ६९२/१/६ मोती बाग, पूना सतारा
रोड, पूना-४११०३७ (महाराष्ट्र)
फोन नं. ४४९५४९, ४४०३४९
(पूना रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टेण्ड से आटोरिक्सा
बसे उपलब्ध

(३) औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
१. सलाहकार श्री सुमति प्रकाशजी म.सा.
२. उपाध्याय डॉ. विशाल मुनिजी म.सा.
३. श्री हेमत मुनि जी म.सा.'बी.कॉम'
४. श्री अचल मुनिजी म.सा. 'एम.ए.' आदि
सम्पर्क सूत्र-श्री सुवालालजी छल्लानी, अध्यक्ष,
मिश्री चेम्वर्स, कुशलनगर, जालना रोड,
औरंगावाद-४३१००१ (महाराष्ट्र)
साधन . मनमाड, नासिक वम्वई जालना से ट्रेन
सेवा एवं महाराष्ट्र के हर क्षैत्र से वस सेवा
उपलब्ध

(४) अहमदनगर-आनन्द धाम (महाराष्ट्र)
१. तपस्वी श्री पुण्य ऋपीजी म.सा.
२. पं रत्न श्री आदर्श ऋपीजी म.सा. आदि (१०)
संपर्क सूत्र - श्री तिलोक रत्न स्था. जैन धार्मिक परीक्षा
वोर्ड, आनन्द धाम, आचार्य श्री आनन्द ऋपीजी
मार्ग, अहमदनगर-४१४००१ (महाराष्ट्र),
फोन नं.२४९३८ साधन एस.टी. वस स्टेण्ड के
समीप, रेल्वे स्टेशन से आटो रिक्सा उपलब्ध

(५) अहमदनगर-नवीपेठ (महाराष्ट्र)
तपस्वी श्री मगन मुनिजी म.सा. आदि (४)
संपर्क सूत्र - श्री वसतीलाल पूनमचद भण्डारी,
२५८५ न्यू कापड वाजार, एम.जी.रोड.
अहमदनगर-४१४००१ (महाराष्ट्र)
चातुर्मास स्थल- श्री व स्था. जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, नवी पेठ, अहमदनगर
(महाराष्ट्र) ४१४००१

(६) वम्वई ठाकुरद्वार-(महाराष्ट्र)
मधुरवक्ता पं. रत्न श्री सुमेन मुनिजी म.सा.'शास्त्री'

आदि (३)

सपर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
(मेवाड) साधना सदन, १ माला, राममदिर,
१६८-बी, वैद्यवाडी, डॉ जयकर मार्ग, ठाकुरद्वार,
बम्बई-४००००२ (महाराष्ट्र)
फोन न ३८६६७६०, ३८५६४६०
साधन पश्चिम रेल्वे के चर्नीरोड स्टेशन से पास
मे एव भूलेश्वर कालवादेवी के निकट

(७) बम्बई-खार (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
घोर तपस्वी श्री सहजमुनिजी म सा
मधुर व्याख्यानी श्री राम मुनिजी म सा 'निर्भय' एम ए
आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री पजाब जैन मातृसभा, अहिसा भवन,
अहिसा मार्ग, १४वा रस्ता के पास,
खार रोड (वेस्ट), बम्बई-४०००५२(महाराष्ट्र),
फोन न ६०४२५०९, ६०४५४३८
नोट - घोर तपस्वी श्री सहज मुनिजी म सा ने
२२-६-९४ से तपस्याऐ प्राभ कर रखी है आगे
बढने के भाव है।
साधन पश्चिम रेल्वे के खार रोड स्टेशन से
पश्चिम की ओर (१४/ए रोड) रेल्वे स्टेशन से बसे
आटो रिक्सा उपलब्ध

(८) कर्जत (महाराष्ट्र)
प रत्न श्री राजेन्द्र मुनिजी म सा आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री गोतमचद मोतीलाल बोथरा,
मु पो कर्जत जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र)

(९) जालना (महाराष्ट्र)
युवा मनिषी श्री आशिष मुनिजी म सा एम ए
आदि (४)
व्याख्यानी श्री उत्तम मुनिजी म सा एम ए
सपर्क सूत्र - श्री चम्पालालजी सकलेचा, गुरु गणेश
गौशाला, गुरु गणेश नगर,
जालना-४३१२०३ (महाराष्ट्र)

(१०) देऊलगाव माली (महाराष्ट्र)
प रत्न श्री नेमीचदजी म सा आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री पुखराजजी बेगानी,
मु पो देऊलगाव माली, तालूका मेहकर, जिला
बुलढाणा (महाराष्ट्र) ४४३३०६
साधन बुलढाणा, यवतमाळ, औरगाबाद,
मेहकर से बस द्वारा

(११) होलनाथा (महाराष्ट्र)
प रत्न श्री तारक ऋषीजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री मोतीराम कालूराम सेठीया,
मु पो होलनाथा, तालूका शिरपुर, जिला धुलिया
(महाराष्ट्र) ४२५४४८

(१२) औरगाबाद (महाराष्ट्र)
सेवाभावी श्री सपत मुनिजी म सा (सकारण) आदि (१)
सपर्क सूत्र - श्री गुरु गणेश नगर, बीबी के मकबरे के
पास, औरगाबाद - ४३१००१ (महाराष्ट्र)

महासतियाँजी समुदाय

(१३) पाँचोरा (महाराष्ट्र)
महासती श्री सुन्दर कुवरजी म सा आदि (५)
सपर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु पो पाचोरा जिला जलगाव
(महाराष्ट्र) ४२४२०१

(१४) धुलिया (महाराष्ट्र)
महासती श्री सुशील कवरजी म सा आदि (६)
सपर्क सूत्र - श्री उत्तमचंदजी लालचदजी साड,
बॉम्बे आग्रा रोड, धुलिया (महाराष्ट्र) ४२४००१,
फोन न (०२५६२) २१३५७

(१५) पाथर्डी (महाराष्ट्र)
महासती श्री देवताजी म सा आदि (८)
सपर्क सूत्र - श्री सुगनचद सुखराज कुचेरिया,
मु पो पाथर्डी, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र)

(१६) बम्बई-घाटकोपर (महाराष्ट्र)
१ महासती डॉ धर्मशीलाजी म सा 'एम ए पीएचडी'
२ महासती श्री चारित्र शीलाजी म सा 'बी ए'
३ महासती श्री पुण्यशीलाजी म सा एम ए' आदि (५)
सपर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
उपाश्रय लेन, हिगवाला लेन घाटकोपर (पूर्व),

बम्बई-४०००७७ (महाराष्ट्र) फोन-५१२२२६०
नोट-डॉ.धर्मशीलाजी म.सा. को प्रत्येक सोमवार को मौन रहती है।

(१७) नासिक सिटी-(महाराष्ट्र)
१. महासती श्री शांतिकुंवरजी म.सा. आदि (१०)
२. महासती श्री सुमनप्रभाजी म.सा 'सुमन' आदि (१०)
संपर्क सूत्र - श्री शांतिलालजी दुगड़ मंत्री, २०३ मून्दडा बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, नासिक सिटी ४२२००१(महाराष्ट्र), फोन नं. ७३४७१
चातुर्मास स्थल-श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, महावीर मार्ग (रविवार) कारंजा, नासिक सिटी (महाराष्ट्र) ४२२००१ फोन ७०८८४
साधन नासिक रोड (सें.रे.) रेल्वे स्टेशन से सिटी बस द्वारा रविवार कारंजा उतरें, एस.टी. बस स्टेण्ड से रविवार कारंजा उतरे वहा चोक के समीप स्थानक हे

(१८) भुसावल (महाराष्ट्र)
महासती श्री कंचन कुंवरजी म.सा. आदि (४)
संपर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, बालाजी गली, मु.पो. भुसावल, जिला जलगांव (से.रे.) (महाराष्ट्र)

(१९) नरडाना (महाराष्ट्र)
१. महासती श्री पान कुंवरजी म.सा.
२. महासती श्री रमणिक कंवरजी म सा. आदि (६)
संपर्क सूत्र - श्री विनोद कुमार उत्तमचंद बाफना, मु.पो. नरडाना वाया सिंदखेडा, जिला धुलिया (महाराष्ट्र)

(२०) चिंचवड-पूना (महाराष्ट्र)
१. महासती श्री कोसल्याजी म.सा.
महासती श्री स्नेहप्रभाजी म.सा. 'बी.ए.' आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, आचार्य आनन्द ऋषीजी मार्ग, मु पो. चिंचवड-स्टेशन, पूना-४११०३३ (महाराष्ट्र)

(२१) पहुर (महाराष्ट्र)
महासती श्री दर्शन प्रभाजी म.सा आदि (२)
संपर्क सूत्र - श्री सौभाग्यचंदजी लोढा, मु.पो. पहुर, तालूका जामनेर, जिला जलगांव (महाराष्ट्र) ४२४२०५ फोन २४३/२३२

(२२) बम्बई-ठाणा (महाराष्ट्र)
महासती श्री चन्दनाजी म.सा. आदि (५)
संपर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, महावीर भवन, १०२ गोल्डन हेवन, १ माला, प्रताप टाकीज के पास, खोपट ठाणा (वेस्ट) (महाराष्ट्र) ४००१०२
फोन ५३६०६९०, ५३६५३७४ C/o सुमति लालजी कर्नावट
साधन - सेंट्रल रेलवे में ठाणा स्टेशन से आटोरिक्सा बस द्वारा

(२३) पालघर-महाराष्ट्र
महासती श्री सत्यसाधनाजी म.सा. आदि (४)
संपर्क सूत्र - श्री हीरालाल पुखराज एण्ड क.मनोररोड, मु.पो.पालघर, जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०१४०४, फोन आफिस १२४ निवास १५४ (पश्चिम रेल्वे के बम्बई सूरत के बीच मेन लाइन पर स्टेशन है)

(२४) देवलाली-(नासिक) (महाराष्ट्र)
महासती श्री वैराग्यसुधाजी म.सा. आदि (३)
संपर्क सूत्र - विरायतन ट्रस्ट, वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र के सामने, लाम रोड, मु पो. देवलाली केम्प वाया नासिक रोड (महाराष्ट्र) ४२२४०२

(२५) वैजापुर-(महाराष्ट्र)
महासती श्री प्रकाश कंवरजी म.सा. आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री पारसमलजी संचेती मु.पो. वैजापुर, जिला औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

(२६) जामनेर (महाराष्ट्र)
महासती श्री किरण प्रभाजी म.सा. आदि (५)
संपर्क सूत्र - श्री किशनलालजी कोठारी, संघपति, मु.पो. जामनेर जिला जलगांव (महाराष्ट्र)

(२७) मीरी (महाराष्ट्र)
महासती श्री सुमनकंवरजी म.सा आदि (२)

सपर्क सूत्र - श्री गोकुलदासजी गाधी,
मु पो मिरी, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र)

(२८) कोल्हार भगवती (महाराष्ट्र)
महासती श्री उज्ज्वल कवरजी म सा आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री विजय कुमार माणकचदजी राका,
मु पो कोल्हार भगवती तालूका श्रीरामपुर, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र),
फोन आफिस ५२५२८ निवास ५२७२७ (एस टी डी ०२४२२)

(२९) अहमदनगर (महाराष्ट्र)
महासती श्री पुष्प कुवरजी म सा आदि (५)
सपर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
नवी पेठ अहमदनगर (महाराष्ट्र) ४१४००१

(३०) रालेगाव (महाराष्ट्र)
महासती श्री प्रतिभाजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक
मु पो रालेगाव, जिला यवतमाळ (महाराष्ट्र)

(३१) जालना (महाराष्ट्र)
महासती श्री धनकवरजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
गुरु गणेश नगर मु पो जालना (महाराष्ट्र)

(३२) सिल्लोड (महाराष्ट्र)
महासती श्री धीरज कवरजी म सा आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री धर्मचदजी मडलेचा, श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक मु पो सिल्लोड,
जिला औरगाबाद (महाराष्ट्र)

(३३) नेवासा (महाराष्ट्र)
१ महासती श्री त्रिशला कॅवरजी म सा
२ महासती डॉ स्मितासुधाजी म सा एम ए पीएचडी आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री चपालालजी भावानदासजी बोरा,
मु पो नेवासा जिला-अहमदनगर (महाराष्ट्र)

(३४) देवलाली-केम्प (नासिक) (महाराष्ट्र)
महासती श्री चन्दा कुँवरजी म सा आदि (६)
सपर्क सूत्र - श्री वर्धमान महावीर केन्द्र लाम रोड
मु पो देवलाली केम्प, जिला नासिक
(महाराष्ट्र) ४२२४०२

(३५) अहमदनगर (महाराष्ट्र)
महासती श्री विमल कॅवरजी म सा आदि (६)
सपर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ४ अनुसार

(३६) वरखेड़ी (महाराष्ट्र)
महासती श्री सुनदाजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्रीमति प्यारीबाइ धनराजजी बडौला,
मु पो वरखेडी, तालूका पाचोरा, जिला जलगाव
(महाराष्ट्र)

(३७) सिद्धाचलम् (महाराष्ट्र)
१ महासती श्री सुदर्शनाजी म सा
२ महासती श्री सुमतिजी म सा 'एम ए' आदि (३)
सपर्क सूत्र - श्री सिद्धाचलम् चेरीटेबल ट्रस्ट,
वाडे बोल्हाई, तालूका हवेली
जिला पूना (महाराष्ट्र)

(३८) आलन्दी (देवाची) (महाराष्ट्र)
महासती श्री निमल कॅवरजी म सा आदि (२)
चातुर्मास स्थल- श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, मु पो आलन्दी (देवाची) तालूका
खेड जिला - पूना (महाराष्ट्र) ४१२१०५
सपर्क सूत्र - श्री मोतीलालजी लोढा, किराणा जनरल स्टोर्स, मु पो आलन्दी (देवाची) तालूका खेड,
जिला पूना (महाराष्ट्र) ४१२१०५

(३९) पूना-सादडी सदन (महाराष्ट्र)
महासती श्री विनयवतीजी म सा आदि (२)
सपर्क सूत्र - श्री रतनचदजी दलीचदजी सराफ,
४०६ रविवार पेठ, सोन्या मारुती चौक,
पूना-४११००२ (महाराष्ट्र)

कुल चातुर्मास (३९) मुनिराज (४८)
महासतियाँजी (११२) कुल ठाणा (१६०)

देवेन्द्र मुनि का यह सदेश
व्यसन मुक्त हो सारा देश

३ राजस्थान प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) **साण्डेराव (राजस्थान)**
उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'
पं.रत्न श्री विनय मुनिजी म.सा. 'वागीस' आदि (४)
संपर्क सूत्र - श्री व. स्था जैन श्रावक सघ
श्री प्रतापजी कपूरजी साँकरिया, मु.पो. साण्डेराव,
जिला पाली (राजस्थान) ३०६७०८
साधन सादडी मारवाड, पाली फालना सिरोही
से सीधी वसे उपलब्ध

(२) **सादड़ी-मारवाड़ (राजस्थान)**
१. प्रवर्तक श्री रुपचन्दजी म.सा.'रजत'
२. उप्र. सलाहकार श्री सुकन मुनिजी म.सा. आदि (७)
संपर्क सूत्र - श्री वावूलालजी सवाईमलजी पूनमिया,
मु.पो. सादडी मारवाड स्टेशन फालना,
जिला पाली (राजस्थान) ३०६७०२
चातुर्मास स्थल- श्री व स्था. जैन श्रावक संघ,
महावीर भवन, मु पो.सादडी मारवाड स्टेशन
फालना, जिला पाली (राजस्थान) ३०६७०२
फोन न.(एस.टी.डी. ०२९३४) ३६१८ .
साधन . उदयपुर, पाली, फालना, साण्डेराव,
जोधपुर से सीधी वसे उपलब्ध

(३) **आमेट (राजस्थान)**
१. तपोनिधी श्री इन्द्रमुनिजी म सा.
२. मरामंत्री श्री सौभाग्यमुनिजी म.सा. 'कुमुद'
३. उपप्रवर्तक श्री मदन मुनिजी म.सा. पथिक
संपर्क सूत्र-श्री व.स्था. जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
मु पो. आमेट, जिला राजसमन्द (राजस्थान)
साधन . नाथद्वारा, काकरोली, उदयपुर, फालना
से सीधी वसे उपलब्ध

(४) **पाली-मारवाड़ (राजस्थान)**
प्रवर्तक श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. 'कमल' आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री सागरचंदजी गाधी मंत्री
मैसर्स शाह उगमचद मनमोहन चद, कपडे के
व्यापारी, धाणेराव गली, पाली-मारवाड
(राजस्थान) ३०६४०१
फोन दुकान २१६४१ निवास २१०२९

(५) **ब्यावर- (राजस्थान)**
सलाहकार श्री मूलमुनिजी म.सा. आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय,
मेवाडी वाजार, मु.पो. ब्यावर
जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५९०१
चातुर्मास स्थल- श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, पिपली वाजार, मु.पो. ब्यावर,
जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५९०१
साधन : जयपुर, अजमेर, जोधपुर, पाली, सोजत
अहमदावाद से ट्रेन व वसे उपलब्ध

(६) **समदडी - (राजस्थान)**
पं.रत्न श्री हीरा मुनिजी म.सा. 'हिमकर' आदि (२)
संपर्क सूत्र - श्री हरकचंदजी पालरेचा, मु.पो. समदडी
जिला वाडमेर (राजस्थान) ३४४०२१

(७) **घासा - (राजस्थान)**
तपस्वी श्री मंगल मुनिजी म.सा. आदि (२)
संपर्क सूत्र - श्री देवीलालजी सिंघवी, मु.पो. घासा,
जिला उदयपुर (राजस्थान) ३१३२१०

(८) **जोधपुर-वासनी (राजस्थान)**
उपप्रवर्तक श्री विनय मुनिजी म.सा 'भीम' - आदि (२)
संपर्क सूत्र - श्री अगरचदजी फतेहचदजी,
कपडा वाजार, जोधपुर (राजस्थान) ३४२००१
साधन - दिल्ली, अहमदावाद, सवाईमाधोपुर,
जयपुर, उदयपुर से सीधी ट्रेने एव वसे उपलब्ध

महासतियाँजी समुदाय

(१) **वडी सादडी-राजस्थान**
उपप्रवर्तिनी महासती श्री मज्जन कुवर्जी म सा आदि (५)
संपर्क सूत्र - श्री मांगीलालजी चितलिया, मु.पो. वडी
सादडी, जिला चित्तौडगढ (राजस्थान) ३१२४०३

साधन चितौड़गढ, नीमच, भीलवाड़ा, निम्बाहेड़ा कपासन से बसे उपलब्ध

(१०) बगडूडा (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री शान्ति कुँवरजी म सा आदि (७)
संपर्क सूत्र - श्री नन्दलालजी लोढा, मु पो बागडूडा वाया सायरा, जिला उदयपुर (राजस्थान)
साधन सायरा झाडोल से बस सेवा उपलब्ध

(११) कोटडी-झाणियो की (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री यश कुंवरजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र-श्री व स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, मु पो कोटडी-झाणियो की, जिला भीलवाडा (राजस्थान)
साधन ब्यावर-आसीन्द-भीलवाडा से बस सेवा उपलब्ध

(१२) आयड-उदयपुर (राजस्थान)
१ विदुषी महासती श्री कुसुमवतीजी म सा
२ महासती डॉ दिव्यप्रभाजी म सा एम ए पीएचडी
३ महासती श्री गरिमाजी म सा 'डबल एम ए'
४ महासती श्री अनुपमाजी म सा एम ए. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, मु पो आयड, जिला उदयपुर (राजस्थान)
साधन - दिल्ली अहमदाबाद, भीलवाडा, अजमेर जयपुर से सीधा बसे उपलब्ध

(१३) उदयपुर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री पुष्पवतीजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय, गुरु पुष्कर मार्ग, शास्त्री सर्कल, उदयपुर-३१३००१ (राजस्थान)
चातुर्मास स्थल - पोरवाडो का नोहरा, बड़ा बाजार, उदयपुर-३१३००१ (राज)

(१४) जयपुर-आदर्शनगर (राजस्थान)
१ विदुषी महासती श्री उमराव कुंवरजी म सा 'अर्चना'
२ महासती श्री उम्मेद कुंवरजी म सा 'आचार्य'
३ महासती डॉ सुप्रभाजी म सा एम ए.पीएचडी आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र जी महता, २/४०६ गीता मंदिर के पास, जवाहर नगर जयपुर-३०२००४ (राजस्थान)
चातुर्मास स्थल - श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ, महावीर भवन, १७७ आदर्शनगर, जयपुर-३०२००४ (राजस्थान)
साधन बम्बई, रतलाम, सवाई माधोपुर, दिल्ली, अजमेर, से सीधी ट्रेन सेवा, जयपुर रेल्वे स्टेशन से सिटी बसे उपलब्ध

(१५) मदनगंज-किशनगढ (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री राम कुंवरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र-श्री व स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, ओसवालों मोहल्ला, मु पो मदनगंज-किशनगढ, जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५८०१,
फोन न अध्यक्ष दुकान ३१५८ निवास ३२१२
साधन - दिल्ली-जयपुर-अहमदाबाद (वे रे) मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन, राजस्थान के हर क्षेत्र से बसे उपलब्ध

(१६) गोटन स्टेशन (राजस्थान)
१ विदुषी महासती श्री तेज कुंवरजी म सा
२ विदुषी महासती श्री मनोहर कुंवरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री रतनलाल लालचंद कोठारी मु पो गोटन स्टेशन, जिला नागौर (राजस्थान)
साधन जयपुर जोधपुर पिपाड से ट्रेन व नागौर मेडता से बसे

(१७) कुवारिया (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री प्रेमवतीजी म सा (मेवाड) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री शंकरलालजी चंडालिया, मु पो कुंवारिया, जिला राजसमंद (राजस्थान) ३१३३२७
साधन उदयपुर, कांकरोली, नाथद्वारा, भीलवाडा से बसे एव मारवाड-उदयपुर के बीच रेल्वे स्टेशन है। यह उदयपुर भीलवाडा वाया कांकरोली के पास स्थित है

(१८) डूंगला (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री मधुबालाजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री मोहनलालजी दक, सदर बाजार मु पो डूंगला, जिला चितौडगढ

(राजस्थान) ३१२४०२
साधन . मंगलवाड, वडी सादडी, चितौड से भिण्डर होकर

(१९) बडी सादडी (राजस्थान)
१. विदुषी महासती श्री ज्ञानवतीजी म.सा.
२. महासती डॉ. सुशीलजी म.सा.'एम.ए.पीएचडी' आदि (३)
चातुर्मास स्थल- श्री जैन दिवाकर सामायिक भवन, नीमच रोड, वडीसादडी (राज)
संपर्क सूत्र - श्री मदनलालजी कोठारी-मंत्री, सदरबाजार, मु.पो. वडी सादडी, जिला चितौडगढ (राज.) ३१२४०३
फोन दुकान-६४२८८, निवास-६४२८७

(२०) चौथ का बरवाडा (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री वसंत कंवरजी म.सा आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, मु.पो. चौथ का बरवाडा, जिला सवाईमाधोपुर(राजस्थान) ३२२७०२
साधन . जयपुर-सवाई माधोपुर मेन लाईन पर रेल्वे स्टेशन है, सवाई माधोपुर से २२ कि.मी., वसे ट्रेने उपलब्ध

(२१) ब्यावर-(राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री पुण्याजी म.सा. आदि (४)
संपर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक ५ अनुसार

(२२) जवाली (राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री विमल कुंवरजी म.सा. आदि (४)
संपर्क सूत्र - श्री मूलचंदजी चंपालालजी गांधी, मु.पो. जवाली, जिला पाली (राजस्थान)
साधन फालना, सादडी पाली से वसे उपलब्ध

(२३) सनवाड (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री सोहन कुंवरजी म.सा. आदि (२)
संपर्क सूत्र - श्री ओंकार लालजी सेठिया, मु.पो सनवाड, जिला उदयपुर (राजस्थान) (मावली उदयपुर भीम मे वसे उपलब्ध)

(२४) रायपुर-(राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री रूपकुंवरजी म.सा. आदि (२)
संपर्क सूत्र-श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, मु.पो. रायपुर, जिला राजसमंद (राज.)
साधन : ब्यावर, सोजत, पाली, वर से वसे उपलब्ध

(२५) जोधपुर-महामंदिर (राजस्थान)
१. वयोवृद्धा महासती श्री झणकार कुँवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री धर्मप्रभाजी म.सा. आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री आसूलालजी बोहरा, मु.पो. महामंदिर, जोधपुर (राजस्थान) ३४२००१
साधन . दिल्ली-अहमदावाद, जयपुर, उदयपुर, दिल्ली, रतलाम से ट्रेन सेवा

(२६) जोधपुर-निमाज हवेली (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री कुशल कुँवरजी म.सा. आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री दौलतराज फतेहचंद पारख, कपडा वाजार, जोधपुर-३४२००१ (राजस्थान)
चातुर्मास स्थल- श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, महावीर भवन, निमाज की हवेली, जोधपुर-३४२००१ (राजस्थान)

(२७) जावला (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री इन्द्रप्रभाजी म.सा आदि (३)
संपर्क सूत्र - श्री सुवालालजी रांका, मु.पो. जावला वाया डेगाना, जिला नागौर(राजस्थान)
साधन . नागौर डेगाना से वसे उपलब्ध

(२८) उदयपुर-हिरणमगरी (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री प्रेम कंवरजी म.सा. आदि (३)
सपर्क सूत्र - श्री अमर जैन साहित्य संस्थान, गणेश विहार, सेक्टर नं.११, उदयपुर-३११००१ (राजस्थान)

(२९) उदयपुर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री श्रीमतिजी म.सा. आदि (२)
संपर्क सूत्र - श्री तारक गुरु जैन ग्रंथालय, गुरु पुष्कर मार्ग, शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राजस्थान) ३१३००१

(३०) जालौर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री सत्यप्रभाजी म.सा. आदि (५)
संपर्क सूत्र - श्री फूलचंद बलवंत राज गांधी, [illegible], मु.पो.जालौर

(राजस्थान) ३१२६०५

(४३) ब्यावर (राजस्थान)
१. विदुषी महासती श्री शांति कुंवरजी म.सा.
२. महासती श्री दरियाव कुवरजी म.सा. आदि (३)
संपर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक ५ अनुसार

कुल चातुर्मास (४३) मुनिराज (२९) महासतियॉजी (१५०) कुल ठाणा (१७९)

४ मध्य प्रदेश प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) रतलाम (मध्यप्रदेश)
१. पं.रत्न श्री रुपेन्द्र मुनि जी म.सा.
२. प्रवर्तक श्री उमेश मुनि जी म.सा. 'अणु' आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री निहालचंदजी गांधी, ७८ वजाज खाना
रतलाम-४५७००१(मध्यप्रदेश),
फोन-आफिस २०१७६, निवास-२०६३७
चातुर्मास स्थल-श्री धर्मदास जैन मित्र मण्डल,
८० नोलाईपुरा, रतलाम-४५७००१ (मध्यप्रदेश)
साधन · पश्चिम रेल्वे में दिल्ली वम्बई मेन लाइन पर स्टेशन हे, रेल्वे स्टेशन से आटो-रिक्सा, टेम्पो, घोडागाडी से, वजाजखाना उतरे वहा से समीप मे

(२) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
१. तपस्वी श्री मोहन मुनिजी म.सा.
२. प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा.
३. सफल वक्ता श्री अजीत मुनिजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री व. स्था जैन श्रावक संघ, महावीर भवन, १५६ इमली वाजार, इन्दौर-४५२००२ (मध्यप्रदेश)
साधन : वम्बई, दिल्ली, अजमेर, खण्डवा, उज्जैन, रतलाम से सीधी ट्रेन सेवा, रेल्वे स्टेशन से आटो रिक्सा टेम्पो मे राजवाडा उतरे, राजवाडे के नाके पर महावीर भवन है।

(३) उरला (मध्यप्रदेश)
सलाहकार श्री रतनमुनिजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री मगल साधना केन्द्र, मंगलम्
वी.एस.वाय दुग्ध डेयरी रोड, मु.पो.उरला,
जिला दुर्ग (मध्यप्रदेश) ४९००२५
साधन : दुर्ग, रायपुर, वालाघाट, राजसमंद से बसो की व्यवस्था

(४) रतलाम (मध्यप्रदेश)
१. उपप्रवर्तक श्री मेघराजजी म.सा.
२. पं.रत्न.श्री उदयमुनिजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, ३१ नीमचोक,
रतलाम-४५७००१ (मध्यप्रदेश)
फोन अध्यक्ष - श्री इन्द्रमलजी जैन २१६८०, २२३३७
मंत्री-श्री मांगीलालजी कटारिया-२०२८८, २२७५४

(५) इन्दौर-परदेशीपुरा (मध्य प्रदेश)
१. तपस्वी श्री वृद्धिचंदजी म.सा.
२. मधुरवक्ता श्री चंदन मुनिजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अभय कुमारजी पोखरना २२५ कलर्क कालोनी, परदेशीपुरा, इन्दौर - ४५२ ००२ (मध्य प्रदेश) फोन ४४१५४८

(६) रामपुरा (मध्यप्रदेश)
तपस्वी श्री अभय मुनिजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री धन्यकुमारजी धाकड, कपडे के व्यापारी, मु.पो. रामपुरा, जिला-मन्दसोर (मध्यप्रदेश)
साधन - मन्दसोर, नीमच, सिंगोली, निम्बाहेडा, रतलाम, जावरा से वसे उपलब्ध

महासतियॉजी समुदाय

(७) रतलाम (मध्यप्रदेश)
१. विदुषी महासती श्री सौभाग्य कुँवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री मगन कुंवरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री निहालचंदजी गांधी,
७८ वजाज खाना, रतलाम-४५७००१ (म.प्र.)

(८) बदनावर (मध्यप्रदेश)
१ विदुषी महासती श्री कचन कुवरजी म सा
२ विदुषी महासती श्री पुष्पलताजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुजानमलजी मुणत, मु पो बदनावर, जिला धार (मध्यप्रदेश) ४५४६६०
फोन न २०८६
साधन नागदा, इन्दौर, रतलाम, उज्जैन, धार से बस सेवा उपलब्ध

(९) नागदा-(धार) (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री मधुबालाजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री सागरमलजी सियाल, मैसर्स सियाल ब्रदर्स मु पो नागदा, जिला धार (म प्र) ४५४००१,
फोन न (०७२९२) ६२२३१
साधन इन्दौर, रतलाम, धार, उज्जैन से बसे उपलब्ध

(१०) बखतगढ (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री धैर्यप्रभाजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री बाबूलालजी बोहरा, मु पो बखतगढ, जिला-धार (म प्र)
फोन न (०७२९५१) ६१२६
साधन धार, बदनावर, आदि से बसे उपलब्ध

(११) इन्दौर-(मध्यप्रदेश)
१ विदुषी महासती श्री चपा कुवरजी म सा
२ विदुषी महासती श्री रमणिक कुवरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री राधा जैन महिला स्थानक, ७० आड़ा बाजार, इन्दौर-४५२००२ (म प्र)

(१२) बामनिया (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री आदर्श ज्योतिजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुजानमलजी पटवा, मु पो बामनिया, जिला झाबुआ (म प्र) ४५७७७०
फोन न ६२२४४, ६२१४४
साधन बम्बई दिल्ली रेल्वे लाइन पर बामनिया स्टेशन है रतलाम उज्जैन झाबुआ से बसे

(१३) राजगढ (धार) (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री धर्मलताजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस कुमार माणकलालजी सुराड़, मु पो राजगढ, जिला धार (म प्र) ४५४११६
साधन इन्दौर, रतलाम, धार, उज्जैन झाबुआ से बसे मिलती है

(१४) थादला (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री प्रमोद कुवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री रतनमलजी गादिया, नयापुरा, मु पो थादला, जिला झाबुआ(म प्र) ४५७७७७
साधन झाबुआ, इन्दौर, रतलाम उज्जैन से बसे रेल्वे स्टेशन भी है

(१५) देवास (मध्यप्रदेश)
वयोवृद्ध महासती श्री मनोहर कुवरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री छोटूलालजी महाजन, अध्यक्ष स्थानकवासी जैन उपासना गृह, बड़ी पाती, राजवाड़े के सामने, मुक्ति मार्ग न. २, मु पो देवास (म प्र) ४५५००१,
फोन न (एस टी डी ०७२७२) ५१९४

(१६) उज्जैन-नमक मडी (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री शान्ति कुवर जी म सा
विदुषी महासती श्री रमणिक कुवरजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री अभय कुमारजी जैन, सेठीया सदन, ११५ नजर अलीमार्ग, उज्जैन-४५६००२ (म प्र), फोन (एस टी डी ०७३४) २५९३१
चातुर्मास स्थल-श्री व स्था जैन श्रावक सघ, महावीर भवन, नमकमण्डी, उज्जैन-४५६००२ (म प्र)
साधन - इन्दौर, रतलाम, नागदा, बम्बई, दिल्ली से ट्रेने उपलब्ध)

(१७) उज्जैन (दौलतगज) (म प्र)
विदुषी महासती श्री कचन कुवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिलालजी मारु, मारु मेन्सन्स, दौलतगज, उज्जैन-४५६००२ (म प्र)

(१८) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री रमणिक कुंवरजी म सा

व्याख्यात्री महासती श्री चचल कुँवरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जीतमलजी जैन, मैसर्स जिनेन्द्र सेव भण्डार, बडा सर्राफा, इन्दौर-४५२००२(म.प्र.)
चातुर्मास स्थल-मोरसली गली, बडा सर्राफा, इन्दौर

(१९) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री रोशन कुंवरजी म.सा. आदि (५)
चातुर्मास स्थल - श्री श्वे. जैन पदमावती पोरवाल सघ, पोरवाल जैन भवन, ६/९ जंगमपुरा, इन्दौर (म.प्र.) ४५२००२

(२०) इन्दौर (महावीर नगर) (म.प्र.)
१. विदुषी महासती श्री अज कुंवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री शाता कुंवरजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - जैन दिवाकर भवन, श्री वर्धमान स्था. जैन श्रावक सघ, १ महावीर नगर, इन्दोर (म.प्र) ४५२००१

(२१) उज्जैन-(नयापुरा) (म.प्र.)
विदुषी महासती श्री सरस्वती कुंवरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिलालजी मायाचदजी लोढा, १६० महावीर मार्ग, नयापुरा, उज्जैन-४५६००६ (म.प्र.)

(२२) जावरा (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री कंचन कुंवरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, सोमवारीया बाजार, मु.पो. जावरा, जिला रतलाम (म.प्र.) ४५७२२६
साधन . मन्दसौर, नीमच, रतलाम, इन्दोर से सीधी ट्रेन व बसे उपलब्ध

(२३) नीमच सिटी (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री हेम कुंवरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, चौधरी मोहल्ला, शीतला माता मंदिर, मु.पो. नीमच सिटी (म.प्र.) ४५८४४१, फोन २०५२३
साधन निम्बाहेडा, रतलाम, चितौड, मन्दसौर, इन्दौर से सीधी बसे उपलब्ध)

(२४) हाट पिपल्या (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री प्रवीणाजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कमल चंदजी कांठेड, मु.पो. हाट पिपल्या, जिला देवास (म.प्र.) ४५५२२३
साधन इन्दौर, देवास, उज्जैन, रतलाम से वसे उपलब्ध

(२५) करही (मध्यप्रदेश)
१. विदुषी महासती श्री ईन्द्र कुँवरजी म.सा. आदि (४)
२. वयोवृद्धा महासती श्री तारा कुँवरजी म.सा. (सकारण) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - अमोलकचदजी छाजेड मु.पो. करही जिला खरगौन (म.प्र.) ४५१२२०
फोन . अध्यक्ष - ६५२२३, मन्त्री - ६५३११
साधन इन्दौर धार से बसे उपलब्ध

(२६) सिंगोली (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री प्रेमकवरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, मु.पो. सिगोली, जिला मंदसौर (म.प्र.)
साधन . मन्दसौर, चितौडगढ, नीमच से निम्बाहेडा से बसे उपलब्ध

(२७) मन्दसौर (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री वदाम कुँवरजी म.सा आदि (४)
संम्पर्क सूत्र - श्री चांदमलजी मरडिया, मैसर्स जैन दिवाकर, टेन्ट हाउस, अशोक सम्राट रोड, मु.पो.मन्दसौर-४५८००१ (म.प्र.)
साधन अजमेर, खण्डवा, मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है

(२८) कदवासा (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री रमिला कुंवरजी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री विजय सिंहजी सुराणा, मु.पो.कदवासा वाया नीमच, जिला मदसोर (म.प्र.)
साधन मदसोर, नीमच, रतलाम से बसे उपलब्ध

(२९) शाजापुर (मध्यप्रदेश)
स्थविरा महासती श्री [illegible] म.सा आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, सर्राफा बाजार,
मु पो शाजापुर (म प्र) ४६५००१

(३०) भोपाल (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती डॉ प्रमोदसुधाजी म सा
आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, ८५ मारवाडी रोड,
भोपाल-४६२००१ (म प्र)
साधन दिल्ली, खण्डवा मेन लाइन पर स्टेशन है

(३१) रावटी (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री जियाजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु पो रावटी वाया जिला रतलाम (म प्र)
सधन बम्बई रतलाम मेन लाइनपर स्टेशन है, रतलाम बाजना बस स्टेण्ड से बस उपलब्ध

कुल चातुर्मास (३१) मुनिराज (३५) महासतियॉजी (१०६) कुल ठाणा (१४१)

५ तमिलनाडू प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) कोयम्बतूर (तमिलनाडू)
मन्त्री, सलाहकार श्री सुमन मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री पन्नालालजी लुकड, सेक्रेटरी,
मैसर्स - लुणकरन पुखराज एण्ड क, ३०२-ओपानकरा स्ट्रीट, कोयम्बतूर-६४१००१, (तमिलनाडू)
फोन न आफिस-३०७५० निवास-३१६१६
चातुर्मास स्थल-श्री कोयम्बतूर स्थानकवासी जैन सघ,
जैन स्थानक, ७६५-ओपकरा स्ट्रीट, कोयम्बतूर-(टी एन) ६४१००१
साधन मद्रास, बैगलौर, सेलम, कुभकोनम से ट्रेन एव मद्रास बैगलोर, मैसूर से बसे उपलब्ध

(२) मद्रास-रेडहिल्स (तामिलनाडू)
तपस्वी श्री विमल मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वेताबर स्थानकवासी जैन सघ,
जैन भवन, १-राजाजी स्ट्रीट, रेड हील्स,
मद्रास-६०००५२ (टी एन)
साधन देश के हर कोने से ट्रेने उपलब्ध

महासतियॉजी समुदाय

(३) मद्रास-नेहरु बाजार (तामिलनाडू)
१ उज्ज्वल सघ प्रमुखा महासती श्री प्रमादसुधाजी म सा
२ महासती श्री किरण सुधाजी म सा 'एम ए'
३ महासती श्री श्रुति दर्शनाजी म सा 'एम ए'
४ महासती श्री प्रणवदर्शनाजी म सा 'बी कॉम'
आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताबर स्थानकवासी जैन सघ,
जैन भवन, न १ मोरया चर्च गिच स्ट्रीट,
नेहरु बाजार, मद्रास-६०००७९ (टी एन)
फोन न ५१३५९२, ५२२१९५२

(४) मद्रास-पेराम्बूर (तामिलनाडू)
विदुषी महासती डॉ ज्ञान प्रभाजी म सा 'एम ए पीएचडी'
महासती श्री सुप्रियादर्शनाजी म सा आदि (५)
चातुर्मास स्थल- श्री श्वेताबर स्थानकवासी जैन सघ,
२० फडन स्ट्रीट, पेराबुर, मद्रास-६०००११
माधवराम हाय रोड (टी एन)
सम्पर्क सूत्र - श्री पी एस बोहरा, ३६ एम एच रोड,
पेराबुर, मद्रास-६०००११ (टी एन),
फोन न ५३७५४९७

(५) विल्लीपुरम-मद्रास (तामिलनाडू)
१ विदुषी महासती डॉ प्रियदर्शनाजी म सा 'एम ए पीएचडी'
२ महासती श्री विरागदर्शनाजी म सा 'बी ए' आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सघ,
तीरु वी के रोड, पी ओ वील्लपुरम-६०५६०२ (टी एन)

(६) **तिरुवल्लूर (तामिलनाडू)**
१. विदुषी महासती श्री सत्य प्रभाजी म.सा.'बी.ए.'
२. महासती श्री सम्यकदर्शनाजी म.सा.'बी.ए.'
३. महासती श्री रत्नदर्शनाजी म.सा.'बी.कॉम.' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सघ, जैन स्थानक भवन, बाजार स्ट्रीट, पी.ओ. तिरुवल्लूर - ६०२००१, जिला - चंगलपेठ

(७) **मद्रास-साहूकारपेठ (तामिलनाडू)**
विदुषी महासती श्री अजीत कुंवरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री पारसमलजी चोरडिया, मेसर्स अगरचंद मानमल चोरडिया, चोरडिया हाऊस, १६३ मिन्ट स्ट्रीट, साहूकारपेठ, मद्रास-६०००७९(तमिलनाडू)
चातुर्मास स्थल-श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन सघ, जैन स्थानक, ३४८ मिन्ट स्ट्रीट, साहूकारपेठ, मद्रास-६०००७९ (तमिलनाडू)

(८) **कांचीवरम् (तामिलनाडू)**
विदुषी महासती श्री पुष्पावतीजी म.सा.आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेतावर स्थानकवासी जैन संघ, जैन स्थानक भवन, पी.ओ. कांचीपुरम (टी.एन.)-६३१५०१

(९) **होसूर (तामिलनाडू)**
दक्षिण ज्योत महासती श्री आदर्श ज्योतिजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जेन सघ, जैन भवन नं.५, फर्स्ट क्रॉस, कामराज कॉलोनी, P.O होसूर (तामिलनाडू) ६३५१२५
फोन नं प्रेसीडंट श्री राजेंद्र कुमार वोहरा-२२५४०
सेक्रेटरी श्री सुनिल कुमार पटवा-२२८२९-२२७२३
साधन · बैंगलोर, मद्रास, मैसूर मे बसो की व्यवस्था

नोट - पत्र व्यवहार करने के लीये संपर्क सूत्र अंग्रेजीमेही लीखे

कुल चातुर्मास (९) मुनिराज (४) महासतियाजी (४०) कुल चातुर्मास (४४)

६ कर्नाटक प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) **सिमोगा (कर्नाटक)**
पं.रत्न श्री हर्ष वर्धनजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - मेसर्स शाह रावतमल वानचद अॅण्ड सन्स, क्लॉथ मर्चेन्ट, गांधी बाजार, पी.ओ.सीमोगा. (कर्नाटका) ५७७२०२, फोन न. २०२
चातुर्मास स्थल - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, जैन भवन, गांधी बाजार, पी.ओ. सीमोगा-५७७२०२ (कर्नाटक)

(२) **बैंगलौर-श्रीरामपुरम् (कर्नाटक)**
पं.रत्न श्री पदम मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - मेसर्स जैन ज्वेलर्स, ६४/तिसरा क्रॉस, श्री रामपुरम-३६०००८ (कर्नाटक), फोन न. (०८०) ३३२४४८३
चातुर्मास स्थल- श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, जैन-स्थानक, श्री रामपुरम, बैगलौर-५६०००८ (कर्नाटक)
साधन . बैंगलौर रेल्वे स्टेशन से आटो रिक्सा एवं सिटी बसे उपलब्ध

महासतियॉजी समुदाय

(३) **दौडवालापुर (कर्नाटक)**
१. वयोवृद्ध महासती श्री शाति सुधाजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री अर्चनाजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री चपालालजी मकाना जैन, मेसर्स किशनलाल चपालाल मकाना जैन, मार्केट रोड, पी.ओ. दौडवालापुर-५६१२०३, जिला-बेंगलौर (कर्नाटक), फोन न. (०८११९) २१६३-२११३९
चातुर्मास स्थल- श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ, गांधी नगर, दोडबालापुर, जिला-बैंगलोर-५६१२०३ साधन [illegible] लाइन का स्टेशन है, बेंगलौर से ३५ कि.मी. की

दूरी पर

(४) भद्रावती (कर्नाटक)
विदुषी महासती श्री शाता कुवरजी म सा
महासती श्री कुसुमलताजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन सघ,
जैन स्थानक, एन एस टी रोड,
भद्रावती-५७७३०३(कर्नाटक),
फोन न अध्यक्ष श्री प्रकाश राज मेहता -६६८५
मत्री-श्री सुमेरमल जैन - ७१५४
साधन बम्बई से हुबली तक रेलमार्ग, बैगलौर धारवाड मैसूर से बम्बई से सीधी बसे उपलब्ध

कुल चातुर्मास (४) मुनिराज (४)
महासतियॉजी (१३) कुल ठाणा (१७)

(७) आन्ध्र प्रदेश प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) सिकन्द्राबाद (आन्ध्रप्रदेश)
कवि श्री ऋषभ मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस हस्तीमलजी मुनोत
पॉट मार्केट, सिकन्दराबाद-५०000३
साधन सिकन्द्राबाद रेल्वे स्टेशन से जैन स्थानक समीप है, आटोरिक्शा उपलब्ध

महासतियॉजी समुदाय

(२) गुन्टकल (आन्ध्रप्रदेश)
विदुषी महासती श्री मदन कुवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन सघ, -
जैन भवन, पी ओ गुटाकल(कर्नाटक) ५१५८०१
साधन बम्बई मद्रास मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है सभी गाडीया ठहरती है

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (२)
महासतियॉजी (३) कुल ठाणा (५)

(८) गुजरात प्रान्त

मुनिराज समुदाय

(१) माणसा (गुजरात)
आगम मनीषी श्री तिलोक मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - मैसर्स प्रकाश वासण भण्डार एस टी रोड, मु पो माणसा, जिला महेसाणा (गुजरात) ३८२८४५
साधन - अहमदाबाद, मेहसाणा, बीजापुर, महुडी, विरमगाव कलोल से बसे उपलब्ध

(२) भावनगर (गुजरात)
मधुर व्याख्यानी श्री अरुण मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र -श्री श्वे स्था जैन सघ, विधा निवास,
सी-९१९/९२०, नटराज मार्केट, कालिया बीड
भावनगर - ३६४००२ (गुजरात)

महासतियॉजी समुदाय

(३) खेडब्रह्मा (गुजरात)
महासती श्री केशर कुवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - शाह मोडीलाल वरदीचद, कपडे के व्यापारी, स्टेशनरोड, मु पो खेडब्रह्मा,
जिला साबरकाठा (गुजरात) ३८३२५५,
फोन न (०२७७५) २०२५९,२००६१,२०४२७
साधन अहमदाबाद, हिम्मतनगर, आबूरोड अम्बाजी से हर समय बसे मिलती है हाईवेपर ही

(४) अहमदाबाद (गुजरात)
महासती श्री सुमित्राजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - अभ्यासार्थ, श्रमणी विद्यापीठ, अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास (४) मुनिराज (४)
महासतियॉजी (५) कुल ठाणा (९)

जैनम् जयति शासनम्

श्रमण संघ के एकल बिहारी संत-सतियॉजी म.सा.

मुनिराज समुदाय

(१) **मनोहर थाना (राजस्थान)**
वयोवृद्ध श्री मोहन मुनिजी म.सा. आदि (१)
(कोटा समुदाय) (सकारण)
सम्पर्क सूत्र - श्री ताराचदजी चतर,
मैसर्स चतर एण्ड कं., मु.पो.मनोहर थाना, जिला झालावाड (राजस्थान) ३२६०३७,
फोन नं. (०७४३१) ४२४४
साधन - वस्सी गुना रेल्वे लाइन पर चाचोंडा वीना गंज स्टेशन से २८ कि.मी. है। झालावाड कोटा वीनागंज से सीधी वसे उपलब्ध

(२) **सम्मेद शिखरजी (बिहार)**
पं.रत्न श्री नवीन मुनिजी म.सा. (सकारण) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्व कल्याण केन्द्र, मधुवन,
शिखरजी, जिला-गिरिडीहट (बिहार) ८२५३२९,
फोन नं. (एस.टी.डी ०६५३२) ३२२२४

(३) **पांचोरा (महाराष्ट्र)**
मधुरवक्ता श्री कांतिमुनिजी म.सा. (सकारण) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक सघ,
जेन स्थानक, मु पो. पांचोरा,
जिला जलगांव (महाराष्ट्र)

(४) **पंजाब में योग्य स्थल (पंजाब)**
मधुरवक्ता श्री ओममुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र-

(५) **पंजाब में योग्य स्थल (पंजाब)**
मधुरवक्ता श्री सत्येन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (२)

(६) **पंजाब में योग्य स्थल (पंजाब)**
मधुरवक्ता श्री देवेन्द्र कमलजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र-

(७) **हरियाणा में योग्य स्थल (हरियाणा)**
मधुरवक्ता श्री शान्ति मुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र-

महासतियॉजी समुदाय

(८) **कोटा (राजस्थान)**
वयोवृद्धा महासति श्री सूरज कुंवरजी म सा. (सकारण) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री दुलीचंदजी जैन
मैसर्स रतलामी सेव भण्डार, घंटाघर के पास,
कोटा-३२४००६ (राजस्थान)

(९) **पूना, कात्रज (महाराष्ट्र)**
विदुषी महासती डॉ. ललित प्रभाजी म.सा.
'एम.ए.पीएचडी' आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान जैन आगम मंदिर,
बोथराजी का बंगला, संतोषनगर, सर्वे नं.१२२,
कात्रज, पूना- ४११०४६ (महाराष्ट्र),
फोन (एस.टी.डी. ०२१२) ४३९९४४

(१०) **राजस्थान में योग्य स्थल (राज.)**
वयोवृद्धा महासती श्री रतन कुवरजी म.सा. आदि (१)

(११) **दिल्ली-नफजगढ**
महासती श्री सरलाजी म.सा. आदि (१)
समर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा जैन स्थानक,
नफजगढ दिल्ली

(१२) **दिल्ली-गांधी नगर**
महासती श्री कान्ताजी म सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन सिलाई स्कूल, रघुवर पुरा नं. १,
गाधी नगर, दिल्ली - ११० ०३१

कुल चातुर्मास (१२) मुनिराज (७) महासतियॉजी (५) कुल ठाणा (१२)

नोट - इसके अलावा भी लगभग ८-१० अन्य एकल बिहारी संत-सतियॉजी भी विद्यमान है परन्तु उनके बारे मे कोई सूचना प्राप्त नहीं हो सकी। गतवर्ष भी चातुर्मास सूची का प्रकाशन होने के बाद हमारे पास कई एकल बिहारी संत सतियो के पत्र आये कि हमारा नाम उल्लेख नही किया। उन सभी की सेवा में हमारा नम्र निवेदन है कि वे प्रतिवर्ष पोस्टकार्ड से अपने चातुर्मास की सूचना तो कम से कम हमें भेज दें ? हमें क्या मालूम कि उनका चातुर्मास कहां है और इसी कारण हम यहां भी उनके नाम सम्पर्क सूत्र लिखने से हम वंचित रह गये - संपादक

कुल चातुर्मास मुनिराज के	६१	कुल कुल मुनिराज	२११
कुल चातुर्मास महासतियोके	१५८	कुल महासतियाँजी	७३४
कुल	२१९	कुल	९५४

कुल चातुर्मास (२१९) मुनिराज (२११) महासतियाँजी (७३४)
कुल ठाणा (९४५)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ में कुलठाणा थे	२१०	७३८	९४८
(+) नई दीक्षाऐ हुई	७	२३	३०
(-) महाप्रयाण हुऐ	१०	११	२१
(-) सघ निष्कासित	२	१६	१८
(+) जानकारीया ज्ञात नहीं	६	-	६
१९९४ मे कुलठाणा है	२११	७३४	९४५

विशेष -

(१) इस समुदाय के लगभग ५०-७५ सत सतियो की जानकारीया ज्ञात नहीं हो सकी।

(२) इस वर्ष इस समुदाय की पूरी सूची व्यवस्थित ढग से प्राप्त हुई परन्तु फिर भी कई स्थानो के सम्पर्क सूत्र-फोन नम्बर कोडनम्बर प्राप्त नहीं हो सके। आज का युग साधन सचार फोन का जमाना है सभी जगह के फोन नम्बर यदि दिये जाते तो किसी भी प्रसग पर एस टी डी से बात कर एक मिनट मे समाचार ज्ञात हो सकते है परन्तु किसी का भी फोन नम्बर प्राप्त नहीं हुआ आशा है भविष्य में सम्पर्क सूत्र के साथ पिन कोड नम्बर एव फोन नम्बर अवश्य देने का ध्यान रखेगे।

(४) आचार्य सम्राट के पावन सानिध्य में अम्बाला में ११ एव लुधियाना में ४ दीक्षाऐ सम्पन्न हुई है।

(५) इस वर्ष एक उपाध्याय, एक प्रवर्तक पद नया प्रदान किया गया।

(६) सम्पूर्ण श्रमण सघ का ४०% सत सतियो के चातुर्मास इस बार उत्तरी भारत मे हो रहे है।

(१०) इस वर्ष अनुयोग प्रवर्तक सलाहकार श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल' को उपाध्याय पद श्रमण सघीय मत्री
श्री कुन्दन ऋषीजी म सा को प्रवर्तक पद प्रदान किया गया।

(११) इस वर्ष श्रमण सघ मे कई दिग्गज मुनिराजो एव महासतियाँजी का महाप्रयाण हुआ।

– सपादक

श्रमण संघ प्रान्तवार तुलनात्मक तालिका १९९४

क्रमाक	प्रान्त	चातुर्मास स्थान			कुल	कुल	कुल	प्रतिशत
		सत	सतीयाँ	कुल	सत	सतियाँ	ठाणा	
१	पजाब	२१	५५	७६	७७	२९७	३७४	४०%
२	महाराष्ट्र	१२	२८	४०	४८	११७	१६५	१७%
३	राजस्थान	८	३५	४३	२८	१५०	१७८	१९%
४	मध्यप्रदेश	६	२५	३१	३५	१०६	१४१	१५%
५	तामिलनाडू	२	७	९	४	४०	४४	५%
६	कर्नाटक	२	२	४	४	१३	१७	२%
७	आन्ध्रप्रदेश	१	१	२	२	३	५	-
८	गुजरात	२	२	४	५	५	१०	१%
९	अन्य	७	३	१०	८	३	११	१%
	कुलयोग	६१	१५८	२१९	२११	७३४	९४५	१००%

श्री साधुमार्गी सम्प्रदाय

श्री साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य प्रवर श्री हुकमीचंदजी म.सा. के सम्प्रदाय के अष्ठम् पट्टघर, समता विभूति, चारित्र चूडामणी बाल, ब्रह्मचारी, धर्मपाल प्रतिबोधक, जिन शासन प्रधोतक,समीक्षण ध्यान योगी, आगमनिधि, विद्वदर्य शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा. एवं भावी संघ नायक, तरुण तपस्वी, सेवाभावी, शास्त्रश, विद्वान मुनि प्रवर युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियॉजी

कुल चातुर्मास (५६) मुनिराज (४१) महासतीयाजी (२६९) कुल ठाणा (३१०)

मुनिराज समुदाय

(१) नोखा मण्डी (राजस्थान)

१. समता विभूति, धर्मपाल प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, जिनशासन प्रघोतक, विव्दद शिरोमणी, चारित्र चूडामणि, बाल ब्रह्मचारी, आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा.

२. तरुण तपस्वी, शास्त्रज्ञ, सेवाभावी मुनि प्रवर भावी संघ नायक, विद्वान युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म.सा.

३. विद्वदर्य श्री प्रकाश मुनिजी म.सा.

४. विद्वदर्य श्री सुमतिमुनिजी म.सा.

५. विद्वदर्य श्री विवेक मुनिजी म.सा. "वी.कॉम."

६. नवदीक्षित श्री निश्चल मुनिजी म.सा.

७. नवदीक्षित श्री विनोद मुनिजी म.सा.

८. नवदीक्षित श्री अक्षय मुनिजी म सा 'बी.ऐ.' आदि (१३)

सम्पर्क सूत्र - श्री रतनलाल जैन, C/o श्री किशनलालजी कांकरिया, मु.पो. नोखामंडी वाया देशनोक, जिला वीकानेर (राजस्थान) ३३४८०३

चातुर्मास स्थल- श्री जैन जवाहर भवन, जैन चौक, नोखामंडी, जिला बीकानेर (राज.)

नोट-आचार्य श्री जी के प्रत्येक सोमवार को मोन रहती हे।

साधन- बीकानेर, देशनोक, नागौर, मेडता, कुचेरा, जोधपुर, पाली, जयपुर, अजमेर आदि से सीधी वसे मिलती है।

(२) गंगाशहर-भीनासर (राजस्थान)

शासन प्रभावक श्री सेवन्त मुनिजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री बालचंदजी सेठिया, मु.पो.भीनासर, जिला बीकानेर (राजस्थान) ३३४४०३

चातुर्मास स्थल- पोषधशाला, बांठीया भवन श्री जवाहर जैन विद्यापीठ, गंगाशहर-भीनासर

साधन- बीकानेर के बिल्कुल समीप, बीकानेर से वसे आटोरिक्सा उपलब्ध

(३) उदयपुर (राजस्थान)

१. स्थविर प्रमुख विद्वदर्य श्रमण प्रवर श्री शांति मुनिजी म.सा. आदि (३)

२. विद्याभिलाषी श्री रत्नेश मुनिजी म.सा. 'एम.कॉम.' आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] सिंहजी सिसोदिया,

२९ पोलो ग्राउण्ड, उदयपुर-३१३००१(राज)
चातुर्मास स्थल - पोषध शाला, छबीला भेरु की गली, उदयपुर, फोन न २६३९७
साधन - अहमदाबाद, रतलाम, जयपुर, दिल्ली, बीकानेर, जोधपुर से सीधी ट्रेनें व बसे

(४) निकुभ (राजस्थान)
आगम व्याख्याता श्री कवरचन्दजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मूलचदजी सहलोत, मैसर्स माधवलाल मूलचद, मु पो निकुभ, जिला चितौड़गढ (राजस्थान) ३१२६०३ फोन न २३५
साधन-चितौड़गढ़ भीलवाड़ा से बसे उपलब्ध

(५) पाली-मारवाड (राजस्थान)
स्थविर प्रमुख विद्वदर्य श्रमण प्रवर श्री प्रेमचदजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी सुराणा एडवोकेट, ३४ डेडो का वास, पाली-मारवाड (राजस्थान) ३०६४०१
चातुर्मास स्थल - सुराणा धार्मिक भवन, सुराणा मार्केट, पाली-मारवाड
साधन- जोधपुर, जयपुर, अजमेर, सोजत, उदयपुर, बीकानेर, ब्यावर आदि से बसे एव जोधपुर अहमदाबाद बीकानेर आदि से ट्रेने उपलब्ध

(६) भटिण्डा (पजाब)
स्थविर प्रमुख श्रमण प्रवर श्री पारसमुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - डॉ कैलाश जैन, श्री एस एस जैन सभा, महावीर मार्ग, कीकर बाजार, भटिण्डा(पजाब) १५१००१, फोन-७३४५५
साधन-दिल्ली-अमृतसर-लुधियाना से सीधी ट्रेन सेवा।

(७) जेठाणा (राजस्थान)
आदश त्यागी विद्वदर्य श्री सम्पत मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री नौरतन मलजी नन्दलालजी नाहर, मु पो जेठाणा, जिला अजमेर (राजस्थान), फोन (एस टी डी ०१४५) ८५२३३ पी पी
चातुर्मास स्थल - समता भवन (गढी) जेठाणा (अजमेर)
साधन - अजमेर ब्यावर विजयनगर से बसे उपलब्ध

(८) कोटा (राजस्थान)
आदशत्यागी विद्वदर्य श्री धर्मेश मुनिजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जतन मलजी साड, मैसर्स राजलक्ष्मी साड़ी हाउस, भेरगली कोटा-३२४००६ (राजस्थान), फोन-२१२३२
चातुर्मास स्थल - समता भवन, जैन दिवाकर स्मारक के सामने, तालाव रोड, कोटा-३२४००६ (राजस्थान)
साधन - दिल्ली-बम्बई मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है सभी गाडीया ठहरती है। रेल्वे स्टेशन से टेम्पो आटोरिक्सा से तालाब रोड पर उपरोक्त स्थल उतरे रोड के किनारे पर स्थित है।

(९) दाता (नानेशनगर) (राजस्थान)
आदश त्यागी विद्वदर्य श्री रणजीत मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री रतनलालजी पोखरना, मु पो दाता (नानेश नगर), वाया कपासन, जिला चितौडगढ (राजस्थान)
साधन-चितौड़गढ़, कपासन राशमी से सीधी बसे उपलब्ध
विशेष - दाता ग्राम (नानेशनगर) आचार्य प्रवर श्री की जन्म भूमि है।

(१०) बीकानेर (राजस्थान)
१ आत्मार्थी श्री हुलास मुनिजी म सा
२ मधुर व्याख्यानी श्री पदम मुनिजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री नथमलजी तातेड, दस्सानीयो का चौक, बीकानेर (राजस्थान)३३४००५
चातुर्मास स्थल- सेठीया कोटडी, सेठीया गाडी मौहल्ला, बीकानेर (राज)
साधन - जोधपुर, जयपुर, अहमदाबाद, दिल्ली, बाडमेर, इन्दौर भीलवाडा से सीधी ट्रेन

(११) बडी सादड़ी (राजस्थान)
१ स्थविर प्रमुख विद्वदर्य सयति प्रवर श्री विजय मुनिजी म सा

२. मधुर व्याख्यानी श्री अजित मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजमलजी कंठालिया, महादेवजी की गली, गणेश मार्ग, मु.पो. बडी सादडी, जिला चितौडगढ (राजस्थान) ३१२४०३
चातुर्मास स्थल - समता भवन, राजपेलेश, बडी सादडी
साधन - चितौडगढ, भीलवाडा, कपासन से सीधी बसे उपलब्ध। प.रे मे अजमेर खण्डवा लाईनपर निम्बाहेडा स्टेशन उतरे वहा से बस द्वारा सुलभ चितौड से भी ट्रेन जाती है।

(१२) दिल्ली-कोल्हापुर रोड
स्थविर प्रमुख विद्वदर्य संतप्रवर श्री ज्ञान मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री कमलचदजी मालू जैन, १४१-ई-कमला नगर, कोल्हापुर रोड, दिल्ली-११०००७
चातुर्मास स्थल - श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक, ५१५२ कोल्हापुर रोड, दिल्ली-११०००७
साधन - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, बस अड्डा से सिटी बसे उपलब्ध

महासतियाँजी समुदाय

(१३) मन्दसौर (मध्यप्रदेश)
१. शासन प्रभाविका स्थविरा महासती श्री वल्लभकंवरजी म.सा.
२ स्थविरा महासती श्री गुलाब कंवरजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री सोभागमलजी पामेचा, मैमर्स पामेचा स्टेशनरी मार्ट, नई आवादी, मन्दसोर-४५८००१ (म.प्र.)
चातुर्मास स्थल - समता भवन, दत्त मंदिर, रोड नं.२, नई आवादी, मन्दसौर
साधन-अजमेर खण्डवा मेन लाईनपर रेल्वे स्टेशन है। रतलाम चितौड निम्बाहेडा से सीधी बसे भी मिलती है।

(१४) जावरा (मध्यप्रदेश)
१. शासन प्रभाविका श्री [illegible] कुँवरजी म.सा.
२. [illegible] प्रिय [illegible] श्री चन्द्र कुँवरजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री छगनलालजी पटवा, पुल बाजार, मु.पो. जावरा, जिला रतलाम (म.प्र.) ४५७२२६
चातुर्मास स्थल - समता भवन, जवाहर पेठ, जावरा
साधन-खण्डवा अजमेर मेन लाईनपर रेल्वे स्टेशन है। रतलाम नीमच निम्बाहेडा चितौड मन्दसौर से सीधी बसे भी उपलब्ध

(१५) ब्यावर (राजस्थान)
१. आदर्श सेवा समर्पित महासती श्री सम्पत कुँवरजी म.सा.
२. शासन प्रभाविका महाश्रमणी श्री गुलाब कुँवरजी म.सा
३. शासन प्रभाविका महासति श्री ज्ञान कुँवरजी म.सा.
४. आदर्श त्यागिनी महासति श्री निरुपमाश्री जी म.सा.
५. नवदीक्षिता महासती श्री सुयशाश्रीजी म.सा. 'बी.अे' आदि (१३)
सम्पर्क सूत्र - श्री कालूलालजी नाहर, महावीर बाजार, मु.पो. ब्यावर, जिला अजमेर (राज.)३०५९०१
चातुर्मास स्थल - कांकरिया का देलान, नयावास ब्यावर (राज.)
साधन - अहमदावाद दिल्ली मेन लाईनपर रेल्वे स्टेशन हे। राज. मे सभी जगहो से वसे उपलब्ध

(१६) देशनोक (राजस्थान)
१. शासन प्रभाविका स्थविरापद विभूपिता महासती श्री केशर कुँवरजी म.सा.
२. विदुपी महासती श्री सम्बोधि श्री जी म.सा. 'अेम.कॉम.
सम्पर्क सूत्र - श्री चम्पालालजी छल्लानी, मु.पो. देशनोक, जिला- बीकानेर (राज.) ३३४८०१
चातुर्मास स्थल - जैन जवाहर मण्डल, देशनोक
साधन - बीकानेर नोखा, नागौर, मेड़ता, जोधपुर से सीधी बसे मिलती है।

(१७) उदयपुर (राजस्थान)
१. शासन प्रभाविका विदुषी महासती श्री [illegible] कुँवरजी

म सा

२ विद्याभिलाषीणी महासती श्री रोशन श्री जी म सा 'बी ए' आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री करण सिहजी सिसोदिया, २९ पोलो ग्राउड, उदयपुर (राज)३१३००१

चातुर्मास स्थल - गणेश जैन भवन, भड़भूजा घाटी, उदयपुर

(१८) कानोड (राजस्थान)

१ शासन प्रभाविका, महासती श्री पैपकुँवरजी म सा

२ कथाकोष महासती श्री फूलकुँवरजी म सा

३ विदुषी महासती श्री इन्दुबालाजी म सा आदि (११)

सम्पर्क सूत्र - श्री शातिलालजी धींग, धींगो की घाटी, मु पो कानोड, जिला उदयपुर (राज) ३१३६०४

चातुर्मास स्थल - पचायती नोहरा, गाधी चौक के पास, कानोड

साधन - उदयपुर, भीलवाडा, चितौडगढ से सीधी बसे उपलब्ध

(१९) सूरत (गुजरात)

१ शासन प्रभाविका महासती श्री भानुकुँवरजी म सा

२ विदुषी महासती श्री सूर्यकाताजी म सा

३ विदुषी महासती श्री रचना श्री जी म सा 'बी ऐ' आदि (१३)

सम्पर्क सूत्र - श्री इन्द्रचदजी वेद, मैसर्स करणी प्रिन्टर्स, बेसमेट, बखारिया टेक्सटाईल मार्केट, रिंग रोड, सूरत-३९५००२ (गुजरात)

चातुर्मास स्थल - श्री मेवाड साजनान जैन भवन, रोड न १५, उद्यान उद्योगनगर, सूरत (गुजरात)

साधन - बम्बई दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन से बस आटो रिक्सा उपलब्ध

(२०) नोखा-मडी (राजस्थान)

१ स्थविरा महासती श्री धापू कुवरजी म सा

२ आदर्श त्यागिनी महासती श्री कस्तूर कुँवरजी म सा

३ आदर्श त्यागिनी महासति श्री विमलावतीजी म सा

४ विदुषी महासती श्री विचक्षणा श्री जी म सा 'बी ऐ'

५ विदुषी महासती श्री विपुलाश्री जी म सा 'ऐम ऐ'

६ विदुषी महासती श्री विजेता श्री-जी म सा 'बी ऐ' आदि (२५)

सम्पर्क सूत्र - श्री किशनलालजी काकरिया, मु पो नोखा मडी, जिला बीकानेर (राजस्थान) ३०४८०३

चातुर्मास स्थल - काकरिया भवन, चाचा नेहरु स्कूल के पास, नोखा मडी (राज)

(२१) भीनासर (राजस्थान)

१ शासन प्रभाविका आदर्श त्यागिनी महासती श्री कचन कुँवरजी म सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री बालचदजी सेठिया, मु पो भीनासर वाया जिला बीकानेर (राज) ३३४००३

चातुर्मास स्थल - पुगलिया की कोटडी, भीनासर

(२२) बाबरा (राजस्थान)

शासन प्रभाविका महासती श्री भवर कुँवरजी म सा आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री भागचन्दजी खिवसरा मु पो बाबरा वाया ब्यावर, जिला पाली (राजस्थान) ३०६१०१

साधन - ब्यावर आसीन्द भीम भीलवाडा आदि से बसे मिलती है।

(२३) विनोता (राजस्थान)

शासन प्रभाविका महासती श्री सपत कुवरजी म सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री मन्ना लालजी लोढा, अध्यक्ष श्री साधुमार्गी जैन श्रावक सघ, मु पो विनोता, जिला चितौडगढ (राजस्थान) ३१२६१४

(२४) जावद (मध्यप्रदेश)

१ शासन प्रभाविका महासती श्री सायर कुँवरजी म सा

२ विदुषी महासती श्री सूर्यमणिजी म सा 'ऐम ऐ' आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री भेरलालजी मुणोत, मु पो जावद, जिला मदसौर (म प्र)

साधन - मन्दसौर, नीमच, जावरा, निम्बाहेडा आदि से बसे

(२५) बीकानेर (राजस्थान)

१ शासन प्रभाविका महासती श्री चाद कुँवरजी म सा

२ विद्याभिलाषी महासती श्री समर्पिताश्री जी म सा

'बी.अे' आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री नथमलजी तातेड, दस्सानीयो का चौक, बीकानेर - ३३४००५ (राज.)
चातुर्मास स्थल - मालू कोटडी, रांगडी चौक, बीकानेर

(२६) इन्दौर (मध्यप्रदेश)

१. शासन प्रभाविका महासती श्री इन्द्र कुंवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री प्रेमलताजी म.सा.
३. विदुषी महासती श्री निरंजनाश्री जी म.सा.
४. नवदीक्षिता महासती श्री सुयश प्रज्ञाजी म.सा. 'अेम.अे' आदि (१५)

सम्पर्क सूत्र - श्री जम्बू कुमारजी आचलिया, २२ मरोठीया बाजार, इन्दौर-४५२००२ (म.प्र.)
चातुर्मास स्थल - समता भवन, मोहनपुरा, इन्दौर
साधन - इन्दौर रेल्वे स्टेशन से आटोरिक्शा से जवाहर मार्ग स्थित पीपली बाजार के नाके के पास मे उतरे वहा से समीप मे ही समता भवन है।

(२७) गंगा शहर (राजस्थान)

तपस्विनी महासती श्री बदाम कुंवरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री महेन्द्र कुमारजी मिन्नी, इन्द्राचौक, नई लेन, गगा शहर वाया बीकानेर (राज.) ३३४४०१
चातुर्मास स्थल - बोथरा कोटडी, गंगा शहर

(२८) नागेलाव (राजस्थान)

शासन प्रभाविका महासती श्री सरदार कुँवरजी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री ज्ञानचंदजी कोठारी, मु.पो. नागेलाव जिला अजमेर (राज) ३०५२०७

(२९) चलथान (गुजरात)

१. विदुषी महासती श्री अनोखा कुँवरजी म सा.
२. विद्याभिलाषी महासती श्री साधना श्री जी म.सा. 'बीअेससी' आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री बाबूलालजी संचेती,
मैसर्स दिप्ती, एम्पोरियम, मु.पो. चलथान
वाया पलसाना जिला सूरत (गुजरात) ३९४३०५

(३०) सवाई माधोपुर-आदर्शनगर (राज.)

१. विदुषी महासती श्री निधान कुंवरजी म.सा आदि (३)
२. विदुषी महासती श्री विधावतीजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री लाडली प्रसादजी जैन, मु.पो. आदर्शनगर -ए- सवाई माधोपुर- (राजस्थान) ३२२०२२
चातुर्मास स्थल - श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, आदर्शनगर-ए-सवाईमाधोपुर (राज)
साधन-बम्बई-दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन से आदर्शनगर १ कि.मी. दूर है तांगा गाडी सिटी बसे उपलब्ध

(३१) चितौड़गढ़ (राजस्थान)

१. शासन प्रभाविका विदुषी महासती श्री रोशन कुँवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री पदमश्री जी म.सा. 'अेम.अे'
३. विद्याभिलाषी महासती श्री पराग श्री जी म.सा. 'बी.अे'
४. विद्याभिलाषी महासती श्री स्वर्णप्रभाजी म.सा. 'बी.अे' आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - श्री विमलकुमारजी सरुपरिया, मैसर्स सूरज गुडस् ट्रांसपोर्टस्, अप्सरा टाकीज के सामने, नेहरु बाजार, चितौडगढ-३१२००१ (राजस्थान)
फोन नं. (एस.टी.डी.०१४७२) ३०३९
चातुर्मास स्थल - खातर महल, चितौडगढ
साधन - अजमेर खण्डवा मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है बसो की उत्तम व्यवस्था

(३२) बम्बोरा (राजस्थान)

१. विदुषी महासती श्री सुशीला कुँवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री कमलजी म.सा. 'बी.अे' आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री हीरालालजी जालोरी
मु.पो. बम्बोरा, जिला उदयपुर (राज.) ३१३७०६
चातुर्मास स्थल - पंचायती नोहरा - बम्बोरा

(३३) मनावर-(मध्यप्रदेश)

तपस्विनी महासती श्री पारस कुंवरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री सौभाग्यमलजी जैन
मैसर्स मनोहर स्टोर्स, मु.पो. मनावर,

जिला धार (म प्र) ४५४४४६

(३४) देवगढ (मदारिया) (राजस्थान)

आदश त्यागिनी महासती श्री जयश्रीनी म सा आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री मदनलालजी मेहता, मैमर्स नवभारत जनरल स्टोर्स, मु पो देवगढ (मदारिया) जिला राजसमद (राजस्थान) ३१३३३१

चातुमास स्थल- समता भवन, देवगढ

- साधन - उदयपुर चितौडगढ गगापुर अजमर भीलवाडा मावली से बसे जाती है। जोधपुर उदयपुर मारवाड जक्शन से सीधी ट्रेन

(३५) अलीगढ-रामपुरा (राजस्थान)

१ विदुषी महासती श्री सुशीला कुंवरजी म सा आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री रतनलालजी जैन गाटोली वाले, मु पो अलीगढ-रामपुरा तहसील उनियारा, जिला टोक (राजस्थान) ३०८०२३

चातुर्मास स्थल - श्री व स्था जैन श्रावक सघ जैन स्थानक, अलीगढ-रामपुरा

साधन- सवाई माधोपुर टोक मेन रोड पर स्थित है। सवाई माधोपुर से ३० कि मी की दूरी पर है। हर समय बसे उपलब्ध

(३६) मदसौर शहर (मध्यप्रदेश)

१ विदुषी महासती श्री मगला कुँवरजी म सा

२ विद्याभिलाषी महासती श्री मधुबालाजी म सा 'बी ऐ' आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री सागरमलजी जैन, मैसर्स जैन ब्रदर्स, बस स्टेण्ड, मदसौर-४५८००२ (म प्र)

चातुर्मास स्थल- समता भवन, पोरवालो के मदिर के पास, किला रोड, मदसौर

(३७) शाहदा (महाराष्ट्र)

१ विदुषी महासती श्री शकुन्तलाश्री जी म सा

२ विदुषी महासती श्री अर्पणाश्री जी म सा 'बी ऐ'

३ विदुषी महासती श्री गुणरजनाश्री जी म सा 'ऐम ऐ बी एड'

४ विद्याभिलाषी महासती श्री इच्छिताश्रीजी म सा 'बी ऐ' आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - श्री अमरचदजी आशकरणजी चौरडिया, मैसर्स जैन टेंट हाउस, अम्बाजी नगर, खेतिया रोड, मु पो शाहदा, जिला धुलिया (महाराष्ट्र) ४२५४०९,

फोन (एस टी डी ०२-६५) ३४४१,३२५३ पी पी

चातुर्मास स्थल - राजस्थानी मगल भवन, अम्बाजी मदिर के पास, खेतिया रोड, मु पो शाहदा

(३८) दुर्ग (मध्यप्रदेश)

१ शासन प्रभाविका महासती श्री चन्द्रकाताजी म सा

२ शासन प्रभाविका विदुषी महासती श्री तारा कवरजी म सा आदि ठाणा (११)

सम्पर्क सूत्र - श्री हमीदानजी बोथरा, मत्री मैसर्स खेतमलजी हमीदानजी बोथरा, बतनो के व्यापारी, शनिचरी बाजार दुग-४९१००१ (म प्र)

चातुमास स्थल - ओसवाल भवन, जवाहर चौक, दुग

साधन - बम्बई नागपुर-हावडा मेनलाइनपर रेल्वे स्टेशन है सभी गाडिया ठहरती है। रेल्व स्टेशन से आटोरिक्शा, हाथरिक्शा से जवाहर चौक उतरे

(३९) निम्बोद (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासती श्री कुसुमलताजी म सा आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री सोहनलालजी सूरजमलजी जैन, मु पो निम्बोद, जिला मदसौर (म प्र) ४५८६६९, फोन न (एस टी डी ०७४२२) ६५६०४

चातुर्मास स्थल - जैन स्थानक, निम्बोद

(४०) भदेसर (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री कमलप्रभाजी म सा

विद्याभिलाषी महासती श्री स्वर्ण रेखाजी म सा 'बी ए' आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री राजमलजी सरपीटिया, मु पो भदेसर, जिला चितौडगढ (राज)

चातुमास स्थल - समता भवन-भदेसर

साधन - चितौडगढ सॉवरियाजी, चितौडगढ चिकारडा आदि स बसे उपलब्ध

(४१) बदनावर (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासती श्री पुष्पलताजी म सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री झमकलालजी टच, मु.पो. बदनावर, जिला धार (म.प्र.) ४५४६६०,
फोन नं. (एस.टी.डी. ०७२९५) २०१३
चातुर्मास स्थल - समता भवन, बदनावर

(४२) मंगलवाड चौराहा (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री विमला कुँवरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिलालजी मांडावत, मु.पो. मंगलवाड चौराहा, जिला चितौडगढ (राजस्थान) ३१२०२४
चातुर्मास स्थल - जैन स्थानक, मंगलवाड चौराहा

(४३) बम्बई-भायन्दर (महाराष्ट्र)
१. विदुषी महासती श्री कल्याण कुँवरजी म सा.
२. विदुषी महासती श्री वसुमतीजी म.सा. (प्रथम) आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री उमराव सिंहजी ओस्तवाल, ए-१ शांति गंगा अपार्टमेंटस, रेल्वे स्टेशन के सामने, भाईन्दर (पूर्व), जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०११०५
फोन आफिस - ८१९२४१२, ८१९२४६८
निवास - ८१९२८३१
चातुर्मास स्थल - ओस्तवाल हाल, ओस्तवाल पार्क, जैसल पार्क के पास, रेल्वे स्टेशन के सामने, भाईन्दर (पूर्व) बम्बई

(४४) सरवानिया महाराज (म.प्र.)
१. विदुषी महासती श्री सुप्रतिभाजी म सा.
२. विद्याभिलाषी महासतीश्री नेहाश्री जी म.सा 'बी.अे.' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिलालजी मारू, मु.पो. सरवानिया महाराज, जिला मंदसौर (म.प्र.)

(४५) रतलाम-(मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री ललित प्रभाजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री पूनमचंदजी घोटा, ४२ धान बाजार, रतलाम-४५७००१ (म.प्र.)
चातुर्मास स्थल - महिला स्थानक, धान बाजार, रतलाम

(४६) शेरगढ़ (राजस्थान)
१. विदुषी महासती श्री सुशीला कुँवरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री केवलचंदजी चौपडा, मु.पो. शेरगढ, जिला जोधपुर (राजस्थान) ३४२०२२
फोन (एस.टी.डी-०२९२९) ३३४

(४७) सीतामऊ (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री समताश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री पारसमलजी बोहरा, महावीर चौक, मु.पो. सीतामऊ, जिला मन्दसौर (म.प्र.) ४५८९९०, फोन नं. २८४५७
चातुर्मास स्थल- महावीर भवन, सीतामऊ
साधन - दिल्ली-बम्बई मेनलाइन पर सुवासरा रेल्वे स्टेशन से ३५ कि.मी दूर बस सेवा उपलब्ध प.रे. में छोटी लाइन मे मन्दसौर से ३५ कि.मी. दूरी है। वहा से हर समय बसे उपलब्ध

(४८) करमाला (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री रंजनाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री हीरालाल अमृतलाल कटारिया, मारवाडी गली, मु.पो करमाला, जिला सोलापुर (महाराष्ट्र) ४१३२०३

(४९) दिल्ली-कोल्हापुर रोड
१. विदुषी महासती श्री ललिताश्री जी म.सा
२. विद्याभिलाषी महासती श्री महिमाश्री जी म.सा. 'बी.अे' आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री कमलचदजी मालू, १४१-ई-कमला बाजार नगर, कोल्हापुर रोड, दिल्ली-११०००७
चातुर्मास स्थल - श्री एस.एस.जैन सभा, जैन स्थानक, वीर नगर, दिल्ली

(५०) टोंक (राजस्थान)
१. विदुषी महासती श्री सुलक्षणाश्री जी म.सा.
२. तपस्विनी महासती श्री मृदुलाश्री जी म.सा. 'बी.अे'
३ विदुषी महासती श्री वीणाश्री जी म.सा. 'बी.कॉम' आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री उम्मेद सिंहजी मेहता,

मैसर्स मेहता, आटोमोबाइल्स, होस्पीटल के पास, टोंक (राजस्थान) ३०४००१

चातुर्मास स्थल- जैन स्थानक, टोंक

साधन - सवाई माधोपुर, कोटा, जयपुर, मालपुरा, केकडी, बून्दी आदि से सीधी बसे।

(५१) पिपलिया मंडी (मध्यप्रदेश)

१ विदुषी महासतीश्री प्रियलक्षणाश्री जी म सा 'बी ए' आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री पारसमलजी भण्डारी, मैसर्स छोगमल विरदीचद पामेचा, किराणा के व्यापारी, मु पो पिपलिया मंडी (म प्र) ४५८३६४, जिला-मदसौर

चातुर्मास स्थल - समता भवन

(५२) खिरकिया (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासतीश्री सुलोचनाश्री जी म सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री भीकमचदजी भण्डारी, गल्ला मंडी, मु पो खिरकिया, जिला-होशगाबाद (म प्र) ४६१४४१

(५३) भीलवाडा (राजस्थान)

विदुषी महासतीश्री सुदर्शनप्रभाजी म सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री कांतिलालजी जैन, नागौरी मौहल्ला, भीलवाडा (राज) ३११००१

चातुर्मास स्थल - मोती महल, नागौरी मौहल्ला, भीलवाडा

साधन - खण्डवा अजमेर, छोटी लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। राजस्थान म सभी जगहो से बस की सुविधा

(५४) देवरिया (राजस्थान)

विदुषी महासतीश्री राजश्री जी म सा 'अेम अे' आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री छीतरमलजी सूर्या, मु पो देवरिया, वाया कोशीथल, जिला भीलवाडा (राजस्थान) ३११८०५

चातुर्मास स्थल-समता भवन, देवरिया

(५५) श्यामपुरा (धर्मपुरी) (राजस्थान)

१ विदुषी महासति श्री अरुणाश्री जी म सा

२ तरुण तपस्विनी महासती श्री मनिषा श्री जी म सा 'बी अे' आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी जैन, मैसर्स भवरलाल अशोककुमार जैन, कपडे के व्यापारी, मु पो श्यामपुरा वाया कुण्डेरा, जिला सवाईमाधोपुर (राजस्थान) ३२२०२९

चातुर्मास स्थल - जैन स्थानक, बाजार मे, श्यामपुरा

साधन - बम्बई-दिल्ली मेन लाइनपर सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन उतरे वहा से सवेरे से शाम तक हर एक घटे मे बस मिलती है। सवाई माधोपुर स श्यामपुरा की दूरी २० कि मी की है।

(५६) सरदारशहर (राजस्थान)

विदुषी महासतीश्री वसुमतिजी म सा (द्वितीय) आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री सम्पतलालजी बरडिया, मु पो सरदारशहर, जिला चूरू (राजस्थान) ३३१४०३, फोन न १३२

साधन - चूरु, बीकानेर, लाडनू, सुजानगढ, सीकर जयपुर नागौर, गगानगर, आदि से सीधी बसे मिलती है।

कुल चातुर्मास सतो के	१२	कुल मुनिराज	४१
कुल चातुर्मास सतियो के	४४	कुल सतियाँजी	२६९
कुल	५६		३१०

कुल चातुर्मास (५६) मुनिराज (४१) महासतियाँजी (२६९) कुल ठाणा (३१०)

सत-सती तुलनात्मक तालिका - १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुल ठाणा थे	३८	२५९	२९७
+ नई दीक्षाऐ हुई	३	११	१४
	४१	२७०	३११
(-) महाप्रयाण हुऐ	१	१	२
	४०	२६९	३०९
+ सघ मे पुन प्रवेश किया	१	-	१
	४१	२६९	३१०

१९९४ मे कुल ठाणा है	४१	२६९	३१०

विशेष - (१) इस वर्ष इस सम्प्रदायमे तीन संत एवं ११ महासतियॉजी की दीक्षाऐ हुई एव एकसत एव एक सतीजी का महाप्रयाण हुआ

(२) शासन प्रभावक धायमातृ पदालंकृत संघ सरक्षक श्री इन्द्रचंदजी म.सा. का इस वर्ष महाप्रयाण हुआ जो संघ मे भारी कमी हुई

(३) विद्वदर्य श्री सुमति मुनिजी म.सा. जिनको गतवर्ष संघ से निष्कांसित कर दिया गया था इस वर्ष वापिस सघ मे सम्मिलित कर लिया गया जबकि उनके साथ एक अन्य संत मधुर व्याख्यानी श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. अभी तक संघ मे सम्मिलित नही हुऐ है।

(४) आचार्यश्री जी के प्रत्येक सोमवार को मौन रहती है।

जैन पत्र-पत्रिकाएं - (१) श्रमणोपासक (पाक्षिक हिन्दी) वीकानेर

(२) समता युवा सन्देश (पाक्षिक हिन्दी) रतलाम

(३) समता (मासिक हिन्दी) देशनोक

(६) सघ मे विद्यमान है - आचार्य (१) युवाचार्य (१) स्थविर प्रमुख (५)

हु शि. उ चौ. श्री. ज. ग. ना. ना. ।
शम. चमकशी. भानु. समाना. ।।

नाना. गुरु का. यह सन्देश. ।
समता मय. हो. सारा. देश. ।।

श्री ज्ञानगच्छ सम्प्रदाय

ज्ञान गच्छाधिपति, तपस्वीराज, अखण्ड बाल ब्रह्मचारी, चारित्र चूडामणि, प्रखर वक्ता, उत्कृष्ट संयम साधना मूर्ति, आगमज्ञ, सरल स्वभावी, श्रमण निर्माता, पं. रत्न श्री चंपालालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (६२) मुनिराज (४२) महासतीयाँजी (२८९) कुल ठाणा (३११)

मुनिराज समुदाय

(१) जयपुर (राजस्थान)

१. ज्ञान गच्छाधिपति, तपस्वीराज, अखण्ड बाल ब्रह्मचारी, चारित्र-चूडामणि, प्रखर वक्ता, उत्कृष्ट संयम साधना मूर्ति, आगमज्ञ, सरल स्वभावी, श्रमण निर्माता, पं.रत्न श्री चंपालालजी म.सा.

२. श्रुतधर पं. रत्न श्री प्रकाश चन्द जी म.सा.

३. महातमाजी श्री जयन्ती लालजी म.सा.

आदि (९)

सम्पर्क सूत्र श्री उमराव मलजी चौरडिया मंत्री,
श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, लाल भवन,
चोडा रास्ता, (जयपुर) ३०२००३ (राजस्थान)

चातुर्मास स्थल - श्री व स्था. जैन श्रावक संघ,
लाल भवन, चोडा रास्ता,
जयपुर-३०२००३ (राजस्थान)
फोन लालभवन ६२२५४
अतिथि गृह (सांगानेरी गेट) ५६२४०१
साधन - बम्बई, रतलाम, दिल्ली, अहमदाबाद, [illegible], जोधपुर, सवाई माधोपुर, अजमेर, बीकानेर से सीधी ट्रेन सेवा। जयपुर रेल्वे स्टेशन एवं सिंधी कैम्प स्टेट रोडवेज बस स्टेण्ड से सिटीबस टेम्पो, आटोरिक्शा से त्रिपोलिया या सांगानेरी गेट उतरकर चौडा रास्ता में [illegible] के पास लालभवन है।

(२) फतहनगर (मेवाड़) (राजस्थान)

सेवाभावी श्री सौभाग्यमल जी म.सा. आदि (३)।

सम्पर्क सूत्र - मंत्री, श्री जैन ज्ञा श्रावक संघ,
जैन स्थानक, मु.पो.फतहनगर,
जिला-उदयपुर (राजस्थान) ३१३२०५
साधन - उदयपुर, मावली, सनवाड, नाथद्वारा से सीधी बस सेवा

(३) जोधपुर-शास्त्रीनगर (राजस्थान)

विद्वदर्य श्री सागरमलजी म.सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - मंत्री श्री सुधर्म जैन ज्ञान श्रावक संघ,
ए-२०९-शास्त्रीनगर,
जोधपुर-३४२००३ (राजस्थान)
साधन - अहमदाबाद-जयपुर, सवाई माधोपुर, दिल्ली, आगरा, इन्दौर भीलवाडा, उदयपुर से सीधी ट्रेन सेवा। जोधपुर स्टेशन से सिटी बस की सुविधा

(४) जोधपुर शहर (राजस्थान)

१ प. रत्न श्री घेवरचन्दजी म.सा. 'वीरपुत्र'

२ विद्वदर्य श्री जोहरी लालजी म.सा. आदि (८)

सम्पर्क सूत्र - श्री धींगडमलजी गिडिया,
जैन ज्ञान भवन, जयपुर हाउस, कपड़ा बाजार,
जोधपुर (राजस्थान) ३४२००१
साधन - जोधपुर रेल्वे स्टेशन एवं स्टेट बस स्टेण्ड से आटो रिक्शा से कपड़ा बाजार में जैन ज्ञान भवन है।

(५) मनमाड़ (महाराष्ट्र)

मधुर व्याख्यानी श्री उत्तममुनिजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री पन्नालालजी अशोक कुमारजी सिंगी,
'स्वरुप' शिवाजी चौक, मनमाड,
जिला नासिक (महाराष्ट्र) ४२३०१४
फोन न (एस टी डी ०२५५२) आफिस २३५१
निवास २४५१
साधन-सेंट्रल रेल्वे मे बम्बई भुसावल मन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है, रेल्वे स्टेशन के पास जैन स्थानक है।

(६) बालोतरा (राजस्थान)
विद्वदर्य श्री रोशनलालजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री धनराजजी चौपडा, मुकुन्द भवन, जूना कोट, महावीर चौक, बालोतरा, जिला बाडमेर (राजस्थान) ३४४०२२
साधन - जोधपुर, पाली, नागौर, बीकानेर, साचौर, जालौर, बाडमेर से बस सेवा

(७) पचपदरा (राजस्थान)
विद्वदर्य श्री लालचदजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री चदनमलजी मागीलालजी चौपडा, मु पो पचपदरा, जिला- बाडमेर(राजस्थान)
साधन - जोधपुर, बाडमेर, बालोतरा से बसे उपलब्ध

(८) झाब (राजस्थान)
विद्वदर्य श्री जुगराजजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ जैन स्थानक, मु पा याब वाया राणीवाडा, जिला जालौर (राजस्थान)
साधन - सिरोही, जालौर, राणीवाडा, आहोर से बसे उपलब्ध

(९) कोटा (राजस्थान)
मधुरवक्ता श्री अमृतमुनिजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री सतोषचदजी जैन, माणक मदिर, रामपुरा बाजार, कोटा - ३२४००६ (राजस्थान)
चातुर्मास स्थल - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, रामपुरा बाजार,,पुलिस कोतवाली के सामने की गली मे, कोटा-३२४००६(राज)

(१०) मन्दसौर (नई आबादी) (मध्यप्रदेश)
मधुर व्याख्यानी श्री नवरत्न मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री रोशनलालजी धाकड़
मैसर्स अशोक केमिस्टस्, नई आबादी,
मन्दसौर-४५८००१ (म प्र)
चातुर्मास स्थल - जैन स्वाध्याय भवन, नई आबादी, मन्दसौर (म प्र)
साधन - अजमेर खण्डवा मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन से आटोरिक्सा द्वारा

महासतियाँजी समुदाय

(११) देशनोक-(राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री मगन कुवरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी भूरा मु पो देशनोक, जिला बीकानेर (राजस्थान) ३३४८०१
साधन - बीकानेर नागौर मेडता जोधपुर से बसे उपलब्ध। बीकानेर से जागा टेम्पी हर समय उपलब्ध

(१२) मसूदा (राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री भीकमकुवरजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, बाजार मे, मु पो मसूदा, वाया ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५६२३
साधन-अजमेर, ब्यावर, विजयनगर कोटा, किशनगढ़ से हर समय बसे उपलब्ध

(१३) दिल्ली-गाधीनगर
१ वयोवृद्धा महासती श्री प्रेमकुवरजी म सा
२ विदुषी महासती श्री भवर कवरजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री वसत कुमारजी जैन, रघुवरपुरा न २, गली न ११, मकान ५/२३५७ गाधी नगर, दिल्ली,
फोन न निवास-२४१५५८४ आफिस-५२३६८३
साधन- दिल्ली (नई एव पुरानी) रेल्वे स्टेशन, बस अड्डे स बसो की सुविधा,

(१४) गगा शहर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री मनोहर कुँवरजी म सा आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - श्री घेवरचंदजी रामलालजी बोथरा,
बोथरा चौक, नई लेन, गंगा शहर
वाया बीकानेर (राजस्थान) ३३४४०१
साधन - बीकानेर से ५ कि मी दूर है, हर समय
बसे टेक्सीया जीपे उपलब्ध

(१५) अजमेर-अरिहंत नगर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री अमरकुँवरजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जीतमलजी चौपडा,
संपादक जीत की भेरी, ४५/२२५ शाति कुंज,
रामनगर, अजमेर (राजस्थान) ३०५००१
साधन - दिल्ली अहमदाबाद मेन लाइन पर स्टेशन
हे। वहा से आटोरिक्सा द्वारा

(१६) नोखामण्डी (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री आनदकुवरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री दीपचंदजी पाबूदानजी पींचा,
नोखामण्डी, जिला-बीकानेर (राज.) ३३४८०३

(१७) राजनांदगांव (म.प्र.)
१. विदुषि महासती श्री सुमति कुवरजी म.सा
२. विदुषी महासती श्री विमलेश कुँवरजी म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री मागीलालजी लूणकरण बाफना,
मैसर्स प्रकाश प्लायवुड, रामाधीन मार्ग,
राजनादगाव (म प्र) ४९१४४१,
फोन (एम.टी.डी. ०७७४४) ६३३१
साधन- दुर्ग, रायपुर, बालाघाट, बालोद से बसे
उपलब्ध

(१८) मनमाड (महाराष्ट्र)
१. विदुषि महासती श्री कचन कुंवरजी म.सा.
२. विदुषि महासती श्री मजुलाजी म सा. आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - क्रमांक ५ के अनुसार

(१९) दिल्ली-शालीमार बाग
विदुषि महासती श्री छगनकुंवरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री लाभचंदजी नाहर,
बी.एल, ५५, [illegible], शालीमार बाग,
दिल्ली (वेस्ट),
फोन नं. ५२२२३५८-११००५४

(२०) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
विदुषी महासती श्री पुष्पकुंवरजी म.सा. आदि (७)
चातुर्मास स्थल - नाकोडा अपार्टमेंट, शाहीबाग,
अहमदावाद ३८०००४
सम्पर्क सूत्र - श्री एम.एस. जैन, ई-११-रुपिका
अपार्टमेंट, शाहीबाग, अहमदाबाद ३८०००४
(गुजरात)

(२१) अहमदाबाद-साबरमती (गुज.)
विदुषी महासती श्री कमलेश कुंवरजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री विजय राजजी बोहरा प्रमुख
श्री व. स्था. जैन सघ, जैन उपाश्रय, हिराणी नगर,
धर्मनगर, साबरमती, अहमदाबाद
(गुज.) ३८०००५,
फोन नं. ४८६७३५

(२२) जोधपुर (राजस्थान)
१. विदुषी महासती श्री विजय कुंवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री प्रसन्न कुँवरजी म सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - क्रमाक ५ के अनुसार

(२३) जोधपुर-शास्त्रीनगर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री मदन कुवरजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - क्रमाक ३ के अनुसार

(२४) सालावास (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री चचल कुवरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री भीकमचंदजी मोहनलालजी कवाड,
मु.पो सालावास, जिला-जोधपुर
(राज.) ३४२८०२

(२५) किशनगढ-मदनगंज (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री स्नेहलताजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक
संघ, मु पो किशनगढ शहर, जिला-अजमेर
(राजस्थान) ३०५८०१
साधन - दिल्ली अहमदाबाद मे अजमेर जयपुर के
बीच रेल्वे स्टेशन है।

(२६) ओड़ा (म.प्र.)
विदुषी महासती श्री आनदकुंवरजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री सोहनलालजी सिसोदिया,
मु पो ओडा, पोस्ट चोकडी वाया रेलमगरा
जिला-राजसमद (राजस्थान)

(२७) जयपुर (राजस्थान)
१ विदुषि महासती श्री महेन्द्र कुवरजी म सा
२ विदुषि महासती श्री चन्द्रकाताजी म सा
३ विदुषी महासती श्री इन्दुमतीजी म सा आदि (२०)
सम्पर्क सूत्र - क्रमाक १ के अनुसार
चातुर्मास स्थल - जैन स्थानक, बारहगणगोर का रास्ता
जोहरी बाजार, जयपुर (राज) ३०२००३

(२८) नीमच (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री सूरजकुवरजी म सा आदि (५)
चातुर्मास स्थल - जैन स्थानक, जैन कालोनी, नीमच
सम्पर्क सूत्र - श्री सुरेन्द्रकुमारजी नाहर, अध्यक्ष,
जैन श्री सघ, जेन कालोनी नीमच
(म प्र) -४५८४४१, फोन न २०३९८
साधन - मन्दसौर, निम्बाहेडा, भीलवाडा रतलाम
उज्जैन से सीधी बसे उपलब्ध

(२९) नागपुर (महाराष्ट्र)
विदुषि महासती श्री प्रवीणकुवरजा म सा आदि (८)
चातुर्मास स्थल - श्री व स्था जैन श्रावक सघ
महावीर भवन, महावीर वार्ड, इतवारी
नागपुर ४४०००२ (महाराष्ट्र) फोन ४७२८३
सम्पर्क सूत्र - - श्री नवलमलजी पुगलिया, अध्यक्ष,
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर (महा) ४४०००२,
फोन न दुकान - ४२०७१, निवास ८२२७१
साधन - नागपुर रेल्वे स्टेशन से आटा रिक्सा से
इतवारी बाजार उतरे।

(३०) उदयपुर-भूपालपुरा (राजस्थान)
विदुषि महासती श्री निमल कुवरजी म सा आदि (४)
चातुर्मास स्थल - मोहन ज्ञान मदिर, ८९ भूपालपुरा,
मेन रोड, उदयपुर-३१३००१ (राज)
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी कटारिया,
३४३ मेन रोड, भूपालपुरा, उदयपुर
(राज)३१३००१,
फोन न (०२९४) २५९०८०
सम्पर्क सूत्र - साधन - भीलवाडा अहमदाबाद जयपुर
इन्दौर बीकानेर जयपुर से सीधी ट्रेन उपलब्ध

(३१) धनारी (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री गुणवालाजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
मु पो धनारी, जिला-नागौर (राज) ३३३०११
साधन - जोधपुर नागौर से बसो का साधन

(३२) साचौर (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री हर्षदाजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री आर हरखचद्रजी डोसी,
मु पो साचौर, जिला जालौर
(राजस्थान) ३४३०४१
साधन - जोधपुर, वाडमेर, सिवाना, जालौर,
नागौर, अमदावाद से बसो का साधन

(३३) बालोतरा (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री कमलावतीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्रीमति कमला सालेचा
C/o श्री चिरजीकुमारजी मुकेश कुमारजी सालेचा,
लालजी के मदिर के पास, बालोतरा,
जिला-बाडमेर (राज) ३४४०२२
साधन - जोधपुर, नागौर वाडमेर साचौर सिवाना से
बसे उपलब्ध।

(३४) समदडी (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री सूर्यकाताजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुलतानमलजी भण्डारी,
मु पो समदडी, जिला-वाडमेर
(राजस्थान) ३४४०२१
साधन-जोधपुर, बाडमेर, बालोतरा से बसे उपलब्ध

(३५) भवानीमण्डी (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री अरविन्द कुवरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री चन्दालालजी जैन, अध्यक्ष,
श्री वर्धमान स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
भवानी मण्डी, जिला-झालावाड
(राजस्थान) ३२६५०२

साधन-प.रे मे दिल्ली बम्बई मेन रोड पर रेल्वे स्टेशन है।

(३६) झालावाड़ (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री त्रिशला कुवरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री निर्मल कुमारजी कोठारी,
निर्मल क्लोक स्टोर्स, धोकलाका वालाजी,
झालावाड (राजस्थान) ३२६००१,
फोन न (एस.टी.डी ०७४३२) २२४६
साधन - कोटा, भवानीमडी, रामगंजमडी, रतलाम,
चितोडगढ से बसे उपलब्ध

(३७) आगर-(मालवा) (म.प्र.)

विदुषी महासती श्री सुमनकुवरजी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुजानमलजी केशरीमलजी जैन,
मु पो आगर (मालावा) जिला-शाजापुर (म.प्र.)
४६५४४१

(३८) इन्दौर-जानकी नगर (म.प्र.)

विदुषी महासती श्री रम्भा कुवरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सागरमलजी बेताला, अध्यक्ष,
श्री वर्धमान स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,
जानकी नगर, इन्दौर (म प्र) ४५२००४

(३९) बोलिया-(मध्यप्रदेश)

विदुषि महासती श्री राजीमतीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री हीरालालजी विजावत,
मु पो. बोलिया, जिला - मन्दसौर
(म.प्र.) ४५८३८२

(४०) बून्दी (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री शिरोमणीजी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री प्रेमचन्दजी कोठारी, अध्यक्ष,
C/o मेसर्स गौतम [illegible] एण्ड फाइनेंस कम्पनी,
नाहरजी [illegible] बून्दी, बून्दी-(राजस्थान) ३२३००१
साधन - टोंक, कोटा, जयपुर, सवाई माधोपुर,
देवली मालपुरा से सीधी बसें उपलब्ध

(४१) प्रतापगढ (राजस्थान)

विदुषि महासती श्री [illegible] म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible],
C/o श्री [illegible],
प्रतापगढ, जिला-चितौडगढ (राज.) ३१२६०५
साधन - अहमदावाद, सूरत, दिल्ली, इन्दौर, रतलाम
झालावाड, कोटा उदयपुर से सीधी बसे मिलती
है। प्रतापगढ, जयपुर बांसवाडा रोड पर है।

(४२) सनवाड़ (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री विनयप्रभाजी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री इन्द्रमलजी प्रकाशचंदजी चपलोत,
श्री ज्ञान पोषध शाला के सामने,
कपडे के व्यापारी, मु पो सनवाड,
जिला उदयपुर (राज) ३१३२०६,
फोन, नं २०३८५
साधन- उदयपुर, चितौडगढ फतेहनगर से सीधी बसे
उपलब्ध

(४३) दोघट (उत्तर प्रदेश)

विदुषि महासती श्री शुभमतिजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस. जैन सभा, दोघट,
C/o श्री दीपक कुमारजी सिंघल
मु पो दोघट जिला मेरठ (उ प्र.) २५०६२२

(४४) परासौली (उत्तर प्रदेश)

विदुषी महासती श्री शारदा कुवरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस.एस सभा. जैन,
मु.पो. परासौली, जिला-मुज्जफ्फर नगर (उ प्र)

(४५) अजमेर शहर (राजस्थान)

विदुषि महासती श्री तारामतीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जीतमलजी चौपड़ा,
मत्री श्री व स्था. जैन. श्रावक संघ, महावीर भवन,
लाखन कोटडी, अजमेर (राज) ३०५००१

(४६) मथानिया (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री कुसुमप्रभाजी म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री त्रिलोकचन्दजी गिड़िया,
बस स्टेंड के पास, मु पो. मथानिया,
जिला-जोधपुर (राज.) ३४२३०५
साधन- जोधपुर, [illegible], नागौर, [illegible] से बसे
उपलब्ध

(४७) [illegible] (मध्यप्रदेश)

[illegible]

सम्पर्क सूत्र - श्री धनराजजी भागचदजी लोढा,
मु पो •डौडी लोहारा, जिला दुर्ग (म प्र)

(४८) सबलपुर (बस्तर) (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री सुबोध प्रभाजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री मोतीलालजी बोथरा, मु पो सबलपुर
वाया भानुप्रतापपुर, जिला बस्तर (म प्र)

(४९) पीसागन (राजस्थान)
विदुषी - महासती श्री मजुलाजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री सिरेहमलजी बोहरा, अध्यक्ष,
श्री वर्धमान स्था जैन श्रावक सघ,
जिला अजमेर, मु पो पीसागन
साधन - अजमेर, विजयनगर, भीलवाडा, ब्यावर से
बसो का साधन

(५०) लासल गाव (महाराष्ट्र)
विदुषि महासती श्री विमल कुवरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - -श्री मागीलालजी बरमेचा
मु पो लासल गाव, जिला नासिक (महा)
४२२३०६, फोन न (एस टी टी ०२५५३६) ६१०६

(५१) बोलठाण (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री सुनील कुवरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कन्हैयालालजी नाहर
भूतपूव विधायक, मु पो बोलठाण,
जिला-नासिक (महा)
फोन न (एस टी डी ०२५८२४) ८३३०

(५२) नादगाव (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री अरूणप्रभाजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जसराजजी पारख सघपति,
मु पो नादगाव, जिला-नासिक (महा),
फोन न (एस टी डी ०२५५२४) २२२४,२४३८
साधन - नासिक लासलगाव चालीसगाव से
सीधी ट्रेन

(५३) धुलिया-सुभाषनगर (महा)
विदुषी महासती श्री उर्मिला कुवरजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री अशोक कुमारजी कोटेचा
- कोटेचा क्लासेस के पास, सुभाषनगर
जूना धुलिया (महाराष्ट्र) ४२४००१,
फोन न (०२५६२/२०७१५)
साधन - बोम्बे आगरा हाईवे मेन रोडपर स्थित है

(५४) मालेगाव (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री कैलास कुवरजी म सा आदि (६)
चातुर्मास स्थल - नवकार स्थानक, स्टेट बैक के पास,
मालेगाव (महाराष्ट्र)
सम्पर्क सूत्र - श्री बसतलालजी ओसवाल, अध्यक्ष,
जैनसेवा सघ, आर डी आयल मिल कम्पाउड,
मालेगाव , जिला नासिक (महा) ४२३२०३,
फोन न ४२१५२५
साधन-नासिक, चादवड, धुलिया से सीधी बसे
उपलब्ध

(५५) दौंडाइचा (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री सरोज बालाजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिलालजी चोरडिया,
मैसर्स कान्तिलाल शातिलाल एण्ड कम्पनी,
मु पो दौंडाइचा, जिला धुलिया (महा) ४२५४ ८,
फोन न (एस टी डी २५६६/४२२८-४२३८

(५६) उमराणा (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री धीरज कुवरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री बाबूलालजी ओसवाल, एडवोकेट,
मु पो उमराणा, जिला-नासिक वाया मालेगाव
(महा) ४२३११०
साधन - नासिक मालेगाव चादवड से सीधी बसे
उपलब्ध

(५७) कवर्धा (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री कचन कुवरजी म सा आदि (४)
सम्पक सूत्र -श्री वर्धमान स्था जैन श्रावक सघ,
मु पो कवर्धा, जिला-राजनादगाव (म प्र)
सम्पर्क सूत्र - श्री पन्नालाल जी श्री श्रीमाल मन रोड,
मु पो कवर्धा, जिला राजनादगाव (महाराष्ट्र)

(५८) दिल्ली-कैलाश नगर
विदुषी महासती श्री हसुमती जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री बसत कुमारजी, रघुवरपुरा न २,

गली नं.११, मकान नं. ५/ २३५७
गांधीनगर, दिल्ली-११००३१, फोन आफिस-५२३६८३ निवास २४१५५८४

(५९) दिल्ली - ऋषभ विहार
विदुषी महासती श्री कमलेश प्रभा जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र कुमार जैन, १६० ऋषभ विहार, कडकडडुमा चौक के आगे, दिल्ली, फोन न. २४२२०६३

(६०) दिल्ली-अशोक विहार
विदुषी महासती श्री कुसुम काता जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री विमल जैन, एफ-१४९, अशोक बिहार, फेस - १, दिल्ली ११००५२, फोन नं ७२१२८६७

(६१) खामगांव (महाराष्ट्र)
विदुषी महासती श्री विमल यशाजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री शाति लालजी सिसोदिया, एडवोकेट, बगीचा के सामने, मु पो. खामगाव, जिला बुलढाणा (महा.) ४४४३०३, फोन न. (एस.टी.डी.०७२६४) ३०६०

(६२) जोधपुर - महामंदिर (महा.)
महासती श्री मणिप्रभाजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक ४ अनुसार

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१०	कुल कुल मुनिराज	४२
कुल चातुर्मास सतियो के	५२	कुल सतियॉजी	२८९
कुल	६२	कुल	३११

कुल चातुर्मास (६२) संत (४२) महासतियॉजी (२८९) कुल ठाणा (३११)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियॉ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	४२	२८३	३२५
(+) नई दीक्षाऐ हुई	३	९	१२
(-) महाप्रयाण हुऐ	१	२	३
(-) जानकारीया ज्ञात नही हो सकी	१	१	२
१९९४ मे कुलठाणा है	४३	२८९	३३२

विशेष -

(१) इस समुदाय में आचार्य पद प्रदान करने की प्रथा नहीं है, परन्तु संघ नायक के रुप में गच्छाधिपति विद्यमान है। जो आचार्य पद के समान ही है। ज्ञानगच्छ के संघ नायक गच्छाधिपति के रुप में तपस्वीराज की चंपालाल जी म.सा. ही विद्यमान है।

(२) इस वर्ष इस समुदाय में तीन संत एवं व ९ महासतियॉजी कुल ठाणा १२ की नई दीक्षाऐ हुई है एवं एक संत और दो महासनियॉजी का महाप्रयाण हुआ है एक संत एवं एक महासतीजी की जानकारी ज्ञात नहीं होसकी

(३) जैन पत्र-पत्रिकाऐ (१) सम्यग् दर्शन (मासिक हिन्दी) ब्यावर
(२) सुधर्म प्रवचन (मासिक हिन्दी) जोधपु .

रात्रि में बनाये गये खाने-पीने के पदार्थ का दिन में खाना भी रात्रि भोजन ही है।

—उपाध्याय श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'

भोगीलाल लेहरचन्द इन्स्टिट्यूट आफ इन्डॉलोजी

श्री आत्म वल्लभ जैन स्मारक शिक्षण निधि
जी टी करनाल रोड, पो ओ अलीपुर, दिल्ली-११००३६

ग्रीष्म-अध्ययनशाला का आयोजन

श्री आत्म वल्लभ जैन स्मारक शिक्षण निधि के अंगभूत इस इन्स्टिट्यू द्वारा प्रत्येक वर्ष प्राकृत-भाषा एव साहित्य के ज्ञानार्जन हेतु ग्रीष्म-अध्ययनशाला का आयोजन होता है, जिसमें सामान्य तथा विशेष-इन दो प्रकार के पाठ्यक्रमो मे अखिल भारतीय स्तर पर छात्रो का चयन करके उन्हे तीन सप्ताह तक विधिवत छ घन्टे प्रत्येक दिन उपर्युक्त विषय मे शिक्षित किया जाता है। इसमे सम्मिलित होने वाले सभी छात्रो को भोजन तथा आवास की नि शुल्क सुविधा प्रदान की जाती है, साथ ही अपने निवास-स्थान से यहा आने-जाने का मार्ग-व्यय भी दिया जाता है। सत्र के अन्त मे एतदर्थ छात्रो को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए जाते है।

शोध-कार्य की सुविधा

इन्स्टिट्यूट का अपना महत्वपूर्ण पुस्तकालय है, जिसमें दस हजार से अधिक दुर्लभ पाडुलिपिया सग्रहीत ह। समस्त भारतीय विद्या से सम्बन्धित मूल, आलोचनात्मक एव सदर्भ-ग्रथ यहा विद्यमान है। दुर्लभ ग्रथो के विद्यमान होने से जैन-विद्या पर शोध-काय सम्पन्न करने मे यहा विशेष सुविधा प्राप्त है।

प्रकाशित पुस्तके

१ स्टडीज इन सस्कृत साहित्य शास्त्र, कुलकर्णी वी एम, ८+२०१ - ६० रुपये
२ पचसूत्रकम आफ चिरतनाचार्य स मुनि श्री जम्बूविजयजी, ८+४६+११३ - १२० रुपये
३ जैन भाषा दर्शन हिन्दी मे जैन सागरमल, १८+१०९ - ५० रुपये
४ सम एसपेक्टस आफ दि रस थियोरी, कुलकर्णी, वी एम, ८+१२० - १२० रुपये
५ दि गाहाकोस आफ हाल, भाग-२ स पटवर्धन, वी एम, २६+२४८ - २५० रुपये
६ प्राकृत वर्सेज इन सस्कृत वर्क्स आफ पोइटिक्स भाग-१ मूल, कुलकर्णी, वी एम, १२+५७१ - १६९ रुपये
७ प्राकृत वर्सेज इन सस्कृत वर्क्स आफ पोइटिक्स भाग-२ अंग्रेजी अनुवाद कुलकर्णी वी एम, ५१+५९९ - १४८ रुपये
८ अपभ्रश लैंगवेज एड लिटरेचर, भयानी, एच सी, ६+४४ - २५ रुपये
९ महाभारत पर आधारित सस्कृत नाटक गुजराती म एस एम पड्या, अहमदाबाद, २२+३८४ -१६० रुपये

प्रकाशनाधीन पुस्तके

१ शान्तिनाथचरित प्राकृत - कलिकालसर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचाय के गुरुदेव आचार्य भदन्त श्री देवचन्द्र सूरि कृत।
२ हरिभद्रीयम-आचार्य हरिभद्र सूरि पर आयोजित परिसवाद गोष्ठी मे विद्वानो द्वारा प्रस्तुत शोध-पत्रो का सकलन।
३ सरस्वतीकण्ठाभरण भोज कृत - श्री रत्नेश्वर कृत 'रत्नदर्पण' टीका एव जैन टीकाकार आजड के टिप्पण सहित।
४ मानवसौतसूत्र।
५ शब्दभेदप्रकाश महेश्वर कवि प्रणीत - श्री ज्ञान विमल उपाध्याय विरचित टीका सहित।
६ मुनि श्री न्यायविजय के ग्रन्थ 'जैन दर्शन' का 'जैन फिलासफी एड रिलीजन' शीर्षक से अंग्रेजी-अनुवाद।
७ अर्हन् पार्श्व विद धर्मेन्द्र इन लिटरेचर, इन्स्क्रिप्शन्स् एड आर्ट-इस विषय पर आयोजित परिसवाद-गोष्ठी मे प्रस्तुत शोध-पत्रो का सकलन।
८ जैन फिलासफी एड एपिस्टेमालोजी - इस विषय पर आयोजित परिसवाद-गोष्ठी मे प्रस्तुत शोध-पत्रो का सग्रह।

श्री रत्नवंश सम्प्रदाय

श्री रत्न वंश समुदाय के अष्ठम् पट्टधर, आगमज्ञ, अखण्ड बाल ब्रह्मचारी, चारित्र चूडामणी, प्रखर वक्ता, पं. रत्न आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. एवं मधुर व्याख्यानी अखण्ड बाल ब्रह्मचारी, पं. रत्न उपाध्याय श्री मानचन्द्रजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियॉजी म.सा.

कुल चातुर्मास (११) मुनिराज (१२) महासतीयॉजी (४२) कुल ठाणा (५४)

मुनिराज समुदाय

(१) जोधपुर-सरदारपुरा (नेहरु पार्क)

१. आगमज्ञ, पं.रत्न, अखण्ड बाल ब्रह्मचारी, चारित्र चूडामणी, प्रखरवक्ता, आचार्य प्रवर श्री हीराचन्दजी म.सा.
२. ओजस्वी वक्ता श्री शुभेन्द्र मुनिजी म सा
३. तत्वचिंतक श्री प्रमोद मुनिजी म.सा (सी ए) आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री मूलचदजी बाफना,
संयोजक चातुर्मास व्यवस्था समिति,
३ नेहरु पार्क, सरदारपुरा, जोधपुर-३४२००३ (राजस्थान), फोन न (एस टी डी ०२९१) निवास-३०६४३, ४१५७३

चातुर्मास स्थल - श्री जैन श्री सघ, १ नेहरु पार्क, मुख्य तार घर के पास, जोधपुर-३४२००३ (राजस्थान)

साधन - जयपुर, सवाईमाधोपुर, बीकानेर, अहमदाबाद, दिल्ली, इन्दौर अजमेर आगरा लखनऊ, कानपुर आदि से सीधी ट्रेन सुविधा

नोट- ओजस्वी वक्ता श्री शुभेन्द्र मुनिजी म सा के ब्रेन ट्यूमर ऑपरेशन के पश्चात् [illegible] चलते [illegible] [illegible] विजयनगर (राजस्थान) के बजाय जोधपुर चातुर्मास [illegible]-आचार्यश्री जी ने [illegible] स्वीकार [illegible] ।

(२) कवलियास (राजस्थान)

१. मधुर व्याख्यानी पं.रत्न उपाध्याय श्री मानचन्द्र जी म.सा.
२ कवि हृदय श्री गौतम मुनि जी म सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री अमोलखचद जी सुराणा,
मत्री श्री व स्था. जैन श्रावक सघ,
मु.पो. कवलियास वाया रूपाहेली,
जिला भीलवाडा (राजस्थान) ३०५६२६

चातुर्मास स्थल-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, मु पो. कवलियास वाया रूपाहेली, जिला भीलवाडा (राजस्थान) ३०५६२६

साधन - अजमेर भीलवाडा मुख्य राष्ट्रीय मार्गपर स्थित है। जहां सभी ओर से आवागमन के साधन मिलते है। भीलवाडा से ४२ कि एव अजमेर से ९० कि मी है।

(३) भोपालगढ (राजस्थान)

१. रोचक व्याख्याता श्री ज्ञानमुनिजी म सा
२. सेवाभावी श्री नन्दीषेण मुनिजी म.सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री कल्याणमलजी बाफना मंत्री,
श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक सघ, भोपालगढ,
जिला जोधपुर (राजस्थान) ३४२६०३,
फोन न (एस.टी.डी ०२९२०) [illegible]

चातुर्मास स्थल - सार्वजनिक [illegible] भवन ([illegible]) भोपालगढ (राज)

नोट - [illegible]

साधन - जोधपुर, [illegible]

नागौर गोटन से सीधी बसे उपलब्ध

महासतियाँजी समुदाय

(४) **जोधपुर-घोडो का चौक (राजस्थान)**
१ महास्थविरा साध्वी प्रमुखा प्रवर्तिनी
महासती श्री वदनकुँवरजी म सा
२ उपप्रवर्तिनी महासती श्री लाडकुवरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री रिखवचदजी मेहता, मत्री,
श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक सघ, घोडो का चौक,
जोधपुर-३४२००१ (राजस्थान),
फोन न (एस टी डी ०२९१),
कार्यालय-२४८९१ निवास २४८६६
चातुर्मास स्थल - श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक सघ,
घोडो का चौक, जोधपुर-३४२००१ (राजस्थान)
साधन - जोधपुर रेल्वे स्टेशन एव एस टी बस स्टेण्ड से आटोरिक्सा सिटी बस से सोजती गेट या जालोरी गेट उतरे वहा से समीप मे

(५) **जोधपुर-पावटा (राजस्थान)**
सरल हृदया महासती श्री सायर कुंवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री नरपतराजजी चौपड़ा, सयुक्त मत्री,
श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक सघ, धर्म नारायणजी का हत्था, पावटा, जोधपुर-(राजस्थान)३४२००६
फोन न (एस टी डी ०२९१) आफिस-२५१४३
निवास ४५२६५
चातुर्मास स्थल - वर्धमान भवन, धर्म नारायणजी का हत्था, पावटा, जोधपुर (राज)
साधन - जोधपुर रेल्वे स्टेशन, एस टी बस स्टेण्ड से आटो रिक्शा, टेम्पो सिटी बस सेवा उपलब्ध

(६) **मेडता सिटी (राजस्थान)**
१ शासन प्रभाविका विदुषी महासती
श्री मैना सुन्दरीजी म सा
२ कोकिलकठी महासती श्री चन्द्रकलाजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री हस्तीमलजी डोसी मत्री-जैन श्री सघ,
मैसर्स देवकरण श्री चद डोसी, कमीशन एजेन्ट, कृषि मण्डी, मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) ३४१५१०,
फोन (एस टी डी ०१५९०) आफिस २०१८१
निवास-२०१४४
चातुर्मास स्थल - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु पो मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) ३४१५१०
साधन - अजमेर, नागौर, जोधपुर, पुष्कर, कुचेरा, बीकानेर, नोखा से सीधी बसे उपलब्ध

(७) **गोविन्दगढ (राजस्थान)**
सेवाभावी श्री सन्तोष कवरजी म सा आदि (५,
सम्पर्क सूत्र - श्री धर्मीचन्दजी सुराणा,
अध्यक्ष-श्री व स्था जैन श्रावक सघ
मु पो गोविन्दगढ, जिला अजमेर
(राजस्थान) ३०५२०१, फोन न १०६
चातुमास स्थल - श्री व स्था जैन श्रावक सघ
महावीर भवन, खाबियो का वास, गोविन्दगढ, जिला अजमेर (राजस्थान)

(८) **पुष्कर (राजस्थान)**
१ शान्त स्वभावी महासती श्री शातिकुवरजी म सा
२ व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकुवरजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री पूनमचदजी नाहर अध्यक्ष,
श्री व स्था जैन श्रावक सघ महावीर मार्केट, पुष्कर जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५०२२,
फोन न (एस टी डी ०१४५८१) २३४०
चातुर्मास स्थल - मून्दडा धर्मशाला, होली का चौक पुष्कर जिला-अजमेर (राजस्थान) ३०५०२२
साधन-अजमेर से हर समय रोडवेज की बसे एव जीप टेक्सी उपलब्ध । अजमेर के समीप ही ।

(९) **पिपाड सिटी (राजस्थान)**
१ व्याख्यानी महासती श्री तेजकुवरजी म सा
२ सेवाभावी श्री मुक्तिप्रभाजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जबरचदजी मूथा होली दडा,

मु.पो. पिपाड सिटी, जिला-जोधपुर-३४२६०१ (राजस्थान),
फोन नं. (एस.टी.डी.०२९३०) आफिस-३०२३
निवास-३१२३
चातुर्मास स्थल - सामायिक स्वाध्याय भवन, पिपाड सिटी, जिला जोधपुर (राज.)
साधन - जोधपुर, जैतारण, व्यावर, पाली, भोपालगढ, गोटन से बसे उपलब्ध ।

(१०) सोजत रोड (राजस्थान)

व्याख्यात्री महासती श्री रतनकुवरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री नथमलजी गून्देचा,
मेसर्स वादरमल नथमल, ग्रेन मर्चेन्ट, मु.पो.सोजत रोड, जिला पाली (राजस्थान) ३०६१०३,
फोन (एस.टी.डी. ०२९६०),
दुकान-५०५० निवास-५१२५
चातुर्मास स्थल - बडा जैन स्थानक, बगडी रोड, सोजत रोड़, जिला पाली (राजस्थान)
साधन-दिल्ली अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। जोधपुर पाली व्यावर अजमेर मारवाड जक्शन आदि से सीधी बसे उपलब्ध

(११) खेरली (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री सुशीलाजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुरेशचदजी जैन अध्यक्ष,
श्री जैनरत्न हितेषी श्रावक संघ वार्ड नं.९,
कजोड़ी का नंगला, मु.पो. खेडलीगंज,
जिला अलवर (राजस्थान) ३२१६०६,
फोन नं. (एस.टी.डी. ०१४९२) २०५१६ पी.पी.
चातुर्मास स्थल - श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ सामायिक स्वाध्याय भवन, मु.पो. खेरली, जिला अलवर (राजस्थान) ३२१६०६
साधन - आगरा जयपुर रेल मार्ग पर स्थित है। अलवर, जयपुर, भरतपुर, दिल्ली से सीधी बस सेवा उपलब्ध

कुल चातुर्मास मुनिराज के	३	कुल कुल मुनिराज	१२
कुल चातुर्मास सतियो के	८	कुल सतियॉजी	४२
कुल	११	कुल	५४

कुल चातुर्मास (११) संत (१२) महासतियॉजी (४२)
कुल ठाणा (५४)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियॉ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	१२	३४	४६
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	८	८
(-) महाप्रयाण हुऐ	-	-	-
१९९४ मे कुलठाणा है	१२	४२	५४

समुदाय के विधमान है आचार्य	उपाध्याय	प्रवर्तिनी	उपप्रवर्तिनी
(१)	(१)	(१)	(१)

नई दीक्षाऐ हुई - संत नही महासतियॉजी + सवाई माधोपुर मे ७ जोधपुर मे १ कुल ८

जैन पत्र - पत्रिकाऐ - (१) जिनवाणी (मासिक-हिन्दी) जयपुर
(२) मासिक वुलेटिन (मासिक हिन्दी) जोधपुर
(३) स्वाध्याय शिक्षा (द्विमासिक हिन्दी) जोधपुर

गुरु हस्ती के दो फरमान ।
सामायिक स्वाध्याय महान ।।

गुरु हीरा का क्या सन्देश ।
व्यसन मुक्त हो सारा देश ।।

किसी भी सामाजिक शुभ प्रसंग पर परिषद को सहयोग अवश्य प्रदान करे।

श्री नानक सम्प्रदाय

श्री नानक सम्प्रदाय के स्व. श्री पन्नालालजी म.सा. के सुशिष्य स्वाध्याय शिरोमणी, आशुकवि, मरुघर छवि, मधुरवक्ता पं.रत्न, आचार्य प्रवर श्री सोहनलालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतीयॉजी म.सा.

कुल चातुर्मास (४) मुनिराज (५) साध्वीयॉजी (१२) कुल ठाणा (१७)

मुनिराज समुदाय

भिनाय (राजस्थान)

1. स्वाध्याय शिरोमणि, आसुकवि, मरुधर छवि, मधुर वक्ता, पं. रत्न आचार्य श्री सोहनलालजी म. सा.

2. सरल स्वभावी श्री बालचंदजी म.सा.

3. नवदीक्षित श्री संतोष मुनिजी म.सा. आदि (5)

सम्पर्क सूत्र-अध्यक्ष, श्री प्राज्ञ जैन पुस्तक भण्डार

मु.पो.-भिनाय, जिला-अजमेर (राज)-305622

फोन (एसटीडी-01466) ऑ-237 नि.-214

साधन-विजयनगर, ब्यावर, अजमेर, केकड़ी से हर समय बसे उपलब्ध।

नोट-आचार्य श्री के प्रत्येक चयोदशी को मौन रहती है।

महासतियॉजी समुदाय

2. विजयनगर (राजस्थान)

1. साध्वी प्रमुखा महासती श्री जयवंत कुंवरजी म.सा.
2. विदुषी महासती डॉ कमला कुमारीजी म.सा. M.A, PH. D. आदि (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री गुलाबचन्दजी लुणावत अध्यक्ष, सदर बाजार, विजयनगर जिला-अजमेर (राजस्थान)-305624

चातुर्मास स्थल-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, नया, विजयनगर जिला-अजमेर (राज)-305624

साधन-खण्डवा अजमेर मेन लाइन पर रेलवे स्टेशन है। अजमेर, ब्यावर, किशनगढ, गुलाबपुरा, भीलवाडा, चित्तौडगढ, उदयपुर, जयपुर आदि स्थानो से सीधी बसे मिलती है।

3. लीड़ी (अजमेर) (राजस्थान)

वयोवृद्धा महासती श्री घेवर कुंवरजी म.सा. आदि (2)

सम्पर्क सूत्र-श्री संपतराजजी खीचा, द्वारा-श्री प्राज्ञ जैन मित्र मण्डल, मु.पो. लीड़ी जिला-अजमेर (राजस्थान)

साधन-अजमेर, किशनगढ, ब्यावर, विजयनगर से बसे उपलब्ध।

4. भिनाय (राजस्थान)

1. विदुषी महासती डॉ. ज्ञानलताजी म.सा. M.A.PH,D.
2. विदुषी महासती डॉ दर्शनलताजी म.सा. M A PH D
3. विदुषी महासती डॉ चारित्रलताजी म.सा. M A PH D. आदि (5)

सम्पर्क सूत्र-श्री प्राज्ञ जैन पुस्तक भण्डार मु.पो. भिनाय जिला-अजमेर (राज.)-305622

फोन (एसटीडी-01466) ऑ-237 नि-214

साधन-विजयनगर, ब्यावर, अजमेर, केकड़ी से हर समय बसे मिलती है।

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१	कुल कुल मुनिराज	५
कुल चातुर्मास सतियो के	३	कुल सतियाँजी	१२
कुल	४	कुल	१७

कुल चातुर्मास (४) सत (५) महासतियाँजी (१२)
कुल ठाणा (१७)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	६	११	१७
(+) नइ दीक्षाऐ हुई	१	-	१
(-) महाप्रयाण हुऐ	२	-	२
(+) अन्य समुदाय समेलीत हुई	-	१	१
१९९४ मे कुलठाणा है	५	१२	१७

विशेष-

(१) स्वाध्याय सघ गुलाबपुरा एकमात्र ऐसा स्वाध्याय सघ है जिसमे सर्वप्रथमवार पर्यूषणो में स्वाध्यायियो को भेजने का कार्य प्रारभ किया और उसमें वर्तमान आचार्य प्रवर श्री सोहन लालजी म सा ऐसे प्रथम श्रावक थे जो प्रथमवार स्वाध्याय बनकर गये थे।

(२) वर्तमान आचार्य प्रवर श्री सोहन लालजी म सा के इस वर्ष २४-२-९४ को विजयनगर में सघ का आचार्य पद प्रदान किया गया जो सघ के १०० वर्ष के इतिहास में प्रथम वार हुआ।

श्री जयमल सम्प्रदाय

आचार्य श्री जयमलजी म.सा. की समुदाय के आगम व्याख्याता, स्व. आचार्य प्रवर श्री लालचंदजी म.सा. के पट्टधर वर्तमान जय गच्छाधिपति, प्रशान्त चेता, पं.रत्न, आचार्य कल्प श्री शुभचन्द्रजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती संत सतियाँजी म.सा.

कुल चातुर्मास (१०) मुनिराज (५) महासतीयाजी (२८) कुल ठाणा (३३)

मुनिराज समुदाय

(१) पिपलिया कलॉ (राजस्थान)

१. जय गच्छाधिपति, मधुरवक्ता प्रशान्त, चेता, पं.रत्न आचार्य कल्प श्री शुभचन्द्रजी म.सा.---
२. युवा मनिषी डॉ. पदम मुनिजी म.सा. 'एम.ए.पीएचडी' आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री मोहनलालजी ऑचलिया, संयोजक,
श्री श्वे. स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ,
चातुर्मास व्यवस्था समिति,
मु.पो. पिपलिया कलॉ, जिला पाली
(गजरथान) ३०६३०७,
फोन नं (एस.टी.डी. ०२९३७) ७२१८
अध्यक्ष - श्री गणपतीलालजी वोहरा - ७२४९
साधन - पाली व्यावर राष्ट्रीय मार्ग न. १४ के मध्य पिपलिया कला है। रेल्वे मार्ग से दिल्ली अहमदाबाद मेन लाइन में सोजत व्यावर सेन्दडा हरीपुर आदि उतरे वहा से साधन उपलब्ध

(२) भीलवाडा (राजस्थान)

कर्मठ अध्यवसायी श्री गुणवत मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री पारसमलजी सकलेचा,
मैसर्स नूतन मेडिकल स्टोर्स, अस्पताल रोड,
भोपालगंज, भीलवाडा (राजस्थान) ३११००१
चातुर्मास स्थल - श्री व.स्था. जैन श्रावकसंघ
भीलवाडा
साधन - [illegible] अजमेर मेन लाइन का स्टेशन, वसो की अच्छी व्यवस्था।

महासतियाँजी समुदाय

(३) पिपाड़ शहर (राजस्थान)

वयोवृद्धा महासती श्री नन्दकुँवरजी म.सा. (सकारण) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे.स्था.जैन श्रावक संघ,
C/o श्री मांगीलालजी चोपडा,
मु.पो.पिपाड शहर, जिला जोधपुर
(राजस्थान) ३४२६०१
साधन - जेतारण, पाली, विलाडा, जोधपुर, भोपालगढ, गोटन से बसे उपलब्ध

(४) व्यावर (राजस्थान)

१. विदुषी महासती श्री सुगन कुंवरजी म.सा.
२. विदुषी महासती श्री सुमति कंवरजी म.सा. आदि (८)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे.स्था. जयमल, जैन श्रावक संघ,
श्रुताचार्य चोथ स्मृति भवन, ३९ विनोदनगर,
व्यावर-३०५९०२, जिला अजमेर (राजस्थान)
साधन - दिल्ली, अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन एव एस.टी.बस स्टेण्ड से ऑटो रिक्शा तांगा गाडी से विनोदनगर

(५) नागौर (राजस्थान)

वयोवृद्धा महासती श्री प्रताप कुंवरजी म.सा. (सकारण) आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे.स्था. जयमल जैन श्रावक संघ,
श्री [illegible] लोढा [illegible] नागौर
(राज.) ३४१००१

(६) ब्यावर (राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री अक्कल कुवरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे स्था जयमल जैन श्रावक सघ C/o हमीरमल दलीचद जैन महावीर बाजार, मु पो ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५९०२

(७) दिल्ली-नागलोई
विदुषी महासती श्री शारदा कुवरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुरेशचदजी जैन,
मैसस जैन क्लोथ एम्पोरियम, पजाबी बस्ती, नागलोई, दिल्ली-११००४१
साधन - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली एव बस अड्डा से सिटी बसे उपलब्ध

(८) सरवाड (राजस्थान)
विदुषी महासती श्री चेतनाजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी कक्कड,
कपडे के व्यापारी, सदर बाजार, मु पो सरवाड, जिला अजमेर (राजस्थान)
साधन-अजमेर, विजयनगर, केकडी, किशनगढ से बसे उपलब्ध

(९) सोजत रोड (राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री धापूकुवरजी म सा (सकारण) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री गणेशमलजी असवत राजजी कटारिया, मु पो सोजत रोड, जिला पाली (राजस्थान) ३०६१०३

(१०) साथीन (राजस्थान)
वयोवृद्धा महासती श्री दरियाव कुँवरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री पारसमलजी मूथा, मु पो साथीन व्हाया पिपाड़ शहर, जिला जोधपुर (राजस्थान)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	२	कुल कुल मुनिराज	५
कुल चातुर्मास सतियो के	८	कुल सतियॉजी	२८
कुल	१०	कुल	३३

कुल चातुर्मास (१०) सत (५) महासतियॉजी (२८) कुल ठाणा (३३)

विशेष
(१) मुनि श्री ऋषभचरणजी म सा एव महासतीश्री शीलप्रभाजी म सा आदि ठाणाओने आचार्य श्री जी से इस वर्ष चातुर्मास की आज्ञा नही मगवाने के कारण उन सभी का सूची मे नाम नहीं दिया गया है ।
(२) नई दीक्षा एव महाप्रयाण की सूची प्राप्त नहीं होने के कारण एव उपरोक्त क्रमाक १ के कारण सही सख्या ज्ञात नही होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नही कर सके ।
(३) गत वर्ष समुदाय में विद्यमान थे - मुनिराज (७) महासतियॉजी (३६) कुल ठाणा (४३) इस तरह (१०) सत-सतियॉ की जानकारीया ज्ञात नही होसकी
(४) जैन पत्र-पत्रिकाऐ –
(१) स्वाध्याय सगम (मासिक-हिन्दी) जोधपुर
(२) पदमोदय जैन कलेण्डर (हिन्दी) जोधपुर

लाल गुरु का यह सन्देश ।
आगम का हो स्वाध्याय हमेश ।।

जैन विश्व रिकार्डस

सम्पूर्ण भारत में मध्य प्रदेश ही
एक मात्र ऐसा राज्य है जहॉ पर सर्व प्रथम
गौ वंश पर प्रतिबध लगाया गया है ।
(जैन रिकार्डस डायरेक्ट्री से साभार)

व्याख्यान वाचस्पति नवयुग सुधारक चारित्र चूडामणि, श्री मदनलालजी म.सा. के सुशिष्य संघशास्ता, शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, आगमज्ञ, नव युवक धर्म प्रेरक, पं.रत्न, श्री सुदर्शनलालजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराज

कुल चातुर्मास (७) मुनिराज (२८) कुल ठाणा (२८)

मुनिराज समुदाय

(१) बडीत मण्डी (उत्तरप्रदेश)

१. संघशास्ता, शासन प्रभावक , प्रसिद्ध वक्ता, आगमज्ञ, नवयुवक धर्म प्रेरक, पं. रत्न श्री सुदर्शनलालजी म.सा.

२. शान्तमूर्ति श्री शान्ति चन्द्र जी म.सा.

३. ओजस्वी वक्ता श्री जयमुनिजी म.सा.

४. नवदीक्षित श्री रोहित मुनिजी म.सा. आदि (८)

सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक, नहर के ऊपर, मु.पो. बडोत मण्डी जिला - मेरठ (उत्तर प्रदेश)

साधन - दिल्ली, मेरठ, मुजफफर नगर, गाजियावाद आदि से बस का साधन

नोट - शासन प्रभावक श्री सुदर्शन लाल जी म.सा. को प्रत्येक सोमवार को मौन रहता है।

(२) जम्मू तवी (जम्मू कश्मीर)

१. प्रज्ञा महर्षि प्रशान्त आत्मा, सेठ श्री प्रकाश चन्द जी म.सा. (प्रथम)

२. आगम ज्ञान रत्नाकर श्री राम प्रसाद जी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री ज्ञान नन्दन जी जैन मैसर्स जैन गोटा स्टोर्स, लिंक रोड, जम्मू तवी-१८०००१ (जम्मू-कश्मीर)

चातुर्मास स्थल - मुनि श्री [illegible] जैन उपाश्रय [illegible] जैन [illegible] के पास, [illegible] गेट, जम्मू शहर या जैन बाजार जम्मू शहर

साधन - दिल्ली जम्मू तवी मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। आने वाले यात्री मेटाडोर का उपयोग करें, ३ व्हीलर या टेक्सी का उपयोग न करें।

(३) जीन्द (हरियाणा)

दृढ़ संयमी ओजस्वी वक्ता श्री प्रकाश मुनिजी म.सा. (द्वितीय) आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा, रामराण गेट, जीन्द (हरियाणा) १२६१०२

साधन - दिल्ली, अम्बाला, चण्डीगढ, सिरसा, हिसार आदि से बसे उपलब्ध

(४) सुनाम (पंजाब)

१. महाप्रतापी ओजस्वी वक्ता श्री पदमचन्द्र जी म.सा.

२. मधुरवक्ता श्री नरेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा, सर्राफा बाजार, मु.पो. सुनाम, जिला संगरुर (पंजाब) १४८०२८

साधन - संगरुर, रोपड, लुधियाना, अम्बाला से बसे उपलब्ध

(५) गन्नौर मण्डी (हरियाणा)

१. पं. रत्न श्री विनय मुनिजी म.सा.

२. नवदीक्षित श्री श्रीपालजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा गोशाला के पास, मु.पो. गन्नौर मन्डी, जिला सोनीपत (हरियाणा) १३११०१

साधन - सोनीपत, पानीपत, दिल्ली, अम्बाला से बसे उपलब्ध

(६) दिल्ली-रोहिणी

मनोहर व्याख्यानी श्री नरेश मुनिजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा पोकेट एच-३४
रोहिणी, दिल्ली-११००८५,
फोन न श्री राधेश्यामजी जैन
निवास - ७२७१५८५, ७२७२१३६
साधन - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली बस अड्डा से रोहिणी-सेक्टर ३ की सिटी बस से अवन्तिका विश्राम चौक या दिवाली चौक उतरे वहा से पास मे स्थानक है।

(७) मतलौडा मण्डी (हरियाणा)

मधुर व्याख्यानी श्री राजेन्द्र मुनिजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस एस जैन सभा, स्टेशन के पास,
मु पो मतलौडा मण्डी, जिला करनाल (हरियाणा)

कुल चातुर्मास (७) सत (२८) कुल ठाणा (२८)

सत मुनीराज तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	कुलठाणा
१९९३ म कुलठाणा थे	२५	२५
(+) नई दीक्षाऐ हुई	२	२
(+) अन्य गच्छ से सम्मिलित हुऐ	१	१
१९९४ मे कुलठाणा है	२८	२८

नई दीक्षाऐ हुई - श्री श्रीपालमुनिजीम एव श्री रोहितमुनिजीम. सोनीपत मडी,श्री ज्ञानगच्छ के विव्दद्दर्य श्री वकील मुनिजी म सा प्रेमभाव स्वेच्छा से गच्छ परिवर्तन करके इस सघ मे सम्मिलित हुऐ।

जैन पत्र-पत्रिकाऐ - कोई नही।

विशेष

(१) सम्पूर्ण जैन समाज में यही एकमात्र ऐसा समुदाय है कि जिसमें न तो कोई साध्वीयॉ पूर्व में थी और न वर्तमान मे है और न किसी साध्वी को दीक्षा प्रदान की जाती है। इसलिए तालिका में केवल मुनिराज ही दिखाये गये है।

(२) सम्पूर्ण जैन समाज में यहीं एक मात्र ऐसी समुदाय है जिसके सघ नायक एव अन्य सभी आज्ञानुवर्ती मुनिराज सभी अखण्ड बाल ब्रह्मचारी है।

(३) इस समुदाय में भी सत मुनिराजों का एक जैसा सिघाडा-ग्रुप हमेशा नहीं रहता आज किसी ग्रुप के साथ कोई मुनिराज है तो अगले वर्ष और कोई रहेंगे सभी मुनिराज एक दूसरे के साथ रहकर चातुर्मास एव विचरण करते ही किसी भी सत को किसी के साथ भी बड़े प्रेमभाव से रहते है।

(४) यह समुदाय भी महामुनि श्री मायारामजी म सा के समुदाय का ही एक भाग है। जिसका दूसरा भाग जैन शासन सूर्य श्री राम कृष्णजी म सा आदि ठाणा विद्यमान है।

श्री धर्मदास सम्प्रदाय

प्रमुख पूज्य पाद प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती स्व. घोर तपस्वी रत्न, आदर्श त्यागी, पं.रत्न श्री लालचंदजी म.सा.
के गण के संत सतियॉजी
वर्तमान मे संघ के प्रमुख संत तरुण तपस्वी श्री मानमुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (८) मुनिराज (६) साध्वीयॉजी (२३) कुल ठाणा (२९)

मुनिराज समुदाय

(१) राजकोट (कोटेचा नगर) (गुजरात)

तरुण तपस्वी पं. रत्न श्री मानमुनिजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - निवृत्त जज दोशी नलिनकांत मोतीचद, पुष्पा विल्ला, २० गुजरात हाउसिंग वोर्ड, शेरी न. २, कालावड रोड, राजकोट-३६०००१ (गुजरात), फोन न. (एस.टी.डी. ०२८१) ५२५२० अथवा ५४९१९

चातुर्मास स्थल - आदेश्वर जलधारा के ऊपर, ३९ कोटेचा नगर, कोटेचा मेन रोड, गर्ल स्कूल के सामने, कालावड रोड, राजकोट-३६०००१ (गुजरात)

साधन - अहमदाबाद - वम्बई, सुरेन्द्रनगर, मोरवी, जामनगर, वेरावल, पोरबन्दर आदि से ट्रेन एव वस सेवा उपलब्ध

(२) हरसूद (मध्यप्रदेश)

१. मधुर व्याख्याता श्री कानमुनिजी म.सा.
२. सेवाभावी श्री गुलाब मुनिजी म.सा. आदि (३)
श्री वीतराग सघ के सूत्रधार कुशल सेवा मूर्ति-
३. पं. रत्न श्री शीतल राज जी म.सा. आदि (१)

कुल ठाणा (४)

चातुर्मास स्थल - श्री जैन [illegible], [illegible], [illegible], मु.पो. हरसूद, जिला [illegible] (मध्यप्रदेश) [illegible]

सम्पर्क सूत्र - श्री फतेहचंद जी सांड, सदर वाजार, मु.पो. हरसूद, जिला खडवा (मध्यप्रदेश) ४५०११६, फोन नं. (एस.टी.डी. ०७३२७) २३१३ ,

साधन - खंडवा, इन्दौर, महु, होशंगावाद, आदि से ट्रेन एवं वस

महासतियॉजी समुदाय

(३) जावरा (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासती श्री मैना कुँवर जी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - मेहता राकेश कुमार रतनलाल, ६४ बजाजखाना, मु.पो. जावरा, जिला रतलाम (म.प्र.) ४५७२२६, फोन नं (एस.टी डी.-०७९१४) २०७४१, २०६४१

(४) खॉचरोद (मध्यप्रदेश)

विदुषी महासती श्री कौशल्या कुवरजी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री सुजानमलजी वृपवया, २७ अन्नपूर्णा मार्ग, मु.पो. खाचरोद, जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) ४५६२२४, फोन (एस.टी.डी.-०७८९२) ३१०२६

(५) पारसिवनी (महाराष्ट्र)

विदुषी महासती श्री [illegible] कुंवरजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] [illegible], मु.पो. पारसिवनी, जिला नागपुर [illegible]

(६) जामनगर (गुजरात)
विदुषी महासती श्री कचन कुवरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री चदुलाल रामजी देढिया,
२२ सुधीर जय को ओ सोसायटी, एरोड्रम रोड,
जामनगर (गुजरात) ३६१००३,
फोन न (एस टी डी - ०२८८) ७६१२५, ७८६९१

(७) रावटी (रतलाम) (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासती श्री जयाकुवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री बापूलालजी प्रेमचद गाधी
मु पो रावटी, जिला रतलाम
(मध्यप्रदेश) ४५७७६९

(८) कटगी (मध्यप्रदेश)
विदुषी महासतीश्री रजना कुवरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री मूलचदजी चौरडिया, मु पो कटगी,
जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) ४८१००१

कुल चातुर्मास मुनिराज के	२	कुल कुल मुनिराज	६
कुल चातुर्मास सतियो के	६	कुल सतियाँजी	२३
कुल	८	कुल	२९

कुल चातुर्मास (८) सत (६) महासतियाँजी (२३)
कुल ठाणा (२९)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	५	२२	२७
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	१	१
(-) महाप्रयाण हुऐ	-	-	-
(+) वर्धमान वीतराग सम्प्रदाय के सघ चातुमास	१	-	१
१९९४ मे कुलठाणा है	६	२३	२९

विशेष

(१) यह सम्प्रदाय श्रमण सघ में नहीं है परन्तु स्थानकवासी श्रमण सघीय प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा से ही हमेशा चातुर्मास की आज्ञा मगवाते रहते है। इसलिए प्रवर्तक श्री का नाम आज्ञा के रुप में यहा दिया गया है।

(२) इस वर्ष इस समुदाय में एक बहिन की दीक्षा १३-५-९४ को बामनिया (म प्र) में प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा की पावन निश्रा में सम्पन्न हुई

(३) श्री वर्धमान वीतराग सम्प्रदाय के कुशल सेवामूर्ति श्री शीतल मुनिजी म सा ठाणा (१) भी इस वर्ष इस समुदाय के मुनिराजो के साथ चातुमास कर रहे है अत आपका नाम भी इनके साथ दिया गया है।

(४) जैन पत्र-पत्रिकाऐ-कोई नहीं

महामुनि श्री मायारामजी म.सा. का समुदाय

चारित्र चुडामणि, संयम सुमेरु देव मनुष्य चित महामुनि श्री माया रामजी म.सा. की परम्परा के पट्टधर, संघ शास्ता, जैन शासन सूर्य, विद्वदर्य, पं.रत्न श्री रामकृष्णाजी म.सा. का मुनि समुदाय

कुल चातुर्मास (१) मुनिराज (७) कुल ठाणा (७)

मुनिराज समुदाय

दिल्ली-पीतमपुरा

१. संघ शास्ता जैन शासन सूर्य विव्ददर्य पं.रत्न श्री रामकृष्ण जी म.सा.

२. धर्म प्रभावक श्री सुभद्र मुनिजी म.सा.

३. नवदीक्षित श्री अमितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा (७)

सम्पर्क सूत्र - महामंत्री, श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक, पी.पी. ब्लोक, गोपाल मंदिर के पास, पीतमपुरा, दिल्ली-११००३४

फोन नं.- मंत्री-७२२९०७८

साधन - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, वस अड्डा से पीतमपुरा की सिटी बसे उपलब्ध, दिल्ली दूरदर्शन के पास में पीतमपुरा गोपाल मंदिर के पास जेन स्थानक हे।

कुल चातुर्मास (१) संत (७) कुल ठाणा (७)

संत मुनिराज तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	६	६
(+) नई दीक्षाऐ हुई	१	१
१९९४ मे कुलठाणा है	७	७

नई दीक्षाऐ हुई

श्री अमृतमुनिजी म.सा. की नई दिक्षा दिल्ली

जैन पत्र पत्रिकाऐ - संवोधि (मासिक हिन्दी) दिल्ली

विशेष (१) महामुनि श्री मायारामजी म.सा. के समुदाय में शासन प्रभावक प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शन लालजी म.सा. आदि ठाणा २८ भी इसी समुदाय से संवंधित एक ही शाखा के भाग है। इस समुदाय में भी कोई साध्वीयों विद्यमान नहीं है और नही किसी साध्वीयो को दीक्षा दी जाती है।

'वैज्ञानिक युग के सुरक्षित साधनो मे भी आज मनुष्य स्वय को परिंदो की तरह असुरक्षित अनुभव कर रहा है। इसका मूल कारण अहिंसा का जीवन मे अभाव है। हाथ में शस्त्र पकड़ना, शौर्य या सुरक्षा नही है। यह भयका प्रतीक है। स्व. के परिष्कार व आत्मिक विकास की प्रक्रिया मे अहिंसा-दर्शन का योगदान सर्वप्रमुख हे। भगवान महावीर का मंगलाचरण-अहिंसा है। इसी अहिंसा मे जीवन के कलह, अशांति को नष्टकर सुख, समृद्धि, परहित और विश्वशांति की भावना सजोयी हुई है, एवं प्रत्येक प्राणी की अभयता का यह कवच है।' संघशास्ता पूज्य गुरुदेव मुनि श्री रामकृष्णा जी महाराज

संघशास्ता शासन-सूर्य गुरुदेव मुनि श्री रामकृष्ण जी महाराज की सत्प्रेरणा से तीर्थंकरों की ऐतिहासिक नगरी हस्तिनापुर मे जैन स्थानक का भव्य निर्माण सौजन्य सुश्रावक परम गुरु भक्त समाज-गौरव ला. वेदप्रकाश जैन तीर्थंकरो की पावन जन्मभूमि के दर्शनार्थिओं के लिये धर्म-साधना करने एवं ठहरने की उत्तम व्यवस्था। एकान्त शान्त स्थल पर धर्म ध्यान हेतु आप सादर आमंत्रित है। सूचना: स्थानक निर्माण का कार्य गतिशील है। कोई भी श्रद्धालु भाई किसी भी प्रकार का सहयोग देना चाहें तो दिल्ली [illegible] पर सम्पर्क करें -

ला. वेदप्रकाश प्रवीण कुमार जैन

मुनि मायाराम सम्बोधि-प्रकाशन (दिल्ली)

सुरुचिपूर्ण ललित-साहित्य

पुस्तक	मूल्य
आगम -	
वीर-स्तुति (हिन्दी पद्यानुवाद एव व्याख्या) उपासना (स्वाध्याय सकलन) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	५ ००
उत्तराध्ययनसूत्र (हिन्दी व्याख्या) सुभद्र मुनि	९०-००
स्तोत्र-	
भक्ताभर स्तोत्र (हिन्दी पद्यानुवाद एव व्याख्या) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	५-००
कल्याण मन्दिर स्तोत्र (हिन्दी पद्यानुवाद एव व्याख्या) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	५-००
चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तोत्र (हिन्दी पद्यानुवाद एव व्याख्या) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण)	५-००
महावीराष्टक स्तोत्र (हिन्दी पद्यानुवाद एव व्याख्या) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	५-००
काव्य -	
मन्दाकिनी (मुक्तक-सग्रह) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	२०-००
ऋतम्भरा (मुक्तक-सग्रह) गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	२०-००
सम्बोधि (मुक्तक-सग्रह)- गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	२०-००
अन्तनदि (गीत-सग्रह) गुरुदेव अरुण मुनि	५-००
निबन्ध -	
तृतीय नेत्र गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	२०-००
भगवान महावीर-गुरुदेव मुनि रामकृष्ण	२-००
चरित -	
भगवान् पार्श्वनाथ सुभद्र मुनि	५-००
विश्ववन्द्य महावीर सुभद्र मुनि	५-००
भगवान् महावीर (लघु) सुभद्र मुनि	२-००
महामुनि मायाराम सुभद्र मुनि	२०-००
तपोकेसरी मुनि केसरीसिह सुभद्र मुनि	५-००
अद्भुत तपस्वी सुभद्र मुनि	५-००
गुरुदेव योगिराज सुभद्र मुनि	२०-००
श्रमण धर्म के मुकुट गुरुदेव (लघु) सुभद्र मुनि	५-००
प्रज्ञा पुरुषोत्तम मुनि रामकृष्ण सुभद्र मुनि	५०-००
कथा/कहानी -	
गुरुदेव योगिराज की कहानिया सुभद्र मुनि	१०-००
गुरुदेव योगिराज की बोध कथाये सुभद्र मुनि	५-००
सुभद्र कथाये सुभद्र मुनि	१०-००
बाल साहित्य -	
बच्चो की धार्मिक कहानिया सुभद्र मुनि	८-००
धर्म नाव के बाल-यात्री सुभद्र मुनि	८-००
जैन कथामृतम् सुभद्र मुनि	८-००
महावीर के उपासक सुभद्र मुनि	८-००
सुभद्र कहानिया - सुभद्र मुनि	८-००
सुभद्र कथाये - सुभद्र मुनि	८-००
सचित्र महावीर कथा - सुभद्र मुनि	८-००
सुख का मार्ग - सुभद्र मुनि -	८-००
सुभद्र शिक्षा (५ भाग) सुभद्र (प्रत्येक)	५-००
नाटक -	
भोर-भई सुभद्र मुनि	२०-००
सूक्ति -	
गुरुदेव योगिराज की देशना सुभद्र मुनि	५-००
स्मारिका -	
वन्दना सुभद्र मुनि	१०-००
श्रद्धा सुभद्र मुनि	१०-००
विविध -	
जैन धर्म मे प्रवेश सुभद्र मुनि	५-००
महामन्त्र नमोकार अखण्ड जाप	२-००
सम्बोधि (मासिक) पत्रिका	

प्राप्ति स्थल :

(१) मत्री मुनि मायाराम सम्बोधि प्रकाशन के डी ब्लाक, पीतमपुरा, दिल्ली ११००३४

(२) श्रीपाल जैन, न्यू इण्डिया बुक एण्ड पिरिओडिकल्स २७३१, त्रिनगर, दिल्ली-१००३५

प्रवर्तक श्री हगामीलालजी म.सा. का समुदाय

समुदाय के प्रमुख संघ नायक आचार्य :-

जिन शासन प्रभावक, काव्य कला कोविद, पं.रत्न, संघ नायक, मधुर व्याख्यानी, आचार्य श्री अभय कुमारजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (३) साध्वीयॉजी (२) कुल ठाणा (५)

मुनिराज समुदाय

(१) अजमेर (राजस्थान)

१. जिन शासन प्रभावक काव्य कला कोविद पं. रत्न संघ नायक मधुर वक्ता आचार्य श्री अभय कुमार जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री लक्ष्मीन्दु जैन दर्शन भण्डार, वडा स्थानक, लाखन कोटडी, अजमेर - ३०५००१ (राजस्थान)

साधन - दिल्ली-अहमदावाद एवं अजमेर खण्डवा मेनलाइन पर रेल्वे स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन एवं एस.टी.वस.स्टेण्ड से आटोरिक्सा-तांगागाडी से दरगाह के वाजार मे उतरे वहा से लाखन कोटडी पास मे ही है।

महासतियॉजी समुदाय

(२) सतावड़िया (राजस्थान)

विदुषी महासती श्री जतन कुंवरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक मु पो सतावड़िया, जिला अजमेर (राजस्थान)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१	कुल कुल मुनिराज	३
कुल चातुर्मास सतियों के	१	कुल सतियॉजी	२
कुल	२	कुल	५

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (३) महासतियॉजी (२) कुल ठाणा (५)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियॉं	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	२	२	४
(+) नई दीक्षाऐ हुई	१	-	१
(-) महाप्रयाण हुऐ	-	-	-
१९९४ मे कुलठाणा है	३	२	५

विशेष

(१) यह समुदाय श्री नानक रामजी म.सा. का समुदाय भी कहलाता है

(२) संघ नायक आचार्य प्रवर श्री अभय कुमारजी म.सा. को दिनांक ५-८-९३ को श्री लक्ष्मीन्दु जैन दर्शन भण्डार अजमेर की ओर से संघ का आचार्य पद प्रदान किया गया। इस कारण आचार्य पद लगाया गया है।

(३) श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा. 'दिनकर' ने दिनांक ५-६-९४ को अजमेर में पुनः दीक्षा ग्रहण की है। यह पुर्व मे श्रमण संघ मे थे।

(४) समुदाय में विद्यमान है-आचार्य (१)

(५) जैन पत्र-पत्रिकाऐ-अभयपथ (द्विमासिक-हिन्दी) अजमेर

स्वतंत्र सम्प्रदाय के अन्य संत-सतीयॉजी म.सा.

कुल चातुर्मास (१६) मुनिराज (१४) साध्वीयॉजी (२६) कुल ठाणा (४०)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) सारगपुर (मध्यप्रदेश)
मधुरवक्ता प रत्न, श्री विनयमुनिजी म सा 'खीचन' आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री अनराजजी कस्तूरचदजी ललवाणी
मु पो सारगपुर, जिला राजगढ़
(मध्यप्रदेश) ४६५६९७,
फोन न (एस टी डी ०७३७१) आफिस २३३०
निवास २११७
साधन - यह नगर काली सिध नदी के किनारे बसा है। बम्बई आगरा रोडपर है, इन्दौर-उज्जैन से १२५ कि मी है। दिल्ली उज्जैन मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

(२) अम्बाजी (गुजरात)
मधुर व्याख्यानी श्री राम मुनिजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ चेरिटिबल ट्रस्ट,
जैन मदिर के पास, जैन उपाश्रय, अम्बिका जैन भवन, मु पो अम्बाजी, जिला बनासकाठा
(गुजरात) ३८५७१०
फोन न (एस टी डी ०२७४१२) ८१०९
नोट-उपरोक्त क्रमाक १ एव २ के यह मुनिराज पूर्व मे श्री ज्ञानगच्छ समुदाय मे थे वर्तमान मे स्वतत्र विचरण कर रहे है।

(३) करजू (मध्यप्रदेश)
१ उग्र विहारी श्री ऋषभचरणजी म सा
२ नवदीक्षित श्री गुरुचरणजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री कन्हैयालालजी मेहता,
मु पो करजू, वाया दलोदा, जिला मदसौर
(मध्यप्रदेश) ४५८६६७
साधन - नीमच, रतलाम, राष्ट्रीय मुख्य मार्ग पर दलोदा है वहा से अन्दर की ओर १७ कि मी की दूरी पर करजू कस्बा है।

(४) ताल (मालवा) (मध्यप्रदेश)
१ विदुषी महासती श्री शीलप्रभाजी म सा
२ नवदीक्षित महासतीश्री नीदमप्रभाजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री हजारी मलजी बख्तावरमलजी
पितलिया, कपड़े के व्यापारी,
मु पो ताल, जिला रतलाम (मध्यप्रदेश)

(५) राजस्थान में योग्य स्थल
विदुषी महासती श्री शाति कुवरजी म सा आदि (५)
नोट-उपरोक्त क्रमाक ३,४ एव ५ के कुल ठाणा १० पूर्व मे श्री जयमल सम्प्रदाय मे थे परन्तु वर्तमान मे स्वतत्र विचरण कर रहे है।

(६) गगाशहर (राजस्थान)
मधुर व्याख्यानी श्री महेन्द्र मुनिजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री कन्हैयालाल जी बाठीया,
घूम चक्कर, नई लेन, गगाशहर
वाया बीकानेर (राजस्थान) ३४४००१

(७) सैलाना (मध्य प्रदेश)
तरण तपस्वी श्री अशोक मुनिजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानक भवन
श्री करुण कुमार रतनलाल सघवी सदर बाजार,
मु पो सैलाना, जिला रतलाम (म प्र) सैलाना
जिला रतलाम (म प्र) ४५७५५०
फोन (अेस टी डी ०७४१३) ७६४०७
नोट - मुनि श्री के प्रत्येक मगलवार एव शनिवार को मौन रहता है।

(८) बांगरोद (मध्य प्रदेश)

तपस्विनी महासती श्री सरोज वालाजी म.सा. आदि (१)

सम्पर्क सूत्र - श्री व्. स्था. जैन श्रावक संघ,
जेन स्थानक, मु.पो. वांगरोंद, जिला रतलाम (म.प्र.)

नोट - उपरोक्त क्रमांक ६,७ एवं ८ के सभी संत सतियॉजी पूर्व में श्री साधुमार्गी सम्प्रदाय में थे परन्तु वर्तमान में स्वतत्र विचरण कर रहे है ।

(९) (महाराष्ट्र मे योग्य स्थळ)

मधुर व्याख्यानी श्री प्रदीप मुनिजी म.सा. आदि (१)

सम्पर्क सूत्र -

(१०) (महाराष्ट्र मे योग्य स्थळ)

स्व. श्री घासीलालजी म.सा. के सुशिष्द्र्य-
मधुर व्याख्यानी श्री चांदमुनिजी म.सा. आदि (२)

(११) डबरेला (राजस्थान)

मेवाडमुकुट स्व. श्री हस्तीमलजी म.सा. 'मेवाडी' के सुशिष्य
प्रियवक्ता कविश्री पुष्कर मुनिजी म.सा.'ललित' आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री कन्हैयालालजी पिपाडा,
मु.पो. डबरेला, जिला अजमेर (राजस्थान)

(१२) जयपुर (राजस्थान)

स्व. युवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी म.सा. के सुशिष्य
अन्न जल त्यागी श्री अभय मुनिजी म.सा. 'निर्भय' आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री ज्ञानचदजी लोढा,
इ-१११-शिवाजी मार्ग, तिलक नगर,
जयपुर-३०२००४ (राजस्थान)

(१३) पंजाब में योग्य स्थल

पं. रत्न श्री विजय मुनिजी म.सा. 'स्नेही' आदि (२)

(१४) नागपुर (महाराष्ट्र)

१. वाणी भूषण महासती श्री प्रीतिसुधाजी म.सा.
२. विदुषी महासती डॉ. अरुण प्रभाजी म.सा 'एम ए.पीएचडी'
३. स्वर सम्राज्ञी महासती श्री मधुस्मिताजी म.सा. 'एम.ए'
४. मधुरभाषी महासतीश्री मंगलप्रभाजी म.सा. 'बी.ए.'
५. सेवाभावी महासतीश्री भावप्रीतिजी म.सा. 'बी.ए.' आदि (१२)

सम्पर्क सूत्र - श्री सकल जैन समाज,
श्री विजय दर्डा अध्यक्ष, लोकमत भवन,
जवाहरलाल नेहरु मार्ग, नागपुर
४४००१२ (महाराष्ट्र), फोन नं. ५२५३९९,
निवास-५२६६२८, फॅक्स नं. ०७१२-५२६९२३,
टेलेक्स-०७१५-२१० (नागपुर)

चातुर्मास स्थल - श्री प्रफुल्ल भाई भोगीलाल दोशी का वंगला,
डॉ. भिवापुरकर मार्ग, धंतोली, नागपुर, फोन ५३९८४६

प्रवचन स्थल - आनन्द तीर्थ, सर्कल ग्राउण्ड,
यशवंत स्टेडियम नागपुर

(१५) देवलाली (नासिक) (महाराष्ट्र)

महासती श्री प्रीतिसुधाजी म.सा. की सुशिष्याऐ आदि (३)

सम्पर्क सूत्र

नोट- उपरोक्त क्रमांक १४,१५ के साध्वीयॉजी पूर्व मे श्रमण संघ समुदाय मे थे परन्तु वर्तमान में अब स्वतंत्र विचरण कर रहे है ।

(१६) हरसोलाव (राजस्थान)

महासती श्री कनकप्रभाजी म.सा. आदि (१)

सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक मु.पो. हरसोलाव वाया गोटन, जिला नागौर (राजस्थान) ३४२७०२

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१०	कुल कुल मुनिराज	१४
कुल चातुर्मास सतियो के	६	कुल सतियॉजी	२६
कुल	१६	कुल	४०

कुल चातुर्मास (१६) संत (१४) महासतियॉजी (२६)
कुल ठाणा (४०)

स्वतंत्र सम्प्रदायो का कुल योग

कुल चातुर्मास मुनिराज के	४९	कुल कुल मुनिराज	१६३
कुल चातुर्मास सतियो के	१२८	कुल सतियॉजी	६९१
कुल	१७७	कुल	८५४

कुल चातुर्मास (१७७) संत (१६३) महासतियॉजी (६९१)
कुल ठाणा (८५४)

श्री छः कोटी लिम्बड़ी अजरामर सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख गादीपति :-

गादीपति पं.रत्न श्री नृसिंह मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (६६) मुनिराज (२०) साध्वीयाँजी (२५९) कुल ठाणा (२७९)

मुनिराज समुदाय

(१) रापर-कच्छ (गुजरात)
१. गादीपति पं. रत्न श्री नृसिंह मुनि जी म.सा.
२. श्री. रामचन्द्र जी म.सा.
३. श्री प्रकाश मुनि जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री रापर-छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ
छ. कोटी जैन स्थानक मु.पो. रापर-कच्छ
(गुजरात) ३७०१६५ फोन न. २७९
प्रमुख .- श्री कल्याणजी सोमचन्द मोरवीआ

(२) लिम्बडी - (सौराष्ट्र) (गुजरात)
श्री लाभचन्द्रजी म.सा. (सकारण) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - सेठ नानजी डूंगरशी मोटा उपाश्रय
स्थानकवापी जैन संघ,
आचार्य श्री अजरामरजी मार्ग मु.पो. लिम्बडी
(सौराष्ट्र) जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३४२१
फोन न. (०२७५३) २०२३५
प्रमुख - श्री छबीलदास टी. शेठ, सुरेन्द्रनगर

(३) रताडिया-कच्छ (गुजरात)
१. श्री भावचन्द्र जी म सा.
२. श्री विमल मुनि जी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री रताडिया स्थानकवासी छ कोटी
जैन संघ, छ कोटी जैन स्थानक, मु.पो. रताडिया
तालुका मुन्द्रा जिला भुज-कच्छ
(गुजरात) ३७०४१०
फोन नं. (०२८३८८) ८६६० पी.पी.

(४) गुन्दाला - कच्छ (गुजरात)
श्री भास्कर मुनि जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुन्दाला स्थानकवासी छ कोटी
जैन संघ, छ. कोटी स्थानक, मु.पो. गुन्दाला
तालूका मून्द्रा-कच्छ (गुजरात) ३७०४१०
फोन नं. (०२८३८८) ८६४९
प्रमुख - श्री देवजी मूरजी (बुद्दु बापा)
फोन नं. ८६२१

(५) सरा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
१. श्री धर्मेश मुनि जी म.सा.
२. श्री विवेक मुनि जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री सरा स्थानकवासी जैन संघ
स्थानकवासी जेन उपाश्रय मु. पो. सरा
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३३१०
प्रमुख :- श्री मूलजी भाई

(६) जेतपूर (कांठी) (गुजरात)
श्री निरजन मुनि जी म.सा. (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जेतपुर स्थानकवासी जैन लिम्बडी
संघ, लिम्बडी उपाश्रय, महादेव शेरी, नानाचौक,
मु.पो. जेतपुर (कांठी) जिला राजकोट (गुजरात)
३६०३७० फोन नं. ४८२ - २४३ - २७५७

(६-ए) चूडा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
श्री जगदीश मुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
बाजार में मु.पोस्ट चूडा, जिला सुरेन्द्र नगर
(गुजरात) ३६३४१०

महासतियाँजी समुदाय

(७) ग्रबो-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री मणीबाई म सा (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री ग्रबो छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, छ कोटी स्थानक मु पो ग्रबो-कच्छ तालूका रापर (गुजरात) ३७०१६५
प्रमुख - श्री रामजीभाई भारमल

(८) भुज-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री मीनाबाई म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री भुज - छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ छ- कोटी स्थानक वाणियावाड डॉ मेहता मार्ग, मु पो भुज-कच्छ (गुजरात) ३७०००१ फोन न (०२८३२) २०८१२
प्रमुख - शाह गुलाबचद पोपटलाल फोन आफिस २३७३३ निवास - २२८८५

(९) चोटीला (गुजरात)
महासती श्री चदना बाई म सा (६)
सम्पर्क सूत्र श्री स्थानकवासी जैन सघ ट्रस्ट, स्थानकवासी उपाश्रय, बाजार मे मु पो चोटीला जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३५२०
प्रमुख - श्री लाभुलाल पी शाह
फोन आफिस २०३ निवास २४४

(१०) आधोई-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री विमला बाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री आधोई स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ, छ कोटी स्थानक, मु पो आधोई-कच्छ (गुजरात) ३७०१३५
प्रमुख - गडा पोपटलाल जगशी

(११) लाकडिया - कच्छ (गुजरात)
महासती श्री प्राण कुवर बाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री लाकडिया छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ छ कोटी स्थानक, मेडी वारो वास, लाकडिया - कच्छ (गुजरात) ३७०१४५
प्रमुख - श्री दामजी भाई काराभाई गाला

(१२) रव-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री सूरजबाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र-श्री ख छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, कोटी स्थानक मु पो ख-कच्छ (गुजरात) ३७०१६५
प्रमुख - श्री करसन देवराज फोन न २१०

(१३) अहमदाबाद-नाराणपुरा (गुजरात)
१ महासती श्री उज्ज्वल कुमारी बाई म सा
२ महासती श्री मुक्ताबाई म सा आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ-नारायणपुरा, २८-२९ स्थानकवासी सोसायटी, नाराणपुरा कोसिग पासे नाराणपुरा अहमदाबाद ३८००१३ (गुजरात) फोन न ४६५४२६
प्रमुख-श्री शातिलाल टी अजमेरा
फोन न ४०००८७, ४४५७३९

(१४) मचाऊ-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री चदावती बाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र-श्री छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, छ कोटी स्थानक माडवी वास - मु पो मचाऊ कच्छ (गुजरात) ३७०१४०
प्रमुख - श्री पाचालाल शीवजी कारीआ
फोन न (०२८३७) २३८०

(१५) अहमदाबाद-घाटलोडिया (गुजरात)
महासती श्री पुष्पाबाई म सा (शारिरिक कारण) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री भरतभाई शातीलाल शेठ १० मजुश्री सोसायटी रत्ना पार्क के सामने घाटलोडीया अहमदाबाद-३८००६१
फोन न ४७१८१९

(१६) सायला (गुजरात)
महासती श्री दमयती बाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री सायला स्थानकवासी जैन सघ लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय कविवर्य नानचद्रजी मार्ग, मु पो सायला जिल्हा सुरेन्द्रनगर ३६३४३० (गुजरात)
प्रमुख - श्री मूलचद भाई शाह फोन - (०२७५५)७३०

(१७) बम्बई-कांदिवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
महासती श्री कलावती बाई म.सा. (शा.का.) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ.
जैन स्थानक. सेंट्रल बैंक के पास. एस.वी.रोड. कांदिवली (वेस्ट) बम्बई - ४०००६७ (महाराष्ट्र) फोन-८०७१९१२
चातुर्मास स्थल - श्री अशोकभाई, ३५ वाला सिनोर सोसायटी, फायर ब्रिगेड के सामने, कांदिवली (वेस्ट), बम्बई-४०००६७ फोन न. ८०५१२६५

(१८) लिम्बडी - (सौराष्ट्र) (गुजरात)
महासती श्री हंसाबाई म.सा. (मोटा) (शा.का.) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक २ अनुसार

(१९) मांडवी-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री प्रभावती बाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ.
छः कोटी स्थानक, वारीवाला नाका के पास. मु.पो.मांडवी-कच्छ (गुजरात) ३७०४६५
प्रमुख - श्री शशीकात भाई मोरवीया फोन (०२८३४) आफिस २०१३५ निवास २०१४१

(२०) वणोई-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री मंजुलाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र-श्री वणोई छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ.
छ कोटी स्थानक मु.पो. वणोई-कच्छ तालूका भजाऊ (गुजरात) ३७०१४०

(२१) भोरारा-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री कंचनबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री भोरारा छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, छ कोटी स्थानक, मु.पो भोरारा तालूका मुन्द्रा-कच्छ (गुजरात) ३७०४१०

(२२) सूरत (रांदेड रोड) (गुजरात)
महासती श्री निर्मला बाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री रांदेड रोड स्थानकवासी जैन संघ
सिद्धगिरी टावर सोसायटी, नवयुग कालेज के निकट - रांदेड रोड, सूरत - ३९५००९ (गुजरात) फोन-(०२६१) ८५७०१

(२३) बलसाड (गुजरात)
महासती श्री चंदनबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री वागडवीशा ओसवाल वर्धमान स्था. जैन संघ, जैन स्थानक, रजनीगंधा सोसायटी के बाजू मे., तीथल क्रोसरोड मु.पो. वलसाड (गुजरात) ३९६००१

(२४) बम्बई-मलाड (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
महासती श्री हंसाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, मामलतदार वाडी क्रोसरोड नं १, मलाड (वेस्ट) बम्बई - ४०००६४ फोन नं. ८८८७०२७

(२५) मोरवी (गुजरात)
महासती श्री विजयाबाई म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र-श्री मोरवी स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, सोनीबाजार मु.पो. मोरवी जिला राजकोट (गुजरात) ३६३६४१ फोन नं. २००१९

(२६) पाटडी (गुजरात)
महासती श्री राजेमति बाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ. जैन उपाश्रय मु.पो. पाटडी वाया विरमगाव
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३८२७६५
प्रमुख - श्री भरतकुमार चुन्नीलाल शाह फोन (०२७५७) ३२५४

(२७) विरमगांव (गुजरात)
महासती श्री हेमलताबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री छ. कोटी स्थानकवासी जैन संघ, छ कोटी उपाश्रय, मोटो भारवाडो मु.पो. विरमगांव जिला अहमदाबाद (गुजरात) ३८२१५०
प्रमुख - श्री जीवलाल उजमशी शाह
फोन नं. (०२७१५) ३४२६०

(२८) बम्बई - चिंचबन्दर (महाराष्ट्र)
महासती श्री दिव्यप्रभाबाई म.सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ.
जैन स्थानक, प्रेमजीलाल बिल्डिंग, १ माला, १०३ केशवजी नायक रोड, चिंचबंदर (मस्जीद) बम्बई-४००००९ (महाराष्ट्र)

प्रमुख - श्री लालजी हीरजी नदु
फोन - ३६६३६२२, ३७८५५४७

(२९) लिम्वडी - (गुजरात)
महासती श्री गुणवतीवाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - सेठ नानजी डूंगरसी स्थानकवासी जैन सघ छ कोटी उपाश्रय, आचार्य अजरामरजी मार्ग, मु पो. लिम्वडी जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३४२१ फोन न (०२७-३) २०२३५

(३०) वम्वई - दहीसर (रावलपाडा) (महाराष्ट्र)
महासती श्री प्रमोदिनी वाइ म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री वधमान स्थानकवासी जैन सघ (रावलपाडा) ६-वी कोहीनूर कोम्पलेक्स, रावलपाडा वस स्टाप के सामने, रावलपाडा, दहीसर (पूव) वम्वई - ८०००६८
प्रमुख - श्री सुभाषभाई चुनीलाल सघवी
फोन - ८९३२०८५, ८९३३३३९

(३१) ध्रोल (गुजरात)
महासती श्री विनोदप्रभावाइ म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, नाना वाजार मु पो ध्रोल
जिला राजकोट (गुजरात) ३६१२१०

(३२) वम्वइ-कालीना (महाराष्ट्र)
महासती श्री वसत प्रभावाई म सा (नाना) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्थानकवासी जैन सघ
प्लोट न एस टी एम ८८३५, केनरा वैंक के पास, कुर्ला रोड कालीना, वम्वइ - ४०००२९
फोन न ६१२३०३०

(३३) अहमदावाद-कृष्णनगर (गुजरात)
महासती श्री शोभनावाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कृष्णनगर स्थानकवासी जैन सघ, ब्लोक न वी-५८/८६८ कृष्णनगर सेजपुर वोघा, नरोडा रोड, अहमदावाद - ३८२३४६

(३४) मनफरा - (गुजरात)
महासती श्री कुमुद प्रभा वाइ म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, छ कोटी उपाश्रय, मु पो मनफरा
तालूका भचाऊ (गुजरात) ३७०१४०

(३५) वम्वई-ठाणा (महाराष्ट्र)
महासती श्री शील प्रभावाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र-श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ, लालवाग, नौका विहार के सामने, डॉ मूस रोड ठाणा (वेस्ट) ४००६०२ फोन न ५३६००८

(३६) चित्रोड-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री निलमवाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र-श्री छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो चित्रोड-कच्छ (गुजरात) ३७०१६५

(३७) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
महासती श्री अनिला वाई म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र-श्री एलिज ब्रीज स्थानकवासी जैन सघ, कामधेनू सोसायटी के पास, पी टी कालेज रोड, पालडी अहमदावाद - ३८०००७ (गुजरात)

(३८) सामखियारी-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री राजेश्वरी वाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र- श्री सामखियारी स्थानकवासी जैन सघ, छ कोटी स्थानक, मु पो सामखियारी - कच्छ (गुजरात) ३७०१५०

(३९) समाघोघा-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री ज्योति प्रभावाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र-श्री समाघोघा स्थानकवासी जैन छ कोटी सघ, छ कोटी स्थानक मु पो समाघोघा तालूका मून्द्रा-कच्छ (गुजरात) ३७०४१५

(४०) जूनागढ (गुजरात)
महासती श्री पुनिता वाइ म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय जगमाल चौक, जूनागढ (गुजरात) ३६२००१
फोन न (०२८५) २२६७५

(४१) सुवई-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री रश्मिनावाइ म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र-श्री सुवई स्थानकवासी जैन सघ छ कोटी स्थानक, मु पो सुवइ ,तालूका रापर-कच्छ (गुजरात)

(४२) **बम्बई-दादर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)**
महासती श्री अमरलताबाई म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था.जैन श्रावक संघ,
पोर्तुगीज चर्च स्ट्रीट, १२ सदाशिव लेन, ज्ञानमंदिर रोड, दादर (वेस्ट) बम्बई - ४०००२८
फोन नं. ४२२९४१८

(४३) **सूरत (गुजरात)**
महासती श्री गीता कुमारी बाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री धानेरा स्थानकवासी जैन समाज केन्द्र, धानेरा अपार्टमेटस,पार्श्वनगर काम्पलेक्स-२, कैलाशनगर, क्षेत्रपाल मंदिर के सामने सूरत-३९५००२ (गुजरात)
प्रमुख - श्री रतीलाल भीखालाल गांधी
फोन-(०२६१) ६६८०९१

(४४) **वासंदा (गुजरात)**
महासती श्री वदना बाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक संघ,
जेन उपाश्रय, स्टेट बैक रोड, मु.पो. वासदा जिला वलसाड (गुजरात) ३९६५८०

(४५) **बम्बई-अंधेरी (वेस्ट) (महाराष्ट्र)**
महासती श्री झंखनाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र- श्री व स्था. जेन श्रावक सघ, जैन उपाश्रय, उपाश्रय लेन, सी.डी. वर्फीवाला मार्ग, जुहु लेन, अंधेरी (वेस्ट), बम्बई-४०००५८
फोन नं ६२१०२३८

(४६) **गांधीधाम-कच्छ (गुजरात)**
महासती श्री विद्युत प्रभाबाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र-श्री छ. कोटी स्थानकवासी जेन संघ,
छ कोटी स्थानक, हरीश ट्रान्सपोर्ट के बाजू मे, गांधीधाम-कच्छ (गुजरात)
फोन-२०८५३, २११२०

(४७) **रापरोई-कच्छ (गुजरात)**
महासती श्री उर्विशाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री रापरोई छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, छ कोटी स्थानक, मु.पो. रापरोई-कच्छ तालूका भचाऊ (गुजरात) ३७०१४०

(४८) **चूड़ा (गुजरात)**
महासती श्री प्रतीभाबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र-श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ,
जैन उपाश्रय मु.पो.चूडा जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३४१०

(४९) **भरुडिया-कच्छ (गुजरात)**
महासती श्री मृगावती बाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री भरुडिया छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, छ कोटी स्थानक, मु. पो. भरुडिया तालूका भचाऊ-कच्छ (गुजरात) ३७०१६५

(५०) **अहमदाबाद-बापूनगर (गुजरात)**
महासती श्री दर्शनाबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र श्री स्थानकवासी जैन संघ,
२५८/२६० गवर्नमेट कॉलनी, अम्बर सिनेमा के सामने, बापू नगर अहमदाबाद - ३८००२४
फोन ३७३२३४

(५१) **बम्बई-गोरेगांव (पूर्व) (महाराष्ट्र)**
महासती श्री दर्शिताबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र-श्री व स्था जैन श्रावक संघ, श्री निवास, १ माला, प्लोट नं १६, रुपकला स्टूटिओ के पिछे आरे रोड, गोरेगाव (पूर्व) बम्बई - ४००० ६३
फोन न. ८७३ १२०४ पी.पी.

(५२) **नवसारी-(गुजरात)**
महासती श्री साधनाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री बनासकांठा स्थानकवासी जेन संघ, महादेव सोसाय आशा नगर, नवसारी (गुजरात) ३९६४४५ फोन नं-५७४०१ ५६२२१

(५३) **ककरवा-कच्छ (गुजरात)**
महासती श्री कमल प्रभाबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र- श्री ककरवा छ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, छ कोटी स्थानक, मु पो.ककरवा-कच्छ तालूका भचाऊ (गुजरात) ३७०१४०

(५४) **वढवाण सिटी (गुजरात)**
महासती श्री [illegible] बाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र- श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, [illegible] रोड, वढवाण सिटी [illegible] जिला

सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३६३०

(५५) नन्दासर-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री नम्रताबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री नदासर छ कोटी स्थानकवासी
जैन सघ, छ कोटी स्थानक मु पो नन्दासर
तालूका रापर-कच्छ (गुजरात) ३७०१६५

(५६) बम्बई-कोट (महाराष्ट्र)
महासती श्री अतुलाबाइ म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र श्री व स्था जैन श्रावक सघ १००/१०२
बजार गेट स्ट्रीट, फोट, बम्बई-४००००१
फोन-२६१०९९७

(५७) भावनगर-(गुजरात)
महासती श्री झरणा कुमारी बाई म सा आदि (५)
सम्पक सूत्र - श्री कृष्णानगर स्थानकवासी
जैन सोसायटी, स्था जैन पोषधशाला, प्लोट
११५७ डी-२, मेघाणी सर्कल, भावनगर -
(गुजरात) ३६४००१
प्रमुख - श्री जयतीलाल लल्लूभाइ सोमाणी
फोन आफिस २६२८२ निवास २०८६१

(५८) अहमदाबाद-नवा वाडज (गुजरात)
महासती श्री वदिताबाई म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र-श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय
चपकनगर फलेट, नवावाडज, अहमदाबाद-
(गुजरात) ३८००१३ फोन-४८२४९९

(५९) बम्बई-भाण्डुप (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
महासती श्री जिज्ञासाबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन सघ,
१ माला, ईश्वरनगर, देना बैक के सामने,
लालबहादुर शास्त्री रोड, भाण्डुप (वेस्ट),
बम्बई-४०००७८ फोन न ५६१६९५७

(६०) थानगढ (गुजरात)
महासती श्री मधुस्मिताबाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र- श्री स्थानकवासी जैन सघ,
छ कोटी उपाश्रय, मु पो थानगढ
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
प्रमुख श्री भूपतभाइ ऐन शाह फोन न २०६७०

(६१) बम्बई-दहीसर (पूव) (महाराष्ट्र)
महासती श्री रोहिणी बाई म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र- श्री कच्छी वीसा ओसवाल स्थानकवासी
जैन सघ, शिवशक्ति काम्पलेक्स,
ऐम वी रोड, दहीसर (पूर्व), बम्बइ - ६८
फोन न ८९३४८७८ श्री महेशभाई

(६२) सुरेन्द्रनगर (सर्वोदय सोसायटी) (गुजरात)
महासती श्री भानुबाई म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ,
सर्वोदय सोसायटी, सुरेन्द्र नगर - ३६३ ००१ (गुजरात)

(६३) कठोर (गुजरात)
महासती श्री तरुबाई म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय
मु पो कठोर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

(६४) बम्बई-अधेरी (भरडावाडी)
महासती श्री अचनाबाई म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र- श्री व स्था जैन श्रावक सघ ओजेरोय
कम्पाउड, भरडावाडी, जे पी रोड, वर्सोवा रोड
अधेरी (वेस्ट) बम्बई-४०००५८ (महाराष्ट्र)
फोन न ६२३३१३१ पी पी

(६५) सुदामडा (गुजरात)
महासती श्री वैशाली बाई म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,
मु पो सुदामडा जिला (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	७	कुल कुल मुनिराज	२०
कुल चातुर्मास सतियो के	५९	कुल सतियाँजी	२५९
कुल	६६	कुल	२७९

कुल चातुर्मास (६६) सत (२०) महासतियाँजी (२५९)
कुल ठाणा (२७९)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ म कुलठाणा थे	१९	२४९	२६९
(+) नइ दीक्षाऐ हुई	१	१२	१३
(-) महाप्रयाण हुए	-	३	३
१९९४ म कुलठाणा है	२०	२५९	२७९

प्रान्त क्षेत्रवार तालिका १९९४

क्र	विभाग	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँजी	कुल	१९९३ मे थे
१	कच्छ क्षेत्र	२२	१३	८८	१०१	८६
२	सौराष्ट्र क्षेत्र	२२	७	६०	६७	६९
३	गुजरात अन्य	९	-	६२	६२	३५
४	बम्बई शहर	१३	-	४९	४९	७६
	कुलयोग	६६	२०	२५९	२६९	२६६

समुदाय मे विद्यमान है - गादीपति-(१)

जैन पत्र-पत्रिकाऐ कोई नही

विशेष

(१) पूर्व मे यह समुदाय श्री लिम्बडी मोटापक्ष समुदाय के नाम से पहिचानी जाती थी परन्तु इस वर्ष लिम्वडी (सौराष्ट्र) मे समुदाय का सम्मेलन हुआ उसमे इसका पुराना नाम वदलकर नया नाम श्री लिम्वडी अजरामर समुदाय रखा गया और अव इसे इसी नये नाम से जाना जाने लगा है।

(२) इस समुदाय में स्व. आचार्य प्रवर श्री रुपचन्दजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात अभी तक समुदाय मे किसी को भी आचार्य पद प्रदान नही किया गया है वर्तमान मे इस मे गादीपति का पद विद्यमान है, जो संघ नियमानुसार समुदाय मे सबसे वरिष्ठ दीक्षा पर्याय वाले मुनिराज को प्रदान किया जाता है वर्तमान मे इसके गादीपति सबसे वरिष्ठतम दीक्षा पर्याय वाले श्री नृसिंहमुनिजी म.सा. गादीपति के पद पर विराजमान है।

(३) इस वर्ष इस समुदाय का लिम्वडी (सौराष्ट्र) मे १५-१-९४ को समुदाय का सम्मेलन सम्पल हुआ जिसमें समुदाय के चहुमुखी विकाश एवं संत सतीयो के संयमी जीवन को सुदृढ वनाने वावत कई प्रस्ताव पारित किये गये जो चातुर्मास प्रारंभ के दिवस से लागू हो गये है। मुख्य प्रस्ताव इस प्रकार है - (१) किसीभी संत सती के आगे किसी भी प्रकार का कोई पद नही लगेगा केवल संत सती लिखा जायेगा

(२) किसी भी छोटे वड़े कार्यक्रम में फोटो विडियो लाइट का उपयोग नही करेगे।

(३) सभी संत सतिया संघ समुदाय के सभी प्रस्तावो का दृढ़ता से पालन करेंगे

(४) दीक्षार्थी भाई वहिनों को कम से कम ५ वर्ष तक संतसतियों के पास रहकर अध्ययन करना पड़ेगा उस के वाद ही दीक्षा ग्रहण करेगे।

(५) दीक्षोत्सव-तपोत्सव या अन्य समारोह की आमंत्रण पत्रिकाए केवल साधारण पत्र की तरह ही छोटी साइज की प्रकाशित करवायेगे। रंग विरंगी मंहगी नही. इसके अलावा भी कई और भी प्रस्ताव प्रकाशित किये गये विस्तृत जानकारी अन्यत्र देखे।

श्री गोंडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख संत - तप सम्राट तपस्वी

श्री रतीलालजी म.सा.

कुल चातुर्मास (७२) मुनिराज (२१) साध्वीयॉजी (२४९) कुल ठाणा (२७०)

मुनिराज समुदाय

(१) वडीया -- (गुजरात)
तपसम्राट तपस्वी श्री रतीलालजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
केशव कुज, सुरंग पुरा, मु.पो वडिया (देवली)
जिला भावनगर (गुजरात) ३६४४८०

(२) पेटरवार (विहार)
परम दार्शनिक श्री जयंतीलालजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन भुवन, मु.पो. पेखरवार,
जिला गिरिडीह (विहार) ८२९१२१

(३) गांधी नगर (गुजरात)
वाणी भूषण श्री गिरिशमुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जेन उपाश्रय,
सेक्टर नं. २२, इन्द्रप्रस्थ कालोनी के पास,
गांधी नगर (गुजरात) ३८२०२२

(४) मद्रास (तमिलनाडू)
तत्वचिंतक श्री जसराजजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - Shri Gujarti Swetamber
Sthanakwasi Jain Association
C.V.Shah Bhawan, 78/79 Ritherdon ROad, Puruswalkam, MADRAS
Tel 22364

(५) बम्बई - कांदिवली (महाराष्ट्र)
आगम दिवाकर श्री [illegible]मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ,
जैन उपाश्रय, [illegible] के पास, एस.वी. रोड,
कांदिवली (वेस्ट) बम्बई - ४०० ०६७, (महाराष्ट्र)
फोन : ८०७१९१२

(६) महुडी (गुजरात)
मधुरव्याख्यानी श्री हरीशमुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. महुडी (वीरपुर) वाया वीजापुर,
जिला मेहसाना (गुजरात)

(७) मैसूर (कर्नाटक)
स्पष्ट वक्ता श्री जगदीशमुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - Shri Sthanakwasi Jain Sangh
Jain Bhawan
2889, 3rd Cross Mahavir Nagar, Near Ashoka Road, MYSORE - 57001
(Karnatka) Tel : (0821) 24233

(८) अंकाई (महाराष्ट्र)
तत्वजिज्ञासु श्री हंसमुनिजी म.सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री नन्द किशोर जंयतीलाल जैन
मु पो. अकाई तालूका येवला जिला नासिक
(महाराष्ट्र) ४२३ ४०१

(९) जैतपुर (गुजरात)
मधुर वक्ता श्री गजेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - तपस्वी आश्रम मु पो. जेतपुर (काठी)
वाया गोंडल, जिला राजकोट (गुजरात) ३६० ३७०

(१०) गोंडल (गुजरात)
मधुर व्याख्यानी श्री [illegible]लालजी म.सा. (ठा.[illegible]) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु पो गोडल जिला राजकोट (गुजरात) ३६०३११

(११) जामनगर (गुजरात)
युवाप्रणेता श्री धीरजमुनिजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ तेज प्रकाश सोसायटी, जामनगर - ३६१ ००१ (गुजरात)

(१२) अहमदाबाद - नवरगपुरा (गुजरात)
मधुर वक्ता श्री राजेशमुनजि म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, अर्चिता फलेट के पास, ड्राइव इन रोड, नवरग पुर, अहमदाबाद - ३८० ००९ (गुजरात)

महासतियॉजी समुदाय

(१३) राजकोट-प्रहलादप्लोट (गुजरात)
महासती श्री समरथबाई म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पोपध शाला, १३, प्रहलाद प्लोट, राजकोट - (गुजरात) ३६०००१

(१४) राजकोट-आनन्दनगर (गुजरात)
महासती श्री नवलबाई म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, आनन्द नगर मोदी उपाश्रय, १ साधना सोसायटी आनन्दनगर, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(१५) जामनगर (गुजरात)
महासती श्री प्रभाबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय ३३ दिग्विजय प्लोट जामनगर ३६१ ००१ (गुजरात)

(१६) जामजोधपुर (गुजरात)
महासती श्री कृष्णा बाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, मु पो जामजोधपुर जिला जामनगर (गुजरात) ३६० ५३०

(१७) बम्बई - सायन (महाराष्ट्र)
महासती श्री हीराबाई म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक जैन भवन, जैन सोसाय्टी, प्लाट न ७९, रोड न २५, सायन बम्बई - ४०० ०२२ (महाराष्ट्र) फोन ४०७ २५५३

(१८) राजकोट-गीत गूर्जरी (गुजरात)
महासती श्री इन्दुबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पोषध शाला, श्रेयास सोसायटी उपाश्रय, गीत गूर्जरी, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(१९) जामनगर - जैन प्रवासी गृह (गुजरात)
महासती श्री हसाबाइ म सा (मोटा) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय जैन प्रवासी गृह, जामनगर ३६१ ००१ (गुजरात)

(२०) जामनगर-रणजीतनगर (गुजरात)
महासती श्री दयाबाइ म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, रणजीत नगर, जामनगर - ३६१ ००१ (गुजरात)

(२१) पूना (महाराष्ट्र)
महासती श्री हसाबाइ म सा (नाना) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र -

(२२) गोडल - स्टेशन प्लोट (गुजरात)
महासती श्री ललिताबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थान्कवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, स्टेशन प्लोट, गोडल जिला राजकोट (गुजरात) ३६० ३११

(२३) राजकोट-माडवी चौक (गुजरात)
महासती श्री जयाबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पोषध शाला माडवी चोक, राजकोट - १ (गुजरात) ३६० ००१

(२४) गोंडल-भोजराजपरा (गुजरात)
महासती श्री निर्मलाबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन पोषध शाला, भोजराजपरा, गोडल जिला राजकोट (गुजरात) ३६० ३११

(२५) **जामनगर - बैंक कालोनी (गुजरात)**
महासती श्री नर्मदाबाई म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय बैंक कालोनी, जामनगर - ३६१ ००१ (गुजरात)

(२६) **राजकोट - जक्शन प्लोट (गुजरात)**
महासती श्री अनसुयाबाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जैन उपाश्रय, १२ जक्शन प्लोट, राजकोट ३६० ००१ (गुजरात)

(२७) **राजकोट - जैन चाल (गुजरात)**
महासती श्री लाभुबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन सघ, जैन चाल उपाश्रय, गोंडल रोड, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(२८) **जामनगर - वारीयानो डेलो (गुजरात)**
महासती श्री ताराबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय वारीयानो डेलो, जामनगर (गुजरात) ३६१ ००१

(२९) **पडधरी (गुजरात)**
महासती श्री प्रफुल्लाबाई म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु.पो. पडधरी, जिला राजकोट (गुजरात) ११०

(३०) **बम्बई - भाईन्दर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)**
महासती श्री ज्यौतिबाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था स्थानकवासी जैन संघ, जैन स्थानक, महावीर अपार्टमेंटस, सब्जीमण्डी रेल्वे स्टेशन रोड, भाईन्दर (वेस्ट), जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०१ १०५ फोन : ८१९ ६५०७

(३१) **बम्बई - वसई गाँव (महाराष्ट्र)**
महासती श्री भानुबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, सरकारी दवाखाना के पास, बाजार पेठ, वसई गाँव, जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०१ २०१ फोन : (०२५२) ३२२ २३४

(३२) **बम्बई - कल्याण (महाराष्ट्र)**
महासती श्री [illegible] म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघे, जैन स्थानक गांधी चौक, मु.पो. कल्याण, जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४२१ ३०१

(३३) **राजकोट - मांडवी चौक (गुजरात)**
महासती श्री शातबाई म.सा. (शा.कां.) आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन पोषध शाला, मांडवी चौक, राजकोट ३६० ००१ (गुजरात)

(३४) **लालपुर (गुजरात)**
महासती श्री वीणाबाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय सीरसरापरा मु.पो. लालपुर, जिला जामनगर (गुजरात) ३६११७०

(३५) **गोंडल स्टेशन रोड (गुजरात)**
महासती श्री कनकलताबाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जेन उपाश्रय गोंडल, जिला राजकोट - ३६०३११ (गुजरात)

(३६) **राजकोट-वोघाणी शेरी (गुजरात)**
महासती श्री धीरजबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, उपाश्रय ऊपर, वोधाणी शेरी, राजकोट - ३६०००१ (गुजरात)

(३७) **राजकोट-नालंदा सोसायटी (गुजरात)**
महासती श्री इन्दुबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, नालंदा सोसायटी, कालावड रोड, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(३८) **राजकोट - वोघाणी शेरी (गुजरात)**
महासती श्री कांताबाई म.सा. (शा.कां.) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, वोघाणी शेरी उपाश्रय नीचे, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(३९) **राजकोट - मालवीयानगर (गुजरात)**
महासती श्री भानुबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, [illegible] उपाश्रय, मालवीया नगर, राजकोट (गुजरात) ३६० ००१

(४०) गोंडल - स्टेशन प्लोट (गुजरात)
महासती श्री शाताबाइ म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय स्टेशन प्लोट, गोंडल जिला राजकोट ३६० ३११ (गुजरात)

(४१) राजकोट-सरदारनगर (गुजरात)
१ महासती श्री सवितावाइ (१२)
२ महासती श्री विजयाबाई म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, ९ सरदार नगर, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(४२) राजकोट - भुपेन्द्र रोड (गुजरात)
महासती भानु बाइ म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, विरागी पोषध शाला, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(४३) उपलेटा (गुजरात)
महासती श्री इन्द्र बाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो उपलेटा जिला राजकोट (गुजरात)

(४४) सिकन्द्राबाद (आन्ध्रप्रदेश)
महासती श्री अनिलाबाइ म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र -

(४५) देवलाली (नासिक) (महाराष्ट्र)
महासती श्री जयाबाइ म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र -

(४६) राजकोट सदर (गुजरात)
१ महासती श्री गुलाबबाई म सा
२ महासती श्री उर्मीबाई म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय १८ पंचनाथ-प्लोट सदर, राजकोट ३६० ००१ (गुजरात)

(४७) वेरावल (गुजरात)
महासती श्री प्राणकुंवरबाइ म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो वेरावल, जिला जूनागढ (गुजरात) २८८

(४८) देवलाली (नासिक) (महाराष्ट्र)
महासती श्री ललिताबाई म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, कादावाडी जैन, सेनेटेरियम लामरोड देवलाली वाया नासिक रोड (महाराष्ट्र) ४०१

(४९) बम्बई - मुलुण्ड (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
महासती श्री जसुबाईबाइ म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक १३७-ए सेवाराम ललवाणी मार्ग मुलुण्ड (वेस्ट), बम्बइ - ४०० ०८० (महाराष्ट्र), फोन ५६१ ०२५१ C/o मधुभाइ

(५०) बगसरा (गुजरात)
महासती श्री समजुभाई म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो बगसरा जिला अमरेली (गुजरात) ४४०

(५१) राजकोट - महावीर नगर (गुजरात)
महासती श्री मुक्ताबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, महावीर नगर, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(५२) अमरेली (गुजरात)
महासती श्री लीलमबाइ म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो अमरेली ३६४ ६०१ (गुजरात)

(५३) राजकोट - नेमनाथ सोसायटी (गुजरात)
महासती श्री प्रभाबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, नेमनाथ सोसायटी, राजकोट ३६० ००१ (गुजरात)

(५४) इन्दौर स्नेहलतागंज (मध्यप्रदेश)
महासती श्री उषाबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुजराती स्थानकवासी जैन संघ, जैन भवन, पत्थर गोदाम १६/४, स्नेहलता गंज, इन्दौर - ४५२ ००३ (म प्र)

(५५) गोंडल भोजपत (गुजरात)
महासती श्री लताबाइ म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक १० अनुसार

(५६) भावनगर-मेहताशेरी (गुजरात)
महासती श्री विमलाबाई म सा आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, मेहता शेरी, भावनगर (गुजरात) ३६४ ००१, फोन २३७०७

(५७) राजकोट - युनिवर्सिटी रोड (गुजरात)
महासती श्री साधनावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - खेताणी स्वाध्याय हाल, रोयल पार्क, शेरी नं. ६, कोटिल्य अपार्टमेंटस, १माला, युनिवर्सिटी रोड, कंचन जंधा अपार्ट मेट के बाजू में, राजकोट - ३६० ००५ (गुजरात)

(५८) सावर कुंडला (गुजरात)
महासती श्री भारतीवाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री सावरकुडला दशाश्री माळी स्थानकवासी जेन संघ, जैन देरासर स्ट्रीट, उपाश्रय लेन, सावर कुंडला, जिला भावनगर (गुजरात) ३६४ ५१५

(५९) वडीया (गुजरात)
महासती श्री सुमनवाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक १ अनुसार

(६०) महुवा (गुजरात)
महासती श्री सन्मतिवाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय मु.पो. महुवा, जिला भावनगर (गुजरात)

(६१) अहमदावाद-मणीनगर (पूर्व) (गुजरात)
महासती श्री राजेमतीवाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेस सघ, जेन उपाश्रय, मणीनगर (पूर्व) अहमदावाद (गुजरात)

(६२) धोराजी (गुजरात)
महासती श्री सुमतिवाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन सघ, जेन उपाश्रय, मु.पो. धोराजी जिला राजकोट (गुजरात)

(६३) वावरा (गुजरात)
महासती श्री ज्ञानशीलावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, मु पो. वावरा (गुजरात)

(६४) कलकत्ता (पश्चिमी बंगाल)
महासती श्री दर्शनावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र -

(६५) विसावदर (गुजरात)
महासती श्री कृपावाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय मु पो. वीसावदर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

(६६) मेंदरडा (गुजरात)
महासती श्री नन्दावाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. मेंदरडा, जिला राजकोट (गुजरात) ३६२२६०

(६७) लुधियाना (पंजाब)
महासती श्री संघ मित्रावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री एस. एस. जैन सभा रुपा मिरत्री लेन, लुधियाना - १४१ ००८ (पंजाब)

(६८) धारी (गुजरात)
महासती श्री पूर्णावाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जेन उपाश्रय, मु.पो. धारी जिला राजकोट (गुजरात) ३६४६४०

(६९) राजकोट - सदर (गुजरात)
महासती श्री दीक्षितावाई म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जेन उपाश्रय, सदर, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(७०) राजकोट - रामनगर (गुजरात)
महासती श्री विनोदिनीवाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, राम नगर, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(७१) वम्बई - घाटकोपर (श्रमणी विद्यापीठ)
महासती श्री जयेशावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्रमणी विद्यापीठ, जैन स्थानक के पास, हिंगवाला लेन, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई - ४०० ०७७ (महाराष्ट्र)

(७२) राजकोट (न्यू जगन्नाथ) (गुजरात)
महासती श्री अनीतावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१२	कुल कुल मुनिराज	२१
कुल चातुर्मास सतियो के	६०	कुल सतियाँजी	२४९
कुल	७२	कुल	२७०

कुल चातुर्मास (७२) सत (२१) महासतियाँजी (२४९) कुल ठाणा (२७०)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ म कुलठाणा थे	२२	२५०	२७२
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	४	४
( ) महाप्रयाण हुऐ	-	३	३
१९९४ मे कुलठाणा है	२१	२४९	२७०

विशेष

(१) नई दीक्षा एव महाप्रयाण की सूची प्राप्त नही हो सकी यहा जो सख्या दी गयी है वह अनुमानसे ही दी गयी है।

(२) जैन का पत्रिकासे शासन प्रगति (मासिक गुजराती) राजकोट

श्री दरियापुरी आठ कोटी समुदाय

समुदाय के प्रमुख आचार्य :- आचार्य प्रवर, गुजरात रत्न, शास्त्र विशारद पं.रत्न श्री शांतिलालजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२९) मुनिराज (१५) साध्वीयॉजी (११९) कुल ठाणा (१३४)

मुनिराज समुदाय

(१) लखतर (गुजरात)

१. आचार्य प्रवर, गुजरात रत्न, शास्त्र विशारद, पं. रत्न श्री शांतिलाल जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, बाजार मे, मु.पो. लखतर जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३८२७७५

(२) सूरत - (गुजरात)

व्याख्यान वाचस्पति श्री विरेन्द्र मुनिजी म सा..आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय सग्रामपुरा सूरत ३९५००२ (गुजरात)

(३) इटोला (गुजरात)

सेवामूर्ति श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, नानी भागल मु.पो. इटोला वाया मियागांव करजण जिला वड़ौदा (गुजरात)

(४) अहमदाबाद-वाडज (गुजरात)

मधुरवक्ता श्री रविन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - आगम मंदिर, पायनिर सोसायटी शांतिनगर आश्रमरोड वाडज, अहमदाबाद -३८००१३ (गुजरात)

(५) अहमदाबाद-शाहपुर (गुजरात)

मधुरवक्ता श्री हर्षद मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, सुनारोका खांचा शाहपुर, अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

महासतियॉजी समुदाय

(६) अहमदाबाद-विजयनगर (गुजरात)

१ महासति श्री वसंत बाई म.सा. आदि (४)
२ महासति श्री हीरा बाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाध्याय, ८९/५२९ विजयनगर, नारणपुरा अहमदाबाद-३८००१३

(७) प्रान्तीज (गुजरात)

महासती श्री अरुणा बाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री प्रान्तीज दारियापुरी आठ कोटी स्था. जैन संघ जैन उपाश्रय बाजार मे, मु पो प्रान्तीज जिला सांबर कांठा (गुजरात) ३८३२०५
फोन नं.६२ एव १२

(८) अहमदाबाद-गिरधरनगर (गुजरात)

महासती श्री जगवती बाई म सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, १० सुभाषनगर, गिरधरनगर, अहमदाबाद-३८००१० (गुजरात)

(९) पीज (गुजरात)

महासती श्री प्रज्ञा बाई म.सा. आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन संघ, [illegible] मु.पो. पीज [illegible] (गुजरात)

(१०) बम्बई-घाटकोपर (स्वाध्याय सघ)
महासति श्री विमला बाई म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन स्वाध्याय सघ, सर्वोदय आराधना केन्द्र, भीमनगर रोड ऐल वी शास्त्री मार्ग, दोशीवाडी के सामने घाटकोपर (वेस्ट) बम्बइ-४०००८६
फोन-५१३८०३२ पी पी

(११) पाटण (गुजरात)
महासती श्री सुलोचना बाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, हिंगला अम्बर रोड घेलाभाई माता की खडकी मु पो पाटण जिला मेहसाणा (गुजरात) ३८४२६५

(१२) बम्बई-विलेपार्ला (महाराष्ट्र)
महासती श्री हसाबाई म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ ६५ वी पी रोड रेल्वे स्टेशन के सामने विलेपार्ला (वेस्ट) बम्बई-४०००५६ फोन-६१२१३९२

(१३) बैंगलौर-मलेश्वरम् (कर्नाटक)
महासती श्री इन्दिरा बाई म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - Shri Bhanwarlal Saklecha M/s Inder Jewellery Mart 203 Sampige Road Maleshwaram BANGALORE (Karnatka) 560003

(१४) अहमदाबाद सारगपुर (गुजरात)
महासती श्री सुशीलाबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय तलिया की पोल महादेव का खाचा, सारगपुर अहमदाबाद ३८०००१ (गुजरात)

(१५) पालनपुर-(गुजरात)
महासती श्री प्रतिभाबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री लोकागच्छ स्थानक्वासी जैन सघ जैन उपाश्रय जीवन वाडी, मु पो पालनपुर जिला बनास काठा (गुजरात) ३८५००१

(१६) सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
१ महासती श्री हीराबाई म सा
२ महासती श्री इन्दुबाई म सा आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर स्थानक्वासी जैन सघ जैन उपाश्रय, भारत सोसायटी, सुरेन्द्रनगर-३६३००१

(१७) सुरेन्द्रनगर-(गुजरात)
महासती श्री दीक्षिताबाई म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानक्वासी जैन सघ जैन उपाश्रय टावर के पास, केरी बाजार, सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३००१

(१८) अहमदाबाद वासणा-(गुजरात)
१ महासती श्री विदुला बाई म सा
२ महासती श्री मजुला बाई म सा
३ महासती श्री करुणा बाई म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय, ३ सेचुरी फलेटस बस स्टेण्ड के पास, वासुकी सोसायटी के पिछे, वासणा अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००७

(१९) बडौदरा (गुजरात)
महासती श्री ज्योत्सना बाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय मामाकी पोल, रावपुरा, वडौदरा (गुजरात) ३९५००१ फोन - ५५०३१४

(२०) कलोल (गुजरात)
१ महासती श्री प्रवीणा बाई म सा आदि (४)
२ महासती श्री नारगी बाई म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय, उमा स्टूडिओ के बाजू मे, उपाश्रयका खाचा बाजार मे, मु पो कलोल जिला अहमदाबाद (गुजरात) ३८२७२१
फोन न २०७० पी पी

(२१) सूरत (गुजरात)
महासती श्री हर्षिताबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानक्वासी जैन सघ नया जैन उपाश्रय, आठवा लाईन्स, सूरत-३९५००२ (गुजरात)

(२२) बम्बई-मलाड (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
महासती श्री तरुलतावाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक सघ ,
जैन स्थानक, मामलतदारवाडी, रोड नं.१ मलाड
(वेस्ट) बम्बई-४०००६४ फोन न. ८८८७०२७

(२३) अहमदावाद-सरसपुर-(गुजरात)
महासती श्री मंजुलावाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सरसपुर स्थानकवासी जैन संघ,
शारदावेन हॉस्पीटल के सामने, फुवारा के वाजू मे,
सरसपुर अहमदावाद-३८००१८ (गुजरात)
फोन-३३९८०७ पी.पी.

(२४) विरमगांव (गुजरात)
महासती श्री जागृतिवाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री विरमगांव दशाश्रीमाली दरियापुरी
स्था. जैन संघ, सघवी स्थानक, मु.पो. विरमगांव
जिला अहमदावाद-३८२१५७
फोन नं-१६०-७५ पी.पी.

(२५) वोदाल (गुजरात)
महासती श्री ललितावाई म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्था.जैन संघ,
जैन उपाश्रय, मु.पो.वोदाल वाया वोरसद,
जिला खेडा (गुजराल)

(२६) वम्बई-कांदावाडी-(महाराष्ट्र)
महासती श्री मधुवाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था. जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, १७० कादावाडी, खाडीलकर रोड,
वाम्बई-४००००४ फोन नं. ३८२८८१७

(२७) अहमदावाद-छीपापोल (गुजरात)
१. महासती श्री मोक्षावाई म.सा. आदि (४)
२. महासती श्री आनन्दीवाई म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री दरियापुरी आठ कोटी स्था जैन संघ,
स्वामी नारायण मंदिर रोड, छीपा पोल कालुपुर,
अहमदावाद-३८०००१ (गुजरात)
फोन-३६३९९९

(२८) अहमदावाद-शोला रोड (गुजरात)
महासती श्री सुभद्रावाई म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री शोला रोड स्थानकवासी जैन संघ,
जैन उपाश्रय, २६० सुंदरवन अपार्टमेंटस, शोला
रोड, नाराणपुरा अहमदावाद ३८००१३ (गुजरात)

(२९) गोता-(गुजरात)
महासती श्री प्रेरणा वाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय महात्मा
गांधी वसावट, हाईवे रोड, मु पो.गोता,
जिला - अहमदावाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	५	कुल कुल मुनिराज	१५
कुल चातुर्मास सतियो के	२४	कुल सतियॉजी	११९
कुल	२९	कुल	१३४

कुल चातुर्मास (२९) संत (१५) महासतियॉजी (११९)
कुल ठाणा (१३४)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियॉ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	१४	११७	१३१
(+)-नई दीक्षाऐ हुई	१	४	५
(-) महाप्रयाण हुऐ	-	२	२
१९९४ मे कुलठाणा है	१५	११९	१३४

समुदाय मे विद्यमान है - गादीपति-(१)
समुदाय के जीन पत्र-पत्रिकाऐ नही
विशेष

(१) इस वर्ष इस समुदाय में एक भाई और चार वहिनो की दीक्षा हुई है एवं दो महासतियॉजी का महाप्रयाण हुआ है।

जैन विश्व रिकार्ड्स

सम्पूर्ण जैन समाज मे श्वे. स्था. लिम्बडी गोपाल सम्प्रदाय की विदुषी महासती श्री तरुलतावाई म.सा. ही एक मात्र ऐसी साध्वी है जिसे सम्पूर्ण आगम कण्ठस्थ याद है।
(जैन विश्व रिकार्ड डायरेक्ट्री से साभार)

गणाधिपती श्री तुलसी आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी एव उनके ज्ञानावुर्ती साध्वी कचन कुमारी जी लाडनू साध्वी मदन कुवरजी उज्जैन साध्वी गुणरेखा जी विदासर साध्वी सिद्धप्रभा जी वगलोर आदि ठाणा चार का चातुर्मास अणुव्रत भवन मे ज्ञान परिपूर्ण होने की मगल कामना करते है। नोट-होडोती आचल कोटा मे साध्वी कचन कुमारीजी के सानिध्य मे युवक सम्मेलन का आयोजन तारीख २८-८-९४ को अणुव्रत भवन मे रखा गया है।

अध्यक्ष - जयचन्दलाल दुगड़
उपाध्यक्ष रतनलाल जैन एव श्री कृष्णा जैन
मन्त्री हेम राज सुराणा कोषाध्यक्ष चम्पालाल वोथरा
सहमन्त्री पारस चन्द जैन

श्री लिम्बडी गोपाल सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख संघ नायक : वत्सल्य वारिधि तपस्वी रत्न, सरल स्वभावी पं. रत्न श्री रामजीमुनि म.सा.

कुल चातुर्मास (२३) मुनिराज (१२) महासतीयाजी (१२२) कुल ठाणा (१३४)

मुनिराज समुदाय

(१) अहमदाबाद-घाटलोडिया (गुजरात)

१. संघनायक, तपस्वीरत्न, सरल स्वभावी, वात्सल्य वारिधि पं. रत्न श्री रामजी मुनि म.सा.
२. सेवाभावी श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय १० मंजुश्री सोसायटी, रत्नापार्क, घाटलोडिया, अहमदाबाद (गुजरात) ३८००६१, फोन न. ४७१८१९
साधन - अहमदाबाद रेल्वे स्टेशन से सिटी बस एवं आटोरिक्शा उपलब्ध

(२) बम्बई-चिंचपोकळी (महाराष्ट्र)

आध्यात्मिक योगी श्री केवल मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक ६४ डॉ. आम्बेडकर रोड, वोल्डाज के सामने, चिंचपोकळी, बम्बई-४०००१२ (महाराष्ट्र), फोन नं. ३७२५४६६

(३) वढवाण सिटी (गुजरात)

सरल स्वभावी श्री रतनसी मुनि म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - वोरा धनजी लालचंद स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय धोली पोल रोड, वढवाण शहर वाया जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३०३०, फोन न. (एस.टी.डी. ०२७५२), २५४५५, मंत्री - आफिस २०००५, निवास २२४६७

(४) वांकानेर (गुजरात)

महासती श्री [illegible] म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री वांकानेर स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय अपासरा शेरी, वांकानेर, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३६२१, फोन प्रमुख (एस.टी.डी-०२८२८), आफिस-२०५०१ निवास-२०४१४

(५) धागंध्रा (गुजरात)

महासती श्री मुक्ताबाई म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन मोटा संघ, जैन उपाश्रय ग्रीन चौक, धागध्रा, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३३१०, फोन प्रमुख- (एस.टी डी.-०२७५४) आफिस-२३०१८ निवास २३२०२

(६) रतनपर (जोरावर नगर) (गुज.)

महासती श्री जशवतीबाई म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री रतनपर स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय ३४ नम्बर बस स्टाप के पास, रतनपर पोस्ट जोरावर नगर वाया जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात) ३६३०२०, फोन प्रमुख (एस.टी.डी - ०२७५२) आफिस २१२४४ निवास २११६२

(७) जोरावर नगर (गुजरात)

१. महासती श्री ताराबाई म.सा.
२. आगम रत्ना महासती श्री [illegible] म.सा. आदि (१३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जोरावर नगर श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय बाजार में, मु.पो. जोरावर नगर वाया जिला सुरेन्द्र नगर, गुजरात ३६३०२०.

फोन प्रमुख- आफिस २२६५५, निवास २२०५७

(८) बम्बई-शाताक्रुझ (महाराष्ट्र)
महासती श्री कचनवाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक फिरोजशाह स्ट्रीट, शाताक्रुझ (वेस्ट), बम्बई-४०००५४ (महाराष्ट्र),
फोन न ६१४३४६५

(९) अहमदावाद - शाहीवाग (गुजरात)
महासती श्री रमावाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री शाहीवाग श्वे स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, ए/९-ए-२ सुजाता फ्लेटस, शाहीवाग पोलीस स्टेशन के सामने, तेरापथी भवन के सामने, शाहीवाग, अहमदावाद - ३८०००४ (गुजरात)
फोन प्रमुख - आफिस - ८६७६६२
निवास - ८६५१३४

(१०) विछीया (गुजरात)
महासती श्री हीरावाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे-स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, मु पो विछीया जिला राजकोट (गुजरात) ३६००५५
फोन प्रमुख (अेस टी डी - ०२८२१८३) आफिस ६३० निवास ७३०

(११) अहमदावाद-नगरसेठ का वडा (गुजरात)
महासती श्री प्रज्ञावाई म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री सौराष्ट्र स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय घी काटा नगर सेठ का वडा, कलेक्टरी आफिस के पास,
अहमदावाद - ३८०००१ फोन ३६४२३४

(१२) आणन्द (गुजरात)
महासती श्री सुशीलावाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, पप्पू होस्पीटल के पीठे स्वस्तिक सोसायटी के सामने, महावीर मार्ग, मु पो आणन्द, जिला खेडा (गुजरात) ३८८००१

फोन उपाश्रय - २५२८७

(१३) गोधरा (गुजरात)
महासती श्री निर्मलावाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री गोधरा स्थानकवासी जैन सघ, देना बैक के सामने, नया वाजार मु पो गोधरा जिला पचमहाल (गुजरात) ३८९००१
फोन प्रमुख - आफिस - ३७५७
निवास - ४२८४५

(१४) बम्बई - गोरेगॉव (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
महासती श्री भारतीवाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ जैन स्थानक, २७४-ए, जवाहर नगर, रोड न १२, एस वी रोड के नाके पर, गोरेगाव (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०६२ फोन ८७२५७४०

(१५) बम्बई - बोरीवली (मूलजी नगर)
महासती श्री प्रियदर्शनाबाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, सी-००२/००३ - पचरत्न सोसायटी, प्लोट न ५, मूलजी नगर, एस वी रोड, बोरीवली (वेस्ट), बम्बइ - ४०० ०९२ (महा),
फोन प्रमुख निवास - ८०५९६३५

(१६) अहमदावाद जीवराज पार्क (गुजरात)-
महासती श्री सुयशाबाइ म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, आशापुरी फलेट के बाजू मे जीवराज पार्क, अहमदाबाद - ३८००५१ (गुजरात)
फोन प्रमुख - आफिस - ३५७२०९
निवास - ४१२२४०

(१७) बम्बई-बोरीवली (महाराष्ट्र)
महासती श्री जागृतिबाई म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक डायमण्ड सिनेमा के सामने, एल टी रोड, बोरीवली (वेस्ट),
बम्बई - ४०० ०९२
फोन स्थानक - ८०५'११३९

(१८) बम्बई - मीरारोड (महाराष्ट्र)
महासती श्री चन्द्रिकाबाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री मीरारोड वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, 'जैन स्थानक सेक्टर नं. ६, शांति नगर, मीरा रोड (पूर्व), जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०११०७ फोन . स्थानक ८११५८८५

(१९) बम्बई - बोरीवली - योगीनगर
महासती श्री मृदुलाबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, जैन भवन, डी-२६/००४ योगी नगर, ऐक्सर रोड, बोरीवली (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०९२
फोन . प्रमुख - आफिस ८०११९५५
निवास ८०१३३५३

(२०) बम्बई-मलाड (पूर्व) (महा.)
महासतीश्री जिज्ञासाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक प्रसाद बिल्डिंग, शिवाजी नगर रोड, शिवाजी चौक, दफतरी रोड, मलाड (पूर्व), बम्बई - ४०० ०९७ (महाराष्ट्र)
फोन . प्रमुख - ८०१ ००९९ - ८०७ ९११९

(२१) लिम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)
महासती श्री कीर्तिदाबाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री संघवी धारसी रवाभाई स्थानकवासी जैन संघ, महात्मा गांधी मार्ग, छालीया परा, मु.पो. लिम्बडी (सौराष्ट्र) जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात) ३६३४२१
फोन . (अेस.टी.डी. २७५३) २०४५६ पी.पी.

(२२) पोरबन्दर (गुजरात)
महासती श्री नमताबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, [illegible] नागर वाडा, पोरबन्दर (गुजरात) ३६०५७५
फोन प्रमुख [illegible] २३६५९

(२३) ढसा (गुजरात)
महासती श्री अनिताबाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री दशा श्रीमाळी स्थानकवासी जैन संघ, ५ प्लोट, मु.पो. ढसा जंक्शन - ३६४७४०
जिला भावनगर (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	३	कुल कुल मुनिराज	१२
कुल चातुर्मास सतियो के	२०	कुल सतियाँजी	१२२
कुल	२३	कुल	१३४

कुल चातुर्मास (२३) संत (१२) महासतियाँजी (१२२)
कुल ठाणा (१३४)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	१३	१२३	१३६
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	-	-
(-) महाप्रयाण हुऐ	१	१	२
१९९४ मे कुलठाणा है	१२	१२२	१३४

विशेष

(१) इस समुदाय की महासती श्री निरूपमाबाई म.सा. को स्थानकवासी मान्यतानुसार सभी ३२ आगम कंठष्ठ है जो समग्र जैन समाज क एक रिकार्ड है।

(२) इस वर्ष नई दीक्षा एक भी नही एवं महाप्रयाण एक संत और एक सती का हुआ।

(३) जैन पत्र-पत्रिकाऐ - केवल जिन दर्शन (मासिक गुजराती) बम्बई।

जैन विश्व रिकार्ड्स

सम्पूर्ण जैन समाज मे श्वे. स्था. लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय के श्री भावचदजी म.सा. ही एक मात्र ऐसे संत मुनिराज है जिन्हे समुदाय मे कोई पद नही होते हुऐ भी मुनिराज के रुप मे अवतक ८८ नई दीक्षाऐ प्रदान कर चुके है जो समग्र जैन समाज का एक रिकार्ड है।
(जैन विश्व रिकार्ड डायरेक्ट्री से साभार)

श्री कच्छ आठ कोटी मोटी पक्ष समुदाय

समुदाय के प्रमुख संत :- शास्त्रज्ञ श्री धीरज मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (३०) मुनिराज (१५) साध्वीयाँजी (७४) कुल ठाणा (८९)

मुनिराज समुदाय

(१) कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
शास्त्रज्ञ श्री धीरज मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान स्थानकवासी जेन श्रावक सघ जेन स्थानक, शाहपुरी, व्यापारी पेठ, जैन मंदिर के पास, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) ४१६००१

(२) अंजार-कच्छ (गुजरात)
विद्वद्वर्य श्री प्राणलाल जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ जेन उपाश्रय, मु.पो. अंजार-कच्छ (गुजरात)

(३) मांडवी-कच्छ-(गुजरात)
मधुरवक्ता श्री सुभाष मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छ आठ कोटी मोटी पक्ष स्थानकवासी जेन महासंघ, वारीवारा नाका, मांडवी-कच्छ (गुजगत) ३७०४६५
फोन मंत्री - (०२८३४) २०१४०

(४) वम्बई-मुलुण्ड (पूर्व) (महाराष्ट्र)
आत्मार्थी श्री विनोद मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, कैलाश धाम, १ माला जी.वी.स्किम रोड न.४, मुलुण्ड (पूर्व) वम्बई-४०००८१ (महाराष्ट्र)

(५) बम्बई-बोरीवली (पूर्व) (महाराष्ट्र)
मधुर व्याख्यानी श्री भाईचंदजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छी वीसा ओसवाल स्थानकवासी जैन संघ [illegible] बिल्डिंग, कार्टर रोड न १, स्टेशन के पास, बोरीवली (पूर्व), वम्बई-४०००६१ (महाराष्ट्र), फोन ८०६०६८६ पी.पी.

(६) रापर-कच्छ (गुजरात)
मधुर वक्ता श्री दिनेश मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, कच्छ मोटा पक्ष उपाश्रय, मु.पो. रापर-कच्छ (गुजरात) ३७०१६५

(७) कांडाकरा-कच्छ (गुजरात)
अध्ययन शील श्री ताराचन्दजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री आठ कोटी मोटी पक्ष स्थानकवासी जेन संघ, जैन उपाश्रय, मु.पो. कांडागरा-कच्छ, तालूका माडवी (गुजरात)

महासतियाँजी समुदाय

(८) लाखापुर-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री लक्ष्मीबाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छ आठ कोटी मोटा पक्ष स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो.लाखापुर-कच्छ तालुका मुन्द्रा (गुजरात)

(९) भुज-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री मणीबाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री भुज आठ कोटी मोटा पक्ष स्था. जैन संघ, [illegible], [illegible], मु पो. भुज-कच्छ (गुजरात) ३७०००१
फोन २२३५३ पी.पी.

15

श्री कच्छ आठ कोटी नानी पक्ष समुदाय

समुदाय के प्रमुख आचार्य : आचार्य प्रवर विद्वदर्य पं.रत्न श्री राघवजी म.सा.

कुल चातुर्मास (१४) मुनिराज (२१) साध्वीयॉजी (३६) कुल ठाणा (५७)

मुनिराज समुदाय

(१) साडाऊ - कच्छ (गुजरात)
आचार्य प्रवर-विद्वदर्य पं.रत्न श्री राघवजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जैन उपाश्रय
मु.पो. साडाऊ-कच्छ जिला भुज (गुजरात)

(२) मोखा-कच्छ (गुजरात)
विद्वदर्य श्री गोविन्दजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन सघ, जैन उपाश्रय
मु.पो. मोखा तालूका मून्द्रा-कच्छ (गुजरात)

(३) बारोई - कच्छ (गुजरात)
विद्वदर्य श्री खीमजी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. बारोई-कच्छ (गुजरात) ३७०४२१

(४) बेराजा-कच्छ (गुजरात)
विद्वदर्य श्री सूरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन सघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. बेराजा - कच्छ (गुजरात)

(५) बीदडा-कच्छ (गुजरात)
विद्वदर्य श्री कुवरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन सघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. बीदडा-कच्छ (गुजरात)

(६) टोडा-कच्छ (गुजरात)
विद्वदर्य श्री [illegible] म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. टोडा-कच्छ तालूका मुन्द्रा (गुजरात)

महासतियॉजी समुदाय

(७) डेपा-कच्छ (गुजरात)
पदवीधर महासती श्री लक्ष्मीबाई म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. डेपा-कच्छ तालूका मून्द्रा (गुजरात)

(८) गुन्दाला-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री साकरबाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री आठ कोटी नानी पक्ष स्था जेन सघ,
जेन उपाश्रय मु.पो. गुन्दाला-कच्छ
(गुजरात) ३७० ४१०

(९) देशलपुर-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री भानुबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जेन उपाश्रय,
मु.पो. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)

(१०) वडाला-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री वेजभाई म.सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. वडाला - कच्छ (गुजरात)

(११) भुज-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री कमलाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छ आठ कोटी नानी पक्ष
स्था. जैन संघ, जैन उपाश्रय, [illegible],
भुज-कच्छ (गुज) ३७० ००१

(१२) मोटी खाखर-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री [illegible] म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ जैन उपाश्रय,
मु पो मोटी खाखर-कच्छ (गुजरात)

(१३) माडवी-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री निमलाबाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,
मु पो माडवी-कच्छ (गुजरात)

(१४) अजरा-कच्छ (गुजरात)
महासती श्री देवकीबाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,
मु पो अजार-कच्छ (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	६	कुल कुल मुनिराज	२१
कुल चातुर्मास सतियो के	८	कुल सतियाँजी	३६
कुल	१४	कुल	५७

कुल चातुर्मास (१४) सत (२१) महासतियाँजी (३६)
कुल ठाणा (५७)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	२१	३५	५६
(+) नइ दीक्षाऐ हुई	१	१	२
(-) महाप्रयाण हुऐ	१	-	१
१९९४ मे कुलठाणा है	२१	३६	५७

समुदाय मे विद्यमान है - आचार्य - (१)
समुदाय के जीन पत्र-पत्रिकाऐ नही

विशेष

(१) सम्पूर्ण जैन समाज मे यही एक मात्र ऐसी समुदाय है जिसमे यथानाम तथा ग्रण १००% चातुर्मास कच्छ प्रात के क्षेत्रो मेही होते है एव शेषेकाल मे भी सभीसत सतियाँ केवल कच्छ प्रान्त के क्षेत्रो मेही विचरण करते रहते है यहाँ तक कि कच्छ गुजरात प्रान्त मे आता है फिरभी कच्छ के अलावा गुजरात प्रान्त के अप क्षेत्रो तक ये नही पधारते है ।

(२) इस समुदाय मे जितने भी साधु-साध्वीयाँ है वे हर वर्ष एक दूसरे के साथ मिलकर चातुर्मास एव शेषेकाल में विचरण करते है यानि एक सघाडा मे कभी भी एक जैसे सत सतिया नही रहते अदली बदली होती रहती है । किसीभी सत-सतियो को किसी भी सघाडे या ग्रुप मे रख दिया जाये वे सहर्ष स्वीकार कर उनके साथ हिल मिलकर विचरण एव चातुर्मास करते है जबकि प्रायकर यह देखा जाता है कि अन्य जितनीभी सम्प्रदाऐं है उनके सत सतियोका सिघाडा ग्रुप हमेशा एक जैसा रहता है । इस समुदाय मे अगर एक वर्ष किसी सत सतियोने किसी के साथ मिलकर चातुर्मास किया है तो अगले वर्ष वह अन्य किसी के साथ मिलेगा जैसे नही रहते ।

श्री बोटाद सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख मुनिराज : आध्यात्मिक योगी मधुर व्याख्यानी संघ नायक पं.रत्न श्री नवीनमुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (११) मुनिराज (४) साध्वीयॉजी (४६) कुल ठाणा (५०)

मुनिराज समुदाय

(१) पालियाद (गुजरात)
आध्यात्मिक योगी मधुर व्याख्यानी संघ नायक पं.रत्न श्री नवीनचन्द्रजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय, मु.पो. पालियाद वाया बोटाद
जिला भावनगर (गुजरात) ३६४७२०

(२) मियागॉव- (करजण) (गुजरात)
प्रखर व्याख्याता श्री अमीचन्द्रजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय, बस स्टेण्ड के पास, मु.पो. मियागॉव (करजण)
जिला वडौदा (गुजरात) ३९१२४०

महासतियॉजी समुदाय

(३) बोटाद (गुजरात)
तपस्विनी महासती श्री चंपाबाई म.सा.
महासती श्री सरोजबाई म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय, मेन बाजार, राम मंदिर के बाजू मे गॉव मे, मु.पो. बोटाद (सौराष्ट्र),
जिला भावनगर (गुजरात) ३६४ ७१०

(४) दामनगर (गुजरात)
महासती श्री सविताबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु.पो. दामनगर जिला अमरेली (गुजरात)

(७) गढ़डा (स्वामीनारायण) (गुजरात)
महासती श्री मधुबाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, माणेक चौक, मु.पो. गढडा (स्वामी नारायण),
जिला भावनगर (गुजरात) ३६४७५०

(६) बम्बई - घाटकोपर (गरोडियानगर) (महाराष्ट्र)
महासती श्री रसीलाबाई म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ कश्मिरा कुंज सोसायटी १ माला, राजस्थान बैंक के सामने, १४९-गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई - ४०० ०७७ (महाराष्ट्र)
फोन . ५१२ २५२९ पी.पी.

(७) बम्बई - घाटकोपर (संघाणी) (महाराष्ट्र)
महासती श्री अरुणाबाई म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक गार्डन लेन, श्रेयास टाकीज के बाजू मे संघाणी इस्टेट, घाटकोपर (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०८६
फोन . ५१५ २०२७

(८) वापी (गुजरात)
महासती श्री अनिलाबाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय प्लोट नं. ३४५, जी आई.डी.सी. एरिया, गुंजन सिनेमा के पीछे, मु.पो. वापी जिला वलसाड
(गुजरात) ३९६१९१

(९) नन्दूरबार (महाराष्ट्र)
महासती श्री प्रफुल्लाबाई म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, जवजत चौक मु पो नन्दूरबार
जिला - धुलिया (महाराष्ट्र)

(१०) बाडेली (गुजरात)
महासती श्री ईलाबाई म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो बाडेली जिला बडौदा (गुजरात)

(११) राणपुर (गुजरात)
महासती श्री सुशीलाबाई म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,
मु पो राणपुर जिला अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	२	कुल कुल मुनिराज	४
कुल चातुर्मास सतियो के	९	कुल सतियाँजी	४६
कुल	११	कुल	५०

कुल चातुर्मास (११) सत (४) महासतियाँजी (४६)
कुल ठाणा (५०)

सत सति तुलनात्मक तालिका १९९३ अनुसार ही
नई दीक्षा नही, महाप्रयाण नही
जैन पत्र-पत्रिकाए नही

श्री खंभात सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख आचार्य :- महान वेरागी आदर्श त्यागी आत्मार्थी, आगमज्ञ महा तपस्वी रत्न आचार्य प्रवरश्री कांतिऋषीजी म.सा.

कुल चातुर्मास (११) मुनिराज (९) साध्वीयॉजी (३७) कुल ठाणा (४६)

मुनिराज समुदाय

(१) खंभात (गुजरात)

१. महान वेरागी आदर्श त्यागी आत्मार्थी आगमज्ञ महान तपस्वी आचार्य प्रवर श्री कांतिऋषीजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री खंभात स्थानकवासी जैन सघ, श्री शारदाबाई महासती स्था. जैन उपाश्रय, बोल पीपलो संघवी की पोल मु.पो. खंभात जिला खेडा (गुजरात) ३८८ ६२०, फोन . स्थानक २१६२० प्रमुख २०९२० (अरविन्दभाई पटेल)

(२) अहमदाबाद-मणीनगर (गुजरात)

प्रखर व्याख्याता श्री अरविन्दमुनिजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री मणीनगर स्थानकवासी जेन संघ, जैन उपाश्रय राधावल्लभ कोलोनी रावजीभाई टावरके, पटेल भुवन बस स्टाप के सामने, मणीनगर, अहमदाबाद, ३८० ००८ (गुजरात) फोन . स्थानक ३६० ३७१

(३) बम्बई - चांदीवली (महाराष्ट्र)

तत्वज्ञ श्री नवीन ऋषीजी म.सा आदि (१)

सम्पर्क सूत्र - चांदीवली जैन युवक मण्डल C/o श्री हंसमुखलालजी बी. शाह, ए-७- चांदीवली फार्म, साकी विहार रोड, बम्बई - ४०० ०७२ (महाराष्ट्र) फोन ८५१००९८

(४) बैंगलौर गांधीनगर (कर्नाटक)

[illegible] श्री [illegible] मुनिजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री गुजराती श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सघ, तुरखीया जैन भुवन, जेन सदन, नं. ११-४ क्रोस, जैन मदिर के पास, गांधी नगर, बैंगलौर-५६०००९ (कर्नाटक) फोन : २२६१८५८ प्रेसीडंट २२११५५५

महासतियॉजी समुदाय

(५) खंभात (गुजरात)

सौम्यमूर्ति महासती श्री सुभद्राबाई म.सा. (शा.का.) आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय जूनी मंडई, पोलीस चोकी के पास, मु.पो. खंभात जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२० फोन २१६२०

(६) साणन्द (गुजरात)

महासती श्री वसुबाई म सा. आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - श्री नानचद शातीदास स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, कापड बाजार साणन्द जिला अहमदाबाद (गुजरात) ३८२११० फोन २०८६ [illegible]

(७) अहमदाबाद - सारंगपुर (गुजरात)

महासती श्री कांताबाई म सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, [illegible] के सामने सारंगपुर, [illegible], अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

(८) अहमदाबाद-आवावाडी (गुजरात)
महासती श्री कमलाबाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, स्नेह कुज बस स्टेण्ड के पास नेहरु नगर, आवावाडी अहमदाबाद - ३८००१५ (गुजरात) फोन ४२०८५८

(९) बडोदरा-शास्त्रीपोल (गुजरात)
महासती श्री चदनबाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री छ कोटी स्थानकवासी जैन सघ, कोठी चार रास्ता, शास्त्री पोल, बडौदरा (गुजरात) फोन ५५६४१३

(१०) खेडा - (गुजरात)
महासती श्री रजनबाई म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, गाधी पोल, परादरवाजा, मु पो खेडा वाया मेहमदाबाद (गुजरात) ३८७४११
फोन ३२२५८ प्रमुख - महेन्द्रभाई भावसार

(११) दाणावाडा (गुजरात)
महासती श्री मदाकिनीबाई म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, मु पो दाणावडा (दिमसर) जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	४	कुल कुल मुनिराज	९
कुल चातुर्मास सतियो के	७	कुल सतियाँजी	३७
कुल	११	कुल	४६

कुल चातुर्मास (११) सत (९) महासतियाँजी (३७) कुल ठाणा (४६)

सत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	सत	सतियाँ	कुलठाणा
१९९३ म कुलठाणा थे	९	३७	४६
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	-	-
(-) महाप्रयाण हुऐ	-	१	१
(+) जानकारी ज्ञात नही हो सकी	-	१	१
१९९४ मे कुलठाणा है	९	३७	४६

समुदाय मे विद्यमान है आचार्य (१) सत (९) सतियाँजी (३७) कुल ठाणा (४६)
समुदाय की जैन ... -पत्रीकाऐ नही

विशेष

(१) आचार्य प्रवर श्री कातिऋषीजी म सा वयोवृद्ध होते हुऐ भी विगत १८ वर्षो से प्रति वर्ष मास खमण (३० उपवास) की उग्र तपस्या करते आ रहे है। जो सम्पूर्ण जैन समाज मे एक रिकार्ड है कि कोई आचार्य इतनी उग्र तपस्या प्रति वर्ष करते है।

(२) इस समुदाय के पूर्व मे केवल सतियाँजी ही रह गयी थी परन्तु स्व महासती श्री शारदाबाई म सा के सदुपदेशो एव समुदाय के सघ नायक की कमी की पूर्ति करने वावत सघ के पूर्व अध्यक्ष जो जाति के पटेल है उन्होने ससार त्याग कर सघ न्यायक का भार अपने ऊपर लेने हेतु सयम ग्रहण किया और वे आत्मा है वर्तमान के आचार्य श्री कातिऋषीजी म सा जिन्होने महासतीजी से प्रेरणा पाकर सघ नायक का भार स्वीकार किया और आनन्दी कर रहे है यह भी समग्र जैन समाज का एक रिकार्ड है।

(३) यह समुदाय भी श्रमण सघीय ऋषी सम्प्रदाय का समुदाय है इस लिए आचार्य प्रवर अपने नाम के आगे ऋषी ही लगाते है।

जैन विश्व रिकार्डस

सम्पूर्ण जैन समाज में दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री विद्या सागरजी महाराज एक मात्र ऐसे आचार्य है जिनके सानिध्य मे लगभग १५० वैरागी भाई बहिन साधु जीवन के अभ्यास हेतु अध्ययन शील है।
(जैन विश्व रिकार्डस डायरेक्ट्री से साभार)

श्री गोंडल संघाणी सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख संत :- शासन दीपक संघनायक चतुर्थतीर्थ उद्धारक प्रवचन प्रभावक पं.रत्न श्री नरेन्द्र मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (७) मुनिराज (१) साध्वीयॉजी (३२) कुल ठाणा (३३)

मुनिराज समुदाय

(१) गोंडल (गुजरात)
शासन दीपक संघ नायक चतुर्थ तीर्थ उद्धारक प्रवचन प्रभावक पं.रत्न श्री नरेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री सघाणी स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोष घशाला, संघाणी शेरी मु.पो., गोडल (सोराष्ट्र) जिला राजकोट (गुजरात) ३६०३११ फोन . ८४३

महासतियॉजी समुदाय

(२) गोंडल (गुजरात)
महासती श्री जयावाई म.सा.
महासती श्री विजयावाई आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक १ अनुसार

(३) निकावा (गुजरात)
महासती श्री उषावाई म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो. निकावा (सौराष्ट्र) (गुजरात)

(४) राजकोट - दिवानपुरा (गुजरात)
महासती श्री ज्योत्सनावाई म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोषध शाला, दिवान परा, राजकोट (गुजरात) ३६० ००१

(५) कालावड (शितला) (गुजरात)
महासती श्री वनितावाई म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु.पो. कालावड (शितला) जिला जामनगर (गुजरात) ३६१ १६०

(६) राजकोट-भक्तिनगर (गुजरात)
महासती श्री किरणवाई म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन पोपध शाला, भक्तिनगर, राजकोट ३६०००१ (गुजरात)

(७) राजकोट्-श्रमजीवी (गुजरात)
महासती श्री साधनावाई म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन सघ, जैन पोषध शाला, श्रमजीवी सोसायटी, राजकोट (गुजरात) ३६० ००१

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१	कुल कुल मुनिराज	१
कुल चातुर्मास सतियो के	६	कुल सतियॉजी	३२
कुल	७	कुल	३३

कुल चातुर्मास (७) संत (१) महासतियॉजी (३२) कुल ठाणा (३३)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९३ अनुसार ही नई दीक्षा-कोई नही, महाप्रयाण हुऐ - कोई नही.

श्रीमहावीरायनमः

जय आतम आनन्द | जय जैन दिवाकर | जय देवेन्द्र

श्रमण सघ के प्रथम पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री आत्माराम जी म सा की पावन भूमि पर एव आतम दीक्षा शताब्दी वर्ष मे श्रमण सघ के तृतीय पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री देवेन्द्र मुनि जी म सा के लुधियाना चातुर्मासार्थ विराजने पर

कोटिश वन्दन-अभिनन्दन

श्रमण सघ के द्वितीय पट्टधर, आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनन्द ऋषिजी म सा की प्रेरणा से १९७१ मे स्थापित जैन दिवाकर विद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर एव बालको मे चरित्र मे सहयोगी -

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

जगजीवन मुणोत — उपाध्यक्ष
हरबंसलाल जैन — सस्थापक
सुरेशचन्द्र जैन — अध्यक्ष मत्री

कमल नयन 'आजाद' — व्यवस्थापक
राजीव नाहर — व्यवस्थापक
बाबूलाल जैन — सहमत्री
सत्यपाल जैन — कोषाध्यक्ष

कार्य. सदस्यगण - शाह नेमीचन्द जैन तेजमल जैन
औकारलाल मेहता, भगवती प्रसाद नलवाया

श्री दिवाकर शिक्षा समिती (रजि.)
कोटा (राजस्थान)

श्री बरवाला सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- गच्छाधिपति, संघ नायक, विद्वदर्य, मधुरवक्ता पं.रत्न श्री सरदारमुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (६) मुनिराज (७) साध्वीयॉजी (१२) कुल ठाणा (१९)

मुनिराज समुदाय

(१) बम्बई - माटूंगा (महाराष्ट्र)
गच्छाधिपति संघनायक विद्वदर्य मधुर वक्ता पंरत्न श्री सरदार मुनिजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, तेलंग क्रोस रोड न. २ माहेश्वरी गार्डन के पास, माटूंगा (पूर्व) बम्बई - ४०० ०१९ (से.रे.) फोन ४३७२०१५

(२) अहमदनगर (महाराष्ट्र)
घोर तपस्वी श्री पारसमुनिजी म.सा. अदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक हुडको, महावीर नगर, अहमदनगर (महाराष्ट्र) ४१४००१

महासतियॉजी समुदाय

(३) खंभात (गुजरात)
महासती श्री जवेरबाई म.सा अदि (२)
महासती श्री अंगूर प्रभाबाई म.सा. अदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री भोगीलाला त्रिभुवनदास शाह, बडा कोटडी जूनी मंडई के पास, मु.पो खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(४) बरवाला (घेलाशाह) (गुजरात)
महासती श्री सुभद्राबाई म.सा. अदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] दोशी, मु.पो. बरवाला (घेलाशाह) जिला अहमदाबाद

(५) अहमदावाद (मेमनगर) (गुजरात)
महासती श्री कंचनबाई म.सा. अदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानक वासी जैन सघ, जेन उपाश्रय गुरुकुल रोड, चिनाय टावर के पास, मेमनगर, अहमदाबाद (गुजरात)

(६) धंधुका (गुजरात)
महासती श्री गीतावाई म.सा. अदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ, जेन उपाश्रय, जेन सोसायटी, वस स्टेण्ड के पास, मु.पो. धधुका, जिला अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	२	कुल कुल मुनिराज	७
कुल चातुर्मास सतियो के	४	कुल सतियॉजी	१२
कुल	६	कुल	१९

कुल चातुर्मास (६) संत (७) महासतियॉजी (१२)
कुल ठाणा (१९)

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियॉ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	६	११	१७
(+) नई दीक्षाऐ हुई	१	१	२
(-) महाप्रयाण हुए	-	-	-
१९९४ मे कुलठाणा है	७	१२	१९

विशेष - (१) समुदाय मे विद्यमान है गच्छाधिपति जैन शुभ पत्रिकाके सिद्धि की पायरी (पाक्षिक गुजराती) इस समुदाय मे आचार्य स्व. श्री चंपकमुनिजी म.सा. के महाप्रयाण के पश्चात् अभीतक किसी भी संत को आचार्य पद प्रदान नहीं किया गया है लेकिन श्री सरदारमुनिजी म.सा. को संघ का गच्छाधिपति पद प्रदान किया गया है।

20

श्री सायला सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख संत :- संघ नायक पं.रत्न वयोवृद्ध
श्री बलभद्र मुनि जी म.सा.

कुल चातुर्मास (१) मुनिराज (१) साध्वीयॉजी (१) कुल ठाणा (१)

मुनिराज समुदाय

(१) वागड़ (धोलेरा) (गुजरात)
संघ नायक, वयोवृद्ध पं.रत्न श्री बलभद्रमुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानक वासी जैन सघ, जैन उपाश्रय मु.पो. वागड वाया धोलेरा जिला अहमदावाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास (१) मुनिराज (१) कुल ठाणा (१)

विशेष :

(१) एक समय था जब इस समुदाय मे अनेको संत सतियॉ विधमान थे परतु वर्तमान मे इस मे केवल एक ही संत विधमान है ।

(२) सम्पूर्ण जैन समाज में यही एक मात्र ऐसी मान्यता प्राप्त सुप्रसिद्ध समुदाय है जिसमे सबसे कम संत सतिया केवल एक ठाणा ही विधमान है ।

(३) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण नही

(४) जैन पत्र पत्रिकाऐ नही

श्री हालारी सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख संत :- आगम आग्रही संघ प्रमुख पं.रत्न श्री केशव मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (२) साध्वीयॉजी (२) कुल ठाणा (२)

मुनिराज समुदाय

(१) राजकोट (गुजरात)
संघ प्रमुख आगम आग्रही पं.रत्न
श्री केशव मुनिजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जैन सघ,
४६, गुजरात हाउग्गिग बोर्ड सोसायटी, वीर माता महिला कालेज के सामने, कालावड रोड, राजकोट-३६०००१ (गुजरात)

महासतियॉजी समुदाय

(२) जामनगर (गुजरात)
महासती श्री कमलाबाई म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्थानकवासी जेन संघ खोडियार सोसायटी, कामदार कालोनी जामनगर (गुजरात) ३६१००१

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१	कुल कुल मुनिराज	२
कुल चातुर्मास सतियो के	१	कुल सतियॉजी	४
कुल	२	कुल	६

कुल चातुर्मास (२) संत (२) महासतियॉजी (४) कुल ठाणा (६).

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९३ अनुसार जैन पत्र पत्रिकाऐ नहीं.

श्री वर्धमान सम्प्रदाय

समुदाय के प्रमुख संत : संघ नायक मधुर वक्ता तत्वज्ञ पं.रत्न श्री निर्मल मुनिजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (१) साध्वीयॉजी (५) कुल ठाणा (६)

मुनिराज समुदाय

(१) बम्बई - डोम्बीवली (महाराष्ट्र)
संघ नायक मधुर वक्ता तत्वज्ञ पं.रत्न श्री निर्मल मुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक बैंक आफ इण्डिया सोसायटी, ब्लोक नं. १०, दीन दयाल रोड, होटल सम्राट के सामने, डोम्बीवली (वेस्ट), जिला ठाणा (महाराष्ट्र)
फोन . ४६२०७६ C/o भवानजी भाई

महासतियॉजी समुदाय

(२) बम्बई - बोरीवली - दौलतनगर (महाराष्ट्र)
महासती श्री रुक्मणीबाई म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री व.स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक रोड नं. ९, दौलत नगर, बोरीवली (पूर्व) बम्बई - ४०० ०६६ (महाराष्ट्र)
फोन . ८०५ ७२०७ के C/o केशुभाई

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१	कुल कुल मुनिराज	१
कुल चातुर्मास सतियो के	१	कुल सतियॉजी	५
कुल	२	कुल	६

कुल चातुर्मास (२) संत (१) महासतियॉजी (५) कुल ठाणा (६)

संतसती तुलनात्मक तालिका १९९३ अनुसार
नई दीक्षाऐ एवं महाप्रयाण - कोई नही
जैन पत्रिका आत्म प्रकाश
(मासिक गुजराती) सुरेन्द्रनगर

वृहद गुजरात समुदायों के अन्य संत-सतियाँजी

कुल चातुर्मास (५) मुनिराज (३) महासतियाँजी (७) कुल ठाणा (१०)

संत मुनिराज समुदाय

(१) **बंबई-मुलुण्ड चेक नाका (महाराष्ट्र)**
मधुरवक्ता श्री जितेन्द्रमुनिजी म.सा. (कच्छ) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र–श्री व स्था. जैन श्रावक सघ, जैन उपाश्रय वाघले इस्टेट सत्य संगम बिल्डिग ब्लॉक १०२, शिवाजी नगर, मुलुण्ड चेक नाका, ठाणे- ४०० ६०२ (महाराष्ट्र) फोन न. ५३२४१२० कारीआ

(२) **बालोद (मध्यप्रदेश)**
सिद्धान्तप्रेमी श्री धर्मेन्द्रमुनिजी म.सा. (खभात) आदि (१)
संपर्क सूत्र- श्री तिलोकचंदजी भोजराजजी श्री श्रीमाल मु.पो. बालोद जिला दुर्ग (मध्यप्रदेश)

महासतियाँजी समुदाय

(३) **बंबई-वसई-माणेकपुर (महाराष्ट्र)**
विदुषी महासतीश्री कोकिलाबाई म.सा. (कच्छ) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र- श्री व. स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक गुजराती स्कूल के सामने, माणेकपुर वसई रोड जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०१२०२

(४) **बंबई-मीरा रोड (महाराष्ट्र)**
विदुषी महासतीश्री गीताबाई म.सा. (कच्छ) आदि (२)
सपर्क सूत्र- श्री प्रवीणचन्द्र कामदार, सेक्टर न. ६, बिल्डिग न. डी-२ ब्लॉक न. १०१, जैन उपाश्रय के बाजू मे, शांतिनगर मीरा रोड (पूर्व) जिला ठाणे (महाराष्ट्र) ४०११०७

(५) **गुजरत मे योग्य स्थल (गुजरात)**
महासतीश्री विनोदिनीबाई म.सा. आदि

कुल चातुर्मास (५) मुनिराज (३) महासतियाँजी (७) कुल ठाणा (१०)

वृहद गुजरात सम्प्रदायों का कुल योग

कुल चातुर्मास मुनिराजा के	54	कुल मुनिराज	132
कुल चातुर्मास महासतिया के	225	कुल महासतियाँजी	100
कुल	279		1134

कुल चातुर्मास (279) मुनिराज (132) महासतियाँजी (1002) कुल ठाणा (1134)

भाग-चतुर्थ

श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

जैन विश्व रिकार्ड डायरेक्ट्री

संकलन कर्ता - संपादक - बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय एवं "गणाधिपति गुरुदेव"

श्री तुलसी के कुछ जैन विश्व रिकार्ड का विवरण

(१) सम्पूर्ण सम्प्रदाय के एकाधिकारी :-
समग्र जैन समाज की चारो समुदायो मे से किसी एक सम्प्रदाय पर आचार्य श्री तुलसी का सर्वोच्च एकाधिकार है ।

(२) संक्षिप्त नाम वाले आचार्य :
सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र आचार्य जिनका नाम सवसे छोटा है । 'आचार्य श्री तुलसी'

(३) नाम के आगे जी नही :
सम्पूर्ण जैन समाज के लगभग १६५ जैनाचार्यो मे से एक मात्र ऐसे आचार्य जिनके नाम के आगे जी नही लगता है।

(४) डी लिट की उपाधि वाले आचार्य :-
सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र आचार्य जो 'डी लिट' की उपाधि प्राप्त किये हुऐ है ।

(५) प्रथम जैन विश्व विद्यालय :
तेरापंथ का 'जैन विश्व भारती' संस्थान मान्य विश्व विद्यालय लाडनू (राजस्थान) विश्व का एक मात्र प्रथम जैन विश्व विद्यालय है ।

(६) छोटी उम्र में सर्वाधिक दीक्षा प्रदाता आचार्य :
सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र आचार्य श्री तुलसी जिन्होने केवळ २२ वर्ष की अवस्था मे आचार्य पद रहते हुए सर्वाधिक २२ दीक्षाऐं एक साथ एक ही स्थान पर प्रदान की

(७) उत्तराधिकारी को आचार्य पद प्रदान करना :
आचार्य श्री तुलसी ने सजिवित अवस्था मे अपना आचार्य का पद त्याग कर अपने उत्तराधिकारी को आचार्य पद प्रदान किया । ऐसा उत्कृष्ठ उदाहरण कही भी देखने को नही मिलता ।

(८) सर्वाधिक छोटी उम्र में आचार्य पद प्राप्त :
सम्पूर्ण जैन समाज मे एक मात्र आचार्य जिनको सर्वाधिक छोटी २२ वर्ष की वय मे आचार्य पद प्राप्त हुआ

(९) सर्वाधिक दीक्षा प्रदाता आचार्य :
वर्तमान में एक मात्र आचार्य जिन्होने अपने आचार्य पद काल में लगभग ८५० मुमुक्षुओ को दीक्षा प्रदान कर चुके है

(१०) एक साथ सर्वाधिक दीक्षा प्रदान कर्ता आचार्य :
आचार्य श्री तुलसी ने बीकानेर (राज.) मे वि.सं. १९९४ में एक ही स्थान पर सर्वाधिक ३१ दीक्षाऐं प्रदान कर चुके है ।

(११) सर्वाधिक अग्रिम चातुर्मास की घोषणा :
आचार्य श्री तुलसी ने एक साथ सर्वाधिक तीन चातुर्मासो की घोषणा की और उनको पूर्ण भी किया

नोट : सम्पूर्ण जैन समाज की विस्तृत जानकारीयाँ प्राप्त करने हेतु "जैन विश्व रिकार्डस डायरेक्ट्री - १९९४" अवश्य पढ़े। वम्बई महानगर से प्रकाशित संध्या पत्र निर्भय पथिक दिनांक २८-७-९४ मे उपर्युक्त जानकारीयाँ प्रकाशित हुई उसमे से कुछ यहाँ दी गयी है ।

श्री श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी शासन नियंता, युग प्रधान गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी एवं आचार्य प्रवर श्री महाप्रज्ञजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणीयाँ के वि.स. २०५१ (गुजराती २०५०) सन् १९९४ वर्ष के चातुर्मासिक प्रवास की सूची

कुल चातुर्मास (१३०) मुनिराज (१४७) महासतीयाँजी (५४७) कुल ठाणा (६९४)

(१) दिल्ली प्रान्त

कुल चातुर्मास (१) श्रमण (३४) श्रमणीयाँ (३३)
कुल ठाणा (६७)

(१) दिल्ली

१ विश्वशांति के अग्रदूत लोकचेतना के प्रतीक आध्यात्मिक जगत के उज्जवल नक्षत्र पुरपार्थ के प्रतीक वाक पति अणुव्रत अनुशास्ता राष्ट्रीय एकता पुरस्कर्ता शासन नियंता युग प्रधान गणाधिपति श्री तुलसी

२ प्रेक्षा प्रणेता संघ दशम् आचार्य श्री महाप्रज्ञजी म.सा. . आदि श्रमण (३४)

३ सघ महानिदेशिका महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी म.मा. आदि श्रमणी (३३)

कुल ठाणा (६७)

सम्पर्क सूत्र - आध्यातम साधना केन्द्र छतरपुर रोड, महरोली नई दिल्ली - ११० ०३०.

साधन - अणुव्रत भवन २१०, दीन दयाल मार्ग, नई दिल्ली - ११०००२ से आधात्मिक साधना केन्द्र के लिए आनेजाने हेतु संघ द्वारा बसों की व्यवस्था की गयी है जो समय पर आती है नई दिल्ली पुरानी दिल्ली बस अड्डे से महरोली की बसे [illegible] महरोली से छतरपुर रोड, [illegible] [illegible]

(२) पंजाब प्रान्त

कुल चातुर्मास (७) श्रमण (५) श्रमणीयाँ (२१)
कुल ठाणा (२६)

(२) लुधियाना (पंजाव)

मुनिश्री वच्छराजजी (लाडनू) आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा. न. ३०० चौडी सडक, लुधियाना १४१००१ (पंजाव)

साधन - दिल्ली अमृतसर मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

(३) अहमदगढ (पंजाव)

मुनिश्री कमल कुमारजी (गगाशहर) आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा C/o . मंगतराम जैन सिनेमा गली, अहमदगढ मण्डी १४००२१ (पंजाव)

(४) सुनाम (पंजाव)

साध्वी श्री सिरेकुमारजी (सरदार शहर) आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा. मु.पो. सुनाम जिला संगरूर (पंजाव) १४८०२८

(५) संगरूर (पंजाव)

साध्वी श्री कमलश्रीजी (टमकोर) आदि ([illegible])

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा [illegible] गेट, संगरूर (पंजाब) १४८००१

(६) जगराओ (पंजाव)

साध्वी श्री [illegible] ([illegible]) आदि ([illegible])

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
जगराहो जिला लुधियाना (पजाब) १४२०२६
साधन लुधियाना अम्बाला से बसो की सुविधा

(७) धूरी (पजाब)
साध्वीश्री आनन्द श्रीजी (गगाशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मालगोदाम रोड, मु पो धूरी (पजाब) १४८०२४

(८) रामपुरा फूल मडी (पजाब)
साध्वीश्री उज्जवल रेखा श्रीजी (सरदार शहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो रामपुरा फुल मण्डी (पजाब) १५११०३

(३) हरियाणा प्रान्त

कुल चातुर्मास स्थल(८) श्रमणी (३८) कुल ठाणा (३८)

(९) भिवानी (पजाब)
साध्वी श्री मोहनकुमारीजी (राजगढ) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
तेरापथ भवन, लोहड बाजार, मु पो भिवानी,
जिला हिसार (हरियाणा) १२५०२१
साधन-हिसार, रेवाडी, जीन्द, दिल्ली आदि से
बसो की व्यवस्था

(१०) जीन्द (हरियाणा)
साध्वी श्री पान कुमारीजी (सरदार शहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
श्री पीरचद जैन, हैप्पी नर्सरी स्कूल के पास,
मु पो जीन्द (हरियाणा) १२६१०२

(११) सिरसा (हरियाणा)
साध्वी श्री राजकुमारीजी (नोहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
भादरा बाजार, मु पो सिरसा (हरियाणा)
१२५०५५

(१२) हिसार (हरियाणा)
साध्वीश्री धनकुमारीजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, तेरापथ
भवन, कटरा रामलीला मु पो हिसार
(हरियाणा) १२५००१

(१३) हासी (हरियाणा)
साध्वीश्री भोलाकुमारीजी (राजलदेसर) आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री नुनियामल दिनेश कुमार जैन,
सर्राफा बाजार, मु पो हासी (हरियाणा) १२५०३३

(१४) टोहाना (हरियाणा)
साध्वी श्री भीखांजी (डूगरगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
रेल्वे रोड, मु पो टोहाना, जिला हिसार (हरियाणा)
१२६११९

(१५) नरवाना (हरियाणा)
साध्वीश्री गुलाब कुमारीजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
पतरामनगर, मु पो नरवाना,
जिला जिन्द (हरियाणा) १२६११६

(१६) कालावाली (हरियाणा)
साध्वीश्री सयमश्री जी (रतनगढ) आदि (४)
सम्पक सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
C/o श्री मोहनलालजी बसल, २५ न्यू मडी,
मु पो कालावाली १२५२०१ (हरियाणा)

(४) राजस्थान प्रान्त

कुल चातुर्मास (८५) श्रमण (८८) श्रमणी (३४०)
कुल ठाणा (४२८)

(क) जयपुर सभाग

कुल चातुमास स्थल (५) श्रमण (५) श्रमणीयाँ (१८)
कुल ठाणा (२३)

(१७) जयपुर (राजस्थान)
मुनिश्री सुमेरमलजी 'सुमन' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुन्नालालजी सुराणा, ग्रीन हाउस,
सी स्कीम, जयपुर (राज) ३०२००३
साधन - बम्बई दिल्ली अहमदाबाद खण्डवा जोधपुर
से सीधी ट्रेने

(१८) जयपुर (राजस्थान)
मुनिश्री विनय कुमारजी 'आलोक' आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री ओम प्रकाशजी जैन, के-५-बी-
आदर्शनगर, मोती डूंगरी रोड, जयपुर (राज.)
३०२००४

(१९) टमकोर (झुंझुन) (राजस्थान)

साध्वी हर्ष कुमारीजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,
मु.पो. टमकोर, जिला झुंझुन
(राजस्थान) ३३१०२६
साधन - झुंझुनु सीकर आदि से बसे उपलब्ध

(२०) फतेहपुर (राजस्थान)

साध्वीश्री कमला कुमारीजी (सरदार शहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. तेरापथी सभा,
मु.पो. फतेहपुर, जिला सीकर (राज.) ३३२३०१
साधन- सीकर झुंझुन शेखावाटी, जयपुर से बसे
उपलब्ध

(२१) जयपुर (राजस्थान)

साध्वी श्री फूलकुमारी जी (सुजानगढ) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मिलाप भवन, के.जी.बी. का रास्ता,
जोहरी बाजार, जयपुर-३०२००३ (राजस्थान)

(२२) सवाई माधोपुर-आदर्शनगर (राजस्थान)

साध्वीश्री सुधाश्रीजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
महावीर भवन, आदर्शनगर-ए, सवाई माधोपुर
(राजस्थान) ३२२०२२
साधन - बम्बई दिल्ली मेन लाईन पर रेल्वे स्टेशन है
रेल्वे स्टेशन, बजरिया से सिटी बस, तांगा गाडी
से शाहूनगर स्कूल चोराहा, उतरे वहां से आदर्शनगर
'ए' में महावीर भवन है।

(ख) जोधपुर संभाग

कुल चातुर्मास (२२) श्रमण (२५) श्रमणीया (८९)
कुल ठाणा (११४)

(२३) बोरावड (राजस्थान)

मुनिश्री [illegible] (सुजानगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. बोरावड, जिला नागोर (राज.) ३४१५०२

(२४) ईडवा (राजस्थान)

मुनिश्री नगराजजी (चूरु) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जयचंद प्रकाशचंद कोठारी,
मु.पो. ईडवा वाया डेगाना, जिला नागौर
(राजस्थान) ३४१५०३

(२५) पाली-मारवाड (राजस्थान)

मुनिश्री सागरमलजी 'श्रमण' आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. पाली-मारवाड (राज) ३०६४०१
साधन - जोधपुर, मारवाड जक्शन, अहमदाबाद,
बीकानेर से सीधी ट्रेन एव सभी जगह से बसो की
व्यवस्था

(२६) खिंवाडा (राजस्थान)

मुनिश्री रिद्ध करणजी (डूंगरगढ) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
खिवाडा जिला पाली (राजस्थान) ३०६५०२

(२७) जोधपुर-सरदारपुरा (राजस्थान)

मुनिश्री हंसराजजी (लाडनू) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
तांतेड भवन, ६वी पाल रोड, सरदारपुरा, जोधपुर-
३४२००३ (राजस्थान)

(२८) पादू (राजस्थान)

मुनिश्री जतनमलजी (लाडनू) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अमरचंद चंपालाल आंचलिया,
मु.पो. पादू, जिला नागोर (राजस्थान) ३४१०३१

(२९) जसोल (राजस्थान)

मुनिश्री संगीतकुमारजी (टमकोर) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु पो. जसोल, जिला बाडमेर (राज) ३४४०२४
साधन - बालोतरा बाडमेर सिवाना जोधपुर से बसों
का साधन

(३०) लाडनू (राजस्थान)

मुनिश्री [illegible] ([illegible]) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन विश्व भारती, मु.पो. लाडनू,
जिला नागौर (राज.) ३४१३०६

साधन - नागौर, जोधपुर, सीकर, डूगरगढ़, सरदारशहर, बीकानेर, गगानगर से सीधी बसे जाती है।

(३१) डीडवाना (राजस्थान)
साध्वीश्री रायकुमारीजी (चाडवास) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो डीडवाना, जिला नागौर (राजस्थान) ३४१३०३
साधन - जयपुर, डेगाना, मकराना, गोटन, सीकर, नागौर से बसे एव ट्रेन

(३२) राणावास (राजस्थान)
साध्वीश्री सिरेकुमारीजी (डूगरगढ़) आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो राणावास, जिला पाली (राज) ३०६५०२

(३३) अपाढ़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री पानकुमारीजी (पचपदरा) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर, तेरापथी सभा, मु पो अपाढा, जिला बाडमेर (राजस्थान) ३४४०२८

(३४) छोटी खाटू (राजस्थान)
साध्वीश्री पन्ताजी (देरासर) आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो छोटी खाटू, जिला नागौर (राजस्थान) ३४१३०२

(३५) बायतू (राजस्थान)
साध्वीश्री सोलाजी (लाडनू) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो बायतू, जिला बाडमेर (राजस्थान) ३४४०३४

(३६) लाडनू (सेवाकेन्द्र) (राजस्थान)
१ साध्वीश्री गौराजी (राजगढ)
२ साध्वीश्री भीखाजी (लाडनू) आदि (२६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, सेवाकेन्द्र, लाडनू, जिला नागौर (राज) ३४१३०६

(३७) पचपदरा (राजस्थान)
साध्वीश्री रूपाजी (लाडनू) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो पचपदरा, जिला बाडमेर (राज) ३४४०३२

(३८) सोजतरोड (राजस्थान)
साध्वीश्री पानकुमारीजी (सुजानगढ़) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो सोजत रोड, जिला पाली (राज) ३०६१०३
साधन - अहमदाबाद-दिल्ली मेन लाइनपर रेल्वे स्टेशन है।

(३९) बालोतरा (राजस्थान)
साध्वीश्री पानकुमारीजी 'प्रथम' (डूगरगढ़) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, सदर बाजार, मु पो बालोतरा, जिला बाडमेर (राज) ३४४०२२

(४०) राणी (राजस्थान)
साध्वीश्री गुणवतीजी (टमकोर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो राणी वाया फालना, जिला पाली (राज) ३०६११५
साधन - पाली, घाणेराव, फालना, सादडी, सोजत, उदयपुर से सीधी बस सेवा

(४१) जोधपुर-जाटावास (राजस्थान)
साध्वीश्री रतनश्री जी (डूगरगढ़) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, जाटावास, जोधपुर (राजस्थान) ३४२००१

(४२) कोरणा (राजस्थान)
साध्वीश्री जशवतीजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो कोरणा, जिला बाडमेर (राज)

(४३) बाडमेर (राजस्थान)
साध्वीश्री सरोजकुमारीजी (बम्बई) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा, मु पो बाडमेर (राज) ३४४००१

(४४) लाडनू-(राजस्थान)
साध्वीश्री विमल प्रज्ञाजी (बीदासर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन विश्व भारती, लाडनू, जिला नागौर (राज) ३४१३०६

(ग) उदयपुर संभाग

कुल चातुर्मास (२३) श्रमण (२८) श्रमणीया (५८)
कुल ठाणा (८६)

(४५) दौलतगढ (राजस्थान)
मुनिश्री हनुमानमलजी (सरदारशहर) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु.पो. दौलतगंज वाया आसीन्द, जिला भीलवाडा
(राजस्थान) ३११३०६

(४६) आमली (गंगापुर) (राजस्थान)
मुनिश्री वालचदजी (आसिन्द) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. तेरापंथी सभा,
मु.पो. आमली वाया गंगापुर, जिला भीलवाडा
(राज.) ३११४०५

(४७) रेलमगरा (राजस्थान)
मुनिश्री जयचंद लालजी (लाडनू) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सभा
मु.पो. रेलमगरा, जिला उदयपुर (राज.) ३१३३२९

(४८) लाम्वोड़ी (राजस्थान)
मुनिश्री शुभकरणजी (सरदारशहर) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापथी सभा
मु.पो. लाम्वोडी वाया चारभुजा, जिला राजसमद
(राज.) ३१३३३३

(४९) राजाजी का करेडा (राजस्थान)
मुनिश्री देवीलालजी (रीछेड) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापथी सभा
मु.पो. राजाजी का करेडा, जिला भीलवाडा
(राज.) ३११८०४
साधन - भीलवाडा, चितौडगढ, गंगापुर आदि से वस
का साधन उपलब्ध

(५०) कानोड (राजस्थान)
मुनिश्री विजयराजजी (सरदारशहर) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सभा
मु.पो. कानोड, जिला उदयपुर (राज.) ३१३६०४
साधन - उदयपुर, भीलवाडा, चितौडगढ से
बसे उपलब्ध

(५१) राजसमंद (राजस्थान)
मुनिश्री मोहनलालजी (आमेट) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री भिक्षु वोधिस्थल
मु.पो. राजसमद (राज.) ३१३३०६

(५२) उदयपुर (राजस्थान)
मुनिश्री गुलावचंदजी 'निमोही' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सभा
ओसवाल पँचायती नोहरे के सामने,
उदयपुर (राज.) ३१३००१

(५३) पूर (राजस्थान)
मुनिश्री मिश्रीमलजी (दोवेर) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापथी सभा,
मु.पो. पुर, जिला भीलवाडा (राजस्थान)
३११८०२

(५४) लावा सरदारगढ (राजस्थान)
मुनिश्री संजय कुमारजी आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सभा
मु.पो. लावा सरदारगढ, जिला उदयपुर (राज.)
३१३३३०

(५५) नाथद्वारा (राजस्थान)
साध्वीश्री रायकुमारीजी (राजलदेसर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापथी सभा
मु.पो. नाथद्वारा, जिला राजसमंद (राज.)
साधन - उदयपुर, कांकरोली, भीलवाडा, चितौडगढ
से सीधी वसे उपलब्ध

(५६) दिवेर (राजस्थान)
साध्वीश्री सतोकाजी (राजगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सभा
मु.पो. दिवेर, जिला उदयपुर (राजस्थान)
३१३३३१

(५७) भीलवाडा (राजस्थान)
साध्वीश्री [illegible] (मोमासर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्वर तेरापंथी सभा
मु.पो. भीलवाडा (राजस्थान) ३११००१
साधन - उदयपुर, [illegible] से [illegible] है।

(५८) उमरी (राजस्थान)
साध्वीश्री जतनकुमारीजी (प्रथम) (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो उमरी, जिला भीलवाडा (राज)

(५९) आमेट (राजस्थान)
साध्वीश्री विनयश्री जी (प्रथम) (डूगरगढ) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो आमेट स्टेशन चारभुजा रोड,
जिला राजसमद (गुजरात) ३१३३३२

(६०) आसिन्द (राजस्थान)
साध्वीश्री रतनकुमारीजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो आसीन्द, जिला भीलवाडा
(राज) ३११३०१
साधन - भीलवाडा, ब्यावर, चितौडगढ से सीधी बस सेवा

(६१) रीछेड (राजस्थान)
साध्वीश्री पानकुमारीजी (द्वितीय) (डूगरगढ) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री मगनलाल भवरलाल धीग
मु पो रीछेड वाया चारभुजा, जिला राजसमद
(राज) ३१३३३३

(६२) उदयपुर-भूपालपुरा (राज)
साध्वीश्री रामकुमारीजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - महावीर भवन, C/o श्री गणपत सिह
पोरवाल, कोर्ट चोराहा के पिछे, ४६५ भूपालपुरा,
उदयपुर (राजस्थान) ३१३००१

(६३) केलवा (राजस्थान)
साध्वीश्री लम्मीकुमारीजी (सादुलपुर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो केलवा, जिला राजसमद (राज) ३१३३३४

(६४) सायरा (राजस्थान)
साध्वीश्री दुलासाजी (गगाशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो सायरा, जिला उदयपुर (राज) ३१३७०४
साधन - उदयपुर, काकरोली नाथद्वारा से सीधी बसे

(६५) काकरोली (राजस्थान)
साध्वीश्री सुमनश्रीजी (वीदासर) आदि(४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो काकरोली, जिला राजसमद (राज)
३१३३२४
साधन - उदयपुर नाथद्वारा सादडी, पाली से ि

(६६) गोगूदा (राजस्थान)
साध्वीश्री विनयश्री जी (द्वितीय) (डूगरगढ) आदि (
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो गोगून्दा, जिला उदयपुर (राज) ३१३

(६७) देवगढ (मदारिया) (राज)
साध्वीश्री भाग्यवतीजी (वाव) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो देवगढ वाया मदारिया, जिला राज
(राज) ३१३३३१

(घ) बीकानेर संभाग

कुल चातुर्मास (३०) श्रमण (३१) श्रमणीया (१५
कुल ठाणा (१८९)

(६८) रतनगढ (राजस्थान)
मुनिश्री गणेशमलजी (गगाशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो रतनगढ, जिला चूरू (राज) ३३१

(६९) उदासर (राजस्थान)
मुनिश्री डूगरमलजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो उदासर, जिला बीकानेर (राज) ३३४

(७०) सुजानगढ (राजस्थान)
मुनिश्री दुलीचदजी 'दिनकर' आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो सुजानगढ, जिला चूरू (राजस्थान)

(७१) सरदारशहर (राजस्थान)
मुनिश्री बुद्धमलजी (निकाय प्रमुख) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो सरदार शहर, जिला चूरु (राजस्थान

(७२) घाडवास (राजस्थान)
मुनिश्री जवरीमलजी (बीदासर) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा

मु.पो. चाडवास, जिला चूरु (राज.) ३१३५०३

(७३) **हनुमानगढ (राजस्थान)**
मुनिश्री नवरत्नमलजी (भीमासर) आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु.पो. हनुमानगढ, जिला श्री गंगानगर (राज.)

(७४) **छापर (सेवाकेन्द्र) (राजस्थान)**
मुनिश्री अगरचंदजी (गादाना) आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
मु.पो. छापर (सेवा केन्द्र), जिला चूरु (राजस्थान) ३३१५०२

(७५) **भीनासर (राजस्थान)**
मुनिश्री मगनमलजी 'प्रमोद' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु.पो. भीनासर, जिला वीकानेर (राज.) ३३४४०३

(७६) **कालू (राजस्थान)**
साध्वीश्री रुपाजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
मु पो. कालू, जिला वीकानेर (राज.) ३३४६०२

(७७) **सरदारशहर (राजस्थान)**
१. साध्वीश्री गुलावाजी (भादरा) आदि (५)
२. साध्वीश्री स्वयंप्रभाजी (भादरा) आदि (४)
कुल ठाणा (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
सरदार शहर जिला - चुरु (राज.)

(७८) **भोमासर (राजस्थान)**
साध्वीश्री पिस्ताजी (उमरा) आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
मु.पो. भोमासर, जिला चूरु (राज.) ३३१८०१

(७९) **बीदासर (सेवा केन्द्र) (राज.)**
साध्वीश्री भीमाजी (डीडवाना)
साध्वीश्री धनश्रीजी (सरदारशहर) आदि २८
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
सेवा केन्द्र, मु.पो. बीदासर, जिला चूरु (राजस्थान)

(८०) **राजगढ (राजस्थान)**
साध्वीश्री [illegible] ([illegible]) आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
राजगढ, पोस्ट सादुलपुर, जिला चूरु (राज.) ३३१०२३

(८१) **श्री डूंगरगढ (राजस्थान)**
साध्वीश्री किस्तूराजी (लाडनू) आदि (२२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
सेवा केन्द्र, मु.पो. श्री डूंगरगढ, जिला चूरु (राजस्थान) ३३१६०१

(८२) **चूरु (राजस्थान)**
साध्वीश्री सुखदेवाजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो. चूरु (राजस्थान)

(८३) **नोखामंडी (राजस्थान)**
साध्वीश्री जतनकुमारी जी (राजलदेसर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु.पो. नोखामडी, जिला वीकानेर (राजस्थान) ३३४८०३

(८४) **पीलीवंगा (राजस्थान)**
साध्वीश्री रतनकुमारीजी (चूरु) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री केशरीचंद कमलेश कुमार बाठिया,
मु.पो. पीलीवंगा, जिला श्री गंगानगर (राजस्थान)

(८५) **पड़िहारा (राजस्थान)**
साध्वीश्री केशरजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
मु पो. पडिहारा. जिला चूरु (राजस्थान)

(८६) **सादूलपुर (राजस्थान)**
साध्वीश्री भीखाजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु.पो. सादूलपुर, जिला चूरु (राजस्थान) ३३१०२३

(८७) **राजलदेसर (राजस्थान)**
साध्वीश्री मोहनकुमारीजी ([illegible]) आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
सेवा केन्द्र, मु.पो. राजलदेसर, जिला चूरु (राज.) ३३१८०२

(८८) नोहर (राजस्थान)
साध्वीश्री तीजाजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो नोहर, जिला श्री गगानगर (राज)

(८९) गगाशहर (राजस्थान)
साध्वीश्री कानकुमारीजी (सरदार शहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
गगा शहर जिला बीकानेर (राजस्थान) ३३४००१

(९०) लूणकरणसर (राजस्थान)
साध्वीश्री भतूजी (लाडनू) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो लूणकरणसर, जिला बीकानेर (राज)
३३४६०३

(९१) सुजानगढ़ (राजस्थान)
साध्वीश्री मालूजी (चूरु) आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो सुजानगढ, जिला (राजस्थान)

(९२) देशनोक (राजस्थान)
साध्वीश्री अजित प्रभाजी (लावा सरदारगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो देशनोक, जिला बीकानेर (राज) ३४४८०१

(९३) श्री गगानगर (राजस्थान)
साध्वीश्री मोहनकुमारीजी (डूगरगढ) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो श्री गगानगर (राजस्थान) ३३५००१

(९४) भादरा (राजस्थान)
साध्वीश्री भाग्यवतीजी म सा (डूगरगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो भादरा, जिला श्री गगानगर (राजस्थान)
३३५५०१

(९५) जोरावरपुरा (राजस्थान)
साध्वीश्री आशावतीजी (नोखामडी) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जयचदलाल ताराचद मरोठी
मु पो जोरावरपुरा, जिला बीकानेर (राज) ३३४८०३

(९६) बीकानेर (राजस्थान)
साध्वीश्री कमलप्रभाजी (लाडनू) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
बोथरा मौहल्ला, मु पो बीकानेर (राज)
३३४००१

(च) अजमेर संभाग

कुल चातुर्मास (३) श्रमणीया (१३) कुल ठाणा (१३)

(९७) अजमेर (राजस्थान)
साध्वीश्री कचन कुमारीजी (राजनगर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री मागीलालजी जैन, महावीर कालोनी,
पुष्कर रोड, अजमेर (राजस्थान) ३०५००१,
फोन न २२८६०

(९८) टाडगढ़ (राजस्थान)
साध्वीश्री क्षमाश्रीजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री हजारीमलजी हिम्मतमलजी कोठारी
मु पो टाडगढ़, जिला अजमेर (राजस्थान)
३०५९२४

(९९) ब्यावर (राजस्थान)
साध्वीश्री मेणरयाजी (केसूर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान)

(छ) कोटा संभाग

कुल चातुर्मास (१) श्रमणी (४) कुल ठाणा (४)

(१००) कोटा (राजस्थान)
साध्वीश्री कचन कुमारीजी (लाडनू) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री शिवलालजी पन्नालालजी बोथरा,
नया कटला, रामपुरा बाजार कोटा-३२४००६
(राजस्थान)

(५) मध्य प्रदेश प्रान्त

कुल चातुर्मास (४) श्रमणी (१८) कुल ठाणा (१८)

(१०१) केसूर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री रायकुमारीजी (सुजानगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु पो केसूर वाया बामनिया, जिला धार (म प्र)
४५४५६७

(१०२) जावद (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री कंचन कुमारीजी (उदयपुर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मु.पो. जावद, जिला मन्दसौर (म.प्र.) ४५८३३०

(१०३) पेटलावद (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री सुबोधकुमारीजी (वीदासर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
मु.पो. पेटलावद (म.प्र.) ४५७७७३

(१०४) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री अशोकश्रीजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
तेरापंथ सभा भवन, १३/१-चौथमल कालोनी,
जंगमपुरा, इन्दौर-४५२००२ (म.प्र.)

(६) गुजरात प्रान्त

कुल चातुर्मास (६) श्रमण (४) श्रमणीया (३७) कुल ठाणा (४१)

(१०५) अहमदाबाद (गुजरात)
मुनिश्री राकेश कुमारजी आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
तेरापंथ भवन, पुलिस चोकी के पास, शाहीबाग,
अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००४

(१०६) उधना (सूरत) (गुजरात)
साध्वीश्री फूलकुमारीजी (लाडनूं) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री चन्द्रप्रकाशजी गणेशमलजी बाफना,
मेन रोड, मु.पो उधना, जिला (गुजरात) ३९९२१०

(१०७) गांधीधाम (गुजरात)
साध्वीश्री मानकुँवरजी (सरदारशहर) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री चंपालालजी सेठीया
C/o मे.जनता आर्ट, शोप न. २, Opp प्रेसीडेंट
होटल, गांधीधाम (कच्छ) (गुजरात) ३७०२०१

(१०८) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible]कुमारीजी (लाडनूं) आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक १०५ अनुसार

(१०९) बारडोली (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible]श्री जी (लाडनूं) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री महालक्ष्मी जनरल् स्टोर्स,
सिनेमा रोड, मु.पो. बारडोली, जिला बडौदा
(गुजरात) ३९४६०१

(११०) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री कनकश्रीजी (लाडनूं) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री रुपचंदजी सेठीया
C/o मैसर्स भारत रिविन्स, ८-१५२६ मेनरोड,
गोपीपुरा, सूरत-३९५००१(गुजरात)

(१११) बाव-(गुजरात)
साध्वीश्री यशोमतीजी (राजगढ) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री उजमचंदजी मोतीचंदजी संघवी जैन
मु पो. बाव, जिला बनासकांठा (गुजरात) ३८५५७५

(११२) रापर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री कचनप्रभाजी आदि(५)
सम्पर्क सूत्र - श्री बरदीचदजी मूलचंदजी मेहता
क्लोथ मर्चेन्ट, मु.पो. रापर-कच्छ
(गुजरात) ३७०१६५

(११३) डीसा (गुजरात)
साध्वीश्री निर्वाणश्री जी आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी शातिलालजी जेन,
सदर बाजार, मु.पो. डीसा, जिला बनासकाठा
(गुजरात)- ३८५५३५

(७) महाराष्ट्र प्रान्त

कुल चातुर्मास (४) श्रमणीया (१९) कुल ठाणा (१९)

(११४) बम्बई-घाटकोपर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री सोहनकुमारीजी (छापर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री देवीलालजी [illegible],
अणुव्रत ज्योति, जीवदया लेन, घाटकोपर (वेस्ट),
बम्बई-४०००८६ (महाराष्ट्र)

(११५) जलगांव (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री [illegible] आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] सेठिया,
मैसर्स [illegible], [illegible],
जलगांव (महाराष्ट्र) [illegible]

(११६) पूना (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री सूरजकुमारीजी (जयपुर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी मोहनलालजी जैन जरीवाला
११५५ रविवार पेठ, पूना - ४११००२ (महाराष्ट्र)

(११७) बम्बई-मरीन ड्राईव (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री चादकुमारीजी (लाडनू) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - अणुव्रत सभागार 'राजहस बिल्डीग',
अणुव्रत मार्ग, मरीनड्राईव, बम्बई - ४००००२
(महाराष्ट्र)

(८) आन्ध्रप्रदेश (प्रान्त)

कुल चातुर्मास (१) श्रमणीया (५) कुल ठाणा (५)

(११८) हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वीश्री नगीनाजी (टाडगढ) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री कन्हैयालालजी बैद, ३० सिधी
कॉलोनी, सिकदराबाद-५००००३ (ए पी)
चातुर्मास स्थल - श्री जैन श्वेताबर तेरापथी सभा
तेरापथ भवन, रामकोट एडनबाग, जैन भवन के
पास, हैदराबाद-५००००१ (आध्र प्रदेश)

(९) कर्नाटक प्रान्त

कुल चातुर्मास (३) श्रमण (६) श्रमणीया (५)
कुल ठाणा (११)

(११९) बैंगलौर (कर्नाटक)
मुनिश्री राजकरणजी (गगाशहर) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
तेरापथ भवन, आचार्य श्री तुलसी मार्ग,
गाधी नगर, बैगलौर-५६०००९ (कर्नाटक)

(१२०) हुबली (कर्नाटक)
मुनिश्री रविन्द्र कुमारजी (गोगून्दा) आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
बेलगाव गली P O हुबली (कर्नाटक) ५८००२८
साधन - बम्बई, पूना, बैगलोर, बेलगाव,
धारवाड आदि से बसे व ट्रेने उपलब्ध

(१२१) मडिया (कर्नाटक)
साध्वी श्री राजीमतीजी आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
मेन रोड, पी ओ मडिया (कर्नाटक) ५७१४०१

(१०) तामिलनाडू प्रान्त

कुल चातुर्मास (२) श्रमणीया (११) कुल ठाणा (११)

(१२२) मद्रास (तामिलनाडू)
साध्वी जतनकुमारी 'कनिष्ठा' आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
३४ मुरगापन स्ट्रीट, साऊकारपेठ,
मद्रास - ६०००७९ (तामिलनाडू)

(१२३) कोयम्बतूर (तामिलनाडू)
साध्वीश्री यशोधराजी (लाडनू) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री उत्तम क्लोथ स्टोस,
६२०१ ओपनकारा स्ट्रीट, कोयबतूर-६४१००१
(तामिलनाडू)

(११) उडीसा प्रान्त

कुल चातुर्मास (१) श्रमण (३) कुल ठाणा (३)

(१२४) कटक (उडिसा)
मुनिश्री धर्मचदजी 'पियूष' आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री कन्हैयालालजी छाजेड़,
मैसर्स जय श्री टी कपनी, नदी शाही,
चौधरी बाजार, कटक (ओरिसा)

(१२) बंगाल प्रान्त

कुल चातुर्मास (३) श्रमण (४) श्रमणीया (१०)
कुल ठाणा (१४)

(१२५) कलकत्ता (प बगाल)
मुनिश्री सुमेरमलजी (लाडनू) आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेतावर तेरापथी महासभा,
पोर्तुगीच चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता - ७००००१

(१२६) सिलीगुड्डी (प बगाल)
साध्वीश्री जयश्रीजी आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेतावर तेरापथी सभा
खेतसीदास चपालाल, महावीर भवन,
P O सीलीगुड्डी, जिला - दार्जिलिग

(१२७) सेंठीया (प बगाल)
साध्वीश्री सूरजकुमारीजी (सरदार शहर) आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री सुरजमलजी अंचालिया
मैसर्स हीरालाल रामकुमार, P.O सेंठीया,
जिला वीर भूमी-७३१२३४

(१३) विहार प्रान्त

कुल चातुर्मास (१) श्रमणीया (५) कुल ठाणा (५)

(१२८) फारविशगंज (विहार)
साध्वीश्री सोमलताजी (गगाशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
मु.पो. फारविशगंज, जिला पूर्णिया
(विहार) ८५४३१८

(१४) आसाम प्रान्त

कुल चातुर्मास (१) श्रमण (२) कुल ठाणा (२)

(१२९) नौगांव (आसाम)
मुनिश्री ताराचंदजी आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मीलापचद हीरालाल घोदावत,
पोस्ट बॉक्स नं. ३१, पी.ओ. नौगांव-७८२००१

नेपाल देश

कुल चातुर्मास (१) श्रमणीया (५) कुल ठाणा (५)

(१३०) काठमाण्डू (नेपाल)
साध्वीश्री मधुस्मिताजी (सरदारशहर) आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री हुलाशचदजी गोलेछा,
गोलेछा हाऊस (ज्ञान वहल),
पोस्ट बॉक्स नं. ३६३, काठमाडू (नेपाल)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	३५	कुल कुल मुनिराज	१४७
कुल चातुर्मास सतियो के	९५	कुल सतियॉजी	५४७
कुल	१३०	कुल	६९४

कुल चातुर्मास (१३०) संत (१४७) महासतियॉजी (५४७)
कुल ठाणा (६९४)

श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय तालिकाऐ

राजस्थान प्रान्त संभाग तालिका १९९४

क्र.स.	संभाग का नाम	चातुर्मास स्थल	श्रमण	श्रमणी	कुल	प्रतिशत
१.	जयपुर	६	५	१८	२३	५%
२.	जोधपुर	२२	२५	८९	११४	२७%
३.	उदयपुर	२३	२८	५८	८६	२०%
४.	बीकानेर	२९	३१	१५८	१८९	४४%
५.	अजमेर	३	-	१३	१३	३%
६.	कोटा	१	-	४	४	१%
	कुलयोग	८४	८९	३४०	४२९	१००%

प्रान्तवार संक्षिप्त तालिका १९९४

(भारत एवं नेपाल देश सहित)

क.स.	प्रान्त	चातुर्मास स्थल	श्रमण	श्रमणीयां	कुल ठाणा	प्रतिशत
१.	दिल्ली	१	३४	३३	६७	१०%
२.	पंजाव	७	५	२१	२६	४%
३.	हरियाणा	८	-	३८	३८	५%
४.	राजस्थान	८४	८९	३४०	४२९	६२%
५.	मध्यप्रदेश	४	-	१८	१८	३%
६.	गुजरात	९	४	३७	४१	६%
७.	महाराष्ट्र	४	-	१९	१९	३%
८.	आन्ध्रप्रदेश	१	-	५	५	०.५%
९.	कर्नाटक	३	६	५	११	१.५%
१०.	तामिलनाडू	२	-	११	१११	१.५%
११.	उडिसा	१	३	-	३	०.५%
१२.	प. वंगाल	३	४	१०	१४	२%
१३.	विहार	१	-	५	५	०.५%
१४.	आसाम	१	२	-	२	-
	योग (भारत)	१२९	१४७	५४२	६८९	९९
	नेपाल देश	१	-	५	५	०.५%
	कुल योग	१३०	१४७	५४७	६९४	१००%

संत सती तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	संत	सतियॉ	कुलठाणा
१९९३ में कुलठाणा थे	[illegible]	[illegible]	[illegible]
(+) नई दीक्षाएं हुई	[illegible]	[illegible]	[illegible]
(-) [illegible] हुऐ	[illegible]	[illegible]	[illegible]
१९९४ में कुलठाणा है	[illegible]	[illegible]	[illegible]
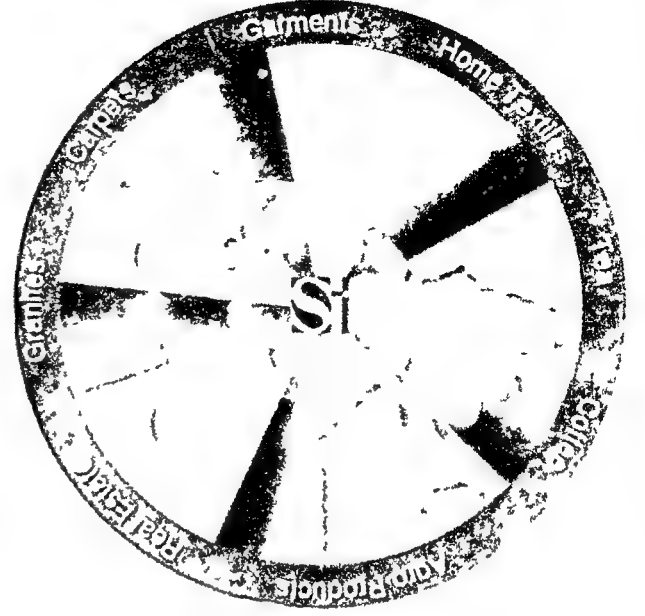
भाग-पंचम्

तपागच्छ समुदाय

अचलगच्छ समुदाय

खरतरगच्छ समुदाय

त्रिस्तुतिकगच्छ समुदाय

पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय

विमलगच्छ समुदाय

अन्य समुदाय

(१) आचार्य श्री सिद्धी सूरीश्वरजी म.सा. (बापजी महाराज) का समुदाय

(१) पालीताणा (गुजरात)
आचार्य श्री विबुधप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - रत्नत्रयी आराधना धाम, मुक्ति निलय जैन, धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा - जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(२) शरत (राजस्था)
श्री मुक्ति विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन मदिर, जेन उपाश्रय, मु.पो. शरत वाया अमलसर, जिला जालौर (राजस्थान)

(२) आचार्य श्री विजय अमृतसूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

(१) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
आचार्य श्री विजय जिनेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अर्वुजा गिरिराज उपाश्रय ट्रस्ट, महावीर मार्ग, पिपली बाजार, इन्दौर - ४५२००२ (म प्र.)

(२) रतलाम (मध्यमप्रदेश)
श्री योगेन्द्र विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दान प्रेम रायचन्द्र सूरी आराधना भवन, पोरवालो का वास, रतलाम - ४५७००१ (म.प्र.)

(३) आचार्य श्री विजय शांतिचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.का समुदाय

(१) नवसारी (गुजरात)
आचार्य श्री सोम सुन्दर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - रमणलाल छगनलाल आराधना भवन, जैन बोर्डिंग के पास, के. जी. होस्पीटल के सामने, मोटा कुंवा, सांताक्रुज़ रोड, नवसारी, जिला वलसाड (गुजरात) ३९६४४५

(२) मांडल (गुजरात)
आचार्य श्री जिनचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - [illegible], जैन मंदिर,

महासतियाँजी समुदाय

प्रवर्तिनी साध्वीजी श्री जयाश्रीजी म.सा. का परिवार

(१) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री जया श्री जी म.सा. आदि (१६)
सम्पर्क सूत्र - दशा पोरवाड सोसायटी, बगला न. १०, पालडी बस स्टेण्ड के पास, पालडी अहमदावाद (गुजरात) ३८०००७

(२) बम्बई - वालकेश्वर (गुजरात)
साध्वीश्री पुण्य प्रभा श्रीजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्रीपाल नगर, जेन उपाश्रय, ट्रस्ट पेढी, १२ जमनादास मेहता मार्ग, वालकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(३) बम्बई - वालकेश्वर (गुजरात)
साध्वीश्री धर्मलता श्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक (२) अनुसार

(४) राजकोट (गुजरात)
साध्वी श्री रत्नलताश्रीजी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - वर्धमान नगर, जेन उपाश्रय, हजुर पेलेश रोड, राजकोट - ३६०००१ (गुज.)

(५) कराड (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री मेरुकीर्ति श्रीजी म.सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री सभव नाथ स्वामी जेन मदिर पेढी, ५६ रविवार पेठ, मु पो. कराड, जिला सतारा (महाराष्ट्र) ४१५११०

(६) मालेगांव (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हस कीर्ति श्रीजी म सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - आर्यरक्षित वाला जैन उपाश्रय, तिलक रोड, मु पो. मालेगाँव, जिला नासिक (महाराष्ट्र) ४२३२०३

(७) थानगढ (गुजरात)

(८)

सम्पर्क सूत्र - सूतरीया जैन उपाश्रय छापरिया शेरी, महिदर पुरा, सूरत-३९५००३ (गुज)

(९) बम्बई - वाळकेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री तरलता श्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री केशरी चद सोमचद चोकसी, २०६, श्री वाल नगर, १२ जमनादास मेहता मार्ग, वाळकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(१०) अहमदाबाद आश्रम रोड (गुजरात)
साध्वीश्री दिव्ययशा श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिनगर जैन उपाश्रय, शाति नगर, आश्रम रोड, अहमदावाद - ३८००१३ (गुजरात)

(११) नासिक (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुलोचना श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - शाह शशीकात चपालाल, १७ चन्द्रनगर, सोसायटी, ६० फूटी रोड, गजमाल, नासिक सिटी (महाराष्ट्र) ४२२००१

(१२) कोरेगाव (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री इन्द्र प्रभाश्रीजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मूर्ति सघ, जैन मदिर, जैन उपाश्रय, मु पो कोरेगाव, जिला सतारा (महाराष्ट्र)

(१३) अहमदाबाद - कालुपुर (गुजरात)
साध्वी श्री निर्मलाश्रीजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका जैन उपाश्रय, जहाँ पनाहकी पोल, कालुपुर रोड, अहमदाबाद - ३८०००१ (गुजरात)

(१४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री यशोधनाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - महाराष्ट्र भुवन जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा जिला भावनगर, (गुजरात) ३६४२७०

(१५) डभोई (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्ण प्रभाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री सागर गच्छ जैन सघ, कल्याण ज्योति श्राविका उपाश्रय श्रीमाली वाणा, मु पो डभोई, जिला वडौदा (गुजरात) ३९११९०

(१६) खभात (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रमालाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - शाति विहार जैन उपाश्रय, जैन शाला के पास, टेकरी मु पो खभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२० (गुजरात)

(१७) बम्बई - गोरेगाव (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री जयलता श्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री विमलचन्द्र पी राठोड, प्रेमबिन्दु आपार्ट मेटस बी-४, ऐम जी रोड गोरेगाव (वेस्ट), बम्बइ - ४०० ०६२ (महाराष्ट्र)

(१८) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री दिव्य प्रज्ञा श्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री पालनगर जैन उपाश्रय, ट्रस्ट पेन, १२ जमनादास मेहता मार्ग, वालकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र) -

(१९) सोनगढ (गुजरात)
साध्वीश्री अनत कीर्ति श्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ जैन मदिर, जैन उपाश्रय, मु पो सोनगढ, जिला भावनगर (गुजरात)

(२०) अकलूज (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हेमरत्ना श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री पन्नालाल रायचद वोहरा, पो बा न ३३ मु पो अकलूज जिला सोलापुर (महाराष्ट्र) ४१३१०१

(२१) अहमदाबाद साबरमति (गुजरात)
साध्वीश्री जित मोहाश्रीजी म सा, आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - शीतल कुज, बगला न २०, रामबाग रोड, जवाहर चौक साबरमती, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००५

स्व साध्वी श्री दर्शन श्रीजी म सा का परिवार

(१) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री हसश्रीजी म सा आदि (१६)
सम्पर्क सूत्र - श्री बी के कोठारी श्राविका उपाश्रय ट्रस्ट, सुलशा अपार्टमेंटस आर आर ठक्कर मार्ग रीज रोड, वालकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६

(२) बम्बई - मुलुण्ड (महाराष्ट्र)
१ साध्वीश्री पियुष पूर्णा श्री जी म.सा.
२ साध्वीश्री भव्य प्रज्ञा श्री जी म.सा. आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री सर्वोदय पार्श्वनाथ जेन मंदिर, जेन उपाश्रय, सर्वोदय पार्श्वनगर, मेहूल रोड, मुलुण्ड (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०८० (महाराष्ट्र)

(३) नासिक सिटी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सम्यग् दर्शनाश्री जी म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुरु मंदिर जैन उपाश्रय, पगड वध लेन, दहीपूल, नासिक सिटी (महाराष्ट्र) ४२२००१

(४) बम्बई - दादर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री भव्य दर्शनाश्रीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री आतम कमल लब्धि सूरी जेन ज्ञान मंदिर, ज्ञान मदिर लेन, सदाशिव लेन, दादर (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०२८

(५) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री रंजनश्री जी म सा.
साध्वीश्री रतिप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (१३)
सम्पर्क सूत्र - डीलक्स अपार्ट मेटस, सावर फलेट के बाजू से, चन्द्र नगर, नारायण नगर रोड, पालडी, अहमदाबाद - ३८०००७ (गुजरात)

(६) बम्बई - भूलेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हेमज्योती श्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - सेठ मोतीशा लालबाग जैन उपाश्रय, २१२, पांजरापोल कम्पाउंड, माधव बाग के पास, भूलेश्वर, बम्बई - ४०० ००४ (महाराष्ट्र)

(७) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री [illegible]चन्द्राश्रीजी म सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन उपाश्रय, ट्रस्ट पेढी, [illegible] मार्ग, वालकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(८) आकोला (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री [illegible] आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - [illegible], [illegible] आकोला (महाराष्ट्र) ४४४००१

(९) पाटन (गुजरात)
साध्वीश्री त्रिलोचना श्रीजी म.सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - मोहनलाल उत्तमचंद जैन धर्मशाला, पचासरा जेन, मदिर के पास, पाटन (उ. गुजरात) ३८४२६५

(१०) पाटन (गुजरात)
साध्वीश्री ज्योतिप्रभा श्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - बारीका उपाश्रय, कोका का पाडा, गोल शेरी मे, पाटन (उत्तर गुजरात) ३८४२६५

(११) पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री नित्योदया श्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय, वखारना पाडा, पाटन (उत्तर गुजरात) ३८४२६५

(१२) खंभात (गुजरात)
साध्वीश्री भद्र पूर्णा श्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - शाति विहार उपाश्रय, चोकसी पोल टेकरी, मु पो. खंभात जिला, खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(१३) कल्याण-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री लब्धगुणा श्रीजी म.सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन आराधना भवन, जैन मदिर के सामने, बाजार पेठ, महावीर चौक, कल्याण, जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४२१३०१

(१४) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री धैर्यगुणा श्री जी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - [illegible] अपार्टमेंट, [illegible] स्टेण्ड के पास, जैन नगर, [illegible] पालडी, अहमदाबाद - ३८०००७ (गुजरात)

(१५) बम्बई - बोरीवली (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री [illegible] आदि (४)

(१६) बम्बई - विक्रोली (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री हित प्रज्ञा श्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - हरियानी विलेज जैन श्वे मूर्ति ट्रस्ट, आदिनाथ जैन मंदिर, हजारी बाग, विक्रोली (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०८३ (महाराष्ट्र)

(१७) चला-वापी (गुजरात)
साध्वीश्री रत्न शीला श्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अजीतनगर जैन उपाश्रय, दमण रोड, मु पो चला वापी - ३९६१९१
जिला वलसाड (गुजरात)

(१८) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री हेम प्रभाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - मातृ आशीष सोसायटी, जैन मंदिर, नेपियन सी रोड, वालकेश्वर,
बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(१९) अहमदावाद - नवरंगपुरा (गुजरात)
साध्वी श्री सूयमाला श्रीजी म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - अभिनन्दन अपार्ट मेंटस पोस्ट, आफिस की गली मे नवरंगपुरा,
अहमदावाद - ३८०००९ (गुजरात)

(२०) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सूर्य रेखा श्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - विमल सोसायटी, जैन उपाश्रय, ९१, वाणगगा लेन, भगवानदास इन्द्रजीत रोड, वालकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(२१) अहमदावाद - साबरमति (गुजरात)
साध्वीश्री जयरेखाश्री जी म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - मणिभद्र सोसायटी, बगला न १२, जवाहर चौक, रामबाग रोड, साबरमति,
अहमदावाद - ३८०००६ (गुजरात)

(२२) दाताराई - (राजस्थान)
साध्वीश्री निमल रेखा श्री जी म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री शीतल पार्श्वन पेढी श्राविका उपाश्रय पच महाजन मु पो दाताराइ वाया रेवदर स्टेशन आबू रोड, जिला सिरोही
(राज) ३०७५१२

(२३) बम्बई - घाटकोपर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री हर्ष पूर्णाश्रीजी म सा आदि (१६)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर पेढ़ी, नवरोजी लेन, कामागली, घाटकोपर (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०८६ (महाराष्ट्र)

(२४) खापरिया (गुजरात)
साध्वी श्री सौम्य ज्योतिश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय जैन मंदिर, मु पो खापरिया वाया खारेल जिला वलसाड (गुजरात) ३९६४३०

गच्छाधिपति श्री जी के आज्ञानुवर्ती अन्य साध्वीयाँजी

(१) अहमदावाद - पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री देवेन्द्रश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - सम्यग दर्शन आराधना भवन, अरनी अपार्ट मेंटस, ब्लोक न १, पी टी कालेज रोड, रग सागर के सामने, पालडी
अहमदावाद ३८०००७ (गुजरात)

(२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री दमयती श्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - महाराष्ट्र भुवन जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३) बलसाड (गुजरात)
साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - महावीर स्वामी जैन मंदिर, श्राविका उपाश्रय, बाजार मे बलसाड (गुजरात) ३९६००१

(४) जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री विश्व प्रभा श्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री शाति भुवन जैन उपाश्रय, आणदा बावा का चकला
जामनगर ३६१००१ (गुजरात)

सिद्धान्त महोदधि. कर्म साहित्य निष्णात स्व. आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीशरजी म.सा. का समुदाय

भाग प्रथम

शासन प्रभावक व्याख्यान वाचस्पति शासन शिरताज सकल संघ हित चिंतक संघ स्थवीर स्व. आचार्य प्रवरश्री विजय रामचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. के समुदायवर्ती साधु-साध्वीयॉ

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति : सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय महोदय सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (१२७) मुनिराज (२४७) महासतीयाजी (५००) कुल ठाणा (७४७)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) अहमदावाद-कालुपुर (गुजरात)
१ सुदीर्ध संयमी आचार्य
श्री विजय सुदर्शन सूरीश्वरजी म.सा.
२ पन्यास श्री गुणशील विजयजी म.सा. आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - श्री विजयदान सूरी ज्ञान मंदिर, टंकसाल, कालुपुर रोड, अहमदावाद-३८०००१ (गुजरात)
साधन - अहमदावाद रेल्वे स्टेशन से सिटीवस एवं आटोरिक्सा उपलब्ध

(२) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
१ वर्धमान तप प्रभावक आचार्य
श्री विजय राजतिलक सूरीश्वरजी म.सा.
२ सुविशाल गच्छाधिपति, आचार्य प्रवर
श्री विजय महोदय सूरीश्वरजी म.सा.
३ गणिवर्य श्री गुणयश विजयजी म.सा. आदि (३१)
सम्पर्क सूत्र - श्रीपाल नगर जैन देरासर उपाश्रय ट्रस्ट, श्रीपाल नगर, १२, जमनादास मेहता मार्ग, वालकेश्वर बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)
फोन : ३६२ १६८२
साधन - बस नं. १०४, १२२-६३ १२१ का अन्तिम स्टाप के पास मे श्री पालनगर है।

(३) अहमदावाद - आश्रम रोड (गुजरात)
आचार्य श्री विजय मित्रानन्द सूरीश्वरजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - गुलाब शांति आराधना भवन, जेन उपाश्रय पेढी, शांती नगर, आश्रम रोड, उस्मान पुरा, अहमदावाद-३८००१३ (गुजरात)

(४) पालीताणा (गुजरात)
आचार्य श्री विजय रवि प्रभ सूरीश्वरजी म.सा.
उपाध्याय श्री अजित विजयजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - महाराष्ट्र भुवन, जेन धर्म शाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सोराष्ट्र), जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०.
साधन - भावनगर, अहमदावाद, राजकोट, सुरेन्द्रनगर से बसे उपलब्ध

(५) सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
१ आचार्य श्री विजय नित्यानन्द सूरीश्वरजी म.सा.
२ आचार्य श्री विजय महाबल सूरीश्वरजी म.सा.
३ आचार्य श्री विजय पुण्यपाल सूरीश्वरजी म.सा.
४ श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - आराधना भवन, [illegible]

(६) बम्बई - मलाड (पूर्व) (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय त्रिलक्षण सूरीश्वरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र श्री मुनिसुव्रत स्वामी श्वे मूर्ति पूजक जैन संघ, शातिलाल लल्लूभाई जैन उपाश्रय, राजेश पार्क, के दारमल रोड मलाड (पूर्व), बम्बइ - ४०० ०९७ (महाराष्ट्र)
साधन - प रे मे बोरीवली चर्चगेट, लोकल स्ट पर मलाड रल्वे स्टेशन उतरे वहासे आटो रिक्शा द्वारा

(७) बम्बई - मुलुण्ड (वस्ट) (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय ललितशेखर सूरीश्वरजी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - सर्वोदय पार्श्वनाथ नगर, जैन मदिर, जैन उपाश्रय, नेहरु रोट, सर्वोदय पार्श्व नगर, मेहूल राड, मुलुण्ड (वेस्ट), बम्बइ - ४०० ०८०

(८) बम्बई - घाटकोपर (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय राजशेखर सूरीश्वरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मदिर पेढी, नवगेजी लेन, कामागली, घाटकोपर (वस्ट), बम्बई - ८०० ०८६ (महाराष्ट्र)

(९) बम्बई - गोरेगॉव (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय वीरशेखर सूरीश्वरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ स्वामी जैन श्व मूर्ति सघ, प्लोट न ८-अे-श्री नगर सोमायटी, महात्मा गाधी रोड, गोरेगाव (वेस्ट), बम्बइ - ४०० ०६२ (महाराष्ट्र)

(१०) मालेगॉव (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय प्रभाकर सूरीश्वरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - आर्या चन्दनबाला जैन उपाश्रय, तिलक रोड, मु पो -मालेगॉव, जिला नासिक (महाराष्ट्र) ४२३ २०३
साधन - नासिक, धुलिया, चादवड से बसे उपलब्ध

(११) कराड (महाराष्ट्र)
१ आचार्य श्री विजय जय कुजर सूरीश्वरजी म सा
२ आचार्य श्री विजय मुक्तिप्रभ सूरीश्वरजी म सा
३ गणिवय श्री श्रयास प्रभ विजयजी म सा आदि (१५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सभवनाथ जैन मदिर पेढ़ी ५६ रविवार पठ, मु पो कराड, जिला सता: (महाराष्ट्र) ४१५११०
साधन - पूना, सतारा, कोल्हापुर, सागली, गोवा आदि से सीधी बसे उपलब्ध

(१२) बम्बइ - भूलेश्वर (महाराष्ट्र)
१ आचार्य श्री विजय पूर्ण चन्द्र सूरीश्वरजी म स
२ आचार्य श्री विजय हेमभूषण सूरीश्वरजी म स आदि (११
सम्पर्क सूत्र - शेठ मोतीशा लालबाग जैन उपाश्र २१२ एल पाजरापोल कम्पाउड लालबा भूलेश्वर, बम्बई - ४०० ००४ (महाराष्ट्र)
साधन - भूलेश्वर, माधवबाग, पाजरापाल क प जैन मदिर है

(१३) बम्बइ - दादर - (महाराष्ट्र)
१ आचार्य श्री विजय चन्द्रोदय सूरीश्वरजी म सा
२ आचार्य श्री विजय कनक सूरीश्वरजी म सा
सम्पर्क सूत्र - श्री आतम कमल लब्धिसूरी ज्ञान मदिर, ज्ञान मदिर लेन, सदा शिव लेन, दादर (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०२८ (महाराष्ट्र)

(१४) सूरत (गुजरात)
१ आचार्य श्री विजय अमर गुप्त सूरीश्वरजी म सा
२ आचार्य श्री विजय चन्द्र गुप्त सूरीश्वरजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्रीमति ललिताबेन लल्लूभाई जवरी, पोषध शाळा, छापरिया शेरी, महीदरपुरा, सूरत - ३९५००३ (गुजरात)

(१५) वढवाण शहर (गुजरात)
आचार्य श्री विजय नरचन्द्र सूरीश्वरजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - सवेगी जैन उपाश्रय, मस्जिद चौक, वढवाण शहर, वाया जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३०३०

(१६) नया डीसा (गुजरात)
पन्यास श्री महायश विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - चदन सोसायटी, हाईवे रोट, मु पो नया डीसा, जिला बनासकाठा

(गुजरात) ३८५५३५

(१७) जामनगर (गुजरात)
पन्यास श्री वज्रसेन विजयजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - शांति भुवन, जैन उपाश्रय, आणन्दा बावा का चकला, मु.पो. जामनगर (सौराष्ट्र) ३६१००१ (गुजरात)

(१८) बम्बई - पायधुनी (महाराष्ट्र)
पन्यास श्री नरवाहन विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री नेमीनाथ जेन मदिर, जेन उपाश्रय, पायधुनी, बम्बई - ४०० ००३ (महा)

(१९) बम्बई - माहिम (महाराष्ट्र)
श्री पुण्योदय विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन धर्मशाला, बिल्डिग १२१ वीर सांवरकर मार्ग, माहिम, बम्बई - ४०० ०१६ (महाराष्ट्र)

(२०) अहमदावाद - नारायणपुरा (गुजरात)
श्री पुर्णानन्द विजयजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री महावीर स्वामी जेन श्वे. मूर्ति संघ, विजयनगर, नाराणपुरा, अहमदावाद-३८००१३ (गुजरात)

(२१) पाटण (गुजरात)
श्री जयध्वज विजयजी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र नगीनभाई जैन पोषध शाला, पंचासराजी के सामने, मु पो. पाटण (उत्तर गुजरात) ३८४२६५

(२२) जामनगर (गुजरात)
श्री कीर्तिकान्त विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - हालारी वीसा ओसवाल जैन उपाश्रय, ४५, दिग्विजय प्लोट, जामनगर (गुजरात) ३६१००५

(२३) आकोला (महाराष्ट्र)
श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - [illegible]
[illegible], मु पो आकोला (महाराष्ट्र) [illegible]

(२४) साणन्द (गुजरात)
सम्पर्क सूत्र - जेठा वेणा का उपाश्रय मु.पो. साणन्द जिला अहमदावाद (गुजरात) ३८२११०

(२५) भाभर (गुजरात)
श्री वारिषेण विजयजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय जैन मदिर, मु.पो. भाभर जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५३२०

(२६) डभोई (गुजरात)
श्री सिद्धांचल विजयजी म सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री माली वागा, सागर गच्छ, जैन उपाश्रय, मु पो. डभोई, जिला वडोदा (गुजरात) ३९१११०

(२७) बम्बई-बोरीवली (गुजरात)
श्री अक्षय विजयजी म सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री महावीर स्वामी जेन मंदिर, वेन हूर अपार्ट मेटस, चंदावर कर लेन, बोरीवली (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०९२ (महाराष्ट्र)

(२८) बम्बई - ठाणा (महाराष्ट्र)
श्री जिनसेन विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मंदिर, टेंबी नाका, ठाणे (वेस्ट), ४००६०१ (महाराष्ट्र)

(२९) वडोदा (गुजरात)
श्री भुवनचन्द्र विजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री कीर्तिपाल, सुन्दरलाल [illegible], पडिपाली पोल, कोलाखाडी, अहमदावाद-३९५००१ (गुजरात)

(३०) सुरत (गुजरात)
श्री तपोधन विजयजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - [illegible],
आचार्य [illegible] आराधना भवन, [illegible] गेट, सूरत (गुजरात) ३९५००१ (गुजरात)

(३१) निम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)
श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि (२)

(३२) दाताराई (राजस्थान)
श्री मल्लिषेण विजयजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातल पार्श्व जैन पेढ़ी, पच महाजन, मु पो दाताराइ वायाखेदर, स्टेशन आबूरोड, जिला, सिरोही (राजस्थान) ३०३५१२

(३३) अहमदावाद-साबरमती (गुजरात)
श्री हितप्रज्ञ विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - पुखराज रायचद आराधना भवन, सत्यनारायण सोसायटी, रामनगर रोड, साबर मती, अहमदावाद - ३८०००५ (गुजरात)

(३४) अहमदावाद - रिलिफरोड (गुजरात)
श्री जिनयश विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - आराधना भवन, पाळीया पोल, रिलिफ रोड, अहमदावाद-३८०००१ (गुजरात)

(३५) नासिक सिटी (महाराष्ट्र)
श्री जयवधन् विजयजी म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - जैन गुरु मदिर, पगडबध लेन, दहीपूल नासिक सिटी (महाराष्ट्र) ४२२००१

(३६) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
श्री चारित्र प्रभ विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन मर्चेन्ट सोसायटी, जैन उपाश्रय, सरखेज रोड, फतेह नगर, पालडी, अहमदावाद - ३८०००७ (गुजरात)

(३७) बारेजा (गुजरात)
श्री मुक्तिघन विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय मु पो बारेजा-३८२४२५ (गुजरात)

(३८) खभात (गुजरात)
श्री बोधिरत्न विजयजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - तपागच्छ अमर जैन शाला, टेकरी, आर डी श्रोफ मार्ग, मु पो खभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(३९) राजकोट (गुजरात)
श्री जय दर्शन विजयजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - वर्धमान नगर, जैन आराधना भवन, हजूर पेलेश प्लोट, राजकोट - ३६० ००१ (गुजरात)

(४०) पूना केम्प (महाराष्ट्र)
श्री कमलीत विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वासुपूज्य स्वामी जैन टेम्पल, ६५७ साचा पीर स्ट्रीट, पूना केम्प (महाराष्ट्र) ४११००१

(४१) पूना (महाराष्ट्र)
श्री भुवन रत्न विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मनमोहन पार्श्वनाथ स्वामी जैन, टेम्पल, टिम्बर मार्केट, भवानी पेठ, पूना - ४११००२ (महाराष्ट्र)

(४२) वीसनगर (गुजरात)
श्री चारित्र वधन विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, पारेख पाल, कसारा बाजार, वीसनगर (गुजरात) ३८४३१

(४३) बम्बई - वाळकेश्वर (महाराष्ट्र)
श्री जगतदर्शन विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - कोठारी रिलिजियस ट्रस्ट, जैन मदिर, जैन उपाश्रय, चदनबाला, आर डी ठक्कर मार्ग, बालकेश्वर, बम्बइ - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(४४) वापी (गुजरात)
श्री नयभद्र विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय नेहरु स्ट्रीट, मु पो वापी, (दक्षिण गुजरात) ३९६१९१

(४५) वलसाड (गुजरात)
श्री तीर्थ रत्न विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय मोटा बाजार, वलसाड (गुजरात) ३९६००१

(४६) मरीगाम - (गुजरात)
श्री मोक्षरति विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री कुथुनाथ स्वामी जैन मदिर, जैन उपाश्रय, C/o श्री दिलिपकुमार चुनीलाल शाह, पोस्ट आफिस के पास, मु पो मरीगॉव - ३९६१५५ (द गुजरात)

नोट - निम्न लिखित मुनिराजो ने भी आज्ञा प्राप्त की है

सिद्धान्त महोदधि-कर्म साहित्य निष्णात स्व. आचार्य प्रवर श्रीमद् प्रेम सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

भाग द्वितीय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति : संघ हित चिंतक सुविशाल गच्छाधिपति स्व. आचार्यप्रवर श्रीमद् विजय भुवन भानु सूरीश्वरजी म.सा. के पट्टधर संविग्न गीतार्थ सिद्धान्त दिवाकर गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयघोष सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (६३) मुनिराज (२०९) महासतीयाजी (२०१) कुल ठाणा (४१०)

साधु मुनिराज समुदाय

(१) अहमदाबाद-वासणा (गुजरात)
१. समुदाय के वडिल तपस्वी सम्राट आचार्य श्री विजय हिमांशु सूरीश्वरजी म.सा.
२. आचार्य श्री नवरत्न सूरीश्वरजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - सेफाली अपार्टमेंटस, सी-२, लावण्य सोसायटी के पिछे, वासणा, अहमदाबाद-३८०००७ (गुजरात)
साधन - अहमदाबाद रेल्वे स्टेशन से सिटी बसे आटो रिक्सा उपलब्ध

(२) बम्बई- गोरेगांव (महाराष्ट्र)
१. गच्छाधिपति, सिद्धान्त दिवाकर, आचार्य श्री विजय जयघोष सूरीश्वरजी म.सा.
२. प्रवर्तक श्री जिनरत्न विजयजी म सा.
३. पन्यास श्री जयसोम विजयजी म.सा. आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्ति, जैन उपाश्रय, ९५ जवाहर नगर, गेट न.५, गोरेगांव (वेस्ट), बम्बई-४०००६२ (महाराष्ट्र),
फोन नं ८७२१२८९
साधन - [illegible] की लोकल ट्रेन से गोरेगांव [illegible] आटो रिक्शा से [illegible] नगर, स्टेशन के [illegible]

(३) नवसारी (गुजरात)
१. आचार्य श्री विजय भद्रगुप्त सूरीश्वरजी म.सा.
२. प्रवर्तक श्री धर्मगुप्त विजयजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन पेढी मधुमति, नवसारी (गुजरात) ३९६४४५

(४) बम्बई- विलेपार्ला (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - महासुख भवन, विजया बैंक के सामने, १६-सरोजिनी नायडू रोड, विलेपार्ला (वेस्ट), बम्बई - ४०००५६ (महाराष्ट्र)

(५) बम्बई-घाटकोपर(महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय हेमचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति , जैन संघ, जैन देरासर, साईनगर, [illegible], घाटकोपर (वेस्ट), बम्बई-४०००८६ (महाराष्ट्र)
साधन - से.रे.से बम्बई वी.टी.[illegible] से लोकल ट्रेन से घाटकोपर उतरें।

(६) उदयपुर (राजस्थान)
आचार्य श्री विजय [illegible] सूरीश्वरजी म.सा. आदि [illegible]
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक [illegible],

(७) पालीताणा (गुजरात)
१ आचाय श्री विजय जयशेखर सूरीश्वरजी म सा
२ गणिवर श्री अभय शखर विजयजी म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - साण्डेराव जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०
साधन - अहमदाबाद भावनगर राजकोट आदि से सीधी ट्रेन एव बसे

(८) पिडवाडा (राजस्थान)
१ आचाय श्री विजय जगत्चन्द्र सूरीश्वरजी म सा
२ श्री निर्वाण विजयजी म सा आदि (१०)
सम्पक सूत्र - सेठ कल्याणजी सौभागचन्द जैन पढी, मु पो पिडवाडा, जिला सिरोही (राजस्थान) ३०७०२२

(९) सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
आचाय श्री विजय गुणरत्न सूरीश्वरजी म सा आदि (११)
सम्पक सूत्र - श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर, अमाझरा चौक, सुरेन्द्रनगर ३६३००१ (गुजरात)
साधन - अहमदाबाद-बम्बइ राजकोट पोरबन्दर बडौदा से सीधी ट्रेन

(१०) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
१ उपाध्याय श्री यशोभद्र विजयजी म सा
२ प्रवतक श्री योगिन्द्र विजयजी म सा
३ गणि श्री भुवन सुन्दर विजयजी म सा
४ गणिश्री गुण विजयजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति, जैन सघ, जैन उपाश्रय, ९८ गिरधरनगर, शाहीबाग, अहमदाबाद-३८०००४ (गुजरात)

(११) सूरत-(गुजरात)
१ पन्यास श्री चन्द्रशेखर विजयजी म सा
२ गणि श्री इन्द्रजीत विजयजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय देरासर, कैलाशनगर, सूरत- ३९५००२ (गुजरात)

(१२) अमलनेर (महाराष्ट्र)
१ पन्यास श्री विमलसेन विजयजी म सा
२ श्री नन्दी भूषण विजयजी म सा आदि (४)
सम्पक सूत्र - श्री शीतलनाथ जैन देरासर न्यू प्लाट, अमलनेर, जिला जलगाव (महाराष्ट्र) ४२५४०१

(१३) हुबली (कर्नाटक)
पन्यास श्री चतुर विजयजी म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - श्री शातीनाथ जैन मदिर, काचगार गल, पी ओ हुबली-कर्नाटका ५८००२८
(नोट-आचार्य श्री विजय धनपाल सूरीश्वरजी, म सा का चातुर्मास प्रारभ होने के पश्चात् कुछ ही दिनों बाद दिनाक २८-७-९४ को हुबली म महाप्रयाण हो गया)

(१४) कलोल (गुजरात)
१ श्री नन्दी घोष विजयजी म सा
२ पन्यास श्री कीर्ति रत्न विजयजी म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक पढी, जैन देरासर, मु पो कलोल, जिला अहमदाबाद (गुजरात) ३८२७२१

(१५) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
१ पन्यास श्री पदम सेन विजयजी म सा आदि (५)
सम्पक सूत्र - जैन उपाश्रय, पकज सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद - ३८०००७ (गुजरात)

(१६) राजकोट (गुजरात)
१ पन्यास श्री विद्यानद विजयजी म सा
२ गणि श्री चन्द्रजीत विजयजी म सा
३ गणि श्री निपुणचन्द्र विजयजी म सा आदि (५)
सम्पक सूत्र - जैन उपाश्रय, माडवी चौक, राजकोट-३६०००१ (गुजरात)

(१७) बम्बई-माटूगा (महाराष्ट्र)
पन्यास श्री जयतिलक विजयजी म सा आदि (५)
सम्पक सूत्र - श्री जीवण अवजी जैन उपाश्रय, अरोरा टाकीज के पास, किंग्स सर्कल, माटूगा, बम्बइ-४०००१९ (महाराष्ट्र)

(१८) पूना-खडकी-(महाराष्ट्र)
पन्यास श्री जगवल्लभ विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री प्रेमसूरीजी जैन आराधना भवन, २४ जूनाबाजार, खडकी, पूना-४११००३ (महाराष्ट्र)

(१९) मातपोर (मध्यप्रदेश)
१ श्री अश्वसेन विजयजी म.सा.
२. पन्यास श्री वीररत्न विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री प्रेमचंदजी विमलचदजी लुणावत, मु.पो मातपोर, तालूका वागली, जिला देवास (म.प्र.)

(२०) दयालशाह किल्ला(राजस्थान)
श्री गुणवर्धन विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन मदिर, मु.पो. दयालशाह किल्ला, जिला राजसमद (राजस्थान)

(२१) नवसारी-धारागिरी (गुजरात)
श्री जयचंद्र विजयजी म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - तपोवन संस्कारधाम, धारागिरी पोस्ट कबीलपोर, नवसारी-३९६४२४ (गुजरात)

(२२) बोरडी (महाराष्ट्र)
१ श्री देवसुन्दर विजयजी म सा
२. पन्यास श्री रत्नसुदर विजयजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन देरासर, मु.पो. बोरडी, स्टेशन घोलवड (महाराष्ट्र) ४०१७०१

(२३) ऊंझा (गुजरात)
१. पन्यास श्री कुलचन्द्र विजयजी म सा.
२. श्री वरबोधि विजयजी म सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन महाजन पेटी, खजूरी पोल, मोटा देरासर के पास, मु पो. ऊंझा-३८४१७० (गुजरात)

(२४) बम्बई-भायकला (महाराष्ट्र)
पन्यास श्री हेमरत्न विजयजी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - मोतीशा श्री आदिश्वर जैन देरासर ट्रस्ट, १०८ मोतीशालेन, भायखला, बम्बई-४०००२७ (महाराष्ट्र) फोन न. ८५१०५९२

(२५) राधनपुर (गुजरात)
पन्यास श्री [illegible] विजयजी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible], जैन [illegible], [illegible] (गुजरात) [illegible]

(२६) बम्बई-शान्ताक्रुझ (महाराष्ट्र)
पन्यास श्री जयसुन्दर विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री कुंथुनाथ जैन देरासर, एन्ड्रुज रोड, शान्ताक्रुझ (वेस्ट), बम्बई-४०००५४ (महाराष्ट्र)

(२७) भिवण्डी (महाराष्ट्र)
श्री. विश्वानंद विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुपार्श्वनाथ जैन मदिर नयी चाल, बाजारपेठ, मु.पो भिवण्डी, जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४२१३०२

(२८) बम्बई-सायन (महाराष्ट्र)
श्री राजपाल विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अभिनन्दन स्वामी जैन देरासर, १८७ जैन सोसायटी, होस्पीटल के पास, सायन (वेस्ट) बम्बई-४०००२२ (महाराष्ट्र)

(२९) बम्बई-मलाड (महाराष्ट्र)
गणि श्री ईन्द्रयश विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री देवकरण मूलजी जैन देरासर, आनन्द रोड, स्टेशन के सामने, मलाड (वेस्ट) बम्बई-४०००६४ (महाराष्ट्र)

(३०) अहमदावाद-वासणा (गुजरात)
गणि श्री यशोभूषण विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - आराधना भवन, नवकार फ्लेट के पास, वासणा, अहमदावाद-३८०००७(गुजरात)

(३१) बम्बई-मुलुण्ड (महाराष्ट्र)
श्री मुक्तिदर्शन विजयजी म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर, ४५ [illegible] रोड, मुलुण्ड (वेस्ट), बम्बई-४०००८० (महाराष्ट्र)

(३२) बम्बई-मलाड (महाराष्ट्र)
श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन [illegible], [illegible], [illegible] के पास, [illegible], बम्बई-[illegible] (महाराष्ट्र)

(३३) घोड़नदी (महाराष्ट्र)

सम्पर्क सूत्र - श्री गोडी पार्श्वनाथ जैन मंदिर, मेन बाजार, मु पो घाट्नदी, जिला पूना (महाराष्ट्र) ४१२२१०

(३४) बम्बई-वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
श्री अक्षयबोधि विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री बाबू अमीचद पन्नालाल, जैन देरासर, रीझ रोड, तीनबत्ती के पास, वालकेश्वर, बम्बई-४००००६ (महाराष्ट्र) फोन ३६२८७२७

(३५) बम्बई-वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
श्री नेत्रानद विजयजी म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - श्री सुपार्श्वनाथ जैन उपाश्रय, इन्द्र भुवन, जैन मंदिर के पास, निचे, १०१ वालकेश्वर, बम्बई-४००००६ (महाराष्ट्र)

(३६) बम्बई-बोरीवली (महाराष्ट्र)
श्री मुक्तिवल्लभ विजयजी म सा आदि (८)
सम्पक सूत्र - श्री शखेश्वर पार्श्वनाथ जैन देरासर, दौलतनगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बइ-४०००६६(महाराष्ट्र)

(३७) इस्लामपुर (महाराष्ट्र) -
श्री कीतिदर्शन विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मूति सघ, गाधी चौक, मु पा इस्लामपुर, जिला सागली (महाराष्ट्र) ४१५४०९

(३८) नयाडीसा (गुजरात)
श्री मेघदर्शन विजयजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र -श्री जैन देरासर, उपाश्रय, रिसाला बाजार, नयाडीसा (महाराष्ट्र) ३८५५३५ (गुजरात)

(३९) सूरत (गुजरात)
श्री जिनसुन्दर विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री ॐकार सूरी आराधना भवन, गोपीपुरा, सुभाष चौक, सूरत-३९५००१ (गुजरात)

(४०) अमीयापुर (गुजरात)
श्री हसकीर्ति विजयजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - तपोवन सस्कार पीठ, मु अमीयापुर, पोस्ट सुघड वाया चादखेडा, जिला गाधीनगर (गुजरात) ३८२४२४

(४१) बम्बई-दादर (महाराष्ट्र)
श्री धर्मरक्षित विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - आराधना भवन, २८४ एस के बाल मार्ग, दादर (वेस्ट), बम्बई-४०००२८ (महाराष्ट्र)

(४२) बम्बई-विलेपार्ला (महाराष्ट्र)
श्री सयमबोधि विजयजी म सा (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री चितामणि पार्श्वनाथ जैन, दरासर ४५ एम जी रोड विलेपार्ला (पूर्व) बम्बई-४०००५७ (महाराष्ट्र)

(४३) बम्बई-इर्ला-(महाराष्ट्र)
श्री हेमदर्शन विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री करमचद जैन पोषध शाला, १०६ एस वी रोड , ईर्ला ब्रिज, बम्बई-४०००५६ (महाराष्ट्र),

(४४) अहमदाबाद (गुजरात)
श्री भद्रेश्वर विजयजी म सा -आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री पगथिया उपाश्रय, रिलिफ रोड, हाजा पटेल की पोल, अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

प्रशान्त मूर्ति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म सा के आज्ञानुवर्ती साध्वीयाँजी

(१) खभात (गुजरात)
१ प्रवर्तिनी साध्वीश्री इन्द्रश्रीजी म सा
२ साध्वीश्री स्वय प्रभाश्रीजी म सा आदि (२०)
सम्पर्क सूत्र - रजन विहार, कन्याशाला का उपाश्रय, माणेक चौक के सामने, मु पो खभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विनय प्रभाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - अरिसा भवन, तलेटीरोड, पालीताणा, जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री यशोधना श्री जी म सा आदि (५)
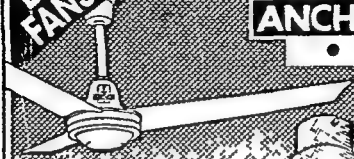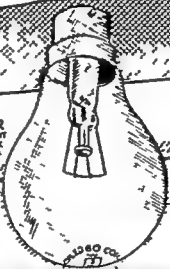
गच्छाधिपति श्री जी की आज्ञानुवर्ती एवं साध्वीश्री रोहिता श्री जी म.सा. का परिवार

(१) **पीडंवाडा (राजस्थान)**
प्रवर्तिनी साध्वी श्री खांती श्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - मगल घर जैन उपाश्रय, मु पो. पीडवाडा स्टेशन सिरोही रोड, जिला सिरोही (राजस्थान) ३०७०२२

(२) **पाटण (गुजरात)**
साध्वी श्री हर्षित प्रज्ञाश्रीजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - रुक्मणीबेन श्राविका पोपध शाला, बी ऐम हाईस्कूल के सामने, पाटण (उत्तर गुजरात) ३८४२६५

(३) **सुरेन्द्र नगर (गुजरात)**
साध्वी श्री लक्षित प्रज्ञा श्री जी म सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय ४- विठ्ठल प्रेस रोड, सेनेटेरियम, सुरेन्द्र नगर (गुजरात) ३६३००१

(४) **सावरकुंडला (गुजरात)**
साध्वी श्री सूर्यप्रज्ञाश्री जी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री धर्मदास शाती दास पेढी देरासर रोड, सावंर कुंडला (सोराष्ट्र) (गुजरात) ३६४५१५

(५) **लिम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)**
साध्वी श्री विश्व प्रज्ञा श्री जी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय, सेठ आणन्दजी कल्याणजी पेटी, मु.पो. लिम्बडी (सौराष्ट्र) जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३४२१

(६) **धंधुका (गुजरात)**
साध्वीश्री शीलरत्ना श्री जी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञान-मंदिर उपाश्रय, मु.पो. धंधुका, जिला अहमदाबाद (गुजरात)

(७) **बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)**
साध्वी श्री [illegible] श्री जी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन उपाश्रय, [illegible] [illegible] वालकेश्वर, बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)
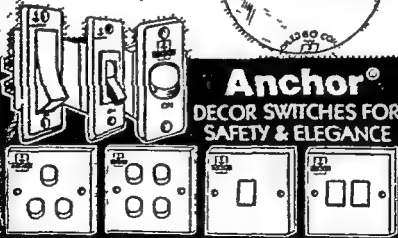
(८) **बम्बई - मलाड (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री निवेदरत्नाश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - रत्नपुरी श्राविका जैन उपाश्रय, गौशाला लेन, दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई - ४०० ०९७ (महाराष्ट्र)

कच्छ वागड़ देशोध्दारक स्व. आचार्य प्रवर श्री विजय कनक सूरीश्वरजी म.सा. के समुदाय एवं वर्तमान मे गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती साध्वीयॉजी

(१) **अहमदावाद-आम्बावाडी (गुजरात)**
प्रवर्तिनी साध्वी श्री हेमश्रीजी म.सा आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पूंजालाल सुखलाल शाह, ४०२, आराध्य फलेटस, श्रेयास क्रोसिंग के पास, आम्बावाडी, अहमदावाद (गुजरात) ३८००२५

(२) **अहमदावाद (गुजरात)**
साध्वीश्री अरुण श्रीजी म सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर वाला खाचा, माडवी पोल, हरकिशन दास सेठ की पोल, श्राविका उपाश्रय, अहमदावाद (गुजरात) ३८०००१

(३) **अहमदावाद - कालुपुर (गुजरात)**
साध्वी श्री अरविन्दा श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय, [illegible] की पोल, जैन देरासर के बाजू मे, कालुपुर रोड, अहमदावाद - ३८०००१ (गुजरात)

(४) **अहमदावाद - पालडी (गुजरात)**
साध्वी श्री अमितगुणा श्री जी म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका [illegible], [illegible], [illegible] कालेज रोड, [illegible], पालडी, अहमदावाद (गुजरात) ३८०००[illegible]

(५) **अहमदावाद - [illegible] (गुजरात)**
साध्वी श्री [illegible] श्री जी म सा

सम्पर्क सूत्र - साण्डेराव जिनेन्द्र भवन, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(४) खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री वसंत प्रभाश्री जी म.सा. आदि (२०)
सम्पर्क सूत्र - चपावेन जैन उपाश्रय, खारवाडो, मु.पो. खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(५) पिंडवाडा (राजस्थान)
साध्वी श्री रोहिता श्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - जैन धर्मशाला, मु.पो. पिण्डवाडा स्टेशन सिरोही रोड, जिला सिरोही (राजस्थान)

(६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री हितसेनाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - वुद्धि रुद्धि भुवन, रुम नं. १४, वाली भुवन के पिछे, तलेटी रोट, पालीताणा- (सोराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(७) अहमदावाद-सावरमति (गुजरात)
साध्वी श्री महानन्दाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - सत्यनारायण सोसायटी, शिमला बंगलो, पूनम फलेट न.१, सावरमति, अहमदावाद- (गुजरात) ३८०००५

(८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री दिव्य ज्योतिश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - साण्डेराव भुवन, तलेटी रोड, पाली ताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(९) बम्बई-गोरेगांव (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री विमल प्रभाश्री जी म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - जैन आंयविल भवन, ९५ जवाहर नगर, रोड नं.५, गोरेगांव (वेस्ट), बम्बई-४०००६२ (महाराष्ट्र)

(१०) अमलनेर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री भाग्योदया श्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री शीतलनाथ जैन संस्थान, [illegible] पोट अमलनेर, जिला जलगाव (महाराष्ट्र) ४२५४०१

(११) अहमदावाद-वासणा (गुजरात)
साध्वी श्री [illegible]श्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री रोहिणाश्री जी स्वाध्याय मंदिर, अंजली फलेटस, उत्तम नगर सोसायटी, वासणा, अहमदावाद-३८०००७ (गुजरात)

(१२) अहमदावाद-वासणा (गुजरात)
१. साध्वी श्री हर्ष पूर्णाश्री जी म.सा. आदि (७)
२. साध्वी श्री कीर्तिपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री रोहिणाश्री जी स्वाध्याय मंदिर, उत्तमनगर सोसायटी, अंजली फलेटस, वासणा, अहमदावाद (गुजरात) ३८०००७

(१३) बम्बई-घाटकोपर-संघाणी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री अनंत कीर्ति श्री जी म सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्राविका उपाश्रय, साईनाथ नगर, न्यू तारा अपार्टमेंटस, घाटकोपर सघाणी, बम्बई-४०००८६ (महाराष्ट्र)

(१४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री शुभदर्शनाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - महाराष्ट्र भुवन तलेटी रोड, पालीताणा (सोराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(१५) बम्बई-मलाड (पूर्व) (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री राजरत्नाश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री हीरसूरी जेन उपाश्रय, देना बैंक के पास, दफतरी रोड, मलाड (पूर्व), बम्बई-४०००९७ (महाराष्ट्र)

(१६) पालीताणा (सौराष्ट्र)
साध्वी श्री मुक्तिरत्नाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - महाराष्ट्र भुवन, तलेटी रोड पालीताणा (सौराष्ट्र) गुजरात ३६४२७०

मेवाड़ देशोद्धारक आचार्य श्री विजय जितेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती साध्वी समुदाय

(१) उदयपुर (राजस्थान)
साध्वी श्री [illegible]श्री जी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन [illegible], [illegible] स्ट्रीट, उदयपुर-३१३००१ (राजस्थान)

(२) सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
साध्वी श्री [illegible] जी म.सा. आदि ([illegible])

अहमदाबाद-३८०००१(गुजरात)

(९) सिरोही (राजस्थान)
उपाध्याय श्री विनोद विजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन वीसी, सुतारवाडा,
मु पो सिरोही (राजस्थान) ३०७००१

(१०) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
पन्यास श्री अजीत चन्द्र विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री लक्ष्मीवर्धक जैन उपाश्रय,
पालडी अहमदाबाद-३८०००७

(११) अहमदाबाद-दिल्ली दरवाजा (गुजरात)
पन्यास श्री श्रेयासचन्द्र विजयजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, हट्ठीभाई की वाडी,
दिल्ली दरवाजा,
अहमदाबाद-३८०००२ (गुजरात)

(१२) उमेदाबाद (राजस्थान)
पन्यास श्री कुन्दकुन्द विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, जैन मदिर,
मु पो उमेदाबाद (गोल), जिला जालौर
(राजस्थान)३४३०२१,
फोन न (एस टी डी ०२९७३) ५५४२

(१३) पालनपुर (राजस्थान)
पन्यास श्री शीलचन्द्र विजयजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय, गट्ठामण
दरवाजा, मु पो पालनपुर, जिला बनासकाठा
(गुजरात) ३८५००१

(१४) ऊना (गुजरात)
पन्यास श्री दानविजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वासाचौक जैन उपाश्रय
मु पो ऊना, जिला जूनागढ (गुजरात)

(१५) महुवा बदर (गुजरात)
पन्यास श्री भद्रसेन विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, मु पो महुवा बन्दर,
जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२९०

(१६) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
१ पन्यास श्री भानतुग विजयजी म सा
२ पन्यास श्री इन्द्रसेन विजयजी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, रामनगर,
साबरमती, अहमदाबाद ३८०००५ (गुजरात)

(१७) सिहोर (गुजरात)
१ पन्यास श्री सिद्धसेन विजयजी म सा
२ पन्यास श्री धर्मध्वज विजयजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कसारा बाजार जैन उपाश्रय,
मु पो सिहोर, जिला भावनगर
(गुजरात) ३६४२४०

(१८) तलाजा (गुजरात)
पन्यास श्री पुन्डरीक विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - बाबूजी की धर्मशाला, मु पो तला
(सौराष्ट्र) ३६४१४०

(१९) बाकानेर (गुजरात)
पन्यास श्री हीकार चन्द्र विजयजी म सा आदि (१
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, मु पो बाकानेर
(सौराष्ट्र) ३६३६२१

(२०) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
पन्यास श्री सिहसेन विजयजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - सत्यनारायण सोसायटी श्री शखेश्वर
पार्श्वनाथ जैन देरासर के बाजू मे
नूतन जैन उपाश्रय, साबरमती,
अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००५

(२१) बम्बई-कादिवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
पन्यास श्री प्रभाकर विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री कादिवली चारकोप जैन श्वे मू
सघ, सेक्टर न १, अरिहत को ओ हा सोसायटी
पोलीस स्टेशन के पास, सह्याद्रिनगर के साम
चारकोप, कादिवली (वेस्ट),
बम्बई-४०००६७ (महाराष्ट्र)

(२२) भावनगर (गुजरात)
पन्यास श्री सोमचन्द्र विजयजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - नूतन जैन उपाश्रय, दाणापीठ के पिछ
नानभाशेरी, भावनगर-३६४००१(गुजरात)

(२३) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
पन्यास श्री रत्न प्रभ विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - वीतराग सोसायटी, प्रभूदास ठक्कर रोड,

पालडी-अहमदावाद ३८०००७ (गुजरात)

(२४) अहमदाबाद-रिलिफ रोड (गुजरात)
प्रवर्तक श्री निरंजन विजयजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री खांति निरंजन, उत्तम ज्ञान मंदिर, शेखपाडा रिलिफरोड,
अहमदावाद-३८०००१ (गुजरात)

(२५) बम्बई-जुहु स्कीम (महाराष्ट्र)
श्री वाचरपति विजयजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - मेघदूत १/८, रोड नं.५, जुहु स्कीम, विलेपार्ले (वेस्ट), बम्बई-४०००५६ (महा.)

(२६) पूना केम्प (महाराष्ट्र)
श्री सूर्यसेन विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - राजस्थानभवन, ४१७/२ कोठारी मार्ग, भोपला चौक, पूना केम्प (महाराष्ट्र) ४११००१

(२७) भावनगर (गुजरात)
श्री राजचन्द्र विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जेन उपाश्रय, शास्त्री नगर, वरतेज रोड, भावनगर (गुजरात) ३६४००१

(२८) पाली-मारवाड (राजस्थान)
श्री प्रमोद विजयजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्वे. मूर्ति संघ
जैन देव की पेढी, गुजराती कटला,
पाली-मारवाड (राजस्थान) ३०६४०१

(२९) अहमदाबाद-मणीनगर (गुजरात)
श्री प्रकाशचन्द्र विजयजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, मणीनगर, अहमदावाद

२९-ए खंभात (गुजरात)
श्री भुवन हर्ष विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री स्तंभ तीर्थ तपागच्छ जैन संघ,
लाडवाडा खंभात जिला खेडा

साध्वीजीयॉजी समुदाय

(३०) भावनगर (गुजराती)
साध्वी श्री [illegible]श्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - [illegible]श्रीजी का उपाश्रय, [illegible]
वाजार, भावनगर-३६४००१ (गुजरात)

(३१) खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री पुण्याश्रीजी म.सा. आदि (१५)
सम्पर्क सूत्र - चंपाप्रभाश्री जी ज्ञानशाला, चोकसीपोल, खभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(३२) अहमदाबाद - सावरमती (गुजरात)
साध्वी श्री सरस्वतीश्री जी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - चिंतामणी सोसायटी, हाईवेरोड, सुशीलावेन चिमनलाल पोषधशाला, सावरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजराती)

(३३) अहमदाबाद-सावरमती (गुजरात)
साध्वी श्री प्रवीणाश्री जी म.सा. आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - संघ का उपाश्रय, देकावाडा विल्डिंग के सामने रामनगर, सावरमती, अहमदावाद (गुजरात)

(३४) खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री सुशीलाश्री जी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय, नयपल्लव जैन देगसर, वोर पीपलो, खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(३५) खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री रविन्द्र प्रभाश्रीजी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - भमपोल जैन उपाश्रय, खारवाडो, मु.पो. खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(३६) खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री देवभद्राश्री जी म.सा. आदि --
सम्पर्क सूत्र - बहिनो का जैन उपाश्रय, [illegible] की पोल, पत्थर की हवेली, खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(३७) खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री धर्मेन्द्राश्री जी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - [illegible] जैन उपाश्रय, [illegible],
खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(३८) अहमदाबाद-सावरमती (गुजरात)
[illegible]
[illegible]

(७०) अहमदाबाद-जवेरवाड (गुजरात)
साध्वी श्री भव्य प्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय
आवली पोल, जवेरवाड, अहमदाबाद
(गुजरात) ३८०००१

(७१) वेलूर (तामिलनाडु)
साध्वी श्री कांतगुणाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ
श्री संभवनाथ जैन मंदिर, धर्मशाला नं १२,
बी एस कोयला स्ट्रीट,
पी ओ वेलूर (तामिलनाडु)

(७२) पालनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री अभय प्रज्ञाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री खरतर गच्छ जैन उपाश्रय,
हनुमान शेरी के सामने, पालनपुर (गुजरात)
३८५००१

(७३) वडाली (गुजरात)
साध्वी श्री विनित यशाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्राविक उपाश्रय
गणेश चौक, मेन रोड, मु पो वडाली वाया ईडर,
जिला साबरकांठा (गुजरात) ३८३२३५

(७४) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वी श्री सुलसाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय, अर्बुदागिरि सोसायटी,
जैन देरासर के पास, साबरमती अहमदाबाद-
३८०००५ (गुजरात)

(७५) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री जयप्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - तरुणनगर सोसायटी, सुभाष चौक के
पास, वृन्दावन सोसायटी के सामने, गुरुकुल रोड,
अहमदाबाद (गुजरात)

(७६) वांकानेर (गुजरात)
साध्वी श्री तत्वयशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय
देराशेरी, वांकानेर-(गुजरात) ३६३६२१

(७७) अहमदाबाद सैजपुर (बोघा) (गुजरात)
साध्वी श्री सुवर्णप्रभाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - कृष्णनगर नयननगर, बंगला नं ३६१,
मु पो सैजपुर (बोघा), अहमदाबाद (गुजरात)

(७८) गोधरा (गुजरात)
साध्वी श्री मतिसेनाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिनाथ जैन पेढी, शांतिनगर,
श्राविका जैन उपाश्रय गोधरा, जिला पंचमहाल
(गुजरात) ३८९००१

(७९) अमरोली (गुजरात)
साध्वी श्री शुद्धयशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री वासूपूज्य स्वामी जैन देरासर,
मु पो अमरोली, तालूका चौर्यासी,
जिला सूरत (गुजरात)

(८०) गारियाधार (गुजरात)
साध्वी श्री समयशाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्राविका उपाश्रय,
मु पो गारियाधार (गुजरात)

(८१) जूनागढ़ (गुजरात)
साध्वी श्री उदयशाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - बाबू धर्मशाला, ऊपरकोट,
जगमाल चौक, देवचंद लक्ष्मीचंद पेढी,
जूनागढ (गुजरात)

(८२) मातर (खेडा) (गुजरात)
साध्वी श्री राजयशाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री साचादेव जैन देरासर पेढी,
मु पो मातर, जिला खेडा (गुजरात)

(८३) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री चारयशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय वल्लभनगर,
मु पो इन्दौर (म प्र) ४५२००२

(८४) मोरवी (गुजरात)
साध्वी श्री अनुयशाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय
दरबार गढ के पास, मु पो मोरवी,

जिला राजकोट (गुजरात)

(८५) सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका आराधना भवन, चंदेर रोड, अणजण पाटीया जैन मदिर के बाजू में, सूरत - ३९५००९ (गुजरात)

(८६) बडौदा (गुजरात)
साध्वी श्री मजुलयशाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - पवीणा पोषधशाला, नेमीसूरी मार्ग, प्रतापनगर, गंगोत्री अपार्टमेंट के सामने, बडौदा - (गुजरात)

(८७) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री विद्युत कलाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - महिला उपाश्रय
मांडवी पोल, काका वलीया पोल, जैन देरासर के पास, अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

(८८) बिलीमोरा (गुजरात)
साध्वी श्री विजयाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय
मोटा देरासर के पास, बिलीमोरा, जिला वलसाड (गुजरात) ३९६३२१

(८९) पूना केम्प (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री नयपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - राजस्थान भवन, भोपला चौक, ४१७ केदारी मार्ग, पूना केम्प (महाराष्ट्र) ४११००१

(९०) बम्बई-जुहुस्कीम (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री रविन्द्र प्रभाश्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक २५ अनुसार

(९१) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुयशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - प्रवीण पोषधशाला, शान्ती छांचो, [illegible] जी पोल,
अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

(९२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चारुप्रज्ञाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्रमणी विहार, शत्रुंजय होस्पीटल के पिछे, पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(९३) बम्बई-विलेपार्ला (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री दक्षयशाश्री जी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - कला कांति भुवन, सेन एन्ड्रुझ रोड, नाणावटी देरासर, विलेपार्ला (वेस्ट), बम्बई-४०००५६ (गुजरात)

(९४) बम्बई-मालाड (महाराष्ट्र)
साध्वी मयणयशाश्री जी म सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री देवकरण मूलजी जैन देरासर, आनंद रोड, स्टेशन के सामने, मलाड (वेस्ट) बम्बई-४०००६४ (महाराष्ट्र)

छपते छपते

निम्न लिखित आचार्यो साधु-साध्वीयों के चातुर्मासो के बारे मे कोई जानकारिया ज्ञात नही हो सकी फिर भी पाठको की जानकारी हेतु उनके नाम यहा प्रस्तुत किये जा रहा है।

(९५) गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)
(क) आचार्य श्री विजय प्रियंकर सूरीश्वरजी म.सा. आदि
(ख) आचार्य श्री विजय जयचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि
(ग) आचार्य श्री विजय किर्ती सूरीश्वरजी म.सा. आदि

(९६) बम्बई-मीरारोड (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरीश्वरजी म.सा. आदि

(९७) गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)
पन्यास श्री स्थूलभद्र विजयजी म.सा. आदि
श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि
श्री रत्नाकर विजयजी म.सा. आदि

कुल चातुर्मास मुनिराज के	३०	कुल कुल मुनिराज	१९०
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	६८	कुल साध्वीयाँ	३११
कुल	९८	कुल	५०१

कुल चातुर्मास (९८) सत (१९०) साध्वीयॉजी (३११)-
कुल ठाणा (५८१)

विशेप

(१) इस समुदाय की पूरी सूची चातुर्मास प्रारभ होने के २० दिन पश्चात प्राप्त हुई फिर भी इसे यथा स्थान एव क्रमाक में देने की पूरी कोशिश की गयी है।

(२) इस वर्ष इस समुदाय की सूची व्यवसास्थित, ठाणाओ की सखयाओ के साथ प्राप्त हुई।

(३) इस समुदाय के लगभग ४०-५० साधु-साहवीयो के चातुर्मास की जानकारीया ज्ञात नही हो सकी अत उनका केवल नाम ही दिया गया है।

(४) नई दीक्षा एव महाप्रयाण की सूची प्राप्त नही हाने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नही क्र सके।

(५) इस समुदाय के सघनायक गच्छाधिपति आचार्यश्री विजय मेरुप्रभसूरीश्वरजी म सा का २०-६-९४ को अहमदाबाद म महाप्रयाण हो जाने के पश्चात् अब समुदायों में प्रमुख सघ नायक का भार आचार्य प्रवर श्री विजय देव सूरीश्वरजी म सा के पास आ गया है अत उनका नाम सघ नायक के रुपमें दिया गया है। गच्छाधिपति पद के समाचार ज्ञात नहीं हो सके।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्याम	गणि	प्रवतिनी	मुनिराज	साध्वीयाॅ	कुल ठाणा
-	१३	२१	१	२	-	१५२	३११	५८१

आगम सम्राट आगमोद्धारक आचार्य प्रवर श्री सागरानन्द सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमानमे समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :
सुविशाल गच्छाधिपति जिन शासन शणगार आचार्य प्रवर श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (१६८) मुनिराज (१११) महासतीयाजी (६९०) कुल ठाणा (८०१)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) सूरत-गोपीपुरा (गुजरात)
१. सुविशाल गच्छाधिपति, जिनशासन शणगार आचार्य श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वरजी म.सा.
२. श्री जयभद्रसागरजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जेन संघ
नेमुभाई की वाडी, जूनी अदालत के पास, गोपीपुरा, सूरत-३९५००१ (गुजरात)
साधन - बम्बई-दिल्ली मेन लाईन पर रेल्वे स्टेशन है सभी गाडीया ठहरती हे रेल्वे स्टेशन मे आटोरिक्सा द्वारा गोपीपुरा उतरे

(२) पालीताणा (गुजरात)
आचार्य श्री नरेन्द्र सागर सूरीश्वरजी म.सा.
प्रवर्तक श्री मुनिन्द्र सागरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री हंस सागर सूरी ज्ञान मंदिर,
गिरिराज सोसायटी, तलेटी रोड, कच्छी भवन के पास, मु.पो. पालीताणा, जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(३) पूना-कात्रज (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री दौलतसागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान आगम मंदिर, सतोरी नगर, सर्वे नं. [illegible], कात्रज, पूना-(महाराष्ट्र)

(४) उदयपुर (राजस्थान)
१. आचार्य श्री यशोभद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा.
[illegible]
[illegible]
थोलकी वाडी, अलका होटल रोड,
उदयपुर-३१३००१(राजस्थान)

(५) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
आचार्य श्री कनकचन्द्र सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री घन्नालालजी पन्नालालजी चोरडिया,
१९७ एम.टी.क्लोथ मार्केट,
इन्दोर-४५२००२ (म.प्र)

(६) अहमदावाद (गुजरात)
आचार्य श्री जितेन्द्र सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जेन उपाश्रय, गामलानी पोल,
अहमदावाद (गुजरात) ३८०००१

(७) कपडवंज (गुजरात)
आचार्य श्री प्रमोद सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मीठाभाई गुलाबचन्द्र जेन उपाश्रय
दलालवाडा, मु.पो. कपडवंज (गुजरात) [illegible]

(८) वडोदा (गुजरात)
आचार्य श्री लाभसागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जेन उपाश्रय
[illegible]

(९) बम्बई-पायधुनी (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री नन्दी वर्धन सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)
[illegible]

(१०) जामनगर (गुजरात)
१ आचार्य श्री नवरत्न सागर सूरीश्वरजी म सा
२ गणि श्री जिनरत्न सागरजी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री वीशा श्रीमाली पाठशाला,
जामनगर (गुजरात) ३६१००१

(११) खेडा (गुजरात)
१ आचार्य श्री नरदेव सागर सूरीश्वरजी म सा
२ गणि श्री चन्द्रकीर्ति सागर जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री खेडा जैन श्वे मूर्ति, दशा पोरवाड़ वणिक सघ, जैन उपाश्रय, मु पो खेडा (गुजरात)

(१२) खुडाला (राजस्थान)
१ सगठन प्रेमी आचार्य श्री नित्योदय सागर सूरीश्वरजी म सा आदि (६)
२ पन्यास श्री चन्द्रानन सागरजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर धर्मनाथ पार्श्वनाथ देवस्थान ट्रस्ट, जैन उपाश्रय मु पो खुडाला स्टेशन फालना जिला पाली (राजस्थान) ३०६११६, फोन ३३३०० एव ३३१०९

(१३) बारामती (महाराष्ट्र)
उपाध्याय श्री हिमाशु सागर जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर, जैन उपाश्रय मु पो बारामती (महाराष्ट्र)

(१४) गोंडल (गुजरात)
उपाध्याय श्री पुण्योदय सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय देरा शेरी, नानीबाजार, मु पो गोंडल, जिला राजकोट (गुजरात) ३६०३११

(१५) पालीताणा (गुजरात)
१ पन्यास श्री अशोक सागरजी म सा
२ श्री कमल सागरजी म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान जैन पेढी, जबूद्वीप सकुल, तलेटी रोड, पालीताणा-(सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(१६) खभात (गुजरात)
पन्यास श्री निरुपम सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री वीशा ओसवाल जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो खभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(१७) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
पन्यास श्री कल्याण सागरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति, जैन उपाश्रय, ओपेरा सोसायटी, विकास गृह रोड, फतेहनगर पालडी अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००७

(१८) अहमदाबाद-खानपुर (गुजरात)
पन्यास श्री महायश सागरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री खानपुर जैन श्वे मूर्ति सघ बहाई सेंटर, खानपुर अहमदाबाद-(गुजरात)

(१९) अहमदाबाद-आबावाडी (गुजरात)
१ पन्यास श्री जिनचन्द्र सागरजी म सा
२ पन्यास श्री हेमचन्द्र सागरजी म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय आबावाडी, अहमदाबाद (गुजरात)

(२०) सूरत (गुजरात)
पन्यास श्री निरजन सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, रांदेर रोड, जैन सघ रादेड रोड, सूरत (गुजरात)

(२१) जामनगर (गुजरात)
श्री अरुणोदय सागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - लक्ष्मी आश्रम, देवबाग, जामनगर (गुजरात) ३६१००१

(२२) पालीताणा (गुजरात)
श्री अमरेन्द्र सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - स्थविरालय कच्छी भवन के सामने, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२३) आलोट (मध्यप्रदेश)
श्री जयघोष सागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री रेवत सागर सूरी ज्ञान मदिर, गाधी रोड, मु पो आलोट वाया रतलाम (म प्र)

(२४) मोरबी (गुजरात)
श्री सुधर्म सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मोरबी जिला राजकोट (गुजरात)

(२५) अहमदावाद-वासणा (गुजरात)
श्री कीर्तिवर्धन सागरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - देवास अपार्टमेंटस्, प्रियंकर सूरी ज्ञान मंदिर, वासणा, अहमदावाद (गुजरात)

(२६) अहमदावाद - पालडी (गुजरात)
श्री अपूर्व रत्न सागरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, जैननगर, पालडी अहमदावाद (गुजरात)

(२७) बम्बई-भाईन्दर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
श्री मुक्तिरत्न सागर जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय स्टेशन रोड, भाईन्दर (वेस्ट) जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०१६०१

(२८) वंकोडा (राजस्थान)
श्री कुशल सागरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. वंकोडा, जिला डूंगरपुर (राजस्थान) ३१४०२३

(२९) धोराजी (गुजरात)
श्री दीपरत्न सागरजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय कामदार शेरी, सर्राफा बाजार, मु पो. धोराजी (सौराष्ट्र)

(३०) चाणस्मा (गुजरात)
श्री नयचन्द्र सागर जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. चाणस्मा, जिला महेसाणा (गुजरात)

(३१) मोटी मोलटी (गुजरात)
श्री [illegible] सागरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री महावीर पुण्य तीर्थ, नेशनल हाईवे, [illegible] के पास, मु.पो. मोटी मोलडी-३६३५२० (सौराष्ट्र)

साध्वीयाँजी समुदाय

(क) स्व. साध्वी श्री शिवश्री जी म.सा. का परिवार

(३२) अहमदाबाद-नाराणपुरा (गुजरात)
साध्वी श्री रेवतीश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री निर्मलाश्री जी आराधना भुवन, रंग कुंज सोसायटी के पास, नाराणपुरा चार रास्ता, अहमदाबाद-३८००१३ (गुजरात)

(३३) सूरत-गोपीपुरा (गुजरात)
साध्वी श्री मृगेन्द्रश्री जी म.सा.
साध्वी श्री जितेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (२४)
सम्पर्क सूत्र - मंघु दीपचंद की धर्मशाला, माली फलीयु, गोपीपुरा सूरत-३९५००२ (गुजरात)

(३४) अहमदाबाद-खानपुर (गुजरात)
साध्वी श्री निर्जराश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, आराधना भुवन बहाई सेंटर, खानपुर, अहमदावाद (गुजरात) आराधना भुवन

(३५) पाटण (गुजरात)
साहवी श्री सुलशाश्री जी म.सा. आदि -
सम्पर्क सूत्र - चंपाबाई पाठशाला, घीमटो तंबोलीवाडा, पाटन, जिला महेसाणा (गुजरात)

(३६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री मनोज्ञाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - आराधना भुवन, गिरिविहार रूम न. ७, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)

(३७) अहमदावाद- पालडी (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - विहार फ्लेटस, लक्ष्मीवर्धक सोसायटी, पालडी, अहमदावाद (गुजरात) ३८०००७

(३८) अहमदावाद-कालूपुर (गुजरात)
साध्वी श्री सुशीलाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मनसुख भाई की पोल, कालुपुर रोड, अहमदावाद (गुजरात)

(३९) जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री [illegible] जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - [illegible] के सामने, मु.पो. जामनगर (गुजरात)

बगलेमे, तीर्थ रंजन विहार, खानपुर, बहाई सटर, अहमदावाद (गुजरात) ३८०००१

(७२) रामपुरा (भकोडा) (गुजरात)
साध्वी श्री तत्वप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु पो रामपुरा (भकोडा) वाया विरमगांव, जिला अहमदावाद (गुजरात)

(७३) अहमदावाद (गुजरात)
साध्वी श्री पियूष प्रज्ञाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - रगवर्षा फलेटस, जैन नगर, अहमदावाद (गुजरात)

(७४) बारडोली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पज्ञाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, टी वी रेल्वे, मु पो बारडोली (गुजरात)

(७५) जोधपुर (राजस्थान)
साध्वी श्री कल्पगुणाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय पार्श्वनाथ जैन मंदिर, भेरुबाग, जोधपुर-३४२००१ (राजस्थान)

(७६) सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री विनयधर्माश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय सग्रामपरा, सूरत (गुजरात)

(७७) सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री मदनरेखाश्री जी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - लिम्बड़ा उपाश्रय, माली फलीयु, गोपीपुरा, सूरत (गुजरात)

(७८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री प्रशमरसाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - सौधर्म निवास धर्मशाळा, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(७९) विछीया (गुजरात)
साध्वी श्री नयप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय देरासर के सामने, बाजार मे, मु पो विछिया, जिला राजकोट (गुजरात) ३६००५५

(८०) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री महाप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - धनापरा धर्मशाळा, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(८१) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री भाग्योदयाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - वल्लभ विहार धर्मशाळा, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(८२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री रूपपूर्णाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय आगम मंदिर, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(८३) सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री नयपूर्णाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिनाथ जैन उपाश्रय अठवागेट नानपुरा सूरत (गुजरात) ३९५००३

(८४) सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
साध्वी श्री नय रत्नाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्राविका उपाश्रय, जैन मंदिर के बाजू मे, सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३००१

(८५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री दिव्य प्रज्ञाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - बनासकाठा धर्मशाळा तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(८६) अहमदावाद-खानपुर (गुजरात)
साध्वी श्री सुव्रताश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्वेतल फलेटस बहाई सेंटर, जनता पेलेस के पिछे, खानपुर, अहमदाबाद (गुजरात)

(८७) खुडाला (राजस्थान)
साध्वी श्री पूर्ण प्रज्ञाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री धर्मनाथ जैन मंदिर पेढी, जैन उपाश्रय मु पो खुडाला, स्टेशन फालना, जिला पाली (राजस्थान) ३०६११६

(८८) राजकोट (गुजरात)
साध्वी श्री चारुप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्वे मूर्ति जैन तपागच्छ सत, जैन उपाश्रय

३७ प्रहलाद प्लोट, राजकोट-३६०००१ (गुजरात)

(८९) जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री शशीप्रभाश्री जी म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - तपागच्छ वीसा श्रीमाली जैन उपाश्रय
चौक बाजार, लालबग के सामने,
जामनगर (गुजरात) ३६१००१

(९०) अहमदावाद - पालडी (गुजरात)
साध्वी श्री सुरेखाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - जैन नगरी, पालडी अहमदावाद
(गुजरात)

(९१) बम्बई-भायकला (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री प्रशमलताश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, शंखेश्वर दर्शन सोसायटी,
भायकला, बम्बई-४०००२७ (महाराष्ट्र)

(९२) बम्बई-नवजीवन सोसायटी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री प्रशमनश्री जी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, ७-वी नवजीवन सोसायटी,
१ माला, लेमिग्टन रोड, बम्बई-४००००७
(महाराष्ट्र)

(९३) बम्बई-भायकला (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री प्रशमवर्षाश्री जी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - आराधना भुवन बिल्डिंग, १ माला,
१०३ मोतीशा लेन, भायकला,
बम्बई-४०००२७ (महा.)

(९४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री मृगलक्ष्याश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - निवृत्ति निवास धर्मशाला, तलेटी रोड,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(९५) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
१. साध्वी श्री तत्वज्ञाश्री जी म.सा.
२. साध्वी श्री प्रियदर्शनाश्री जी म.सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - सुन्दरबाई महिला श्रमणीभवन,
[illegible] मार्ग, [illegible] बाजार, इन्दौर-४५२००२
(म.प्र.)

(९६) भावनगर (गुजरात)
साध्वी श्री [illegible]श्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री दादासाहेब जेन उपाश्रय, कालानाला,
भावनगर ३६४००१ (गुजरात)

(९७) बालापुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री किर्तीप्रभाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - महाराष्ट्र जैन श्वे. मंदिर के पास,
जैन उपाश्रय मु.पो. बालापुर,
जिला आकोला (महाराष्ट्र)

(९८) बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री आत्मजयाश्री जी म.सा. आदि (४)

(९९) सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री रक्षित पूर्णाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, कैलाश नगर,
सूरत (गुजरात)

(१००) मद्रास (तामिलनाडू)
साध्वी श्री हेमप्रभाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - जैन भवन, १३० कचेरी रोड,
मैलापोर, मद्रास-६००००४ (तामिलनाडू)

(१०१) (बारामती) (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री अमितगुणाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री ऐम.ऐस. कोठारी, सोने चादी के
व्यापारी, मु.पो. बारामती (महाराष्ट्र)

(१०२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री दमिताश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्रमणी विहार, तलेटी रोड, पालीताणा
(गुजरात) ३६४२७०

(१०३) बनकोडा (राजस्थान)
साध्वी श्री धैर्यताश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर उपाश्रय
मु.पो. बनकोडा, जिला डूंगरपुर (राजस्थान)

(१०४) दिग्ठान (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री [illegible]श्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्वे. उपाश्रय, मु.पो. दिग्ठान,
जिला धार (म.प्र.)

(१०५) प्रतापगढ़ (राजस्थान)
साध्वी श्री [illegible]श्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - [illegible], मु.पो. [illegible],

जिला चितौडगढ़ (राज)

(१०६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री मृगनयनाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - अमारी विहार धर्मशाळा, तलेटी रोड, पालीताणा (गुज) ३६४ २७०

(१०७) पूना (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री अरुणा प्रभाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ जैन मदिर, आदिनाथ सोसायटी, पूना सतारा रोड, पूना-४११०३७ (महाराष्ट्र)

(१०८) बार्शी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री आतमयशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मदिर, मु पो बार्शी, जिला सोलापुर (महाराष्ट्र)

(१०९) पूना (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री अमीदर्शाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री आदि जैन मदिर, गुरुवार पेठ, पूना - ४११००२ (महाराष्ट्र)

(११०) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विश्वप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार धर्मशाळा, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१११) पिपलिया मडी (उत्तरप्रदेश)
साध्वी श्री पुण्योदयाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मदिर, मु पो पिपलियाँ मडी, जिला मदसौर (म प्र)

(११२) इन्दौर (म प्र)
साध्वी श्री सूर्योदयाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, पिपली बाजार, इन्दौर-४५२००२ (म प्र)

(११३) पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री सौम्य यशाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय पाडा खोरडीका पाडा, मु पो पाटन (गुजरात) ३८५२६५

(११४) गुजरात में योग्य स्थल
साध्वी श्री कुसुमश्री जी म सा आदि

(११५) बालोतरा (राजस्थान)
साध्वी श्री हेमेन्द्रश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री विमल नाथ जैन मदिर, पटवारी चौक के पास, रावलो की गली, मु पो बालोतरा, जिला बाडमेर (राज) ३४४०२२

(११६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विनय प्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - वल्लभ विहार धर्मशाळा, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(११७) डग (राजस्थान)
साध्वी श्री विमल प्रभाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री भवरलालजी धींग, मु पो डग, जिला चितौडगढ़ (राज)

(ख) साध्वी श्री पुष्पाश्री जी म की आज्ञा सुशिष्याऐं-

(११८) अहमदाबाद-पतासा पोल (गुजरात)
साध्वी श्री मनकश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - नाथीश्री उपाश्रय, पतासा पोल, गाधी रोड, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(११९) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विचक्षणाश्री जी म सा आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - वल्लभ विहार, रुम न १२, तलटी रोड, पालीताणा (गुजरात)- ३६४२७०

(१२०) बम्बई-अधेरी (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री निरजनाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, शातावाडी, विशाल भुवन, बोम्बे बाजार गली, जे पी रोड, अधेरी (वेस्ट), बम्बई-४०००५८ (महाराष्ट्र)

(१२१) कपडवज (गुजरात)
साध्वी श्री स्नेह प्रभाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री वृजलाल हरीलाल जैन उपाश्रय दलालवाडा, मु पो कपडवज (गुजरात) ३८७६२०

(१२२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री यशोधराश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्रमणी विहार, रुम न २५, तलेटी रोड,

पालीताणा (गुज़.) ३६४२७०

(१२३) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री कनक प्रभाश्री जी म.सा. आदि (१)

सम्पर्क सूत्र - हजारी निवास, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१२४) भुज-कच्छ (गुजरात)

साध्वी श्री गुणोदयाश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री आदिश्वर जैन तपागच्छ पेढी वाणियावाड, मु.पो. भुज-कच्छ (गुजरात) ३७०००१

(१२५) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री तिलकश्री जी म.सा. आदि

सम्पर्क सूत्र - आराधना भुवन, गिरिविहार, तलेटी रोड, पालीताणा(गुजरात)

(१२६) लुणावाडा (गुजरात)

साध्वी श्री निरुपमाश्री जी म.सा. आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन देरासर उपाश्रय, मु.पो. लुणावाडा, जिला पंचमहाल (गुजरात)

(१२७) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री चन्द्रप्रभाश्री जी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - हजारी निवास, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१२८) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री शुंभकराश्रीजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्रमणीविहार धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१२९) मरोली (गुजरात)

साध्वी श्री आत्मानंदाश्री जी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति, जैन उपाश्रय बाजार मे, मु.पो. मरोली, जिला बलसाड (गुजरात)

(१३०) गुजरात में योग्य स्थळ

साध्वी श्री हेमप्रभाश्री जी म.सा. आदि (२)

(१३१) दाहोद (गुजरात)

साध्वी श्री आत्म[illegible]श्री जी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति, जैन उपाश्रय मु.पो. दाहोद वाया गोधरा, जिला पंचमहाल (गुजरात)

(१३२) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री अमितगुणाश्री जी म.सा. आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - सूर्यशिशु साधना सदन, वालमंदिर के पिछे, पालीताणा (गुजरात)

(१३३) गंटूर (आन्ध्रप्रदेश)

साध्वी श्री चन्द्रयशाश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री हिंकार जैन मंदिर, नागावजुन नगर, अपोझिट युनिवर्सिटी, P.O. गंतुर-५२२५१०(ए.पी.)

(१३४) गुजरात में योग्य स्थळ

साध्वी श्री धर्म प्रज्ञाश्री जी म.सा. आदि

(ग) साहवी श्री अंजनाश्री जी म.सा. का परिवार

(१३५) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री विद्याश्री जी म.सा. आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री अंजनाश्री जी ज्ञान मंदिर, गिरिराज सोसायटी, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१३६) अहमदावाद (गुजरात)

साध्वी श्री गुणोदयाश्री जी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - शामलानी पोल, जैन उपाश्रय अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

साध्वी श्री चेतणाश्री जी म.सा. का परिवार

(१३७) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री हिरण्यश्री जी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - आराधना भवन, गिरिविहार धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री हेतश्री जी म.सा. का परिवार

(१३८) जामनगर (गुजरान)

साध्वी श्री लावण्यश्री जी म.सा आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय [illegible], जामनगर-३६१००१ (गुजरात)

नोट-इसके अलावा लगभग २२५ साधु साध्वीयो के जिनका लगभग २५-३० स्थानो पर चातुर्मास है के बारे मे जानकारिया ज्ञात नही होसकी।

कुल चातुर्मास मुनिराज के	३१	कुल कुल मुनिराज	१११
कुल चातुर्मास साध्वीयाके	१३७	कुल साध्वीयॉंजी	६९०
कुल	६६	कुल	८०१

कुल चातुर्मास (६६) सत (१११) साध्वीयॉंजी (६९०) कुल ठाणा (८०१)

विशेष

(१) इस समुदाय की सूची चातुर्मास प्रारम्भ होने के २० दिन बाद प्राप्त हुई

(२) इस समुदाय की सूची में इस वर्ष लगभग २०० साधु-साहवीयो की जानकारिया ज्ञात नहीं हो सकी। गतवर्ष इस समुदायकी सूची छपी हुई व्यवस्थित प्राप्त हुई थी एव यह पूर्ण सूची भी थी उसके अनुसार इस वर्ष २००-२२५ साधु साहवीयों के बारे में जानकारीया ज्ञात नहीं हो सकी फिर भी सख्या के हिसाब से उनको सम्मिलित कर लिया गया है।

(३) इस वर्ष इस समुदाय में सघ नायक गच्छाधिपति आचार्य श्री दर्शन सागर सूरीश्वरजी म सा का बम्बई में महाप्रयाण हुआ एव उनके रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए संघ का गया गच्छाधिपति के रुपमें वर्तमान सघ नायक गच्छाधिपति श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वरजी म को गच्छाधिपति पद प्रदान किया गया।

(४) नई दीक्षा एव महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके

(५) जैन पत्र-पत्रिकाऐ नही

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	गणि	प्रवर्तिनी	मुनिराज	साध्वीया	कुल ठाणा
१	११	२	९	१२	-	८३	६९०	८०१

पन्यास श्री धर्म विजयजी म.सा. (डेहलावाला) का समुदाय

वर्तमान में संघ के गच्छाधिपति :- गच्छाधिपति शासन प्रभावक सरल स्वभावी, आचार्य प्रवर श्री विजय रामसूरीश्वरजी म.सा. (डेहलावाले)

कुल चातुर्मास (६६) मुनिराज (२९) महासतीयाँजी (२१०) कुल ठाणा (२३९)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) अहमदाबाद (गुजरात)

गच्छाधिपति शासन प्रभावक सरल स्वभावी आचार्य प्रवर श्री विजय रामसूरीश्वरजी म.सा. (डेहलावाले)

सम्पर्क सूत्र - श्री जवेरी पार्क जैन उपाश्रय, श्री सुरेन्द्र सूरीश्वरजी मार्ग, नाराणपुरा रेल्वे कोसिंग के पास, नाराणपुरा, अहमदाबाद - ३८००१३ (गुजरात)

साधन - अहमदावाद रेल्वे स्टेशन ओर एस.टी.स्टेण्ड से सिटी बसे आटोरिक्सा हर समय मिलते है

(२) अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय भद्रसेन सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री डेहला का उपाश्रय, दोशीवाडा की पोल, अहमदाबाद -३८०००१ (गुजरात)

(३) बम्बई - नवजीवन - (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय महानन्द सूरीश्वरजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय, ४७/१, नवजीवन सोसायटी, १माला, लेमिंग्टन रोड, बम्बई - ४०० ००८ (महाराष्ट्र)

(४) इन्दौर-पीपलीबाजार - (मध्य प्रदेश)

आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, लाल मंदिर उपाश्रय, मारोठिया मार्ग, पिपली बाजार, इन्दौर-४५२००२ (म.प्र.)

(५) अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय अभयदेव सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, लुहार की पोल, माणेक चौक, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(६) बम्बई - अंधेरी (वेस्ट) (महाराष्ट्र)

नमोकार मंत्र प्रिय आचार्य श्री विजय विमल भद्रसूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय, शांतावाडी, जे.पी.रोड, अधेरी (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०५८ (महाराष्ट्र)

(७) आबूरोड (राजस्थान)

गणि श्री विमल विजयजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - आराधना जैन भवन, सब्जी मण्डी, आबू रोड, जिला सिरोही (राजस्थान)

(८) अहमदाबाद (गुजरात)

गणि श्री हरीभद्रविजयजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - मुक्तिद्वार जैन उपाश्रय, दशापोरवाड सोसायटी जैन संघ, पालडी बस स्टेण्ड के पीछे, अहमदाबाद - ३८०००७ (गुजरात)

(९) सरियद (गुजरात)

गणि श्री जयानन्द विजयजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय, मु.पो. सरियद तालुका पाटन (गुजरात)

(१०) नीमच (मध्य प्रदेश)

श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible], [illegible], मु.पो. नीमच

(मध्यप्रदेश) ४५८४४१

(११) वाकडिया वडगॉव (राजस्थान)
श्री वलभद्र विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय मु पो बाकडिया वडगाव जिला जालौर (राज)

(१२) बम्बई - प्रार्थना समाज (महाराष्ट्र)
श्री राजचन्द्र विजयजी म सा 'निराला' आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री चन्द्रप्रभू स्वामी जैन देरासर, राजाराम मोहनराय मार्ग, प्रार्थना समाज, बम्बई - ४०० ००४ (महाराष्ट्र)

(१३) पालीताणा (गुजरात)
श्री कान्ति विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - हिम्मत विहार धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१४) बोरसद (गुजरात)
श्री अनुपम विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, आजाद चौक, सब्जी मण्डी के पास; मु पो बोरसद जिला खेडा (गुजरात)

साध्वीयॉजी समुदाय

(१५) कुवाला (गुजरात)
साध्वीश्री कचन श्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय मु पो कुवाला तालूका दियोदर जिला बनासकाठा (गुजरात) ३६५३२०

(१६) गाधी नगर (गुजरात)
साध्वी श्री सरस्वतीश्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय जैन सघ, जैन देरासर के पिछे, सेक्टर न २२, गाधी नगर (गुजरात)

(१७) दहेगॉव (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री मृगलोचनाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय, मु पो दहेगॉव (महाराष्ट्र)

(१८) पाटण (गुजरात)
साध्वीश्री मृगेन्द्रश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन सघ, जैन उपाश्रय, जवेरी वाड़ा, धी वटा मे मु पो पाटण (उत्तर गुजरात)

(१९) उदयपुर (राजस्थान)
साध्वीश्री सुदर्शना श्री जी म सा आदि (१३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अजीतनाथ जैन धर्मशाला, मालदास स्ट्रीट, उदयपुर (राज) ३१३००१

(२०) पाटण (गुजरात)
साध्वीश्री स्नेहलताश्रीजी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, खेतर वसी पाटन, (उत्तर गुजरात)

(२१) बम्बई-भायनदर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री कनक प्रभा श्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, शिवसेना भवन के सामने, स्टेशन रोड, भायन्दर (वेस्ट), जिला ठाणा (महाराष्ट्र)

(२२) सिहोरी (गुजरात)
साध्वीश्री प्रिययशाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन सघ उपाश्रय मु पो सिहोरी तालूका काकरेज, जिला - बनास काठा (गुजरात)

(२३) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री प्रशमप्रभाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र -

(२४) थानेरा (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पलताश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय, मु पो थानेरा वाया नेयाडीसा (सौराष्ट्र) (गुजरात)

(२५) गुजरात से योग्य स्थळ (गुजरात)
साध्वीश्री चारित्र पूर्णाश्रीजी म सा आदि (९)

(२६) पूरण (राजस्थान)
साध्वीश्री भूर प्रभाश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन सघ उपाश्रय, मु पो पूरण जिला जालोर (राज)

(२७) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री सयम पूर्णा श्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - मगन मूलचद जैन धर्म शाला,

तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२९) रतलाम (म.प्र.)
साध्वीश्री प्रिय दर्शना श्रीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - गूगलिया उपाश्रय धास बाजार,
रतलाम (म.प्र.) ४५७००१

(३०) केकडी (राजस्थान)
साध्वीश्री सुमलया श्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय,
सब्जी मण्डी, मु.पो. केकडी
जिला अजमेर (राज.)

(३१) धानेरा (गुजरात)
साध्वी श्री कीर्ति पूर्णा श्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - पारस सोसायटी, मु.पो. धानेरा वाया
नयाडीसा (सौराष्ट्र) (गुजरात)

(३२) खीमाणा (गुजरात)
साध्वी श्री शरदपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन संघ उपाश्रय, मु.पो. खीमाणा
जिला बनासकांठा (गुजरात)

(३३) सिरोही (राजस्थान)
साध्वीश्री मंजुलाश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन संघ, उपाश्रय, सिंगी वास,
मु.पो. सिरोही (राजस्थान) ३०७ ००१

(३४) सायला (गुजरात)
साध्वी श्री इन्द्र पूर्णा श्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. सायला
जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

(३५) बम्बई - पायधुनी (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री पूर्ण प्रभा श्रीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री गोडीजी जैन उपाश्रय, पायधुनी,
बम्बई - ४०० ००३ (महा.)

(३६) भवाल (राजस्थान)
साध्वी श्री भद्र पूर्णाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. भवाल
जिला सिरोही (राजस्थान)

(३७) तखतगढ (राजस्थान)
साध्वीश्री [illegible] प्रभाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय मु.पो. तखतगढ
जिला सिरोही (राज.)

(३८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री शील गुणा श्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र -

(३९) उज्जैन (मध्य प्रदेश)
साध्वी श्री राज प्रज्ञाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री हीरसूरी वडा उपाश्रय, खाराकुंवा,
श्रीपाल मार्ग, उज्जैन (मध्य प्रदेश) ४५८००६

(३८) उज्जैन (मध्य प्रदेश)
साध्वीश्री पदमलता श्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, श्री ऋषभदेव छगन राम की
पेढी, खारा कुवा, श्रीपाल मार्ग,
उज्जैन - ४५८००६ (म.प्र.)

(३९) दियोदर (गुजरात)
साध्वीश्री कल्पयशा श्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. दियोदर
जिला बनासकांठा (गुजरात) ३८५३३०

(४०) महेसाणा (गुजरात)
साध्वीश्री भव्य पूर्णाश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन पाठशाला नातकी वाडी,
स्टेशन रोड, महेसाणा (गुजरात)

(४१) बम्बई - ठाकुरद्वार (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री कमल प्रभाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर, जीतेकर वाडी के सामने,
ठाकुर द्वार रोड, बम्बई - ४०० ००२ (महाराष्ट्र)

(४२) पाटडी (गुजरात)
साध्वी श्री भाग्य पूर्णाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु.पो. पाटडी,
जिला - विरमगांव (गुजरात)

(४३) पूना-खडकी (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री चन्द्रोदयाश्रीजी म.सा. आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - [illegible]
१४ [illegible], ५० [illegible], [illegible],
पूना - ४११००३ (महाराष्ट्र)

अहमदाबाद महानगर में विराजित साध्वीयॉजी

(४४) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री जयतीश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्रीसघ वखतचदकी खिडकी दोशी वाडा की पोल, अहमदाबाद - ३८०००१ (गुज)

(४५) अहमदाबाद-रिलिफरोड (गुजरात)
साध्वीश्री वखतश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्री सघ, शेखका पाडा, रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

(४६) अहमदाबाद - वासणा (गुजरात)
साध्वीश्री विमलाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय शिल्पालय अजली सिनेमा के पिछे, वासणा, अहमदाबाद (गुजरात)

(४७) अहमदाबाद - रिलिफरोड (गुजरात)
साध्वीश्री सूर्य प्रभाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - घना सुथार की पोल, रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

(४८) अहमदाबाद - पालडी (गुजरात)
साध्वी श्री सुव्रत प्रभाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - १० गुजरात सोसायटी महालक्ष्मी रोड, पालडी अहमदाबाद - ३८०००७ (गुज)

(४९) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री रत्न प्रभाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - भूरीबाई जैन उपाश्रय, साबरमती, अहमदाबाद - ३८०००७ (गुजरात)

(५०) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री प्रवीणाश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - मासीका उपाश्रय दोशीवाडा की पोल श्री सिमन्धर स्वामी की खडकी अहमदाबाद (गुजरात)

(५१) अहमदाबाद - दोशीवाडा पोल (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - दोशीवाडा की पोल-कसुवावाड (गुजरात)

(५२) अहमदाबाद-नाराणपुरा (गुजरात)
साध्वीश्री पूर्णकला श्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, हसमुख कालोनी, विजय नगर रोड, नाराणपुरा (गुजरात) ३८००१३

(५३) अहमदाबाद-सारगपुर (गुजरात)
साध्वीश्री सूरकलाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, सारगपुर - तलीया की पोल - अहमदाबाद (गुज)

(५४) अहमदाबाद-घीकाटा (गुजरात)
साध्वी श्री पदम रेखा श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, पचभाई की पोल घी काटा रोड, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(५५) अहमदाबाद-शाहपुर (गुजरात)
साध्वी श्री आर्य यशाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, फूवावाली पोल, शाहपुर अहमदाबाद (गुजरात)

(५६) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वी श्री कुसुमप्रभा श्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, शिल्पा सोसायटी, डीकवीन, साबरमती-३८०००५ अहमदाबाद (गुजरात)

(५७) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्र यशाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - अरिहत नगर डी केबिन साबरमती अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००५

(५८) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्ण कालाश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जून भणज लावाडा, स्वामी नारायण मंदिर के पास, अहमदाबाद-३८००१३ (गुजरात)

(५९) अहमदाबाद-रिलिफरोड (गुजरात)
साध्वीश्री आतमगुणाश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - शान्तीनाथ की पोल, रिलिफरोड, अहमदाबाद (गुजरात)

(६०) अहमदाबाद-रिलिफरोड (गुजरात)
साध्वीश्री नयप्रज्ञाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - शातीनाथ की पोल, डामपटेल की पोल रिलिफ रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

(६१) **अहमदावाद-गोता (गुजरात)**
साध्वीश्री विनित प्रभाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - गोता हाउसिंग वोर्ड, जैन देरासर उपाश्रय, गोता, अहमदावाद (गुजरात)

(६२) **अहमदावाद (गुजरात)**
साध्वीश्री मोक्ष रत्ना श्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - आयंविल खाता भवन, दशा पोरवाड गोता, अहमदावाद (गुजरात)

(६३) **अहमदावाद-साबरमती (गुजरात)**
साध्वीश्री चन्द्रश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, साबरमती रामनगर, अहमदावाद (गुजरात)

(६४) **अहमदावाद - गोता (गुजरात)**
साध्वीश्री विनित पूर्णाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र

(६५) **सिरोही (राजस्थान)**
साध्वी श्री कल्पकलाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु.पो. सिरोही (राजस्थान)

(६६) **नाडोल (राजस्थान)**
साध्वीश्री पुण्य प्रभाश्रीजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु.पो. नाडोल जिला पाली (राज.)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१४	कुल कुल मुनिराज	२९
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	५२	कुल साध्वीयॉजी	२१०
कुल	६६	कुल	२३९

कुल चातुर्मास (६६) संत (२९) साध्वीयॉजी (२१०)
कुल ठाणा (२३९)

विशेष

(१) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नही होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नही कर सके।

(२) जैन का पत्रिकाऐ नही

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	गणि	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	५	३	२०	२१०	२३९

(९) सादड़ी-मारवाड़ (राजस्थान)
श्री रामविजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ
जैन न्याति नोहरा, सादड़ी मारवाड़, स्टेशन फालना, जिला पाली (राजस्थान) ३०६७०२

(१०) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
श्री हीर विजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री आत्मवल्लभ उमग उदय स्वाध्याय मदिर, रामनगर, साबरमति, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात)

(११) सायला (राजस्थान)
श्री हरिहर विजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो सायला, जिला जालोर (राजस्थान)

(१२) लुधियाना (पजाब)
श्री नयचन्द्र विजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - महावीर भवन, चावल बाजार, लुधियाना-१४१००८ (पजाब)

(१३) दिल्ली-रुपनगर
श्री भास्कर मुनिजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री आत्मवल्लभ जैन भवन, २/८२ रुपनगर, दिल्ली-११०००६

(१४) बडौदा (गुजरात)
श्री गौतम विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मामा की पोल, पुलिस चौकी के सामने, बडौदा-३९५००१ (गुजरात)

(१५) अहमदाबाद (गुजरात)
श्री विनयरत्न विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय लुणसावाड़ा, मोटी पोल, अहमदाबाद-३८०००१

(१६) बडौदा (गुजरात)
श्री अरुण विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री आत्मानन्द जैन उपाश्रय घड़ियाली पोल, जानी शेरी, बडौदा (गुजरात) ३९५००१

(१७) अहमदाबाद-नरोडा रोड (गुजरात)
श्री सूर्योदय विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन देरासर उपाश्रय, कृष्णनगर, नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

(१८) बड़ौदा-(गुजरात)
१ प्रवर्तिनी साध्वी श्री विनिताश्री जी म सा आदि (६)
२ साध्वी श्री ओकारश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - महिला जैन उपाश्रय
जानी शेरी, घडियाली पोल, वड़ौदा-३९५००१

(१९) पालीताणा (गुजरात)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री विद्याश्री जी म सा
साध्वी श्री कांताश्री जी म सा
साध्वी श्री कचनश्री जी म सा
साध्वी श्री हेमेन्द्रश्री जी म सा
साध्वी श्री कनकप्रभाश्री जी म सा
साध्वी श्री चन्द्रोदयश्री जी म सा
साध्वी श्री प्रबोधश्री जी म सा
साध्वी श्री मजुलाश्री जी म सा
सम्पर्क सूत्र - श्री श्रमणी विहार, शत्रुजय होस्पीटल के पास, पालीताणा, जिला भावनगर (सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(२०) दिल्ली-रोहिणी
प्रवर्तिनी साध्वी श्री कमल प्रभाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री आत्मवल्लभ को ओ हा सोसायटी, वल्लभ विहार, सेक्टर न १३, रोहिणी, दिल्ली

(२१) पालीताणा - (गुजरात)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री प्रवीणश्री जी म सा आदि (३)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री चितरजन श्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री पजाबी जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(२२) अहमदाबाद (गुजरात)
सादवीश्री सुभद्राश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे जैन मूर्ति सघ
बहनो का उपाश्रय, लुणसावाडा, मोटी पोल,

अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(२३) अहमदाबाद-साबरमति (गुजरात)

साध्वी श्री सुज्ञानश्री जी म.सा. आदि (१०)

सम्पर्क सूत्र - श्री आतमवल्लभ समुद्र स्वाध्याय मंदिर, श्री चिन्तामणी पार्श्वनाथ देरासर के पीछे, रामनगर, साबरमती अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००३

(२४) अहमदाबाद-झवेरीरोड (गुजरात)

साध्वी श्री सुधर्माश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे.जैन मू.पू. संघ शेठ का उपाश्रय, वाघण पोल, झवेरीवाड, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(२५) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री सुसीमाश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्वे. जैन मू.पू. संघ वल्लभ विहार, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला-भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(२६) पालनपुर (गुजरात)

साध्वी श्री पद्मलताश्री जी म.सा. आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - श्री हरिसूरी जी जैन उपाश्रय खोडा लीवडा, पालनपुर, जिला - वनासकाठा (गुजरात) चंडीगढ (पंजाव)

(२७) साध्वी श्री रंजनश्री जी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - लाला राजकुमार जी जैन, सेक्टर नं. २० ए, कोठी नं. ६२०, चण्डीगढ (पंजाव)

(२८) बोडेली (गुजरात)

साध्वी श्री निर्मलाश्री जी म.सा. आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - श्री वर्धमान जैन आश्रम, मु.पो. बोडेली, ता. सखेडा, जिला-वडोदा (गुजरात)

(२९) अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री लक्षण गुणाश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. जैन मू.पू. संघ शेठ की पोल, सफेद शिखर की पोल के पास, मांडवी पोल, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(३०) पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री [illegible] जी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - हजारी निवास धर्मशाला, रुम नं. १७, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला - भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(३१) पालीताणा (गुजरात)

सांध्वी श्री जगतश्री जी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - धनापारा धर्मशाला, श्राविकाश्रम के सामने, पालीताणा, जिला - भावनगर (गुजरात)

(३२) सूरत (गुजरात)

साध्वी श्री दिव्य प्रभाश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - रमेश भाई वाड़ीलाल शाह, शत्रुंजय टावर, ३०६ तीनमाला नवयुग कालेज रोड, सूरत ३९५००९(गुजरात)

(३३) बीकानेर (राजस्थान)

साध्वी श्री सुमंगलाश्री जी म.सा. आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - कोचरों का उपाश्रय, कोचरो की गवाड़, बीकानेर (राज.) ३३४००१

(३४) करचोलिया (गुजरात)

साध्वी श्री अभयश्री जी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री आतमवल्लभ समुद्र आराधना भवन, मु.पो. करचोलिया, जिला-सूरत (गुजरात)

(३५) रामगंज मण्डी (राजस्थान)

साध्वी श्री नरेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर उपासरा, रामगंज मण्टी, जिला-कोटा (राजस्थान)

(३६) अहमदावाद (गुजरात)

साध्वी श्री जी यशकीर्तीश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री आतमवल्लभ समुद्रस्मृति भवन, सैजपुर बोघा, कृष्णनगर, अहमदावाद (गुजरात)

(३७) फिरोजपुर (पंजाब)

साध्वी श्री सुव्रताश्री जी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री चिन्तामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर उपाश्रय जीरा फिरोजपुर (१४२०४७ (पंजाब)

(३८) करौली (स.माधोपुर) (राजस्थान)

साध्वी श्री देवेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - जैन मंदिर उपाश्रय करौली, जिला सवाई माधोपुर (राज.)

(३९) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पयशाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्वे मू पू संघ ओढव,
जैन देरासर उपाश्रय मु पो ओढव,
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

(४०) भीलाड़ (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रयशाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु पो भीलाड,
जिला - वलसाड़ (गुजरात)

(४१) रतलाम (म प्र)
साध्वी श्री चंदनबालाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे जैन मू पू संघ,
जैन उपाश्रय, टाटानगर रतलाम (म प्र) ४५७००१

(४२) भावनगर (गुजरात)
साध्वी श्री कीर्तिप्रभाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय
न्यू एरोड्रम रोड, सुभाष नगर, भावनगर (सौराष्ट्र)

(४३) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रगुणाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - आयम्बिल भवन, रेल्वे फाटक के पास,
नवरंगपुरा (अहमदाबाद)

(४४) कपड़गंज (गुजरात)
साध्वी श्री सुविरतीश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिनाथ जैन देरासर उपाश्रय
होली चकला कपडगंज, जिला-खेड़ा (गुजरात)

(४५) बम्बई-दादर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री कमलप्रभाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिलाल जैन देरासर उपाश्रय
भवानीशंकर रोड, कबूतर खाना के पास, दादर,
बम्बई-४०००२८ (महाराष्ट्र)

(४६) बड़ोदा (गुजरात)
साध्वी श्री शीलपूर्णश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - इन्द्रपुरी जैन संघ
आजवारोड, जैन उपाश्रय, बडौदा (गुजरात)

(४७) दिल्ली
साध्वी श्री जितप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुजरात अपार्टमेंट के नजदीक,
सरस्वती विहार, दिल्ली ११०००७७

(४८) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री रक्षितप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिनाथ जैन देरासर, श्री हीरपुरा जैन संघ, कगामपुरी, जूनी पायलोट डेरी रोड, काकरीया, अहमदाबाद (गुजरात)

नोट-लगभग ६०-६५ साध्वीयों के बारे में जानकारीयों प्राप्त नहीं होसेकी ।

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१७	कुल कुल मुनिराज	५१
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	३१	कुल साध्वीयोंजी	१४१
कुल	४८	कुल	१९२

कुल चातुर्मास (४८) संत (५१) साध्वीयोंजी (१४१)
कुल ठाणा (१९२)

विशेष

(१) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके

(२) इस समुदाय में गत वर्ष चातुर्मास (६२) मुनिराज (५२) साध्वीयोंजी (२१५) कुल ठाणा (२६७) थे इस वर्ष लगभग ७५-८० साधु-सायवीयों की संख्या ज्ञात नहीं होसकी

(३) जैन पत्र-पत्रिकाएं-(१) विजयानन्द (मासिक-हिन्दी) लुधियाना

(२) विजय इन्द्र सन्देश (पाक्षिक हिन्दी) बाडमेर

साधु-साध्वी पदतालिका - १९९४

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तिनीयां	मुनिराज	साध्वीयोंजी	कुल ठाणा
१	४	३	३	५	४२	१३६	१९२

योगनिष्ठ आचार्य प्रवर श्रीमद् बुद्धि सागर सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान में संघ के गच्छाधिपति :

गच्छाधिपति शासन प्रभावक प्रखर वक्ता आचार्य प्रवर श्रीमद् सुबोधसागर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (३५) मुनिराज (५१) महासतीयाँजी (१०१) कुल ठाणा (१५२)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) पालीताणा (गुजरात)

१. गच्छाधिपति, शासन प्रभावक, प्रखरवक्ता, आचार्यप्रवर श्रीमद् सुबोध सागर सूरीश्वर जी म.सा.
२. प्रशान्तमूर्ति आचार्य श्री मनोहर कीर्ति सागर सूरीश्वरजी म.सा.
३. प्रवर्तक श्री यश कीर्ति सागर जी म.सा. आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - खिवान्दी मंगल भवन, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र), जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

साधन - अहमदावाद भावनगर राजकोट सुरेन्द्रनगर आदि से ट्रेन एवं वस की सेवा उपलब्ध । पालीताणा में तलेटी रोडपर उतरे ।

(२) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)

आचार्य श्री दुर्लभसागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्रीमद् बुद्धिसागर सूरी जैन उपाश्रय, बुद्धिनगर सोसायटी, चांदखेडा, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात)

(३) महेसाणा (गुजरात)

आचार्य श्री कल्याण सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री सिमन्धर स्वामी जैन मंदिर पेढी, जैन उपाश्रय हाईवे रोड, महेसाणा (गुजरात) ३८४००१

साधन - दिल्ली - अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है यहां से आटो रिक्सा बसे आदि उपलब्ध, अहमदाबाद-[illegible] हाईवे रोड पर स्थित

(४) दिल्ली-चांदनी चौक

१. राष्ट्र संत, युग दृष्टा प्रवचन प्रभाकर, तीर्थोद्धारक, आचार्य श्री पदमसागर सूरीश्वर जी म.सा.
२. पन्यासश्री वर्धमान सागर जी म.सा.
३. गणिवर्यश्री अमृत सागरजी म.सा.
४. गणिवर्यश्री विनय सागरजी म.सा. आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - आचार्यश्री पदम सागर सूरीजी चातुर्मास समिति श्री आतम वल्लभ जैन श्वेताम्वर संघ, २०४९ किनारी वाजार, चांदनी चौक, दिल्ली-११०००६, फोन नं. ३२५४८५३

साधन - पुरानी दिल्ली स्टेशन से चांदनी चौक में किनारी वाजार है रेल्वे स्टेशन के समीप आटोरिक्सा हाथ रिक्सा उपलब्ध

(५) बीजापुर (गुजरात)

आचार्यश्री भद्रवाहु सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. बीजापुर, जिला महेसाणा (गुजरात) ३८२८७०

(६) ब्यावर (राजस्थान)

उपाध्याय श्री धरणेन्द्र सागरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन मंदिर, जैन उपाश्रय मु पो. ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान) ३०५९०१

(७) अहमदाबाद-नरोडा (गुजरात)

पन्यास श्री सुदर्शन कीर्ति सागरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय [illegible] जैन देरासर, नरोडा, अहमदाबाद (गुजरात)

(८) अहमदाबाद (गुजरात)
गणिश्री अरुणोदय सागरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - वीर विजयजी का उपाश्रय, भट्टी की वारी, पतासा पोल,
अहमदाबाद - ३८०००१ (गुजरात)

(९) दिल्ली-मानसरोवर गार्डन
गणिश्री देवेन्द्र सागर जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री महार जैन सघ (दिल्ली), एफ-३१ शोपिंग सेटर, मानसरोवर गार्डन,
नई दिल्ली- ११००१५, फोन न ५४५९९९२

(१०) पालीताणा (गुजरात)
प्रवर्तक श्री लावण्य सागर जी म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - लावण्य विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(११) बम्बई-अधेरी (पूर्व) (महाराष्ट्र)
श्री कचन सागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री शखेश्वर पार्श्वनाथ जैन देरासर, पार्श्वदर्शन, जूना नागरदास रोड, अधेरी (पूर्व)
बम्बई-४०००६९ (महाराष्ट्र)

(१२) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
श्री हेमचन्द्र सागरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री विश्व नदीश्वर जैन उपाश्रय, भगवान नगर का टेकरा, पालडी, अहमदाबाद
(गुजरात) ३८०००७

(१३) बीजापुर (गुजरात)
श्री शातिसागर जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्रीमद् बुद्धिसागर सूरि जैन समाधि मदिर, रेल्वे रोड, मु पो बीजापुर, जिला महेसाणा
(गुजरात) ३८२८७०

(१४) भावनगर (गुजरात)
श्री नीतिसागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री गोडीजी उपाश्रय वोरा शेरी,
भावनगर-३६४००१ (गुजरात)

(१५) नदीगाव (भिलाड) (गुजरात)
श्री सयम सागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री सिमधर स्वामी जैन मदिर पेढी, ओसीयाजी नगर, मु पो नन्दीगाव वाया भिलाड,
जिला वलसाड (गुजरात)

(१६) सिरोही (राजस्थान)
श्री विमल सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सघ, (जैन बीशी) सुनारवाडा,
सिरोही (राजस्थान) ३०७००१,
फोन न (एस टी डी ०२९७२) ३२७२

(१७) जयपुर (राजस्थान)
श्री निर्मलसागरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री आत्मानन्द जैन सभा, घीवालो का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर-३०२००३
(राजस्थान)

(१८) पालीताणा (गुजरात)
श्री अरिहत सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - बैंगलौर आराधना भवन, तलेटी रोड,
पालीताणा,(सौराष्ट्र) (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

(१९) अहमदाबाद-जवेरीवाड (गुजरात)
साध्वी श्री जशवतश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - आवली पोल जैन उपाश्रय, जवेरी वाड,
अहमदाबाद - ३८०००१ (गुजरात)

(२०) महेसाणा (गुजरात)
साध्वी श्री इन्द्रश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, आजाद चौक,
महेसाणा - ३८४००१ (गुजरात)

(२१) पालीताणा (गुजरात)
(क) साध्वी श्री कुसुमश्री जी म सा आदि (१७)
(ख) साध्वी श्री वसतश्री जी म सा आदि (२१)
(ग) साध्वी श्री पवित्रलताश्री जी म सा आदि (६)
(घ) साध्वी श्री सूर्यलताश्री जी म सा आदि (४)
(च) साध्वी श्री स्नेहलताश्री जी म सा आदि (३)
कुल आदि (५१)
सम्पर्क सूत्र - श्री साबरमती जैन यात्रिक भुवन,
तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र)

(गुजरात) ३६४२७०

(२२) महेसाणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुमित्राश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, आजाद चौक,
महेसाणा (गुजरात) ३८४००१

(२३) वटवा (अहमदावाद) (गुजरात)
साध्वी श्री विवोधश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, वटवा
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

(२४) पालीताणा (गुजरात)
(क) साध्वी श्री राजेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (६)
(ख) साध्वी श्री जयप्रभाश्री जी म.सा. आदि (६)
(ग) साध्वी श्री कल्पशीलाश्री जी म.सा. आदि (२)
कुल आदि (१४)
सम्पर्क सूत्र - श्री सावरमती यांत्रिक भुवन, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(२५) पालीताणा (गुजरात)
(क) साध्वी श्री मंजुलाश्री जी म.सा. आदि (६)
(ख) साध्वी श्री तत्वगुणाश्री जी म.सा. आदि (५)
कुल आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - श्री सावरमती यांत्रिक भुवन, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(२६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री संवेगश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक २५ अनुसार

(२७) माणसा (गुजरात)
साध्वी श्री केवल्याश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, जैन वाडी,
माणसा जिला महेसाणा (गुजरात)

(२८) महुडी (गुजरात)
साध्वी श्री राजुलाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, मु.पो. महुडी,
जिला महेसाणा (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के १८ कुल कुल मुनिराज ५१
कुल चातुर्मास साध्वीयो के १७ कुल साध्वीयॉजी १०१
कुल ३५ कुल १५२

कुल चातुर्मास (३५) संत (५१) साध्वीयॉजी (१०१)
कुल ठाणा (१५२)

नोट - नई दीक्षा एवं महाप्रयाण की सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके ।

(२) नई पदवीयो की जानकारियां नई पदवी सूची में अन्यत्र देखे ।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तक	गणि	प्रवर्तिनीयॉ	मुनिराज	साध्वीयॉ	कुल ठाणा
१	५	१	२	२	४	-	३६	१०१	१५२

(गुजरात) ३९६४४५

(११) चादखेडा (अहमदाबाद) (गुजरात)
श्री तेजप्रभ विजयजी म सा आदि (२)

(१२) राणी (राजस्थान)
श्री देवेन्द्र विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर सघ, जैन उपाश्रय मु पो राणी स्टेशन राणी, जिला पाली (राजस्थान) ६०६११५

(१३) पुर (राजस्थान)
श्री वीर विजयजी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय मु पा पुर वाया रामसीन, जिला जालौर (राजस्थान) ३०७८०३

(१४) बक्तापुर (गुजरात)
श्री प्रमोद विजयजी म सा आदि

(१५) शिवगढ (लाजतीर्थ)
श्री रामविजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ मु शिवगढ (लाजतीर्थ) पोस्ट वेसुआ (राज)

(१६) नाकोडाजी तीर्थ (राजस्थान)
श्री प्रवीण विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री नाकोडाजी जैन तीर्थ पेढ़ी, मेवानगर वाया बालोतरा, जिला बाडमेर (राजस्थान)

साध्वीयाँजी समुदाय

(१७) अहमदाबाद-शाहपुर (गुजरात)
साध्वी श्री मणीश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्राविका उपाश्रय, खारा कुवा, फूआनी पोल, शाहपुर, अहमदाबाद (गुजरात)

(१८) नवसारी (गुजरात)
साध्वीश्री लावण्यश्रीजी म सा आदि (१२)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ३ अनुसार

(१९) अहमदाबाद-केशवनगर (गुजरात)
साध्वीश्री निर्मलाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन पेढी, केशवनगर, सुभाष पुल के नाके पर, अहमदाबाद (गुजरात)

(२०) दयालपुरा (राजस्थान)
साध्वीश्री ज्ञानश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु पा दयालपुरा, जिला जालौर (राज)

(२१) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री महिमाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२२) शिवगज (राजस्थान)
साध्वीश्री आनदश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु पो शिवगज स्टेशन जवाई बाध, जिला सिरोही (राजस्थान)

(२३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री अजनाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२४) साण्डेराव (राजस्थान)
साध्वी श्री ललितप्रभाश्री जी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो साण्डेराव, स्टेशन फालना, जिला पाली (राजस्थान)

(२५) धोराजी (गुजरात)
साध्वीश्री अनिलाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ गलाशाला हला, हवेली शेरी, पोरबन्दर लाइन मु पो धोराजी गाव मे, जिला राजकाट (गुजरात)

(२६) महेसाणा (गुजरात)
साध्वीश्री रत्नमालाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - यशोविजय जैन पाठशाला क बाजू में, बुलाखीदास पजीतमनी वाडी, मु पो महेसाणा (गुजरात)

(२७) बाली (राजस्थान)
साध्वीश्री ललिताश्री जी म सा आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - महिला उपाश्रय कितावतो की वास, मु.पो वाली स्टेशन फालना, जिला पाली (राजस्थान) ३०६७०१

(२८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री जयमालाश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगल भुवन, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)

(२९) महेसाणा (गुजरात)
साध्वीश्री मालिनी यशाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जेन उपाश्रय वुलाखीदास पूंजीराम की वाडी, स्टेशन रोड, महेसाणा (गुजरात)

(३०) फालना स्टेशन (राजस्थान)
साध्वीश्री मजुलाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय जैन मंदिर के बाजू में, मु.पो. फालना स्टेशन, जिला पाली (राजस्थान)

(३१) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री कैलाश श्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन, तलेटी रोड, पाली ताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३२) झाडोली (राजस्थान)
साध्वीश्री लक्षीत प्रज्ञाश्री जी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जेन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. झाडोली स्टेशन, सिरोही (राजस्थान)

(३३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री मदन प्रभाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगल कार्यालय, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३४) खिमाड़ा (राजस्थान)
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु.पो. खिमाड़ा स्टेशन, फालना, जिला-पाली (राजस्थान)

(३५) उण (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - [illegible] जैन उपाश्रय, मु.पो. उण [illegible] [illegible], [illegible] (गुजरात) ३०[illegible]

(३६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री भास्कर यशाश्रीजी म सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - बैगलौर भवन धर्मशाला तलेटी रोड पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३७) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री कुसुमलताश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - साण्डेराव जितेन्द्र भुवन, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३८) लुणावा (राजस्थान)
साध्वीश्री कल्पशीलाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. लुणावा स्टेशन फालना, जिला पाली (राजस्थान)

(३९) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
साध्वीश्री पदमलताश्री जी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय जय सोम सोसायट के बाजू में, शाहीबाग, अहमदाबाद-३८०००४ (गुजरात)

(४०) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रलताश्री जी म.सा. आदि-
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(४१) सिरोही रोड (राजस्थान)
साध्वीश्री तत्त्वशीला श्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री विमलनाथ जैन पेढी, मु.पो. सिरोही रोड (राजस्थान)

(४२) पाटन (गुजरात)
साध्वीश्री स्नेहलताश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - मोटा जैन उपाश्रय [illegible], गोल शेरी, पाटन (गुजरात) ३८[illegible]

(४३) हिम्मतनगर (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा. आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय [illegible] भुवन, मु.पो. हिम्मतनगर (गुजरात)

(४४) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री चाम्यशाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय, घनश्यामनगर, आर टी ओ के सामने, सुभाषब्रीज कोर्नर, आश्रम रोड, अहमदाबाद-३८००२७ (गुजरात)

(४५) महेसाणा (गुजरात)
साध्वीश्री हषप्रभाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - गाव का मुख्य जैन उपाश्रय आजाद चौक, महेसाणा (गुजरात)

(४६) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री कुमुदयशाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय माडवी पोल, सूरदास सेठ की पोल, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००१

(४७) बिजोवा (राजस्थान)
१ साध्वीश्री विश्वपूर्णाश्री जी म सा
२ साध्वीश्री भव्यगुणाश्री जी म सा आदि (२५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो बिजोवा स्टेशन राणी, जिला पाली (राजस्थान) ३०६६०१

(४८) जयपुर (राजस्थान)
साध्वीश्री सरस्वतीश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति तपागच्छ जैन मदिर, घी वालो का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर (राज) ३०२००३

(४९) शिवगज (राजस्थान)
साध्वीश्री रत्नयशाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - डव्वी ग्रा जैन उपाश्रय मु पो शिवगज, जिला जवाई बाध, जिला सिरोही (राजस्थान)

(५०) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय घासी नी पोल, अहमदाबाद (गुजरात)

(५१) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
साध्वीश्री पदमलताश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय अरिहत फ्लेटस, केम्प रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

(५२) तखतगढ (राजस्थान)
साध्वीश्री कौसल्याश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय मु पो तखतगढ स्टेशन फालना, जिला पाली (राजस्थान)

(५३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री प्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन, जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(५४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री निरुपमाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(५५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री शुभकराश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - पादरनी भुवन धर्मशाला, तलेटी रोड पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(५६) नडियाद (गुजरात)
साध्वीश्री सद्गुणाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र श्री शातिनाथजी फूटर जैन आराधना भवन, कथारिया चौक, मु पो नडियाद (गुजरात)

(५७) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री जयशीलाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मगळ भुवन, तलेटी रोड पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(५८) जालौर (राजस्थान)
साध्वीश्री स्नेहलताश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय नदीश्वर मदिर के पास, जालौर (राजस्थान)

(५९) जामनगर (गुजरात)
साध्वीश्री दिव्य प्रभाश्रीजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मूर्ति सघ, जैन उपाश्रय डी के वी कालेज के पिछे, जामनगर-३६१००१ (गुजरात)

(६०) कोट (वालीयान) (राजस्थान)
साध्वीश्री सूर्यमालाश्री जी म सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु.पो कोट (वालीयान) स्टेशन फालना,
जिला पाली (राजस्थान)

(६१) भवराणी (गुजरात)
साध्वीश्री ज्योतिप्रज्ञाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति सघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. भवराणी वाया माडवला
जिला जालौर (राज.)

(६२) लिम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)
साध्वीश्री कल्पधराश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. लिम्बडी, जिला सुरेन्द्रनगर
(गुजरात) ३६३४३१

(६३) पाटन (गुजरात)
साध्वीश्री कल्पज्ञाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय महालक्ष्मी माता नो
पाडो, तीन दरवाजा के पास, पाटन (गुजरात)

(६४) खिणीवाव-जालौर (राजस्थान)
साध्वीश्री स्नेहलताश्री जी म मा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - चार थुई का जेन उपाश्रय, पूरा मौहल्ला,
खिणीवाव, पोस्ट जालोर (राजस्थान) ३४३००१

(६५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री तरुणाश्री जी म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - अमारी विहार धर्मशाला, तलेटी रोड,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(६६) खिवान्दी (राजस्थान)
साध्वीश्री लक्षगुणाश्री जी म.सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री जेन उपाश्रय मु.पो खिवान्दी स्टेशन
ज्वाईबांध, जिला पाली(राजस्थान)

(६७) खिवान्दी (राजस्थान)
साध्वीश्री [illegible]श्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, मु.पो. खिवान्दी
स्टेशन, ज्वाईबांध, जिला पाली (राजस्थान)

(६८) खिवान्दी (राजस्थान)
साध्वीश्री कामितरत्नाश्री जी म.सा. आदि (२)
साध्वीश्री अशोककलाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ६७ अनुसार

(६९) जावाल (राजस्थान)
साध्वीश्री रमणिकश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन सघ मु.पो. जावाल,
जिला सिरोही (राजस्थान) आंयविल खाता

(७०) सांवरकांठा (गुजरात)
साध्वीश्री कीर्तिपूर्णाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - नूतन जैन मंदिर के पास,
सावर कांठा (गुजरात)

(७१) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री मित्रप्रभाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - लुणावा मंगळ भुवन, तलेटी रोड,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(७२) पिण्डवाडा (राजस्थान)
साध्वीश्री सुलोचनाश्री जी म मा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - भूरजी जैन उपाश्रय मु.पो. पिण्डवाडा,
जिला सिरोही (राजस्थान)

(७३) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री लाभश्रीजी म.के परिवार मे
सम्पर्क सूत्र - सरकारी उपाश्रय पतासा पोल,
अहमदाबाद-३८०००१(गुजरात)

(७४) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री महिमाश्री जी म का परिवार मे
सम्पर्क सूत्र - सुधा सेठ की पोल,
अहमदाबाद (गुजरात)

नोट - इनके अलावा लगभग २०-२२ जगह लगभग १५० साधु-साधवीयों के चातुर्मास और स्थानोपर भी है जिनकी जानकारियां ज्ञात नहीं होसकी ।

कुल चातुर्मास मुनिराज के	२०	कुल कुल मुनिराज	५०
कुल चातुर्मास सतियों के	७६	कुल सतियोंजी	[illegible]
कुल	९६	कुल	[illegible]

कुल चातुर्मास (९६) सत (५०) महासतियाँजी (३७५)
कुल ठाणा (४२५)

विशेष

(१) नई दीक्षा एव कालधर्म सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नही कर सके।

(२) इस समुदाय की सूची चातुर्मास प्रारभ होने के २१ वे दिन प्राप्त हुइ फिर भी इसे यथा क्रमाक के यथा स्थान पर सम्मिलित करने का प्रयत्न किया गया।

(३) इस समुदाय की जो सूची हमें प्राप्त हुई उसमें कई साधु-साधवीयों के ठाणाओकी सख्या ज्ञात नहीं हो सकी इस कारण यहा जो सख्या प्रस्तुत की गया है वह गत वर्ष के अनुसार अनुमान से ही दी गयी है।

(४) लगभग २०-२५ स्थानों पर १५०-१६० साधु-साध्वीयों के बारे में भी कोई सूचना प्राप्त नही हो सकी यहा जो सख्या दी गयी है वह गत वर्ष के अनुसार अनुमान से ही दी गयी है। कई साधु-साधवीयों क नाम रह गये हैं।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचाय	पन्यास	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	२	१	४६	३७५	४२५

कविकुल किरिट आचार्य प्रवर श्री विजय लब्धि सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख आचार्य :-

आचार्य प्रवर श्री विजय जिन भद्र सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (३४) मुनिराज (५७) महासतीयाजी (१३५) कुल ठाणा (१९२)

मुनिराज समुदाय

(१) पालीताणा (गुजरात)

१. आचार्य श्री विजय जिनभद्र सूरीश्वरजी म.सा.

२. आचार्य श्री विजय यशोवर्म सूरीश्वरजी म.सा. आदि (१७)

सम्पर्क सूत्र - श्री पन्ना रुपा धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सोराष्ट्र), जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(२) गदग (कर्नाटक)

१. आचार्य श्री विजय अशोक रत्न सूरीश्वरजी म.सा.

२. आचार्य श्री विजय अभय रत्न सूरीश्वरजी म.सा. आदि (८)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, न्यू क्लोथ मार्केट, पी.ओ. गदग (कर्नाटक) ५८२१०१ फोन . ८०३७, ८११२

(३) भरुच (गुजरात)

आचार्य श्री विजय पुण्यानन्द सूरीश्वरजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ भक्तामर मंदिर, जैन धर्म फंड पेढी, श्रीमाली पोल. मु.पो. भरुच (गुजरात) ३९२००१, फोन नं. ३२५८६

(४) कोयम्बतूर (तामिलनाडु)

दक्षिण केसरी आचार्य श्री विजय स्थूलभद्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ राजस्थान जैन मदिर, ओपनकारा स्ट्रीट, कोयम्वतुर-६४१००१ (तामिलनाडु)

(५) अहमदाबाद-नाराणपुरा (गुजरात)

आचार्य श्री विजय हिरण्यप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ जेन देरासर, सोला रोड, नाराणपुरा, अहमदावाद - ३८००१३ (गुजरात)

(६) भरुच (गुजरात)

आचार्य श्री विजय वारिषेण सूरीश्वरजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्ति जेन सघ भक्तामर मंदिर जेन फड पेढी, श्रीमाली पोल, मु.पो. भरुच (गुजरात) ३९२००१

(७) नागपुर (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय राजयश सूरीश्वरजी म.सा. आदि (७)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ जैन मदिर, जैन उपाश्रय, गुलाव सावगली, इतवारी, नागपुर - ४४०००१ (महाराष्ट्र)

साधन - बम्बई, इलाहाबाद, दुर्ग, रायपुर, कोल्हापुर, भोपाल, जलगांव, दिल्ली, मद्रास, कलकत्ता आदि स्थानो से सीधी ट्रेन। रेल्वे स्टेशन से [illegible]

(८) पूना (महाराष्ट्र)

[illegible] श्री [illegible] म.सा. आदि [illegible]

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] मूर्ति जैन संघ [illegible]

मंदिर, [illegible], पूना - [illegible] (महाराष्ट्र)

(९) काडी (गुजरात)
श्री क्ला पूर्ण विजयजी म मा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ जैन देरासर, मु पो काटी-३८२७१५ (गुजरात)

(१०) पोयनाड (महाराष्ट्र)
श्री नयभद्र विजयजी म सा आदि (१)
सम्पक सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर, मु पो पोयनाड-४०२१०८ (महाराष्ट्र)

साध्वीयाँजी समुदाय

(११) ईडर (राजस्थान)
साध्वीश्री उमिलाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वताम्बर पेढी, जूनाबाजार, मु पो इडर, जिला साबरकाठा (गुजरात) ३०३४३०

(१२) भरच (गुजरात)
साध्वीश्री सरस्वतीश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्ति जैन सघ जैन फड पेढी, श्रीमाली पोल, भरच - ३९२००१ (गुजरात)

(१३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री विनितमालाश्री जी म सा आदि (१५)
सम्पक सूत्र - पन्ना रुपा धमशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(१४) अहमदाबाद - नाराणपुरा (गुजरात)
साध्वीश्री रूपप्रभाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय नाराणपुरा शाला रोड, अहमदाबाद-३८००१३(गुजरात)

(१५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री जयप्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - अमारी विहार, रुम न १७, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१६) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री सुभद्राश्री जी म सा आदि (१५)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय महासुख नगर, अहमदाबाद (गुज)

(१७) नन्दुरबार (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री सुभोदयाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर, जैन उपाश्रय मु पो नन्दुरबार (महाराष्ट्र)

(१८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री विमलाश्री जी म सा आदि (४)

(१९) ईडर (गुजरात)
साध्वीश्री लावण्यश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, स्टेशन रोड, ईडर (गुजरात) ३०३४३०

(२०) नागपुर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री रत्नचूलाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सघ जैन मदिर, इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र) ४४०००१

(२१) दावणगिरी (कर्नाटक)
साध्वीश्री जितेन्द्रश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन मदिर, चौकीपेठा, दवानगेरे-५७७००१ (कनाटक)

(२२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री आतमप्रभाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - अमारी विहार धर्मशाला, रुम न १६, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२३) राजकोट (गुजरात)
साध्वीश्री जययशाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय ३ श्रमजीवी सोसायटी राजकोट-३६०००१(गुजरात)

(२४) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री विराग मालाश्री जी म सा आदि (१५)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय के जरीवाला, गोपापुरा, सूरत (गुजरात) ३९५००२

(२५) भरुच (गुजरात)
साध्वीश्री जितेन्द्रश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ३ अनुसार

(२६) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री जी उज्ज्वल लता श्री जी म सा आदि (९)
सम्पक सूत्र - पन्नारुपा धर्मशाला, तलेटी रोड,

पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२७) **अहमदाबाद (गुजरात)**
साध्वीश्री पदमलताश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर उपाश्रय शोला रोड, अहमदाबाद (गुजरात)

(२८) **पालीताणा (गुजरात)**
साध्वीश्री सुधाशुयशाश्रीजी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - पन्नारुपा धर्मशाला, तलेटीरोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२९) **अहमदाबाद-कृष्णनगर (गुजरात)**
साध्वीश्री जयलताश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय जैन देरासर, कृष्णनगर, अहमदाबाद- (गुजरात)

(३०) **बैंगलौर (कर्नाटक)**
साध्वीश्री कल्पलताश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, चिकपेठ, बैंगलौर-५६००५३ (कर्नाटक)

(३१) **अहमदनगर (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री चन्द्रयशाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय खीमी गली, अहमदनगर (महाराष्ट्र) ४१४००१

(३२) **अहमदाबाद (गुजरात)**
साध्वीश्री कमलप्रभाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय शातीनगर, अहमदाबाद (गुजरात)

(३३) **देहू-रोड-(पूना) (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री हेमप्रभाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन मदिर उपाश्रय मु.पो. देहूरोड वाया पूना (महाराष्ट्र)

(३४) **अहमदाबाद (गुजरात)**
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा. आदि (२)

नोट-इसके अलावा लगभग ५० साध्वीयो के चातुर्मासो की जानकारीयां ज्ञात नही होसकी।

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१०	कुल कुल मुनिराज	५७
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	२४	कुल साध्वीयॉजी	१३५
कुल	३४	कुल	१९२

कुल चातुर्मास (३४) संत (५७) साध्वीयॉजी (१३५) कुल ठाणा (१९२)

साध-साध्वी-तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	५४	१८५	२३९
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	२	२
(-) महाप्रयाण हुऐ	३	-	३
(-) जानकारीया ज्ञात नही हो सकी	६	-	६
(-) जानकारीया ज्ञात नही हो सकी	-	५२	५२
१९९४ मे कुलठाणा है	५७	१३५	१९२

विशेष

(१) इस समुदाय की पूरी सूची प्राप्त नहीं होसकी लगभग ५०-५२ साध्वीयों की जानकारीयां ज्ञात नहीं होसकी

(२) इस समुदाय में २ मुनिराजो की नई दीक्षा एवं तीन मुनिराजों का महाप्रयाण हुआ। आचार्य श्री विजय वीरसेन सूरीश्वरजी म.का. महाप्रयाण भी हुआ।

(३) पन्यास श्री पदमविजयजी म.सा. के चातुर्मास की जानकारीभी प्राप्त नहीं हो सकी।

(४) इस समुदाय में अभी तक किसी को भी गच्छाधिपति पद प्रदान नहीं किया गया है। संघ नायकक का परमार आचार्य श्री को ही प्रदान किया गया है।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तक	गणि	मुनिराज	कुल ठाणा
[illegible]	-	-	१	-	[illegible]	[illegible]	[illegible]

जय काशी जय आत्म जय आनन्द जय देवेन्द्र जय फकीर

घोर तपस्वी, तपोगगन के पूर्ण चन्द्र, तपस्वी रत्न श्री सहज मुनि जी म सा , मधुर व्याख्यानी, सेवा भावी, सिद्धान्ताचार्य श्री राम मुनिजी म सा 'निर्भय' आदि ठाणाओ २ का खार-बम्बई मे सन् १९९४ का चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र, एव तप की आराधनाओ से यशस्वी ऐतिहासिक बनने की मगल कामनाऐ करते हुए ---

हार्दिक शुभ कामनाओ सहित---

घोर तपस्वी श्री सहज मुनिजी म सा

सिद्धान्ताचार्य श्री राम मुनिजी म सा 'निर्भय'

श्री पंजाब जैन भ्रातृ सभा

पूज्य काशीराम जैन स्मारक अहिसा भवन

अहिसा मार्ग, खार रोड (वेस्ट)

बम्बई - ४०००५२ (महाराष्ट्र)

फोन न ६०४ २५०९, ६०४ ५४३८, ६४९ ०६३०

सहयोगी संस्थाएँ

श्री जैन युवक मण्डल

श्री जैन महिला मण्डल

श्री महावीर मेडीकल एण्ड रिसर्च सेंटर

खार-बम्बई

बम्बई नगरोध्दारक धर्म प्रभावक वचन सिद्ध, बम्बई प्रथम प्रवेशक तपागच्छीय जगद्गुरु श्री मोहनलालजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख संघ नायक गच्छाधिपति स्वाध्याय प्रेमी सरल स्वाभावी गच्छाधिपति आचार्य श्री चिदानंद सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२५) मुनिराज (१७) साध्वीयॉजी (४२) कुल ठाणा (५९)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) आहोर (राजस्थान)
१. गच्छाधिपति, स्वाध्यायप्रेमी, सरल स्वभावी आचार्य श्री चिदानंद सूरीश्वरजी म.सा.
२. पन्यास श्री कीर्तिसेन मुनिजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री विमलनाथ जैन देरासर पेढी, पार्श्ववाडी, मु पो. आहोर, जिला जालौर(राजस्थान) ३०७०२९, फोन नं. २४२६ पी पी.

(२) कलकत्ता-केनिंग स्ट्रीट (प.बंगाल)
पन्यास श्री सुयश मुनि जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुजराती जेन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, ९६/९८ केनिग स्ट्रीट, विपलावी रस विहारी बावू रोड, कलकत्ता-७००००७ (प.बगाल)

(४) झॉपडा (प.बंगाल)
[illegible] श्री मुक्तिप्रभ मुनिजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री केशरीया आदिदेव जेन श्वेताम्बर मंदिर, [illegible] जेन [illegible] संघ मु.पो. झॉपडा, जिला पुरलिया (प.बगाल)

(५) बम्बई-कांदिवली (महाराष्ट्र)
[illegible] श्री मृगेन्द्र मुनिजी म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनि सुव्रत स्वामी जैन देरासर, उपाश्रय [illegible] देसाई रोड, कांदिवली (वेस्ट) बम्बई-४०००६७ (महाराष्ट्र)

(६) उज्जैन (मध्यप्रदेश)
श्री तपोधन मुनि जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्ति, जेन सघ जेन मंदिर, नमकमंडी, उज्जैन-४५६००६ (म.प्र.)

(७) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
श्री प्रियदर्शन मुनिजी म सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जेन मदिर, पीपली बाजार, इन्दौर-४५२००२ (म.प्र)

(३) खंभात (गुजरात)
प्रवर्तक श्री जयचन्द मुनि जी म सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री वीशा पोरवाड जेन सघ, जेन उपाश्रय मांडवी पोल, मु.पो खंभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(८) मध्यप्रदेश में योग्य स्थल
श्री चन्द्रशेखर मुनिजी म सा. आदि (१)

साध्वीयॉजी समुदाय

(९) आहोर (राजस्थान)
वयोवृद्धा साध्वीश्री विनयश्री जी म.सा. आदि [illegible]
सम्पर्क सूत्र - श्री विमलनाथ जेन पेढी [illegible], मु.पो. आहोर, जिला जालोर (राजस्थान) ३०७०२९ फोन नं. [illegible] पी.पी.

(१०) आहोर (जालोर) (राज)
[illegible] (३)
[illegible]

(११) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री ज्यूश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - ९९ हजारी नियासी धर्मशाला
तलटी गढ पालीताणा(सौराष्ट्र)
(गुजरात) ३६४२७०

(१२) सेवाड़ी (राजस्थान)
साध्वीश्री हेमरत्नाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्व मूर्ति जैन सघ मु पो सेवाडी,
जिला पाली (राजस्थान)

(१३) सुमेरपुर (राजस्थान)
साध्वीश्री भाग्यरत्नाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन बोर्डिंग सुमेरपुर,
जिला पाली (राजस्थान)

(१४) आहोर (राजस्थान)
साध्वीश्री सज्जनश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक १ अनुसार

(१५) झाँपड़ा (प बगाल)
साध्वीश्री जिनरत्नाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर C/o
श्री ए च सराफ (जैन) पनु आर एस न टा एल-
१७८ मु पो डोमगर याया निमरी, जिला धनबाद
(बिहार) ८२८१०७

(१६) अन्य स्थानों पर चातुमास
(जानकारी प्राप्त नहीं हासकी)

(१६) साध्वीश्री विजयश्री जी म सा
(१७) साध्वीश्री चन्द्रश्री जी म सा
(१८) साध्वीश्री प्रमलाश्री जी म सा
(१९) साध्वीश्री कमलश्री जी म सा
(२०) साध्वीश्री अयलश्री जी म सा
(२१) साध्वीश्री सुमगलाश्री जी म सा
(२२) साध्वीश्री ख्यातीश्री जी म सा
(२३) साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्री जी म सा
(२४) साध्वीश्री सयमश्री जी म सा
(२५) साध्वीश्री जिनरत्नाश्री जी म सा आदि (१४)

कुल चातुमास मुनिराज के	८	कुल कुल मुनिराज	१७
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	१७	कुल साध्वीयाँजी	४२
कुल	२५	कुल	५९

कुल चातुर्मास (२५) सत (१७) महासतियाँजी (४२)
कुल ठाणा (५९)

साधु-साध्वी तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुलठाणा
१९९३ में कुलठाणा थे	१५	३९	५४
(+) नइ दीक्षाऐ हुइ	२	३	५
(-) महाप्रयाण हुऐ	-	-	
१९९४ मे कुलठाणा है	१७	४२	५९

विशेष

(१) इस समुदाय की पूर्ण सूची प्राप्त नहीं होसकी यहा जो सख्या दी गयी है वह गत वर्ष की सूची के अनुमान से ही दी गयी है।

(२) यह समुदाय तपागच्छ श्वेताम्बर का है। श्वेताम्बर समुदाय में मुनियरो के नाम के आगे विजय या सागर शब्द लगाया जाता है परन्तु इस समुदाय में मुनिवरो के आगे केवल मुनि लगाया जाता है जो सम्पूर्ण श्वेताम्बर मूर्ति पूजक समुदाय मे एक रिकार्ड है।

(३) जैन पत्र-पत्रिकाऐ नहीं

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

आचार्य/स्थविर	पन्यास	प्रवर्तक	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	२	१	१४	४२	५९

शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय मोहन सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान मे समुदाय के संघ नायक आचार्य :- साहित्य कला रत्न आचार्य प्रवर यशोदेव सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (६५) मुनिराज (३२) महासतीयाजी (२१५) कुल ठाणा (२४७)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) पालीताणा (गुजरात)

१. साहित्य कला रत्न आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म.सा.

२. पन्यास श्री वाचस्पति विजयजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन साहित्य मदिर, तलेटी रोड, पालीताणा (सोराष्ट्र), जिला भावनगर (गुजरात)

नोट- आचार्य श्री जी का स्वास्थ्य अचानक बिगड जाने के कारण उनको २१-७-९४ को उपचार हेतु बम्बई के ब्रीच केण्डी होस्पीटल में भर्ती कराया गया जहा उनका उपचार चल रहा है। स्वास्थ्य सुधारपर है अत उन्हे कुछ दिन ओर यहा विराजने की संभावना है। अधिक जानकारी के लिए गवालिया टेक जेन मंदिर मे सपर्क करे।

(२) बम्बई-गोवालिया टेंक (महाराष्ट्र)

शतावधानी आचार्य श्री विजय जयानन्द सूरीश्वरजी म.सा. आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री गोवालिया टेक जेन सघ आराधना भुवन, ८७ खभाला हिल रोड, बम्बई-४०००३६ (महाराष्ट्र) फोन-३६७९२०९

साधन - [illegible] उपनगरीय [illegible] उतर [illegible]

(३) बम्बई-बोरीवली (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय कनकरत्न सूरीश्वरजी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन देरासर, जैन उपाश्रय जामली गली, बोरीवली (वेस्ट), बम्बई-४०००९२ (महाराष्ट्र) फोन - ८०५३३५७

(४) बम्बई-चेम्बूर (महाराष्ट्र)

१. आचार्य श्री विजय महानन्द सूरीश्वरजी म.सा.

२. पन्यास श्री महाबल विजयजी म.सा. आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री ऋषभदेव जैन देरासर, जैन उपाश्रय १० वा रास्ता, चेम्बूर-बम्बई-४०००७१ (महाराष्ट्र), फोन - ५५५४८०२

(५) बम्बई-भाईन्दर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री शखेश्वर पार्श्वनाथ बावन जिनालय तीर्थ पेढी, देवचन्द नगर, भाईन्दर (वेस्ट), जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४०११०१, फोन नं ८१९२१२३

(६) बम्बई-जोगेश्वरी (पूर्व) (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय पूर्णानन्द सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री महावीर स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्ति तपागच्छ सघ, जैन उपाश्रय, [illegible], जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-४०००६० (महाराष्ट्र), फोन - ८३७८७३६

(७) बम्बई-बोरीवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)

पन्यास श्री पद्मानंद विजयजी म.सा. आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - [illegible] (वेस्ट), बम्बई-४०००९२

(८) बम्बई-अधेरी (पूर्व) (महाराष्ट्र)
प्रवतक श्री सुबोध विजयजा म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय कातिनगर, अधेरी (पूव), बम्बइ-४०००६९ (महाराष्ट्र)

(९) पालीताणा (गुजरात)
श्री जयसेन विजयजी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार धमशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१०) पालीताणा (गुजरात)
श्री क्षमानन्द विजयजी म सा आदि -
सम्पर्क सूत्र - घाघारीली जैन धमशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुज) ३६४ २७०

(११) घोघा (गुजरात)
श्री नित्यानद विजयजी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन देरासर उपाश्रय, मु पो घोघा, जिला भावनगर (गुजरात)

साध्वीयॉजी समुदाय

(१२) अहमदाबाद खानपुर (गुजरात)
१ साध्वी श्री सुनन्दाश्री जी म सा आदि
२ साध्वी श्री चन्द्रयशाश्री जी म सा आदि
सम्पक सूत्र - गगनविहार, मावर होटल के पास, खानपुर, अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

(१३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री राजेन्द्रश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्रमणी विहार धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१४) बम्बई भाईन्दर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री वसत प्रभाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ८ अनुसार

(१५) वढ्वाण (गुजरात)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्वे मूर्ति जैन देरासर उपाश्रय लाखु पोल, वढवाण शहर वाया सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३०३०

(१६) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री जयसेनाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - बी-२६, मृदुग अपार्टमेंटस, वासणा बस स्टेण्ड के पास, पालडी, अहमदाबाद (गुजरात)

(१७) महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री स्वर्णप्रभाश्री जी म सा आदि

(१८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री किरणलताश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्रमणी विहार धमशाला रूम न ११, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१९) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री पूर्णकलाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - साण्डेराव भुवन धमशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२०) उम्मेदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री पद्मरेखाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - श्री पार्श्वनाथ जैन पेढी, मु पो उम्मेदाबाद (गोल), जिला जालौर (राजस्थान) ३४३०२१

(२१) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री पियुषपूर्णाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - श्रमणी विहार, धमशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(२२) बम्बइ-दहीसर (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री विश्वरत्नाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिनाथ जैन देरासर, उपाश्रय रेल्वे स्टेशन के सामने, दहीसर (वेस्ट), बम्बई-४०००६८ (महाराष्ट्र)

(२३) भावनगर (गुजरात)
साध्वीश्री अमीवर्षाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय वडवा भावनगर (गुजरात) ३६४ ००१

(२४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री मृत्युजयाश्री जी म सा आदि
सम्पक सूत्र - श्रमणी विहार धमशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४ २७०

(२५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री कमलाश्री जी म.सा आदि-
सम्पर्क सूत्र - कुसुम घर, जैन भोजन शाला के पास, पालीताणा (गुजरात)

(२६) भावनगर (गुजरात)
साध्वीश्री स्नेहलताश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री सिमंधर स्वामी जैन देरासर, ५९७ श्वेताम्बर बिल्डीग, ए.वी.किस्टेंट स्कूल के सामने, भावनगर (गुजरात) ३६४००१

(२७) मासर रोड (गुजरात)
साध्वीश्री हसलताश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन देरासर उपाश्रय मु.पो. मासर रोड, जिला वडौदा (गुजरात)

(२८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री यशोनदिनीश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - मगनमोदी जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(२९) जेतपुर (पाली) (गुजरात)
साध्वीश्री प्रियदर्शनाश्री जी म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन देरासर उपाश्रय, मु.पो. जेतपुर (पाली) जिला वडौदा(गुजरात)

(३०) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री मृगेन्द्रश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - निवृति निवास, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३१) वासद (गुजरात)
साध्वीश्री पदमलताश्री जी म सा. आदि-
सम्पर्क सूत्र-श्री जैन देरासर उपाश्रय मु.पो. वासद, जिला खेडा (गुजगत)

(३२) शिरपुर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री सुलक्षणाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर पेढी मु.पो. शिरपुर, तालुका मालेगांव, जिला आकोला (महाराष्ट्र) ४४४५०४

(३३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible]श्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - हजारी निवास धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री अंजनाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्रमणी विहार धर्मशाला, रुम नं. ८, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(३५) डभोई (गुजरात)
साध्वीश्री देवेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन देरासर उपाश्रय श्रीमाली वागा, मु.पो. डभोई, जिला वडौदा (गुजरात) ३९१११०

(३६) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री हेमलताश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - ऋषभदेव अपार्टमेटस, जैन उपाश्रय राजनगर वस स्टेण्ड, नारायणनगर रोड, पालडी अहमदावाद (गुजरात) ३८० ००७

(३७) बडौदा (रावपुरा) (गुजरात)
साध्वीश्री मयूरकलाश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय, मामानी पोल, रावपुरा रोड, वडौदा (गुजरात) ३५९ ००१

(३८) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री हर्षप्रभाश्री जी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - विन्दी अपार्टमेटस, डी-१, पदमप्रभू सोसायटी, नारायणनगर रोड, पालडी, अहमदाबाद (गुजगत)

(३९) वडौदा (गुजरात)
साध्वीश्री रश्मिलताश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिव्रत स्वामी जैन देरासर उपाश्रय, प्रतापकुंज सोसायटी, कारेली बाग, वडौदा (गुजरात) ३९००१८

(४०) वडौदा (रावपुरा) (गुजरात)
साध्वीश्री जयनदिनीश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय [illegible] पोल, रावपुरा रोड, वडौदा (गुजरात)

(४१) बम्बई-गोवालिया टॅंक (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - [illegible]

(४२) अहमदावाद-(माडवी पोल) (गुजरात)
साध्वीश्री ज्योति प्रभाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मोटा जैन देरासर के बाजू म, हवेली चौक, अमरेली (गुजरात) ३६५६०१

(४४) बम्बई-बोरीवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री कीर्तिकलाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री सभवनाथ जैन देरासर पेढी, जामली गली, बोरीवली (वेस्ट), बम्बई-(महाराष्ट्र)

(४६) बम्बइ-कादिवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री धर्म प्रभाश्री जी म सा आदि-
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रतस्वामी जैन देरासर, उपाश्रय भूलाभाई देसाइ रोड, कादिवली (वेस्ट), बम्बई-८०००६७ (महाराष्ट्र)

(४७) बम्बई-चेम्बूर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री भद्रकलाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री ऋषभदेव जैन देरासर, १० वा रास्ता, चेम्बूर, बम्बई-४०००७१ (महाराष्ट्र)

(४८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री जयधर्म कलाश्री जी म सा आदि-
सम्पर्क सूत्र - मोता सुखीया धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६८२७०

(४९) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री कुसुमश्री जी म सा आदि-
सम्पर्क सूत्र - शत्रुजय पार्क न २, ब्लोक १०१-१०२, केशरियानगर के पिछे, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(५०) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री विमलाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - हजारी निवास धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र)

(५१) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री भव्य यशाश्रीजी म सा आदि-
सम्पर्क सूत्र - भद्रवन अपार्टमेन्ट पोस्ट आफिस सामने, पालडी, अहमदावाद (गुजरात)

(५२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री पुण्य यशाश्री जी म सा आदि -
सम्पर्क सूत्र - आरीसा भवन धर्मशाला, तलाट गढ, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(५३) अहमदावाद-सरसपुर (गुजरात)
साध्वीश्री ललितागयशाश्री जी म सा आदि-
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय नानी वासणा श्री, सरसपुर, अहमदाबाद (गुजरात) ३८००१८

(५४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री आत्मदर्शनाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - मगन मोदी धर्मशाला, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(५५) गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)
साध्वीश्री नयदर्शनाश्री जी म सा आदि

(५६) बम्बइ-बोरीवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री मनोरमाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ४४ अनुसार

(५७) बम्बई-माटुगा (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री ज्योतिर्धराश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री वासूपूज्य स्वामी जैन देरासर, ब्राह्मण वाडा के नाकेपर, क्रिस सर्कल, माटूगा-बम्बई (महाराष्ट्र)

(५८) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री कुमुदप्रभाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - धर्मविहार उपाश्रय, चार बगला, कामधेनू रोड, पालडी अहमदाबाद (गुजरात)

(५९) वडौदा (गुजरात)
साध्वीश्री जयपूर्णाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर पारस सोसायटी, ४७ आर टी ओ आफिस के पिछे, वारसीया, वडौदा (गुजरात) ३९०००६

(६०) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री सिमधर स्वामी जैन देरासर उपाश्रय नाणावट, तालावाला की पोल, वडा चोटा सूरत (गुजरात) ३९५ ००१

(६१) जामनगर (गुजरात)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्री जी म सा आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय, चांदीवाजार,
लालबाग के सामने, जामनगर (गुजरात)

(६२) तंलोद (गुजरात)
साध्वींश्री तत्वगुणाश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय
मु.पो तलोद, जिला सांवरकाठा (गुजरात)

(६३) वल्लभ विद्यानगर (गुजरात)
साध्वीश्री कल्पलताश्री जी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर उपाश्रय जैन भवन,
अपोझिट नगर पंचायत, वल्लभ विद्यानगर,
वाया साणद, जिला खेडा (गुजरात)

(६४) डभोई (गुजरात)
साध्वीश्री कलापूर्णाश्री जी म.सा आदि
सम्पर्क सूत्र - भोगीलाल जैन उपाश्रय श्री मालीवागा,
मु.पो.डभोई, जिला वडौदा (गुजरात)

(६५) गुजरात में योग्य स्थल (गुजरात)
साध्वीश्री अनन्त गुणाश्री जी म.सा. आदि

कुल चातुर्मास मुनिराज के	११	कुल कुल मुनिराज	३२
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	५४	कुल साध्वीयॉजी	२१५
कुल	६५	कुल	२४७

कुल चातुर्मास (६५) संत (३२) साध्वीयॉजी (२१५)
कुल ठाणा (२४७)

विशेष

(१) इस समुदाय की जो सूची हमें प्राप्त हुई है वह इस बार काफी व्यवस्थित ढंग की बनी हुई है जिसमें साधु मुनिराजो के ठाणाओ की संख्या तो दी गयी है परन्तु साध्वीयो के ठाणाओ की संख्या प्रस्तुत नहीं की अत हमने आदि ठाणा करके छोड दिया है। यहां जो कुल ठाणा का योग दिया है वह गत वर्ष की संख्या के आधार से ही अनुमानित रुप में दिया गया है।

(२) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण की पूरा सूची एवं साध्वीयों के ठाणाओ की संख्या प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

(३) जैन पत्र-पत्रिकाऐ नहीं

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तक	गणि	प्रवर्तिनी	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
-	६	-	२	१	-	-	२३	२१५	२८३

तपोनिधि प्रशांत मूर्ति, सत क्रियाभिरूचि वैराग्य वारिधि आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय भक्ति सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- गच्छाधिपति प्रखर वक्ता शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (४८) मुनिराज (४५) साध्वीयॉजी (१९०) कुल ठाणा (२३५)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) हाडेचा (राजस्थान)

१. गच्छाधिपति, प्रखर वक्ता, शासन प्रभावक, आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा.

२. पन्यास श्री चन्द्रसेन विजयजी म.सा. आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सघ जैन मदिर पेढी, मु पो. हाडेचा वाया साचौर, जिला जालौर (राजस्थान) ३४३०२७, फोन न. (एस.टी.डी.-०२९७९) ८१३३

साधन - साचोर, बालोतरा, जालोर, जोधपुर आदि से बसे उपलब्ध

(२) पाटन (गुजरात)

१. आचार्य श्री विजय विनयचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.

२. आचार्य श्री विजय कल्पंजय सूरीश्वरजी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, सागर उपाश्रय भीमटो, मु पो पाटन (उत्तर गुजरात)

(३) अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय रुचकचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री भक्ति सूरी जैन उपाश्रय, [illegible] पोल्स [illegible], [illegible], अहमदावाद - ३८०००१ (गुजरात)

(४) अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय लब्धि सूरीश्वरजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - तुलसी श्याम फलेटस, गुर्जर क्षत्रियवाडी, भीमजीपुरा चार रास्ता, नवा वाडज रोड, अहमदावाद-३८००१३ (गुजरात)

(५) बम्बई-ठाणा (महाराष्ट्र)

पन्यास श्री पूर्णानन्द विजयजी म.सा.'कुमार श्रमण' आदि (१)

सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जेन मदिर टेभी नाका, ठाणा (वेस्ट) (महाराष्ट्र) ४००६०२

(६) बैंगलौर-अक्कीपेट (कर्नाटक)

पन्यास श्री अरुण विजयजी म.सा 'एम ए.बी.ए' आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री वासुपुज्य स्वामी जेन श्वेताम्बर मदिर, ३८/३९ ओबय्या लेन, आक्कीपेठ, बेंगलोर-५६००५३ (कर्नाटक)

फोन न. २८७०६८४ - २८७६९७३

चातुर्मास स्थल - धम्म सुबोध भवन, अपोझिट चिकपेट पोलिस स्टेशन [illegible], शावगष्ट्रेट, बगलोर-५६००५३ (कर्नाटक)

(७) आकोला (महाराष्ट्र)

पन्यास श्री [illegible] विजयजी म.सा आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन मदिर [illegible], [illegible], मु.पो. आकोला (महाराष्ट्र) [illegible]

(८) शंखेश्वर तीर्थ (गुजरात)

पन्यास श्री भानुचन्द्र विजयजी म.सा आदि [illegible]

सम्पर्क सूत्र - श्री १०८ [illegible], [illegible], [illegible]

जिला महेसाणा (गुजरात) ३८४२४६, फोन न २५

(९) पालीताणा (गुजरात)
श्री भद्रसेन विजय जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - अमरेन्द्र भवन, मु पो पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(१०) बम्बई-बान्द्रा (महाराष्ट्र)
श्री रामचन्द्र विजयजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री सभवनाथ जैन मदिर, जैन उपाश्रय जैन मदिर रोड, बान्द्रा (वेस्ट), बम्बई-४०००५० (महाराष्ट्र)

(११) सम्मेत शिखरजी (बिहार)
श्री पदम विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री धर्म मगल जैन विद्यापीठ, मु पो मधुवन, सम्मेत शिखरजी तीर्थ जिला गिरिडीह (बिहार) ८२५३२९

(१२) बम्बइ-कादिवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
श्री भद्रविजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - शखेश्वर पार्श्वनाथ जैन देरासर उपाश्रय शातिलाल मोदी क्रोस रोड न २, इरानी वाडी, कादिवली (वेस्ट) बम्बई-४०००६७ (महाराष्ट्र)

(१३) पालीताणा (गुजरात)
श्री वीर विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री भक्ति विहार धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(१४) साचौर (राजस्थान)
श्री मेरु विजयजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय मु पो साचोर जिला जालौर (राजस्थान)

(१५) गुजरात में योग्य स्थल
श्री पुण्य विजयजी म सा आदि (१)

(१६) बम्बई-घाटकोपर (महाराष्ट्र)
श्री विद्याचन्द्र विजयजी म सा आदि (१)
सम्पक सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन देरासर उपाश्रय घाटकोपर, बम्बइ (महाराष्ट्र)

(१७) उज्जैन (मध्यप्रदेश)
श्री चन्द्रशेखर विजयजी म सा आदि (४)
सम्पक सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर, उज्जैन(मध्यप्रदेश)

साध्वीयॉजी समुदाय

(१८) महेमदपुर (गुजरात)
१ प्रवर्तिनी महासती श्री विद्युतप्रभा श्री जी म सा
२ साध्वीश्री सूर्यकलाश्री जी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन देरासर, जैन उपाश्रय मु पो महेमदपुर टिला पालनपुर जिला बनासकाठा (गुजरात)

(१९) राणी स्टेशन (राजस्थान)
साध्वीश्री रत्नप्रभाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय जैन मदिर, मु पो राणी स्टेशन वाया फालना जिला पाली (राजस्थान)

(२०) राणी ग्राम (राजस्थान)
साध्वीश्री पूर्णकलाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर जैन उपाश्रय मु पो राणीगाव वाया फालना जिला पाली (राजस्थान)

(२१) हाडेचा (राजस्थान)
साध्वीश्री शीलगुणाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक १ अनुसार

(२२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री कचनश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - वापी जैन धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(२३) धरा (गुजरात)
साध्वीश्री अनिल प्रभाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पक सूत्र - श्री श्वे मूर्ति पूजक जैन देरासर मु पो धरा, तालूका काकरेज, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५५५५

(२४) शखेश्वर तीर्थ
साध्वीश्री अमारक्षाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पक सूत्र - श्री १०८ पार्श्वनाथ भक्ति विहार जैन उपाश्रय मु पो शखेश्वर तीर्थ ता समी

जिला महेसाणा (गुजरात) ३८४ २४६

(२५) नखत्रणा (गुजरात)
साध्वीश्री सिध्धपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो नरवत्रणा - कच्छ
जिला भुडा (गुजरात) ३७०६१५

(२६) चांदराई (राजस्थान)
साध्वीश्री सिद्ध गुणाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. चांदराई,
जिला जालौर (राजस्थान)

(२७) परभणी (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री सुयशप्रज्ञाश्री जी म.सा. आदि (५).
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर, जैन उपाश्रय
मु.पो. परभणी (महाराष्ट्र) ४३१४०१

(२८) दिल्ली-चांदनी चौक
साध्वीश्री राजप्रज्ञाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री आतम वल्लभ जैन श्वेताम्बर संघ
२०४९ किनारी बाजार, चादनी चौक,
दिल्ली-११०००६ फोन-३२५४८५३

(२९) खुडाला (राजस्थान)
साध्वीश्री राजदर्शिताश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति पूजक जैन मदिर,
जैन उपाश्रय मु.पो. खुडाला वाया फालना,
जिला पाली (राजस्थान)

(३०) अहमदाबाद-जवेरवाड (राजस्थान)
साध्वीश्री कचनश्री जी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - पाटीया का उपाश्रय जवेरवाड
अहमदाबाद-३८०००१ (गुज.)

(३१) मोसाणा (गुजरात)
साध्वीश्री रतनश्री जी म सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन देरासर उपाश्रय
मोसाणा (गुजरात)

(३२) पालीनाणा (गुजरात)
साध्वीश्री सुनन्दाश्री जी म.सा.
साध्वीश्री पुष्पप्रभाश्री जी म.सा. आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - [illegible] मंदिर,
[illegible] पालीताणा (गुजरात) [illegible]

(३३) अहमदाबाद-आश्रम रोड (गुजरात)
१. प्रवर्तिनी साध्वीश्री हेमलताश्री जी म.सा.
२. साध्वीश्री भावपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (१३)
सम्पर्क सूत्र - तुलसी श्याम् फलेटस जैन सघ
जूना वाडज, आश्रम रोड, अहमदाबाद -
३८००१३ (गुजरात)

(३४) बम्बई-ठाणा (महाराष्ट्र)
१. साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्री जी म.सा. आदि (११)
२. साध्वीश्री दिव्यप्रभाश्री जी म.सा. आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमांक ५ के अनुसार

(३५) विरमगांव (गुजरात)
साध्वीश्री तेजप्रभाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय
विरमगाव (गुजरात)

(३६) अहमदाबाद-आश्रम रोड (गुजरात)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री लावण्यश्री जी म.सा. आदि (१५)
सम्पर्क सूत्र - गुलाबशाति स्वाध्याय मदिर,
आश्रम रोड, अहमदाबाद ३८००१३ (गुजगत)

(३७) अहमदाबाद, शाहपुर (गुजरात)
साध्वीश्री जितेन्द्रश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - शाहपुर, सुनागना खाचामा,
वहनो का उपाश्रय, अहमदाबाद-शाहपुर (गुजगत)

(३८) अहमदाबाद-विजयनगर (गुजरात)
साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, भगवतीनगर बस स्टेशन
के सामने, विजयनगर, अहमदाबाद (गुजरात)

(३९) अहमदाबाद-शाहपुर (गुजरात)
साध्वीश्री पद्मलताश्रीजी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - मंगल पारेखनो खाचो, [illegible]
पोळमा, शाहपुर, अहमदाबाद (गुजरात)

(४०) बम्बई-बोरीवली (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा. आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - [illegible]
[illegible]
बोरीवली ([illegible]) [illegible]

(४१) अहमदाबाद-विजयनगर (गुजरात)
साध्वी श्री सत्यानदश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - जयासेन चदुलाल जैन आराधना भवन,
विजयनगर (क्रॉसीग के सामने)
अहमदाबाद (गुजरात)

(४२) समी (गुजरात)
साध्वीश्री लक्षीतज्ञाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय जैन मदिर, मु पो समी
वाया हारीज, जिला महेसाणा (गुजरात)

(४३) बोटाद (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रानदश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका जैन उपाश्रय सहकार सोसायटी,
रेल्वे क्रोसिग के सामने, मु पो बोटाद,
जिला भावनगर (गुजरात)

(४४) अहमदाबाद-शाहपुर (गुजरात)
साध्वीश्री हितज्ञाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - महिला जैन उपाश्रय कपाली दास की
पोल, शाहपुर, मगल पारेख खाचा, अहमदाबाद
(गुजरात)

(४५) जगदपुर (गुजरात)
साध्वीश्री नयप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - चदुलाल वाघणीवावा का उपाश्रय
बुद्धिसागर सोसायटी, रेल्वे स्टेशन के सामने,
मु पो जगदपुर (चादखेडा) (गुजरात)

(४६) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री साम्यप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - सेटेलाइट व्योमेश्वर कोम्प्लेक्स जैन मदिर
उपाश्रय अहमदाबाद (गुजरात)

(४७) पाटन (गुजरात)
साध्वीश्री जयरत्नाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका जैन उपाश्रय
घीवटो डख, मेहता का पाडा, मु पो पाटन,
जिला महेसाणा (गुजरात)

(४८) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री दीप्तिप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका जैन उपाश्रय
आनन्द नगर सोसायटी, अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१७	कुल कुल मुनिराज	४५
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	३१	कुल साध्वीयाँजी	१९०
कुल	४८	कुल	२३५

कुल चातुर्मास (४८) सत (४४) साध्वीयाँजी (१९०)
कुल ठाणा (२३५)

साधु-साध्वी तुलनात्मक तालिका १९९४

विवरण	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुलठाणा
१९९३ मे कुलठाणा थे	५१	१८४	२३५
(+) नई दीक्षाऐ हुई	-	६	६
(-) महाप्रयाण हुऐ	४	- -	४
(-) जानकारीया ज्ञात नहीं हुई	२	-	२
१९९४ मे कुलठाणा है	४५	१९०	२३५

विशेष
(१) इस समुदाय के तीन मुनिराजो की जानकारीया ज्ञात नहीं होसकी जिनमें अहिसा प्रचारक प्रमुख श्री अभयचन्द्र विजयजी म सा प्रमुख है।
(२) नई पदवीयो की सूची ज्ञात नहीं होसकी।
(३) जैन पत्र-पत्रिकाऐ नहीं।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	पन्यास	प्रवर्तिनी	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	४	५	३	३५	१८६	२३५

कच्छ वागड़ देशोद्धारक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय कनक सूरीश्वरजी म.सा. (वागड वाले) का समुदाय

समुदाय के प्रमुख संघ नायक आचार्य :- आध्यात्मिक योगी भक्तियोग साधक सम्राट शासन प्रभावक फलोदी रत्न, आचार्य प्रवर श्री विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (७७) मुनिराज (२६) साध्वीयॉजी (३९२) कुल ठाणा (४१८)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) मद्रास-सूले-वेपरी (तामिलनाडू)

१. आध्यात्मिक योगी, भक्तियोग साधक सम्राट, शासन प्रभावक, फलोदी रत्न आचार्य प्रवर श्री विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा.

२. पन्यास श्री कलाप्रभ विजयजी म सा.

३ श्री पूर्णचन्द्र विजयजी म सा. आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - श्री चुलाई वेपारी जैन सघ
३८-वेकटाचलम मुडाली स्ट्रीट, चुलाई,
मद्रास - ६००११२ (टी.एन),
फोन न. ५३२२३४६, ५६२४३६

चातुर्मास स्थल - शेठ कालुराम रतनलाल मालू जैन भवन, ३० वेकटाचल मुडाली स्ट्रीट, चुलाई, मद्रास-६००११२ (टी एन.)

साधन - देश के हर कोने से मद्रास के लिए ट्रेन सेवा उपलब्ध। मद्रास सेंट्रल रेल्वे स्टेशन से सिटी बसे एव आटो रिक्सा से चूले (सूले वेपरी) उतरे वहा से समीप या मिटस्ट्रीट शाहूकारपेठ मे आराधना जैन भवन मे पूछताछ करें

(२) भचाऊ-कच्छ (गुजरात)

उपाध्याय श्री प्रीतिविजयजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री चिंतामणी जैन उपाश्रय, हनुमान वास, मु.पो. भचाऊ-कच्छ (गुजरात) ३७०१४०

(३) मद्रास-शाहूकार पेट (तामिलनाडू)

श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन आराधना भवन,
३६१ मीट स्ट्रीट, सावकारपेठ,
मद्रास-६०००७९ (तामिलनाडू)

(४) बैंगलौर (कर्नाटक)

श्री मुक्तिचन्द्र विजयजी म.सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ
आदिनाथ जैन मदिर, चिकपेठ,
बैगलौर-५६००५३ (कर्नाटक)
फोन-२८७३६७८

साधन - बैगलोर रेल्वे स्टेशन एव एस. टी. बस स्टेण्ड से आटोरिक्सा से चिकपेट उतरे वहा बाजार के बीच में जैन मंदिर है।

(५) सुदामड़ा (गुजरात)

श्री तीर्थभद्र विजयजी म सा आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु.पो. सुदामडा वाया सायला,
जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

(६) सैलम (तामिलनाडू)

श्री विमल प्रभ विजयजी म सा आदि ([illegible])

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मंदिर [illegible] स्ट्रीट, सेवापेठ, पी ओ. सालेम (तामिलनाडू) ६३६००२

(७) उज्जैन या इन्दौर (म.प्र.)

श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि ([illegible])

साध्वीयॉजी समुदाय

(८) मद्रास-चूले (तामिलनाडू)
१ साध्वीश्री भूपणश्री जी म सा आदि (६)
२ साध्वीश्री सुवर्णप्रभाश्री जी म सा आदि (६)
३ साध्वीश्री चेतणाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक १ अनुसार

(९) मद्रास-चूले (तामिलनाडू)
साध्वीश्री महाप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिनाथ जैन मदिर, १०-वेरेग्स गेट रोड, पट्टालम चुलाई, मद्रास-६०००१२ (टी एन)

(१०) मद्रास-शाहूकार पेठ (तामिलनाडू)
१ साध्वीश्री हीरश्री जी म सा आदि (१८)
२ साध्वीश्री अतिमुक्ताश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ३ अनुसार

(११) मद्रास-शाहूकार पेठ (तामिलनाडू)
साध्वीश्री मोक्षानदाश्री जी म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक ३ अनुसार
चातुर्मास स्थल - आयविल जैन भुवन, मिन्ट स्ट्रीट, शाहूकार पेठ

(१२) मद्रास-शाहूकारपेठ (तामिलनाडू)
साध्वीश्री विजयलताश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुजराती जैन वाटी, ९९ मीट स्ट्रीट, शाहुकारपेठ, मद्रास-६०००७९ (टी एन)

(१३) मद्रास-वेपरी (तामिलनाडू)
साध्वीश्री जय कीर्तिश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन सघ, ५९ ई वी के सम्पथ रोड, वेपेरी, मद्रास - ६००००७ (टी एन)

(१४) मद्रास अन्नामलाई (तामिलनाडू)
साध्वीश्री नदी मित्राश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, अ रिहत अपार्टमेटस, २२ अन्नामलाई रोड, मद्रास-६०००८८ (टी एन)

(१५) मद्रास-सैदापेठ (तामिलनाडू)
साध्वीश्री अक्षय नदिताश्रीजी म सा आदि (F)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, १८ धरमराज कोईल स्ट्रीट, सैदापेठ, मद्रास-६०००१५ (टी एन)

(१६) मद्रास-टीनगर (तामिलनाडू)
साध्वीश्री सुवर्ण रेखाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातीनाथ जैन मदिर, ३३ जी एन छेटी रोट, टी नगर, मद्रास ६०००१७ (तामिलनाडू)

(१७) नैल्लौर (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वीश्री चित्त प्रसन्नाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, मडपाल स्ट्रीट, पी ओ नेरोले-(ए पी) ५२४००१

(१८) बैंगलौर (चिकपेठ) (कर्नाटक)
साध्वीश्री नित्यधर्माश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ जैन मदिर, चिकपेठ, बैगलौर-५६००५३ (कर्नाटक)

(१९) बैंगलौर-विश्वैश्वरपुरम् (कर्नाटक)
साध्वीश्री निर्मल गुणाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर, दादावाडी, जैन मदीर रोड, विश्वेश्वरपुरम, बैंगलौर-५६०००४ (कर्नाटक)

(२०) कानावदर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री हेमलताश्री जी म सा आदि (४)

(२१) बाडकुमेद (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री देवानदाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर जैन मदिर मु पो बाटकुमेद जिला देवास (म प्र) ४५६६६५

(२२) उन्हेल (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री जयलताश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन मदिर उपाश्रय मु पो उन्हेल वाया नागदा, जिला देवास (म प्र)

(२३) देवास (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री जितप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ जैन मदिर के पास १९ विगमा रोड, मु पो देवास (म प्र) ४५५००१

(२४) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री चन्द्रकलाश्री जी म सा आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन सघ
श्री नीलेश्वर आचार्य श्री विजय भक्ति सूरीश्वरजी
म.सा. का समुदाय १०९१०८ समग्र जैन चातुर्मास

(२५) बालोद (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री जयानदाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन सघ हाटपुरा बाजार,
मु पो. बालोद, जिला सोमपुर (म.प्र) ४६५५५५

(२६) कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री दिनमणीश्री जी म.सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय
प्रतिमानगर, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) ४१६००३

(२७) पालीताणा (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री नयरेखाश्री जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - वल्लभ विहार तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(२८) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री सुनन्दाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - निवृति निवास, केशरियाजी नगर के
सामने, पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७०

(२९) पालीताणा (गुजरात)
१. साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्री जी म.सा. आदि (७)
२. साध्वीश्री चन्द्रज्योतिश्री जी म.सा. आदि (३)

अहमदाबाद शहर क्षेत्र

(३०) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री सुभद्राश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री रुक्मणी श्राविका उपाश्रय
भगवती फ्लेट के पास, रामनगर, साबरमती,
अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात)

(३१) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय जैन देरासर के पास,
[illegible], साबरमती,
अहमदाबाद - ३८०००५ (गुजरात)

(३२) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - गगावा जैन उपाश्रय हीरा जैन सोसायटी,
साबरमती, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००५

(३३) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
साध्वीश्री धर्मकीर्तिश्री जी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कांति भणसाली, रामकृष्ण अपार्टमेंटस,
शाहीबाग, अहमदाबाद-३८०००४ (गुजरात)

(३४) अहमदाबाद-कृष्णनगर (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रयशाश्री जी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - ३४ जयानन्द सोसायटी प्रिया सिनेमा के
पास, कृष्णनगर नरोडा रोड, अहमदाबाद-
(गुजरात) ३८२३४६

(३५) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री भुवनश्री जी म सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - नीरव फ्लेटस, शातिवन बस स्टाप के
पास, पालडी, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००७

(३६) अहमदाबाद-मांडवीपोल (गुजरात)
साध्वीश्री दौलतश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - जैन देरासर के पास, माडवी पोल,
हरकिशन सेठ की पोल,
अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

कच्छ क्षेत्र

(३७) अंजार-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री हर्षकलाश्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. उपाश्रय शास्त्री रोड,
अंजार-कच्छ (गुजरात) ३७०११०

(३८) कटारिया-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] जी म सा. आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे. उपाश्रय मु पो कटारिया
तीर्थ, तालुका भचाऊ-कच्छ (गुजरात) [illegible]

(३९) भुजपुर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] जी म सा. आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय [illegible]
तालुका मुन्द्रा-कच्छ (गुजरात) [illegible]

(४०) आधोइ-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible]

सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय
मु पो आडीसर, तालूका-रापर-कच्छ
(गुजरात) ३७०१६०

(४१) भचाऊ-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री दिव्यप्रभाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, बाजार नो उपाश्रय मु पो भचाऊ-कच्छ
(गुजरात) ३७०१४०

(४२) भचाऊ-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री पूणगुणाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, चितामणी उपाश्रय हनुमान वास, भचाऊ-कच्छ (गुजरात) ३७०१४०

(४३) रापर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्र रेखाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ जैन उपाश्रय
मु पो रापर-कच्छ (गुजरात) ३७०१६५

(४४) सामखियाली - कच्छ (गुजरात)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो सामखियाली-कच्छ तालूका-भचाऊ
(गुजरात) ३७०१५०

(४५) माधापर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री अभीवर्षाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो माधापर, तालूका भुज जिला कच्छ
(गुजरात) ३७००२०

(४६) गागोदर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री चारुगुणाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो गागोदर, तालूका रापर-कच्छ
(गुजरात) ३७०१४५

(४७) आधोइ-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री ज्योतिप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय
मु पो आधोई, तालूका-भचाऊ-कच्छ
(गुजरात) ३७०१३५

(४८) लाकडिया-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री चन्द्रकाताश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय,
मु पो लाकडिया, तालूका- भचाऊ-कच्छ
(गुजरात) ३७०१४५

(४९) मनफरा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री सुभदयशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय
मु पो मनफरा, तालूका-भचाऊ-कच्छ
(गुजरात) ३७०१४०

(५०) थोरीयारी-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री नित्ययशाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो थोरीयारी, तालूका रापर-कच्छ
(गुजरात) ३७०१६०

(५१) मनफरा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री पुण्यदर्शनाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो मनफरा, तालूका भचाऊ-कच्छ
(गुजरात) ३७०१४०

(५४) भीमासर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री विजयाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जेन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो भीमासर, तालूका- रापर-कच्छ
(गुजरात) ३७०१६५

(५५) अहमदाबाद-साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री सगुणाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - धवलगिरी सोमायटी, गीताजली नगर,
बगला न ५८ डी के बिन साबरमती,
अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात)

(५६) अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)
साध्वीश्री अनुपमाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - बी-२, पदमावती सोसायटी
पी टी कालेज रोड, पालडी
अहमदाबाद-(गुजरात) ३८०००७

(५७) **अहमदाबाद-नाराणपुरा (गुजरात)**
साध्वीश्री हेमतश्री जी म.सा. आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - श्राविका उपाश्रय, मिराविका सोसायटी, नाराणपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) ३८००१३

(५८) **अहमदाबाद-पालडी (गुजरात)**
साध्वीश्री हिरण्यश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय अमूल सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद - ३८०००७ (गुजरात)

(५९) **राधनपुर (गुजरात)**
साध्वीश्री प्रफुल्ल प्रभाश्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय भानीपोल, राधनपुर, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५३४०

(६०) **राधनपुर (गुजरात)**
साध्वीश्री सुदक्षाश्री जी म सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय पाजरापोल, राधनपुर, जिला-बनासकाठा (गुजरात) ३०८३४०

(६२) **वढवाण शहर (गुजरात)**
साध्वीश्री पुण्य चुलाश्री जी म.सा आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय रैया सघवीनी शेरी, धोबी पोल, मु पो वढवाण शहर (सोराष्ट्र) ३६३०३०

(६३) **धागंध्रा (गुजरात)**
साध्वीश्री हंस पदमाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय नानी बाजार, धागंध्रा (सोराष्ट्र) ३६३३१०

(६४) **जामनगर (गुजरात)**
साध्वीश्री निरुपमाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - फूली बाई नो डेलो, देवबाग के पास, जामनगर (सौराष्ट्र) ३६१००१

(६५) **डेसा (गुजरात)**
साध्वीश्री [illegible] जी म सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय [illegible] पोल, मु.पो. डेसा,
जिला महेसाणा (गुजरात)

(६६) **सुरेन्द्रनगर (गुजरात)**
साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जेन सघ, जैन उपाश्रय थोमण मार्ग, सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३००१

(६७) **सांतलपुर (गुजरात)**
साध्वीश्री हितपूर्णाश्री जी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन सघ, जेन उपाश्रय मु पो. सातलपुर, जिला बनासकांठा (गुजरात) ३८५३५०

(६८) **सुदामड़ा (गुजरात)**
साध्वीश्री तत्वपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. सुदामडा, तालूका सायला, जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

(६९) **डीसा (गुजरात)**
साध्वीश्री दमयंतीश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय श्रेयास सोसायटी, हाईवेगेट, मु पो डीसा, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५५७५

(७०) **अहमदाबाद-पालडी-(गुजरात)**
साध्वीश्री विचक्षणाश्री जी म.सा. आदि (४)

(७१) **पालीताणा (गुजरात)**
साध्वीश्री कुवलयाश्री जी म.सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - ओसवाल यात्रिक गृह, तलेटी रोड, पालीताणा (सोराष्ट्र) ३६४२७०

(७२) **सूरत (गुजरात)**
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय कैलासनगर, सूरत-३९५००४ (गुजरात)

(७३) **सूरत-(गुजरात)**
साध्वीश्री [illegible] जी म सा आदि ([illegible])
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय कैलासनगर, सूरत ३९५००४ (गुजरात)

(७४) **सूरत (गुजरात)**
साध्वीश्री [illegible] जी म सा आदि ([illegible])

सम्पक सूत्र - श्री जैन श्वे मूर्ति सघ, जैन उपाश्रय
सुभाप चौक, गोपीपुरा, काजी मैदान,
सूरत-३९५००१ (गुजरात)

(७५) जामनगर (गुजरात)
साध्वीश्री जनभद्राश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, ओसवाल कोलोनी
सुमेर क्लब रोड, जामनगर (गुजरात) ३६१००५

(७६) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री दिव्यदर्शनाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय लिजारी पोल,
गोमतीपुर दरवाजा, अहमदाबाद
(गुजरात) ३८००२१

(७७) सूरत (गुजरात)
१ साध्वीश्री विद्युत प्रभाश्री जी म सा
२ साध्वीश्री विक्रमेन्द्राश्री जी म सा आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्वे मूर्ति सघ, जैन उपाश्रय
कैलाशनगर, सूरत-३९५००४ (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	७	कुल कुल मुनिराज	२६
कुल चातुर्मास सतियो के	७०	कुल सतियॉजी	३९२
कुल	७७	कुल	४१८

कुल चातुर्मास (७७) सत (२६) महासतियॉजी (३९२)
कुल ठाणा (४१८)

विशेष

(१) नई दीक्षा एव महाप्रयाण की सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

(२) इस समुदाय में अधिक पद विद्यमान नहीं है। आचार्य श्री को सघ द्वारा गच्छाधिपति पद प्रदान करने का निर्णय लिया था परन्तु आचार्य श्री ने कोई भी पद स्वीकार करने से इन्कार कर दिया इतना विशाल सघ होते हुए भी केवल ३ पदो पर ३ मुनिराज विद्यमान है अन्य समुदायो में कई पद दिखायी देते है।

(३) आचार्य श्री की पावन निश्रा में मद्रास मे फरवरी माह में एक ऐतिहासिक प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई जिसमें सम्पूर्ण जैन समाज के सभी रिकार्ड पिछे रख दिये ऐसा प्रतिष्ठोत्सव कहीं देखने सुनने को नहीं मिला है।

(४) इस वर्ष आपका मद्रास मे चातुर्मास है मद्रासनगर मे १३ मुनिराज एव ६८ साध्वीया कुल ठाणा ८१ का चातुर्मास मद्रास शहर में है जो समुदाय का २०% होता है।

(५) एक साध्वीका दक्षिण में ट्रक अकस्मात से महाप्रयाण हुआ

(६) जैन पत्र-पत्रिकाऐ-नहीं

(६) गतवर्ष समुदाय में विद्यमान थे - मुनिराज २५ साध्वीयॉजी

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

आचाय	उपाधयय	पन्यास	मुनिराज	साध्वीयॉजी	कुल ठाणा
१	१	१	२३	३९२	४१८

13

संघ स्थविर आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय सिद्धी सूरीश्वरजी म.सा. (बापजी म.सा.) का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख संघनायक आचार्य :- गणनायक शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (३३) मुनिराज (२४) साध्वीयाँजी (२५०) कुल ठाणा (२७४)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
संघ नायक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय भद्रंकर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय जैन सोसायटी, प्रीतमनगर अखाडा के पास, पालडी, अहमदावाद-३८० ००७ (गुजरात)
साधन- प रे मे वम्बई-अहमदावाद मेन लाइन पर मुख्य रेल्वे स्टेशन, रेल्वे स्टेशन से सिटी बसें एव आटोरिक्सा उपलब्ध

(२) मनफरा-कच्छ (गुजरात)
आचार्य श्री विजय अरविन्द सूरीश्वरजी म.सा. आदि (५)
सपर्क सूत्र- श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय मु पो. मनफरा, तालूका भचाऊ, कच्छ (गुजरात) ३७० १८०
साधन- सामखियाली भुज से बस उपलब्ध

(३) जूना डीसा (गुजरात)
१. आचार्य श्री विजय यशोविजय सूरीश्वरजी म.सा.
२. पन्यास श्री जयानन्द विजयजी म.सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र- श्री रमेशनन्द स्वर्णाकलाल, गाँधी चौक, मु पो. डीसा वाया पालनपुर, जिला वनासकाठा (गुजरात) ३८५५३५,
फोन न (एस.टी.डी. ०२७४४) २०२०३, २०१०८
चातुर्मास स्थल- श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन देरासर उपाश्रय जूना डीसा वाया पालनपुर, जिला वनासकाठा
साधन- पालनपुर, धागधा, सुरेन्द्रनगर, अहमदावाद, राजकोट आदि से सीधी वसें

(४) पालीताणा (गुजरात)
प्रवर्तक श्री जम्बू विजयजी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र- वीसा नीमा धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(५) सिनोर (गुजरात)
श्री हरिश्चन्द्र विजयजी म.सा आदि (३)

साध्वीयाँजी समुदाय

(६) जूना डीसा (गुजरात)
१. साध्वीश्री मनकश्री जी म.सा
२. साध्वीश्री मतीश्री जी म सा.
३ साध्वीश्री सुवर्णाश्री जी म.सा.
४. साध्वीश्री नूतनप्रभाश्री जी म.सा आदि (६०)
सम्पर्क सूत्र- उपरोक्त क्रमाक ३ अनुसार

(७) राजपुर (डीसा) गुजरात
साध्वीजी जयपूर्णाश्री जी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु.पो राजपुर (डीसा) वाया पालनपुर, जिला वनासकांठा (गुजरात)

(८) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री भावपूर्णाश्री जी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय जैन मदिर के पास, कैलाशनगर, सूरत- (गुजरात)

(९) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
साध्वीश्री तीर्थोदयाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, महिला उपाश्रय गिरधरनगर, शहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात) ३८००१० (गुजरात)

(१०) वाव- (गुजरात)
साध्वीश्री प्रशमचन्द्राश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो वाव वाया डीसा, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५५७४

(११) डीसा (गुजरात)
साध्वीश्री ज्योतिप्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय श्रेयास सोसायटी, मु पो डीसा, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५५३५

(१२) राधनपुर (गुजरात)
साध्वीश्री मृगाक पूर्णाश्री जी म सा आदि (३)

सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय गाँधी वास, मु पो राधनपुर वाया पालनपुर, जिला बनासकाठा (गुजरात)

(१३) सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
साध्वीश्री धैर्य रत्नाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र- श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु पो सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३००१

नोट- इसके अलावा लगभग २० स्थानो पर १५० साध्वीयो के और स्थानोपर चातुर्मास है उसकी जानकारी प्राप्त नही हो सकी।

विशेष-

(१) इस समुदाय की पूरी सूची प्राप्त नही हो सकी इस कारण यहाँ पर जो सख्या दी गयी है वह गतवर्ष के अनुमान से ही दी गयी है।
(२) नई दीक्षा एव महाप्रयाण सूची प्राप्त नही होने के कारण तुलनात्मक तालिका भी प्रस्तुत नही कर सके।
(३) इस समुदाय के कई आचार्य मुनिराज साध्वीयाँजी म सा सिद्धान्त प्रेमी आचार्यश्री प्रेम सूरीश्वरजी म सा (आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरीश्वरजी म सा) के समुदाय म चले गये है ऐसा उनके द्वारा प्राप्त सूची से ज्ञात होता है।
(४) जैन पत्र-पत्रिकाएँ नही
(५) जूना डीसा मे एक ही स्थान पर इस समुदाय की ६० साध्वीयाँ चातुर्मास हेतु विराजमान है।

साधु-साध्वी पद तालिका-१९९४

आचार्य	पन्यास	प्रवर्तक	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
३	१	२	१८	२५०	२७४

कुल चातुर्मास मुनिराजो के	५	कुल मनिराज	२४
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	२८	कुल साध्वीयाँजी	२५०
कुल	३३		२७४

कुल चातुर्मास (३३) मुनिराज (२४) साध्वीयाँजी (२५०) कुल ठाणश (२७४) अनुमानित

योगनिष्ठ आचार्य प्रवर श्री विजय केशर सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- गच्छाधिपति प्रखर वक्ता शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्री विजय हेमप्रभ सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (४४) मुनिराज (२५) महासतीयाँजी (१७०) कुल ठाणा (१९५)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) कलकत्ता - भवानीपुर (प. बंगाल)
गच्छाधिपति प्रखर वक्ता शासन प्रभारा आचार्य प्रवर श्री विजय हेमचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ, जैन मंदिर, ११-अे, हेशम रोड, भवानीपुर, कलकत्ता - ७०० ०२० (प. बंगाल)

(२) बम्बई - कांदिवली (महाराष्ट्र)
आचार्य श्री विजय यशोरत्न सूरीश्वरजी म.सा.
गणिवर्य श्री राजयश विजयजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री महावीर नगर श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन मंदिर के पास, सी/बिल्डिंग महावीर नगर, शंकर लेन, कादिवली (वेस्ट), बम्बई - ४०० ०६७ (महाराष्ट्र)
साधन - प.रे. के उपनगरीय सेवा मे कादिवली वेस्ट से २८४ नं.. की बस का अन्तिम स्टाप एवं आटोरिक्शा उपलब्ध स्टेशन से १/२ कि.मी. दूर

(३) कलकत्ता - केनिंग स्ट्रीट (प. बंगाल)
पन्यास श्री मलयचन्द्र विजयजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री गुजराती तपागच्छ जैन श्वेताबर संघ, जैन मंदिर उपाश्रय, ९६, कीनींग स्ट्रीट, कलकत्ता - ७०० ००१ (प. बंगाल)

(४) अहमदाबाद - (रतनपोल) (गुजरात)
श्री [illegible] विजयजी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - उजम फोईनी धर्मशाला, वाघण पोल, जवेरी रोड, रतनपोल, अहमदावाद - ३८०००१

(५) पालीताणा (गुजरात)
श्री हरिभद्र विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार धर्मशाला, तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(६) जामनगर (गुजरात)
श्री भास्करमुनिजी म.सा आदि
सम्पर्क सूत्र - मोहन विजय पाठशाला जामनगर - ३६१००१ (गुजरात)

(७) विशलपुर (राजस्थान)
श्री किर्ती प्रभ विजयजी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय, मु पो. विशलपुर जिला पाली (राज.)

(८) तारंगा तीर्थ (गुजरात)
श्री विभितप्रभ विजयजी म.सा. आदि
मम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति. जैन देरासर, जेन उपाश्रय, मु.पो. तारंगातीर्थ (गुजरात)

(९) शिवगंज (राजस्थान)
श्री सिद्धी विजयजी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. शिवगंज, जिला सिरोही (राजस्थान)

(१०) सेरीसा तीर्थ (गुजरात)
श्री आनन्दा विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन देरासर जैन उपाश्रय, मु.पो. सेरीसा तीर्थ (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

(११) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री ज्ञानश्रीजी म सा आदि (२५)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुक्तिचन्द्र श्रमण आराधना ट्रस्ट,
गिरिविहार धर्मशाला, तलेटी रोड,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१२) अहमदावाद - साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री नेमश्रीजी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री नेम मजु वरि स्वाध्याय मदिर,
पदम नगर, सोसायटी, साबरमती,
अहमदावाद - ३८०००५ (गुजरात)

(१३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्र श्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार धर्मशाला तलेटी रोड,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१४) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री मजुलाश्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - आराधना केन्द्र गिरिविहार धर्म शाळा,
तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१५) पालीताणा (गुजरात)
१ साध्वी श्री प्रभाश्रीजी म सा आदि
२ साध्वी श्री विनित प्रभा श्रीजी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार आराधना केन्द्र तलेटी रोड,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१६) पालीताणा (गुजरात)
१ साध्वी श्री जय प्रज्ञा श्री जी म सा आदि (३)
२ साध्वी श्री शशीप्रभा श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार मुक्ति नगर, तलेटी रोट,
पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१७) अहमदावाद थलतेज (गुजरात)
साध्वीश्री विनय प्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - मुक्तिधाम, जैन विद्यापीठ, गाधी नगर,
थल तेज, अहमदावाद (गुजरात) ३८००५८

(१८) बम्बई - वालकेश्वर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री कुसुम श्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री बाबू अमीचद पन्नालाल आदिश्वर
जैन देरासर, रीज रोड, वालकेश्वर,
बम्बई - ४०० ००६ (महाराष्ट्र)

(१९) अहमदावाद - पालडी (गुजरात)
साध्वी श्री पदम प्रभाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय,
वीतराग सोसायटी, पालडी, अहमदावाद (गुजरात)

(२०) बम्बई - मालाड (पूर्व) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री प्रशात श्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - नूतन जैन उपाश्रय, हाजी बापू रोड,
म्युनिसिपलटी होस्पीटल के पास, देवचद नगर
(मलाड) पूर्व, बम्बई - ४०० ०९७ (महाराष्ट्र)

(२१) बम्बई - मलाड (पूर्व) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री चन्द्रयशाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - मणि भुवन जैन उपाश्रय, मलाड (पूर्व),
बम्बई - ४०० ०९७ (महाराष्ट्र)

(२२) व्यारा (गुजरात)
साध्वी श्री अनतप्रभाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - कामपुरा जैन उपाश्रय, ताप्ती रेल्वे
मु पो व्यारा, जिला सूरत (गुजरात) ३९४६५०

(२३) सतना (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री महाप्रज्ञाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ, महावीर भुवन,
जैन उपाश्रय, मु पो सतना (मध्य प्रदेश) ४८५००२

(२४) इरोड (तामिलनाडु)
साध्वी श्री यश प्रभा श्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताबर सघ, जैन मदिर,
७-सी क्रीष्ण तलसी रोड, पी ओ
इरोड - ४३८००३ (तामिलनाडु)

(२५) बम्बई - भायकला (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री मेरुशीला श्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री मोतीशा सेठ रिलिजियस चेरीटेबल
ट्रस्ट, मोतीशा जैन मदिर, १० शेठ मोतीशा लेन,

भायकला, बम्बई - ४०० ०२७ (महाराष्ट्र)

(२६) कीम (गुजरात)
साध्वीश्री उदयप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु.पो. कीम, जिला सूरत (गुजरात)

(२७) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री ज्योति प्रभा श्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार आराधना ट्रस्ट, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(२८) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री नय पूर्णाश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय,
कैलाश नगर, सूरत (गुजरात) ३९५००१

(२९) बोरसद (गुजरात)
साध्वीश्री सूर्य प्रभाश्रीजी म.सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री चंपाबेन स्मृति भवन, महावीर नगर,
जैन उपाश्रय, तोरणाव माता रोड, मु पो बोरसद
वाया आनन्द जिला खेडा (गुजरात) ३८८५४०

(३०) सिरोही (राजस्थान)
साध्वीश्री श्रेयसकरा श्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मूलचंदजी सेठ, सेठ की गली
गोदी लेन, सिरोही (राजस्थान) ३०७००१

(३१) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री विश्व प्रभाश्रीजी म सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - गिरिविहार धर्मशाळा पालीताणा
(सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२६०

(३२) अहमदावाद - रतनपोल (गुजरात)
साध्वीश्री निर्मल प्रभाजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय रतनपोल, धोल्वाड
धर्मशाला के बाजू मे, अहमदावाद - ३८०००१
(गुजरात)

(३३) अहमदावाद-आंबावाडी (गुजरात)
साध्वी श्री [illegible] श्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - [illegible]
[illegible], अहमदावाद - ३८००१५

(३४) चिकमंगलौर (कर्नाटक)
साध्वी श्री विनयरत्ना श्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री नेमीनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट, C/o
श्री तेरापथी भवन, केनेरा बेक रोड, पी.ओ.
चिकमगलौर - ५७७१०१ (कर्नाटक)

(३५) दांतराई (राजस्थान)
साध्वी श्री वसतप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन मदिर
उपाश्रय, मु.पो. दांतराई स्टेशन आबू रोड,
जिला सिरोही (राजस्थान) ३०७५१२

(३६) बोलीयॉ (मधय प्रदेश)
साध्वी श्री विरती धराश्रीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री पंकजकुमारजी सागरमलजी जैन
कपडे के व्यापारी, मु पो. बोलीयाँ जिला मदसौर
(म.प्र.) ४५८८८०

(३७) राधनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री वितरागरसा श्री जी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति. जैन सघ, जैन उपाश्रय
चितामणी शेरी, राधनपुर, जिला - बनासकांठा
(गुजरात) ३८५३४०

(३८) सूरत (महिदरपुरा) (राजस्थान)
साध्वी श्री वदिताश्री जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मूर्ति सघ, जैन उपाश्रय
छापरीया शेरी, गले मंडी, महिदरपुरा (सूरत
(गुजरात) ३९५००२

(३९) अहमदावाद-पालडी (गुजरात)
साध्वी श्री वास वहत्ताश्रीजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - आयंबिल भुवन, जैन उपाश्रय,
लक्ष्मी वर्धक सोसायटी, नारणपुरा, पालडी
अहमदावाद - ३८०००७ (गुजरात)

(४०) सिरोही (राजस्थान)
साध्वी श्री [illegible] श्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. सिरोही
(राजस्थान) ३०७००१

(४१) सूरत-रादेर रोड (गुजरात)
साध्वीश्री चपकश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय रादेर रोड, सूरत (गुजरात)

(४२) अहमदावाद - शाहपुर (गुजरात)
साध्वीश्री कनक प्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - महिला उपाश्रय मगल पारेख का खांचा शाहपुर, अहमदावाद (गुजरात)

(४३) अहमदावाद-सावरमती (गुजरात)
साध्वीश्री तपोरत्नाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, अष्ट मगळ, सावरमती, अहमदावाद (गुजरात) ३८०००५

(४४) ओड (गुजरात)
साध्वीश्री प्रशात रसा श्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय, मु पो ओड वाया आणन्द (गुजरात) जिला खेडा

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१०	कुल कुल मुनिराज	२५
कुल चातुर्मास सतियो के	३४	कुल सतियाँजी	१७०
कुल	४४	कुल	१९५

कुल चातुमास (४४) सत (२५) महासतियाँजी (१७०) कुल ठाणा (१९५)

विशेष

(१) नई दीक्षा एव महाप्रयाण की सूची प्राप्त नही होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नही कर सके।

(२) इस समुदाय की सूची चातुर्मास प्रारम्भ होने के १५ दिन पश्चात् प्राप्त हुई फिर भी इसे यथास्थान पर देने का प्रयत्न किया गया है।

(३) जैन पत्र-पत्रिकाएे नही

(४) इस वर्ष एक मुनिराज को गणि पदवी प्रदान की गयी।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	पन्यास	गणि	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	१	१	१	२१	१७०	१९५

श्री नाकोडा तीर्थोद्धारक आचार्य प्रवर श्री विजय हिमाचल सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- गच्छाधिपति मालानी क्षैत्र उद्धारक, सरल स्वभावी, आचार्य प्रवर श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२०) मुनिराज (१५) साध्वीयॉजी (८०) कुल ठाणा (९५)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) **नाकोड़ाजी तीर्थ-मेवानगर (राजस्थान)**
गच्छाधिपति, मालानी क्षैत्र उद्धारक सरल स्वभावी आचार्य प्रवर श्री विजय लक्ष्मी सूरीश्वरजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री नाकोडाजी जैन तीर्थ पेढी, नाकोडाजी तीर्थ, मेवानगर वाया बालोतरा, जिला बाडमेर

(२) **गुजरात में योग्य स्थल**
मेवाड दीपक पन्यास श्री रत्नाकर विजयजी म.सा. आदि

गुजरात-राजस्थान में योग्य स्थल (जानकारीयां ज्ञात नहीं)
(३) पन्यास श्री विद्यानन्द विजयजी म.सा. आदि
(४) श्री वल्लभद्र विजयजी म.सा. आदि
(५) रवि शेप विजयजी म.सा. आदि

साध्वीयॉजी समुदाय

गुजरात-राजस्थान में योग्य स्थल (जानकारीया ज्ञात नहीं)
(६) साध्वीश्री शांतिश्री जी म.सा. आदि
(७) साध्वीश्री रंजनश्री जी म सा. आदि
(८) साध्वीश्री गरिमाश्री जी म.सा. आदि
(९) साध्वीश्री बालाश्री जी म.सा. आदि (दक्षिण भारत में)
(१०) साध्वीश्री पुण्य उदयश्री जी म.सा. आदि
(११) साध्वीश्री चन्द्रप्रभाश्री जी म.सा आदि
(१२) साध्वीश्री अमृताश्री जी म.सा. आदि
(१३) साध्वीश्री मदनरेखाश्री जी म.सा. आदि
(१४) साध्वीश्री दर्शनश्री जी म.सा. आदि
(१५) साध्वीश्री चेतनश्री जी म.सा. आदि
(१६) साध्वीश्री चंपकश्री जी म.सा. आदि
(१७) साध्वीश्री पुष्पाश्री जी म.सा. आदि

कुल चातुर्मास मुनिराज के	५	कुल कुल मुनिराज	१५
कुल चातुर्मास सतियो के	१२	कुल सतियॉजी	८०
कुल	१७	कुल	९५

कुल चातुर्मास (१७) संत (१५) महासतियॉजी (८०) कुल ठाणा (९५)

विशेष

(१) चातुर्मास प्रारंभ होने के २५ दिन पश्चात् भी इस समुदायकी पूर्ण-अर्ध्द सूची कहीं से भी प्राप्त नहीं होसकी इस कारण यहां जो संख्या दी गयी है वह गतवर्ष की पूर्ण एवं प्रमाणिक व्यवस्थित सूची के आधारपर अनुमान से दी गयी है।

(२) जब पूरी सूची ही प्राप्त नहीं हुई तो नई दीक्षा-महाप्रयाण सूची तो आनेका प्रश्न ही नहीं उठता और न हम तुलनात्मक तालिका ही प्रस्तुत कर सके।

(३) सम्पूर्ण जैन समाज में यही एक मात्र समुदाय है कि जिसमें समुदाय का संघनायक गच्छाधिपति का सिंघाड़ा सबसे कम मुनिराजो का है गच्छाधिपति का सिंघाड़ा केवल एक ठाणा का है।

(४) जैन पत्र-पत्रिकाऐ नहीं

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	पन्यास	प्रवर्तक	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल ठाणा
१	२	-	१२	८०	९५

श्री बुद्धि तिलक प्रशांत तपोमूर्ति आचार्य प्रवर श्री विजय शांतिचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख संघनायक आचार्य :- अध्यात्मिक योगी सरल स्वभावी आचार्य प्रवर श्री विजय भुवन शेखर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (२७) मुनिराज (२५) साध्वीयॉजी (१६०) कुल ठाणा (१८५)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) अहमदावाद-केशवनगर (गुजरात)
अध्यात्मिक योगी सरल स्वभावी आचार्य
श्री विजय भुवन-शेखर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ, जैन उपाश्रय केशवनगर, सुभाष ब्रीज के पास, अहमदावाद (गुजरात)

(२) झाब (राजस्थान)
कलिकुण्ड तीर्थोद्धारक आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन सघ, जैन उपाश्रय मु.पो. झाब वाया रानीवाडा तहसील साचौर, जिला जालोर (राजस्थान) ३४३०४०
साधन - साचोर, रानीवाडा, जालोर, वालोतरा आदि से बसे

(३) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
पन्यास श्री भद्रानद विजयजी म.सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन उपाश्रय इन्दोर- (मध्यप्रदेश)

(४) सांचौर (राजस्थान)
पन्यास श्री रत्नेन्दु विजयजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - तपागच्छ जैन उपाश्रय मु पो. सांचोर, जिला जालोर (राजस्थान)

(५) राधनपुर (गुजरात)
श्री [illegible] जी म सा. आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मूर्ति जैन संघ, जैन उपाश्रय माली डोसी नी पोल, राधनपुर जिला बनासकांठा

साध्वीयॉजी समुदाय

साध्वीश्री सौभाग्यश्री जी म.सा. का परिवार

(६) भाभर (गुजरात)
साध्वीश्री सोहनश्री जी म.सा. आदि (२३)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्राविका जैन उपाश्रय मु.पो. भामर वाया पालनपुर, जिला बनासकांठा (गुजरात)

(७) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्री जी म सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री शातिनगर जेन मदिर, जेन उपाश्रय छीपा वाखल, नागचंपा अगरबत्ती वाले के पास, इन्दोर (मध्यप्रदेश)

(८) सांचौर (राजस्थान)
साध्वीश्री रैवतश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - पंचोनी धर्मशाला, मु पो सांचोर, जिला जालोर (राज)

(९) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री सूर्ययशाश्री जी म सा. आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र

(१०) खेड़ा (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible] जी म.सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन उपाश्रय,

परादरवाजा, खेड़ा (गुजरात)

(११) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री सुप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (१०)

(१२) नयाडीसा (गुजरात)
साध्वीश्री सवेगश्री जी म सा आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय चन्द्रलोक सोसायटी, नवाडीसा (गुजरात)

(१३) साचोर (राजस्थान)
साध्वीश्री सुव्रताश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री गोडीजी जैन मदिर, जैन उपाश्रय मु पो साचौर, जिला जालोर (राजस्थान)

(१४) खभात (गुजरात)
साध्वीश्री विश्वगुणाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पक सूत्र - मोटो मोलावाडो, खभात, जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(१५) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री विनय पूर्णाश्री जी म सा आदि (१०)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय कैलाशनगर, सूरत (गुजरात)

(१६) पालनपुर (गुजरात)
साध्वीश्री तत्वपूर्णाश्री जी म सा आदि (९)
सम्पक सूत्र - टावर जैन उपाश्रय पालनपुर जिला बनासकाठा (गुजरात)

(१७) झाब (राजस्थान)
साध्वीश्री कल्पपूर्णाश्री जी म सा आदि (१६)
साध्वीश्री सुजेष्ठाश्री जी म सा आदि (१६)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु पो झाब, जिला जालौर (राजस्थान)

(१८) अहमदाबाद - साबरमती (गुजरात)
साध्वीश्री सुलोचनाश्री जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - हस्तागिरी फलेटस, साबरमती, अहमदाबाद (गुजरात) ३८०००५

(१९) झेरडा (गुजरात)
साध्वीश्री सूय रेखाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय मु पो झेरडा वाया डीसा (गुजरात)

(२०) भिलडीयाजी तीर्थ (गुजरात)
साध्वीश्री सुवर्णकलाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन तीर्थ, भिलडियाजी तीर्थ

(२१) माडल (गुजरात)
साध्वीश्री विराग रसाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु पो माडल वाया विरमगाव (गुजरात)

(२२) भामर (गुजरात)
साध्वीश्री विद्युतप्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु पो भामर वाया पालनपुर, जिला बनासकाठा (गुजरात)

(२३) मोटा रानी वाडा (गुजरात)
साध्वीश्री अमितप्रज्ञाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु पो मोटा राणीवाडा, जिला जालौर (राजस्थान)

(२४) वीशनगर (गुजरात)
साध्वीश्री विवेकपूर्णाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - काजी का उपाश्रय मु पो वीशनगर, जिला महेसाणा (गुजरात)

(२५) कलीकुड तीर्थ-धोलका (गुजरात)
साध्वीश्री पियूषपूर्णाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कलिकुड पार्श्वनाथ तीर्थ, मु पो धोलका, जिला अहमदाबाद (गुजरात)

(२६) योग्य स्थल
साध्वीश्री स्नेहलताश्री जी म सा आदि (१२)

(२७) योग्य स्थल
साध्वीश्री प्रेमलताश्री जी म सा आदि (७)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	५	कुल कुल मुनिराज	२५
कुल चातुर्मास सतियो के	२२	कुल सतियाँजी	१६०
कुल	२७	कुल	१८५

कुल चातुर्मास (२७) सत (२५) महासतियाँजी (१६०)
कुल ठाणा (१८५)

विशेष

(१) इस समुदाय के आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा (६) एवं आचार्य श्री विजय सोमसुन्दर सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा (४) का नाम विगत कई वर्षो से आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा. की सूची में उनकी ओर दिया जा रहा है इस बार भी उनकी आज्ञा में ही उसी समुदाय में आया है एवं इस समुदाय में भी आया है। हमने गत वर्षो की सूची को ध्यान में रखते हुऐ उसके आधार पर इस वर्ष उनका नाम उनके समुदाय में ही दिया है। आचार्य श्री जी या अन्य किसी की ओर से इस बारे में जैसा भी स्पष्टीकरण आयेगा भविष्य में, हम वैसा ही करेंगे।

(२) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण की सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

(३) इस समुदाय की सही एवं व्यवस्थित सूची इस वर्ष ही प्राप्त हुई है फिर भी संभव है कुछ नाम और शेष रह गये है।

(४) जैन पत्र-पत्रिकाऐ कोई नहीं

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

आचार्य	पन्यास	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुलठाणा
२	२	२३	१६०	१८५

સપૂર્ણ વાર્ષિક રીપોર્ટ્સ અને પોસ્ટર્સ

આકર્ષક ઍડ-બ્રૉશર્સ અને સુદર લિફલેટ્સ

ધાર્મિક પુસ્તકો, હેન્ડબિલ્સ અને પોસ્ટર્સ

કાર્ટન્સ અને પૅકેજીગ

જયત પ્રિન્ટરીમા ઉત્તમ કાગળ પર સુદર,
સુઘડ અને વિવિધરગી છાપકામ કરાવો અને
પ્રિન્ટીંગમા અધતનપણુ અનુભવો

કાગળને હૈયે ઉમગ જ ઉમગ જયત પ્રિન્ટરીની છપાઈને સગ

જયંત પ્રિન્ટરી

ઉપર/૫૪, ગીરગામ રોડ, મુરલીધર મદિર કપાઉન્ડ, ઠાકુરદ્વાર પોસ્ટ ઑફિસ પાસે,
મુંબઈ-૪૦૦ ૦૦૨ ફોન ન. ૨૦૫ ૨૯ ૮૨, ૨૦૫ ૦૧ ૯૩

श्री अचलगच्छ (विधि पक्ष) सम्प्रदाय

वर्तमान में समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति :- शासन सम्राट भारत दिवाकर राष्ट्रसत कलिकाल अचल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर स्व. श्री गुणसागर सूरीश्वरजी म.सा. के समुदाय के वर्तमान अचल गच्छाधिपति तपस्वी रत्न आचार्य प्रवर श्री गुणोदय सागर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (८९) मुनिराज (४०) साध्वीयाँजी (२०४) कुल ठाणा (२४४)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) कोटडा (रोहा) (गुजरात)
अचल गच्छाधिपति, तपस्वी रत्न आचार्य
श्री गुणोदय सागर सूरीश्वरजी म.सा. आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचल गच्छ जेन उपाश्रय
श्री शातिनाथ जी जैन देरासर, मु.पो. कोटडा (रोहा) वाया भुज-कच्छ (गुजरात) ३७०६३५
साधन - भुज-गांधीधाम, गुन्दाला, सामखियाली, रोहा आदि से बसे

(२) बम्बई-कांदिवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
१. अचलगच्छ शिरोमणि राजस्थान दीप साहित्य दिवाकर आचार्य श्री कलाप्रभसागर सूरीश्वरजी म.सा.
२. श्री सूर्योदय सागरजी म.सा. आदि (९)
सम्पर्क सूत्र - श्री आर्यर क्षित नगर, भूराभाई आरोग्य भवन, शांतिलाल मोदी मार्ग, मयूर सिनेमा के बाजू में, कांदिवली (वेस्ट)
बम्बई - ४०० ०६७ (महाराष्ट्र)
फोन - ८६२५५५४
साधन- प.रे. की उपनगरीय रेल सेवा से चर्नीगेट बोरीवली रुट पर बोरीवली-मलाड के बीच मे रेल्वे स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन (वेस्ट) से १/२ कि.मी. की दूरी पर आटो रिक्सा उपलब्ध

(३) सुमरासर-(शेखवाली) (गुजरात)
१. गणि श्री कविन्द्र सागरजी म.सा.
२ गणि श्री वीर भद्रसागर जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जेन उपाश्रय मु.पो. सुमरासर (शेखवाली) वाया भूज कच्छ (गुजरात)

(४) जैन आश्रम-कच्छ (गुजरात)
श्री प्रेमसागर जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री मेघजी सोजपाल जेन आश्रम मु.पो. नागलपुर (ढींढ), ता. मांडवी कच्छ-३७०४६५ (गुजरात)

(५) अहमदावाद (गुजरात)
गणिश्री महोदय सागरजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय भवन सुपर बजार-नरसिहनगर सोसायटी, नाराणपुरा चार रस्ता, अहमदावाद-३८००१३ (गुजरात)

(६) वाड़मेर (राजस्थान)
श्री महाभद्रसागरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री कुशलमल [illegible] एण्ड कं., लक्ष्मी बजार-बाड़मेर (राजस्थान) ३४४००१

(७) सादड़ी (राजस्थान)
श्री [illegible]सागरजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible], [illegible]

सादड़ी राजस्थान,
जिला पाली ३०६७०२ (राजस्थान)

(८) बम्बई शाताक्रुझ (महाराष्ट्र)
श्री पुण्योदय सागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री कलिकुड पार्श्वनाथ जैन देरासर, जैन उपाश्रय रुप सिनेमा के पिछे, शाताक्रुझ (ईस्ट), बम्बई-४०००५५ (महाराष्ट्र)

(९) बम्बई भाडुप (महाराष्ट्र)
श्री सर्वोदयसागरजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय शक्ति आर्केड, पहला माला, लालबहादुर शास्त्री मार्ग, भाडुप, बम्बई-४०००७८ (महाराष्ट्र)

(१०) भीनमाल (राजस्थान)
श्री कमल प्रभसागरजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन धर्मशाला गणेश चोक-भीनमाल, जिला जालोर (राजस्थान) ३४३०२९

(११) विशाला (राजस्थान)
प पू मुनिश्री नयप्रभ सागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय धर्मशाला पो विशाला, जि बाडमेर (राजस्थान) ३४४००१

(१२) पालिताणा-सौराष्ट्र (गुजरात)
श्री पद्मसागरजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जामनगरवाली धर्मशाला, पोस्ट ओफिसके सामने, पालिताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(१३) गाधीधाम-कच्छ (गुजरात)
श्री देवरत्नसागरजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मू जैन उपाश्रय सेक्टर न १२, प्लोट न ३६२, गाधीधाम कच्छ-३७०२०१ (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

(१४) पालिताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
श्री प्रधान साध्वीजी श्री हरखश्री जी म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - श्री लीलगगन जैन सोसायटी, तलेटी रोड-पालिताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(१५) साभराई-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री गिरिवरश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पक सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय मु पो साभराई-कच्छ, ता माडवी-कच्छ-३७०४५० (गुजरात)

(१६) जैन आश्रम-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री जयतीश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मेघजी सोजपाल जैन आश्रम मु पो नागलपुर-(ढींढ), ता माडवी-कच्छ ३७०४६५ (गुज)

(१७) सुथरी तीर्थ-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री नरेन्द्रश्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय मु पो सुथरी तीर्थ-कच्छ, ता अवडासा-३७०४९० (गुजरात)

(१८) गढसीसा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री सूर्ययशाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री रणशी कुवरजीनी जग्यामा देरासर लेन-मु पो गढसीसा, ता माडवी-कच्छ-३७०४४५ (गुजरात)

(१९) हालापुर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री सुलक्षणाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय मु पो हालापुर, ता माडवी, कच्छ-३७०४५० (गुजरात)

(२०) देवपुर (गढवाणी) कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री निरजनाश्रीजी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय मु पो-देवपुर (गढवाणी), ता माडवी-कच्छ (गुजरात) ३७०४४५

(२१) नागलपुर (ढींढ)-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री हीरप्रभाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय मु पो नागलपुर (ढीढ), ता माडवी-कच्छ-

३७०४६५ (गुजरात)

(२२) बम्बई-गोरेगांव (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री रत्नरेखाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
राजेन्द्रपार्क नं. ४-पहला माला, स्टेशन रोड, गोरेगाम (वेस्ट), बम्बई-४०००६२ (महाराष्ट्र)

(२३) नानी तुंवडी-केच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री चारूलताश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. नानी तुंवडी
वाया भुज-कच्छ-३७०४३५ (गुजरात)

(२४) मांडवी-कच्छ-(गुजरात)
साध्वीश्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
छापरा शेरी-कयु डोशीना घर के सामने,
मांडवी-कच्छ-३७०४६५ (गुजरात)

(२५) मोटा आसंबीया-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री अरूणोदयश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. मोटा आसंविया, ता. मांडवी (कच्छ) ३७०४८५ (गुजरात)

(२६) भीनमाल (राजस्थान)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
गणेशचोक, मु.पो. भीनमाल, जि. जालोर (राजस्थान) ३४३०२९

(२७) सांयरा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री अरूणप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. सायरा, ता. अबडासा. कच्छ-३७०६४५

(२८) पालिताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
साध्वीश्री वनलताश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छी भवन, तलेटी रोड-पालिताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(२९) मोटी रायण-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible]श्रीजी म.सा. आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मू. अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
मु.पो. मोटी रायण, ता. मांडवी
कच्छ ३७०४६५ (गुजरात)

(३०) कोडाय-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री भुवनश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय मु.पो. कोडाय-कच्छ,
ता. मांडवी कच्छ-३७०४६० (गुजरात)

(३१) तेरातीर्थ-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री विश्वोदयश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. तेरा तीर्थ कच्छ, अवडासा-३७०६६०

(३२) पालिताणा-सौराष्ट्र (गुजरात)
साध्वीश्री नित्यानंदश्रीजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छीभवन-तलेटी रोड, पालिताणा-सौराष्ट्र-३६४२७० (गुजरात)

(३३) रायघणजर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री कल्पलताश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. रायधणजर, ता. अवडासा-कच्छ-३७०४७० (गुजरात)

(३४) भुजपुर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री आनदप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. भुजपुर-कच्छ, ता. मुंद्रा
कंठी-३७०४०५ (गुजरात)

(३५) देढीया-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री पूर्णानंदश्रीजी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जेन उपाश्रय
मु.पो. देढीया-कच्छ वाया मांडवी-३७०४५०

(३६) रामाणीया-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री सद्गुणाश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे. मू. जैन उपाश्रय
मु.पो. रामाणीया-कच्छ,
ता.मुन्द्रा-कंठी-३७०४१५ (गुजरात)

(३७) लायजा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री [illegible]श्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय

मु पो लायजा, ता माडवी-कच्छ,
३७०४७५ (गुजरात)

(३८) बम्बई-मुलुण्ड (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री हसावलीश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर
५४/५५ झवेर रोड, मुलुन्ड (वेस्ट),
बम्बई-४०००८० (महाराष्ट्र)

(३९) बाडमेर (राजस्थान)
साध्वीश्री सुनदाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री चितामणी पार्श्वनाथ जैन पेढ़ी, पाधर महोल्ला, जुनी चोकीरूावास, मु पो बाडमेर (राजस्थान) ३४४००१

(४०) बम्बई वडाला(महाराष्ट्र)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
सिग्मा लेबोरेटरी के पिछे, देरासर लेन, सभवनाथ चोक,
वडाला, बम्बई - ४०००३१ (महा)

(४१) पालिताणा-सौराष्ट्र (गुजरात)
साध्वीश्री विपुलयशाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री नरशी केशवजी धर्मशाला,
पालिताणा-सौराष्ट्र-३६४२७० (गुजरात)

(४२) चालीसगाम (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री गुणलक्ष्मीश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री पद्मप्रभु जैन मंदिर, स्टेशन रोड,
चालीसगाम, जि धुलिया (महाराष्ट्र) ४२४१०१

(४३) बीदडा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री निर्मलगुणाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री देरावासी मोटी धर्मशाला
मु पो बिदडा-चापाणी फरिया,
ता माडवी-कच्छ ३७०४३५ (गुजरात)

(४४) काडागरा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री जयरेखाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पक सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो काडागरा-कच्छ वाया -
माडवी-३७०४३५ (गुजरात)

(४५) जामनगर (सोराष्ट्र) (गुजरात)
साध्वीश्री ज्योतिप्रभाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
काजी चकलो, नेमनाथ देरासर पासे, जामन
(सौराष्ट्र) ३६१००१ (गुजरात)

(४६) पालिताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात)
साध्वीश्री विचक्षणाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छीभवन-तलेटी रोड
पालिताणा-सौराष्ट्र-३६४२७० (गुजरात)

(४७) बाडा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री अभयगुणाश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो बाडा, ता माडवी
कच्छ-३७०४७५ (गुजरात)

(४८) गढसीसा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री अक्षयगुणाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो गढसीसा-कच्छ वाया
माडवी - ३७०४४५ (गुजरात)

(४९) जैन आश्रम कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री निर्मलप्रभाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - श्री मेघजी सोजपाल जैन आश्रम
मु पो नागलपुर (ढींढ), ता माडवी
कच्छ-३७०४६५ (गुजरात)

(५०) जैन डोण-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री भावपूर्णाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो डोण-कच्छ,
ता माडवी-३७०४६५ (गुजरात)

(५१) पालिताणा (सौराष्ट्र) गुजरात
साध्वीश्री विपुलगुणाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पक सूत्र - श्री कच्छीभवन-तलेटी रोड,
पालीताणा-(सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(५२) गोधरा-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री हर्षगुणाश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो गोधरा-कच्छ,
ता, माडवी-३७०६४५ (गुजरात)

(५३) **सांधव-कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री जयगुणाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. साधव, ता. अवडासा,
कच्छ-३७०६४० (गुजरात)

(५४) **जखौतीर्थ-कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री धैर्यप्रभाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. जखोतीर्थ, ता. अवडासा
कच्छ-३७०६४० (गुजरात)

(५५) **वम्बई-माटुंगा (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री चारूप्रज्ञाश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन देरासर
महेश्वरी उद्यान के पास, कीगसर्कल,
माटुगा, मुंबई-४०००१९ (महाराष्ट्र)

(५६) **वम्बई कांजूरमार्ग (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री दिव्यगुणाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय 'कल्पतरु'
बी/१ला माला, काजूरमार्ग (ईस्ट),
बम्बई-४०००७८(महाराष्ट्र)

(५७) **उवसग्गहरंतीर्थ (मध्यप्रदेश)**
साध्वीश्री महाप्रज्ञाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री उवसग्गहरंतीर्थ पार्श्व पेढी तीर्थ,
पो.बोक्स नं. ४५, नगपारा पारसनगर,
दुर्ग (मध्यप्रदेश) ४९१००१

(५८) **वम्बई चींचबंदर (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री तत्वप्रज्ञाश्रीजी म.सा.
सम्पर्क सूत्र - श्री क.वी.ओ.दे. जैन नवी महाजनवाडी
९९-१०१, न्यु चींचबंदर रोड,
बम्बई-४००००९ (महाराष्ट्र)

(५९) **फरादी-कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री भाग्यगुणाश्रीजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. फरादी वाया मांडवी
कच्छ-३७०४३५ (गुजरात)

(६०) **पालिताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात)**
साध्वीश्री नंदिवर्धनाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री कच्छी भवन-तलेटी रोड,
पालिताणा (सौराष्ट्र) ३६४२७० (गुजरात)

(६१) **वम्बई चेम्बुर (गुजरात)**
साध्वी श्री कीर्तीगुणाश्रीजी म.सा.
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
विदुश्री विल्डींग, ग्राउन्ड इलोर
१५ वा रास्ता, चेम्बुर,
मुंबई - ४०० ०७१ (महाराष्ट्र)

(६२) **डुमरा-कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री विजयपूर्णाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. डुमरा कच्छ वाया
मांडवी ३७०४९० (गुजरात)

(६३) **लायजी-कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री हिरण्यगुणाश्रीजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो. लायजी मोटा, ता. मांडवी,
कच्छ ३७०४७५ (गुजरात)

(६४) **वम्बई-लालवाडी (महाराष्ट्र)**
साध्वीश्री अमीतप्रज्ञाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री सुविधिनाथ जैन उपाश्रय
१४२, डॉ. एस.एस.राव रोड, धर्मपुरी-लालवाडी,
बम्बई ४०० ०१२ (महाराष्ट्र)

(६५) **मेराउ-कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री देवगुणाश्रीजी म.सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो मेराउ, ता. मांडवी,
कच्छ ३७०४६५ (गुजरात)

(६६) **कोटडी (महा.) कच्छ (गुजरात)**
साध्वीश्री नंदिषेणाश्रीजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - अचलगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो. कोटडी, महादेवपुरी, ता. मांडवी,
कच्छ-३७०४५० (गुजरात)

श्री खरतर गच्छ सम्प्रदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख गच्छाधिपति गच्छाधिपति, शासन सम्राट, मधुर वक्ता, संघनायक पं.रत्न आचार्य प्रवर श्री जिन उदय सागर सूरीश्वरजी म.सा.

कुल चातुर्मास (६५) मुनिराज (२०) साध्वीयाँजी (२०१) कुल ठाणा (२२१)

मुनिराज समुदाय

(१) सिवनी (मध्यप्रदेश)
१. खरतर गच्छाधिपति, शासन सम्राट,
संघ नायक पं. रत्न आचार्य प्रवर
श्री जिन उदय सागर सूरीश्वर जी म.सा.
२. उपाध्याय श्री महोदय सागर जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर, शुक्रवारी
मु.पो. सिवनी, जिला (म.प्र.) ४८०६६१

(२) इन्दौर-मोरसली गली (म.प्र.)
गणिवर्य श्री मणिप्रभ सागर जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री खरतरगच्छ जैन श्री संघ
श्री जैन श्वेताम्बर नया मंदिर उपाश्रय २२ मोरसली
गली (सर्राफा) इन्दौर-४५२००२ (म.प्र.)
फोन नं. ४३३२७४, ५३३७६७, ५३४२७७,

(३) सांचौर-शांतिनगर (राज.)
श्री कैलास सागर जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - कुशल भवन, सुनारों का वास,
शांतिनगर, साचोर, जिला-जालोर (राज.)
३४३०४१

(४) जयपुर-जौहरी बाजार (राज.)
श्री [illegible] मुनिजी म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - [illegible] भवन, एम.एस. बी. का
रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर (राज.) ३०२००३

(५) बाड़मेर (राज.)
श्री [illegible] सागर जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन [illegible], [illegible],
मु.पो. बाड़मेर (राजस्थान) ३४४००१

(६) जावरा (मध्यप्रदेश)
श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जेन श्वेताम्बर मंदिर, पीपली बाजार,
जावरा, जिला रतलाम (म.प्र.) ४५७२२६

(७) फलोदी (राज.)
श्री मनोज्ञ सागरजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री खरतर गच्छ उपाश्रय मु.पो. फलोदी,
जिला-जोधपुर (राज.) ३४२३०१

(८) बाड़मेर-कल्याणपुरा (राज.)
श्री धर्मसागर जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर, कल्याणपुरा,
बाड़मेर (राज.) ३४४००१

(९) जोधपुर (राज.)
श्री महिमा प्रभ सागर जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - कुशल भवन, आहोर की हवेली के पास,
जोधपुर (राज.) ३४२००१

(१०) बाड़मेर (राजस्थान)
श्री सुयश प्रभ सागर जी म.सा. आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - जैन [illegible], [illegible] बाजार, बाड़मेर
(राजस्थान) ३४४००१

साध्वीयाँजी समुदाय

(११) बीकानेर (राज.)
साध्वीश्री [illegible] श्री जी म.सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - जैन उपाश्रय [illegible], [illegible],

(४५) अमलनेर (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री जयरेखाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे दादावाडी मदिर, न्यू प्लाट, मु पो अमलनेर, जिला-जलगाव (महा) ४२५४०१

(४६) फलोदी (राजस्थान)
साध्वीश्री स्वयप्रभाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - फूलचद जैन धर्मशाला, मु पो फलोदी, जिला-जोधपुर (राज) ३४२३०१

(४७) सूरत (गुजरात)
साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - शीतल वाडी उपासरा, गोपीपुरा, ओसवाल मोहल्ला, सूरत (गुज) ३९५००३

(४८) बडौदा (गुजरात)
साध्वीश्री पूर्णप्रभाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - मूलचद जैन धर्मशाला, नया बाजार, मु पो बडौदा (गुजरात) ३९०००६

(४९) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री जसवतश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - आमली पोल, खरतर गच्छ उपासरा, जवेरीवाड, अहमदाबाद (गुज) ३८०००१

(५०) अहमदाबाद-शाहीबाग (गुजरात)
साध्वीश्री पुष्पाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मूर्ति सघ, जैन उपाश्रय शाहीबाग, अहमदाबाद (गुज) ३८०००१

(५१) पालीताणा (गुज)
साध्वीश्री महेन्द्रश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मू सघ कल्याण भवन तलेटी रोड, पालीताणा, जिला भावनगर (गुज) ३६४२७०

(५२) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री महेन्द्रप्रभाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पक सूत्र - जैन भवन, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला-भावनगर (गुज) ३६४२७०

(५३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री मेघश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - महिला कुटीर, पालीताणा, जिला-भावनगर (गुज) ३६४२७०

(५४) धमतरी (म प्र)
साध्वीश्री शुभकरा जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - जैन श्वे मदिर, इतवारी बाजार, धमतरी, जिला-रायपुर (म प्र) ४९३७७३

(५५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री प्रमोदश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - माधोलाल बाबू की धर्मशाला, पालीताणा, जिला-भावनगर (गुजरात) ३६४२७०

(५६) जोधपुर (राजस्थान)
साध्वीश्री कुशलश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - केशरिया नाथ की धर्मशाला, दफ्तरीयो का वास, जोधपुर ३४२००१ (राजस्थान)

(५७) जोधपुर (राजस्थान)
साध्वीश्री चन्द्रकान्ताश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - केशरियानाथ जी की धर्मशाला, दफ्तरीयो का वास, जोधपुर ३४२००१ (राजस्थान)

(५८) महिदपुर (म प्र)
साध्वीश्री सतोषश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे खरतर गच्छ उपासरा, अपाढी गली, महिदपुर, जिला-उज्जैन (मध्यप्रदेश)

(५९) टाटानगर (बिहार)
साध्वीश्री तत्वदर्शनाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सघ एम सी स्कूल रोड, जुगल सलाई, मु पो टाटानगर, जिला जमशेदपुर (बिहार) ८३१००६

(६०) राची (बिहार)
साध्वीश्री शुभदर्शनाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वे मदिर, डोरन्डा बाजार, राची (बिहार) ८३४००२

(६१) महासमुद (म प्र)
साध्वीश्री हर्ष प्रभाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - मै बाफना ज्वेलर्स, गाधी चौक,

महासमुंद, जिला रायपुर (म.प्र.) ४९३४४५

(६२) बम्बई-पायधुनी (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री भाग्ययशाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री शांतिनाथ जैन देरासर, विजय वल्लभ चौक के पास, पायधुनी,
बम्बई ४०००03 (महाराष्ट्र)

(६३) अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री सुरेखाश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - विहार धाम, एल-डी यूनिवरसिटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुज.) ३८०००९

(६४) इन्दौर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री जितयशाश्री जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन दादावाडी, रामबाग,
इन्दोर-४५२००४ (मध्यप्रदेश)

(६५) कोटा (राजस्थान)
साध्वीश्री कल्पलताश्री जी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री खरतर गच्छ जैन उपाश्रय
रामपुरा बाजार, कोटा-(राजस्थान) ३२४००६

कुल चातुर्मास मुनिराज के	१०	कुल कुल मुनिराज	२०
कुल चातुर्मास सतियो के	५५	कुल सतियॉजी	२०१
कुल	६५	कुल	२२१

कुल चातुर्मास (६५) संत (२०) महासतियॉजी (२०१)
कुल ठाणा (२२१)

विशेष

(१) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।
(२) इस समुदाय में प्रधान साध्वी श्री अविचलश्री जी म.सा. का पालीताणा में इस वर्ष में पहाप्रयाण हो गया।
(३) खरतर गच्छ की एक मात संख्या अ.भा. श्री जैन श्वेताम्बर खरतर गच्छ महासंघ, ५३७-कटरानील, चांदनी चौक, दिल्ली-११०००६, फोन नं. २५१०१११, २५२७९८३, तार-वसुन्धरा, फेक्स-६४२०७९२
(४) इस समुदाय में विदुषी साध्वी डॉ. विद्युत प्रभाश्री जी म.सा. एम.ए.पीएच.डी. उपाधिसे विभूपित है। उसके अलावा भी अनेक साध्वीयॉ एम.ए. बी.ए. आदि उतीर्ण है उनकी जानकारीयां प्राप्त नहीं होसकी।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	उपध्याय	गणि	मुनिराज	साध्वीयॉ	कुल ठाणा
१	१	१	१७	२०१	२२१

सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्व पदमावती शक्ति पीठ,
शखेश्वर तीर्थ, जिला महेसाणा (गुजरात)

कुल चातुर्मास मुनिराज के	५	कुल कुल मुनिराज	२५
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	४	कुल साध्वीयॉजी	५३
कुल	९	कुल	६८

कुल चातुर्मास (९) मुनिराज (२५) साध्वीयॉजी (५३)
कुल ठाणा (६८)

विशेष

(१) इस समुदाय में लगभग २ मुनिराजों एव १०-१२ साध्वीयों की दीक्षा एव इस वर्ष हुई है। एव १ या २ साध्वीयोंका महाप्रयाण हुआ है।पूरी जानकारीया ज्ञात न हो सकी।

(२) समुदाय के गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय हेमेन्द्र सूरीश्वरजी म सा के साथ इस वर्ष लगभग ७०० श्रावक श्राविकाऐ भी एक साथ एक ही स्थान पालीताणा में ४ माह का चातुर्मास कर रहे है जो प्रतिदिन श्रावकाचार की प्रवृत्तियो मे रहते हैं। यह भी सम्पूर्ण जैन समाज में एक नया रिकार्ड स्थापित हुआ है कि सवाधिक श्रावक श्राविकाऐ एक ही स्थान पर साधु मुनिराजों की तरह ४ माह का चातुर्मास कर रहे हो।

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	प्रवतिनी	मुनिराज	साध्वीयॉजी	कुल ठाणा
१	१	१८	५२	६८

श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ सम्प्रदाय

भाग द्वितीय

**सौधर्म वृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक सुविशाल जैन संघ के प्रमुख गच्छाधिपति :-
संघ सुविशाल, गच्छाधिपति, साहित्य शिरोमणी, तीर्थ प्रभावक प्रशम रस महोदधि, प्रखर वक्ता, वात्सल्य वारिधि, मधुर भाषी, राष्ट्र संत आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयंत सेन सूरीश्वरजी म.सा. मधुकर के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयॉजी**

कुल चातुर्मास (२४) मुनिराज (२६) साध्वीयॉजी (७६) कुल ठाणा (१०२)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) मद्रास (तामिलनाडु)

सुविशाल गच्छाधिपति, साहित्य शिरोमणी, तीर्थ प्रभावक, प्रशम रस महोदधि, प्रखर वक्ता, वात्सल्य वारिधि, कीर्ति पुरुष, व्याख्यान दिवाकर मधुर भाषी, राष्ट्र संत, आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय जयंत सेन सूरीश्वरजी म सा. "मधुकर" आदि ठाणा (६)

श्री राजेन्द्र जैन भवन, ९- एकामब्रास्वर आग्राहराम, मद्रास-६००००३ (तामिलनाडु), फोन नं. ५८६३१२

(२) भीनमाल (राजस्थान)

संयमवय स्थविर श्री शांतिविजयजी म सा आदि (६)

सम्पर्क सूत्र - श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर, मु पो. भीनमाल, जिला जालोर (राजस्थान) ३४३०२९

(३) बागरा (राजस्थान)

श्री [illegible] विजय जी म.सा आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री [illegible] जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. बागरा, जिला जालोर (राजस्थान) ३४३०२५

(४) अहमदाबाद-रतनपोल (गुजरात)

श्री [illegible] विजयजी म सा आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी जैन ज्ञान मदिर, रतनपोल,

हाथी खाना, अहमदाबाद-३८०००१ (गुजरात)

(५) धानेरा (गुजरात)

श्री जयानन्द विजयजी म.सा. आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी जैन ज्ञान मंदिर, जैन उपाश्रय सदर बाजार, मु.पो. धानेरा, जिला बनासकांठा (गुजरात)

(६) आहोर (राजस्थान)

श्री सम्यगरत्न विजय जी म.सा. आदि (५)

सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी क्रिया भवन, पुराना बस स्टेण्ड, मु पो. आहोर, जिला जालोर (राजस्थान) ३०७०२९

(७) सुमेरपुर (राजस्थान)

साध्वीश्री कुमुदश्री जी म.सा. आदि (२)

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन पेढी, श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर के पास [illegible] सुमेरपुर, जिला पाली (राजस्थान) ३०६९०२

(८) चूरा (राजस्थान)

१. साध्वीश्री [illegible] जी म.सा. आदि (३)

२. साध्वीश्री [illegible] जी म.सा. [illegible] आदि (३)

३. [illegible]

आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन श्वेताम्बर त्रिस्तुतिक सघ, श्री राजेन्द्र भवन जैन धर्मशाला, मु पो चूरा वाया वागरा जिला जालोर (राजस्थान) ३४३०२५

(९) सूरत (गुजरात)
१ साध्वीश्री भुवनप्रभाश्री जी म सा आदि (११)
२ साध्वीश्री प्रेमलताश्री जी म सा आदि (११)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मदिर, गोपीपुरा, हनुमान चार रास्ता, मेनरोड, सूरत-३९५००१ (गुजरात)

(१०) अहमदाबाद-रतनपोल (गुजरात)
साध्वीश्री स्वयप्रभाश्री जी म सा आदि (७)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी जैन ज्ञान मदिर, रतनपोल, हाथीखाना, अहमदाबाद-(गुजरात) ३८०००१

(११) थलवाड (राजस्थान)
साध्वीश्री दमयतीश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र भवन जैन श्वेताम्बर मदिर के पास, मु पो थलवाड, जिला जालौर (राजस्थान) ३४३०२३

(१२) पाटन (गुजरात)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्री जी म सा आदि (६)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी जैन ज्ञान मदिर, पचासरा मदिर के पिछे, मु पो पाटन, जिला महेसाणा (गुजरात) ३८४२६५

(१३) सियाणा (राजस्थान)
साध्वीश्री महिलाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - जैन धर्मशाला, मु पो सियाणा, जिला जालौर (राजस्थान) ३४३००१

(१४) जोधपुर (राजस्थान)
साध्वीश्री कोमललताश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मदिर, खेरादिया का वास जोधपुर (राजस्थान) ३४२००१

(१५) पालीताणा (गुजरात)
साध्वीश्री सुनन्दाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र भवन तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात) ३६४२७०

(१६) जालौर (राजस्थान)
साध्वीश्री सूर्य किरणाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी तीन थुई धर्मशाला, काकरियावास, जालोर (राजस्थान) ३४३००१

(१७) दाहोद (गुजरात)
साध्वीश्री अनन्तगुणाश्री जी म सा आदि (६)

(१८) थराद (गुजरात)
साध्वीश्री शशीकलाश्री जी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञा मदिर, मु पो थराद जिला बनासकाठा (गुजरात)

(१९) डीसा (गुजरात)
साध्वीश्री वसतमालाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मदिर, मु पो डीसा, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५५५३

(२०) विजयवाड़ा (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वीश्री आत्मदर्शनाश्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री सभवनार राजेन्द्र सूरी जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट, काइलवारी स्ट्रीट पी ओ विजयवाडा - ५२०००१ (एपी)

(२१) रेवतड़ा (राजस्थान)
साध्वीश्री पुण्यप्रभाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ जैन मदिर, मु पो रेवतड़ा, जिला जालौर (राजस्थान)

(२२) धानेरा (गुजरात)
साध्वीश्री पुण्यदर्शनाश्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मदिर उपाश्रय सदर बाजार, मु पो धानेरा, जिला बनासकाठा (गुजरात) ३८५३१०

(२३) बागरा (राजस्थान)
साध्वीश्री दिव्यदर्शनाश्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री जैन उपाश्रय
मु पो बागरा, जिला जालौर (राज) ३४३०२५

(२४) बड़नगर (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री दर्शितकलाश्री जी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मदिर, गाधी चोक, मु पो बडनगर, जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) ४५६७७१

कुल चातुर्मास मुनिराज के	६	कुल कुल मुनिराज	२६
कुल चातुर्मास साध्वीयों के	१८	कुल साध्वीयॉजी	७६
कुल	२४	कुल	१०२

कुल चातुर्मास (२४) मुनिराज (२६) साध्वीयॉजी (७६) कुल ठाणा (१०२)

विशेष

(१) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण की सूची प्राप्त नहीं होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नहीं कर सके।

(२) इस समुदाय की पूर्ण एवं प्रमाणिक सूची सभी ठाणाओ के नाम, सम्पर्क सूत्र, पिन कोड नम्बर आदि की सूची इस वर्ष प्राप्त हुई है।

(३) इस समुदाय में दो साध्वीयॉ डॉ. एम.ए.पीएचडी उपाधिग्रहण किये हुऐ है। इसके अलावा अन्य भी उच्च शिक्षा उतीर्ण होगे

(४) जैन पत्र-पत्रिकाऐ-शास्वत धर्म-(मासिक हिन्दी) ठाणा-बम्बई

जीओ और जीने दो

भगवान महावीर

साधु - साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	मुनिराज	साध्वीयॉ	कुल ठाणा
१	२५	७६	१०२

श्री त्रिस्तुतिक (तीन थुई) गच्छ समुदाय
(भाग तृतीय)

सौधर्म बृहद् तपागच्छ त्रिस्तुतिक गच्छ समुदाय (भाग तृतीय) के वर्तमान में प्रमुख गच्छाधिपति - गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय लब्धि सूरीश्वरजी म सा के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयांजी

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (७) कुल ठाणा (७)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) (राजस्थान)
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय लब्धि सूरीश्वरजी म सा आदि ठाणा (५)

(२) मारवाड मे योग्य स्थान (राजस्थान)
श्री कमल विजयजी म सा आदि ठाणा (१)

कुल चातुर्मास (२) मुनिराज (७) कुल ठाणा (७)

समुदाय मे विद्यमान हैं-गच्छाधिपति (१) आचार्य (१)

नोट-

(१) इस समुदाय की पूरी सूची प्राप्त नही हो सकी इसलिए तुलनात्मक तालिका भी प्रस्तुत नही कर सके। यहां जो संख्या दी गई है, वह गत वर्ष के अनुमान से ही दी गई है।

(२) जैन पत्र-पत्रिकाएँ नही।

श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ सम्प्रदाय

जैन श्वेताम्वर मूर्तिपूजक श्री मन्नागपूरीय वृहत्तपागच्छ (श्रीपार्श्वचन्द्र गच्छ) सम्प्रदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख संघ नायक मुनिराज :-
पार्शचन्द्रगच्छनायक पं.रत्न मुनिश्री रामचन्द्रजी म.सा.

कुल चातुर्मास (३३) मुनिराज (१२) साध्वीयॉजी (६६) कुल ठाणा (७८)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) अहमदावाद-रायपुर (गुजरात)
गच्छनायक पं.रत्न श्री रामचन्द्रजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जेन उपाश्रय,
भेयानी वारी, शामलानी पोल, रायपुर,
अहमदावाद - ३८०००१ (गुजरात)

(२) मोटी खाखर-कच्छ (गुजरात)
श्री मुक्तिचन्द्रजी म.सा. आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय
मु.पो. मोटी खाखर, वाया विदडा-कच्छ
(गुजरात) ३७०४३५

(३) देवलाली (नासिक) (महाराष्ट्र)
श्री भुवनचन्द्रजी म सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - पण्यम् सकंल्प, लाम रोड,
देवलाली वाया नासिक रोड, (महाराष्ट्र) ४२२४०१

(४) नानी खाखर-कच्छ (गुजरात)
श्री मनोज्ञचन्द्रजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
मु.पो. नानी खाखर-कच्छ वाया विदडा तालुका
मांडवी जिला भुज (गुजरात) ३७०४३५

(५) नागौर (राजस्थान)
श्री [illegible]चन्द्रजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय
[illegible] की [illegible], मु.पो. नागौर
(राजस्थान) ३४१००१

(६) वम्वई-कांदिवली (वेस्ट) (महाराष्ट्र)
श्री पूर्णयशचन्द्रजी म.सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मदिर,
भूलाभाई देसाई रोड, कादिवली (वेस्ट),
वम्वई - ४०० ०६७ (महाराष्ट्र)

(७) वम्वई-चेम्बूर (महाराष्ट्र)
श्री पार्श्वयशचन्द्रजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र सूरी ज्ञान मदिर १०वा
रास्ता जैन मदिर के पास,
चेम्बूर वम्वई-४०० ०७१ (महाराष्ट्र)

साध्वीयॉजी समुदाय

(८) वोईसर (पालघर) (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री ओंकार श्री जी म सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र सूरी ज्ञान मदिर,
मु.पो. वोईसर वाया पालघर,
जिला ठाणा (महाराष्ट्र)

(९) दुर्गापुर-कच्छ (गुजरात)
साध्वीश्री उद्योतप्रभाश्री जी म.सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री दुर्गापुर जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु.पो. दुर्गापुर, तालुका मांडवी-कच्छ
(गुजरात) ३७०४४०

(१०) वम्वई-मुलुण्ड (वेस्ट) (महाराष्ट्र)

(११) विरमगॉव (गुजरात)
१ साध्वी श्री सूर्य प्रभाजी म सा
२ साध्वी श्री सूरलता श्री जी म सा आदि (४)
सपर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
मोटो भारवाटो, मु पो विरमगॉव
जिला अहमदाबाद (गुजरात) ३८२१५०

(१२) विदडा-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रोदयाश्रीजी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन सघ उपाश्रय,
देरासर लेन, मु पो विदडा, तालूका माडवी-कच्छ (गुजरात) ३७०४३५

(१३) पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री रूप प्रभाश्री जी म सा
साध्वी श्री जयनदिताश्रीजी म सा आदि (५)
सम्पर्क सूत्र - २०१ जीखराना धमशाला, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुजरात) ३६४२७०

(१४) अहमदाबाद-रायपुर (गुजरात)
साध्वी श्री सुरक्षाश्रीजी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - उपरोक्त क्रमाक १ अनुसार

(१५) ध्रागध्रा (गुजरात)
साध्वीश्री सुनदिताजी म मा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
कचरा खाना का खाचा, नानी बाजार,
वासो लिम्बडो, ध्रागध्रा (गुजरात) ३६३३१०

(१६) ऊनावा (मीरा दातार) (गुजरात)
साध्वी श्री पदमगीताश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्रगच्छ जैन उपाश्रय
मु पो ऊनावा (मारादातार) तालूका ऊंझा
जिला-महसाणा (गुजरात) ३८४१६०

(१७) माडक (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्णकला श्री जी म सा आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्रगच्छ जैन उपाश्रय, माटवी चौक, मु पो माटक, वाया विरमगाम
(गुजरात) ३८२१३०

(१८) छिन्दवाडा (मध्यप्रदेश)
साध्वीश्री रम्यांनद श्री जी म सा आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे मूर्ति जैन उपाश्रय, गाधी गज,
मु पो छिन्दवाडा (मध्यप्रदेश) ४८०००१

(१९) बम्बई-मुलुण्ड (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री पकज श्री जी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र सूरीज्ञान मदिर,
गणेश गाडवे रोड, मुलुण्ड,
बम्बइ - ४०० ०८० (महाराष्ट्र)

(२०) बम्बई-डोम्बीवली (पूर्व) (महाराष्ट्र)
साध्वीश्री आत्मगुणाश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र सूरी ज्ञान मदिर,
गुरू मावली छाया, चितरजन दास राड, रामनगर,
डाम्बावली (पूर्व), जिला ठाणा (महाराष्ट्र) ४२१ २०१

(२१) देशलपुर-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री नित्यानदश्रीजी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री देशलपुर जैन उपाश्रय,
मु पो देशलपुर (कठी), तालूका मून्द्रा-कच्छ
(गुजरात) ३७०४१५

(२२) नाना माडीआ-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री सुवर्णलताश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
मु पो नाना माडीआ तालूका माडवी-कच्छ
(गुजरात) ३७०४५५

(२३) खभात (गुजरात)
साध्वी श्री स्वयप्रभाश्रीजी म सा आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
पोपट नगीन की खडकी माणेक चौक,
मु पा खभात जिला खेडा (गुजरात) ३८८६२०

(२४) तीथल (वलसाड) (गुजरात)
साध्वीश्री तत्वनदाश्रीजी म सा आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री शाति निकेतन साधना केन्द्र
मु पो तीथल वाया जिला वलसाड
(गुजरात) ३९६००६

(२५) नागौर (राजस्थान)
साध्वी श्री पदमरेखा श्री जी म सा आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,

गुजरातीयोंकी पोल, मु.पो. नागौर
(राजस्थान) ३१४००१

(२६) वीकानेर (राजस्थान)
साध्वीश्री अनुभव श्री जी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
रामपुरिया सडक, वीकाने (राजस्थान) ३३४००१

कुल चातुर्मास मुनिराज के	७	कुल कुल मुनिराज	१२
कुल चातुर्मास सतियो के	२६	कुल सतियाँजी	६६
कुल	३३	कुल	७८

कुल चातुर्मास (३३) संत (१२) महासतियाँजी (७८)
कुल ठाणा (७८)

विशेष

(१) नई दीक्षा एवं महाप्रयाण की सूची प्राप्त नही होने के कारण तुलनात्मक तालिका प्रस्तुत नही कर सके।

(२) इस समुदाय की सूची गत वर्षो की भांति इस वार भी चातुर्मास प्रारंभ होने के २५ दिनवाद तक प्राप्त हुई फिरभी इसे यथा स्थान क्रमांक मे देने की प्रयास किया गया है

(३) इस समुदाय मे किसी भी तरहका कोई पद नही है

(४) यह समुदाय भी तपागच्छ समुदाय है इसलिए इसवर्ष इसे भी तपागच्छ के साथ ही सम्मिलित किया गया है।

(५) जैन पत्र-पत्रिकासे-कोई नही

श्री विमल गच्छ सम्प्रदाय

विमल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री शांति विमल सूरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

वर्तमान मे समुदाय के प्रमुख संघनायक :- पन्यास श्री प्रधुम्न विमलजी म.सा.

कुल चातुर्मास (१५) मुनिराज (१०) साध्वीयॉजी (४०) कुल ठाणा (५०)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) पालीताणा (गुजरात)
विमल गच्छ नायक, मधुरवक्ता, पन्यास
श्री प्रधुम्न विमलजी म.सा. आदि (४)
सम्पर्क सूत्र -

(२) बम्बई - कांदिवली (महाराष्ट्र)
श्री विजय विमल जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन देरासर, भूराभाई देसाई रोड, कादिवली (वेस्ट), बम्बई-४०००६७ (महाराष्ट्र)
फोन न. ८०७ २८४७

कुल चातुर्मास (१५) मुनिराज (१०) साध्वीयॉजी (४०) कुल ठाणा (५०)

विशेष - (१) इस समुदाय की सूची चातुर्मास प्रारंभ होने के २५ दिन पश्चात् भी कहीसे भी प्राप्त नहीं हो सकी। जब सूची ही प्राप्त नहीं हुई तो नई दीक्षा एवं महाप्रयाण की सूची प्राप्त होने की कैसे कल्पना की जा सकती है। और जब दीक्षा महाप्रयाण सूची प्राप्त नहीं हुई तो तुलनात्मक तालिका कैसे दी जा सकती है।

(२) यह सूची पुस्तक समग्र जैन समाज के यहा पहुंचती है जब किसी समुदाय की सूची इसमें सम्मिलित नहीं होती है तो सभी हरप्रकार के प्रश्न पूछते रहते है अतः समग्र जैन समाज का ध्यान रखते हुऐ सभी को अपनी सूचीया भेजनी चाहिए। ताकि उस समुदाय के बारे में समग्र जैन समाज को जानकारीयां ज्ञात हो सके।

(३) यहा जो संख्या दी गयी है वह गत वर्ष की सूची के अनुसार अनुमान से ही दी गयी है।

(४) यह समुदाय भी तपागच्छ समुदाय ही है अतः इसे भी तपागच्छ समुदाय के साथ सम्मिलित किया गया है।

श्वेताम्बर मूर्ति जैन सम्प्रदाय के अन्य साधु साध्वीयॉजी

कुल चातुर्मास (११) मुनिराज (२२) साध्वीयॉजी (१) कुल ठाणा (२३)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) **अहमदावाद (गुजरात)**
आचार्य श्री विजय आनन्द घन सूरीश्वरजी म.सा. आदि (८)
सम्पर्क सूत्र - श्री श्वे जैन श्री सघ, कर्णावटी क्लब के पास, सरवेज, गांधी नगर हाईवे, अहमदावाद (गुजरात) ३८२२२०

(२) **सावत्थी तीर्थ-वावला (गुजरात)**
आचार्य श्री विजय जिनचन्द सूरीश्वर जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क मूत्र - श्री सभवनाथ जैन देरासर पेढी, नेशनल हाईवे रोड नं - ८-ए सावत्थी तीर्थ, पोस्ट वावला, जिला अहमदावाद (गुजरात) ३८२२२० फोन (एस.टी.डी. ०२७०४) २६१२

(३) **मगरवाडा (गुजरात)**
आचार्य श्री अभय सोम सूरीश्वर जी म.सा. (श्री भक्तिसूरी) आदि (२)
सम्पर्क मूत्र - श्री जेन मणिभद्रवीर मंदिर, धर्मशाला, मु पो. मगरवाडा जिला वनासकांठा (गुजरात) ३८५४१० फोन न (एस.टी.डी. ०२७४५) ६७२

(५) **वम्बई-मरीन ड्राईव (महाराष्ट्र)**
श्री वज्र तिलक विजय जी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क मूत्र - श्री मरीन ड्राईव जैन संघ, पाटण मण्डल आराधना, ट्रस्ट जैन उपाश्रय, ७७ पाटण जैन मण्डल मार्ग, मरीन ड्राईव, वम्बई - ४०००२० (महाराष्ट्र) फोन न २०३१३४६

(४) **सिकन्द्रावाद (आन्ध्र प्रदेश)**
पन्यास श्री पदम विजय जी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ जेन मंदिर, काचर बाजार, सिकदरावाद-५००००३ (ए.पी.)

(५) **वाराणसी (उत्तर प्रदेश)**
श्री प्रवीण विजयजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री शेखर भट्ट, लक्ष्मी सदन, नन्दनगर कोलोनी, आई.टी.आई रोड, बी.एच यू वाराणसी (उत्तर प्रदेश) २२१००५

(६) **राजस्थान में योग्य स्थल**
श्री हर्षद विजयजी म.सा. आदि (१)

(७) **वेल्हाणें (देवाचे) (महाराष्ट्र)**
श्री धर्मरत्न विजयजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - आराधना भवन, श्री राजेन्द्र सूरी चौक मु.पो. वेल्हाणे (देवाचे) वाया [illegible], जिला धुलिया (महाराष्ट्र- ४२४३११

(८) **मधुवन शिखरजी (विहार)**
श्री पदम विजयजी म.सा. आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - जैन विद्यापीठ, मधुवन शिखरजी वाया इसरी बाजार, जिला गिरिडीह (बिहार) ८२५३२९

(९) **मधुवन शिखरजी (विहार)**
श्री विद्या भिक्षुजी म.सा. आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - [illegible]
[illegible]
[illegible]

भाग-षष्टम्

दिगम्बर जैन सम्प्रदाय

श्री दिगम्बर सम्प्रदाय

दिगम्बर सम्प्रदाय के मुनि एवं आर्यिका गण

कुल चातुर्मास (१३५) मुनिराज (२७५) आर्यिकाजी (२१९) कुल ठाणा (४१४)

साधु-मुनिराज समुदाय

(१) संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी म.सा.के आज्ञानुवर्ती मुनिराज एवं आर्यिकागण

(१) रामटेक (नागपुर) (महाराष्ट्र)

१. संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज
२. मुनि श्री समय सागर जी महाराज
३. मुनि श्री समाधि सागर जी महाराज
४. ऐल्लक श्री अभय सागर जी महाराज

कुल आचार्य श्री (१) मुनि (४) ऐल्लक ८, क्षुल्लक ३ कुल (१६)
चातुर्मास स्थल - श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र जैन मंदिर, रामटेक, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) ४४११०६
फोन (०७११४) ५५११७, ५६४८२

(२) नांदगांव (महाराष्ट्र)
मुनि श्री योगसागर जी महाराज आदि २
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर
मु.पो. नांदगांव, जिला नासिक (महाराष्ट्र) ४२३१०६
फोन न. (०२५५२४) २२९३, २३२३

(३) गुना (मध्यप्रदेश)
मुनि श्री क्षमा सागर जी महाराज
सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, महावीर भवन चौधरी मोहल्ला, गुना (मध्यप्रदेश) ४७३००१

(४) आरोन (गुना) (मध्यप्रदेश)
मुनि श्री नियम सागर जी महाराज आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो.आरोन
जिला गुना (मध्यप्रदेश)

(५) अजमेर (राजस्थान)
मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - सर सेठ भागचंद सोनी की नसिया
अजमेर (राजस्थान) ३०५००१ (राजस्थान)
फोन २१७४१

(६) कटनी (मध्यप्रदेश)
मुनि श्री समता सागर जी महाराज आदि (३)
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन गुरुकुल पोलिस स्टेशन के पास
मु.पो. कटनी, जिला जबलपुर (राजस्थान) ४८३५०१
फोन नं. ५३९२, ५४५८८ बी.बी.

(७) शिरडशाहपुर (महाराष्ट्र)
मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री मल्लीनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, जैन मंदिर
मु पो. शिरडशाहपुर, जिला परभणी (महाराष्ट्र)

(८) शमनेवाडी (बेलगांव) (कर्नाटक)
मुनि श्री स्वभाव सागरजी महाराज आदि (१)
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. शमनेवाडी
जिला बेलगांव (कर्नाटक)

(९) जबलपुर (मध्यप्रदेश)
मुनि श्री सरल सागर जी महाराज आदि (२)
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र, पिसनहारी मढ़िया, गुरुकुल परिसर, जबलपुर-(मध्यप्रदेश) ४८२००१

(१०) द्रावणगिरी (कर्नाटक)
मुनि श्री आर्जव सागर जी महाराज आदि (१)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो द्रावणगिरी (कर्नाटक)

(११) बेलगाव (कर्नाटक)

मुनि श्री सुखसागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, बेलगाव (कर्नाटक)

(१२) नागपुर (महाराष्ट्र)

मुनि श्री मार्दव सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ा जैन मंदिर इन्द्रभवन, इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र) ४४०००२

(१३) म्हसरुढ (महाराष्ट्र)

एल्लक श्री दया सागर जी महाराज आदि-

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, जैन मंदिर, गज पथ, म्हसरुढ जिला नासिक (महाराष्ट्र)

(१४) इन्दौर (मध्यप्रदेश)

एल्लक श्री वात्सल्य सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, छत्रपति नगर एरोड्रम रोड-इन्दौर (मध्यप्रदेश) ४५२००१

(१५) रहली परतागज (मध्यप्रदेश)

एल्लक श्री सिद्धान्त सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षैत्र, श्री पार्श्वनाथ मंदिर मु पो रहली परतागज, जिला सागर (मध्यप्रदेश)

(१६) महाराजपुर (मध्यप्रदेश)

एल्लक श्री पूर्ण सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो महाराजपुर जिला सागर (मध्यप्रदेश)

(१७) सानोधा (मध्यप्रदेश)

क्षुल्लक श्री चारित्र सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो सानोधा जिला सागर (मध्यप्रदेश)

(१८) सिलवानी (रायसेन) (मध्यप्रदेश)

आर्याजी श्री गुरु मति माताजी आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो सिलवानी जिला रायसेन (मध्यप्रदेश)

(१९) रेवाडी (हरियाणा)

१ आर्यिका श्री दृढमती माताजी

२ आर्यिका श्री तपोमति माताजी

३ आर्यिका श्री गुणमती माताजी ---आदि(१८)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, जैन पुरी, मु पो रेवाडी (हरियाणा) १२३४०१

(२०) बेगमगज (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री मृदुमती माताजी आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो बेगमगज जिला रायसेन (मध्यप्रदेश)

(२१) पथरिया (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री ऋजुमतीजी माताजी आदि (४)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो पथरिया जिला दमोह (मध्यप्रदेश)

(२२) बण्डाबेलई (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री प्रशान्तमती माताजी आदि (१३)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, कोर्ट रोड, मु पो बण्डा बेलई, जिला सागर (मध्यप्रदेश)

(२३) खण्डवा (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री पूर्णमती माताजी आदि (९)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो खण्डवा (मध्यप्रदेश) ४५०००१

(२४) जबलपुर (मध्यप्रदेश)

१ आर्यिका श्री आदर्शमतीजी माताजी

२ आर्यिका श्री दुर्लभ मतीजी माताजी आदि (११)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, लार्डगज जबलपुर (मध्यप्रदेश) ४८२००२

(२५) नीमच (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री विशाल मती माताजी आदि (३)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो नीमच (मध्यप्रदेश) ४५८४४१

कुल चातुर्मास (२५) मुनिराज (४६) आर्याजी (६२) कुल (१०८)

---

(२६) सम्मेद शिखरजी (विहार)

१ सन्मार्ग दिवाकर आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज

२ उपाध्याय श्री भरत सागर जी महाराज

३ मुनि श्री अजित सागर जी महाराज

४. क्षुल्लक श्री रतन सागर जी महाराज आदि (२०)
५. आर्यिका गणिनि श्री सुपार्श्व मती माता जी
६. क्षुल्लिका श्री विजय मती माताजी आदि (२०)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन बीश पंथी कोठी, श्री सम्मेद शिखरजी सिद्ध क्षैत्र, मु.पो. मधुवन पोस्ट शिखरजी स्टेशन पारसनाथ जिला गिरिडिह (विहार) ८२५३२९
फोन नं. (०६५३२) ३२२२८

(२७) सम्मेद शिखरजी (विहार)

आचार्य श्री सुमति सागर जी महाराज आदि ससंघ
आचार्य श्री संभव सागर जी महाराज आदि ससंघ
आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज आदि ससंघ

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन बीस पंथी कोठी, मु. मधुवन पोस्ट शिखरजी स्टेशन पारसनाथ जिला गिरिडीह (विहार) ८२५३२९
फोन नं (०६५३२) ३२२२८

(२८) नई दिल्ली -

१.आचार्य श्री विद्यानन्द जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री कुन्दकुन्द भारती, शोध संस्थान
१८-बी-स्पेशल इन्स्टिट्यूशन एरिया, कुतुवह होटल के पास, नई दिल्ली

(२९) श्रवणबेल गोला (कर्नाटक)

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज आदि ससंघ

सम्पर्क सूत्र - श्री जैन मठ, दिगंबर जेन मंदिर
पी.ओ. श्रवणबेलगोला
जिला.हसन (कर्नाटक) ५७३१३५
फोन-भटारक श्री चारु कीर्तिजी (०८१७६) ७२२६, ७२३५

(३०) डूंगरपुर (राजस्थान)

आचार्य श्री अभिनन्दन सागर जी महाराज आदि ससंघ

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. डूंगरपुर (राजस्थान)

(३१) प्रतापगढ़ (राजस्थान)

१. गणधराचार्य - श्री कुंथु सागर जी महाराज
२. एलाचार्य श्री वीरनन्दी जी महाराज
३. बालाचार्य श्री कमल नंदी जी महाराज
४. उपाध्याय श्री जय सागर जी महाराज
५. उपाध्याय श्री पुष्पधर नंदी जी महाराज आदि (३१)

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. प्रतापगढ़
जिला चितौडगढ (राजस्थान)

(३२) जयपुर (राजस्थान)

१. आचार्य श्री दर्शन सागर जी महाराज
२. उपाध्याय श्री समता सागर जी महाराज आदि ससंघ

सम्पर्क सूत्र-

(३३) गिरनार जी (जूनागढ़) (गुजरात)

१. आचार्य श्री निर्मल सागर जी महाराज आदि
२. आर्यिका श्री अचल मती माताजी आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन सिद्ध तीर्थ क्षैत्र, जेन मंदिर गुरुकुल, गिरनार जी , जूनागढ़ (गुजरात)

(३४) जयपुर (राजस्थान)

आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज आदि ससंघ (१७)
आयिका श्री विजयमाताजी आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री छोटे दिवान जी का मंदिर, लालजी सांड का रास्ता, जयपुर (राजस्थान) ३०२००३

(३५) बीना (मध्यप्रदेश)

आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज आदि ससंघ
ब्रहमचारिणी १५ बहिने भी साथ में

सम्पर्क सूत्र - श्री अभिनन्दन दिगम्बर जैन मंदिर, मु. बीना
जिला इटावा (म.प्र.)
बम्बई - पोदनपुर (महाराष्ट्र)

(३६) आचार्य श्री शीतल सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षैत्र जैन मंदिर, पोदनपुर, तीन मूर्ति, नेशनल पार्क के पास, बोरिवली (पूर्व)
बम्बई-४०००६६ (महाराष्ट्र)
फोन नं.८०५ ८१३८

(३७) इटावा (उत्तर प्रदेश)

सी ओ श्री सुवीर्ण कुमार जैन, एस/१०१८ न्यु चाद मोहल्ला, गाधी नगर, दिल्ली-११००३१

(७३) नई दिल्ली-खेडा ग्राम रोड
मुनि श्री शातिसागर जी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, पार्श्वनाथ क्वा, वनखण्ड नगली, पूना ग्राम, खेडा रोड, नई दिल्ली

(७४) फूलेरा (राजस्थान)
मुनिश्री श्रीमदिरजी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, मु पो फूलरा, जिला सीकर (राजस्थान)

(७५) बहोरी बन्द
मुनि श्री कार्तिक नदीजी महाराज आदि

(७६) मेहगाव (मध्यप्रदेश)
मुनि श्री क्षमा सागर जी महाराज आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन बडा मदिर, मु पो मेहगाव, जिला भिण्ड (मध्यप्रदेश) ४७७५५७

(७७) बम्बई-कादिवली (महाराष्ट्र)
मुनि श्री निश्चय सागर जी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, जैन नगर, यादवनगर, कादिवली (वेस्ट), बम्बई - ४०००६७ (महाराष्ट्र)

(७८) रहली (मध्य प्रदेश)
ऐल्लक श्री सिद्धान्त सागर जी महाराज
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, मु पो राहली, जिला सागर (म प्र)

(७९) पदमपुरा-बाडा (राजस्थान)
मुनि श्री गुण सागर जी महाराज आदि
आर्यिका श्री आदिमती माताजी आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, पदमपुरा-बाडा वाया जिला जयपुर (राजस्थान)

(८०) उधरदा (राजस्थान)
मुनि श्री वीर सागर जी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, मु पो उधरदा, तहसील सलूवर, जिला उदयपुर (राजस्थान)

(८१) देवरीकलाँ (मध्यप्रदेश)
मुनिश्री ब्रह्मानद सागर जी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - साधु सेवा समिति, मु पो देवरीकला, जिला सागर (म प्र)

(८२) गुना (मध्यप्रदेश)
मुनि श्री क्षमा सागर जी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मदिर, मु पो गुना (म प्र)

(८३) मालेगाव (महाराष्ट्र)
मुनि श्री देवनदीजी महाराज आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, मालेगाव, जिला नासिक (महाराष्ट्र)

(८४) मोजमाबाड (राजस्थान)
मुनिश्री निर्वाण सागर जी महाराज आदि ससघ
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, जैन मदिर मु पो मोजमाबाद, जिला जयपुर (राजस्थान)

(८५) अमीनगर सराय (उ प्र)
मुनि श्री कुमुद नदीजी महाराज आदि
सपर्क सूत्र- श्री दिगम्बर जैन मदिर, मु पो अमीनगर, सराय, जिला-मेरठ (उ प्र)

(८६) टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश)
क्षुल्लक श्री अजित सागर जी महाराज आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, टीकमगढ़ (म प्र)

(८७) ईसवाल (राजस्थान)
मुनि श्री सधर्म सागर जी म सा आदि
सम्पर्क सूत्र - श्री आदिनाथ मानव कल्याण केन्द्र समिति, मु पो ईसवाल, जिला उदयपुर (राजस्थान) ३१३०११
नोट-मुनिश्री के १२ वर्ष का मौन (साधना स्वाध्याय) चल रहा है।

(८८) पचेवर (राजस्थान)
मुनि श्री सुविधिसागरजी महाराज आदि ससघ
आर्यिका श्री मुनिसुव्रती माताजी आदि ससघ
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन समाज
सी/ओ ताराचद जी जैन अग्रवाल, मु पो पचेवर, जिला टोंक (राजस्थान) ३०४५०९ फोन ६२२४

(८९) शिखरजी (विहार)
मुनि श्री सन्मति सागर जी महाराज आदि १
मुनि श्री चन्द्र सागर जी महाराज आदि १
मुनि श्री सभव सागर जी महाराज आदि २

आर्यिका श्री इलायची माताजी आदि १

सम्पर्क सूत्र - कच्ची भवन, मु.पो. शिखरजी वाया ईसरी बाजार, जिला गिरिडीह (बिहार) ८२५३२९

(९०) धुवारा (म.प्र.)

क्षुल्लक श्री स्वरुपानंदजी महाराज आदि

संपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु पो. धुवारा, जिला छतरपुर (म.प्र.)

(९१) गोगाक (कर्नाटक)

बालयोगी श्री कुशाग्रनन्दी जी महाराज आदि

आर्यिका श्री कुशल प्रज्ञाजी माताजी आदि

(९२) हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश)

मुनि श्री आदि सागर जी महाराज आदि

संपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, दिगम्बर जैन मंदिर, हस्तिनापुर (उत्तरप्रदेश)

(९३) मंडलेश्वर

ऐल्लक श्री विजय भूषणजी महाराज आदि

(९४) उदयपुर (राजस्थान)

मुनि श्री सूरदेव सागर जी महाराज आदि

संपर्क सूत्र - सर्वऋतु विलास जैन मंदिर, उदयपुर (राज.)

(९५) बनोडिया (म.प्र.)

मुनि श्री रायण सागर जी महाराज आदि

संपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. बनेडिया, जिला इन्दोर (म.प्र.)

(९६) इन्दौर (मध्यप्रदेश)

मुनिश्री निजानन्दसागर जी महाराज आदि

संपर्क सूत्र

(९७) बीकानेर (राजस्थान)

मुनिश्री वर्धमान सागर जी महाराज आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, बीकानेर (राजस्थान)

(९८) शिरपुर (महाराष्ट्र)

ऐल्लक श्री सिद्धान्त सागरजी महाराज

सम्पर्क सूत्र - श्री अतिशय क्षेत्र, अंतरिक्ष पार्श्वनाथ जैन तीर्थ, मु पो. शिरपुर, जिला आकोला (महाराष्ट्र)

(९९) पालोदा

मुनि श्री उदय सागर जी महाराज आदि ससंघ

(१००) मंडलेश्वर

ऐल्लक श्री विजयभूषणजी महाराज आदि

(१०१) पारोला (महाराष्ट्र)

मुनिश्री हेमसागरजी महाराज आदि

संपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. पारोला, जिला जळगांव (महाराष्ट्र)

(१०२) नरसिंह राजपुरा

आर्यिका श्री सुप्रकाशमती माताजी आदि

(१०३) ऊण (मध्यप्रदेश)

आर्यिका श्री गुणमती माताजी ससंघ

संपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, जैन मंदिर, पावागिरि, ऊण वाया जुलवानिया

(१०४) सिलवानी (म.प्र.)

आर्यिका श्री गुरुमती माताजी आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. सिलवानी (म.प्र.)

(१०५) चंवलेश्वर (राजस्थान)

आर्यिका श्री विशुद्धमती माताजी आदि ससंघ

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, पार्श्वनाथ पर्वत, चंवळेश्वर (राजस्थान)

(१०६) देहरादून (उत्तर प्रदेश)

आर्यिका श्री कोशल जी माताजी आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर देहरादून (उत्तर प्रदेश)

(१०७) जयपुर (राजस्थान)

आर्यिका श्री विजयमती माताजी आदि

सम्पर्क सूत्र

(१०८) रामगढ़ (डूंगरपुर) (राजस्थान)

आर्यिका श्री विशुद्धमती माताजी आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. रामगढ़, जिला-डूंगरपुर (राजस्थान)

(१०९) ईडर (गुजरात)

आर्यिका श्री कीर्तिश्री माताजी आदि

सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. ईडर (गुजरात)

(११०) टिकैतनगर (उत्तर प्रदेश)

आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी आदि ससंघ

संपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मंदिर, मु.पो. टिकैतनगर, जिला बाराबंकी (उत्तर प्रदेश)

(१११) भवाना (उत्तर प्रदेश)
आर्यिका श्री अभयमती माताजी आदि
सपर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, मु पो भवाना, जिला मेरठ (उ प्र)

(११२) चैनपुरा-भीलवाड़ा (राजस्थान)
आर्यिका श्री विशुद्ध मती माताजी आदि ससघ (२०)
सम्पर्क सूत्र - श्री चवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, जैन मदिर, चैनपुरा वाया भीलवाड़ा (राजस्थान)

(११३) खण्डवा (मध्यप्रदेश)
आर्यिका श्री पूर्ण मती माताजी आदि ससघ
सम्पर्क सूत्र - श्री दिगम्बर जैन मदिर, मु पो खण्डवा (मध्यप्रदेश)

(११४) मध्यप्रदेश में योग्य स्थळ
आर्यिका श्री जैनमति माताजी आदि

(११५) राजस्थान में योग्य स्थळ
आर्याजी श्री विशुद्धमती माताजी आदि

कुल चातुमास (१३५) मुनिराज (२७५) आर्याजी (२१९) कुल योग (४९४)

मुनि आर्याजी पद तालिका

आचाय	आचाय	कल्प	एलाचाय	वालाचाय	उपाध्याय	मुनिराज	आयाजी	कुल योग
३६	३	२	३	११	२२०	२१९		४९४

विशेष - इसके अलावा और भी कइ मुनिराज, आर्यिकाओ के चातुर्मास हो सकते हैं। इस समुदाय की पूरी जानकारीया हमे कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकीं, यहा जो उपर्युक्त सूची हमने दी है वह आगमन एव समाचारपत्रा से एकत्रित करके प्रस्तुत की है, सभव है कइ नाम ऊपर-नीचे हो या कइयों के नाम छूट गये हो। हमारा तो यही प्रयास रहता है कि अधिक से अधिक जानकारिया प्राप्त कर सही सूची प्रकाशित करें। सूची मे किसी तरह की त्रुटि हो तो क्षमा करे। इस समुदाय की सूची क्रमवार व्यवस्थित रूप से हम सूची प्रकाशित करने मे हर वर्ष असमर्थता ही प्रकट करते हैं। दिगम्बर समाज के सभी कर्णधारी पदाधिकारियो से नम्र निवेदन है कि वे भविष्य मे इस काय की ओर विशेष ध्यान देकर इसे पूर्ण करने का प्रयास अवश्य करे। यह सूची समग्र जैन समाज के हाथो मे पहुचती है इसलिए इस सम्प्रदाय की पूरी सूची का प्रकाशित होना बहुत महत्व की बात है।
प्रत्येक दिगम्बर जैन पत्र-पत्रिकाओं मे जो सूचिया प्रकाशित होती हैं उनम किसी में भी सम्पर्क सूत्र प्रकाशित नहीं होते है यह एक बहुत बड़ी कमी है। हम पता कैसे लिखे। आशा है भविष्य मे इस ओर अवश्य ध्यान दे।

सम्पादक

आप के वहा पर होने वाले दीक्षोत्सव तपोत्सव पदोत्सव प्रतिष्ठोत्सव अजन शलाका प्रवेश विहार आदि सभी कार्यक्रमो की आमत्रण पत्रिकाऐ इस परिषद को भी भेजे ताकि अधिक से अधिक जानकारीयां हम आपको सन्मुख प्रस्तुत कर सके

सपादक

॥ जय महावीर ॥ ॥ जय अजरामर ॥

सर्वधर्म समन्वयवादी गुजरात के युगपुरुष

समाज उद्धारक जैनाचार्य श्री अजरामरजी स्वामी

वाह्य–अभ्यतर व्यक्तित्व का सक्षिप्त दिग्दर्शन

0 मा के शुभाशीष का चमत्कार 0

"होनहार बाल के होत चिकने पात" कहावत के अनुसार जैन शासन के महान् ज्योतिर्धर बनने के लिए ही जिसका जन्म हुआ—वह बालक आणदकुमार सिर्फ छ वर्ष की उम्र में था, तब रोजाना माता कंकुबाई के साथ जैन स्थानक में जाते हुए प्रतिक्रमण सुनते-सुनते ही कठस्थ हो गया था। एक बार वर्षा ऋतु के कारण मां जैन स्थानक नहीं जा सकी, तब मन पूरा प्रतिक्रमण मां को सुना दिया। उसी वक्त प्रतिक्रमण किया के पश्चात् मां ने अपने लाडले पुत्र आणदकुमार को गले लगाकर प्यारभरी चुमी लगाते हुए आंख में हर्षाश्रु के साथ कहा

'बेटा ! तू इतना बुद्धिशाली है, यह तो मुझे आज ही पता लगा। बेटा ! तू जैनशासन का महान् धर्म-धुरन्धर बनेगा !'

यही शुभाशीष मां के साकार हुए।

मा कंकुबाई अत्यन्त रूपवती व शालीन थी और वैराग्यवती मुमुक्षु भाव से भरपूर थी। यही रूप व गुण बालक आणद में भरपूर उतरे थे। पिता माणेकचद की बुद्धि प्रतिभा सम्प्राप्त हुई थी।

0 चुम्बकीय व्यक्तित्व 0

10 वर्ष की आयु में आणदकुमार दीक्षित होकर 'स्वामी अजरामरजी" हुए।

श्री अजरामरजी मुनिराज का चेहरा अत्यन्त सौम्य प्रशात व भव्य था। महामुनि योगीश्वर अनाथी मुनिजी के समान बाह्य व्यक्तित्व अत्यन्त आकर्षक व प्रभावशाली था और युवावस्था में पहुंचते ही चारित्र तेज से सूर्य जैसा तेजस्वी एव चन्द्र जैसा शीतल व्यक्तित्व था। वे तन-मन से निर्विकार प्रशात समाधिवत प्रज्ञा पुरुष थे।

16 वर्ष की आयु में जैनागम के 10 सूत्र अर्थ सहित कठस्थ कर लिए। और अन्य सूत्रों की वाचना द्वारा अध्ययन किया।

0 सस्कृत भाषा के प्रकाड पण्डित 0

लेकिन उनकी प्रबल जिज्ञासा शास्त्रों की टीका भाष्य चूर्णि निर्युक्ति आदि का गहन अनुसधान करने की थी। इसके कारण गुरु महाराज के साथ वे सूरत में वि स 1826 से 32 तक निरंतर छ साल तक खरतर गच्छ के महान पडित श्री पूज्य गुलाबचन्द्रजी (यति परम्परा के आचार्य) के पास सस्कृत, व्याकरण न्याय आदि के अध्ययन में लग गये। विश्वप्रसिद्ध पाणिनीय व्याकरण के ठोस अध्ययन के पश्चात् काव्य कोष अलकार, साहित्य नाटक चम्पू भाण, छन्द, सगीत और ज्योतिष का क्रमश गम्भीर अध्ययन किया। एक प्रज्ञावत छात्र को जो अध्ययन करने में छ या बारह महीना लगता, वह अध्ययन करने में स्वामीजी को एक ही मास लगता, इतना तीव्रतम क्षयोपशम था। तदुपरात न्याय में दीपिका, मुक्तावली, दिनकरी आदि प्रकरण ग्रन्थ एव जगदीश गदाधर के गहन ग्रन्थों के साथ साथ जैन-न्याय के न्यायवतार रत्नाकरावतारिका और स्याद्वाद रत्नाकर आदि का अध्ययन ठोस रूप से किया। इतना ही नहीं उनके अलावा साख्य, योग, वेदात और बौद्ध दर्शन के ग्रथो का भी परिचय प्राप्त किया। ये सभी ग्रथो को स्वामीजी अपने हस्ताक्षर से लिखते गये और टिप्पणिया आदि भरते गये। (वे सारे ग्रन्थ आज भी ग्रन्थालय में सुरक्षित है) भारतीय सर्व दर्शन शास्त्रों का अध्ययन करके वे सर्वधर्म समन्वयवादी बने।

अध्ययन समाप्ति के समय श्री पूज्यजी यतिवर्य ने चद्रगुप्ति में से अवसूचक और भविष्य सूचक आम्नायें थी वे सभी स्वामीजी को प्रदान करके सुन्दर उपकार किया। तदुपरात अपने पास चमत्कारिक गुप्त आम्नाया व मत्रो में से कुछिया बताई। 23 वर्ष की उम्र में वे प्रकाण्ड पडित हो गए।

0 आचार प्रधानता के साथ ज्ञान प्रधानता 0

स्थानकवासी जैन परम्परा मे संस्कृत व्याकरणादि का ठोस अध्ययन करने वाले वे ही आद्य प्रज्ञा पुरुष थे। उनके पूर्ववर्ती किसी महात्मा ने उनके जैसा अध्ययन नहीं किया। (संस्कृत पढने की प्रणालिका ही नही थी) वह आचार प्रधानता का युग था। स्वामीजी ने ही सर्वप्रथम आचार प्रधानता के साथ ज्ञान प्रधानता को भी जोड दिया।

स्वामीजी ने आगम ज्ञान की सम्यग् धारणा पूज्य हुकमीचन्द्रजी म.सा. की संप्रदाय के आगम सारवेत्ता पूज्य श्री दौलतरामजी म.सा. की निश्रा मे 3 वर्ष तक निरन्तर रहकर प्राप्त की।

0 सर्वजनप्रिय स्वामीजी 0

वृद्ध परम्परा से सुना जाता है कि पू. अजरामरजी स्वामी ने विद्यागुरु श्री पूज्य गुलाबचन्द्रजी के द्वारा विद्यादेवी की आराधना भी की थी। जिससे स्वामीजी अपने कान पर हाथ रखकर उस विद्यादेवी को बुलाते, जिससे अपरिचित लोग के नाम, स्थान, आगमन, प्रयोजन एवं भविष्य का कथन फरमा सकते थे। (अपनी इस शक्ति का उपयोग शासन रक्षा के अलावा नहीं किया)।

उन्होंने समस्त गुजरात काठियावाड, हालार, कच्छ एवं सुदूरवर्ती जयपुर तक राजस्थान व मालवा आदि प्रातो मे विचरण किया था। स्वामीजी जहाँ भी विचरे, वहाँ उनके प्रताप रूपी सूर्य अग्रिम जाकर प्रकाशित हो रहा था। जैन-जैनेतर जनता ने स्वामीजी को अपने हृदय मे आदरपूर्वक प्रतिष्ठित कर दिया था।

0 आभ्यंतर वैभव 0

स्वामीजी की शारीरिक सम्पदा अत्यन्त रूपवंत और सुन्दरतम थी। वे प्रकृति मे सरल, गंभीर और प्रशात थे। उनके पास जितना उत्कृष्ट ज्ञान था, उतना ही वे क्रिया मे (साध्वाचार में) उत्कृष्ट थे। उनका निग्रन्थ जीवन अनादि मुनि की तरह आदर्श था। 36 वर्ष की आयु मे वे आचार्य पद से विभूषित हो गए थे। आचार्य भगवन्त के 36 गुण व आठ सम्पदाओं से स्वामीजी संयुक्त थे। सत्य शील, उपशम, और समाधि-रूप, अमृत रस का निरन्तर पान करते थे। और अन्य मुमुक्षु आत्माओं को भी उसी अमृत-रस का पान करवाते थे।

0 स्वर्गारोहण 0

श्रेष्ठतम सौम्याकृति, सूर्य जैसा प्रखर, चारित्र, तेज, लाखो को प्रभावित करके उन्हे नीति सदाचार व अध्यात्म मार्ग पर लाने वाले पुण्यपुंज महापुरुष पू अजरामरजी स्वामी 61 वर्ष की आयु मे 51 साल का स्फटिक-सा परिशुद्ध चारित्र्य की परिपालना कर, 25 साल तक आचार्य पद पर आसीन होकर, उपशम भाव मे निमज्जन करते हुए, अन्तिम समय पर सभी जीवो के साथ शुद्ध भाव से खमतखामणा करके अपने व्रतों की आलोचना व प्रतिक्रमण कर निःशल्य होकर अनशन की आराधना करते हुए परम समाधि भाव मे लिम्बडी (सौराष्ट्र) मे वि.स. 1870 (ईस्वी सन्–1814) श्रावण (गुजराती) वद-प्रतिपदा के रात्रि समय एक बजे स्वामीजी के पवित्रात्मा ने परलोक गमन किया।

उनके स्वर्गवास को इस वर्ष 2050 श्रावण वद–द्वितीया के दिवस 180वीं स्वर्गारोहण पुण्यतिथि दिन रूप मे मनाई गई। प्रतिवर्ष दादागुरु की पुण्यतिथि के अवसर पर वृहद् गुजरात व बम्बई मे हजारों भाई-बहन अट्ठम-तप (तेला) की आराधना करते है। दादागुरु के अट्ठम-तप की भारी महिमा है।

180वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हार्दिक स्मरणाजंलि के साथ—

: सौजन्य :

संघपति कुंवरजी भारमल छेडा
[illegible] (कच्छ)

श्री [illegible] भारमल छेडा
[illegible]

भाग-सप्तम्

नई दीक्षा सूची

महाप्रयाण (काल धर्म) सूची

नई पदवी प्रदान सूची

अन्य जानकारियाँ

अ.भा. समग्र जैन नई दीक्षा सूची १९९४

दिनांक १-८-१९९३ से ३१-७-१९९४ तक

(१) श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय

क्र.	दीक्षार्थी का नाम	संत सती का नाम	नूतन दिनांक	स्थान	निश्रा/सानिध्य

(क) श्रमण संघ सम्प्रदाय

निश्रा :- आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. सानिध्य

क्र.	दीक्षार्थी का नाम	संत सती का नाम	नूतन दिनांक	स्थान	निश्रा/सानिध्य
१.	श्री चांदमलजी डांगी	श्री चांदमलजी म.सा.	२७-११-९३	निम्बाहेडा	सलाहकार श्री मूलचंद जी म.सा.
२.	श्री सुरेश कुमार जैन	श्री मेघ कुमार जी म.सा.	२०-२-९४	शक्तिनगर दिल्ली	उपप्रवर्तक श्री हेमचन्द्र जी म.सा.
३.	श्री चन्द्रकान्त जैन	श्री आदित्य मुनिजी म.सा.	२३-२-९४	चन्द्रपुर	सलाहकार श्री रतन मुनिजी म.सा.
४.	श्री गुरुतेज जैन	श्री गुरुतेज सिंह जी म.सा.	२४-२-९४	लुधियाना	पं. रत्न श्री रतन मुनिजी म.सा.
५.	श्री कश्मिरी लाल जैन	श्री दर्शन मुनिजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
६.	श्री गौरव जैन	श्री गौरव मुनिजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
७	श्री तरुण जैन	श्री तरुण मुनिजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
८.	श्री मनोज जैन	श्री मनोज मुनिजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
८-ए	श्री विजय जैन	-----	१३-५-९४	रायकोट	सलाहकार श्री ज्ञानमुनिजी म.सा.
९.	श्री मनीषा जैन	श्री ----	१७-१०-९३	दिल्ली	उपप्रवर्तक श्री हेमचन्द जी म.सा.
१०.	श्री अनिता जैन	श्री ----	१८-११-९३	हाँसी	उ.प्र. श्री कैलाश वतीजी म.सा.
११.	श्री महक कुमारी	श्री-----	९-१२-९३	अहमदगढ़ मंडी	---
१२.	श्री मीनाक्षी जैन	श्री मल्ली प्रभाजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१३.	श्री सपना जैन	श्री स्वातीजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१४.	श्री वन्दना जैन	श्री वंदनाजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१५.	श्री साक्षी जैन	श्री साक्षी जी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१६.	श्री संगीता जैन	श्री श्रेयाजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१७.	श्री मीना जैन	श्री स्वातीजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१८.	श्री गेगनी जैन	श्री मंगल ज्योतिजी म.सा.	२२-४-९४	अम्बाला	आचार्य सम्राट श्री
१९.	श्री संगीता जैन	श्री सुधाजी म.सा.	२४-२-९४	बड़ी सादड़ी	प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा.
२०.		श्री कांतिलताजी म.सा.	१३-५-९४	बागनिया	प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म.सा.
२१.	----	श्री सुयशाजी म.सा.	१३-५-९४	बागनिया	प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म.सा.
२२	---	श्री निखिल शीलाजी म.सा.	१३-५-९४	बागनिया	प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म.सा.

२३	-----	श्री चेतनाजी म सा	१३-५-९४	वामनिया	प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा
२४	-----	श्री प्रतीक्षाजी म सा	१३-५-९४	वामनिया	प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा
२५	श्री रेखा जैन	श्री -------	२७-४-९४	इन्द्रावड	प्रवर्तक श्री रुपचदजी म सा
२६	श्री शातावाई	श्री------	२९-५-९४	अहमदनगर	प्रवर्तक श्री कुन्दन ऋषीजी म सा
२७	कु कल्पना जैन	श्री स्वय साधनाजी म	१०-७-९४	लुधियाना	आचार्य सम्राट श्री --
२८	कु अजना जैन	श्री श्रुतसाधनाजी म	१०-७-९४	लुधियाना	आचार्य सम्राट् श्री
२९	कु मोनिका जैन	श्री सजह साधना जी म	१०-७-९४	लुधियाना	आचार्य सम्राट श्री----
३०	कु मैत्री जैन	श्री स्वरुप साधनाजी म	१०-७-९४	लुधियाना	आचार्य सम्राट श्री ---
३१	श्री सोहिनी बाई	-----	१६-५-९४	मजल	प रत्न श्री हीरामुनिजी म सा
३२	श्री सुषमा जैन	------	१३-५-९४	रायकोट	सलाहकार श्री ज्ञान मुनि जी म सा
३३	कु ------	--------	१/५/९४	गोहाना मडी	----
३४	कु ----	-------	१-५-९४	गोहाना मडी	-----
३५	कु --------	-------	मई ९४	शाजापुर	--------

कुल मुनिराज (९) महासतियाँजी (२७) कुल योग (३६)

स्वतत्र सम्प्रदाय

(ख) श्री साधुमार्गी सम्प्रदाय -

१	श्री नथमल दुगड	श्री निश्चल मुनिजी म सा	२४-२-९४	देशनोक	आचार्य श्री नानालालजी म सा
२	श्री ----	श्री विनोद मुनिजी म सा	२४-२-९४	देशनोक	आचार्य श्री नानालालजी म सा
३	श्री अशाक कुमार लोढा बी ए	श्री अक्षय मुनिजी म सा	१३-५-९४	देशनोक	आचार्य श्री नानालालजी म सा
४	श्री रानकुमारी कठालिया	श्री रश्मिश्री जी म सा	३-१२-९३	कानोड	आचार्य श्री नानालालजी म सा
५	श्री समता लोढा	श्री सुयश प्रज्ञाजी म सा	८-१२-९३	नागपुर	आचार्य श्री नानालालजी म सा
६	श्री विजया देवी सुराना	श्री सुविजेताजी म सा	२३-१२-९३	रायपुर (म प्र)	आचाय श्री नानालालजी म सा
७	श्री सरिता धारीवाल	श्री सुयशप्रज्ञाजी म सा	२३-१२-९३	रायपुर (म.प्र)	आचाय श्री नानालालजी म सा
८	श्री सुनिता साखला	श्री सुनेहाश्रीजी म सा	२३-१२-९३	रायपुर (म.प्र)	आचार्य श्री नानालालजी म सा
९	श्री गरिमा वेद	श्री सुप्रज्ञाश्री जी म सा	२३-१२-९३	रायपुर (म प्र)	आचार्य श्री नानालाल जी म सा
१०	श्री सगीता चौरडिया	श्री सुजाताश्री जी म सा	२४-२-९३	देशनोक	आचार्यश्री नानालालजी म सा
११	श्री सतोष सचेती	श्री सुमेघाश्री जी म सा	२४-२-९४	देशनोक	आचार्य श्री नानालालजी म सा
१२	श्री आशा खींचा	श्री प्रशान्तश्री जी म सा	२४-२-९४	देशनोक	आचार्य शी नानालालजी म सा
१३	श्री रेणु गोलेच्छा	श्री अर्जिताश्री जी म सा	१३-५-९४	देशनोक	आचाय श्री नानालालजी म सा
१४	श्री सगीता	श्री अर्चिताश्री जी म सा	१३-५-९४	देशनोक	आचार्य श्री नानालालजी म सा

कुल मुनिराज (३) महासतियाँजी (११) कुल ठाणा (१४)

(ग) श्री ज्ञान गच्छ सम्प्रदाय

१.	श्री विजय दुधोडिया	श्री विजय मुनिजी म.सा.	१३-२-९४	मालेगाव	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.
२.	-------	श्री इन्द्रमुनिजी म.सा.	१३-२-९४	जोधपुर	गच्छाधिपति श्री चपालाल जी म.सा.
३.	श्री विरेन्द्र कुमार	श्री विरेन्द्र मुनिजी म.सा.	२०-५-९४	मालेगांव	गच्छाधिपति श्री चंपालाल जी म.सा.
४.	श्री सरोज बहिन	श्री विजेताजी म.सा.	२०-५-९४	मालेगांव	गच्छाधिपति श्री चंपालाल जी म.सा
५	श्री ज्योत्सना कुमारी	श्री ज्योत्सनाजी म.सा.	२०-५-९४	मालेगांव	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा
६.	श्री सुनन्दाजी सुराणा	श्री सुनन्दाजी म.सा.	२१-२-९४	पाली-मारवाड	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म सा.
७.	श्री सगीताजी	श्री दिप्तीजी म.सा.	५-५-९४	मनमाड	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.
८.	श्री शोभाजी	श्री स्वातीजी म.सा.	५-५-९४	मनमाड	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.
९	श्री वीणाजी	श्री विरक्तीजी म.सा.	५-५-९४	मनमाड	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म सा.
१०.	श्री समाप्तीजी	श्री प्राप्तीजी म.सा.	५-५-९४	मनमाड	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.
११.	श्री सुचेता जैन	श्री सुचेताजी म.सा.	२५-५-९४	दोघट (उ.प्र.)	गच्छाधिपति श्री चपालालजी म.सा.
१२.	------	श्री सुधा जी म.सा.	२-३-९४	ब्यावर	गच्छाधिपति श्री चंपालालजी म.सा.

कुल मुनिराज (३) महासतियाँजी (९) कुल ठाणा (१२)

(घ) श्री रत्नवंश सम्प्रदाय

१.	श्री रेखा कुमारी	श्री रक्षिताजी म.सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचंदजी म सा
२.	श्री पुष्पा कुमारी	श्री पुष्पलताजी म.सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचंदजी म.सा.
३.	श्री सुदर्शना कुमारी जी	श्री समर्पिताजी म.सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचंदजी म.सा.
४.	श्री राजकुमारी	श्री रूचिताजी म सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचदजी म सा
५.	श्री सीमा कुमारी	श्री स्नेहलताजी म.सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचदजी म सा
६	श्री ममता कुमारी	श्री समता जी म.सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचदजी म.सा.
७.	श्री मंजु कुमारी	श्री मंजुलताजी म.सा.	२१-२-९४	सवाई माधोपुर	आचार्य श्री हीराचदजी म.सा.
८.	श्री शारदा कुमारी	श्री शारदाजी म.सा.	१३-५-९४	जोधपुर	आचार्य श्री हीराचदजी म.सा.

कुल महासतियाँजी (८) कुल ठाणा (८)

(च) आचार्य श्री सोहनलालजी म.सा.

१.	संतोष सिंह	श्री सतोष मुनिजी म सा.	२०-५-९४	गुलाबपुरा	आचार्य श्री सोहनलालजी म सा.

कुल मुनिराज (१) कुल ठाणा (१)

(छ) प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शन लालजी म.सा.

१	श्री श्रीपाल जैन	श्री श्रीपाल मुनिजी म.सा.	२३-२-९४	सोनीपत	प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शन लालजी म सा
२.	श्री रोहित जैन	श्री रोहित मुनिजी म.सा.	२३-२-९४	सोनीपत	प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शन लालजी म सा

कुल मुनिराज (२) कुल ठाणा (२)

(ज) श्री धर्मदास सम्प्रदाय

१	श्री निर्मला कुमारी	श्री -------	१३-५-९४ वामनीया	श्रमण सघीय प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा

कुल महासतीजी (१) कुल ठाणा (१)

(झ) महामुनि श्री मायारामजी म सा का सम्प्रदाय

१	श्री अनिल कुमार	श्री अमित मुनिजी म सा	१३-५-९४	दिल्ली	विव्ददय श्री रामकृष्ण जी म सा

कुल मुनिराज (१) कुल ठाणा (१)

(ट) प्रवर्तक श्री हंगामी लालजी म सा का सम्प्रदाय

१	श्री मगलचदजी (पुनदीक्षा)	श्री महेन्द्रमुनिजी म सा 'दिनकर'	५-६-९४	अजमेर	आचाय श्री अभयमुनिजी म सा

कुल मुनिराज (१) कुल ठाणा (१)

(ठ) कवि प रत्न श्री पुष्कर मुनिजी म सा 'ललित' की निश्रा

१	श्री -------	श्री प्रकाश मुनिजी म सा	२७-९-९३	पुरानी पाडसोली	कविश्री पुष्कर मुनिजी म सा

कुल मुनिराज (१) कुल ठाणा (१)

(३) वृहद् गुजरात सम्प्रदायें

(ड) श्री लिम्वडी अजरामर सम्प्रदाय

१	श्री भावेश कुमार	श्री भावेश मुनिजी म सा	२०-५-९४	गुन्दाला	श्री भावचन्द्रजी म सा
२	श्री जवेर वहिन	श्री खुशबू कुमारीजी म सा	८-१२-९३	विलपाला बम्बई	श्री भावचन्द्रजी म सा
३	श्री ------	श्री शुद्धता जी म सा	---	-------	----
४	श्री -------	श्री कृष्णाजी म सा	------	-------	-----------
५	श्री प्रमिला बहिन	श्री प्रशस्ति कुमारीजी म सा	१९-२-९४	त्रबो-कच्छ	श्री भावचदजी म सा
६	श्री निर्मला कुमारी	श्री निश्रा कुमारीजी म सा	२४-२-९४	सुवई-कच्छ	श्री भावचन्दजी म सा
७	---------	श्री श्रुति कुमारी जी म सा	------	--------	-----
८	श्री जयश्री कुमारी	श्री जिनश्री कुमारीजी म सा	१४-३-९४	भुज कच्छ	श्री भावचन्दजी म सा
९	श्री लीला बहिन	श्री आज्ञा कुमारीजी म सा	१७-५-९४	लाकडिया	श्री रामचन्द्र मुनिजी म सा
१०	श्री पुष्पा बहिन	श्री पात्रता कुमारीजी म सा	१७-५-९४	लाकडिया	श्री रामचन्द्र मुनिजी म सा
११	श्री दमु वहिन	श्री चाहना कुमारीजी म सा	१७-५-९४	लाकडिया	श्री रामचन्द्र मुनिजी म सा
१२	श्री मजु बहिन	श्री मर्यादा कुमारीजी म सा	१७-५-९४	लाकडिया	श्री रामचन्द्र मुनिजी म सा
१३	श्री गुणवती बहिन	श्री प्रियदर्शनि कुमारीजी म सा	५-३-९४	लाकडिया	श्री रामचन्द्र जी म सा

कुल मुनिराज (१) महासतियॉजी (१२) कुल ठाणा (१३)

(ढ) श्री गोंडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय

१. श्री पन्ना वहिन कोठारी	--------	२७-१-९४	वडिया	तपसम्राट श्री रतीलाल जी म.सा.
२. श्री पूर्वी वहिन मोटाणी	-------	२७-१-९४	वडिया	तपसम्राट श्री रतीलाल जी म.सा.
३. श्री हंसावहिन	--------	२८-२-९४	ढसा	--------
४. वहिन	-------	--------	पडधरी	--------

कुल महासतियॉजी (४) कुल ठाणा (४)

(त) श्री दरियापुरी सम्प्रदाय

१. श्री किरण कुंमार	श्री किरण मुनि जी म.सा.	२१-२-९४	बडौदरा	आचार्य श्री शांतिलालजी म.सा.
२. श्री समरथ वहिन (७७ वर्षीय)	श्री चंदन बाई म.सा.	१६-१०-९३	पालनपुर	आचार्य श्री शांती लालजी म.सा.
३. श्री ----	श्री मितेषा बाई म.सा.	२४-१-९४	अहमदावाद	आचार्य श्री शांती लालजी म.सा.
४. -------	श्री हितेषा बाई म.सा.	२७-१-९४	अहमदावाद	आचार्य श्री शांती लालजी म.सा.
५. श्री जयश्री वहिन	श्री तेजस्विनी बाई म.सा.	२-३-९४	इटोला	आचार्य श्री शातीलालजी म.सा.

कुल मुनिराज (१) महासतियॉजी (४) कुल ठाणा (५)

(थ) श्री कच्छ मोटा पक्ष सम्प्रदाय

१. श्री कला वहिन	----------	१५-२-९४	हैदरावाद	पं.रत्न श्री धिरज मुनिजी म.सा.

कुल महासतियॉजी (१) कुल ठाणा (१)

(द) श्री बरवाला सम्प्रदाय

१. ---------	श्री सुदिशा बाई म.सा.	१-५-९४	संजेली	गच्छाधिपति श्री सरदार मुनिजी म.सा.
२. ----------	श्री धर्मेन्द्र मुनिजी म.सा.	६-२-९४	अहमदनगर	तपस्वी श्री पारसमुनिजी म.सा.

कुल मुनिराज (२) कुल ठाणा(२)

(ध) श्री हालारी सम्प्रदाय

१. श्री रीटा वहिन	---------	२१-२-९४	गढडा (स्वामी)	प.रत्न श्री केशव मुनिजी म.सा.

(न) अन्य समुदाय

१ श्री दामजी भाई	श्री दर्शनमुनिजी म.सा.	३-४-९४	नालासोपारा बम्बई	पं.रत्न श्री जितेन्द्र मुनिजी म.सा

कुल मुनिराज (१) कुल ठाणा (१)

श्वे. स्थानकवासीजैन दीक्षा तालिका १९९४

क्र.	सम्प्रदाय	संत	सतीयॉजी	कुल ठाणा
१.	श्रमण संघ सम्प्रदाय	९	२७	३६
२.	स्वतन्त्र सम्प्रदाय	१२	२९	४१
३.	वृहद गुजरात सम्प्रदाय	४	२३	[illegible]
	कुल योग	२५	७९	१०४

(२) श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

क्र	नाम	नवदीक्षित का नाम	दिनांक	स्थान	सम्प्रदाय/निश्रा
१	श्री अनिल कुमार	श्री दिव्यचद विजयजी म सा	२०-११-९३	मनावर	श्री त्रिस्तुतिक सम्प्रदाय
२	श्री प्रिती बहिन	श्री वीर प्रभामालाश्री जी म सा	२-११-९३	विलेपार्ला बम्बइ	श्री लब्धिसूरी जी सम्प्रदाय
३	श्री सुनिल कुमार	श्री सत्वबोधि विजयजी म सा	२-११-९३	मुलुन्ड बम्बइ	आचाय श्री भुवन भानुसूरी समुदाय जा
४	श्री हजा बहिन	---------	२-११-९३	सिरोडी	आचाय श्री भुवन भानुसूरिश्वरजी म सा
५	श्री वदना कुमारी	---------	२-११-९३	सिरोडी	आचार्य श्री भुवन भानुसूरिश्वरजी म सा
६	श्री कल्पना बहिन	श्री पाश्वप्रभाश्री जी म सा	८-११-९३	दादर-बम्बइ	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
७	श्री अनिता कुमारी	---------	८-१२-९३	मालगाव	आचार्य श्री गुणरत्न सूरीश्वरजी म सा
८	श्री सगीता कुमारी	-----------	८-१२-९३	मालगाव	आचाय श्री गुणरत्न सूरीश्वरजी म सा
९	श्री इन्दुबाला	--------	१५-१२-९३	सालमगढ	आचार्य श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वरजी म सा
१०	श्री नवीन भाई	श्री सुदर्शन विजयजी म सा	जनवरी १९९४	शखेश्वर तीर्थ	पन्यास श्री चन्द्रशेखर विजयजी म सा
११	श्री ललिता बहिन	--------	१५-१-९४	सूईगाव	आचार्य श्री हेमप्रभ सूरीश्वरजी म सा
१२	श्री मधुबाला	----------	१९-१-९४	बेडा	श्री कमल रत्न विजय जी म सा
१३	श्री विनयचद	---------	२३-१-९४	लालाडा नगर	श्री सिद्धी सूरीजी समुदाय
१४	श्री ज्योति लुणिया	---------	२४-१-९४	महासमुन्द	श्री खरतर गच्छ समुदाय
१५	श्री स्वप्न कुमारी	---------	जनवरी १९९४	नरोली	-----------
१६	श्री सुशीला भण्डारी	श्री मगलताश्रीजी म सा	२३-१-९४	भोपावर	तीर्थ श्री सागर समुदाय
१७	श्री चेतन कुमार	--------	६-१२-९३	थलतेज	श्री केशर सूरीजी समुदाय
१८	श्री सुनिल कुमार	----------	६-१२-९३	थलतेज	श्री केशर सूरीजी समुदाय
१९	श्री ज्योत्सना बेन	----------	६-१२-९३	भीलडीयाजी	तीर्थ आचार्य श्री भानुसूरीश्वरजी म सा
२०	श्री मिलन कुमार	श्री मुक्ति श्रमण विजय जी म सा	दिसम्बर १९९३	सूरत	आचाय श्री महोदय सूरीश्वरजी म सा
२१	श्री बहिन-----		२३-१-९४		
२२	श्री अजु ललवाणी	-----------	१५-१२-९३	इन्दौर	---------
२३	श्री प्रदीप भाइ	श्री प्रियदर्शन विजय जी म सा	जनवरी १९९४	भरुच	श्री भुवनभानुसूरीजी समुदाय
२४	श्री -------	श्री वैराग्यरसाश्रीजी	२६/४/९४	बडौदा	श्री मोहन सूरीजी समुदाय
२५	-----------	श्री पुण्यकीर्ति सागरजी म सा	१२-२-९४	भावनगर	श्री सागर समुदाय
२६	श्री सविता कुमारी	---------	२१-२-९४	झाव	आचाय श्री राजेन्द्र सूरीजी म सा
२७	श्री वीणा कुमारी	--------	१९-२-९४	सोजत	आचाय श्री रामचन्द्र सूरीजी म सा
२८	श्री बबीता श्रीमाल	---------	१४-२-९४	साचौर	गणिश्री मणिप्रभसागरजी म सा
२९	श्री आशा कुमारी (भतीजी)		१९-२-९४	सूरत	गणिश्री महायशविजयजी म सा
३०	श्री फूलचद भाइ (भाइ)		१९-२-९४	सूरत	गणिश्री महायश विजयजी म सा
३१	श्री वदामी बाई (भाभी)		१९-२-९४	सूरत	गणिश्री महायश विजयजी म सा
३२	श्री करमशी भाइ	--------	२०-२-९४	पालीताणा	आचार्य श्री अरिहत सिद्ध सूरीजी म सा
३३	श्री कुसुम बोथरा	श्री चितयशाश्री जी म सा	२३-२-९४	मैसूर	श्री खरतर गच्छ सम्प्रदाय

३४. श्री कंचन बोथरा	श्री चिन्मयाश्री जी म.सा.	२३-२-९४	मैसूर	श्री खरतर गच्छ सम्प्रदाय
३५. श्री उत्तमकुमार सराक	------	२७-२-९४	झापडा	पन्यास श्री सुयश मुनिजी म.सा
३६. श्री सुन्दर सराक	-------	२७-२-९४	झापड़ा	पन्यास श्री सुयश मुनिजी म सा.
३७. श्री शीला कागटवी	-------	१९-२-९४	पूना	तपागच्छ समुदाय
३८. श्री नरेश कुमार	------	२१-२-९४	शखेश्वर तीर्थ	आचार्य श्री हमेन्द्र सूरीज म.सा
३९. श्री सुनिल कुमार	------	२७-२-९४	शंखेश्वरतीर्थ	आचार्य श्री हेमेन्द्र सूरीजी म.सा.
४०. श्री शशीकला झावक	------	२४-२-९४	मद्रास	श्रीखरतर गच्छ समुदाय
४१. श्री मंजु झावक	-------	२४-२-९४	मद्रास	श्री खरतर गच्छ समुदाय
४२. श्री बवीता बूरड	-------	२३-२-९४	मद्रास	आचार्य श्री कलापूर्ण सूरीजी म.सा.
४३. श्री ------	कुमारी ------	२३-२-९४	मद्रास	आचार्य श्री कलापूर्ण सूरीजी म.सा
४४. श्री मिलन कुमारी	-------	१३-२-९४	महुआ (गुज.)	आचार्य श्री गुणरत्न सूरीजी म सा.
४५. श्री नयना कुमारी	------	१३-२-९४	महुआ	आचार्य श्री गुणरत्न मूरीजी म.सा.
४६. श्री उमेश कुमार	-------	६-३-९४	वाडमेर	गणिश्री मणीप्रभ सागरजी म.सा.
४७ श्री छाया वहिन	------	९-३-९४	भायकला बम्बई	आचार्य श्री नरेन्द्र सागर सूरीजी म सा.
४८. श्री भावना वहिन	------	९-३-९४	महेसाणा	आचार्य श्री अरिहत सिद्ध मूरीजी म.सा.
४९. श्री पोपट भाई शाह	------	९-३-९४	घाटकोपर-बम्बई	श्री भक्तिसूरीजी समुदाय
५०. श्री वीना कुमारी	श्री वीरगुणाश्री जी म.सा	२-३-९४	छाणी (गुज.)	आचार्य श्री पुण्यानंद सूरीजी म.सा.
५१. श्री वैशाली कुमारी	श्री विश्वज्योतीश्री जी म.सा.	२-३-९४	छाणी	आचार्य श्री पुण्यानद सूरीजी म.सा.
५२. श्री राजुल कुमारी	श्री विरागप्रज्ञाश्री जी म.सा.	२-३-९४	छाणी	आचार्य श्री पुण्यानंद सूरीजी म.सा
५२. (बडी दीक्षा)	श्री पार्श्वपदमावतीश्री जी म.सा	२-३-९४	छाणी	आचार्य श्री पुण्यानद सूरीजी म सा
५३. श्री शीतल शाह	श्री स्नेहपदम सागरजी म.सा.	३०-४-९४	मागलियावास	आचार्य श्री पदम सागर सूरीजी म सा
५४. श्री अरुणा वहेन	-----	१६-४-९४	वाव	आचार्य श्री राजेन्द्र सूरीजी म सा.
५५. श्री जयश्री कुमारी	-------	२७-४-९४	तखतगढ	आचार्य श्री जितेन्द्रसूरीजी म सा
५६ श्री शौभा कुमारी	-------	२३-५-९४	भीनमाल	श्री नरन्द्र विजयजी म सा 'नवल'
५७. श्री निर्मला कुमारी	-------	२०-५-९४	आहोर	आचार्य श्री हेमेन्द्र सूरीजी म.सा
५७. श्री कांता कुमारी	-----	२०-५-९४	आहोर	आचार्य श्री हेमेन्द्र सूरीजी म.सा
५८. श्री सेवन्तीवाई	-------	२०-५-९४	आहोर	आचार्यश्री हेमेन्द्र सूरीजी म सा
५९. श्री शोभा कुमारी	--------	२३-५-९४	आहोर	आचार्य श्री चिदानद सूरीजी म सा
६०. श्री शोभा मेहता	श्री संवरवर्पिताश्री जी म.सा	२३-५-९४	भीनमाल	श्री नरेन्द्र विजय जी म सा.
६१. श्री हेमन्त कुमार	---------	१६-५-९४	दहाणु रोड	पन्यास श्री रत्नसुन्दर विजयजी म सा
६२ श्री सोनल वहिन	------	१६-५-९४	दहाणु रोड	पन्यास श्री रत्नसुन्दर विजयजी म.सा
६३. श्री रतीभाई सावला	श्री मुक्तानद विजय जी म.सा.	१६-५-९४	मद्रास	आचार्य श्री [illegible] सूरीजी म सा
६४ श्री नीलम जैन	--------	११-५-९४	भीलवाडा	आचार्य श्री [illegible] सूरीजी म सा
६५ श्री सूर्यकांत जवेरी	------	३०-५-९४	भीलवाडा	[illegible]
६६. श्री हेमलता	------	१-५-९४	दहाणु रोड	श्री [illegible]
६७ श्री [illegible] कुमार	-------	२-५-९४	[illegible]	श्री [illegible] सूरीजी [illegible]

६८	श्री मीना कुमारी	------	१-५-९४	सूरत	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
६९	श्री नीता कुमारी	------	३०-५-९४	आरवी	तपागच्छ समुदाय
७०	श्री कल्पना कुमारी	------	२९-६-९४	ठाणा-बम्बई	पन्यास श्री पूर्णानन्द विजयजी म सा
७१	श्री निलेश भाई	-------	२६-६-९४	सूरत	श्री अमरगुप्त विजयजी म सा
७२	------	श्री प्रशात शेखर विजयजी म सा	-----	---	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
७३	-------	श्री तीर्थ रत्न विजयजी म सा	------	-------	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
७४	------	श्री प्रशान्तचन्द्र विजयजी म सा	-------	-------	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
७५	------	श्री नररत्न विजयजी म सा	------ -	------	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
७६	-------	श्री ऋषीतीर्थ विजयजी म सा	-----	------	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
७७	-------	श्री दिव्यदर्शनाजी म सा	------	------	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय

कुल मुनिराज (३०) साध्वीयॉजी (४७) कुल ठाणा (७७)

नोट - इसके अलावा और भी नवदीक्षित साधु-साध्वीयों हो सकते है हमारे पास जितनी जानकारीयाँ ज्ञात हुई उतनी यहाँ देने का प्रयत्न किया गया है। मै जहा भी गया वहा के जैन देरासरो मे लगी हुई आमत्रण पत्रिकाओ मे से यह नाम प्राप्त किये है कुछ आमत्रण पत्रिकाऐ भी प्राप्त हुई है फिर भी नाम अधूरे ही है। सभी पूण्य आचार्य भगवतो से प्रार्थना है कि आप जहा हजारो पत्रिकाऐ सभी को प्रेपित करते है वहा हमे भी याद कर लिया करे ताकि हम यह सूची व्यवस्थित रुप से बना सके।

-सपादक

(३) श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

क्र	नाम	दीक्षा तिथी	दीक्षा स्थान
	निश्रा आचार्य श्री तुलसी		
	(१) मुनि दीक्षा		
१	श्री विनोदकुमारजी (चूरु) बी ए	२०५०, श्रावण शुक्ला १०,	राजलदेसर (राज)
२	श्री मानवमित्रजी (सरदारशहर)	२०५०, कार्तिक शुक्ला ११	राजलदेसर (राज)
	(२) साध्वीदीक्षा		
१	साध्वीश्री क्रान्तप्रज्ञाजी (उदासर) एम ए	२०५०, कार्तिक कृष्णा ७	राजलदेसर (राज)
२	साध्वीश्री सिद्धप्रज्ञाजी (रामसिहजी कागुडा) एम ए	२०५० कार्तिक कृष्णा ७	राजलदेसर (राज)
३	साध्वीश्री परिमलप्रभाजी (गगाशहर) बी ए	२०५०, कार्तिक कृष्णा ७	राजलदेसर (राज)
४	साध्वीश्री आरोग्यश्रीजी (मौमासर) बी ए	२०५० कार्तिक कृष्णा ७	राजलदेसर (राज)
५	साध्वीश्री स्वस्थप्रभाजी (सरदार शहर) एम ए	२०५० माघ शुक्ला ३	राजलदेसर (राज)
६	साध्वीश्री नियतिप्रभाजी (आसीन्द)	२०५० माघ शुक्ला ३	सुजानगढ (राज)
७	साध्वीश्री सयमप्रभाजी (सरदारशहर)	२०५० माघ शुक्ला ३	सुजानगढ (राज)
८	साध्वीश्री विनयप्रभाजी (गगाशहर)	२०५० माघ शुक्ला ३	सुजानगढ (राज)

कुल मुनिराज (२) साध्वीयॉजी (८) कुल ठाणा (१०)

(३) समण-दीक्षा

१. समणी प्रशमप्रज्ञा (जैतौमण्डी) बी ए. — २०५० श्रावण शुक्ला १० — राजलदेसर (राज.)
२. समणी प्रशान्तप्रज्ञा (सुजानगढ) बी.ए. — २०५० श्रावण शुक्ला १० — राजलदेसर (राज.)
३. समणी जगत्प्रज्ञा (उदासर) बी.ए. — २०५० कार्तिक कृष्णा ७ — राजलदेसर (राज.)
४. समणी कातप्रज्ञा (कांटामाजी) एम.ए. — २०५० कार्तिक कृष्णा ७ — राजलनेसर (राज.)
५. समणी संचितप्रज्ञा (बालोतरा) — २०५० कार्तिक कृष्णा ७ — राजलदेसर (राज)
६. समणी लौकप्रज्ञा (मारवाड़ जंक्शन) बी.ए. — २०५० कार्तिक कृष्णा ७ — राजलदेसर (राज.)
७. समणी पीयूषप्रज्ञा (उदासर) — २०५० कार्तिक कृष्णा ७ — राजलदेसर (राज.)
८. समणी स्मितप्रज्ञा (जसौल) — २०५० माघ शुक्ला ३ — सुजानगढ (राज.)
९ समणी लावण्यप्रज्ञा (जसोल) एम.ए. — २०५० माघ शुक्ला ३ — सुजानगढ (राज.)
१०. समणी सरसप्रज्ञा (बालौतरा) बी.ए. — २०५० माघ शुक्ला ३ — सुजानगढ (राज.)
११. समणी गुप्तिप्रज्ञ (जसौल) — २०५० माघ शुक्ला ३ — सुजानगढ (राज.)

कुल समणी (११) कुल ठाणा (११)

(४) श्री दिगम्बर सम्प्रदाय

क.	दीक्षार्थी नाम	नूतन नाम	दिनांक	स्थान	निश्रा/ सानिध्य
१.	------	श्री विनित मति माताजी	अगस्त ९३	कुचामन सिटी	श्री विशुद्धमती माताजी
२.	-------	श्री विकाशमति माताजी	अगस्त ९३	कुचामन सिटी	श्री विनयमति माताजी
३.	श्री सावित्री बाई	-----	३०-९-९३	वलून्दा	श्री विनयमति माताजी
४.	श्री स्वयप्रभू सागरजी	श्री स्वयप्रभूसागरजी	१०-१०-९३	कापरेन	उपाध्याय श्री चन्द्र सागरजी
५.	श्री धनपाल भगोट	-------	२३-१०-९३	आहिच्छा पार्श्वनाथ	गणधराचार्य श्री कुंथुसागरजी
६.	श्री जम्बूराव पाटील	---------	२३-१०-९३	अहिच्छा पार्श्वनाथ	गणधराचार्य श्री कुंथुसागरजी
७.	कु. संध्या	श्री संयम भूषणा मतिजी	३०-१०-९३	मूराट-	आचार्य श्री सन्मति सागरजी
८.	श्री राहुल कुमार	श्री नवीन सागरजी	ओक्टोवर - ९३	एटा	बालाचार्य श्री नेमीसागरजी
९.	ए श्री सुभद्रसागरजी	श्री शीतलसागरजी	२०-९-९३	ब्यावर	आचार्य श्री सन्मति सागरजी
१०.	श्री तिलोक चदजी	श्री चारित्र सागरजी	१५-११-९३	श्रवण वेलगोला	आचार्य श्री वर्धमान सागरजी
११.	श्री सरदारमलजी	श्री नम्रसागरजी	१५-११-९३	श्रवण वेलगोला	आचार्य श्री वर्धमान सागरजी
१२.	श्री भुजवलीजी	श्री विनम्रसागरजी	१५-११-९३	श्रवण वेलगोला	आचार्य श्री वर्धमान सागरजी
१३.	श्री भुज्वलीजी	श्री विनम्रसागरजी	१५-११-९३	श्रवण वेलगोला	आचार्य श्री वर्धमान सागरजी
१४.	क्षु जीवन सागरजी मुनिश्री	---	२-१२-९३	एटा	-------
१५.	-------- मुनिश्री	----	२०-२-९४	पाली-मारवाड़	--------
१६	------- मुनिश्री	-----	२०-२-९४	पाली-मारवाड़-	------
१७	-------	श्री धैर्यसागरजी	१६-२-९४	देवपुरा (उदयपुर)	आचार्य श्री [illegible]
१८.	श्री सुलोचना	---------	२६-३-९४	सोनागिरी तीर्थ	आचार्य श्री [illegible]

१९	श्री कातिचदजी	--------	२६-३-९४	सोनगिरी तीर्थ	आचार्य श्री समति सागरजी म सा
२०	श्री ममता कुमारी	-------	२६-३-९४	सोनगिरी तीर्थ	आचार्य श्री सन्मति सागरजी
२१	ए-श्री विनयभद्रजी	मुनिश्री विजयचद सागरजी	४-३-९४	कोथली (विहार)	श्री महावलीजी
२२	श्री युगल दीक्षा	------	१५-३-९४	मालपुरा (टोंक)	श्री पदमनदीजी
२३	श्री युगल दीक्षा	------	१५-३-९४	मालपुरा (टोंक)	श्री पदमनदीजी
२४	डॉ मधुमति जैन	------	१३-३-९४	नृसिंहराजपुरा	श्री कुशाग्रनदीजी
२५	श्री राजकुमार	श्री आदि सागरजी	अप्रेल-९४	गोसलपुर	-----
२६	श्री गोसलकुमार	श्री गोसलसागरजी	अप्रेल-९४	गोसलपुर	-----
२७	----------	श्री अजेयसागरजी	१६-४-९४	टोकर	--------
२८	---------	श्री अकामसागरजी	२६-४-९४	टोकर	------
२९	क्षु कुलभूषणजी	श्री कुलभूषण सागरजी	१०-८-९४	गनोरमटी	आचार्य श्री शातिसागरजी
३०	श्री कल्पना बहेन	------	२३-५-९४	टाळ-	आचार्य श्री अभिनन्दन सागरजी
३१	कु रेखा ---	- --------	१३-५-९४	----	-----
३२	--------	श्री प्रवीणमती आर्याजी	१३-५-९४	करावली	आचार्य श्री अभिनन्दन सागरजी
३३	--------	श्री प्रशान्तमति माताजी	१३-५-९४	करावली	आचार्य श्री अभिनन्दन सागरजी
३४	श्री विनय जैन	श्री शातिसागरजी	१३-६-९४	जयपुर	आचार्य श्री सन्मति सागरजी
३५	------	मुनि	८/७/९४	प्रतापगढ	आचार्य श्री कथुसागरजी

कुल मुनि (२३) आर्याजी (१२) कुल योग (३५)

नोट - इनके अलावा भी अन्य कई मुनिराज एव आर्याजी ने भी दीक्षा ग्रहण की है परन्तु हमारे पास कोइ जानकारीया प्राप्त नही हो सकी इस कारण हमे जितनी जानकारीया ज्ञात होसकी उतनी यहा दी गयी है। यह जानकारीया समाचार पत्रो जैन मदिरो की सूचनाओ से एकत्रित की गयी है। सभी पूण्य आचार्यो मुनिराजो आर्याजी श्री सत्रो व्यवस्थापको से नम्र प्रार्थना है कि आपके यहा होनेवाले सभी कार्यक्रमो की निमत्रण पत्रिकाऐ या समाचार हमे भी सदैव प्रेषित करते रहे आपके द्वारा प्रेषित समाचार का हम कही न कही उल्लेख अवश्य करेग।

समग्र जैन सम्प्रदायो में कुल नई दीक्षा १९९४

क्र स	सम्प्रदाय	मुनिराज	साध्वियॉजी	कुल ठाणा
(१)	श्वे स्थानकवासी समुदाय	२५	७९	१०४
(२)	श्वे मूर्ति समुदाय	३०	४७	७७
(३)	श्वे तेरापथी समुदाय	२	८	१०
(४)	दिगम्बर समुदाय	२३	१२	३५
	कुल योग	८०	१४६	२२६

नोट - इसके अलावा श्वे तेरापथी समुदाय मे (११) समणीयो ने समण दीक्षा अगीकार की है।

अ.भा. स्थानकवासी जैन दीक्षा (चतुर्दश वर्ष) संक्षिप्त तालिका
(सन् १९८१ से १९९४ तक)

सम्प्रदाय	९४	९३	९२	९०	८९	८८	८७	८६	८५	८४	८३	८२८१ (१४) वर्षो का			
	कु ल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल योग
श्रमण सघ	३६	३८	१९	२५	२४	२५	२७	२१	४८	३५	४२	३१	४१	४०	४५२
स्वतंत्र-सम्प्रदाय	४१	२१	३७	२७	२८	२४	२४	३५	३०	२४	५५	२४	४१	१९	४३०
बृहद गुजरात सम्प्रदाय	२७	३४	१९	३०	१४	३२	३०	४०	३०	४२	४५	४३	४५	४२	४७३
कुल योग	१०४	९३	७५	८२	६६	८१	८१	९६	१०८	१०१	१४२	९८	१२७	१०१	१३५५

नोट .- उपर्युक्त तालिका की जानकारी श्वे. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची १९७९ से १९८५ एवं समग्र जैन चातुर्मास सूची १९८६ से १९९४ के प्रकाशन वर्ष की चातुर्मास सूंची पुस्तको के अनुसार यहा प्रस्तुत की गयी है, इससे आप आसानी से अनुमान लगा सकते है कि स्था. समुदाय में नई दीक्षाओ की क्या स्थिति है संख्या घट रही या बढ रही है।

अ.भा. समग्र जैन नई दीक्षा (नवम् वर्ष) तुलनात्मक तालिका

क्र. सं.	सम्प्रदाय	१९९४	१९९३	१९९२	१९९१	१९९०	१९८९	१९८८	१९८७	१९८६	योग
		कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	नवम वर्ष
१	श्वे. मूर्तिपूजक	७७	९३	१९	९३	१५५	ज्ञात नही		ज्ञात नही	ज्ञात नही	-
२.	श्वे. स्थानकवासी	१०४	९३	७५	८२	६६	८१	८१	९६	१०८	७८६
३	श्वे तेरापथी	१०	१३	१४	११	१८	ज्ञात नही	ज्ञात नही	ज्ञात नही	१०	-
४.	दिगम्बर	३५	-	२५	२९	१५	-	२८	-	-	-
	कुल योग	२२६	२३४	१३७	२०१	२६७	-	-	-	-	-

नोट - सन् १९८० से वर्तमान तक स्थानकवासी समुदाय की नई दीक्षा हर वर्ष निरन्तर प्रकाशित करते आ रहे है। सन् १९८६ से १९८९ तक अन्य समुदायो की सूचिया प्रकाशित नही कर सके, सन् १९९० से वर्तमान १९९४ तक समग्र जैन समाज की नई दीक्षा सूची प्रकाशित कर रहे है जिसकी सख्या यहां तालिका मे दी गयी है। सन् १९९० से १९९४ तक ५ वर्षो मे समग्र जैन समाज मे १०५९ नई दीक्षाऐ हो चुकी है।

सन् १९९४ की नई दीक्षाओ की प्रमुख विशेषताऐ

(१) श्वे. स्थानकवासी श्रमण सघीय आचार्य सम्राट श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा के पंजाबप्रान्त मे प्रथम पदार्पण के अवसर पर अम्बाला मे ११ एव लुधियाना मे ४ कुल १५ दीक्षाऐ हुई।

(२) श्वे. स्थानकवासी बृहद गुजरात समुदाय मे गोडल मोटा पक्ष में महासती श्री चदन बाई [illegible] ने पालनपुर में १६-१०-९३ को भगवती दीक्षा ग्रहण कर सभी को आश्चर्य मे डाल दिया है कि [illegible] अधिक क्यो न हो जावे आत्म साधना उद्धार के लिए दृढ मनोबल चाहिए।

(३) श्री लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय मे मुनिश्री भावचद जी म.सा. ने अपने [illegible]

चुके है सघ मे विना किसी पद होते हुऐ भी जो समग्र जैन समाज में एक रिकार्ड है किसी सघ मे किसी मुनिराज ने विना कोइ पद ग्रहण किये इतनी सर्वाधिक दीक्षाऐ प्रदान की हो।

(४) श्वे स्थानकवासी रत्न वश सम्प्रदाय के आचार्य श्री हीराचदजी म सा के पावन निश्रा मे सवाई माधोपुर(राज) मे २१-२-९४ को एक साथ ७ बहिनो की नई दीक्षा सम्पन्न हुई जो रत्न वश एव सवाई माधोपुर एव आचार्य श्री के द्वारा आचार्य पद ग्रहण करने के पश्चात् प्रथम इस तरह कई रिकार्डो के साथ सम्पन्न हुई तथा उसके पश्चात् १३-५-९४ को जोधपुर मे एक इस तरह ८ दीक्षाऐ हुई

(५) इस वर्ष समग्र जैन समाज मे श्वे स्था श्रमण सघ ही एक मात्र ऐसा समुदाय है जिसमे सर्वाधिक (३०) दीक्षाऐ किसी एक समुदाय मे नई दीक्षाऐ हुई हो।

(६) सम्पूर्ण जैन समाज मे श्वे स्थानकवासी श्रमण सघ समुदाय ही एकमात्र ऐसा समुदाय रहा जिसमे एक ही स्थान एक ही दिन अम्बाला शहर मे सर्वाधिक (११) नई दीक्षाऐ सम्पन्न हुई इतनी दीक्षाऐ अन्य किसी समुदाय मे एक ही स्थान एक ही दिन इस वर्ष नहीं हुई

(७) इस सूची के अनुसार श्वे स्थानकवासी समुदायही समग्र जैन समाज मे एक मात्र ऐसी समुदाय रहा जिसमे सर्वाधिक ९८ नई दीक्षाऐ एक वर्ष म हुई। वैसे श्वे मूर्ति पूजक समुदाय का क्रम प्रथम आना चाहिए परन्तु उसकी सही सख्या ज्ञात नहीं होसकी सभव है श्वे मूर्ति समुदाय मे लगभग १२५ दीक्षाऐ हुई होगी ऐसा लगता है।

(८) श्वे स्था समुदाय मे ज्ञानगच्छ समुदाय एव प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलालजी म सा की समुदाय मे जो दीक्षाऐ हुई वह एकदम सादगी विना किसी आडम्बर के सादगी से सम्पन्न हुई।

(९) श्वे तेरापथी समुदाय मे मुनि दीक्षा एव साध्वी दीक्षा के अलावा (११) समणीयो ने समणी दीक्षा भी प्राप्त की इस तरह इस समुदाय मे लगभग ७५ से १०० के बीच मे समणी दीक्षाऐ हो चुकी है। जो देश विदेशो मे जैन धर्म का प्रचार, प्रसार करने मे तत्पर है।

(१०) श्वे स्था समुदाय मे विगत १४ वर्षो मे वर्तमान समयतक १३४९ साधु-साध्वीयो ने दीक्षा अगीकार की है जबकि विगत पाच वर्षो मे समग्र जैन समाज मे १०५३ नई दीक्षाऐ हो चुकी है। विस्तृत जानकारी के लिए तालिकाऐ देखे

नोट - सभी नवदीक्षित श्रमण-श्रमणीयो का संयमी जीवन, ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप की उन्नति कर जिन शासन की शोभा बढाते रहे भगवान महावीर स्वामी का दिव्य अमर सन्देश दुनिया में गूजता रहे ऐसी अभिलाषा एव हार्दिक मगल कामनाऐ करते है। -सपादक

ક્ષમા વિરસ્ય ભૂષણમ્

अ.भा. समग्र जैन साधु-साध्वी नई पदवी सूची १९९४

(दिनांक १-८-९३ से ३१-७-९४ तक)

क्र. पदवीधारक का नाम	पदवी	दिनांक	स्थान	समुदाय/निश्रा
(१) गणाधिपति :-				
१. आचार्य श्री तुलसी	गणाधिपति	१८-२-९४	सुजानगढ	श्वे. तेरापंथी
(२) गच्छाधिपति :-				
१. आचार्य श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वर जी म.सा.	गच्छाधिपति	१५-१२-९३	सालमगढ	सागर समुदाय
२. आचार्य श्री गुणोदय सागर सूरीश्वर जी म.सा.	गच्छाधिपति	१३-५-९२	जिनालय (कच्छ)	अचल गच्छ समुदाय
	कुल योग (२)			
(३) आचार्य :-				
१. आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा.	आचार्य सम्राट	२२-४-९४	अम्बाला	श्रमण संघ समुदाय
२. महोपाध्याय श्री नरचंन्द्र विजय जी म.सा.	आचार्य	१९-२-९४	पालीताणा	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी
३. प्रवर्तक श्री सोहन लालजी म.सा.	आचार्य	२५-२-९४	विजयनगर	स्था. श्री नानक समुदाय
४. पन्यास श्री विमलचन्द्र विजय जी म.सा.	आचार्य	२०-२-९४	बम्बई-पायधुनी	श्वे. श्री डेहलावाला समुदाय
५. पन्यास श्री रत्न भूषण विजय जी म.सा.	आचार्य	१९-२-९४	बम्बई-बोरीवली	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी
६. युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी म.सा.	आचार्य	१८-२-९४	सुजानगढ	श्वे. तेरापंथी समुदाय
७. श्री अभय मुनिजी म.सा.	आचार्य	५-८-९३	अजमेर	प्रवर्तक श्री हंगामी लालजी म
८. पन्यास श्री कनकध्वज विजयजी म.सा.	आचार्य	१९-२-९४	बम्बई-भूलेश्वर	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी म.
९. पन्यास श्री चन्द्र गुप्त विजयजी म.सा.	आचार्य	१९-२-९४	बगवाडा	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी म.
१०. पन्यास श्री हेम भूषण विजयजी म.सा.	आचार्य	१९-२-९४	बगवाड़ा	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी म
११. श्री अभय चन्द्रविजयजी म.सा.	आचार्य	------	------	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
कुल योग (११)				
(४) उपाध्याय :-				
१. सलाहकार श्री कन्हैयालाल जी म.सा. 'कमल'	उपाध्याय	६-२-९४	जयपुर	स्था. श्रमण संघ
२. मुनि श्री गुणनंदीजी	उपाध्याय	९-४-९४	सगवाडा	दिगम्बर समुदाय
३. श्री रंग मुनिजी म.सा.	उपाध्याय	मार्च ९४	उदयपुर	सन्मति संघ (विरायतन)
४. पन्यास श्री विरेन्द्र विजयजी म.सा.	उपाध्याय	-----	पालीताणा	श्री वल्लभ सूरीजी
कुल योग (४)				

(५) पन्यास

१	गणि श्री भानुचन्द्र विजयजी म सा	पन्यास	९-१२-९३	घाणेराव	श्री भक्तिसूरीजी समुदाय
२	गणि श्री चन्द्र विजयजी म सा	पन्यास	२१-२-९४	साचौर	आचार्य श्री अरविन्द सूरीश्वर जी म सा
३	गणि श्री नरवाहन विजयजी म सा	पन्यास	१९-२-९४	बम्बई-भूलेश्वर	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी म
४	श्री यशोभद्र विजयजी म सा	पन्यास	------	पालीताणा	श्री वल्लभ सूरीजी समुदाय

कुल योग (४)

(६) गणिवर्य

१	श्री राजयश विजयजी	गणि	६-१२-९३	थलतेज	श्री केशर सूरीजी समुदाय
२	श्री मुनिचन्द्र विजयजी म सा	गणि	८-१२-९३	राधनपुर	आचार्य श्री अरविन्द सूरीजी म सा
३	श्री गुणयश विजयजी म सा	गणि	२४-११-९३	सूरत	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी समुदाय
४	श्री किर्ती यश विजयजी म सा	गणि	२४-१-९३	सूरत	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी समुदाय
५	श्री अभय शेखर विजयजी म सा	गणि	५-११-९३	बम्बई-गोरेगाव	तपागच्छ समुदाय
६	श्री भुवन सुन्दर विजयजी म सा	गणि	२०-६-९४	अहमदावाद	श्री भुवन भानु सुरीजी समुदाय
७	श्री गुण सुन्दर विजयजी म सा	गणि	२०-६-९४	अहमदावाद	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय
८	श्री अरुणोदय सागरजी म सा	गणि	२०-११-९३	भीनमाल	आचार्य श्री पदमसागर सूरीजी म सा
९	श्री विनय सागरजी म सा	गणि	२०-११-९३	भीनमाल	आचार्य श्री पदमसागर सूरीजी म सा
१०	श्री देवेन्द्र सागरजी म सा	गणि	२०-११-९३	भीनमाल	आचार्य श्री पदमसागर सूरीजी म सा
११	श्री चन्द्रजीत विजयजी म सा	गणि	१४-७-९४	-------	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय
१२	श्री इन्द्रजीत विजयजी म सा	गणि	१४-७-९४	------	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय
१३	श्री निपुण चन्द्र विजयजी म सा	गणि	१४-७-९४	------	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय
१४	श्री यशोभूषण विजयजी म सा	गणि	१-५-९४	-----	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय
१५	श्री इन्द्रयश विजयजी म सा	गणि	७/७/९४	-------	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय

कुल योग (१५)

प्रवर्तक -

१	मंत्री श्री कुन्दन ऋषीजी म सा	प्रवर्तक	१०-७-९४	लुधियाना	स्था श्रमण सघ

उपप्रवर्तक

१	श्री मदन मुनिजी म सा 'पथिक'	उपप्रवर्तक	----	-----	श्रमण सघ समुदाय

महास्थविर

१	प्रवर्तक श्री पदमचदजी म सा	महास्थविर	२२-४-९४	अम्बाला	श्रमण सघ समुदाय

सघ प्रमुखा

	महासती श्री प्रमोद सुधाजी म सा	उज्ज्वल सघ प्रमुखा	५-११-९३	मद्रास	श्रमण सघ समुदाय

प्रवर्तिनी

	साध्वीश्री विनिताश्री जी म सा	प्रवर्तिनी	---	पालीताणा	श्री वल्लभ सूरीजी समुदाय

अन्य पदवीयाँ:-

१ आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा.	जैन धर्म दिवाकर२२-४-९३	अम्बाला	श्रमण संघ समुदाय
२ आचार्य श्री कलापूर्ण सूरीजी म.सा.	फलोदी रत्न १२-५-९४	मद्रास	श्री कनक सूरीजी (वागड)
३. आचार्य श्री कला प्रभ सागर सूरीजी म.सा	अचलगच्छ शिरोमणी १०-७-९४	बम्बई-कांदिवली	अचलगच्छ समुदाय
४. डॉ. शिवमुनिजी म.सा.	डी. लिट ----	मद्रास	श्रमण संघ समुदाय
५. पन्यास श्री सुयश मुनिजी म सा.	सराक रत्न १७-२-९४	झापडा (कलकत्ता)	श्री मोहनलालजी
६ श्री अजय मुनिजी म.सा.	तपोकेशरी १३-२-९४	भवात (पंजाब)	श्रमण संघ समुदाय
७. उ.प्र. श्री सुदर्शन मुनिजी म.सा.	श्रमणरत्न २२-४-९४	अम्बाला सिटी	श्रमण सघ समुदाय
८. उ.प्र. श्री जगदीश मुनि जी म.सा.	शासन प्रभावक २२-४-९४	अम्बाला सिटी	श्रमण सघ समुदाय
९. उ.प्र श्री अमर मुनिजी म.सा.	प्रवचन केशरी २२-४-९४	अम्बाला सिटी	श्रमण सघ समुदाय
१०. श्री मुक्तिप्रभ मुनिजी म.सा.	सराक हितेषी	झापडा (कलकत्ता)	श्री मोहन लालजी म.
११. श्री विनितप्रभ मुनिजी म.सा	बगकेशरी २७-२-९४	झापडा	श्री मोहन लालजी म.
१२. श्री निश्चल सागरजी	चरित्रवर्धक जनवरी १९९४	बम्बई-विरार	दिगम्बर समुदाय
१३. श्री जयप्रभ विजयजी म.सा	शासन दीपक २४-११-९३		मनावर त्रिस्तुतिक समुदाय (प्रथम)
१४. श्री हितेषचन्द्र विजयजी म.सा	शासनरत्न२४-११-९३		मनावर त्रिस्तुतिक समुदाय (प्रथम)
१५. श्री कमलेश मुनिजी म.सा. 'कमलेश'	पजाब रत्न' २२-४-९४	अम्वाला सिटी	श्रमण सघ समुदाय
१६. उपप्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनिजी म.सा.	महोपाध्याय १९९४	जयपुर	श्रमण संघ समुदाय

साधु-साध्वी पद प्रदा तालिका १९९४

गणाधिपति	गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तक	गणि	उप-प्रवर्तक	महास्थविर	सघ प्रमुख	प्रवर्तिनी	अन्य पदवीयां
१	२	११	४	४	१	१५	१	१	१	१	१६

नई पदवीयो की मुख्य विशेषताऐं

(१) जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय के नवम् अधिष्ठाता सघ नायक आचार्य श्री तुलसी ने संघ हितार्थ दूसरो को अवसर प्राप्त हो इस हेतु अपनी स्वेच्छा से सजिवित अवस्था मे विशाल संघ (७०० साधु-साध्वीयो) के आचार्य जैसे प्रतिष्ठित पद को सहर्ष त्याग दिया और संघ के युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी को अपना उत्तराधिकारी एवं सघ का [illegible] आचार्य [illegible] पद प्रदान कर स्वय संघ के गणाधिपति वन गये। जहा सर्वत्र पद प्राप्ति की होड दिखायी देती रहती है वहां [illegible] एक रिकार्ड वन कर उच्च आदर्श स्थापित हुआ है। मर्यादा महोत्सव पर यह पद प्रदान किया गया।

(२) श्वेताम्बर स्थानकवासी श्रमण संघ के आचार्य श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा को श्रमण संघ का आचार्य [illegible] जैन धर्म दिवाकर पद प्रदान किया गया।

(३) इस वर्ष दो आचार्यो को गच्छाधिपति पद प्रदान किया गया।

(४) एक तरफ जहा उपरोक्त इतने पद प्रदान किये गये वहां दूसरी ओर श्वे. स्थानकवासी [illegible] जनवरी ९४ में सम्पन्न हुऐ सम्मेलन के पारित प्रस्तावो के अनुसार साधु-साध्वीयो के पास [illegible]

निरस्त कर दिया गया यहा तक कि साधु-साध्वीयो के आगे बाल-ब्रह्मचारी या विदुषी तपस्वी जैसे पद भी नहीं लगा सकते सभी नियमो का पालन कडकपन से अमल चालू हो गया है।

(५) श्रमण सघ मे इस वर्ष कई पद प्रदान किये गये जब कि पूना सम्मेलन मे प्रस्ताव पारित किया था कि सत-सतियो के पास जितने पद है वे निरस्त कर दिये जाये और आगे कोई नया पद नहीं लगावे परन्तु पद सूची को देखने से ज्ञात होता है कि सम्मेलन से पूर्व जो पद थे वैसे ही पद अब प्रदान करने लग गये है, जबकि लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय की ओर भी निगाह करे वहा सभी नियमो का पालन बराबर हो रहा है।

(६) श्वे स्थानकवासी श्रमण सघीय युवाचार्य डॉ शिवमुनिजी म सा को डी लिट की उपाधि प्राप्त हुई।

(७) श्वे स्थानकवासी समुदाय के आचार्य श्री सोहन लालजी म सा को लगभग ८३ वर्ष की वय मे श्री नानक समुदाय का आचाय पद प्रदान किया गया विशेष बात यह रही कि इस समुदाय मे विगत १०० वर्षो मे किसी भी सत को आचार्य पद प्रदान नहीं किया था जो इस वर्ष २४-२-९४ को विजय नगर मे प्रदान किया गया।

(८) सुविशाल सागर सम्प्रदाय के गच्छाधिपति श्री दर्शन सागर सूरीजी म के महाप्रयाण हो जाने के पश्चात् वर्तमान गच्छाधिपति का पद आचाय श्री सूर्योदय सागर सूरीश्वर जी म सा को प्रदान किया गया एव अचल गच्छ समुदाय म भी अचल गच्छाधिपति का स्थान रिक्त था उसकी पूर्ति भी की गयी आचार्य श्री गुणोदय सागर सूरीश्वरजी म सा को अक्षय तृतीय के अवसर पर अचल गच्छाधिपति पद प्रदान किया गया।

(९) श्री नेमीसूरीजी समुदाय के गच्छाधिपति श्री मेरुप्रभसूरीजी म सा के महाप्रयाण के पश्चात् अभी तक सघ मे नया गच्छाधिपति किसी को भी नहीं बनाया गया है परन्तु सघ नायक का भार आचार्य श्री देव सूरीश्वर जी म के पास आ गया है।

(१०) श्वे तपागच्छ कच्छ वागड समुदाय के आचार्य श्री कलापूर्ण सूरीश्वरजी म सा को मद्रास मे सघ का गच्छाधिपति पद प्रदान करने का सघने निर्णय लिया था वस्तु आचार्य श्री जी ने इस पद को ग्रण न करने की अपनी इच्छा प्रगट की। एक ओर जहा पद प्राप्ती की सभी को इच्छा रहती है वहा देते हुऐ भी ग्रहण नही करने जैसा उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला है।

(११) श्वे अचल गच्छ समुदाय मे आचार्य श्री कलाप्रभ सागर सूरीश्वरजी म सा को बम्बइ मे १०-७-९४ को अचलगच्छ शिरोमणी पद प्रदान किया गया

नोट-परिषद परिवार की ओर से सभी नइ पदवी प्राप्त साधु-साध्वीयो को हार्दिक मगल कामनाऐं।
- सपादक

जैन विश्व रिकार्डस

सम्पूर्ण जैन समाज मे श्वे स्थानकवासी स्वतत्र समुदाय के साध्वी श्री चदनाजी म सा एक मात्र एसी साध्वीजि है जिन्हे साध्वी समुदाय में आचार्य पद प्रदान किया है। सम्पूर्ण जैन समाज मे कुल 165 आचार्यो मे 164 आचार्य साधुओ मे एव 1 आचार्य साध्वी वर्ग मे है।

(जैन रिकार्ड डायरेक्ट्री से साभार)

अ.भा.समग्र जैन संत सती महाप्रयाण सूची १९९४

(दिनांक १-८-९३ से ३१-७-१९९४ तक)

(१) श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय :

संत मुनिराज समुदाय

क.	सत सती का नाम	दिनांक	स्थान	सम्प्रदाय
१.	श्री दातारामजी म.सा.	९-८-९३	चांदवड	श्रमण सघ
२.	श्री जीवराजजी म.सा	५-१०-९३	लातूर	श्रमण संघ
३.	श्री बसन्ती लालजी म.सा.	२३-१२-९३	नांदगांव	श्रमण संघ
४.	प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा.	१५-१-९४	फतेहनगर	श्रमण संघ
५.	श्री चम्पक मुनिजी म.सा.	२-१२-९३	उज्जैन	वर्धमान वीतराग
६.	श्री वल्लभ मुनिजी म.सा.	२७-१०-९३	अजमेर	श्री नानक सम्प्रदाय
७.	श्री चांदमलजी म.सा.	१५-१-९४	भिनाय	श्री नानक सम्प्रदाय
८.	खद्दरधारी श्री मिश्री मलजी म.सा.	१०-१२-९३	बम्बई	श्रमण संघ
९.	प्रवर्तक श्री कल्याण ऋषीजी म.सा.	९-२-९४	धुलिया	श्रमण संघ
१०.	उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा.	२०-५-९४	बेंगलौर	श्रमण संघ
११.	श्री नेम मुनिजी म.सा.---	मई-९४	दिल्ली	श्रमण संघ
१२.	श्री दीपचंदजी म.सा.-----	२०-४-९४	दिल्ली	स्वतंत्र सम्प्रदाय
१३.	श्री सुरेन्द्र मुनिजी म.सा.	१४-२-९४	बगडा	श्रमण सघ
१४.	संघ सरक्षक श्री इन्द्रमुनिजी म.सा	२१-५-९४	बीकानेर	साधुमार्गी
१५.	श्री भाणजी स्वामी ---	मई ९४	कुन्दरोडी	कच्छ नानी पक्ष
१६.	श्री मोतीलालजी म सा.---	३०-५-९४	बालोतरा	ज्ञानगच्छ समुदाय
१७.	श्री हर्षद मुनिजी	अगस्त	वढवाण शहर	लिम्बडी गोपाल

महासतियॉजी समुदाय

क.	सत सती का नाम	दिनांक	स्थान	सम्प्रदाय
१८.	उपप्रवर्तिनी श्री मानकुंवरजी म.सा.	अगस्त ९३	मन्दसौर	श्रमण संघ
१९.	उपप्रवर्तिनी श्री मनु कुंवरजी म.सा.	१७-८-९३	[illegible]	श्रमण संघ
२०	श्री [illegible] बाई म.सा.	१२-१०-९३	[illegible]	दरियापुरी सम्प्रदाय
२१.	श्री [illegible] बाई म.सा	२७-१०-९३	[illegible]	लिम्बडी अजरामर
२२.	श्री [illegible] बाई म.सा. (दुर्घटना अकस्मात)	१०-१२-९३	[illegible]	लिम्बडी गोपाल
२३.	श्री [illegible] कुंवरजी म.सा.	२१-४-९३	[illegible]	श्रमण संघ
२४.	श्री [illegible] म.सा.	३-१०-९३	[illegible]	श्रमण संघ
२५.	[illegible] श्री [illegible] कुमारीजी म.सा	१३-४-९४	लुधियाना	श्रमण संघ
२६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	श्रमण संघ

२८	श्री मदन कुवरजी म सा	१९-१२-९३	रतलाम	श्रमण सघ
२९	श्री हितश्रीजी म सा	२१-११-९३	धर्मपुरा दिल्ली	श्रमण सघ
३०	श्री राजूला बाई म सा	१२-२-९४	बम्बई	गोडल मोटा पक्ष
३१	श्री रामकुवरजी म सा	मई ९४	कुडकी (राज)	श्रमण सघ
३२	श्री यशाजी म सा 'एम ए'	अप्रेल ९४	निफाड	श्रमण सघ
३३	श्री राजेश्वरजीजी म सा	६-१-९४	जालधर	श्रमण सघ
३४	श्री जयवती बाई म सा	५-१-९४	बम्बई-घाटकोपर	गोडल मोटा पक्ष
३५	श्री सुव्रताजी म सा.	६-६-९४	सिवाना	ज्ञानगच्छ समुदाय
३६	श्री शाताबाई म सा	२३-१०-९३	अहमदाबाद	खभात सम्प्रदाय
३७	श्री रुक्मणी बाई म सा	२६-७-९८	भुज-कच्छ	लिम्बडी अजरामर
३८	श्री पान कुवरजी म सा	७-६-९४	मन्दसौर	साधुमार्गी समुदाय
३९	श्री सौभाग्य कुवरजी म सा	----	रतलाम	श्रमण सघ
४०	श्री प्रेम कुवरजी म सा	६-७-९४	नोखामडी	ज्ञानगच्छ समुदाय
४१	श्री काताबाई म सा	१२-७-९४	अहमदाबाद	दरियापुरी सम्प्रदाय
४२	श्री रोहिणी बाई म सा	जोलाई ९४	बम्बई-वसई	लिम्बडी गोपाल

कुल मुनिराज (१६) साध्वीयॉजी (२६) कुल ठाणा (४२)

(२) श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

मुनिराज समुदाय

१	गच्छाधिपति श्री दर्शन सागर सूरीजी म सा	४-९-९३	बम्बई-कोट	सागर सम्प्रदाय
२	आचार्य श्री प्रद्योतन सूरीजी म सा	१९-१-९४	पोरबन्दर	आचार्य श्री रामचन्द्र सूरीजी समुदाय
३	श्री प्रबुद्ध यश विजयजी म सा	४-२-९८	बम्बई-विलेपार्ला	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
४	आचार्य श्री धनेश्वर सूरीजी म सा	६-१-९४	अहमदनगर	श्री भुवनभानु सूरीजी समुदाय
५	श्री चन्द्रसागरजी म सा.	२०-३-९४	महुआ (राज)	खरतर गच्छ समुदाय
६	गच्छाधिपति श्री मेरप्रभ सूरीजी म सा	२०-६-९४	अहमदाबाद	नेमी सूरीजी समुदाय
७	श्री अकलनदजी विजयजी म सा	अप्रेल ९४	-----	श्री भुवन भानु सूरीजी समुदाय
८	आचार्य श्री वीर सेन सूरीजी म सा	९-११-९३	बम्बई-दादर	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
९	श्री विमल यश विनयजी म सा ट्रक अकस्मात	३०-६-९४	वल्लभीपुर	श्री यशोवर्य सूरीजी समुदाय
१०	आचार्य श्री धनपाल सूरीजी म सा	२८-७-९४	हुबली	श्री भुवन भानु सूरीजी समुदाय
११	श्री शिवभूषण विजयजी म सा	८-११-९३	धुलिया	श्री भुवन भानुसूरीजी समुदाय
१२	पन्यास श्री महिमा विजयजी म सा	-----	----	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
१३	श्री उत्तम विजयजी म सा	-----	-----	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
१४	श्री सुभद्र विजयजी म सा	----	----	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय
१५	श्री निजानद विजय जी म सा	----	----	श्री भक्ति सूरीजी समुदाय

साध्वीयॉजी समुदाय

१६.	श्री सुनन्दाश्रीजी म.सा.	१९-८-९३	जोधपुर	पार्श्वचन्द्र गच्छ
१७.	श्री शासन प्रभाश्री जी म.सा.	सितम्वर ९३	मैसूर	खरतर गच्छ
१८.	प्रधान साध्वीश्री अविचलश्री जी म.सा.	११-१०-९३	पालीताणा	खरतर गच्छ
१९.	श्री हेमचन्द्राश्री जी म.सा. (ट्रक अकस्मात)	१७-१२-९३	राजकोट	तपागच्छ
२०.	श्री सर्वोदयाश्री जी म.सा.	८-२-९४	अहमदावाद	श्री लब्धि सूरीजी समुदाय
२१.	श्री मुक्ति पूर्णाश्री जी म.सा. (ट्रक अकस्मात)	१६-१-९४	विजयवाडा के पास	श्री कलापूर्ण सूरीजी
२२.	श्री सर्वोदयाश्री जी म.सा.	मार्च ९४	नगपुरा	दुर्ग तपागच्छ समुदाय
२३.	श्री कुसुमश्रीजी म.सा.	२३-१०-९३	महासमुन्द	खरतर गच्छ समुदाय
२४.	श्री विश्वदर्शनाश्रीजी म.सा.	३-१२-९३	शिखरजी	-------
२५.	श्री सुनन्दाश्री जी म.सा.	६-७-९४	दुर्ग	खरतरगच्छ समुदाय
२६.	श्री जयप्रभाश्री जी म.सा.	६-७-९४	दिल्ली	खरतरगच्छ समुदाय
२७.	श्री मेघश्रीजी म.सा.	३१-७-९४	पाली-मारवाड	खरतर गच्छ समुदाय
२८.	श्री रतनश्री जी म.सा.	---	पालीताणा	अचलगच्छ सम्प्रदाय
२९.	श्री सुरेन्द्रश्रीजी म.सा.	---	जैन आश्रम	अचलगच्छ सम्प्रदाय
३०.	श्री चन्द्रप्रभाश्री जी म.सा.	---	पालीताणा	अचलगच्छ सम्प्रदाय
३१.	श्री विश्वदर्शनाश्री जी म.सा.	----	पालीताणा	अचलगच्छ सम्प्रदाय

कुल मुनिराज (१५) साध्वीयॉजी (१६) कुल ठाणा (३१)

(३) श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय :

मुनिराज समुदाय

१.	मुनिश्री मोहनलालजी (लूणकरणसर)	संवत् २०५०	द्वि. भाद्र शुक्ला १०	उदासर
२.	मुनिश्री मोहनलालजी (श्री डूंगरगढ़)	संवत् २०५०	ज्येष्ठ शुक्ला ३,	लाम्बोड़ी

साध्वीयॉ समुदाय

१.	साध्वीश्री मनोहरांजी (सरदारशहर)	संवत् २०५०,	पौष कृष्णा १	बीदासर
२	साध्वीश्री [illegible]जी (सरदारशहर)	संवत २०५०	पौष शुक्ला १०	[illegible]
३.	साध्वीश्री [illegible]कुमारीजी (चूरू)	संवत् २०५०	पौष माघ कृ १०	लूणकरणसर
४.	साध्वीश्री [illegible]कुमारीजी ([illegible])	संवत् २०५०	माघ शुक्ला १२	हनुमानगढ़ टाउन
५.	साध्वीश्री [illegible]कुमारीजी (जोधपुर)	संवत् २०५०	माघ शुक्ला १३	सुजानगढ़
६.	साध्वीश्री [illegible]जी (लाडनूं)	संवत् २०५०	फाल्गुन कृष्णा १३	[illegible]
७	साध्वीश्री [illegible]कुमारीजी ([illegible])	संवत् २०५०	चैत कृ. अमावस्या	[illegible]
८.	साध्वीश्री [illegible]जी ([illegible])	संवत् २०५०	वैशाख कृ.६	[illegible]
९.	साध्वीश्री [illegible]कुमारीजी ([illegible])	संवत् २०५१	ज्येष्ठ कृ ३	श्रीडूंगरगढ़

कुल मुनिराज (२) साध्वीयाँ (९) कुल ठाणा (११)

(४) दिगम्बर सम्प्रदाय

मुनिराज समुदाय

आचार्य श्री कल्याण सागरजी	२१-१०-९३	मन्दसोर	दिगम्बर	समुदाय
श्री अचल सागरजी	६-१०-९३	श्रवणवेलगोला	दिगम्बर	समुदाय
श्री सवेग सागरजी	९-४-९४	बडागाव	दिगम्बर	समुदाय

आर्याजी समुदाय

श्री विमलमति आर्याजी	२५-९-९३	ईडर (गुज)	दिगम्बर	समुदाय
श्री सिद्धमती आर्याजी	४-११-९३	इडर (गुज)	दिगम्बर	समुदाय
श्री शाति मति माताजी	९-९-९३	रामटेक	दिगम्बर	समुदाय

कुल मुनिराज (३) आर्याजी (३) कुल योग (६)

प्रगतिशील समुदाय :-

(१) अर्हद सघ के आचार्य श्री सुशील कुमारजी म का २१-४-१९९४ को दिल्ली मे महाप्रयाण हो गया।

कुल मुनिराजी (१) कुल योग (१)

दिवंगत साधु-साध्वी पद तालिका १९९४

गच्छाधिपति	आचार्य	उपाध्याय	पन्यास	प्रवर्तक	सघ सरक्षक	उप प्रवर्तिनी	प्रधान साध्वी	मुनिराज	साध्वीयाँ	कुल योग
१	५	१	१	२	१	४	१	२७	४९	९२

अ.भा. समग्र जैन संत-सती महाप्रयाण तालिका १९९४

क्रमाक	समुदाय	मुनिराज	साध्वीया	कुल ठाणा
१	श्वेताम्बर मूर्ति पूजक	१७	१६	३३
२	श्वेताम्बर स्थानकवासी	१६	२६	४२
३	श्वेताम्बर तेरापथी	२	९	११
४	दिगम्बर	३	३	६
	कुल योग	३८	५४	९२

अ भा समग्र जैन संत-सती महाप्रयाण (नवम्) तुलनात्मक तालिका (सन् १९८६ से १९९४ तक)

क्र स	समुदाय	१९९४ कुल	१९९२ कुल	१९९१ कुल	१९९० कुल	१९८९ कुल	१९८८ कुल	१९८७ कुल	१९८६ कुल
१	श्वे मूर्तिपूजक	३३	२३	२५	२३	२५		ज्ञात नहीं हो सके	

२.	श्वे. स्थानकवासी ४२	२८	३२	३३	२३	२४	१९	१९	२९
३.	श्वे. तेरापंथी ११	१०	९	६	१२		ज्ञात नहीं हो सके --		
४.	दिगम्बर ६	५	७	६	१०		ज्ञात नही हो सके		
	कुल योग ९२	६६	७३	६८	७०	---	--	--	--

अ.भा. स्थानकवासी जैन संत-सती महाप्रयाण-संक्षिप्त तालिका
सन् १९८१ से १९९४ तक (१४ वर्ष)
(चातुर्मास सूची १९८१ से १९९४ के अनुसार)

१९९४	१९९३	१९९२	१९९१	१९९०	१९८९	१९८८	१९८७	१९८६	१९८५	१९८४	१९८३	१९८२	१९८१	कुल १४ वर्ष
कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	
४२	२८	३२	३३	२३	२४	१९	१९	२९	२९	३३	२३	२५	२६	३८५

दिवंगत साधु-साध्वीयो की मुख्य विशेषताऐ

(१) इस वर्ष समग्र जैन समाज मे बहुत ही अधिक ८७ साधु-साध्वीयो के महाप्रयाण हुऐ। विगत १० वर्षो मे इतने साधु-साध्वीयाँ पूर्व मे कभी भी देवलोक नही हुऐ थे। जिसमे स्थानकवासी समुदाय के आधे साधु-साध्वीयाँ सम्मिलित है।

(२) इस वर्ष श्वे. मूर्ति पूजक समुदाय के २ समुदायो के दो संघनायक गच्छाधिपतियो का महाप्रयाण हुआ।

(३) इस वर्ष श्रमण संघ मे भी कई दिग्गज मुनिराजो का महाप्रयाण हुआ जिनमे दो प्रवर्तक एक उपाध्याय प्रमुख है।

(४) इस वर्ष श्वे. मूर्ति समुदाय मे ५-६ आचार्यो का महाप्रयाण हुआ।

(५) सरासरवाले बाबा के नाम से प्रख्यात दिगम्बर समुदाय के आचार्य श्री कल्याण सागरजी म सा का भी इस वर्ष महाप्रयाण हुआ

(६) स्थानकवासी साधुमार्गी संघ के संरक्षक मुनिश्री इन्दुमलजी म.सा. का बीकानेर मे महाप्रयाण हो गया। संघ मे उनका काफी महत्व का प्रभाव था।

(७) श्वे. स्था. वर्धमान वीतराग संघ के सूत्रधार श्री शीतल मुनिजी म.सा के संघ के तत्वजिज्ञासु श्री चंपक मुनिजी म.सा. का उज्जैन मे महाप्रयाण हो गया।

(८) श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ के उपाध्याय एवं सुप्रसिद्ध उपन्यासकार साहित्यकार श्री केवल मुनिजी म.सा. का भी बेंगलौर मे महाप्रयाण हो गया।

(९) खरतर गच्छ समुदाय मे दिनांक ६-७-९४ को दुर्ग एवं दिल्ली मे एक ही समुदाय की दो साध्वीयो का महाप्रयाण हुआ उसी तरह १५-१-९४ को स्थानकवासी समुदाय मे दो मुनिराजो का महाप्रयाण हुआ

(१०) इस वर्ष श्रमण संघ मे तीन उपप्रवर्तिनीयो का महाप्रयाण हुआ

(११) इस वर्ष सम्पूर्ण जैन समाज मे लगभग ७-८ साधु-साध्वीयो के ट्रक अकस्मात मे महाप्रयाण हुआ इस सूची मे ३-४ साधु साध्वीयो की जानकारी दी है बाकी की जानकारी ज्ञात नहीं हुई। सुनने मे जरुर आया है। इसके अलावा ४-५ साध्वीयाँ दुर्घटना ग्रस्त भी हुई है।

(१२) हमे मूर्ति पूजक समुदाय एवं दिगम्बर समुदाय के कई साधु-साध्वीयो की जानकारीया ज्ञात नहीं हो सकी। स्थानकवासी एवं तेरापंथी समुदाय की पूर्ण सूची ज्ञात हो जाती है। अतः सभी संघो से निवेदन है कि भविष्य मे इस ओर अवश्य ध्यान देवें ताकि इनकी सूची भी पूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से दी जा सके।

(१३) इस वर्ष २ गच्छाधिपति, ५ आचार्य, १ उपाध्याय, १ पन्यास, २ प्रवर्तक, ४ उपप्रवर्तिनीया सहित कुल ८७ साधु-साध्वीयो का महाप्रयाण हुआ

(१४) [illegible] आचार्य श्री [illegible] का भी महाप्रयाण हो गये [illegible]

संपादक

[illegible] परिषद के सदस्यगण

अ.भा. समग्र जैन उच्च शिक्षा प्राप्त साधु-साध्वी सूची १९९४

(१) श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाय

(क) श्रमणसंघ समुदाय

M.A.Ph.D (एम.ए.पी.एचडी)

संत मुनिराज समुदाय

क्र.स.	संत-सती का नाम	चातुर्मास स्थल
१.	युवाचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. (डी.लिट)	पूना
२.	उपाध्याय डॉ. विशाल मुनिजी म सा	औरंगाबाद
३.	उपप्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनिजी म सा.	लुधियाना
४	प्रखरवक्ता डॉ. सुव्रत मुनिजी म सा.	दिल्ली-शास्त्रीनगर

महासतियॉजी समुदाय

क्र.स.	संत-सती का नाम	चातुर्मास स्थल
१.	डॉ धर्मशीला जी म.सा.	बम्बई-घाटकोपर
२.	डॉ. मुक्तिप्रभाजी म.सा.	लुधियाना
३.	डॉ दिव्यप्रभाजी म सा.	लुधियाना
४	डॉ. अनुपम साधनाजी म.सा	लुधियाना
५	डॉ सरोजश्री जी म.सा	मेरठ
६	डॉ. मंजुश्रीजी म सा.	गाजियाबाद
७	डॉ. अर्चनाजी म.सा.	बराडा
८	डॉ. स्मिता सुधाजी म.सा	नेवासा
९.	डॉ. दिव्यप्रभाजी म सा.	उदयपुर-आयड
१०.	डॉ. सुप्रभाजी म सा.	आदर्शनगर (जयपुर)
११.	डॉ. सुशील जी म सा.	बड़ी सादड़ी (राज)
१२.	डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा	नाथद्वारा (राज)
१३.	डॉ प्रमोद सुधाजी म सा	भोपाल
१४	डॉ ज्ञान प्रभाजी म सा	[illegible]
१५	डॉ प्रियदर्शनाजी म सा	[illegible]
१६	डॉ [illegible] प्रभाजी म सा.	पूना-[illegible]

(२) डबल एम.ए Double M.A.

क्र.स.	संत-सती का नाम	चातुर्मास स्थल
१	श्री [illegible] जी म सा	[illegible]
२	[illegible] श्री [illegible] म सा	[illegible]
३.	श्री शुभाजी म सा	लुधियाना (पंजाब)
४.	श्री अक्षय जी म.सा.	गाजियाबाद
५	श्री अनिल कुमारी जी म.सा.	दिल्ली-सदर बाजार
६	श्री सुनिताजी म.सा.	पच कूला
७.	श्री गरिमा जी म सा.	आयड-उदयपुर

(३) एम.ए., बी.ए., बी.काम, सी.ए. आदि M.A., B.A, B.COM. C.A ETC

संत-मुनिराज समुदाय

क्र.स.	संत-सती का नाम		चातुर्मास स्थल
१.	श्री राम मुनिजी म सा.'निर्भय'	M.A	बम्बई-[illegible]
२.	श्री नरेश मुनिजी म सा.	B.COM	लुधियाना
३	श्री रमणिक मुनिजी म सा.	B.A	गुड़गांव
४.	श्री जितेन्द्र मुनिजी म.सा	M.A	लुधियाना
५	श्री हेमंत मुनिजी म.सा	B.COM	औरंगाबाद
६	श्री अचल मुनिजी म.सा.	M.A.	औरंगाबाद
७	श्री आशीष मुनिजी म सा.	M.A	जालना
८.	श्री उत्तम मुनिजी म सा	M.A.	जालना
९.	श्री वरदान मुनिजी म सा	M.A.	------
१०.	श्री अलकेश मुनिजी म.सा.	M.A.	------

महासतियॉजी समुदाय

क्र.स.	संत-सती का नाम		चातुर्मास स्थल
१.	श्री मीना कुमारीजी म सा	M.A.	[illegible]
२	श्री [illegible]जी म सा	B.A.	[illegible]
३.	श्री [illegible] म.सा	M.A.	[illegible]
४	श्री [illegible] म सा	B.A	[illegible]

क्र	संत सती का नाम	शिक्षा	चातुर्मास स्थल
५	श्री मल्लीश्रीजी म सा	B A	दिल्ली
६	श्री प्रभातश्रीजी म सा	B A	दिल्ली
७	श्री श्रुतिजी म सा	M A	मलोट मडी
८	श्री चतनाजी म सा	M A	दिल्ली-सदर बाजार
९	श्री सुप्रियाजी म सा	M A	पचकूला
१०	श्री सुरुचीजी म सा	M A	पचकूला
११	श्री चारित्र शीलाजी म सा	B A	घाटकोपर-बम्बई
१२	श्री पुण्यशीलाजी म सा	M A	घाटकोपर-बम्बई
१३	श्री स्नेह प्रभाजी म सा	B A	चिचवड-पूना
१४	श्री सुमतिजी म सा	M A	सिद्धाचलम् पूना
१५	श्री अनुपमाजी म सा	M A	आयड-पूना
१६	श्री धैर्यप्रभाजी म सा	M A	महामदिर-जोधपुर
१७	श्री राजमतिजी म सा	M A	नाथद्वारा
१८	श्री रुचिकाजी म सा	M A	नाथद्वारा
१९	श्री प्रतिभाजी म सा	M A	नाथद्वारा
२०	श्री श्रुतिदर्शनाजी म सा	M A	मद्रास-नेहरूबाजार
२१	श्री किरण सुधाजी म सा	M A	मद्रास नेहरूबाजार
२२	श्री प्रवणदर्शनाजी म सा	B COM	मद्रास-नेहरूबाजार
२३	श्री सुप्रियदर्शनाजी म सा	B A	मद्रास-परम्बूर
२४	श्री विराग दशनाजी म सा	B A	विल्लीपुरम्
२५	श्री सत्य प्रभाजी म सा	B A	तिरवल्लूर
२६	श्री सम्यग् दर्शनाजी म सा	B A	तिरवल्लूर
२७	श्री रत्न दशनाजी म सा	B COM	तिरुवल्लूर
२८	श्री विनयश्रीजी म सा	M A	चादनी चौक दिल्ली
२९	श्री दर्शनप्रभाजी म सा	M A	-------
३०	श्री सुनन्दाजी म सा	M A	-------

कुल योग तालिका

क्र	विवरण	संत	सतियाँ	कुलठाणा
१	M A Phd	४	१६	२०
२	Double M A	-	७	७
३	M A B A B COM	१०	३०	४०
	कुल योग	१४	५३	६७

(२) श्री साधुमार्गी समुदाय

मुनिराज समुदाय

क्र	संत सती का नाम	शिक्षा	चातुर्मास स्थल
१	श्री विवेक मुनिजी म सा	Bom	नोखा मडी
२	श्री रत्नेश मुनिजी म सा	M COM	उदयपुर
३	श्री अक्षय मुनिजी म सा	B A	नोखामडी

महासतीयाँजी समुदाय

क्र	संत सती का नाम	शिक्षा	चातुर्मास स्थल
१	श्री सुयशाश्री जी म सा	B A	ब्यावर
२	श्री सबोधिश्री जी म सा	B COM	देशनोक
३	श्री रचनाश्री जी म सा	B A	सूरत
४	श्री विचक्षणाश्री जी म सा	B A	नोखामडी
५	श्री विपुलाश्री जी म सा	M A	नोखामडी
६	श्री विजताश्री जी म सा	B A	नोखामडी
७	श्री सूर्य मणिजी म सा	M A	जावद
८	श्री समर्पितश्री जी म सा	B A	बीकानेर
९	श्री सुयशप्रभाजी म सा	M A	इन्दौर
१०	श्री साधनाश्री जी म सा	B S C	चलथान
११	श्री पदमश्रीजी म सा	M A	चितौडगढ
१२	श्री पराश्री जी म सा	B A	चितौडगढ
१३	श्री स्वर्णप्रभाजी म सा	B A	चितौडगढ
१४	श्री कमलश्री जी म सा	B A	बम्बोरा
१५	श्री अर्पणाश्रीजी म सा	B A	शाहदा
१६	श्री गुणरजनाजी म सा	MABED	शाहदा
१७	श्री इच्छिताश्री जी म सा	B A	शाहदा
१८	श्री स्वर्ण रेखाश्रीजी म सा	B A	भदेसर
१९	श्री महाश्री जी म सा	B A	सरवानिया महाराज
२०	श्री महिमाश्री जी म सा	B A	दिल्ली
२१	श्री मृदुलाश्री जी म सा	B A	टोंक
२२	श्री वीणाश्री जी म सा	B COM	टोंक
२३	श्री प्रियल लक्षणाश्रीजी म सा	B A	पिपलिया मडी
२४	श्री राजश्री जी म सा	M A	देवरिया
२५	श्री मनीषाश्री जी म सा	B A	श्यामपुरा
२६	श्री मधुश्रीजी म सा	B A	उदयपुर
२७	श्री रोशनश्रीजी म सा	B A	मन्दसौर

कुल मुनिराज (३) महासतियाँजी (२४) कुल ठाणा (२७)

नोट-साधुमार्गी सम्प्रदाय के उपरोक्त सभी २७ संत-सतियाँजी म सा दीक्षा लेने से पूर्व ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर्ता है यानि सभी ने जब दीक्षा ग्रहण की थी उससे पूर्व ही इन्होंने उपरोक्त प्रकार की उच्च शिक्षा ग्रहण करली थी। दीक्षा पश्चात् किसी ने भी उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं की है।

संपादक

(३) श्री नानक सम्प्रदाय

(आचार्य श्री सोहन लालजी म.सा. के आज्ञा)

१.	डॉ.कमला कुंवरजी म सा.	M A.Phd	विजयनगर
२.	डॉ. ज्ञानलताजी म सा.	M.A.Phd	भिनाय
३	डॉ. दर्शनलताजी म सा.	M.A.Phd	भिनाय
४.	डॉ. चारित्र लताजी म.सा.	M.A.Phd	भिनाय

कुल महासतीयॉजी (४)

(४) अन्य सम्प्रदाये

(क) श्री रत्नवंश सम्प्रदाय

श्री प्रमोद मुनिजी म.सा C A. जोधपुर

(ख) श्री जयमल सम्प्रदाय

डॉ. पदम मुनिजी म सा. M.A.Phd पिपलिया कला

(ग) अन्य स्वतंत्र-

१.	डॉ. अरुण प्रभाजी म.सा	M.A.Phd	नागपुर
२.	श्री मधुस्मितजी म सा.	M.A.	नागपुर
३.	श्री मगल प्रभाजी म सा	B.A.	नागपुर
४.	श्री भाव प्रीतिजी म सा.	B.A.	नागपुर

(घ) गोंडल मोटा पक्ष

डॉ. भारती बाई म सा	M.A.Phd	----
डॉ तरुलताबाई म सा	M.A.Phd	----

श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय कुल तालिका

क्र.	उच्च शिक्षा विवरण	संत	सतीया	कुल ठाणा
1.	M.A.Phd	5	23	28
2.	C.A.	1	-	1
3.	Double M A.	-	7	7
4.	M A , B.A , BCOM ETC	14	57	71
	कुल योग	20	87	107

नोट – इनके अलावा श्री [illegible] एवं [illegible] सम्प्रदाय में लगभग १०० संत सतियाँ उच्च शिक्षा प्राप्त कर्ता हैं जिनकी जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। [illegible]

– संपादक

सत-सती का नाम		जन्म स्थान	शिक्षा

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ में उच्च शिक्षा प्राप्त संत-सतियां

मुनिराज समुदाय

1.	मुनिश्री महेन्द्रकुमारजी	(बम्बई)	B.Sc.
2.	मुनिश्री कुलदीपकुमारजी	(सरदारशहर)	B.Com.
3.	मुनिश्री मदनकुमारजी	(समदडी)	B.Com
4.	मुनिश्री अमृतकुमारजी	(झाबुआ)	B Sc
5.	मुनिश्री विनोदकुमारजी	(चूरु)	B.A

साध्वीयॉजी समुदाय

5.	साध्वीश्री पीयूष प्रभाजी	(सरदार शहर)	M.A.
6.	साध्वीश्री श्रुतयशाजी	(लाडनू)	M.A.
7.	साध्वीश्री मुदित यशाजी	(लाडनू)	M.A
8.	साध्वीश्री शुभ्रयशाजी	(बीदासर)	M.A.
9.	साध्वीश्री योगक्षेम प्रभाजी	(वाव, गुजरात)	M.A.
10.	साध्वीश्री स्वस्तिका श्रीजी	(लाडनू)	M.A.
11.	साध्वीश्री स्वस्तिकाश्रीजी	(श्री डूगरगढ)	M.A.
12.	साध्वी शुभ प्रभाजी	(राजगढ)	M.A
13.	साध्वी विश्रुत विभाजी	(लाडनू)	M.A
14.	साध्वी श्री कान्तायशाजी	(तारानगर)	Double M.A.
15.	साध्वी श्री पुन्यशाजी	(लाडनू)	M A
16.	साध्वी श्री सचितयशाजी	(सरदार शहर)	Double M.A.
17.	साध्वी श्री आस्था श्रीजी	(बीकानेर)	M.A.
18.	साध्वी श्री मधुलेखाजी	(गंगाशहर)	M.A.
19.	साध्वी श्री निर्भय प्रभाजी	(वाव, गुजरात)	M A
20.	साध्वी श्री विमल प्रभाजी	(बीदासर)	B.A
21.	साध्वी श्री सिद्धप्रज्ञाजी	(लाडनू)	B.A.
22.	साध्वी श्री वर्धमान श्रीजी	(दिल्ली)	B.A
23.	[illegible]	(लाडनू)	B A.
24.	[illegible]	[illegible]	B.A.
25.	[illegible]	[illegible]	B A
26.	[illegible]	[illegible]	B.A
27.	[illegible]	[illegible]	B.A.

28	साध्वी श्री कमलविभाजी	(श्री डूगरगढ)	B A
29	साध्वी श्री दर्शनविभाजी	(धीनावास)	B A
30	साध्वी श्री विजयप्रभाजी	(बालोतरा)	B A
31	साध्वी श्री निर्मलयशाजी	(सरदार शहर)	B A
32	साध्वी श्री कुशलरेखाजी	(चास-बोकारो)	B A
33	साध्वी श्री सोमयशाजी	(गगाशहर)	B A
34	साध्वी श्री लब्धिरेखाजी	(छोटीखाटू)	B A
35	साध्वी श्री कल्पप्रभाजी	(बालोतरा)	B A
36	साध्वी श्री रतिप्रभाजी	(बालोतरा)	B A
37	साध्वी श्री सूर्ययशाजी	(श्रीडूगरगढ)	B A
38	साध्वी श्री अमितयशाजी	(श्रीगगानगर)	B A
39	साध्वी श्री परमयशाजी	(बीदासर)	B A
40	साध्वी श्री मगलयशाजी	(भुज गुजरात)	B A
41	साध्वी श्री सूरजयशाजी	(सरदारशहर)	B A
42	साध्वी श्री कमलयशाजी	(मोमासर)	B A
43	साध्वी श्री प्रतिभा श्रीजी	(गगाशहर)	B A
44	साध्वी श्री गवेषणा श्रीजी	(समदडी)	B A
45	साध्वी श्री जगतप्रभाजी	(हिसार)	B A
46	साध्वी श्री हेमयशाजी	(अहमदाबाद)	B A
47	साध्वी श्री ऋजुयशाजी	(पडिहारा)	B A
48	साध्वी श्री नूतनयशाजी	(पडिहारा)	B A
49	साध्वी श्री सम्पतप्रभाजी	(श्री डूगरगढ)	B A
50	साध्वी श्री ऋजुप्रभाजी	(वाव गुजरात)	B A
51	साध्वी श्री अमित श्रीजी	(सरदार शहर)	B A
52	साध्वी श्री अमृतप्रभाजी	(सरदार शहर)	B A
53	साध्वी श्री विशुद्धप्रभाजी	(लाडनू)	B A
54	साध्वी श्री प्रांतिप्रज्ञाजी	(उदासर)	M A
55	साध्वी श्री सिद्धप्रज्ञाजी	(समसिंह गुडा)	M A
56	साध्वी श्री परिमल प्रभाजी	(गगाशहर)	B A
57	साध्वी श्री आरोग्य श्रीजी	(मोमासर)	B A
58	साध्वी श्री स्वस्थ प्रभाजी	(सरदार शहर)	M.A

कुल मुनिराज (५) साध्वीयाँजी (५८) कुल ठाणा (६३)

नोट - इनके अलावा भी श्रमण सघ एव अन्य समुदायों में बहुत से साधु-साध्वीया उच्च शिक्षा ग्रहण किये हुए हैं। स्थानकवासी समुदाय में विशेष कर श्री गच्छ समुदाय, एव बृहद् गुजरात सम्प्रदायों में ऐसे अनेक साधु साध्वीया है जो उच्च शिक्षा ग्रहण किये हुए हैं। लेकिन वे अपना नाम प्रगट नहीं कर रह हैं। इनके अलावा मूर्ति पूजक एव दिगम्बर समुदायों में भी इनकी सख्या काफी हो सकती है। वर्तमान में जब दीक्षा पत्रिका देखने में आती है तो वे उच्च शिक्षा ग्रहण करनेवाले होते हैं। सभी की जानकारिया हमारे पास अगर उपलब्ध हो जाये तो हम अनेक रोचक तथ्य जानकारिया आपकी सेवा मे प्रस्तुत कर सकते हैं। सभी उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले-साधु साध्वीयों से नम्र निवेदन है कि वे अपनी सूचनाऐ हमें अवश्य प्रेषित करें। गतवर्ष की तरह इस वर्ष श्वेताम्बर तेरापथी समुदाय की उच्च शिक्षा प्राप्त श्रमण श्रमणीयों की सूची हमें प्राप्त हुई है। इस वर्ष साधुमार्गी समुदाय की सूची प्राप्त हुई उसमें सभी सत-सतिया दीक्षा पूर्व के उच्च शिक्षा प्राप्त कर्ता है। सभी समुदाय अपनी-अपनी सूचिया अवश्य भजियेगा।

-- सम्पादक

सभी उच्च शिक्षा प्राप्त कर्ता सत सतियो को परिषद की ओर से हार्दिक मगल कामनाऐ।

सूचना

बूँद-बूँद से तालाब भरता है, उसी प्रकार आपकी छोटी छोटी जानकारियाँ, जैसे दीक्षोत्सव, पट्टोत्सव, जयतियाँ, तपोत्सव, अन्नशाला, प्रतिष्ठाएँ, विहार समाचार, चातुर्मास की जानकारियाँ आदि समाचारो से यह पुस्तक तैयार हो जाती है। आप जिस प्रकार सभी मदिरो, उपाश्रयो, देरासरो, श्री सघो को अपने महोत्सव की पत्रिकाऐं उन्हें भेजते हैं उसी तरह की पत्रिकाऐं इस परिषद् को भी भिजवाने की कृपा करावें। यह परिषद भी समग्र जैन समाज की आपकी अपनी ही एकमात्र अद्वितीय सस्था है।

अ.भा. जैन सम्प्रदाय राष्ट्रीय संघ अध्यक्ष सूची

क्र.सं.	समुदाय/संघ का नाम	संघ अध्यक्ष का नाम एवं सम्पर्क सूत्र	फोन नं.
ए.	**जैन कान्फेन्स**		
१.	**अ.भा.श्वे. जैन कान्फ्रेन्स (बम्बई)** गोडीजी बिल्डिंग, २ माला, विजय वल्लभ चौक, २१९-ए, गुलाब वाडी, पायधुनी, बम्बई-४००००२ (महाराष्ट्र), फोन ३७१३२७३	श्री दीपचन्दजी गार्डी उषाकिरण, करमामाईल रोड, पेडर रोड, बम्बई-४०००२६ (महाराष्ट्र)	४९५२४३१ ४९४५२७०
२.	**अ.भा.श्वे. स्था. जैन कान्फ्रेन्स (दिल्ली)** जैन भवन, १२; शहीद भगतसिंह मार्ग, नई दिल्ली - ११०००१ फोन नं. ३४३७२९ तार- "जैन धर्म"	श्री वंकटलालजी एम.कोठारी मोती बाग, ६९२/१/६, पूना सतारा रोड, पूना-४११०३७ (महाराष्ट्र)	ऑ.४४०३४९ नि.४४९५४९
३.	**अ.भा.श्वे.स्था. जैन कान्फ्रेन्स (बम्बई) (गुज.)** त्रिभुवन बिल्डिंग, ए.बी.एन.बैंक के ऊपर, ४ माला, विजय वल्लभ चौक, पायधुनी,बम्बई-४००००३ फोन नं. ३४२२९२७	श्री गिरजाशंकर उमियाशंकर मेहता मे.बाम्बे डिस्ट्रीब्यूटर्स, ड्रग हाउस, ५४ बी प्रेक्टर रोड, आनन्दाश्रम के सामने, ग्रांट रोड, बम्बई-४००००७ (महाराष्ट्र)	३८७२२५६ ३८८००३४
बी.	**जैन समुदाय/श्री संघ**		
४	श्रमण संघ समुदाय **(श्री व स्था. जैन श्रावक संघ)** उपरोक्त क्रमांक २ अनुसार	उपरोक्त क्रमाक २ अनुसार	
५.	**अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ (बीकानेर)** समता भवन, रामपुरिया सडक, बीकानेर-३३४००१ (राज.) तार साधुमार्गी फोन २६८६७३,	श्री रिद्धकरणजी सिपानी मे.सिपानी ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज बान्नेर घट्टा रोड, बैंगलोर-५६००२९ (कर्नाटक)	
६.	**अ.भा.जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (जोधपुर)** घोड़ों का चौक, जोधपुर-३४२००१ (राज.) फोन २४८९१ तार 'जैन रत्न'	श्री मोफतराजजी मुणोत, मे. कल्पतरु ग्रुप १११, मेकर चेम्बर्स नं.४, नरीमन पॉइंट, बम्बई-४०००२१ (महाराष्ट्र) २४४१२३	२२२८८८ २२२८३३
७.	**अ.भा.ज्ञान गच्छ श्रावक संघ (जोधपुर)** अ.भा. सुधर्म श्रावक समिति (ज्ञानगच्छ) (जोधपुर) कपड़ा मार्केट, जोधपुर-३४२००१ (राज.) फोन २६१४५	श्री जसवंतभाई एम.शाह मे.बायोकेम फार्मास्युटिकल्स इण्डस्ट्रीज लि. एडन बिल्डिंग, १ धोबी तलाव, पो.बो. नं. २२१७ बम्बई-४००००२	२०८५५३४ २०८५४३०
८.	**अ.भा.श्वे. तेरापंथी महासभा (लाडनूं)** जैन विश्व भारती, लाडनूं, (राजस्थान) ३४१३०६, फोन नं. २५	श्री श्रीचन्दजी बेगानी बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर मु.पो. सुजानगढ़-जिला चूरू (राजस्थान)	

९	अ भा जैन श्वे खरतरगच्छ महासघ ५३७, कटरा नील, चादनी चौक, दिल्ली-११०००६ फोन २५१ ०१९१, २५२ ७९८३	श्री हरकचन्दजी नाहटा २१-बी, आनन्द लोक नई दिल्ली-११००४९	ऑ २५२७९८३ २५१०१९१ नि ६४६१०७५ ६४४२८३४
१०	श्री लिम्बडी अजरामर सम्प्रदाय आचार्य श्री अजरामरजी मार्ग, मु पो लिम्बडी (सौराष्ट्र) जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३४२१ फोन न २०२३५	सेठ श्री छबीलदास त्रिकमलाल ४/५, सरदार वल्लभभाइ पटेल रोड, पकज हाउस, वाला हनुमान के पास, सुरेन्द्रनगर-३६१००१ (गुजरात)	ऑ २४४६२ नि २१०६२
११	अ भा अचलगच्छ (विधि पक्ष) श्वे जैन सघ न्यु हनुमान निल्डिंग, १ माला, ११०-बी, केशवजी नायक रोड, बम्बई-४००००९ (महाराष्ट्र) न्यू मरीन लाइन, फोन ३७२९३०४	श्री वशनजी लखमशी शाह मेसर्स लखमशी घेलाभाई एण्ड क , ५०५, चर्चगेट चेम्बर्स, ५ माला, न्यू मरीन लाइन, बम्बई-४०००२० (महाराष्ट्र)	
१२	कच्छ आठ कोटी मोटी पक्ष महासघ (माडवी) वारीवारा नाका, घाटकोपर (पूव), माडवी-कच्छ (गुजरात) ३७०४६५	स्था जैन श्री लालजी मोणमी वोरा, सी-१९ ए वी भगत इस्टेट, एम पी वैद्य मार्ग बम्बई ४०००७७ (महा)	८१४८५७६
१३	अ भा श्री वर्धमान वीतराग जैन श्रावक सघ (जयपुर) नानाजी का बाग, मोती डूगरी जयपुर ३०२००४ (राज)	श्री कल्याणमल जैन (पूव सरपच) मु पो चौरू, तहसील उनियारा, जला टोक (राजस्थान)	---
१४	श्री हालारी स्थानकवासी जैन सघ, जामनगर (गुजरात)	श्री हरकचद भाई गाला, श्री देवराज लखमशी शाह ५४, दिग्विजय प्लोट, जामनगर, (गुजरात) ३६१००५	-----
१५	श्री गोंडल मोटा पक्ष नवागढ़ सघ (राजकोट)	श्री शातिलाल विपाणी C/o श्री शासन प्रगति कार्यालय, १/७, जगन्नाथ प्लोट स्वाती अपार्टमेंट्स, मणिक १ माला राजकोट-३६०००१	४३३६३
१६	सन्मति तीर्थ सघ (विरायतन) पूना (महाराष्ट्र)	श्री नवलमल फिरोदिया १५ प्रणति अपार्टमेंटस् वानेर रोड, ओध पूना (महाराष्ट्र)	३६१३३७
१७	श्री विजय देव सूर सघ (बम्बइ) (आचार्य श्री नेमी सूरी समुदाय)	श्री अमरचन्द रतनचद जवेरी (ट्रस्टी) श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन देरासर पेढी,	----

	गोडीजी पार्श्वनाथ जैन देरासर पेढी, पायधुनी, कीका स्ट्रीट नाका, विजय वल्लभ चौक, पायधुनी बम्बई-४००००३ (महाराष्ट्र) फोन ८५१ ३१५६	कीका स्ट्रीट नाका, बम्बई-४००००३	
१८.	**अ.भा. राजेन्द्र जैन युवक परिषद** श्री मोहन खेडा तीर्थ राजगढ, जिला धार (म.प्र.)	(१) श्री सेवन्तीभाई मैसर्स रसीकलाल कांतिलाल एण्ड कं. फोन नं. ५३४०७२४ १४५ कीका स्ट्रीट बम्बई - ४०००४ (महा.) (२) उपाध्याक्ष . श्री चेतन्य कुमार काश्यप विशाजी मेन्सन महात्मा गांधी मार्ग रतलाम (म.प्र.)	-- कार्यलय २००१६ नि. ३१३७७
१९.	**अ.भा.सागर समुदाय संघ**	श्री अमरचंद रतनचंद जवेरी कृष्णराज बिल्डिंग, वालकेश्वर रोड बम्बई-४००००६ (महा.)	
२०	**स्थानकवासी जैन लिम्बड़ी गोपाल सम्प्रदाय** संघवी धारसी रवाभाई स्था. जैन सघ छालीया परा, लिम्बडी (सौराष्ट्र) जिला सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ३६३४२१ फोन २०४५६	 संघवी अरविन्द भाई अमृतलाल लिम्बडी (सौराष्ट्र) फोन आफिस-२०९३० निवास - २०८३६	
२१	अ.भा. श्री सौधर्म वृहत्यागच्छीय जैन श्वे. त्रिस्तुतिक संघ विसाजी मेन्सन्स, महात्मा गांधी मार्ग रतलाम (म.प्र.) ४५७००१ (म.प्र.)	(१) अध्यक्षक्ष शेठ श्री गगलदस हालचंद सधवी नगर सेठ मार्केट रतनपोल खलाम (म.प्र.) ४५७००१ (२) उपाध्यक्ष - श्री चेतन्य कुमार काश्यप विशाजी मेन्सन महात्मा गांधी मार्ग, रतलाम (म.प्र.) ४५७००१	३८४८६६ २००१६ ३१३७७
२२	श्री सौधर्म वृहत्पागच्छीय त्रिस्तुतिक सघ श्री आदिनाथ राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर पेढी श्री मोहन खेडा तीर्थ, राजगढ जिला धार (म.प्र.) ४५४११६ फोन . (०७२९६)	श्री किशोरचन्द्र वर्धन वर्धमान बिल्डर्स (इण्डिया) २२२ कामर्स हाउस, नगीन दास मास्तर रोड, फोर्ट बम्बई - ४०० ०२३ (महाराष्ट्र)	आ २७४५१५ २७२४२५ नि ४१५२४०१ ४१३६१७७

नोट :- इसके अलावा भी और भी संघ विधमान है परन्तु हमारे पास उनकी जानकारीयाँ नहीं है सभी संघों से नम्र निवेदन है कि वे अपनी जानकारीयाँ हमे अवश्य भेजे ताकि भविष्य मे उनका भी नाम सम्मिलित किया जा सके

-संपादक

१०	श्री गणेश वर्णी साहित्य पुरस्कार	श्री गणेश वर्णी साहित्य पुरस्कार समिति श्री स्यादवाद महा विद्यालय, भेदनी, वाराणसी-२२१ ०११ (उ प्र)	१	५,०००/-
११	श्री प्रदीपकुमार रामपुरिया स्मृति साहित्य पुरस्कार	अ भा साधुमार्गी जैन सघ, समता भवन, रायपुरिया सड़क बीकानेर-(राजस्थान) ३३४००१	१	२१,०००/-
१२	श्वे जैन युवा प्रतिभा पुरस्कार	जयपुर युवा प्रतिभा खोज द्वारा जयपुर पब्लिसिटी सेंटर ऐ-३१, कचन अपार्टमेंटस्, लालबहादुर शास्त्री कॉलेज के सामने तिलक नगर, जयपुर-३०२ ००४ (राजस्थान)	११	---
१३	कीर्ति पुरस्कार	भारत जैन महामण्डल १०८, स्टेण्डर्ड हाउस, १ माला ८३, एम के मार्ग, मरीन लाइन बम्बई-४०० ००२ महाराष्ट्र	४	---
१४	जैन एकता साहित्य पुरस्कार	अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् १०५, तिरुपति अपार्टमेंटस्, आकुर्ली कोस रोड न १, कादिवली (पूर्व), बम्बई-४०० १०१ (महाराष्ट्र)	५	१५०१/-
१५	आचार्य हस्ती स्मृति पुरस्कार	सम्यग ज्ञान प्रचारक मण्डल ८३, बापू बाजार, जयपुर-३ (राज)	१	११,०००/-
१६	श्री मूर्ति देवी साहित्य पुरस्कार	भारतीय ज्ञान पीठ १८ इस्टिट्यूशनल एरिया, लोदी रोड नई दिल्ली-११० ००३	१	२१,०००/-
१७	अहिसा इन्टरनेशनल डिप्टीमल जैन साहित्य पुरस्कार ५३,	अहिसा इन्टरनेशनल ऋषभ विहार, दिल्ली-११० ०९२	१	१५,०००/-
१८	कुन्दकुन्द भारती पुरस्कार	कुन्दकुन्द भारती, १८-बी - स्पेशल इस्टिट्यूशनल एरिया नई दिल्ली-११० ०६७	१	५,०००/-
१९	गोमटेश्वर विद्यापीठ पुरस्कार	गोमटेश्वर विद्यापीठ पुरस्कार समिति श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) - ५७३ १३५	१	५,०००/-
२०	मराठी जैन साहित्य पुरस्कार	श्री लक्ष्मीसेन दिगम्बर जैन मठ शुक्रवार पेठ कोल्हापुर (महाराष्ट्र)-४१६ ००२	१	----
२१	समता पुरस्कार	समता मच, C/o श्री गौतम चद पारख गौतम भवन, गज लाइन राजनाद गाव (म प्र)	१	५०००/-

२२. प्राकृत ज्ञान भारती	प्राकृत ज्ञान भारती एज्युकेशन अवार्ड ट्रस्ट, बैंगलौर (कर्नाटक)	५	११,०००/-
२३. आचार्य आनन्द ऋषीजी	आचार्य आनन्द ऋषी साहित्य साहित्य पुरस्कार निधि हैदरावाद C/o. श्री तेज राज जैन, २२-१-८४१ नूरखां वाजार, हैदरावाद-५०००२४ (आन्ध्र प्रदेश)	--	११,०००/-
२४. श्री वंशीलाल कुचेरिया स्मृति पुरस्कार	ओसवाल मित्र मंडळ ५९, जोली मेकर चेम्वर्स नं.२ नरीमन पोइंट, बम्वई-४०००२१(महाराष्ट्र)	१	७५१/-
२५. श्री कमला कोठारी पुरस्कार	ओसवाल मित्र मंडळ ५९ जोली गेकर चेम्वर्स नं. २ नरीमन पोइंट, वम्वई-४०००२१ (महाराष्ट्र)	१	७५१/-
२६. अहिंसा प्रचारक संघ साहित्य पुरस्कार	श्री शरयू दफतरी भारत रेडियेटर्स वजाज भवन, ८ माला, नरीमन पोइंट, बम्वई-४०००२१(महाराष्ट्र)	१	५१,०००/-
२७. आचार्य वर्धमान सागर पुरस्कार	श्री भारतवर्षीय दिगम्वर जैन महासभा, वंगाल प्रान्त, शाखा ३-ई श्याम कुंज, १२-सी- लार्ड, सिन्हा रोड, कलकत्ता-७०००७१ (प.वंगाल)	२	२१,०००/-
२८. आचार्य विद्यासागर पुरस्कार	श्री भारतवर्षीय दिगम्वर जैन महासभा, वंगाल प्रान्त ३-ई श्याम कुंज, १२-सी-लार्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता-७०००७१ (प.वंगाल)	२	२१,०००/-
२९. आचार्य शांतिसागर शाकाहार पुरस्कार	श्री भारतवर्षीय दिगम्वर जैन महासभा, वंगाल प्रान्त, ३-ई श्याम कुंज, १२-सी-लार्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता-७०००७१ (प.वंगाल)	१	१,००,०००/-
३०. श्री फूलचंद सेठी डीमापुर स्मृति पुरस्कार	अ.भा. दिगम्वर जैन शास्त्री परिषद १२/५४४ गांधी रोड मु.पो. वडौत, जिला मेरठ (उ.प्र.) २५०६११	१	२५०१/-
३१. श्री जे.के. एल जैन (ट्रस्ट आमदावाद)	अ.भा. दिगम्वर जैन शास्त्री परिषद शोध पुरस्कार १२/५४४ गांधी रोड, मु.पो. वडौत, जिला मेरठ (उ.प्र.) २५०६११	१	२५०१/-
३२ श्री [illegible]देवी सुमति प्रसाद जैन पुरस्कार	श्री मेघराज जैन द्वारा मैसर्स अरिहंत इन्टरनेशनल गली कुंजस दरीबा, दिल्ली-११० ००६	१	५१,०००/-
३३ आचार्य विद्यानन्द पुरस्कार	श्री दक्षिण भारत जैन सभा (महाराष्ट्र)	१	५,०००/-

(२४)	अहिसा इन्टरनेशनल भगवान दास शोभालाल जैन शाकाहार जीवरक्षा पुरस्कार	अहिसा इन्टरनेशनल ५३, ऋषभ विहार, दिल्ली ११००९२ जैन शाकाहार जीवरक्षा	१	११,०००/-
(२५)	अहिसा इन्टरनेशनल रघुवीर सिह जैन जीव रक्षा शाकाहार पुरस्कार	अहिसा इन्टरनेशनल ५३ ऋषभ विहार दिल्ली-११००९२	१	५०००/-
(२६)	श्री रोहित वरार स्मृति पुरस्कार	श्रीमती धनदेवी शादीलाल चेरिटेवल ट्रस्ट C/o लायन पेन्सिलस, पारिजात ०५ मरीन ड्राईव, वम्बई-४००००२	१	२५,०००/-
(३९)	श्री कल्याणचद पाटनी स्मृति पुरस्कार	अ भा दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद, १२/५४४ गाधी रोड वडौत, जिला मैरठ (उ प्र) २५०६११		
४०	श्री चादमल सरावगी (गौहाटी) स्मृति पुरस्कार	अ भा दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद, १२/५४४ गाधी रोड वडौत जिला मेरठ (उ प्र) २५०६११		

नोट - इनके अलावा भी अन्य कई जैन सस्थाओं की ओर से साहित्य पुरस्कार प्रदान किया जाता है हमारे पास जितनी जानकारिया एकत्रित हुई उतनी यहा प्रस्तुत की गयी हैं सभी पुरस्कार प्रदान करने वाली जैन सस्थाओं से निवेदन है कि आप भी अपना पूर्ण विवरण हमें अवश्य प्रेषित करें ताकि भविष्य में आपका नाम भी सम्मिलित किया जा सके।

सम्पादक

जैन एकता साहित्य पुरस्कार-१९९३

वर्तमान में समग्र जैन समाज में लगभग ३५० जैन पत्र-पत्रिकाऐ प्रकाशित हो रहे उनमें से सर्वश्रेष्ठ पत्र के प्रकाशन हेतु अखिल भारतवर्षीय समग्र जैन चातुमास सूची प्रकाशन परिषद वम्बई द्वारा १९९३ के सर्व श्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार की घोषणा गयी है यह पुरस्कार अक्तूबर १९९४ में एक विशाल कार्यक्रम मे प्रदान किये जायेंगे।

पुरस्कार विजेता

प्रथम पुरस्कार-जैन भारती (मासिक हिन्दी) लाडनू
द्वितीय पुरस्कार-आत्म रश्मि (मासिक हिन्दी) लुधियाना
तृतीय पुरस्कार - विजयानन्द (मासिक हिन्दी) लुधियाना
चतुर्थ पुरस्कार-कुन्दकुन्दवाणी (मासिक हिन्दी) जवलपुर

नोट - वर्ष १९९४ के पुरस्कार के लिए १-१-९४ से ३१-१२-९४ में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ पत्र-पत्रिका का अक आमन्त्रित है।

शाति प्रसाद जैन
आयोजक

-वावूलाल जैन उज्ज्वल'
सयोजक

(गो-सदन) कृषी गो सेवा ट्रस्ट

गो सदन ७६३८८
ठक्कर ७०७९५
ऑफिस ७९९६३

पचवटी - नाशिक ४२२००३

ट्रस्ट रजि न इ ५३१ नाशिक, दिनाक ७-१-१९८९

विघ्न कोटि दूर टले वाछित फले तत्काल । गो सेवा सेवे सदा तम घर मगल माल ॥

ऑफिस शेठ डूगरसी नागजी ट्रस्ट, तपोवन, वृद्धाश्रम, पचवटी, नासीक - ४२२००३

पत्रव्यवहार में ठक्कर अँड सन्स, हरीभाई कॉम्लेक्स शॉप न २, इद्रकुड, पचवटी नाशिक - ४२२ ००३ (महाराष्ट्र)

स्व आचार्य सम्राट श्री आनदऋषीजी म सा

स्व आचाय श्री विजय रामचद्र सुरीश्वरजी म सा

स्व आचाय विजय भुवनभानु सूरीजी म सा

आचाय श्री जयकुजर सुरीश्वरजी म सा

वी एल लोकवानी
ऑनररी अँनीमल वेल्फेअर
आफिसर अँनीमल वेल्फर बोर्ड
ऑफ इडिआ मिनीस्ट्री ऑफ
एनवायरनमेंट अँड फॉरेस्ट
गव्हर्नमेंट ऑफ इडिआ मद्रास
निधि प्रमुख

दानशूर श्रीमती बनारसीबाई एल इराणी

सहायक निधी प्रमुख श्रीमती रेखा रमेश नागरे

सयमस्थविर समपरीतचितक सघमार्गदर्शक व्याख्यान वाचस्पती, सुविशाल गच्छाधिपती स्व आचार्य सम्राटश्री आनदऋषीजी म सा (स्थानकवासी) स्व आचाय श्रीमद् विजयरामचद्र सुरीश्वरजी महाराज, स्व आचाय श्रीमद् विजय भुवनभानु सुरीश्वरजी महाराज पू आचार्य श्रीमद् इद्रदिन्नसुरीश्वरजी महाराज, पू आचाय सम्राट श्री देवेन्द्रमुनीजी म सा (स्थानकवासी) पु शास्त्री श्री पद्मचदजी म सा (दिल्ली) श्री राकेशमुनीजी म सा (तरापथी) श्री कुदनऋषीजी म सा (स्थानकवासी)

दया अने कृपाथी आशिर्वादथी आ जीवदया नु आ अमारु सेवानु कार्यमा अमूल्य साथ सहकार छे

१) उपरात पूज्यपाद आचाय देव श्रीमद् विजयजी जयकुजर सुरीश्वरजी महाराजा २) पूज्यपाद आचार्य श्रीमद् पूण्यचद विजयजी महाराजा अने ३) पूज्यपाद आचाय देव श्रीमद् मुक्तिप्रभ विजयजी महाराजा ४) पूज्यपाद आचार्य देव श्रीमद् महाबल सूरीजी महाराजा ५) पूज्यपाद आचार्य देव श्रीमद् पुण्यपाल सूरीजी महाराजा ६) पूज्यपाद पन्यास श्रीमद् चद्रशेखर विजयजी महाराजा ७) पूज्यपाद पन्यास श्री विमलसेन विजयजी महाराजा ८) पूज्यपाद पन्यास श्री जगवल्लभ विजयजी महाराजा ९) पूज्यपाद मुनिराज श्री नदिभूषण विजयजी महाराजा १०) पूज्यपाद मुनिराज श्री सूर्योदय विजयजी महाराजा

आ बधा महान सतो ना आशीवाद थी कार्य चाले छे

कि सभी समुदाय के लोग अपनी समुदाय जैसा व्यवहार व श्रद्धा रखकर आते है। सभी कार्यक्रम भी सामुहिक रूप से होते हैं। आमत्रण पत्रिका मे सभी समुदाय के सघो के पदाधिकारियो का नाम भी लिखते है।

(७) श्वेताम्बर स्थानकवासी समुदाय के प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शन लालजी म सा की समुदाय मे अगर कोई दीक्षोत्सव आदि कार्यक्रम होते हैं तो उसमें किसी राजनेता, धर्मनेता आदि को आमन्त्रित नही करते अगर कोई आता है तो साधारण श्रावको की तरह बैठ जाता है। उस कार्यक्रम मे प्रमुख अतिथि ऐसे व्रतधारी श्रावको को बनायेगे जो तपस्वी, बारह व्रतधारी, जप, तप, त्याग वाला हो एव उनका सत्कार या अभिनन्दन किसी चदन हार या माला से नही बल्कि मुनि श्री द्वारा केवल शब्द बोलकर किया जाता है।

(८) महाराष्ट्र प्रात के जलगाँव के सुप्रसिद्ध रत्न व्यवसायी एव समाज सेवी श्री रतनलाल जी बाफना सर्राफ जीव दया-शाकाहार का अकेले ऐसा उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं कि अन्यत्र ऐसा उदाहरण देखने को नहीं मिले। अब तक वे स्वय लगभग ७५ हजार व्यक्तियो को मासाहार शराब आदि का त्याग करवा चुके हैं। आप प्रति वर्ष स्कूल खुलत ही असह्य कष्ट उठाते हुए अपने साथियो के साथ आस पास के लगभग १०० गावो एव कस्बो छोटे शहरो मे जाते हैं स्कूलो मे गाँव वालो को एकत्रित कर शाकाहार के लिए प्रेरित करते हैं और नियम दिलाते हैं गरीब बच्चो को पुस्तके व ड्रेस भेट करते हैं, अपने हाथो से एक ट्रक माल देते है उनके साथ गाडीयाँ व टक साथ-साथ रहता है। इस तरह गाँव-गाँव मे जाकर शाकाहार का प्रचार करते हैं।

(९) श्वेताम्बर स्थानकवासी समुदाय मे प्रसिद्ध वक्ता श्री सुदर्शनलाल जी म सा के समुदाय एव कच्छ नानी पक्ष समुदाय के साधु-साध्वियो (प्रथम मे केवल मुनिराज ही) के सिघाडा ग्रुप हमेशा एक जैसा कभी भी नही रहता। अगर एक वर्ष किसी सिंघाडे मे कोई सत-सती है तो शेपेकाल या अगले चातुर्मास मे वह ग्रुप एक जैसा कदापि नही मिलगा। चाहे किसी भी सत सती को किसी के साथ भी रख दो सभी प्रेम भाव से रहते हैं जबकि अन्य सभी समुदायो म अक्सर हमेशा एक जैसे ही ग्रुप रहते है।

(१०) बम्बई महानगर मे श्वेताम्बर स्थानकवासी समुदाय के लगभग ७०-७५ स्थानो पर जैन धर्म स्थानक भवन विद्यमान है जिनमे से लगभग ५५-६० स्थानो पर प्रतिवर्ष चातुर्मास भी होते रहते हैं, अधिकाश स्थानको पर बृहद् गुजरात समुदाय के श्रावको का अधिकार है परन्तु फिर भी बम्बई के प्रायकर ९५% स्थानको पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ- का नाम लिखा हुआ है जबकि सम्पूर्ण यह नाम विशेषकर श्रमण सघ वाले ही उपयोग म लेते हैं यानि गुजराती होते हुए भी श्रमण सघ का ही नाम लिखते हैं। यह उनका बडप्पन है।

(११) महाराष्ट्र प्रान्त के जलगाँव शहर के सुप्रसिद्ध रत्न व्यवसायी एव समाज सेवी श्री रतनलाल जी बाफना सराफ के यहाँ लगभग १०० कर्मचारी कार्य करते हैं वहाँ पर प्रतिदिन प्रात काल जब दुकान का कार्य आरभ होता है उस समय निश्चित समय पर सभी कर्मचारी एव सेठ सभी दुकान के हाल मे एक साथ बैठकर सामुहिक रूप से कुछ समय तक प्रार्थना भक्तिगीत भजन आदि गाते हैं इससे तीन लाभ होते हैं प्रथम तो सभी सही समय पर काम पर आ जाते हैं। द्वितीय धर्मध्यान हो जाता है। तृतीय सभी म प्रेम भावना उत्पन्न हो जाती हैं जिस तरह किसी पाठशाला स्कूल मे सर्वप्रथम प्रार्थना होती है वैसी ही प्रार्थना इनके प्रतिष्ठान मे प्रतिदिन होती है।

(१२) श्वेताम्बर मूर्तिपूजक समुदाय एव दिगम्बर समुदाय मे किसी भी महोत्सव या कार्यक्रम की जो आमत्रण निमत्रण पत्रिकाएँ या पोस्टर आदि होते है वह वहाँ के मदिर या उपाश्रय के सूचना पट्ट पर लगा दिया जाता है ताकि सभी पढ सके। जबकि स्थानकवासी समाज मे ऐसी प्रथा दिखायी नही देती अगर सूचना पट्ट पर लगायी जाय तो सभी अधिक लाभावित हो सकते है।

(१३) श्वेताम्बर स्थानकवासी समुदाय मे अ भा श्वे स्था जैन कान्फ्रेन्स दिल्ली के तत्वाधान मे

जीवम प्रकाश योजना जिसे कान्फ्रेन्स के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री पुखराजजी लुंकड ने वडी सूझ-बूझ दूरदर्शिता को लक्ष्य मे रखकर प्रारभ की उसमे जैन समाज का पैसा जैन समाज मे ही काम मे आता है। दानदाताओ मे एकत्रित की गयी राशि जो असहाय, गरीबो को इलाज, शिक्षा आदि के लिए दी जाती है जिससे समाज के निर्धन असहाय व्यक्तियो मे एक नयी रोशनी आयी हैं अब तक लगभग ५० लाख रुपये की राशि एकत्रित भी हुई और लगभग ३०-४० लाख खर्च भी कर चुके है। अन्य समुदाय भी अगर इसी तरह योजना चालू करे तो समाज का भला हो सकता है।

(१४) वम्बई महानगर के समीप वम्बई का ही एक उपनगर उल्लास नगर मे श्वेताम्बर तेरापंथ समुदाय के साधु-साध्वीयो के सदुपदेशो से प्रभावित होकर सैकडो की सख्या मे सिन्धी जाति के महानुभावो ने जैन धर्म अपना लिया है जब वहाँ जैन भवन बनाने की बात आयी तो यह निर्णय लिया कि अगर कोई व्यक्ति एक दिन मे १० रुपये खर्च करता है तो वह ९ रुपये खर्च करे एवं जो एक रुपया शेष बचता है वह जैन भवन के लिए सुरक्षित रखे इस तरह सम्पूर्ण सिंधी समाज जो अब जैन है ने काफी राशि एकत्रित की और उससे कुछ समय पश्चात् आलीशन भव्य भवन बनकर भी तैयार हो गया।

(१५) खार बम्बई वाले लालाजी बता रहे थे कि पजाब मे जालधर शहर मे जैन स्थानक भवन के निर्माण कार्य मे वहाँ के एवं आसपास के क्षेत्रो के श्रावक श्राविकाओ ने काफी सेवा का कार्य किया जब भवन का निर्माण प्रारभ हुआ तो जिस तरह सिक्ख समाज मे लगर सेवा होती है उसी तरह जैन समाज मे भी लगर सेवा हुई। बच्चो, बूढो, महिलाएँ बच्चियो आदि ने मिलकर कोई ईंट उठा रही है तो कोई चूना तो कोई सीमेंट सभी ने सहयोग दिया और हजारो हाथो से भवन शीघ्र बन गया।

(१६) श्वेताम्बर स्थानकवासी लिम्बडी अजरामर समुदाय का इस वर्ष लिम्बडी (सौराष्ट्र) मे जनवरी माह मे साधु-साध्वी सम्मेलन सम्पन्न हुआ उसमे सघहितार्थ कई प्रेरणादायी प्रस्ताव पारित हुए अपने नाम के आगे की सभी पदवीया तक रद्द कर दी यहा तक कि किसी को ठेस नही पहुँचे ईर्ष्या भावना न आवे बाल ब्रह्मचारी विदुषी पं रत्न व्याख्यानी आदि शब्द जैसे शब्द भी रद्दकर दिये लगभग २५ प्रस्ताव पारित हुए। इस समुदाय मे सभी प्रस्तावो का कडा पालन लागू हो गया है जबकि श्रमण सघ समुदाय मे जो प्रस्ताव पारित हुए उनका पालन नही हो रहा है।

(१७) राजस्थान प्रान्त की राजधानी एव विश्व प्रसिद्ध गुलाबी नगरी का स्थानकवासी समुदाय मे लाल भवन मे प्रति वर्ष बारी-बारी से केवल एक ही समुदाय के साधु-साध्वीयो के चातुर्मास पूर्ण होते है यानि अगर एक वर्ष श्रमण सघ का हो गया तो अगले वर्ष साधुमार्गी का होगा तो आगे ज्ञानगच्छ समुदाय का गुरु चाहे कोई हो लेकिन चातुर्मास हर समुदाय का बारी बारी से होता आ रहा है ऐसी एकरूपता अन्यत्र भी देखी जा सकती है और दूसरी यह भी देखी जा सकती है कि छोटे से क्षेत्र मे भी तीन तीन समुदायो के चातुर्मास होते है।

(१८) उत्तरी भारत मे अगर कोई आगन्तुक किसी के यहाँ जाता है तो वहाँ उसका ऐसा सत्कार होता है कि वह उसे जिन्दगी भर नही भूल सकता उसे पानी की जगह ठडा शर्बत या चाय, काफी या ज्यूस या लस्सी ही दी जायेगी। पानी मागने पर लास्ट मे दिया जाता है। पहले प्लेट मे उपरोक्त सामग्री आती है उसके बाद अगर पानी की आवश्यकता हुई तो पानी मिलता है वहा पर पानी की कोई कमी नही है. परन्तु आतिथ्य सत्कार की भावना उत्कृष्ट है।

(१९) राजस्थान प्रान्त के जोधपुर निवासी श्री खेतरचद जी भण्डारी 'शुद्ध देशी साबुन' नाम से शुद्ध अहिंसक साबुन निर्माता है उनके यहा साबुन बनाते समय अहिंसा का पूरा ध्यान रखा जाता है जैसे पानी छानकर काम मे लेना, लकडी को देखकर तेल मे पुताई करके उपयोग मे लेना ताकि अधिक दिन तक [illegible] कीडे न लगे सारा सामान को छानकर उपयोग मे लेना, भट्टी रात एव अंधेरे मे न जलाना, शुद्ध तेल को [illegible]

7 नूतन नाम भडार के साथ पू. (?) नगमरजी स्वामी का नाम सम्मिलित करना। महिला मण्डल के साथ साध्वी महत्तरा कंवुबाई महाराजजी का नाम जगाना। अपने-अपने गुरु-गुरुणी के नाम जोडना मना है। दीक्षा मंडप का नाम "अजरामर उपवन" (वाटिका अथवा उद्यान) रखा जाएगा।

8 क्षमापना-पत्रिका छपवाने की प्रथा बन्द की जाती है। दीक्षा, निमंत्रण पत्रिका फूलस्केप साइज के सिम्पल कागज पर एक अथवा दो कलर में छपवा सकते हैं। लेकिन लेमिनेशन कराना नहीं।

9 अनिवार्य संजोग के अलावा साध्वीजी के दो ठाणाओं के चातुर्मास नहीं दिया जाएगा। इस मामले में चातुर्मास-सूची में उनके नाम का उल्लेख नहीं किया जाएगा।

10 शारीरिक कारण से अथवा रोग-वृद्धावस्था के कारण साधु-साध्वीजी डोली अथवा व्हील-चेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन यंत्र से संचालित अथवा भीतर बैठकर चलाए जाएँ ऐसे वाहन का प्रयोग निषिद्ध है। आकस्मिक या अनिवार्य कारण से यथाशीघ्र अस्पताल पहुंचाना जरूरी हो तब प्रायश्चित्त के नियमों के अधीन रहकर पूज्य साहब श्री एवं प्रमुखश्री की इजाजत लेना जरूरी है।

11 शारीरिक कारण अथवा अनिवार्य संयोग के अलावा गृहस्थ के मकान में, आश्रम में, सेनेटोरियम में चातुर्मास करना नहीं। एवं शेषेकाल के दौरान ऐसे स्थानों पर तथा राचरचीला युक्त कमरे में (3) दिन से ज्यादा ठहरना निषिद्ध है। लेकिन बडे शहरों में स्थानक के अलावा संघ की जिम्मेवारी हो वैसे मकान में रह सकेंगे।

12 दीक्षा के अवसर पर वरसीदान की प्रथा, पैसे आदि हाथ से उडाने की प्रथा बन्द की जाती है। इसके बजाय हैंड टू हैंड प्रभावना की भांति वरसीदान दिया जा सकता है।

13 (क) साधु-साध्वीजी के कालधर्म के अवसर पर रेशमी शाल, जरीवाली एवं रंगीन वस्त्र ओढाने के बजाय सिर्फ सफेद खादी या सूती एक ही पछेवडी ओढाना। चन्दन की माला धारण करवाना नहीं। गुलाल आदि देह पर छिडकना नहीं।

(ख) इस प्रसंग पर ध्वजाएँ अथवा स्तंभ की उछामणी करने की प्रथा बन्द की जाती है। इसके बजाय जीवदया व वैयावच्च के लिए फण्ड एकत्रित कर सकते हैं।

(ग) ध्वजा या पछेवडी का टुकडा के रूप में किसी भी प्रकार की प्रसादी देना मना है। नश्वर देह का अंतिम संस्कार यथाशीघ्र कर दिया जाए। 24 घंटे के भीतर ही अग्नि संस्कार हो जाना चाहिए।

14 दीक्षार्थी उम्मीदवार की योग्यता विक्रम 2028 की पू. आचार्यश्री रूपचन्द्रजी स्वामी की समाचारी अनुसार समझ लेना। वय कम से कम 18 वर्ष अनिवार्य है। धार्मिक अध्ययन लघुतम 1 वरस का होना चाहिए।

15 दीक्षार्थी के गुरु या गुरुणी का दीक्षा-पर्याय लघुतम पांच वर्ष का होना जरूरी है। नवदीक्षित को अपने संघाडे के परिपक्व अभिभावक के साथ पांच वर्ष तक रहना आवश्यक है।

16. चातुर्मास का विनंती-पत्र कार्तिक शुक्ल–15 तक आ जाना चाहिए। चातुर्मास फाल्गुन शुक्ल–15 तक जाहिर कर दिये जाएँगे।

17. कच्छ-सौराष्ट्र-गुजरात के अलावा अन्य प्रांतों मे विचरते साधु-साध्वीजी को यह जरुरी है कि वे अपना विहारक्रम बार-बार 15 दिन में सम्प्रदाय के प्रमुखश्री को सूचित करते रहे।

18 पूज्य अजरामरजी धार्मिक शिक्षण बोर्ड की प्रत्येक प्रवृत्ति को प्रश्रय देना।

19. धर्मसंघ की एकता व एकरूपता के लिए अपने-अपने गुरु-गुरुणी की जय बोलाना निषिद्ध है। व्याख्यान आदि की समाप्ति के पश्चात् निम्नोक्त पाँच ही "जय" का उद्घोष किया जाएगा। (1) भगवान महावीर स्वामी की...जय, (2) दादागुरु अजरामरजी स्वामी की.. जय, (3) पूज्य साहबश्री नरसिंहजी स्वामी की ..जय, (4) पंच-महाव्रतधारी चारित्रात्माओ की...जय, (5) अहिंसा प्रधान जैनधर्म की ..जय., (6) जय जिनेन्द्र!

नोट.—इसके अलावा पूज्य आचार्यश्री रुपचन्द्रजी स्वामी की वि.सं. 2028 की प्रकट व अप्रकट साधु-समाचारी प्रवर्तमान रहेगी।

विशेष—शुद्ध संयम पालनार्थ एवं संघ उन्नति के लिए उपरोक्त सभी पारित प्रस्ताव अन्य सम्प्रदायो के लिए भी अनुकरणीय एवं अनुमोदनीय हैं। साधु-साध्वियो के नाम के आगे जितनी पदवियाँ थी, यहाँ तक कि अन्य संत-सतियो को ठेस नही पहुंचे सभी मे एक जैसी भावना रहे, बाल ब्रह्मचारी, विदुषी जैसे शब्द लगाने पर भी प्रतिबंध लग गया। फोटो विडियो, प्रकाशन कार्य, रंगीन आमंत्रण पत्रिका आदि पर भी प्रतिबंध लग गया। स्मरण रहे श्वे. स्थानकवासी श्रमण संघ पूना साधु-सम्मेलन मे भी ऐसे ही अनेक प्रस्ताव पारित किये गये थे, परन्तु अधिकांश प्रस्तावों का पालन ही नही हो रहा है, जबकि इस सम्प्रदाय मे सभी एक स्वर से पालन करने मे जुट गये है। आशा है अन्य सम्प्रदाय भी संघ उन्नति हेतु ऐसे ही प्रस्ताव अपनायेंगे, ताकि जिन शासन की शोभा मे चार चाँद लग सके।

—संपादक : बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

सूचना

आर्थिक स्थिति एवं कुछ अपरिहार्य कारणों से कुछ समय से परिषद द्वारा प्रकाशित जैन एकता संदेश पत्र का प्रकाशन बराबर नहीं हो रहा है। भविष्य मे इसे नियमित सुचारु रूप से प्रकाशित करने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा।

—सम्पादक

કરૂણામૂર્તિ પ્રભુ મહાવીરના જન્મકલ્યાણકના પુનિત દિને અતરમા સ્ફુરણા થઈ ૧૧૧ પક્ષીચણ ઘરો બનાવવાના મે શપથ લીધા અખબારોએ આ વાવડ ચમકાવ્યા પછી ચણઘરો મેળવવા અરજીપત્રકોનો અસ્ખલિત પ્રવાહ શરૂ થયો ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, રાજસ્થાન, મધ્યપ્રદેશ અને ઠેઠ બિહારથી માગો આવી છે અને આવે જાય છે એ આંકડો ૨૭૫ને વટાવી ચૂક્યો છે સંકલ્પ ૧૧૧નો હતો નિર્ધિત સમયમાં ૧૨૫ના દાન મળ્યા છે પાલણપુરથી મોટા ભાગના ચણઘરો ગયાં છે, અને બાકીના જઈ રહ્યા છે

નવો સકલ્પ ૨૦૦નો છે ૧૭ માસમાં પુરો કરવા હુ કટીબધ્ધ છુ જરૂરિયાતવાળા દરેક ગામને, સસ્થાને, મોટા મહોલ્લાને, વ્હેલા મોડા પણ 'ભેટ' અપાય એ ભાવનાએ હુ અવિરત પ્રયત્નશીલ રહીશ તેનો અણમોલ લાભ સૃષ્ટિનાં કગેડો, અગણિત અબોલ જીવોને ચિરકાળ પર્યંત મળે એવી અતરની એક ખ્વાહીશ છે મુબઈ, દિનાક ૧૫-૮-૯૪ - કનૈયાલાલ ભણશાલી

ટ્રસ્ટ રજી ને બનાસકાઠા ઈ /૧૪૩ કરમુક્ત ન H QE 11/P 33 212/92 93 Valid upto 31 3 96

બનાસકાંઠા જિલ્લા સહાયક ફંડ ટ્રસ્ટ

મેનેજીગ ટ્રસ્ટી કનૈયાલાલ દુર્લભરામ ભણસાલી

હેડ ઓફિસ જીવન વિહાર, બીજે માળે, ઓફિસ નં. ૪ શેરબજાર સામે, ફોટ, મુબઈ – ૨૩ ડાયલ ૨૯૫૩૦ સો ૩૭૩૯૯૫

પ્રવૃતિ વાહક કાર્યાલય પોપટલાલ જોષી, (મ મત્રી) સસ્કાર સોસાયટી, સ ઘરાજ પાસે, પાલણપુર ૩૮૫૦૦૧ ફોન ૨૯૯

સેવાને પથે

બનાસકાઠા, ગુજરાત, ભારત

૬૫વર્ષથી નિ સ્વાર્થ સેવાના અનેકવિધ કામો કરીએ છીએ બાવન વર્ષથી વર્ષે બસો પરબોનુ આયોજન થાય છે વિખ્યાત અબાજી તીર્થ (વાર્ષિક પરબ રૂા ૩૫૦૦)અને સુપ્રસિધ્ધ શખેશ્વર જૈન તીર્થ (વાર્ષિક પરબ રૂા ૫૦૦૦)મા ૧૪ વાર્ષિક પરબો ચલાવીએ છીએ પશુઓ માટે ૯૧ જળપાનધામો (હવાડા રૂા ૮૫૦૦) બનાવી ચલાવવા માટે ગુજરાતના ગામોને અર્પણ કર્યા છે (૧૧૧નો સકલ્પ છે) બનાસકાઠામા શ્વાન રોટલા ઘરો ચાલે છે ચબુતરાઓ 'દત્તક' રાખી, નિત્ય ચણ નખાવીએ છીએ ગરીબોને કપડા અને દવાઓ આપીએ છીએ

બનાસકાઠાના પાયતખ્ત પાલણપુર શહેરમા વોલ્ટાઝના બબ્બે કુલરો સહ, અદ્યતન ઢબના ૪ રળિયામણા શીતવારિગૃહો (૧) શ્રીમતી ચપાબેન રતનચદ મહેતા શીત વારિગૃહ-સીવીલ હોસ્પીટલ (૨) શ્રી રતનચદ કચરાભાઈ મહેતા શીત વારિગૃહ-એસ ટી ડેપો જમણી બાજુ (૩) શ્રી રતનચદ કચરાભાઈ મહેતા શીત વારિગૃહ એસ ટી ડેપો ડાબી બાજુ (૪) શ્રી રસિકલાલ રતનચદ મહેતા
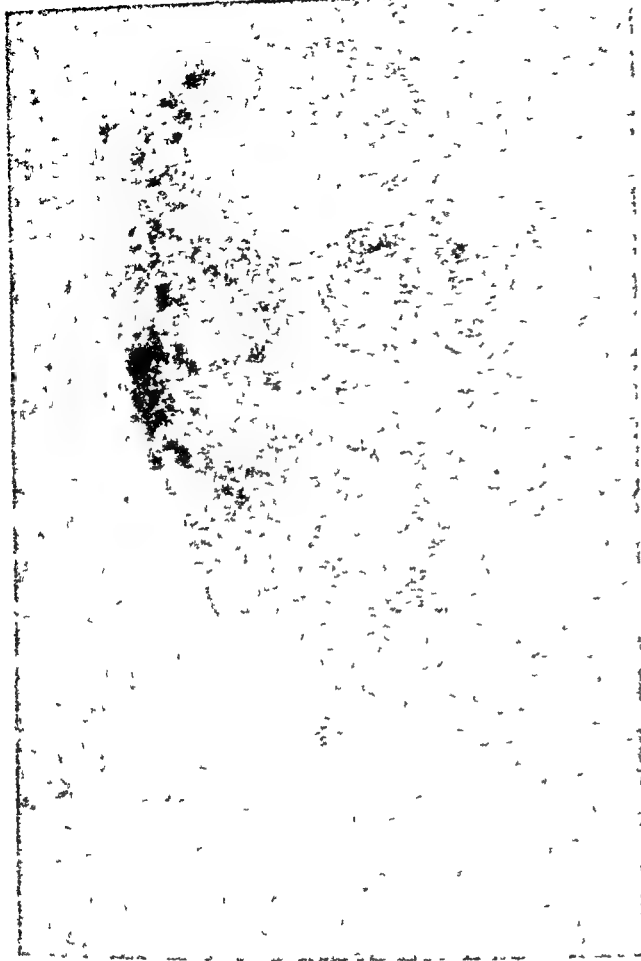
શ્રી બ. કા. મહેતા
૪ શીતવારિ ગૃહોના સર્જક
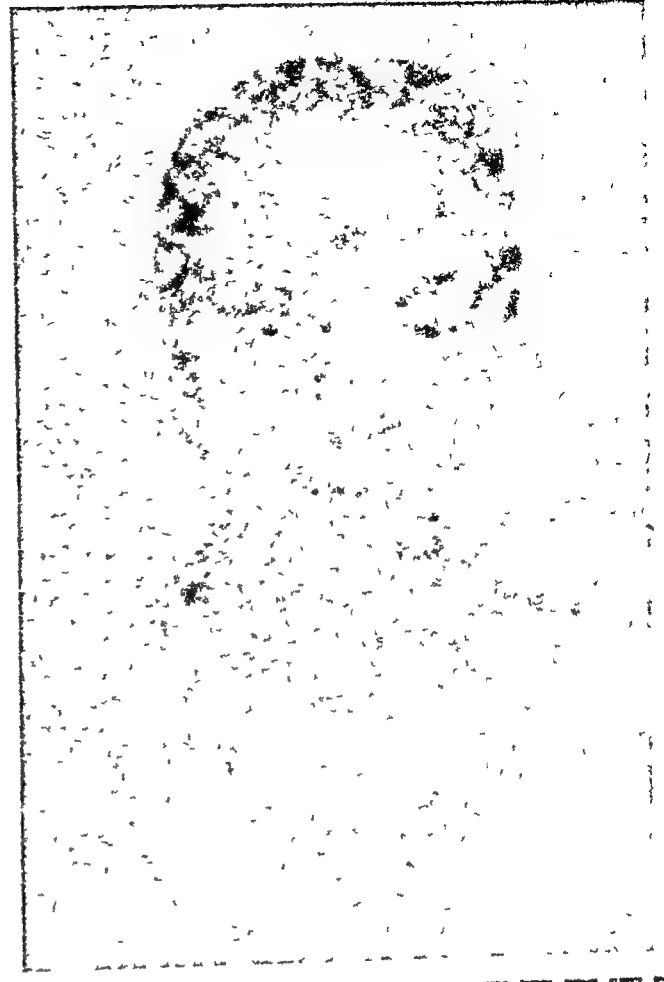
પતિના પગલે જીવન સંગિની રંજનબેન.

'જનની જણજે ભક્તજન, કાં દાતા કાં શૂર'.

શીતવારિગૃહ-જોરાવર પેલેસ કોર્ટો, બનાસકાંઠા જિલ્લા સંહાયક ફંડ ટ્રસ્ટએ કુશળ કારીગરો પાસે, ખ્યાતનામ આર્કીટેક્ટ શ્રી દેવવ્રત પી. કોઠારી અને કાર્યશીલ શ્રી જયેશ પી. મીસ્ત્રીના માર્ગદર્શન તળે તૈયાર કરાવી, ઉપરોક્ત સરકારી સંસ્થાઓને સુસચાલન માટે તા. ૯-૮-૯૪, શ્રાવણ સુદ૧એ અર્પણ કર્યા છે. નિત્યે હજારો માણસો ઠંડું સ્વચ્છ જળ પીશે આ વારિ ગૃહો ગુજરાતમાં અદ્વિતિય સર્જન છે. પાલણપુર જવાનુ થાય ત્યારે એ જળપરબ ગૃહો જોવાનું ન ભુલતા. તેનું નિર્મળ જળ પણ પીજો. ને પાલણપુર વિભાગના ખમીરવંતા ધારાસભ્ય શ્રી લેખરાજ બચાની, જિલ્લાના ભુતપૂર્વ સમાહર્તા શ્રી આર. કે. શાહ, સીવીલ સર્જન શ્રી અને સ્ટાફ, પી. ડબલ્યુ ડી. અને એમ ટી.ના કર્મચારીઓનો સ્તુત્ય સાથ રહ્યો. મુશ્કેલીઓમાં રાહ પણ ચીધ્યા, સરસ. સૌને અભિનંદન.

આ ચાર શીતવારિ ગૃહોના દાનેશ્વરીનું નામ છે. શ્રી બ. કા. મહેતા. તેમનાં જીવન સંગિની રંજનબેન [illegible] પ્રેરક રહ્યાં, જનેતા, જનક અને વડીલ ભ્રાતાની સ્મૃતિ ચિરસ્મરણીય બને તે માટેનુ આ ચિરસ્થાયી [illegible] અને માભોમ પાલણપુરનું ઋણ અદા કરે છે. રાષ્ટ્ર ધન્યવાદ. લાખો ધન્યવાદ. - કનૈયાલાલ [illegible]
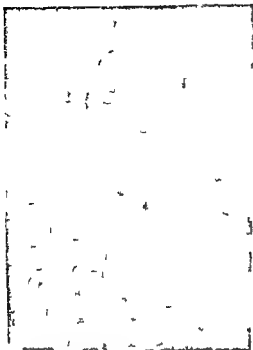
વારિ ગૃહન ૧

સ્વ ચપાબેન રતનચંદ મહેતા (સીવીલ હોસ્પીટલ પાલણપુર) અરિહત શરણ પાલણપુર, દિ ૨૫-૪-૬૪

વારિ ગૃહન ૨અને૩

સ્વ રતનચદ કચરાભાઈ મહેતા (એસ ટી ડેપો, પાલણપુર) સ્વર્ગવાસ મુબઈ દિ ૭-૧૨-૭૫

વારિ ગૃહન ૪

સ્વ રસિકલાલ રતનચદ મહેતા (જોરાવર પેલેસ-કોર્ટ, પાલણપુર) અનતનીયાત્રા દિ ૨૯/૧/૮૯ મુબઈ

---

* ગુજરાતની ભુમિને મુગા પ્રાણીઓને સ્વચ્છ જળ પીવા મળે તે માટે ૮૧ જળપાન ધામો બનાવી અર્પણ કર્યા છે સૈકડો વર્ષ ચાલે તેવા મજબૂત છે સાબરકાંઠાની તીર્થભુમિ મોટા પોશીના ઘાત તાલુકાના ઉંડાણના આદિવાસી વિસ્તારોમાં મહેસાણા જિ ની ઉંઝા પાંજરાપોળ, ડીસા રાજપુર પાંજરાપોળ કે બનાસકાંઠાના વિખ્યાત સનાલી આશ્રમમાં જાઓ ત્યારે જોજો સારી સખ્યામાં અબોલ પ્રાણીઓને પાણી પીતાં જોઈ આનંદ થશે ૧૧૧ના સર્જનનો મારો સંકલ્પ છે
* અવાક પખીઓ હિંસક પ્રાણીઓનો ભોગ ન બને અને રાત્રિના દૂર સખાં પારેવાને પુરતા પ્રમાણમા ચણ મળે તે માટે ભારતના જરૂરિયાતવાળા ગામોને સસ્થાઓને ૧૩૫ પક્ષીચણ ઘરો ભેટ' અપાયા છે બિહારના જમશેદપુરની ખ્યાતનામ આઈ હોસ્પીટલ રાજસ્થાનના સવાઈ માધોપુર મધ્ય પ્રદેશના ઇંદોરથી માંડી ગુજરાત, કચ્છ અને સૌરાષ્ટ્રનાં ગામોમા તે જોવા મળશે હિંદુઓ અને જૈનોના તીર્થોમાં શાળાઓ અને વિદ્યા વિહારોમાં, આશ્રમોમા પછાત ગામડાઓમાં આપ્યા છે અને અપાઈ રહ્યા છે શ્રી પાલીતાણા, ભોયણી રામસણ કટોસણ ઈ જૈન તીર્થોને મહેસાણા જૈન દાદાવાડી મેંદરડા (જુનાગ) દાદાવાડી જતડા (વરાદ) ચામુંડા માતા દેવસ્થાન એટા (ધાનેરા) દેવસ્થાન ઉંઝા ચૌરેશ્વર મહાદેવ મદિર પછાત બાલકોની નવજીવન શાળા મણુંદ, સસ્કાર તીર્થ આજોલ ખ્યાતનામ નરગામ [illegible] વલસાડ, શિવરાજપુર સાર્વ પુસ્તકાલય (પચમહાલ), શાહીબાગ અમદાવાદ સૈજપુર અમદાવાદ સહયોગકુષ્ઠ પુનર્વસન કેન્દ્ર રાજેન્દ્રનગર જિ સાબર. અને શ્રીમતી સોની મેમોરીયલ પક્ષી હોસ્પીટલ રાજકોટ સુધી પહોંચ્યા છીએ ૧૫ ફુટ ઉચાં મજાનાં પક્ષીચણ ઘરો બધે ઉભા થઈ રહ્યા છે પુષ્કળ ચણ નખાય છે લાખો અગણિત પારેવા ચણ પામે છે મેં નવો સંકલ્પ ૨૦૦નો લીધો છે વ્હેલા યોગ્ય અરજી કરનારાઓને જરૂર મળશે તેવી હૈયા ધારણ આપતા મને અતિ આનદ થાય છે

– કનૈયાલાલ દુર્લભરામ ભણસાલી

ભારતના ગામો ને ૧૨૫ પક્ષીચણઘરો દાનેશ્વરીઓ "ભેટ" આપે છે. : ધન્ય કરુણાભાવ

⇦ રૂા. ૫૦,૦૦૦/-
જીવદયા જ્યોતિર્ધર આચાર્યશ્રી પ્રભાકર સૂરિજી (બોરીવલી)ની પાવન પ્રેરણાથી. આ વર્ષે મદ્રાસથી તેઓશ્રીના ભક્તજનના પ્રયાસથી ૧૦૦ પક્ષી ચણ ઘરોનું અનુદાન મળશે.

પૂ. મધુલતાશ્રીજી મ.સા.ના શિષ્યા ⇨
પ્રખરવક્તા સાધ્વીશ્રી કેવલ્યરત્નાશ્રીજીની (મુંબઈ) પ્રેરણાથી ૨૫ ચણઘરો 'ભેટ' અપાવશે.

યશોરત્નસૂરિશ્વરજી મહારાજ સાહેબ
જીવદયા પ્રેમી શ્રાવકરત્ન
કનૈયાલાલજી ભણસાલી,

અહિંસા, દયા, જૈન ધર્મનું મહત્વનું અંગ છે. જીવ માત્ર પ્રત્યે દયા, અનુકંપા એ દરેક જૈનનું લક્ષણ છે. જેમ થર્મોમીટરમાં પારાનું મહત્વ છે, તેમ જીવમાત્ર પ્રત્યેની દયા આત્મા માટે મહત્ત્વ ધરાવે છે. નિર્દય વ્યક્તિને રાક્ષસની ઉપમા આપી છે. અનુકંપા વગરનો જન દાનવ છે. જેના રોમેરોમમાં કરૂણા,દયાનું ઝરણું વ્હેતું હોય તે નરનારાયણ છે. વ્યક્તિ ભગવાન છે અને જીવ શિવરૂપ છે.

શ્રી શાંતિનાથ ભગવાને પૂર્વ ભવમાં મેઘરાજ રાજાના ભવમાં ઉત્કૃષ્ટ કરૂણા ભાવથી એક કબુતરને જીવતદાન આપ્યું હતું. જેનાથી તીર્થંકર ગોત્ર બાંધ્યું હતું. જે બધા જાણે છે. મહાત્મા બુદ્ધ ભગવાને હંસના પ્રાણ બચાવ્યા હતા. મોક્ષ માર્ગ માટેનો પ્રથમ દરવાજો, આત્મ વિકાસની દૃષ્ટિએ અહિંસા, દયાનો છે.

આપ જે ઉત્સાહ, નિષ્ઠા, લગનીથી જીવદયા માટે કાર્ય કરો છો, તે પ્રશંસનીય, મહાન છે. આ કાર્ય માટે આપને હાર્દિક અભિનંદન. ક્યારેક દિલ્હી પધારો તો ચાંદની ચોકના 'પક્ષી સેવા કેન્દ્ર'ની મુલાકાત અવશ્ય લેજો. જે વિશ્વમાં પ્રથમ કમાંકે છે.

રૂા. ૩૭,૦૦૦/-
સ્વ. આચાર્યદેવ શ્રીમદ્ વિજયરામચંદ્ર સૂરિશ્વરજીના સંયમ જીવનની અનુમોદના અર્થે. શ્રી મોતીશા લાલબાગ જૈન સંઘ (ભૂલેશ્વર) મુંબઈ તરફથી.

રૂા. ૫૦,૦૦૦/-
જીવદયાના વિરલ કામમાં ઓતપ્રોત સાધ્વી રત્ન શ્રી પદ્મયશાશ્રીજી (અમરેલી) ના પુનિત શ્રમથી.
આ વર્ષે બીજાં ૧૦ પક્ષીચણ ઘરો મળશે

રૂા. ૫૦,૦૦૦/-
૧ કરોડ નવકાર મહામંત્રના આરાધક મધુકાન્તાશ્રીજી તથા પાર્શ્વનાથ ભગવાનની આરાધનાના ઉપાસક મધુલતાશ્રીજીની પાવન પ્રેરણામાં.

રૂા. ૨૫૦૦૦/-
પન્યાસશ્રી વિમળભદ્ર વિજયજી (ડોલાવાળા) ના સદ્‌પ્રેરણાથી, મુંબઈ આ વર્ષે ૧૦ ચણઘરો મળશે.

રૂા. ૨૫૦૦૦/-
પુણ્યશ્લોક સાધ્વીશ્રી વસંતશ્રીજીના પુનિત સ્મરણમાં, શિષ્યારત્ન પ્રેરક પ્રયાસથી.

રૂા. ૩૫૦૦૦/-
ગચ્છાધિપતિશ્રી ભુવન ભાનુ સૂરિશ્વરની સ્મૃતિમાં આચાર્ય શ્રી રાજેન્દ્ર સૂરિશ્વરજી તથા સાન્તાક્રુઝ જૈન સંઘના અનુકંપાના ખાતેથી

ભારતની ધરતીમા આપ પેદા જન્મ્યા છો એની માટીથી આપનો પીંડ બધાયો છે પનોતી ધરતીના પનોતા પુત્ર/પુત્રી છો આ પ્યારી ધરતી માતાનુ રૂણ ફેડવા તત્પર હશો આ સેવા યજ્ઞમા આપનો ઉદાત હાથ લબાવીને પુણ્યનુ ભાથુ બાંધજો જીવનને ધન્ય ધન્ય બનાવજો તૃષ્ણા પર પૂર્ણ વિરામ મૂકી જીવનની સાર્થકતા સમજીએ

– કનૈયાલાલ ભણસાલી

પરબો મંડાવો પુણ્ય કમાવો.

બનાસકાઠા એટલે અનન વેરતો રેતાળ વિસ્તાર, અને બનાસકાઠા એટલે પાણીની કારમી અછતનો મુલક, આવા પ્રદેશમા પરબ એટલે અમૃત વીરડી પાણી એટલે જીવન નિત્યના હજારો પ્રવાસીઓની શીતળ જળથી પિપાસા સતોષવા પ્રતિ વર્ષ લમો પરબોનુ આયોજન થાય છે તીર્થ સ્થાનો, નિશાળો, ૨ ભાલયો એસ ટી સ્ટેન્ડો જ્યા અસખ્ય માણસોની અવરજવર થાય છે, ત્યા પરબો જનસમાજ માટે અમૃત વીરડીઓ છે

(૧) જૈન મહાતીર્થ શખેશ્વરમા મીઠા પાણીની
પરબ ચલાવવાના રૂા ૫૦૦૦ (આજે ત્યા ૪ વાર્ષિક પરબો ચાલે છે)

(૨) ભારતના પ્રસિધ્ધ તીર્થધામ અનાજીમા વાર્ષિક
પરબ ચલાવવાના રૂા ૩૫૦૦ (આજે ત્યા ૧૦
વાર્ષિક પરબો ચાલે છે)

(૩) મીઠા પાણીની વાર્ષિક પરબ ખારા યા રણ પ્રદેશમા
ચલાવવાના રૂા ૩૦૦૦

(૪) વાર્ષિક પરબ એસ ટી સ્ટેન્ડ, દવાખાના કે સ્કુલ
પાસે ચલાવવાના રૂા ૨૫૦૦

(૫) ઉનાળામા મીઠા પાણીની પરબ ખારા યા રણ
પ્રદેશમા બેસાડવાના રૂ ૧૫૦૦

(૬) એક પરબ ઉનાળા પુરતી બેસાડવાના રૂા ૧૦૦૦

(૭) ૧૮૦ કિલો વજન, ઉચી કતમના લોખડનુ, સદી ટકે એવુ 'પક્ષી ચણ ઘર' ભારતના જરૂરિયાતવાળા ગામને ભેટ અપાવવાના રૂા ૫૫૫૫

(આઠ માસમા ૧૨૫ આપ્યા છે બીજા ૨૦૦નો સકલ્પ છે)

ચબુતરા દત્તક લો • અનુકપા ધર્મ બજાવો

આર્ય સસ્કૃતિ અને જૈન પરપરામા ચબૂતરાનુ સ્થાન, એનુ ભાવાત્મક સ્થાપત્ય અને અનુકંપાની ફીલસુફીના કારણે અગ્રીમ છે ૧૫ મી જાન્યુ ૧૯૮૭થી મેત્રાણા જૈન તીર્થનો ચબૂતરો 'દત્તક' લઈ પ્રવૃત્તિનો શુભારભ કરેલો પચાશેક ચબૂતરાઓ ત્યારે 'દત્તક' લીધેલ ત્યાર પછી આ પ્રવૃત્તિએ સારો વેગ પકડ્યો છે પ્રત્યેક ચબૂતરે નિત્ય ૩ કિલો ચણ નાખવાની સુવ્યવસ્થા છે સ્થાનિક ૩ વ્યક્તિઓની સમિતિ દ્વારા આ કામ ચાલે છે

ભગવાને રિધ્ધિ સિધ્ધિ આપી છે તેમાથી જે જીવદ યાર્થે ખર્ચાશે, તેનાથી માનવતાના, દયા ધર્મના મોંઘેરા ફૂલો ખીલી ઉઠશે આજ પર્યંત રૂા પાચ લાખનુ ચણ નખાયુ છે

(૮) દત્તક ચબૂતરે ૧૨ માસ, નિત્યે ૩ કિલો ચણ નાખવા
માટે રૂા ૬૦૦૦
(૬ માસ માટે રૂા ૩૦૦૦ આજ પર્યંત ૫ લાખનુ ચણ નખાયુ છે)

(૯) 'શ્વાન રોટલા ઘર'મા ૫૦ કે વધુને જમાસ રોટલા
ખવરાવવાના રૂા ૪૦૦૦

(૧૦)સેંકડો વર્ષ ટકે તેવા સીમેન્ટ, પત્થર લોખડના એક
જળપાન ધામના રૂા ૮૫૦૦

- દાતાએ પુરુ સરનામુ તથા ટેલિફોન નંબર લખવો
- પરબ કે અન્ય પ્રવૃતિ પ્રેરણા આત્મપ્રેરણાર્થે કરવાની હોય તો સ્વર્ગસ્થનુ પુરૂં નામ તથા વતન જણાવવું, ત્યાં બોર્ડ મુકાય છે સ્થળ અને પ્રવૃતિની દાતાને જાણ કરાય છે
- દાન કરમુક્ત છે પૈસા ચેક યા ડ્રાફ્ટથી પણ આપી શકાશે. બનાસકાંઠા જિલ્લા સહાયક ફંડ ટ્રસ્ટ ને નામનો ચેક લખવો.

શ્રેષ્ઠી વર્યોની અમી નજરે

૧. આદરણીય કનૈયાલાલભાઈ,

ઘણા સમયથી ખૂબ સુંદર કામ કરી રહ્યા છો. તે હું સારી રીતે જાણું છું. દૂર દૂરથી પણ તેની ખૂબ અનુમોદના કરૂં છું. તમે જે સુંદર કામ કરી રહ્યા છો તેમાં સુચનો કરવાની કોઈ જરૂર જ નથી એમ હું માનું છું.

અમદાવાદ, તા. ૨૦-૭-૯૨

લી. શ્રેણીકભાઈ કસ્તુરભાઈના વંદન

(શ્રી શ્રેણીકભાઈ કસ્તુરભાઈ શેઠ ભારતભરમાં પથરાયેલી 'આણંદજી કલ્યાણજી'ની પેઢીઓના મેનેજીંગ ટ્રસ્ટી છે, અને ભારતના જૈન સમાજના નગરશેઠ છે, સન્માનીય છે. તેઓશ્રીની શુભકામનાઓ સેવાકાર્યોમાં નવાં તેજ પાથરશે.)

૨. (પાલણપુર સ્થાનકવાસી પ્રગતિશીલ જૈન સમાજના વર્ષો પર્યંતના અગ્રણીય માર્ગદર્શક, ભૂતપૂર્વ પાલણપુર રાજયના નામાંકિત ન્યાયાધીશ, અતિ તેજસ્વી કારકીર્દિ ધરાવતા એક સજ્જન માનવ, આજે વીલેપાર્લામાં નિવૃત્ત જીવન વીતાવતા શ્રી ગીરધરલાલ ફોજાલાલભાઈ ચોકસીએ તા. ૪-૨-૭૮ એ એક જાહેર સભામાં કરેલ પ્રવચન, જે એક બુક લેટમાં પ્રસિધ્ધ થયેલ છે તેમાંથી ઉદ્ધૃત)

''શ્રી કનૈયાલાલ ભણસાલીને હું વર્ષોથી ઓળખું છું. સાલસ સ્વભાવ, વિનયી વર્તાવ, સર્જન શક્તિ, ધીરજ, અજબ કાર્યશક્તિ, પુરૂષાર્થ અને આત્મશ્રધ્ધા એ તેમના સફળ જીવનની ૭ મુખ્ય ચાવીઓ છે. વીમા ક્ષેત્રે ભારતભરમાં ખૂબ ખૂબ નામના તેમણે પ્રાપ્ત કરી છે.

શ્રી ભણસાલીને કદિ નાનું કામ ગમતું નથી. તેમની દરેક પ્રવૃત્તિ 'હરણ ફાળ' જેવી હોય છે. ગમે તે ક્ષેત્રે તેઓ પ્રથમ રહેવાનું જ હંમેશાં પસંદ કરે છે. તેઓ સેવાની અનેકવિધ પ્રવૃત્તિઓ વર્ષોથી કરે છે. રાહત પ્રવૃત્તિઓના તેઓ 'પ્રાણ' સમાન છે. એકલા હાથે આ બધી પ્રવૃત્તિઓ જૈફ વયે તેઓ કઈ રીતે પાર પાડે છે તે, મને સમજાતું નથી.

તેમનામાં શક્તિઓનો ભંડાર છે. તેઓ ગજબની વ્યવસ્થા શક્તિ ધરાવે છે. તેમની સાહસિકતા અને સેવાની અગમ્ય ભાવના બદલ હું તેમને સાચેજ મુબારકબાદી આપું છું, અને તેમના પ્રવૃત્તિશીલ જીવન બદલ તેમને ખૂબ ધન્યવાદ આપું છું.

નિરાશા કે નિષ્ફળતા જેવો શબ્દ તેમના શબ્દ કોષમાં છે જ નહિ. તેઓ સદા આશાવાદી અને ભારે મહત્વાકાંક્ષી છે, ને તે રીતે તેઓ જીવન જીવે છે. તેમનામાં રહેલી વિશેષ એક વિશિષ્ટ શક્તિનો આ તકે ઉલ્લેખ કર્યા વિના હું રહી શકતો નથી. તેમનામાં અજબની લેખન શક્તિ છે. તેમની કલમ પર હું મુગ્ધ છું. તેમની તેજસ્વી અને જોમીલી કલમથી પાલણપુરની પાંજરાપોળ માટે સને ૧૯૬૫ના વર્ષમાં તેઓએ લખી આપેલ એક વિજ્ઞપ્તિથી અમને ચાર લાખ રૂા. ના દાન મળ્યાં હતાં. તેમની આ વિરલ અને કુદરતી બક્ષીશ શક્તિઓને જનતા કેમ વિસરી શકે?''

૩. જૂના પાલણપુર રાજયના સમર્થ વઝીર અને ડે. પોલીટીકલ એજન્ટ સ્વ. રાવસાહેબ શ્રી મણિલાલ ભાઈચંદભાઈ મહેતાએ લખ્યું છે: ''કનીભાઈ જે કાર્યો કરી રહ્યા છે, તે આજથી નહિ, પણ વરસોથી, તેમના બધાં કામો કુદરતી પ્રકાશે છે. દુઃખી, પીડાતા, ભુખે ટળવળતા તેમને ઘણા આશીર્વાદો આપે છે. તેઓ પુણ્ય ઘણું બાંધે છે. અનેક શુભ રાહતની પ્રવૃત્તિઓમાં મશગુલ રહેવું, બનતી બધીજ સેવા આપવી એ તેમના કોઠામાં છે''.

૪. પૂ. મુનિશ્રી સ્વ. સંતબાલજીએ શિયાળથી તા. ૧૪-૧૦-૬૭ના એક પત્રમાં લખ્યું છે : 'આટલી બહોળા પ્રમાણની રાહત પ્રવૃત્તિઓ સંતોષ આપે છે. જ્યાં કોઈ રાહત પ્રવૃત્તિઓ વ્યવસ્થિત કરતું ન હોય ત્યાં, ભાઈશ્રી ભણસાલીજી આટલી ઊંડી લાગણી સાથે કરતા રહે તેને તે પુરતા તો ધન્યવાદ આપવા ઘટે'.

૫. ગુજરાત રાજ્યના શહીદ મુખ્યપ્રધાન શ્રી બળવંતરાયભાઈ મહેતાએ લખ્યું છે : 'શ્રી ભણસાલીએ જે કામ કર્યું છે, તે માટે તેમની જેટલી પ્રશંસા થાય તેટલી ઓછી છે. તેમણે જે સેવાઓ આપી છે, તે બદલ તેમને જેમ તેટલું મા આપીએ તે પણ ઓછું છે.''

૧૭ બનાસકાંઠા આર્ટસ અને સાયન્સ કોલેજના ભૂતપૂર્વ પ્રીન્સીપાલ સંસ્કારમૂર્તિશ્રી નટવરલાલ યાજ્ઞિક અમદાવાદથી તા ૨૧-૭-૯૨એ લખે છે આપની વિશાળ ક્ષેત્રને આવરી લેતી સહાયક પ્રવૃત્તિથી હુ ઘણો જ પ્રભાવિત છુ માત્ર માનવ જ નહિ, પણ મુગા પ્રાણીઓ, પશુ પક્ષીઓ સુધી તેમની પ્રવૃત્તિઓ વિકસાયેલી છે, જિલ્લાને જેવા સેવકની ખરી જરૂર છે તેવા તેઓશ્રી એક છે, એ નિઃસદેહ છે જિલ્લાની ગરીબાઈમાટે મળતી સહાયોમાંથી બટકા ખાઈ જનારાઓનો તોટો નથી, ત્યારે તેઓના જેવા વિરલ પુરુષો જ નિસ્વાર્થ ભાવે, ગાઠનુ ઘસાઈને પણ સેવા કરે છે અને તે પણ આટલા વિશાળ પાયા પર વિસ્તરેલી પ્રવૃત્તિઓ ચલાવે છે એ કેટલી મોટી સતોષની વાત ગણાય હુ તેઓની પ્રશસા નથી કરતો ''સત્યને પ્રશસાની જરૂર જ નથી મારા હૃદયમા તેમના માટે જે છાપ અકિત થઈ છે, તેજ વ્યક્ત કરુ છુ ''

૧૮ જીવન વીમા નિગમના વિકાસશીલ ભૂતપૂર્વ અધિકારીશ્રી બલવંતભાઈ કાપડીયા લખે છે ''ભણસાલીની સેવા પ્રવૃત્તિઓથી હુ માહિતગાર છુ તેઓનુ કાર્ય ઉમદા છે વિમાક્ષેત્રે અલૌકિક સફળતા મેળવતા જ રહે છે અને સાથે સાથે સમાજ ઉપયોગી જવલત કાર્યોમા પણ સમય અને પૈસા આપતા રહે છે એ સ્તુત્ય છે જૈફ વયે નિરોગી છે અને કાર્યરત છે એ તેમની સેવાનુ ફળ તેઓને ઈશ્વરે આ ભવમાજ આપ્યુ છે ગરીબોની સેવા એજ ખરેખર પ્રભુ સેવા છે ''

ધન્યતાના પગલે પગલે

૧ મુબઈના કોટ વિસ્તારમા આવેલી જીવન વીમાની શાખા ન ૯૨૧મા ચાલુ સાલની ૧૯મી એપ્રીલે હુ વીમાના કામમા ઓતપ્રોત હતો ત્યા એક તદ્દન અપરિચિત વ્યક્તિએ આવી નોટોનો થોકડો મારી સામે મૂકી, ચાલવા માંડયુ મેં તેમને રોકયા નામ પુછયુ 'હુ મારૂ નામ આપવા માગતો નથી હુ તમારા કામથી પ્રભાવિત છુ પાચ હજાર રૂ સેવાના કામમા વાપરજો ' આટલુ બોલી એ ચાલતા થયા ત્યા બેઠેલા સૌ આ અનોખુ દૃશ્ય નિહાળી અચબામાં ગરકાવ થઈ ગયા

દિલાવરતાનાં સૌને દર્શન થયાં

૨ મારા નિવાસસ્થાને ૩૦મી એપ્રીલે ટેલીફોનની ઘટડીનો રણકાર થયો ફોન ઉપાડતા સામેથી અવાજ આવ્યો 'હુ કલકત્તાથી બોલુ છુ તમને ૧૧ હજાર રૂ આપવા માગુ છુ પૈસા તમને ત્યા મળી જશે છેલ્લા ચાર વર્ષથી આ સજ્જન પ્રતિવર્ષ અગિયારહજાર રૂ મોકલે છે ,

ધન્ય દિલ ,ધન્ય જીવન

૩ મુબઈની મુળજી જેઠા માર્કેટની ગૌરજ ગલીમા બેસતા અમદાવાદના મેં રમેશચદ્ર જયતિલાલની ફ્રુ નો પત્ર આવ્યો 'માણસ મોકલી ચેક મગાવી લેશો' પહેલી મેના મજુરદિને હુ ત્યાં ગયો 'આવો તમારે કેટલા રૂપિયા જોઈએ છે?' ચાર ચબુતરા અને એક હવાડા માટે રૂ ૧૫,૫૦૦ જોઈએ 'સારૂ' પછી ચેક લખવા સૂચના આપી દરમ્યાનમા હુ તેમને રાહત યોજનાઓનો ખ્યાલ આપતો હતો તરત જ એ બોલી ઉઠયા 'હુ વર્ષોથી તમને ઓળખુ છુ બનાસકાઠામા તમારા જેવી નિસ્વાર્થી સેવા ભાગ્યે જ કોઈ કરતુ હશે પૈસા જોઈએ તો ફરી આવજો'

ઉદારદિલ કદરદાન વ્યક્તિને સલામ

૪ વર્ષોથી એક ઉનાળુ પરબના પૈસા આપતા એક સજ્જનનો પત્ર આવ્યો હુ તેમને ૧૪મી મેના દિને મળ્યો મે આ વર્ષ માટે રૂ ૧૦૦૦૧ની ટહેલ નાખી 'તમે સરસ કામ કરી રહ્યા છો તમારા કામથી અમે ખૂબ ખુશી છીએ મારા અને મારા સ્નેહીઓ તરફથી તમારી દશ હજાર અને એકની ટહેલને પુરી કરૂ છુ ' દાતા શ્રી જગજીવનદાસ ત્રિકમદાસ જરીવાલા, જિ સુરત સારોલી ના વતની છે, અને ત્રણ દાયકાથી મુબઈના ત્રીજા ભોઈવાડામા જરીનો વ્યાપાર કરે છે

સરલદિલ દિલાવરતા માટે ધન્યવાદ

સને ૧૯૮૫ના વર્ષનો આ એક પ્રસગ છે એક બપોરે હુ ટપાલો જોઈ રહ્યો હતો એક કવર ખોલતા તેમાંથી સો સો રૂ ની ૨૦ નોટો નીકળી કાપલીમા લખ્યુ હતુ 'તમારી સેવાઓ અદ્દભૂત છે સેવાના કામમા આ પૈસા વાપરજો '

ધન્ય ઘડી, ધન્ય દિલાવરતા

૬ મહાવીર જયતિ - ૨૨મી એપ્રીલના દિને અમદાવાદના દૈનિક 'પ્રભાત'ની ઓફિસમાં જવાનુ થયુ સમાચાર વિભાગના સપાદક શ્રી રમેશ લખલાણીને અચાનક પ્રથમવાર મળવાનું થતાં તેઓએ કહ્યું 'અમે ક્નીભાઈ તમને વર્ષોથી ઓળખીએ છીએ આ નિડર પત્રના ખ્યાતનામ તત્રી સ્વ કકલભાઈ કોઠારી અને તે પછી તેમના તેજસ્વી સુપુત્ર સ્વ ગુણવતભાઈનો આદેશ હતો કે 'બનાસકાઠાના અનન્ય સેવાભાવી કાર્યકર શ્રી ભણસાલીની પ્રવૃત્તિઓના વૃત્તાતો વિના સકોચે પ્રસિધ્ધ કરતા રહેજો આજે સેવાની ભાવના ઓસરી ગઈ છે, ત્યારે સુખી સપન્ન જીવન ગુજરતા તમે, બનાસકાઠાના આંસુઓ લુછવા જૈફ વયે રેતાળ પ્રદેશમા જઈ જે ભારે કષ્ટ ઉઠાવો છો, તે જોઈ અમારૂ મસ્તક તમને નમી પડે છે '

દુષ્કાળ રાહત પરિપત્ર નં ૨ તા ૨૧-૫-૧૯૮૬માંથી ઉધ્ધૃત

૧૯. રાજમણિ વિદ્યાલય સનાલી (તા.દાંતા),ના પ્રાધ્યાપક શ્રી વીરચંદભાઈ ડી. પંચાલ, એમ. એ.બીએડ., સિ. એચ. એસ. એસ. સાહિત્ય રત્ન તા. ૨-૪-૯૪ એ લખે છે. : ''પરમ સેવામૂર્તિ, જીવદયા વ્રતધારી મુરબ્બી શ્રી કનીભાઈએ જીવનનો પોણો ભાગ દીનદુઃખી, અનાથ અસહાય માનવો અને અબોલા પ્રાણીઓની સેવામાં વિતાવ્યો છે. તેઓશ્રીની સેવા નોંધ રાષ્ટ્રીય આંતરરાષ્ટ્રીય ઈતિહાસમાં રહેશે. આજે બનાસકાંઠા જિલ્લા સહાયક ફંડ ટ્રસ્ટ વિશાળ વટવૃક્ષ બની શીળી છાંય બન્યું છે. આથી પીડિતોનું પિયર બની અસહાયોનો 'વિસામો' બન્યું છે. આ યશ કનીભાઈને છે. મહામાનવનું કામ 'વામન કનીભાઈએ' કર્યું છે. દઢ મનોબળવાળા માનવી આગળ 'હિમાલય'નું શું ગજું? તેઓશ્રીના જીવનમાં કયારેય નિરાશા એ પ્રવેશ કર્યો નથી. તેમના શબ્દકોશમાં 'અશકય' શબ્દ નથી. તેઓશ્રીના સંકલ્પ આગળ સિદ્ધિ વગર કોઈ વિકલ્પ નથી.

કનીભાઈએ સંકલ્પ કરેલ ૧૧૧ પક્ષીચણઘર બનાવવાનો. આ સંકલ્પ અલ્પ સમયમાં પુરો કર્યો. અગણિત અબોલ જીવોને આશ્રય અને જીવન આધાર સ્થાન મળ્યાં. આ તો પાંખોવાળા જીવો દુર-સદુર સંદેશા પહોચાડ્યા. અમને પણ આશરો જોઈએ. પછી કનીભાઈ ને આ હાકલ ઉઠાવવી જ પડે. સંકલ્પની સીમા વિસ્તારી ૩૧૧ પક્ષીચણ ઘરો બનાવવાની. કનીભાઈ જેવા નિઃસ્વાર્થ, નિરાડંબરી, નિરાભિમાની, નિર્દોષ, નિખાલસ નિસ્પૃહી, નિરામય, નિષ્ઠાવાન, નિરંતર પરિશ્રમી વ્યક્તિનું નેતૃત્વ હોય ત્યાં દાનેશ્વરીઓનો અવિરત પ્રવાહ રહેશે જ.

પક્ષી ચણઘર સર્જનના સંકલ્પોને આવકારું છું. આ સંકલ્પ અને સિદ્ધિઓ વિશ્વમાં પ્રથમ હશે અને રહેશે. કનીભાઈની માનવસેવા, પ્રાણીસેવાની સુંદર અતિ સુંદર પ્રવૃત્તિઓથી હું ખુબ જ પ્રભાવિત છું. ૧૯૬૮થી તો તેમની આ પ્રવૃત્તિનો તાદશ સાક્ષી હું છું. ગુજરાતના ભયંકર દુકાળમાં તેઓશ્રી સાથે રહી સેવા કરવાની મને તક મળી છે. તેને ગૌરવ માનું છું. મુરબ્બી શ્રી કનીભાઈ ઘનાયુ ભોગવી આ મુક પ્રાણીઓ માટે સેવા કાર્યો કરી જીવનના ઈતિહાસમાં અનેરું સ્થાન પામો તેવી પ્રભુ પ્રાર્થના. ■

અખબારોની મીઠી નજરે

''જીવદયા અને અનુકંપા ધર્મના ઉપાસકે માટે પ્રેરણા સ્ત્રોત''

'બનાસકાંઠા જિલ્લા સહાયક ફંડ ટ્રસ્ટના મેનેજીં ટ્રસ્ટી શ્રી કનૈયાલાલ ભણસાલી છેલ્લા ૬૫ વર્ષથી સેવા અનેકવિધ કામો કરી રહેલ છે. જેમાં પાણીની પરબે હવાડા, પક્ષીચણઘરો, શ્વાન રોટલા ઘરો, ગરીબોને કપ અને દવાઓ જેવી માનવતાવાદી સેવાઓનો સમાવેશ થા છે. દાનોમાં શ્રેષ્ઠદાન જીવદયા છે એવા સૂત્ર સાથે [illegible] પ્રવૃત્તિઓને વેગ મળેલ છે. ત્યારે જ તો કરેલા સં[illegible] કરતાં આ આંકડો અનેકગણો આગળ વધી જાય છે. જે અબોલ જીવોના આશીર્વાદ જ ઝળકી આવે છે.

ઉલ્લેખનીય છે કે અબોલ જીવોની સેવાના ભેખધા શ્રી ભણસાલીની આ પ્રવૃત્તિ રાષ્ટ્રીય ફલક પર ઝળ[illegible] માંડી છે, અને તેમાં વેગ આવી રહ્યો છે. જે ભારતી સંસ્કૃતિની એક ઉમદા મિશાલ પુરી પાડે છે.'

દીવદાંડી ડીસા તા. ૨૪-૨-૯

(સાપ્તાહિક્ના બાહોશ તંત્રી છે રમજાન મોલવી. શાબાશ)

ધનભાગ્ય સાબરકાંઠા

★ સાબરકાંઠામાં ૭ નવા પક્ષીચણઘરો

બનાસકાંઠા જીલ્લા સહાયક ફંડ ટ્રસ્ટ દ્વારા સહયો કૃષ્ટ યજ્ઞ ટ્રસ્ટ. રાજેન્દ્રનગર, મોટા પોશીના જૈન પે[illegible] કુંથુનાથ દાદા નમઃ પક્ષીચણઘર ખેડબ્રહ્મા, શ્રી વડાલી [illegible] શ્વે. મૂ. સંઘ, રૂરલ અપલીફમેન્ટ ટ્રસ્ટ, વાઘરોળ ત પ્રાંતિજ, નવજાગૃતિ કેન્દ્ર સંગઠન ગાબટ, શ્રી બા નાગરીક સહકારી બેક, એમ ૭ પક્ષીચણઘરો ફાળવાયા સમાચારે સારાયે જીલ્લામાં આનંદની લાગણી જાગી છે

શ્રી કનૈયાલાલભાઈ જીવદયાભાવવાળો એક સા[illegible] સેવા પ્રતી તરીકે સમગ્ર ગુજરાતમાં અને ગુજરાત બ[illegible] ઉપસી રહ્યા એ ઉત્તર ગુજરાતનું પણ સોનેરી પર્વ પ[illegible] રહ્યું છે.

જય સાબર (મોડાસા) તા. ૨૩-૨-૯

(આ સાપ્તાહિકના કલપબાલ તંત્રી છે,

શ્રી રમણિકલાલ ગાંધી એમ. એ. ધન્યવાદ)

જીવદયાના પરમ ઉપાસક જૈનાચાર્ય ભગવત શ્રી પ્રભાકરસૂરિજી (આ સાલે ચાતુર્માસ માલેગાવ - નાશીક) ના પરમ શ્રાવક શ્રી કાન્તીલાલ નગીનદાસ શાહએ દિપોત્સવીના અજવાળા સ્વજીવનને, કુટુબને અજવાળે ત્યાં લગીમા મદ્રાસમાથી ૧૦૦ પક્ષી ચણઘરોના અનુદાનો મેળવવાનો સ્તુત્ય 'સકલ્પ' કર્યો છે બનાસકાઠાના થરાના વતની છે વર્ષોથી મદ્રાસ એમની કર્મભૂમિ બની છે ૨૫ના આકની સિદ્ધિ તો સિદ્ધ કરી દીધી છે જીવદયાના આ મહા કાર્યમાં તેમના ધર્મરાગિણી કંચનબેન અને તેમના કાર્યરત જયેષ્ઠ પુત્ર શ્રી સુકેશનો સગીન સાથ છે ભાવના પ્રજ્વલ્લિત છે પુરૂપાર્થ દોડે છે એકસોનો વિજય સૌના ધન્યવાદને વરશે લાખો અબોલોના આશીર્વાદ પામશે

શ્રી રાધનપુર જૈન દર્શનના કર્મઠ સુત્રધાર શ્રી જીતેન્દ્ર વીરવાડીયા જૈન મૂનિરાજોમા જાણીતા છે અચ્છા કાર્યકર છે સેવા, ધગશઅને સાહસિકતા એમના જીવનમત્રો છે જૈન મૂનિ ભગવતો અને લોક સપર્કથી એક વર્ષમાં ૪૦ પક્ષી ચણ ઘરોના અનુદાનો મેળવ્યાં છે આ સાલે બીજા ૩૫ મેળવવાની પ્રશસ્ય સિદ્ધિ થશે.

૨૦) કોબેથી જાપાન જૈન સંઘના પ્રમુખ અને મોતી મડળના અગ્રણીય સુરતના શ્રી કુલચંદભાઈ ચીમનલાલ કરાણી લખે છે "શ્રી કનૈયાલાલ ભણસાલીની જૈફ ઉમરે પણ કામ કરવાની ધગશ ગજબની છે લોકો પાસે ધનનો સારો ઉપયોગ કરાવે છે પૈસા તો બહુજ મળી રહે, પણ ભારત જેવા દેશમાં તેમના જેવા સેવાભાવી, નિ:સ્વાર્થી અને પરગજુ માનવો મળવા દુર્લભ છે ભગવાન તેમને શતાયુ કરે

૨૧) ધડાદના માજી સરપચ જમાલભાઈ લખે છે બ. જિ સ. ફડ ટ્રસ્ટ ઘણી સુંદર કામગીરી કરે છે ખાસ કરીને અમારા ધાના તાલુકાને સારો ફાયદો થયો છે ગરીબી રેખાથી પણ નીચે કફોડી હાલતમાં જીવન જીવતા આદીવાસી લોકોના હજારો મુંગા પશુઓને સ્વચ્છ પાણી પાવા ૭૪ જેટલા જળપાન ધામો બનાવી આપ્યા છે આ વિરાટ કામની ક્યા શબ્દોમા પ્રશંસા કરૂ? કનીભાઈ નીઅમૂલ્ય ભેખધારી સેવાનો લાભ મળતો રહે તે

માટે અલ્લાહ "તેઓને આરોગ્યપ્રદ દીર્ધાયુ બક્ષે"

• જલપાન ધામોના સર્જનમા જહેમત ઉઠાવનાર કાર્યાલય મત્રીશ્રી પોપટલાલ જોશી, બી એ જી સી. ડી (પાલનપુર) કાર્ય કુશળ શ્રી વીરચંદ ભાઈ પંચાલ, એમ. એ બી. એડ (સનાલી આશ્રમ) અને ભાવનાશીલ કાર્યકરશ્રી લક્ષ્મણસિંહ ચૌહાણ, બી એ. બી એડ. (સનાલીઆશ્રમ) ધગશવતા કાર્યકર શ્રી જમાલભાઈ મનસુરી (ધડાદ) આચાર્ય શ્રી હીરાભાઈ પરમાર (મુમનવાસ) આચાર્ય શ્રી ડાહ્યાભાઈ ગોરીવાડીયા, બી એ. બી એડ (સામઢી) -પ્રવૃતિશીલ શ્રી નટુભાઈ બ્રહ્મભટ (અબાજી) કાર્યશીલ શ્રી અમૃતલાલ કે રાઠોડ (ધનાલી) શ્રી શંખેશ્વરના સનિષ્ઠ વેપારી, શ્રી હનુજીભાઈ એલ જાડેજા તથા આરસની તકતીઓના સર્જક શ્રી મોહનલાલ આર ચાવડા (પાલણપુર) ની સેવાઓ પ્રશંસનીય છે તેઓના સહકારથી ચિરસ્મરણીય સ્મારકો (જલપાનધામો) તૈયાર થયાં છે શાબાશ !

દાનની સુવાસ પ્રસરાવવા માટે

આ પૂર્તિની દશ હજાર પ્રતો છે તેમા ૪૧ તસવીરો પ્રસિદ્ધ થઈ છે ભારત (મુંબઈ, મદ્રાસ, કલકત્તા, દિલ્હી, બેંગ્લોર, સુરત, નવસારી, વડોદરા, અમદાવાદ અને સેંકડો ગામડામા) તથા વિદેશ (અમેરિકા, જાપાન, પૂર્વના દેશો, એ ટવર્પ, લડન, કેપ ટાઉન, બેંગકોક ઇત્યાદિ) મા જશે. એક અદાજ મુજબ ટ્રસ્ટના પરિપત્રનો વાચક વર્ગ બે લાખનો છે ગામડાઓમા જતી પૂર્તિઓ ઉપયોગીતાના સબબે સારો સમય સચવાય છે અને બહુજનો તે વાચે છે

લાખો અને કરોડના દાનોની સુવાસ આવશ્યક પ્રસિધ્ધિના અભાવે સીમાડા પુરતી મર્યાદિત બની જાય છે ત્યારે આ ટ્રસ્ટને અપાતાં દાનો મોટા કે નાનાં પણ પ્રસિધ્ધિની કળાના કારણે ઘણાને આકર્ષે છે પ્રેરણા પણ પામે છે

સાડા છ દાયકાથી બનાસની વેરાન ધરતી પર એક સેવા મુમુક્ષે સેવાનો યજ્ઞ ધણધણાવ્યો છે. રાહ. પ્રવૃત્તિઓના તેઓ પ્રણેતા છે. તેઓએ માનવ પશુ પક્ષીઓ અને શ્વાન સેવાઓનું વ્રત સ્વીકાર્યુ છે. એ ધારા ૫૨ વર્ષોથી તો વર્ષે ૨૫૦ પરબોનું આયોજન કરે છે. ધખતા ધોમમાં જળ પ્રપાઓ અમૃત વીરડીઅ હજારો ઉકળતા કાળજાંઓને ટાઢાં કરે છે, અમી પાએ છે. ભારત ભરમાં બેનમૂન આ પ્રવૃત્તિ પાંચ દાયકામ વટવૃક્ષ સમી ફાલી છે.

ને છેલ્લાં ૭ વર્ષમાં ઢોરો માટે ૯૧ જળપાનધામો (હવાડા) તૈયાર કરાવી ગુજરાતનાં ગામડાઓને અર્પ. કર્યા છે. તેનાં નિર્મળ પાણી હજારો અબોલ પશુઓને પીવા મળે છે.

ને સેવાના આ ભેખધારીએ પોતાના સેવાક્ષેત્રને જોતજોતામાં બે વર્ષમાં ખૂબ વિકસાવી દીધું. ગુજરાતન સીમાડાઓ વટાવી, ભારતની ધરતીને તેઓ હવે ચૂમી રહ્યા છે. મુંગાં જીવો માટે, અગણિત પારેવાંને સુગિ પોષવા માટે પક્ષીચણઘરો (એકના રૂ. ૫૫૫૫) જરૂરિયાતવાળા સૌને મફત આપે છે. આઠ માસમાં ૧૨૧ ચણઘરો ભેટ આપ્યાં છે. તેમની ઝડપ જોતાં, દાનવીરોનો સંગીન સાથ જોતાં આ આંકડો બે ત્રણ વર્ષમાં ૫૦૦ને આંબે તો નવાઈ નહિ. એક જૈન મૂનિ મહારાજશ્રીએ તેઓશ્રીના કાર્યનું ગતવર્ષે મૂલ્યાંકન કર્યુ હતું

"ખરેખર તેમનો જે આત્મા છે, તે પૂર્વભવે કુમારપાળમહારાજાનો જીવહશે, ત્યારે જ આટલા મોટા પ્રમાણમાં જીવદયાની પ્રવૃત્તિ કરવાનું મન થાય."

આવાં નકકર સંગીન કામો ભાગ્યેજ થતાં હશે.

આ પ્રવૃત્તિઓના આત્મા છે પાલણપુરના શ્રી કનૈયાલાલ દુર્લભરામ ભણસાલી.

- તંત્રી : શ્રી જીતેન્દ્ર વિરવાડીયા, રાધનપુર જૈન દર્શન, મુંબ

જીવ દયાના ઉપાસકો ભારતનાં જરૂરિયાતવાળાં ગામોને ૧૩૫ પક્ષીચણઘરો ભેટ આપે છે.

૧૩૫ પક્ષીચણ ઘરો ફાળવ્યાં છે. ન લઈ ગયા હોય તેઓ પાલણપુરથી લઈ જવા પત્રો પાઠવાશે. નવો સંકલ્પ ૨૦૦ છે. કાર્તિક પૂર્ણિમા સુધી જે અનુદાનો મળશે, તેટલાં બીજ ચણઘરો ફાળવાશે. ક્રમવાર નંબરો અત્રે લખ્યા નથી. એક પ્રદેશના, એક વિભાગના કે એક શહેરના દાતાઓને પોતા પક્ષી ચણઘર કયાં છે, તે સેજમાં જાણવા મળે તે રિતે નંબ ગોઠવાયા છે. છતાં ફરીયાદ આવકાર્ય છે.

પ્રારંભમાં એક પક્ષી ઘરના દાતા પાસેથી રૂ. ૫ હજા લેવાયા છે. ચાલુ સાલે સરકારે લોખંડની જકાતમાં વધારો ક છે. સીતમ મોંઘવારીના સબબે કારીગરોના ભાવો પણ ઉંચે ગ છે. આ કારણે ન છુટકે એક પક્ષી ચણ ઘરના રૂ. ૫૫૫ કરવા પડયા છે.

હવેથી ચણ ઘરનું થાળું ૫ ફુટનું આવશે. ચણઘર ૧૮ કિલો ઉંચી કસમના લોખંડના ફોર્લીંગ બને છે. તે ૧૫ ફ ઉંચું છે. આસમાની રંગે રંગાય છે. તેમાં સુસગવડો છે. દરે દાતાને ચણઘરનો ફોટો વિના મુલ્યે મોકલાશે. સૌની દિલાદર માટે ધન્યવાદ
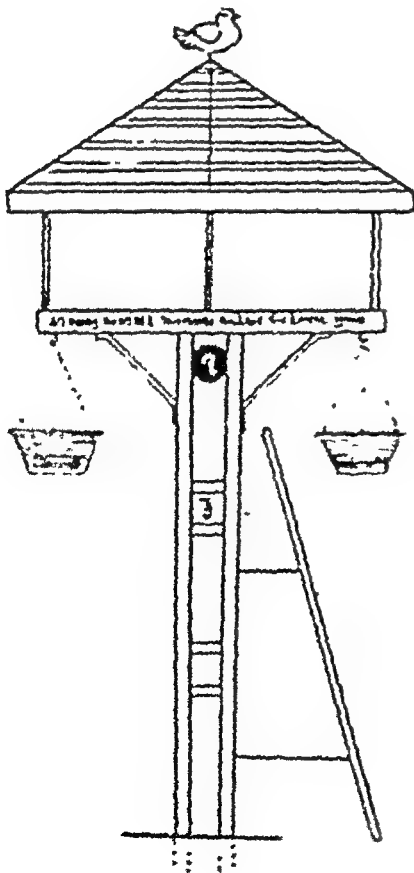
ડૉ સદીપ કનૈયાલાલ ભણસાલી
જવલંત કારકીર્દિ : ઉજવળત્તમ પાસા

★ જન્મ પાલણપુર, દિનાક ૧૪-૭-૪૯

★ અકલ્પ્ય મોતભક્ષી લોનાવાલા, દિ ૭-૫-૯૪ પર્વતારોહણ-હાર્ટએક

★ સ્મશાનયાત્રા મુબઈ, ૯-૫-૯૪

અતિ તેજસ્વી કારકીર્દિ

★ જે જે મુબઈ માથી એમ બી બી એસ થયા

★ ૧૯૭૩માં વિદેશગમન અમેરીકામા એમ ડી થયા પ્રથમ પકતિના ડૉકટર બન્યા ઈન્ટરનેશનલ મેડીશીનની પરીક્ષા પણ પાસ કરી, છેલ્લે ગયા વર્ષે જુરીઆટીકની ઉચ્ચત્તમ પરીક્ષામા ઉત્તીર્ણ થયા અમેરીકાના ૨૧ વર્ષના વસવાટ દરમ્યાન વ્યવસાયનુ અગાધ જ્ઞાન પ્રાપ્ત કર્યુ ડૉકટરોની પરીક્ષા માટે પરીક્ષક તરીકે વરણી પામ્યા

★ સેન્ટથેરેસે મેડીકલ સેન્ટર (વોકીગન)ના વિદેશના ૨૦૦ ડૉકટરોમા નાની વયના સર્વપ્રથમ ભારતીય પ્રેસીડન્ટ ચુટાયા, અને-'કીર્તિની ટોચે બેઠા

★ સને ૧૯૮૦માં માતા (ઉ ૨૦)ની પુણ્યસ્મૃતિમા પાલણપુરની સીવીલ હોસ્પીટલમા માતબર રકમનુ દાન આપીને 'જયાબેન કનૈયાલાલ ભણસાલી હૃદયશલ્ય ચિકિત્સા વિભાગ' ગુજરાતમાં પ્રથમ શરૂ કરાવ્યો, જે અનેક દર્દીઓ માટે સજીવની સમાન નીવડેલ છે

★ સને ૧૯૮૪મા મા ભોમ પાલણપુરમા હૃદય વિકારની બિમારીઓ માટે ૮ દિવસની શિબિરનુ આયોજન કર્યું, અમેરીકાથી ૮ તજજ્ઞ ડૉકટરો પધાર્યા ૮૦૦ દર્દીઓની ચિકિત્સા કરી સારવાર આપી મા ગુર્જરીનુ ઋણ અદા કર્યુ

★ છેલ્લા પાચ વર્ષથી અમેરીકામાથી ભારતના રકો માટે ધાબળા અને વસ્ત્રો એકઠા કરી તેઓ મોકલતા

★ અમેરીકાના ટી વી પર ડૉ સદીપે ગાયેલું ગીત "પખીડાને આ પીંજરૂ જુનુ જુનુ લાગે બહુ રે સમજાવ્યુ, છતા પખી નવુ પીંજરૂ માગે" ૧૭મી એપ્રીલે પોતાના પિતા પ્રખર લોક-સેવક શ્રી કનૈયાલાલ દુર્લભરામ ભણસાલીની 'સરપ્રાઈઝ બર્થ ડે પાર્ટી ઉજવણી'મા મુબઈની એમ્બેસેડર હોટલમા હૃદયગમ્ય ગીત લલકારી સૌને આશ્ચર્યમા ગરકાવ કર્યા આવા ભાવનાશીલ તેજસ્વી યુવાનની કારકીર્દિના જીવનના અતિ ઉજ્જવળ પાસા અતિ પ્રશસ્ય છે ધન્ય છે એ જીવનને, ધન્ય છે એ અતિ ઉજ્જવળ કારકીર્દિને અમારા સૌના અઝીઝ ડૉ સદીપભાઈને સો સો સલામ

મુબઈ ડૉ અશ્વિન પટેલ, એમ ડી (ચીકાગો)
દિ ૧૧-૫-૯૪ - ડૉ પંકજ ઠાકર,એમ ડી (ચીકાગો
- ડૉ જેરાલ ફ્રેન્ક , એમ ડી (વોકીગન))

પિતા માતાએ સદીપની ૧૮ વર્ષગાઠો ઉજવી સને ૧૯૫૦મા પ્રથમ સાલગીરા. મુબઈના દ્વિભાષી રાજ્યના મુખ્ય પ્રધાનશ્રી મોરારજીભાઈ પાસેથી પરવાનગી લઈ પાલણપુરના પોલો ગ્રાઉન્ડ પર ઉજવી તેમા પાચેક હજાર માણસોએ ભાગ લીધો હતો. તે પછીની સાલગીરાઓ વિવિધ સ્થળોએ ઉજવાયી. વિશેષમા "સદીપ ઈનામી નિબધ હરિફાઈઓ" અમદાવાદના મશહુર અખબાર સંદેશ અને મુબઈના પ્રસિદ્ધ વંદેમાતરમ ઈ. મા આવતી ગુર્જર ભાષાના ઘણા શિશુઓ ભાગ લેતા. સૌને ઈનામો મળતા. એ રીતે સને ૧૦૫૦ના વર્ષથી સદીપના નામથી પણ ઘણા પરિચિત છે આમ સદીપનો ઉછેર અનેરો હતો.

પ્રારભમા જ વર્ષનો અભ્યાસ પિતાએ એક જ વર્ષમા ઘેરે કરાવી, શિશુશાળામા પ્રવેશ અપાવ્યો, તીવ્રતમ બુદ્ધિનો એ શિશુ ૧૨ વર્ષની વયે મેટ્રીક થયો. પછી તો આગળ વધતો જ ગયો.

भाग अष्टम्

विज्ञापन

॥ जय महावीर ॥ ॥ जय नानेश ॥ ॥ जय रामेश ॥

हु शि उ चौ श्री ज ग नाना, राम चमकसी भानु समाना ।

समता विभूति धर्मपाल प्रतिबोधक समीक्षण ध्यानयोगी चारित्र चूडामणि जैनाचार्य श्री श्री 1008 श्री नानालालजी म.सा. एवं तरुण तपस्वी, शास्त्रज्ञ युवाचार्य प्रवर श्री रामलालजी म.सा की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका महासतीजी श्री गुलाबकवरजी म.सा. की सुशिष्या, श्रमणी रत्ना विदुषी महासतीजी श्री चन्द्रकान्ताजी म.सा, प्रखर वक्ता श्री ताराकवरजी म.सा., मधुर व्याख्यानी श्री मनोरमाजी म.सा, सेवाभावी श्री कुसुमकान्ताजी म.सा, तरुण तपस्विनी श्री विजय श्रीजी म.सा., सेवाभावी श्री प्रतिभा श्रीजी म.सा., विद्याभिलाषी श्री मंजूला श्रीजी म.सा., स्वाध्याय शीला श्री प्रमीला श्रीजी म.सा., कोकिलकंठी श्री शर्मिला श्रीजी म.सा., नवदीक्षिता श्री सुविजिता श्रीजी म.सा, नवदीक्षिता श्री सुनेहा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा 11 का वर्ष 1994 संवत 2051 का चातुर्मास छत्तीसगढ की धर्मनगरी, दुर्ग (म. प्र) में हो रहा है। इस वर्षावास में हमारे नगर में ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं तप में अभिवृद्धि हो, यही शुभकामना !

–: शुभेच्छुक :–

शंकरलाल बोथरा
अध्यक्ष
मिश्रीलाल लोढ़ा–दुलीचन्द कर्णावट
उपाध्यक्ष
पृथ्वीराज पारख
मंत्री
ताराचंद कांकरिया–राजेन्द्रकुमार मारोठी
सहमंत्री
श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ, दुर्ग (म. प्र.)

सिरेमल देशलहरा
चातुर्मास संयोजक
मंत्री, राणादीन बोथरा
कोषाध्यक्ष–गौतमचंद बोथरा
भोजन चौका प्रभारी–प्रेमचन्द कांकरिया
आवास प्रभारी–ताराचंद सांखला
प्रचार-प्रसार प्रभारी–मोहनलाल कोठारी
श्री जैन चातुर्मास व्यवस्था समिति,
दुर्ग (म.प्र.)

चातुर्मास स्थल –
श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन भवन
[illegible], दुर्ग
भोजनशाला व आवास स्थल
[illegible] भवन, [illegible], दुर्ग

सम्पर्क सूत्र.–
(1) भंवरलाल सुन्दरलाल बोथरा
[illegible] बाजार, दुर्ग (म.प्र.) फोन नं –322830
(2) घेतमल राणीदान बोथरा
[illegible] बाजार दुर्ग (म.प्र.)
फोन. ऑफिस–320958 घर–[illegible]
एस.टी.डी.–0788

॥ जय महावीर ॥ ॥ जय अजरामर ॥

समाज उद्धारक, शासनोद्धारक जैनाचार्य श्रीमद् अजरामरजी स्वामी के द्वारा नव संस्थापित धर्मसंघ "श्री जैन श्वेताम्बर स्थानकवासी छ कोटि लीम्बडी अजरामर सम्प्रदाय" के अनुशास्ता पूज्य साहब श्री नरसिंहजी स्वामी व पू महाराज श्री रामचन्द्रजी स्वामी ठा 5 का रापर (कच्छ-वागड) में, पू महाराज श्री भावचन्द्रजी स्वामी ठा 4 का रताडीआ-गणेशवाला (कच्छ) में, पू मुनिश्री भास्करजी स्वामी ठा 4 का मुंदारा (कच्छ) में, पू मुनिश्री धर्मचन्द्रजी स्वामी ठा 3 का मगर (जिला-सुरेन्द्रनगर) में और मुनिश्री निरंजनजी स्वामी ठा 2 का जेतपुर (काठियावाड) में चातुर्मास है। इन 20 मुनिराज एवं 259 महासतियाजी सब मिलाकर 279 चारित्रात्माएँ कच्छ-सौराष्ट्र-गुजरात व बम्बई में जहाँ-जहाँ विराजित है, वहाँ ज्ञान दर्शन चारित्र की समुन्नति के साथ तप-त्याग, स्वाध्याय आदि प्रवृत्तियाँ विकासोन्मुख हों, यही मंगल कामना करते हैं—

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित !

卐 पू गुरुदेव श्री भावचन्द्रजी स्वामी आदि ठाणा 4 के सान्निध्य में रताडीआ-गणेशवाला (कच्छ) में निम्नांकित तपस्वी आत्माएँ महान "सिद्धितप" की आराधना कर रही है। देव-गुरुकृपा से उनकी आराधना सानंद निर्विघ्न सम्पन्न हो, यही मंगल प्रार्थना।

卐 पू गुरुदेव श्री का ननिहाल रताडीआ में है। 25 वर्ष के बाद पू गुरुदेव श्री एवं श्री विमलचन्द्रजी स्वामी, मुनिश्री परिमलचन्द्रजी स्वामी, मुनिश्री चिंतनचन्द्रजी स्वामी ठा 4 का चातुर्मास हमें प्राप्त हुआ है। इनमें भी मुनि श्री विमलचन्द्रजी स्वामी व मुनिश्री परिमलचन्द्रजी स्वामी की जन्मस्थली रताडीआ है।

卐 इस चातुर्मास के दौरान ग्रामान्तर से समागत दर्शनार्थी भाई बहनों की साधार्मिक-भक्ति का एवं रताडीआ वीसा ओसवाल जैन महाजन के समय समय पर साधार्मिक-वात्सल्य-स्वामीवात्सल्य का उत्तमोत्तम लाभ यहाँ के स्व दानवीर श्री कल्याणजी गगाजर भगत परिवार हस्ते-सुपुत्र श्री सुरेशभाई ने उठाया है। श्रीसंघ की ओर से उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते है।

सिद्धितप की आराधक आत्माएं

1 तलकशी कानजी छेडा	4 ॥ स्व जवरबहन प्रेमजी फुरीआ
2 अ सौ हेमलता जयंतिलाल छेडा	5 ग स्व साकर बहन लखमशी छेडा
3 अ सौं हंसा हरेशकुमार मामणीआ	6 मणी बहन कानजी छेडा

— सौजन्य —

श्री रताडीआ स्थानकवासी छ। कोटि जैन संघ

संघपति श्री कुंवरजी भारमल छेडा

मु रताडीआ (गणेशवाला) ता मुंद्रा-कच्छ, गुजरात-370410

दिल्ली पर महा उपकारी
श्रद्धेय प रत्न श्री विनय मुनिजी महाराज 'खीचन' का
सारगपुर मे वर्षावास

परम पिता चरम तीर्थंकर महावीर की परम्परा के यशस्वी जैन मत बहुश्रुत ज्ञानी गुरुदेव श्रमण श्रेष्ठ स्व श्री समरथमलजी म सा के पट्टधर घोर तपस्वीराज श्री चपालालजी म सा के सुशिष्य महाप्रभावक, मधुर व्याख्यानी, समठ स्वाभावी, गुन के पक्के, उत्साही, निरन्तर स्वाध्याय शिक्षा म रत रहने वाले, जैन शिक्षण शिविरों के प्रथम प्रेरक, बालकों को धर्म म संस्कारित करने वाले उत्तर भारत (दिल्ली) मे प्रथम प्रवेशक (ज्ञानगच्छीय परम्परा के) प रत्न युवा सत श्री विनय मुनिजी म "खीचन" के चरणो म हम दिल्लीवासियो की कोटि कोटि अभिवन्दना !

स्वाध्याय का शखनाद दिल्ली मे —

लगातार तीन वर्ष तक भारत की राजधानी म महावीर के जिन शासन-सिद्धात की जैसी आगमिक प्रेरणा आपने दी वह अपने आप मे अद्वितीय है। आपने महाउपकार तथा कल्याण का ऐसा कार्य किया जो आज अभी तक यहाँ के स्थानीय साधु-साध्वी नही कर सके। आज जबकि जडता की स्थापना के पीछे लाखो, करोडो रुपये बर्बाद हो रहे है, धर्म का सत्य स्वरूप (दिल्ली जैसे महानगरो म) सिर्फ आगमो म ही शब्द रूप मे बन कर रहता जा रहा है, ऐसे विषम समय म जबकि लोग धर्म के नाम पर सिर्फ जैन कहलाने भर के लिए रह गये है आपने उनम फिर स धर्म का जगाया तथा धर्म की ऐसी चेतना जागृत की कि उसी के परिणाम स्वरूप आज दिल्ली म कई स्वाध्याय मण्डल चल रहे हैं। जीवन मे स्वाध्याय-समता सामायिक का पावन, निर्मल सन्देश दिल्ली प्रात को देकर, भव्य जीवो को आत्म शाति के मार्ग म जोड़कर मुनि श्री दिल्ली से मालवा पधार हैं। दिल्लीवासी मुनि श्री का उपकार कभी भूला नही सकते।

विशेष —दिल्ली मे चार अनुपम, अद्वितीय चातुर्मास करने के उपरान्त इस बार श्री विनय मुनिजी म सा "खीचन" अपनी कर्मभूमि सारगपुर (म प्र) म 16 वे चातुर्मास हेतु विराज रहे है।

पुनश्च —मुनि श्री दीर्घायु हो तथा रत्नत्रय की आराधना मे उत्तरोत्तर वृद्धि करें व चिरकाल तक जिन शासन की प्रभावना करे । यही हार्दिक शुभ मगल कामनाएँ ।

चातुर्मास सम्पर्क सूत्र
श्री अनराज कस्तूरचद्र जैन
पो –सारगपुर जिला–राजगढ (म प्र)–465697
फोन–2397, 2117

प्रेरणा स्रोत के चरण कमलों मे दर्शनाभिलाषी
दिल्ली वासियो को कोटि कोटि वन्दना !
हम हैं आपके श्रद्धालु भक्तजन, दिल्ली